GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY

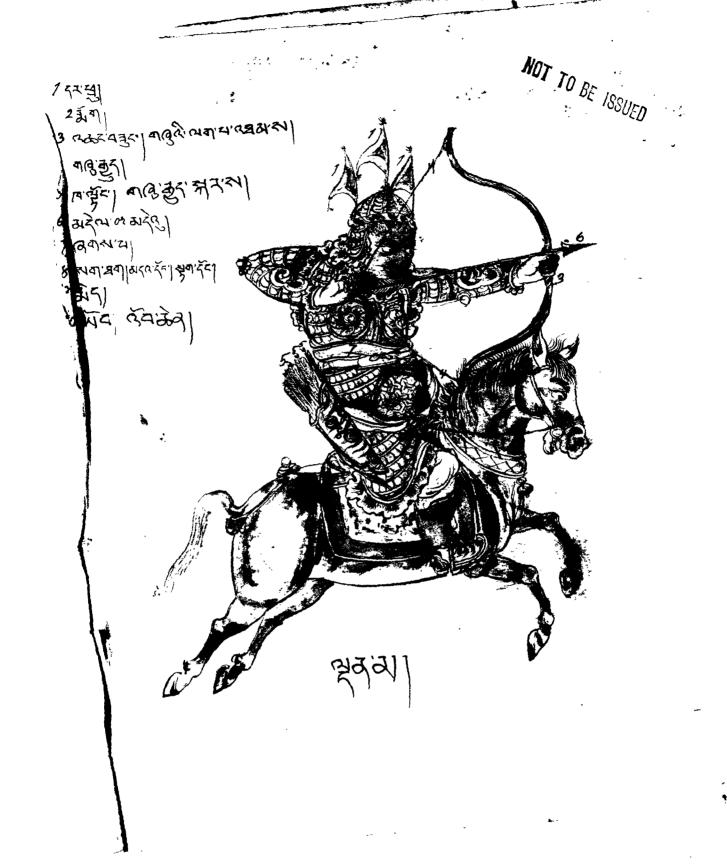
CENTRAL ARCHÆOLOGICAL LIBRARY

951.5/Thon

Call No. 19021

**D.G.A. 79.**GIPN—S4—2D. G. Arch. N. D /57,—25-9-58—1,00,030.

NOT TO TOWN



## holes, attached to the Liang eximy.

- २ श्वेष'वगार र्वेब'विगानी वार्वे। यहि स्थित विगानी वार्वे। यह की द्ये कि स्थित हैं प्रवास के वार्वे। के कि स्थित हैं प्रवास के कि स्थित हैं प्रवास के वार्वे। विश्वेष के कि स्थित हैं प्रवास के वार्वे। विश्वेष के कि स्थित के कि स्थित के कि स्थित के कि स्थाप के कि स्थित के कि स्थाप के कि स्थित के कि स्थाप के कि स्थित के कि स्थाप के कि स्थित के कि स्थित के कि स्थाप क
- स्तार्थाः स्ता अस्ति अस्ति। अस्ति । स्त्रार्थाः स्त्रार्याः स्त्रार्याः स्त्रार्थाः स्त्रार्थाः स्त्रार्थाः स्त्र
- यर. प्राचर प्राचर प्राच्या हे. या मुग्राया है. यह सम्मान स्था मुग्राया है. यह सम्मान स्था प्राच्या है. यह सम्मान सम्मान स्था प्राच्या स्था सम्मान सम
- नाविमानी राजा आर. लाही ना नाराया प्राप्त में पायंत्रे,
- - प्रमुद्धान्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्याः विदाद्याः याद्याः विदाद्याः याद्याः विदाद्याः याद्याः विदाद्याः विदाद्या

Faseph Threstan

·		



हर्युर तिवाल स्री

NOT TO DE JOSET

The War between Liang and Hing.

ar

2nd. Olleansscript of Jesar Saga

the King of Hing Mas-Kams.

agind by hay intracia.



'- CAla Ace No 19021

De 2-1-63

Call No. 951.5

-केट्। त्राहाला वर्षात्र द्वारात्र प्रात्र प्रात्र प्रात्र के वर्षा हिरह्मार द्वारात्र हे से हे स्पर्का के वर्ष ब्रुट्य र्थिटाला प्रक्रिसय र्थिय से स्वर्थ प्राप्त क्रिक्य प्राप्त क्रिक्य प्राप्त क्रिक्य प्राप्त क्रिक्य प्र रवःक्रि.बा बेबाअरदरतरे वा बम्बरक्रवःबान्तीतवेवाःसद्दरत्यद्वा माक्रवःद्वारः बाल बाल के बाल त्या के अलक्ष्य देशके वा का के दाले हैं वा के बात के देश के वा के वा के वा के वा का का का का का रुव। रद्धिकुरुदावित्व्वीतित्वी अर्दे। अत्वर्देर् श्रीचात्रः अद्देश नवश्वरावनात्रः स्री सर्दा सर्द्रक्षेत्रीय हिना है। ने अस समा मन्ना स्त्री से ने किना क्या क्या स्ट्रिंग स्त्री सर्दर रक्ष वैचरःस्टर्श्वनः८दःतद्भ। महस्यायराष्ट्रमःवसस्यानतःसर्वःवासुसाष्ट्रम। सराष्ट्रमःसाविः के मस्याष्ट्रमा तर्माके मा यस्राभायते स्ट्रिंग्नात्या विदारी विदारी वार्षा मार्गाया की बी लर होरे जो हो रेडकेंड हीर केंब में जान प्रकेर देरे वर बाल होता हीता इरित्र्वासित्वया नेसकेवाचेराम्राया वासुदावीत्वर्यकार्यकार् तरे भूर गगुरशा तिम वेर के अध्यक्ष व में हिरा द्र भुद द्वर में वसूर वसामात्रमानदेना दिन्न मिर्स सुम्बद्देयर क्रिया देद्दर सम्बर्ध क्रियार स्थाप्त सामा 3 Salt ब्रां अक्रवा ववश्वी अंक्षेर्प्य द्या द्यवा वाहरे हे त्या तदस्य के हिर्त्या त्रद्य विश् प्रस्मक्षेत्रविदे भूरा हुरा ना पुराकेरा दना दयराय दे रात्रा द्वा द्वा दे रात्रा दे रात्रा है सुविदे भूरा क्रिंग्नाविषायायया न्या न्या क्रिंगुर नी सेर दिश्या चर सर्देर्शायस्य सम् यम्भा नर्भेरक्षे प्रमान्यमा वर्भक्रियक्षे मामेरम्यन्यान्यतानिरातिक्व । यदास्वायाधीयात्रित्यद्दिर्भहित्। यदावर्ष्ट्रेय यते तुः ता द्यतः अर्वेवि अर्देदे द्या दस्दा अ विव विव विकार केया विव द्या अर्थ व सर्द्र र्वटलीया वातीत्र अर्थि। वर्ष्ट्र रंश्वातीय वेश्वरात्र वाती व्याप्ति व्याप्ति विश्वरात्र विश्वरात्ति विश्वर रर्रे तिमालयम् वा इहि मात्रे किता या वेरा वारा पहार ही र वार्या होवा माधारा बुना स्वारे भार थाये । भर ने द्राप्त विदेश प्राप्त भी देते विदेश प्राप्त विदेश प्राप्त विदेश के दिन सार्द्रास्त्र त्रा में से के किया के के विति ति ति हिराया थेत्र ति विदास के दाना वर्षे मि.वे.केर.लेवो मवका.व.रगर.म् मामा अवशास्त्री अवि वर्गाम् मामा वर्गाः क्रा माने विक्व विकास क्षेत्र माने विकास क्षेत्र क्षेत र्रमक्षेत्रम् देन्यरतद्वान्तरेतिहरामामायवस्यम् वर्षास्याम् वर्षास्याम् श्चीर अस् म्यारा त्या तर्ता क्षर सेवशन्त्रेश नगत वन सूर रुक्ता तह श्चीर अर्भवास्ति क्षात्राचीरायाः विवाना ने ने ना निवान क्षात्रा किया विवान क्षात्रा क्षात्र क्षात्र

लयकी अक्ष्य नामूल स्रोद्रें नादल द्रा लिल की अक्ष्य नामूल ति की की की लि अविश्वरास्त्रें वहवायते द्वता दुःवरा वदा हि मारा वहुर दसुदरा तह्वा यर अहर यते हिरा दयल दुर के वार मैं व के व के दे व के दे दरा सिमाय के वा सिय पर व विशे चर्रान्सरायह्मायायाः श्रीन्श्रीया वह्मवया स्वतायत्यायायाः व्यवताः श्रीतः विन्कुल'येरी वृर्वायम्यस्त्रेत्यस्य त्याक्र्यान्त्रं विद्रायम् । विन्नुयान्त्रं विद्रायम् । विन्नुयान्त्रं विद्रायम् । रुसेट केन ही गर्यर में सूर्याय पर प्रथम स्थाप स् म्.कुन्म्,विर.म् व्र्वामा या.तीपान्त्रीर.ता.र.च.सूर.स्रेर.सर.री केत.क्रेर.धा.ह. अर्थे. येन किता हुन किता मूर्य महिर्म महिरम म यहित्वर्यायाः स्वाक्ष्यां वर्षे वर् वद्वांचें अहें द्वेता ववदावी तर्दें द्वुते त्यंद्र स्थाने व क्रिया व श्चरः लूड्याता श्वरा श्वरा श्वरा के वा के इर.स. भूर. इत्र ११ . मूर्य हीं र ही व. यह ता ही व. यह ता है । यरत्यग्रथः यम् कति में द्यवस्त्रम्या इत्यत्वेव तस्व त्याने द्वित्वर्थः यति र्भ। वर्गतः ग्रुमः अहर्रः वयः र्ग्रेट्यः यक्तः याक्ताः याक्ताः व हेंग्यं यहरें यही के कर वस्त्रवायावता हो लेखाया थी साधारा सेर्याय वहरें श्चर्वना ष्टाह्मा इन्हें कुल ग्रेन्द्र र पावना तह्य शेरकुल येते क्रियं वयः सं हे गाने हुंचा । नेवानुहे यद राने ना सुर ना सुर ना सुर ना सुर लयाहरायरत्यवायायतेक्तास्य वास्य विष्या मुंदाक्षास्य स्वाप्त वास्य विष्य र्जेव। पहाराष्ट्रिरायरमायः वर्षेत्रिराय्यायः दरा कृतावते सुवायः दराविदक्षायः स्य । इर क्रियम स्रोट्य के वा के वा के वा के वा के वा के वा का कर कर के वा का वा के वा का वा का वा का वा का वा भारत व्यक्ति त्रांत्रा वाहित्या क्रिया क्रिया व्यक्ति वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया क्रिया वाहित्य क्रिया क्रिया वाहित्य क्रिया क्रिया वाहित्य क्रिय क्रिया वाहित्य क्रिय क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिया वाहित्य क्रिय क्रिया वाहित्य क्रिय क्रिया वाहित्य क्रिय क्षायक्षेत्र करी स्त्राच ह्रिरेतर्रातामा वर्गी वर्गी हिट्न से बाल करा ना कर्ये. नम्यायर् द्रात्ति होता स्टा सुद्रकेत् सुत्वन तहिता ही व्यद् क्रिक्ता र्वातव्यास्त्री स्राम्ध्यायहेर्धेश्यश्वर्याता वाववाक्षेत्राम्थार म् द्वेर्परात्तातिग्यते गुराष्ट्रियत् गण्यक् स्वेराणाग्व के स्वेता होता म्हानेता है। अते श्वेवारी वा कवा वा वा माना माना माना माना मानी है। का नुसा

लियाता सर्वेशका रेवा तां विक्रव कुवल सि.कुवला विवाल विकाल पर दर से दर्भ दर्भ द मुक्तिया। अमर्थायमानहर्षे रहत्यास्त्रवास्त्रे ने मे स्वाप्तवसामित्र वर्षे नरेवा नाम्या 19: मंत्रा हिर्मा ववाया अता त्या ववाया विष्या न्तरः क्रियाम् मुद्रास्मात्र्रात्माया म्याद्भा म्याद्भा देशहर्षेत्र मानवार्यमा स्था देशहर्षाः र्गातक्षेयामान्या बरावमा राज्ञेत्यायाक्षा रहिक्वमा क्रिन्या वर्षक्षिवस्य रवा अग्रान्यवान्याः संति क्रिया राम्यान्याः म्यान्यान्याः वर्ष्र्राच्याया र्यासिला विर्यास प्रदेशका केर्य किर्य कार्य स्था मिर्ट विरामित कु. ब्राज्यक्र्या. ज्रान्त्र्या. यात्रा स्वार्टित स्वार् रवाक्कीमात्रीरवता सेवाल्याकरंखवाक्कीयार्ववत्या सेवाववार्वावकेताता स्तित्रवर्षा वर में विक्राहर्म हिर्म हिरम में ता नेता है विवर्ष वे विवर्ष वे विवर्ष वे विवर्ष वे विवर्ष वे विवर्ष वे इनानमान्द्रंगरूर्ररणानी वर्षेत्रमा केर्य्यकरत्तान मित्र् क्ति. म्रास्या.प्रत्यूचा.चमेरणा केंद्रम् सुच्चा.वि. हिवा. वि। हालस. वेर.व्या. तर् पर्वाष्ट्रमा श्रिवाधीया अदया स्वाप्ता निया स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप म् अबक्र्रक्षा वि.र.च.त्रविष्ट्रक्र्ये तिर.चक्रेव.चागजाःश्रेवा.श्रेज.वी इ.क्रुंग्नाभराष्ट्रिःवना व्यापा वना ह्या भारति व माहरण में राक्ष्र नावसास्त्रमाल'रताची'री युर्पर'तामायलम्बुरहिनाचेरा सूर्गप्रमास्त्रीर लेजार्ज्यातो के.कु.क्रि.च.त्वाता क्रि.रे.टचतपु.स्रात्वान्वी रे.यटवाक्की. कि.संबायाके,ही रह्याचरिर्देश्याचर्येरे.स्टाइरी ए.पिट्वदाबी,वाज्यरेकिही १राष्ट्रेय द्वार् प्रमेल संदर्भे । ५ दूर देश खर से र्ड र यही के या रे से रासे मार्थ में स्वी मार्थ प त्मान्या द्रात्युवामायुति द्वाति वित्रात्येव । स्वाविकाति । वर्द्धः देवह्रव्यामा स्वयम् वर्षा वर्षा वर्षा देवा हेवा हेवा वर्षा वर्षा वर्षा लिल, बाधुरी वर्डेरला शहर मिरिए ब्रह्म वर्त्रेव सूर व्रवर्धे । यह ब्रह्म वर्षे मिन्ना द्वानिद्धाः भू अक्ष्रक्तिः दिन्न जा दिन्न क्ष्रित् । त्यानि द्वानि द्वानि । त्यानि विक्रानि । त्यानि विक्रानि । त्यानि विक्रानि । त्यानि विक्रानि । विक्रानि विक त्रभावस्त्र । वस्त्र वस्त्र । वस्त्र वस्त कर स्रेर तिवाय रेग्या या सरी विस्त्रिक के के के विश्वा रेग्र ता विश्वा विश्वा के वे बित्रेत्रिरः स्रद्रारे। करादराया त्रेषाया केता स्रीता वरा सद्या द्रारा बत्रे व्रक्रीरा कुत्राद्री हिर्माना वादमार्थर वास्त्र रहा अपने के देव के हिर्मार अस्तित्व्युत्त्वादी कवरदंत्वात्व्यावात्वावात्वात्वात्व्यात्वात्वात्वात्व्यत्त्रदे

विसालवाताः स्रेर्वातातेवा वे वास्त रवात्रद्वारे द्वातः हवा भारी स्टार्वाः त्येश छे रेर्त्वेव यते हुग्याय स्रेरा रेर्त्रिय यव क्षेत्र वा वा के वस्त्राम्यालवाया स्रावस्ता हाराय्यायास्य हेरा वतात्र्यान्य वाह्रे वस्त मिन्यस्य हेरा में वन त्यापाय विष्यं दे हिरा दर सुदे असुद्या में हेरा भूव.क्षेत्र.लज्यूर्याचेरी के.ज्यांजयरवागां ह्याक्रिमा या.रवश. गरभक्तिस्थलम् । विभक्तिस्रित्सं भर्ताम् । भर्गामास्य । क्रुमभस्य। बिरक्षे, यर, त्रात्मयाक्रमभायता क्रि. यत्राप्ति, विश्वाप्तायाया र्त्रशस्त्रम् तह्यानेवाद्यां सन्वाद्याना में तर्वेत्राता हाक्यम्य या रद्रवास्था व्यद्रद्रवास्थाः शेरवे सम्द्रका देव्यद्या देव्यद्या स्वास्था स्राम्यते द्वादस्राप्युवारो पा द्वासर्वा महत्वते व्यापा वेर्युवाद्यविद्यार यंत्रेत्रतहेवर्दा स्वाश्वयद्येवरावर्यतेत्रतहेवर्दा वस्त्रेद्रश्वयद्येवववार्यतेतुः वहेत यरमा देरेदसम्दिनस्यान्यास्य दिवनार्ययवनातस्य मानमा अस्तिनासः यन तिनिका अत्रा पर्नेका श्रिष्ट देनता केंद्र भूत त्रिक्त वर्षेत्र केंप्य सूर्र देन नेवा ही सा भी हो र से हुद दालमें के ददा वालु वद वेद अहे वेद दे अके ता हूद खुना बाति कें बूबे (प बीर रटा) प्रट केंद्रा केंद्रे ब्रुब (प बीर रटा) रचल बीर रचत ब्रुब्ब (प बीर वक्यां ट्रेट्रेट्सर्क्ट्रिंट्स्यम्बान्तेया ।वस्यस्यस्यक्षेत्रस्यं स्राह्मेर्द्राः सर्तिस्नि तस्तर्यं से त्या क्रिंग् क्रिया मुत्र द्वात तहें न सामेर द्वा विश्वीत् विश्व तवरदर्ग विद्यवासुनाथर्म्स्वर्यानासुका देरीरावासूरितस्बार्भेनासुका नाववःभरःक्वें क्रेर्'र्ना अर्तःण। नाववे वुअर्दः मुद्राभनोर्दे द्राता विश्ववः द्रयातानाः म्भूति देन देन क्षित्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्र में त्रित्र में त्रित्र में त्रित्र में त्रित्र में त्रित्र में त्र में त्र में त्रित्र में त्रित्र में त्रित्र में त्रित्र में *प्र*.स्र विग्रद्। स्र्राक्ष्णाप्तिः वर्षा स्वकेत्रः द्वा स्वकेत्रः देश्युद् त्वा अक्वं मृत्रा सर्दर्दरक्ताववता ने नवेनाने वह ता तह्यानेन ग्रीमा सर ने के साक्षेत्रप्रा त्यात्युद्धक्षद्ववाजीयवगद्वरावहँदा देवदःहथेयवगद्वरावहँदा वहवा में वे ले बुद्दे रहता है। विश्व हे से दें दें हैं। हेश मासूद हेट हुन श मिला यति संस् में देरा भिव संस्थार भेगायते दरवर्गाय विवेश संग्री विवेश वेर स्था के वसवा यर्क्यम्बे सर्भवना रदम्भाष्ट्रिक सर्भे स्त्रिक स्त्राचित्रं भेटा

र्वतिश्वात्त्रव्यत्त्र्या वाववतात्त्रत्यः क्षत्रक्ष्यः क्षेत्रात्त्रव्यः विश्वित्र

स्वर्श्यस्त्र्र्र्र्र्त्राहेवयागरेगयेवाहे। ववेदागवयायान्त्रस्वावस्यर्भार्यः वीस्रिय्ये विन्यते र्रम्भेर्द्र एष्ट्रेराष्ट्र मुला नावन लायद्र केना वहेंना की हेर्र केरा। वसर्वे रेर्र्य केना तुराष्ट्ररास्त्रात्रात्रात्राहेरावी इदाराष्ट्ररावहीत्रे स्थान्य वहस्य सामा विकार विकार क्रुविश्चिः इस्रायं वित्वः तारा से खेरा एते वर्षः हित्से द्विष्टे में तार मकेवः ये से ने मुस्रि वित्वि कृत्यीवरुद्दा दरदमहेनाचुरीलुक्दरसद्यमा कत्ह्रमाखेयाद्येयेना सूना मर हर सुर्य नाथा अर्ग हेना हर नरसाय वर्ष भरि श्रेश अश्व हेर वयं अर्गहेंग र्दायमारेगं सुरो केंद्रयाधीस्यभयावसा वाधियामासर स्वादर देदा देदा के स वि'वरशस्त्रवासके त्युद्रायि सुंसद्गायदे के वाद्या से की के दिन की शास्त्र की वाद्या की विकास की विकास की विकास "देति'सदापूर्वे नाराभेदायायरगर्वे ने वदवशक्वे यापूर्वे कुर्केदासूर्ये वा मेर्ने चावनःत्रान् सं क्षेत्रात्र करमाया केतात्र् भाव र स्रेत्रे के असेर प्रेत्र के तवार् केंगभवता रवागरमेंव के गतुवा ही स्वावतर सेवा ग्रम हो द्रिंग गरें के स्वा मार्थना विक्रित्ता क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया ल्याहर्रे १.३) क्रिस्मालाला कालालाला वीलक्र्याचित्र नुस्यापरवस। वयायापते सम्बन्धिक र केर वसूर्। तस र हेर्र्यार्ये स्त्र ग्रेंच्या भ्रेंचह्यागस्य ये गिले या वहवा वहेंदा स्वाविशा व्यवस्थ केंद्रा रेप यह । विश्वक्षेत्रप्रदर्भात्वाक्र्यक्रियक्ष्या भिराक्ष्या मुक्तावराद्वेदल्यायर सुद्धाः यद्भावत् विश्व चरं वसे व व र व की से कूर्ये अकूर्। हिंया के हिंध व मेव पर वर्त र वेश निरम्प्य । जिया श्रे इंदर्शंपत्र प्रश्चित सम्भूगो देवमादामा द्वीमा मून्द्र । मानद्रश्चिमा सूर्य हैं वररेदा मध्यत्रकुन्वेत्ययेत्वेदर्युग्यम्भा तितुसर्युव्यक्षेद्रस्य देदा वर्षेदर्युः लेंस्यर्यह्याला ब्रेट्यं के हिंवाकर्यात्वया तेंबाव के हिंवा पर्व वाकुशा रादर्दि पियापियानेया वित्यविवापक्किट्र्रिट्यट वर्षेत्रेया। में रात्रे वे प्राप्त दे वित्व केवा त्या वेर्ष्ट्रियक्षेत्रकृतार्थिते वनातः ह्रेन्थिव। इंकि वर्षे दर्धर से वासु सरेद भेवा निद क्रेंब यते द्युद के व के हें वा के वा के क्रेंब के ते द्युद के मूं कर क्रुंब की वा के दें के ते ... रिसदः सेवाही हिंगाधीवा दूर्यवाशिवात द्वाती सुद्वाती सेद्वान वाही गरा भाराधी त्र्वात्रम् व्यानायायायाया । यात्रीयरे हिकद्वर्वर्थाः श्रुद्धायाया यात्रीयरे मालवायां वसुरामगोराधीवा त्यां भी वरे विषा स्वास्त्र वर्षेरास्त्र राधीवा दारु स्वत्र वर्षेरास्त्र वर्षेरास्त्र व

वीनश्यादः नासुरः। स्र महत्रवर्षेते वानश्योत्। सामेरः है। मध्व। वर्षेत्रः नी वगातः देवः सेस्राश्यः जनम्बाला रत्याद्रम्भव्यायोगान्त्रावानात्वालान्त्रा देवलराजात्वास्या शुक्षित्रयोगान्त्र तश्राक्ते। दवातह्यायंतिक्षेवातार्वतव्याय्त्री युरावर्गमितिक्षेद्वेदविके तेर्ताता युरा व्रिमायते सेनाय हिंगाय कर रागाया। गर्य र स्थाया यह स्थाय स्वीत स्था से र मुक्तिभक्षभ्भाव भूज विद्विस् गलटरिक्षाविर्वे नस्टा रेजगानिः प्रेत्रालटल हिर 'केले मन्याद्वारावारारा वार्षर') वार्षर'रे'रा'तश्चराक्वांथे'यांयक्षरा। ख्वारा'र्षे'रा'यविद्याहे'(वु'यांवुरा) किर्वित्रहुष्टी, कें च्यूची, देवूच, बेंद्री, हें ह्या, लवा, खूंच, क्रूच, व्यव्यान स्वा, वर्सूची रहारह, वे दरक्षाकर दर्भे अरा तक्षर पर्देशके व व के दाव का प्रकार देश के दे व क्रिया वारलाश्चरत्वा तकवालर्दरास्ट्रिया भेरावलायका । संवर्षास्थितवलसेल्युम् केर्झर् स्रेंद्र मेर् व्यायी एक गर्मा में स्ट्रिंग में व्याने वा में विष्ट्रा द्रे प्राप्त प्राप्त में प्राप्त में किया में विष्ट्र मेर वा मुंदर मेर वा में प्राप्त में किया में विष्ट्र मेर वा मुंदर मेर वा में प्राप्त में मेर किया मेर देवलद्वां यं सार्व तां गया दावलवादग्रम् त्यं वायवतात्वता हुन माथा जेंगा थाँद ्रवेद्यम्म वं रमूर्या विणा र.जूर्डियाकी जू.जर्मा वर्षे श्रीमान के में मंभिरेत्र व नमना रेसून. र्वः तयद्रभः अर्थे दुरावाका रावः व विद्राद्रिः केदः व व्यवे वृत्तः तो अदः। केता ववः। रुषावस्थामहन्याञ्चेयवा वरुर्वन्यायेते वर्कर्त्वराते वर्कर् म्ब्रियाम्ब्रियास्तित् श्चिम्बादलक्ष्यं मेर् छेर्द वद्यानेता द्येल संदक्ष्यं मुता ही तहेव वद्यानेता होत म् म् मार्कितात्र्री केटर्व्यम् केवरात्रेय्ताप्रेरी श्रेश्चायर विग्रेश्वा कद्भायादगारायतेष्य्रभायां रेता ह्रीरायायराह्येणायववातासीह्य । ह्रेस्टिंगवव चरिक लेरेरा इत्यासर हुना साम हुना । महना वर्षेन करें केन पर केरेरा अदल " क्रान्द्रदेश चित्रेत्र क्ष्याय क्ष्याय वर्षेत्र वर्षेत्र क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य मेर्। साम्युःशवेवयरित्यद्याक्यामेर्। दश्वयाद्ये थे स्वभूतामेरी सामवयाः नर्शियानरेरा तह्बानुत्तीर्शे र्येशनिररेरा रेप्रयायध्याष्ट्ररकेनरेरा क् सर्देश्निक्ष्यान्ने क्रियान्ने क्रियान्ने स्वाप्त विकार के रिक्रियाने क्रियाने क्रिय दरसेट रेट्रा रहा वव राष्ट्री कु सूर्य रेट्रा अर्थे रियारीय की दवद वि हे दे या रेट्रा ७ क्रिटेया मर स्वार्या मेर स्वार्य विश्व प्रमुख हैर अमेरी रसुद में वी श्वा के वा नकुर है मेरी वी स्वार म् सक्तायन मित्रयाने वित्रप्ताय प्रति स्वाय मेरा देशवाय भारे ने ता वे सर्वे । डिरं वचनातां अवना नधुः के जानक्यां शे । विवः सूर्याः हैं प्रस्ता देवादर के वर्षा वर्षात्रमा तर्रात्तर्भा तवदल मुस्या या मार्टि द्या वर्रे दे में दे में में में मिल्या के प्रदेश मेर विवेश स्थार निया विष्य स्थार के के प्रदेश में के स्थार के स्था के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्था के स्थार के स्था के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्था के स्थार के स्था के स्थार के स्थार के स्था रुष्ट्रिय्देर्यव्वन्या अवेषेष्ठ्रार्येक्यायहराय्येक्षे नर्यस्विति सेर्द्र्याक्षेर्ये

5

'क्रीयशारवर'वरुद्किते रंगळेण'दर'। दयर'वते भरदर दमार'वते त्यु बुग्यायां हो ज्या क्रममास्पर्रारहेन हेरा रद्वरे मलन सिर्मरमहरे यर ली हर के प्रर्के म्हेर क्दा श्रीरवशक्षिणवर्षात्रकृत्त्वाण इदक् वृद्धावते र्यं मुलकेत्र रेवा में पर्वे.गर्किर्देश्वितिक्षे रटा क्रियात्वय अञ्चलक्ष्य वालन्देश वालन्देश वाल्य क्षेति क्रि क्षे.रूर.केल.धुव.वेबज.ज.ज.चसूरी ल्यांत्राहित्युत्ति हेसाचेरायाणा नालवायावयासहीयपादी वेरवराष्ट्रपात्र्व वर्देर्कुलयं केव्यं मुमाल विस्थित रिराद्य वर्षा द्वाल रे क्वें ये दे केवाल क्वे. ज्यासम्भूवं तात्व ब्राट तक्या स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र विष्णा क्षात्र विष्णा स्वान्त्र । यम्भिन्द्वियात्रुवानुदा र्रेन्न् वित्रुद्दानिद्दान्य महास्त्रिक्षियाः श्रमारेगासेगा द्वासक वस्त्राया वर्षा वर्षे भाषा दव हि रेप वर्या पहुंच भागक वार्य है। र्भेत्रायह्म्भःश्चरः सर्ग्याष्ट्रवार्यर्थायेव। विराद्यां की स्वरं स्विराद्धः की स्वरं कर स्यानं इत्त्रवयायेरी के रेर्रा कर्रिया हुत्ता हुत्र नाव क्षेत्र । वक्षेत्र वा ने वर्रेन्द्रत्वल मुद्रवा बर्देश्वर्यर विश्वेकरेश भेव मंत्रेद्र सुप्तुद्र वरे भेरतदेशी क्रायक्ष्यक्षित्रक्षेत् रदायमें वे तप्र ने स्पूर्ण वि एहें वे वहूरी विक्र रे रे वरे ने रे वि सी रे रे हिंग अर्थे वर्षे के रूर'सर्थ। शिक्षिके में सम्बन्धि रहा में सम्बन्धि । में रामे श्. स्वाविकितासः वि, एवर के. या मानक्या रह के या नहें वे किरान विवादि । वे विवाद लावन कुला दस्र में रेमन हर देर्यन में रेमन अक्षा दसर मेर के रेम रेम रेमन लर:क्रि.चली.से.क्र्य. प्रधिरवालें के समीयारें अयारें ने बेंद्र अपूर्व। यार्थरें से सर्यान्यान्यान्यान्याः वर्त्तः वर्त्तः वर्ष्यान्यः वर्ष्यान्यः । स्वाक्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यान्यः भाषा रतायक्षरक्षत्रात्रीयक्षेत्रात्र्याः क्षेत्रात्र्याः क्ष्याः महत्याः क्षेत्रात्राः क्षेत्रात्र्याः स्थादरा क्राक्तित्रियात्वर्त्वतात्वर्त्वातात्वर्त्वात्वर्त्ता न्त्रं दर तर् अन्द्रवा वास्त्रा थात्र र त्रावर त्या व क्षर्य वर्षे कृता या वा विति व वर्ष दे र्गरंत्र्र्यो स्टिश्चर्यकारकर्त्त्रिःका सम्यात्त्री त्याव्येर्यात्यात्री केता मा विषा र्मरम्द्रान्त्रवा अध्या विष्यामत्य मार्थे त्या विषया दिन्ते ह्मानिस्त्रेरी यावनात्त्र्रात्त्र्वत्त्रात्त्र्येवनात्वर्त्त्र्येत्रात्त्र्रात्त्र्ये वात्युः अत्रदे विवेशतर्ग । स्वार्यया भागा भागा भागा में वा वा वी श्री से केंद्र तर्हें र तरहें र तर्हें र तरहें तरहे स्त्राची प्रदेश में श्री में में प्रमायन। सार में में के प्रकेट के ता में में में प्रमायन में ट्याम्बर्गायाना हिर्दर लेहिना स्वायना स्वायने सेटर्गार व्यवस्या र्श्चिमानात्री तिवास्त्रेन से. यमुबामानात्मानात्रे के श्री. रहा प्रत्वश्व श्वी वालवात्रे।

वयायावतिःववयायायातरुतायोता कुकेवातुर्वातववावववातर् कृत्यक्रिते ह्यारात्याः गण्याके श्रुराक्षरा लड़ी की ब्रुटा व्यव देने केता द्वारी के देश का की विकार परिवर्ग श्रीरिक्यान्वराष्ट्रेर विवेशद्राराज्य। हवायाद्र म्यायस्याप्त्रं वाया खेरायेवा तर्वदः विवेशका ति.जये.तपु.श्रम्भी श्रीट.मे.केट.सूट्,पक्रियान क्री.कट्, ट.जायान कार्यिया सुन,जूट, रूपे. भरा इ.स्.स्पर्यास्याक्ष्याःश्वेत्रभा सुदःताःश्वेत्वरिष्ट्रेवराःसुनायाःवर्षे नदयःताः गरको हास्यार क्राम्डेरा ववामाया स्रेका अही तर हिंद सामा यह हि ता तर्वेद स्टर त्यात्वा भीता कवाता मार्थराक्ष राष्ट्रका लेखा प्रथा द्यार नर्दर केर नाभर के शर कर्रा सम्बन्धियास्त्र सम्बन्धियाः स्वत्र में स्वत्र में स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्र स्वत्र लिया अया के वाया थी । विचाय के प्राद्या रिया थी । यह ता विवा में वा ती त्र त्र वा त्य वा त्य वा ती वा मुख्यारानुः युवानुकृतातर्द्धवायेन। यात्यायान्दर्श्वायाद्भदरा सूदा) सात्यायायायाय क्तित्यात्रक्या स्वातात्रमञ्जाकोत्वस्व स्वरायस्य । द्वातह्रवस्य स्वरायस्य र्वायाचारा देवयात्वेवः यति अर्वा क्वियात्वया व्यवः तर्दः वया क्वियादार्दे। Target, त्यापर्वेषां ग्रंदर्वे व्युत्ववाश्चर्या वालविवेदाया केर्यं विश्वेषा विद्या प्रदारी प्रवासित्य में के प्रवासित्य के के त्रा के प्रवासित के त्र के त रत्त्र-दिः एकरः अर्थः रेशत्रवात्वयात्र्यः। कैपात्रः विभाषात्राक्षरः के। मार्ययः रवारणान्यः ववाकी रेवाला स्वायते से विवलका सेवालवा वसर दवा के सेवा ब्रॅंब'यरि'ग्रेंग, तहेशक्तेव'्रेब'ययबुद्धिर'र्गात। तत्त्र वरिख्यादी बुद्रशिद स्य । हो देशेयात्मयात्रे गरेवायारयेदा इत्यं वर्षे वर्षे श्वास्य स्थित वुबारुभारक्षेरातातरेवया अखेवयाक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र र्था. में हरी मा के वायक वर्ष रें वाय में प्रांत्र केरी रका व्याप्त र सें से के वाय दें वा था. विदासिव करें विदान प्रकृती व स्तान स्तान वर्ण देवे वी वो वो वा के व स्वान वर्ण देवे वी वो वो वा के व स्वान वर्ण देवे वा के व इ.ठ.का मुन्य्र हैं अ.सूर. अवेशवी संक्र्टर प्रज्ञा अ.पर्वे अ.पर्वे अ.पर्वे ज्ञेव. क्षरः म्वार्यतिवसं यारेता द्रवावायर मात्यत्या वाववावाचेता मृताया वर्षत्रः नत्राभवन्त्र। स्वर्येभान्तर्वतेष्ठ्याः हर्षर्। १वन् १वर्षायाः वर्षाकृत्रः ल्या क्रियार्थात्र्यात्राव्याव्याव्याव्यात्र्यां दः त्यार्गित्यम् स्थाने व्यार्गित्या द्रत्युं क्रेर् चेर्वा अर्प क्षेत्रया वर्षे व्याप्त वर्षे क्षेत्र क्षेत्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे पडीर.क्र जिराद्वासामा हराया में मार्थित स्वासाय में मार्थित क्षे में में मार्थित क्षे में में में में में में वित्। वर्राकेशनगरायाँ त्र्राक्षणक्ष भूमित्यते सामारहर्याया सेर् वासर विवास्त्रेश्याम्क द्वारु तिविद्या त्वेता विते द्वार्थित द्वार्थित वित्रास्त्रे

यः तः क्रिं त्या अभी र्रा प्रवास्त्र का स्था वर्षे वर्षे

चित्र विकास

चारेशाच्यांचाक्रियारा,रेट. री. जूटा इच्यांची क्ष्यांची अपहंच्यांची प्रमाण क्रियों मिं चक्ची का हा क्षेट्राच हें या क्षेत्री क्षितांची क्ष्यांची क्षयंची क्ष्यांची क्षयंची क्ष्यांची क्षयंची क्ष्यांची क्षयंची क्ष्यांची क्षयंची क्षयंची क्ष्यांची क्ष्यांची क्ष्यांची क्ष

मार्था । प्रवस्तिमारम्यः सन्त्रः सामान्ति। मार्थे विश्व विभाव मार्थिया विभाव मार्थे विश्व विभाव मार्थे विश्व विभाव मार्थे मा

20

व कर क्ष्या दे अधीर स्त्रा वया वर्ति करी तमार में तर वे नाहर क्रिया है । ता वर्गारव हुर व -J (Z/4) यारे अ. म् अ. इंड म् यून प्र. व. में त्र हें ने में या भी या में जा में अंतर हों वे में या भी या में जा में त्र हों वा में विक्र में वर वितास्त्रत्र कर्णन रहरा। स्त्रिंश स्टूर का हुआ है। की र्वा करें। की साम्हें वसूत्र सा वर्ष कि की री भेगतम् अयम् अर्थात्रा श्रीटार्गामा यह यह वा धीय में के अर्था किर स्राहित मंभेरा स्कूर श्रेट्सराहर हो र्यंश तर्म । तरम श्रमावन हो सुर हो तर हो द्रो नवर्गानित्रा तर् क्षेरास्त्र। नवक्षान्त्रन्यम् स्त्रा त्यान्त्रम् त्या द्वरः AN 5 old स्रीर्श्च तरे सेव बुर वेशावेला यं श्रीर भेर शे में में में गर्म तसेर ले मो ने वे बुर्म नर्षिल्याम्यास्य बुरव्याः यदा द्यद्यस्याः वार्ष्याः वार्ष्यः व्यवाः वेषाः बुर्गः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः सूर्क्चिश्चित्रात्र्यात्रात्रात्रे होता र्यवस्यवयार्द्दार् सूर्यक्षेत्रे ता विद्यस्यर्भागीत्यर कर्। भेनामान्यरकर्त्रामानभूरायदेवाणा च्याक्रामान्त्रेरम्भमा गर्वायम् सीर्रार्गारास्कर्त्वे वार्वे से क्षेत्र के कि से क्षेत्र क्षेत नायनव निर्मा मुंदर् । नहेर सिर या हेर वेर अवश्येत । छ कर प्र में या मूर पेवा में हिर में हिर ने त्यों भे है। बाध दे सरमान भाषा है। या ने में दर दे में ये दे हैं। हिंदारायर शे हिंदन सेंदा भेरी ने र खिल खरर दाना र केन है। में र देश ला महरदे न भेर देश व्यान्यम्पद्भवायाः व्यापाद्भाता तत्तुवाः योमयः स्वरः न्वातः स्वरः मेर्। तत्ववाः यो विद्याः तर् विदेशः तर् विद्या drop कर बुका शिहर व रवात के मेरी हर र रवश पर विदेश सिक्ष विवास । विवास विवास वाहर व रवात । इट्रयर्गर्यर्गर्वियंति। गीर्द्रस्थाया भीर्द्रस्थायात्रद्रह्ट्यर्गर्ग कुरायंत्रद्रकेन्द्रीं साल्युवा सम्मन्नाम् । स्त्रिम् । स्तिम् । स्त्रिम् । वनामः स्रम्यातेना स्रम्यः स्रापन्ति । प्राप्ति । प्राप् क्रीत्र्वशक्ष्याद्वयाद्वातात्रेत्राक्ष्रात्र्याद्वाद्वात्र्याद्वात्र्याद्वात्र्याद्वात्र्याद्वात्र्याद्वात्र्य स्वाद्भारत्या मार्गित्रह विषेत्राचाह्रेयांची साम्याद्भारत्यात्राक्षात्राह्मा बेर प्रेंगण के बेर के बा १ के अहे ये इ.से. है। हे अ बेर हिर त्रम् वरक्षाम् अवस्रदेश्यर् वर्षे अवसर्रः वर्षः स्वराह्मः वर्षः स्वराह्मः भवारात्रवास्त्र विराहित्वे त्रक्षात्रक्ष त्रमात्रक्षात्रायात्। द्रवारामरा इ लेंद्रप्रविधारा द्रेत्रात्री श्रिक्षाक्ष्यक्षेत्रप्राधाक्ष्य भ्रिक्षात्रात्रात्र गर्गः श्रीरामी रिक्या विकास के अपने का कार्या के कार्य के मान कि कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार

लानुश्चिद्रतामार्थेरी पहुः श्चिद्रत्र्यदक्षेत्रकृतास्यात्रात्रिः श्वी प्रदायम्य वहनःसरिष्ट्रासेर। रेनावराकुःह्यार्द्या हवाकुत्रायात्वेतास्याद्विराद्यायाः देवेलः रेवरायमेंवाश्वरवादराया विकास । अत्याभवाशे रुद्दर्श्वरवया बुराया विकास श्रीने क्षिये प्रकार हार । विशिष्ण पर्ने देश हैं हैं हैं । विश्वास के विश्वास के विश्वास के विश्वास के विश्वास उपकार विदेशित्वमायरे मेयदा थेवा द्या के राजा है है एमा पदावहून । उसे व न्यारा स्वारा स्वारा स्वारा द्रमण्डाहरी व्यालादला अदः वर्षे। संर्थे सुद्रियोते तब्ति लग हरारदायायद्यासूद्रभेवाता मान्यद्वारापायम्भववास्यस् न भूरावराष्ट्रकी दर्गेरा विक्तिस्था मेरावराद्वा वराहरा द्वेर देव राज्य सम्बद्धा वर ्याना र्षेष्ट्रणास्यान्यदमानाता हैं तमलाचम्प्रेत हैं निर्मात सम्बत्या मुनदानम् द्वारा त्या स्वार्थित स्वारी पहित्रा । वर्षा । अवदास्य वहिनाया से वरेनर वह दर देवे वह राजा का कारे के रेवे के वह वह में वह ते के वह ते वह त या श्वीता स्वाप्ति । त्रार्क्षिया वेराहराद्या वार्षिया स्वया श्री सुरासुरादि । स्वरणा किन्नुस्केती है। श्रीश्रामाश्रामा द्रायायाया करण्याया करण्या स्वार्थित स्वार्थ थ्यम् केव स्वर स्वर हिन्द्र वर्ष के केव रहेरलवर्ण स्वर्ण के कार्य केव सम्बद्ध रार.पूर्य । राज्ञा.भि.द्वेग.पवेर.पवेर.क्येगा चणवा.रव.प्या.पे.पु.रय.रतिर.क्यांगा रेवपार.पा थर्केशा यापर् यह प्रयाप्ताप्ताप्ता महत्यप्ताप्त्र र देवित यक्षा केपात्र माने विभक्त देर) इस्विक्षेत्राणायम्यविष्ठाः । म्यापायकेरवारीयश्चित्रम्यायस्य राहराह्यायायः र् र्रास्ट्रियाक्ष्मेर्ग लंद्रम्यास्य स्थास्य न्यास्य न्यास्य राष्ट्रिया स्थान बर्जर्या मान्या प्रमानि विषयि स्वायत् सक्या व व द्या स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व यन्त्रेष्ठवास्त्रेत्र स्रिमारस्यास्त्रेयात्रेयात् विष्ट्रात्यस्त्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रे किर्युवाहराता लानगरवाहरात्मवादत्राहुन ववविष्यात्मवाकी र्वेष्या भीवा रदादेद्यीव वर्ष्ट्रया वार्ष्वा वी वेर वा वा वह वा ता वह वा ता वी वो वो वेर वि वा वि व स्री सर्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राचिता रेज्याकाक्रमक्तिस्त्राह्मा श्री क्षेत्र मार्थिया क्षेत्र व्याचे वार्ष निव्दःनिष्ठअक्षेरःस्त्राचेरा कृषाःस्वानम्बद्धायातेष्यात्वेष्यात्वा व्यानम्बद्धायाः व्यानम् मलाक्ष्यात्वाता मलाला हिना क्षेत्रमानुवाला स्वापिकी काला हैलकरायां भी तकरहें वचर होता हो देव कार्या होरी एट्ट्रेर ही हर वह तीया ही राजा रदा देव विकार विवास हो नयभाभने नक्षरम् कारियाम्प्रेरो रदम्ने रावेद्वा हादक्षा प्रवित्र हात्र है विवाही वार्षिकी तिह्या हेव यह वर्षे हैं। दशक्री हिंदि हैं सिर्पर सिर्पर हैं के वर्षे हैं। के विक्रिय हैं हैं सिर्पर हैं हैं के वर्षे के वर वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे त्र्वेयरी सम्बन्धविवाद्वातात्रे भारवत्रित्वात्रे विवाद्वात्रे

श्रीता करणात्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत् क्षेर्यायाचरतात्र। रायवायात्रेर्वत्वत्त्रिक्षवयायाः ह्यात्व्वव्यव्दर्रिवरामः दरा बाक्षेत्र वर्षेत्रात्तरेत्त द्वीयभार्यस्तातारम्बिष्ट्रयः वर्षेत्रात्तरम् देवत्तर्तेत्ताः वर्षेत्रात्ताः र हिस्स्किलकुए अवर्राया अत्यवद्गामहैन है तर्रारेश विवास्नि लियर ने मुक्सि चला द्राहरावर निवार वहर छ है। लगा द्वां विस्ता प्राण श्री विदेश राष्ट्र वा विश्व विदेश । एक्ष्याता मानवाक्ष्यक्ष्य द्वी तर्दे त्यावाता म्यानको नामार्वाक्षात्रके त्याना नेदावती राम्याकि बेररे मूरे र्राच्यात्रम्यायाश्चीरतरायात्वात्रात्ता म्यानयर याच्यात्रात्त्राक्षेत्र केरिक म्या म्बाबद्वहेर्द्वस्थेद। क्वित्संस्याहरिद्वाराव्येद्र। युत्यवस्वद्वीयेयादवन्ने स्ट्व र्वातात्वेत्यात्रेव। यदार्वरात्द्रश्चरत्येवाता यम्मवात्रीर्व्यक्षम् यदार्रे श्रेवाः क्र क्रियामायावातावाता स्राक्षियवरार्ध्रात्वेश्रात्वेश्राद्यां के व्यक्षित्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रा हिराज्या निरवर्गता से अवस्त्राया है। स्परप्ते गायवार्वर सम्पर्ते सम्पर्तिता कुम्प्रेन्।तर्वक्तार्वेद्राक्षात्रम् भूरहेक्षात्रम् भूरहेक्षात्रक्षात्रक्षात्रम् कुत्रात्रक्षात्रम् भूरहेक्षावर्षा पर्वतास्त्रवाकामात्राद्धातास्त्री है। देशकद्दादर्शतास्त्री द्याराम्ग्रीवयाववास्तातास्त्री वस्त्री स्यान्त्रिक्ष्ण्यायाया राम्यार्वारावाद्यायात् । स्राप्त्रिक्ष्यायाया । स्वाप्त्रिक्ष्यायाया । स्वाप्त्रिक्ष्यायाया यर स्रा वेशायात्री। गरेशायुत्रा वाये निराईका मध्या कार्य में अरा वर्षा कुरा श्रुदा रें अर्वे के रेंग्स्य पर्वे अपरिवासी विशेषात्र विश्व के प्रकेश के विश्व विशेष दाकार्यवाराक्षे वेहाराक्षास्त्रीत्वाराक्षे क्षेत्राव्यक्षेत्रसम्बद्धा वस्र रस्तरास्त्री । म्बर्धः स्ति। देवहम् विवायतात्त्रियात्तिया बर्द्धियात्रं भेता विकासका मान्यात्रका मान्यात्रका मान्यात्रका विकासका मान्यात्रका विकासका । र्भामिरक्षेत्र्यः याद्र। सर्विरः संतापमयाद्रयाद्यात्री रद्ध्यक्ष्यद्राद्वात्र्वा वस्त्रक्षेत्राचीरत्राचीरावर्षेत्रा । वरक्रद्रिया स्राप्ते राववा रेप्तर्यक्ष्ययास्त्रीर्यक्षित् किक्यान्त्रियाकारात्राच्या । विरापित स्वापाय स्वापाय । विराप्ति स्वापाय स्वापाय । あいいから まちょうないいだいないないないないないないないないがられて まいってん श्चीत्यद्भे व्यापवेस हिर्देश प्राचार्या प्राचित्र व्याप्ते याद्य व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व म्रा राज्यानुःका नायम् वास्त्रम् मायाः नियम् न्यान्य विष्या मन्याः विष्या राम्याः सर्द्रमात्वाद्रभक्षाध्येव। यात्राद्रमात्रभ्येत्रभ्यात्रभ्येत्रभ्येत्रभ्याद्रम्य

लून। र्जानिवधुन्द्रभवश्च तत्त्र्यं संस्थिते ब्राह्मरात्रा

प्रकृतिवास्त्राच्यात् । त्या रतत्त्री यह तत्त्रेय विकास तत्त्र । त्यात्त्री तत्तात्त्र प्रसृद्ध केरावत्तरः विभागिक्षेत्रके रामाचे भते । गतः श्रोत्यकासमञ्जयक्षेत्रक्षेत्रेत्रः कुरूपकेतिहेत्र व्यवादीस्य हर्षे के प्रकृति । प्रमुक्ति व्यवस्था स्थान १०० । त्रिया हर्षे प्रकृति । मानियात्य स्ट्रेंड विमाणक्यम्भणविष्यत्य व्यात्रियम् प्राप्ति स्ट्रियम् प्राप्ति वर्षे लंचनार्यम् राज्यसम्बद्धा विवादम् क्षेत्रभामान्यम् ज्यावसम्बद्धाः मान्यस्य विवासम्बद्धाः स्थान बूर्रेड्ड्रेबलवेलस्येवलड्रेर्चेवलवेर्रे हिर्ट्ड्रेक्लवेलर्चेवर्चेव केर्चेवड्री सेलवेक सर्मर्चेवन मालयी क्षान्त्रमुर्ग्धेत्वेत्वेद्वा कर्यरेष्ट्रियम् राष्ट्रियम् राष्ट्रियम् । स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् " हिरामानुः द्वाया में तर्वा हो। इत्याक्षर के स्वाय देशाया आदे। म्यादराया असर देशाया को दे सुर्देश के स्वाय के त्य नातह्व व लगासे हिट्यु में भेयहवारो सदा हिट्य खुंब्वराम् यरामे हैं। हिन्य मार्षुद यता. हेर.जा.शदा र.जा.वणनावण.से.ठा.ब्रचे. राजा. राजा. राजा.या.चे. केर.सा.त्ये.क्र्य.से.चे. हुए.याषेत्रात्तरात्राः पारदाःभागातातात्तात्राक्षेत्रक्षेताक्की.षेत्राचारत्रभान्येतात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त (यव वर्षेर्थाता वेस् क्रिंतरपा नर्णा नर्णा नर्णा नर्णा प्रमुवन्ते । यासर् यात क्रिंग्या पर्री यी द्वायते द्वायदेन के सुरासुरायता वर्षा हेराहेर है र में नाया येता देवता, वर्षा या स्र मिलदावर्षिकाः विद्यार्थिकार् विद्यार्थिकार्यं मिल्या मिलदावर्षिकार्यं मिल्या मिलदावर्षिकार्यं मिल्या मिलदावर्ष नावस्यस्य स्वर्द्धियात् राष्ट्रेत् भूतायम् स्वराधितस्य स्वराधितस्य स्वराधितायदेवातुत्रस्य स्वराधितायदेवातु वरामवरात्रीत हे हिरसम् हेरास्यात्रेन्ह् ग्रह्मात्रेन्द्र गर्भागान्त्राप्त भवागान् हेर्वा है। · प्रदाय मेन रेंगाकु एकि रक्ट्री ः मेजा. में रे.जूगा गरने गामे में अपिया करा के प्राचित करा करा है। पा. च. हे. यर शेर सिर्य, याष्ट्र पर में हे लागी । उक्ति पा आक्ष. के बा लूटा हे. वया र पर के प धूर्मेशका वर्ष ए. कूराइरावका वसमा मुरवरा मी बिटा बेटा पर किराध रहा हार् अग्राहेर्युरक्षी हो। श्रुवायायायाया खायायायायार्रद्रवयद्री श्रुद्रदेशः स्यान्तर्थात्त्रा राये लेव र्गायम् रेन स्रीतान करकर स्याप्ता रात्र कर्णकर देशवादा भ्रोत्तेयकः वाज्यपर्ये शहरे जारका का ए प्राध्यक्षिण्या यायरे तिरामिका नित्रिक्षी केता राष्ट्र नित्रक्र नेत्र केतर्ते के कराविया नर् यम्यास्यात्रेरा मह्यात्रास्य विषय्तात्रास्य म्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्व वालवायुर्भाक्षेद्रकरार्श्वेवहासः, दाराजगाद्याक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रः श्वराविषाः सार्वात्वर्षियः स्वर्विष्ट्रित्षः स्वर्वर्वे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे क्षेत्रशत्र्वत्यम्यवयस्यद्राः वे एतिरेशक्ष्याः स्टातहरूतः वृत्रभरक्राः त्वाकरप्य। द्रभगप्रद्रशुक्षेवाभारतलग्रहप्तः होत्त्वराणकेत्त्वेत्रात्त्वेत्

रयातिस्तात्रात्रेयायायाया । विराधनाराकेता त्राक्षात्रात्रात्रेतिस्तात्रात्रात्रेयायाः मः रदाः। श्रे त्रितिर्द्रायाम्ययान्त्रीयमेरा सद्दर्याद्दीत्वास्त्रीवातुकम्या व्यवहर इत्राम्ख्यम् वर्षा वर्षा है उपकेल्ये प्रकारका इकेल्ये वर्षा यक्ष्ये हैं। म्यार्गार्गिता हेर्दिराजा में में में में में में में में पर्या में पर्या में हरा में पर्या में प्रा में प महाविष्या रिवेश्व मुक्यायात मुक्येया द्वात्याय स्थित हार स्थाय हात्य विभार्भाद्भारिक्षेद्रात्मा क्षितिविधार्मेवश्यक्तिकात्मा वार्ष्ट्रात्मा वार्ष्ट्रात्मा वार्ष्ट्रात्मा वार्ष्ट्र दर्दान्यक्ता एकाया विवास्त्रियां पत्रावाद्यां प्रदेश प्रदेश हिन्द्र में मार्थियां के विश्वास्त्र में विश्वास्त्र के स्वत्यक्षेत्र विष्ठ्र विश्वास्त्र विष्य विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विष्य विष्य विष्य विष्त किल्ल्यं भेरामक्ति भ्रामक्ति । भ्रामक्ति स्वास्त्र में नम्हिन स्वास्त्र स्वा × प्राप: ग्रेंर केर में ने मार्से अर्थे अर्थे। विम्य किर केर देश प्रक्रिये मार्थे केर में मार्थे केर महिला वटाचरान्त्रेमालयान्त्रीन्ताः वावेवारम्यानान्त्रमान्त्री । द्वाटिवाद्यान्त्रीत्वान्त्रमान्त्रीत्वान्त्री वहरार्क्षितिहर् द्वायमावेषास्त्रेर्धियर्भेषारे विभागत्र माराष्ट्रेया स्वासुर स्वाराताक्रातात्रीः वमाम्बायाताक्षेवायाताक्षेवायाता तमुक्तातात्रात्रात्रात्रीत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात द्वर अते विवादिता । अस्ति अकेरकिर ते दे विवाद अस्ति अस्ति वार्व देव वार्ष अस्ति वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष क्र्यालवर्। वाववालातकरःवरःशे:व्यादा क्रियावणावरेष्ट्रस्थाद्रस्थाद्रः वर्षात्वाकर्तृत्रः रुकामकार पर्यक्त मर्दिता स.कार्य, बबाबार तराय ह्र भीवता मिकार हुने अ.स.मे. हक्ती सरमेव.रे.र्. दिर.या.बाल्य,रदा बाता.द्र.पिर.ब्रा.क्.क्.रिशा विज्ञया.क्रि.द्र,रेशार क्रिंट्या क्रिंट्राये.द्रेपा क्रिंट्राये.द्रेपा इ। लगापर्। कुलायते सुलायते स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापत नाम्यान्त्रम् क्रायते हिर्द्धारा द्राया विकास विवास विकास वि ह्मिर्यार्शित्रा व्याप्ता । श्रीदेतित्वात्याः खरानात्र्व । श्रुद्रास्त्रा पद्भावश्वात्व -इंद्रान्द्रियात्वात्वस्य स्वाम्यात्वात्वात्वस्य वियाम्याष्ट्रियात्वस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्र अवमेत्रेत्रसद्दाक्तेत्वत्त्रात्राक्ष्याः अतिम्द्रभाभद्वत्यक्षेत्रसम्बद्धः यात्राद्वात्रादः यामार्विदानी मिन्द्रार्थ्य हरा हैन केंगाल हैला दे सेन दाल सर नि ते प्रमुद् विराक्षाकृति हैं। रमेयविवान तर्था तरी समातर्वा । सुर निर तर्दे त्या सुर तिवा तो त्या नामदान्याराष्ट्राक्षेत्र्यास्त्राह्यात्राहरम् हात्राहरम् । सेत्रामुलात्रक्रवातात्राक्षद्रपतेः त्याता रदा च्या याव १ भारत व्यामेर रूरी के केव गर्द वी विदे केट खा तहिता भी प्रदेशन रदाहिरारे द्वावाक्षेत्रः वर्षाक्षेत्रः वर्षात्रात्रः त्याया क्रियात्रः याः वर्षात्रात्रः वर्षात्रः वर्षात्रात्र यानिक्ष्याक्षित्राक्ष्यां तह्त्राधीराध्रारक्षेत्रकेत्राक्षाता दर्गात्रात्रात्र विक्रानेत्रा वानिक्षा र्वापर्द्रात्रेन्यमार्भे। गुरस्यायण्यार्भे व्यापर्वाप्येव्यापर्वाप्ये

**इट्यूट नेर** मुलान हॅर्य हैंदी कुं केन नातुर ने नाते र या है। नानिना नारी अधिराष्ट्रिन दरकेवन। वार्षरत्रिकारदाराष्ट्रराधिवायमाके। तर्वीतर्वानानेदार्वीतार्वादार सर्व की गरेश सुगरी तहम सुगाये गलाय दिसर्का रहता नरे भेर पर तार्यर लव्यात्राक्षे रदः ह्वा नर्याय त्यात्र तं वराह्न वा हुन हुन या देवरादेव वा व वर सर्वा है। एक रं संदेश स्था सेता बादे सर्वे स्था रहे देश के रायह देश रहा है। थिवंचलयाकृत वात्राद्वाराष्ट्रीयवायदार्थित है ति है ति किवादनहीं ते ति हरवाभारीयांतरेता, नामाना त्यामा । प्राप्ता प्रमान स्थान सराहराती वास्तान तम्बेर्स्वर्मेत्रेकेर्द्रत्त्र्वल वेश्वराव्यायते स्रद्र्रापुरा द्वाताक्ष्यवायाये स्म्राडिर क्रिक्त स्विष्ट स्थिल स्विष्ट स्विष्ट स्विष्ट स्विष्ट निम्नि पश्चरी बाड्राच. इस्साम् स्टर्स्य स्ट्रिय स्टर्स्य स्टर्य स्टर्स्य स्टर्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्स्य स् नव्यात्मलाइद्रा दात्यां अवरादातद्वाहित् याक्षेत्रावायद्वित्रदेश्यात्रात्मात्राः व्या श्रीरायरिताक्षेत्रपुरातात्त्राचा द्वारा देवा विकास नामा ता हेता व्यक्षेत्र के विकास ता पर्नाता यानुग्वाष्ट्ररानुभरार्द्धत् अनुत्रहर्त्वाष्ट्ररानुअंतर्भव मुनागर्वे । यन्त्राव्याप्याप्टरानाव्यः कुलाक्वा क्रान्द्रात्वमक्रवाक्षक्क्षात्राः नदः नदास्य स्राप्तात्रात्रेदाः स्वापाया हैंग लक्षेतर्भेरा भेष्ट्र भगयाँ गायायाम ता तेर असति कर्या यह माला वर्ष वर्ष वर्ष । गलुभकरं विष्युं ने विष्युं विष्टुं विष्टुं । विष्टुं । विष्युं विषय विष्युं विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय कु मुंदाख्यादेवग्रव्यायत्तिव। वाहवाकुरायदेके रव रव रेत् रव प्यायकि र क्षेत्राये रेत् क्रीमिट्टियो देश नेराहिरवर्णायह मार्चे महाभाषात्र वा कार्य के क्रिया के क्रि चुंबियां मृत्रियां तर्राक्षेत्रके वर्ते विकासका वास्त्रका में वास्त्रके वर्ते तर्त्रके दे सेनम्रेर्मिहर्पत्रः विक्रिक्किलक्षिवरः जात्रक्षिक्षेत्रक्षितः यह स्वेता विरी. पास्तरे प्रदेशकार्यरह्मायवात्रवेतावेत्रे के त्यामायाया क्रिक्ने हिरा वा रहेत्त्रे ति । देशकी ति व करारीयराय मेरिकर हार्याची में सेवाने राष्ट्रिया के के देन देन राध्या त्रकार्कीत्रमा कि की भीवार्डा देवला विद्यानिकारों। स्वास्थान करा रेमकार राजी भागा रहा रेमकार राजी की हरवते द्ये अत् द्ये तयुव यते दर्भ त्रव वादवारा स्वत्य देवा वादवारा स्वत्य देवा वादवारा स्वत्य देवा वादवारा स्वत्य स्यत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत . प्रम् बमा खुना लादर तस्य वा ने हैं भागा के द्यति त्या के वा के द्रार के प्रमान के वा स्वा ने वा स्वा के वा स सरक्रवम्लाहदस्य विवायक्ता के स्वर्थन स्वर्थन मान्या में हिलायते के द्वार लर्षिट्रण,श्रदः अदःसिव दात्विश्वेताला अद्यात्ताता । दरार्गरायां अवाला अवालक्ष ्दः ररः सूत्रः यः अवायः विवायष्ट्ररः रशः रतः सूत्रः यः यः अवः तष्ट्ररः रषः त्रहरक्ष्यात्रात्यात्यात्यात्रहर्षत् रहत्याः रहत्याः वर्ष्यः स्वत्यात्रात्रात्यात्रात्यात्रात् वर्ष्यः हते वर वर हार वेव दर दिया हते वर वर वर कर ते वेव वर व क्या संदे हुर है मर्च म्रेनरा इन्टर वर्षेरवर्षे नत्रेन हैर चर् मेवल। बेल म्रेर हैर है सम्

2 13 ET

क्षात्रात्र साम्राम्बाम् वाम्राम् देरायरावदे मुद्दररायम् वाराया मुद्दराये वाद्याया के दल्याया । त्तिक्रीन्त्रे मूलरक्ष्ट्र पर्रेत्री एर्. यु. स्वाक्षित्रविद्वार् प्राच्नेत्री श्रेष्या विद्वारे रे. विद्वारे ्रत्र रामु सुमक्रियाक्रियास्य तुरायार्। द्वारेलामुलायंदि सुमायाम्य प्रतिस्टिला मल्ड सेट द्वारा वस्तिवक्त्रीक्ष्रहराहराता सं हरकार के क्षेत्रहरेषे के सुप्राप्त स्वाप्ता के भैरनेन्वाथरा राषायायिदायां व्याप्तायम्। वारीन्याविव्यापतात्ते हेर् त्तिकाक्ष्यात्र रहेत् दे द्वित शकी यात्र वाची त्वता ही नेदी वार्ष वाष्ट्र वाष् चार्रावर्गिः । र्यवश्यक्षात्वरात्वरातात्वर्गातात्वर्गातिः । हुःवश्राष्ट्रायम् वर्गितः । द्रार त्मुता मियायरे व्याप्त्वारेत्। दार्दरदार्दिक्षात्मात् वा भेषात्रे वात्रे व्याप्ति वात्रे वात्रे वात्रे वात्रे यावतःत्र्तिते होता करते हत् से असर्ग यादहतादग रामे त्रितादन त्युसर्ग याने त्याने दार्ग दे मेर्दरा केन्द्रायाप्रस्थितस्युग्यस्य। येत्वेशस्यायतःवर्षेत्रे द्वास्युत्यदेता क्रिंवलदेतः र देव राज्यर प्रदेश केंद्र भीषाअक्षण प्रमेंबात्ते । जा मेंबर्ध राज्य में केंद्र जो अकर में ते से लानेलालीका मार्थातिक वार्यातिक राम्या कर्त्या कर्म मेर्गा निर्मा के मार्था विकास विकास विकास विकास विकास विकास मिनायात्ताक्रीर् में अरी याव रेट के पार्चे व ते र व अर्थ देव र व कर है अर र व के र व अर व र व म्याक्षा दरम्म्याक्षात्राच्या द्राप्तात्राच्या वर्षात्राच्या वर्षात्राच्या व्यापाद्याः स. व्रीम्बार्यर्थे । प्रदादक्षार्यद्रां प्राप्तां नावकार्यात्त्रः। भ्राःक्षेत्रक्षायात्रक्षम् निर्मा विकास निविधियातम् निविधियातम् विराशितारात्ते । भेष्ट्राज्याक्षेत्राः साम्भावन्तः साम्भावन्तः । साम्भावन्तः सामभावन्तः सामभावनः सामभावनः सामभावन्तः सामभावन्तः सामभावनः हरान्यात्रात्रात्त्रवाद्वात्रवी भाषामाष्ट्राम् नव्यात्र्यायहरा दरम् साम्यास्त्र म्बर्भका नराभारावित्याङ्गा सहस्य में द्रा महाराज्य स्केन हो पालका नराम स्वास महाराज्य स्वास स्वास महाराज्य स्वास स किं। नरायस्य विष्या क्रियार्वे लाखेरी पहुंचा हे वास परि वास स्वाहित हो स्वाहित दर र राजा मारी श्रा मायदारगार हि. हेट मेर ता मेरी कट्र कर के सामी ता कर के सामी ्र स्वा कु: सुन् वेरायकारायिकार्वारावर्ता । राउरारेलाक्षकार्यके के देशकार्वास्थ निताम गरेका प्राप्ता या निर्देशन सामिरायुभायायरः, साम्रमकुलायेते यानिसास्त ं देश हर पते देश स्वाभेता हर कर देर वाद्याय या हर। देन भेर वाया पर वल्या वर्ष हरें। याराद्वारा नागुः द्वारा नाम्याद्वारा नाम्याद्वार नाम्याद् 6 म्यासायाः द्रमादादाः क्रियान क्षेत्र विकापन कर्ता में द्यार व हमने देवर व विक्रिव हिन स्रापन के विवास करें ्रकारम्य कर भ. मर. मा. राज्य. एक्रम. द्रां कावा के. प्रस्तर प्रदेश में के का माने का महिना वर्षेत्र प्रतिहा वर वहर मूराताअक्रां कर्या की नार्वन वु नार्वन वु नार्वन प्राप्त नार्य किया कर्या किया कर्या विद्या कर्या कर्या विद्या

किल्ला इंड्रिक के अभरमामारम्भेतिक मिन्नि स्वार्थितिक मान्या

ा भेजायुभाव के पर्दे वा दर वर् कि के कि के पर के प र्वर्ण, विक्रह्ण त्यर किर के व्यक्ति के व्यक्ति के व्यक्ति के प्राचित कर का का व्यक्ति का विक्र देनेहासावर्वेदिकेतास्य किर्केलार्युक्तिकारानुविद्वारानुविद्वान्त्राक्षी रेजका दिसेन्द्रविद्वान क्तान्याद्भर क्रायात्री अहेग. स्ट्रां स्ट्रां स्ट्रां त्यात्रेर मेन स्त्री तयावन रगरके क्रियां स्वी यम् नुसुरकेवःयतिः नृष्टित्यात्यास्माद्यावाद्यात्यात् स्वाप्त्यास्यादेवत्ते विद्वार्त्तात्याः वाहवादे त्यवस्ववद्यद्वत्रद्रस्यकृत् रद्यदेनववक्षेद्रसद्द्रिक्त्राः क्रांसहे स्केत्रहे क्रेश मार्थ र हिर ह्या दे भूर ह्य देश यथा कृताह्मित काल के स्वत्य के के कार्य देश करें वि ह्या में वेर हुए। . क्षेत्रेल्ये त्याता नेमहिरा कुलायंदी का सव स्वाला है व्यवस्त्री सुराहिरा वि सुराला यददर्दा शुंनापर्वीतेत्रक्ताः वितित्ताता वाष्ट्रविधाश्चरपाद्वानीचे एक्षवना वरुपाती वर्ष मुलास्कादीः भरधः वृध्वाः लूर्तारु ता श्रुता क्रियाम् व्यास्कार्याः व्यास्याः व्यास्याः व्यास्याः व्यास्याः द्रस्युत्वात्रेत् । त्राविका परिक्षिवादरायद्वाचमायक्रियो धरायदायास्यात्रारात्रेत्र्रा केलावक्रातेवका व कर्मिकालात्यम्भात्यम्भात्यम् क्रियाचित्रम् इत्रम् क्षेत्वतात्वात्वात्वात्यस्य व्याप्तात्वात्वात्वात्वात्वात्वा म्रेटमाना लवान इंडिटरार्द्र वृत्तायलयान्य। दर्की लेयकने द्रक्रियां के स्व धिरास्या हेन हास्य स्त्रित्र स्राप्त करा वहारा मान्या सिक्षा सुरा स्वाप्त स्त्रेर विषाभरास्त्रेत्रः यरि स्वान्यत्या कृषा योद्दर ह्वल के वाद्या न वाष्या क्षा वाष्या कुर क्षा वा तुःराचर् वेदःरहरः रहः कॅदः अदगवाराक्ति वो नासुवारा क्रें क्रदः क्रदः होदः वेदः राहुना । स्रदादेरः किया त्रुं रेटरें रे रकी रिकेशी र्यं रकी रेटरक कि होया है अहू के ले हिंदर हैं ह्मॅंबार्यते क्रॅंबारायवर ५२.५८ मुं अहँ ते लु में वास्ता क्रेयांत्वर में रातर्व के रेट लु र्व रवा क्षित्रया दवाद्यासेटाष्ट्रह्वावानवात्रक्षात्रात्रेष्ठद्रयात्री । व्यव्यक्षित्रे क्षे ह्यू शत्य शत्य शत्य व्याप्य देश कार्य कार्य देश व्यव दे द्वाय दे त्याय दे व वहें यां इन्हें रेजालकी सामतार में ५८१ में सम्बंध के सुर्या मही देते हैं नेवा केम रेजा की मारा तर्णे दर्ग मेंबायरी रेंच्या हर्मा हरियरी यूर्निया की मात्रा की वाप तर्वी रेंद्र विवस्वति अंति भी वा महर्तिष्ठी जनकिर्द्रग्रम्किम्पर्का मित्रप्रम् मेर्या मेर्या केर्या मित्रविष्ठ मेर्या मित्रविष्ठ मेर्या वर्केवायुत्यवानुत्ववानुत्ता रात्रिकृता दिल्यात्ताता त्र्यारा वेश्वाम्रहेन्यानेश ब्रिक्षियानानान्यरिहिर्दिक्षेत्वः स्वाक्रित्रेष्ठतः स्वाक्ष्यः स्वतः स्वतः स्वतः विवयः वर्षेत्रः वरः यस्य वस्र वर्त्रम् वर्ष्यं अवस्थायं के केव अरिअक्व । रयतः श्रीटः तह्र अर्थः कर्यः सेर्थः र मिनार्वातार्वरावर् संस्कृत्याः वास्य्यस्यस्यस्यस्यत्रित्वास्याः वर्र क्रिक्रक्ष्य क्ष्यं वाया विषया तक्र विराष्ट्रिया हर देर विराधित विषया क्षेत्रभारतः वार्षान्यहियायानिराविदिः विदेशान् अक्षात्रवाराम् अरावा अदुनःबिक्तान्त्रकानीः मादवः द्वेदवः, बनातः स्विनः र्वरः स्वतः स्वः रेदरायदः, व्यापिकः विकार म्यान्कितावस्य अद्यायस्यिः शेष्यायुव्य दुवाअद्रिः द्ये व्यवादार्कः वास्ट्रिः वर्षः

र्वकृष्टित्र ते " तदर्यश्रम् स्रियाम् तार्वित्रकृताम् तार्वित्रकृत्यम् । स्रिवर्वदवद्वर्गर्गद्रित्वदर्गर्गवर्ग गुमार्था द। तीयाकेदारदायात्वात्विताक्षादा यहाकेदायात्वात्वा क्षा देश मस्दारमा देरलात्ये नेपरा मदार् मत्यायाया सदाये दे वी वाहें मार्यदेशके आर्थेदा म्भुवद्वात्रद्रक्षित्वक्ष्रः दर्दर्द्वापतिवत्ता वयायायतः स्वतः वत्त्रक्षात्वताक्ष्री भन्द्रःही अही कृतारिता हता देवा अस्कित्वा विषय विषय विषय विषय विषय विषय क् केन दान मृद्धार के त्या के निया के करा है विद्या स्था के का के का के का के का का करा है कि का का का का का का र्रमी त्यभावश्वरात्वाहरं ही रिष्टे तरि व्यति ह्या त्यर्था तरी संवयः स्वयं व्यति सक्वाकारेता क्षान्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् वर्षान्य स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्र शुन्त्रा यहुन्दर्या अरम्भतान्त्रा की की वर्षिया वर्षिया वर्षिया वर्षिया पर्वनित्यं देवाला कर्ते हिर् की लाइ अ कुत्य याता क्रिके हर्त्व वार्य महत्यां की वा ९'योअ'स्व'परि दवायावावा, रसर स्र्रं वस्त्रायायातात्वा दर स्र्रं रादर स्रू तथा करम्ब्री भवतः हेर मन्नाय विष्वता स्याता व स्व राव राव सामा व स्व रामा व स्व उर्वनिर्देश्यानम् र व्यवालको प्रत्यालक्र र देन द्रान्त्राक्षाको कु. मर्न्द्र र व्यानिवालका डि.ल्र. के जाव गरत वारापा दे के अप देते खेता हिला है। से के कि के के कि के कि के क्रियान्वन् राहित्वहातुराक्षिया चुराभव्। यात्रानेवाना हित्यूदास्टराक्षिया श्रीतायरी श्रान्द्र हैं । र के विश्वायरी हिंभके वे तर्वे दिन हैं तर के विश्वायर विश्व श्वाले में बाबार। वार्षिद्व वर्षेत्रा भूरे वा अदा अदा पर विवाल भूर के से वा आदा अदा पर विवाल के वा अदा अदा अदा क्षण्या केला साम्यवताहर्दर हुव तहिंगास्याम्याने वार्या स्थायाम्या नेदावरी कृताहिंदा हैंता न रहें अभिक्ष यह विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व के माने विश्व के माने विश्व के विश्व के विश्व उर्व ।र'ल्.रट्रल्वर्वर्वर्वर्वे र्वे देवर्वे वर्षे नर्.क्षंत्रकर.प्र.शिक्षक्षेत्रवर्त्तता व्यक्ताक्षात्राच्या वर्णात्राच्या वर्णात्राच्यात्रम् श्रीद बुनामदर अरात्मानाय के तार्का के बारा में अरामें अर्थ अवराता केंद्र अर्थेंद्र। यह अर्थ विवा केरा प्र रा. कंषरता. येट. कंषा. जेशाला । वेर. काली हारा काल के अरेश वेशालर । वेरा वे वे वे वे वे वे ग्रेमराइग्इंगःहरवाराव्याः वर्षायाः वर्षायाः वर्षायाः वर्षे भूषा यक्षितः म्यार्व्यर्थाता वि लद्द्र्या भरद्या मुख्या म्याय मात्र महत्या म्याय मात्र में इर्। वया. मेर. करें दा करिए का मिया वा स्तर वा हर वा हर की मिया सर स्वा सार स्वा सार स्वा सार स्वा सार स्वा सा लेक्ष्या सेन्द्राक्ष्या हैन्या हैन्या हैन्या हैन्या हैन्या हैन्या व्यवस्था लक्ष्य ्राह्म नाम मान्याकी मन्याकी मुनाहुने ही नावना हिरायही। नाहनान में रामरावयर कही।

230 Ci

型化34.34

2.

र्रातारे,ग्रुंदरकी,विक्षाता विद्वित्वमात्येत्वातात्वर्। कृत्यामासूर्य कृत्यानासूर्य कर् व्हित्यालियस्याकाः स्टिर्द्यायप्रद्राद्रम्था सर्वित्रम्याचर्ष्याचर्ष्याः वयाववरानेता स्वामतीयस्वातारमार्थात्वा स्टावदार्दार्दातावयार्द्वतातार्ता रवावार्दारमुका मुनायाः अक्तुवाः भूमारग्रां क्वांकराक्षरायम् यादादेवाः खेव। दात्यवाक्षराक्षराक्षरावाः क्वांकराक्षरावाः विवास न्राहर केला तुर् सेल हैंग एक ला कुर है। इस सामिति विषा स्वादर हैला है। दवा शे से उर्र पहेंग्राच्याः व्याल्याः विष्याः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः विष्याः स्थायाः विष्याः स्थायाः विष्याः स्थायाः स्वामात्वी वेरावक्टारा स्वा, तराक्ष्यायरायर मुलीस्व मुख्यावहान द्वाना क्रामद्रात्र्वत्रः भेतात्रः भेतत्रः द्वार्यः । अत्रत्रित्रक्रेवरात्रवत्रात्रम् रक्षितात्रात्मवकः क्षेत्रः स्ट्रात्मवातावावावादरसादरास्त्रवामः भवावाद्यापुरा देग्सूर्याक्षेत्रः न्यायराष्ट्रम् द्रित्रार्य्यवादादार्यः प्रदायर्थ्यत्रात्र्यं व्यायर्थया राम्भाराम्यान्त्यान्त्राम्यान् ध्रीम्क्राच्याम्यस्याक्ष्याक्ष्याः स्राचित्रास्य म् मलमा प्रमूचितालाकतात्वारायात्वारायात्वात्वारायात्वारायात्वार्थात्वार्थात्वार्थात्वार्थाः मिन्त्रवलक्षर्रम् स्वाप्त्रविद्वति । स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वा क्षे सियालवान्त्रेनात्रहेत्राचरात्रामिरार्यहेनितार्यम्यायायोराचेराच्याः सुराहरात्रे द्वाराहरता क्रीमहिन्द्री है। वीराणकाला काललाला का महिन्द्र में के वार्षित मही यरे, म्रांट्यालक्ष्रें विवालियाः क्षातालव्यक्षेत्राक्षाः श्रीद्रात् । श्री यह्रदेश्रवाताः भीविवालहर र्श्याकः यद्भे वित्तुवा श्रिक्ष्ये भिन्ने वक्ष्ये वित्रं के वित्यति के वित्यति के वित्यति के वित्यति वित्यति व सारदेशस्यायात्रमानेय। संवदः त्रियायते और उवारेदा दः दरः दः अस्वया अन्वहेषः श्चिर्द्रस्त्री त्यां स्त्री त्यां क्षेत्र क् स्वक्रियातीत्त्र्यात्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्याः रदःवक्रित्येताः स्ट्रियंत्र्याः स्ट्रियंत्र्याः स्ट्रियंत्र्याः री अवारावरानी वे हेनाधीवी वार्ववा ह्या सूर्र हैं क्रिंग अदायहवा दर्श हैं वार्वा पर्देश तर्। भुक्तानरपार्यहर्षेत्राचर । ्राज्यानरपार्वे केवा कराय केवा कराय केवा कराय केवा कराय केवा कराय के महरा तः मेवगलाश्चरक्रेववर्षित्वरात्र्याणाव मेवार्थत्रेक्तवर्त्वरात्र्यात्रेत् मार्थित के स्वास्त्रावार न्याता हैर्ज् हे दैरा कर्ड है । यह सामा सर्ज हे देश है देश है देश है । यह समा सर्ज हैरा यह समा हैरा सर्ज हैरा यह समा हैरा सर्ज हैरा स्वास म् वर्वरावर् भर् व्यक्तात्र राज्य वर्षात्र हरा वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र विवस्तवादारार्द्रादे द्वरादेशानुनावादारात्राचाराः क्षेत्रदावाद्वीतान्त्राचार्वाः विवादान्त्राचार्वाः यतुं भे ने अथ , वाहर , वाहर वाहर , देशर वह , भूभ केर , विवस की या विद्या किया । 

मदी व्यक्तित्वःम्भाभास्त्रम्भातास्त्रम्भवत्त्रम्भवत्त्रम्भाद्वः क्ष्याद्वः व्यवस्तात्तात्त्रम्भादः

भेराहरूर से राजा का का किरामान्य के प्राप्त के विकास वहिंग्री इ. र्यक्षेत्रं दर्भे अवतर्भावर्षे वाया वार्ष्या के विद्रा के विद्रा के वार्ष्य इर्'4व' अ'र्बेरुयर'वितेष्वाराक्ष्याः विक्तिर्वित्यार्वित्रवार्वे वर्ष्वार्वे वर्ष्यार्वित्रवारवित्रवार्षिक्ष क्रें अर.वर्ट उ इत्तान्तर्वात् राजनाम् विद्यारा राज्य से वर्षेत्ररा राज्य से वर्षेत्ररा राज्य से वर्षेत्र राज्य से से नामा विवय क्री द्वार्राहुमार्वावंशां कुराका त्याना स्टार्भ्याक्षेत्रका क्षारात्यात्य तरा वाह्रभावन्य स्वार ययमायार्भियर्व। मैलायां भरतास्त्रास्त्रास्त्राः । मैंवायां विवायां विवायं व सेरामाश्रात्वां स्वर्धकार्वा अवर्षा के हेर्द्राख्या का के द्राख्या का विकास के विकास के के विकास के कि विकास क वर्दुर्केशस्यक्रिंत्यषुवाद्यविदा निर्देश र्यायात्मेशविदा हीरके द्वार्यात्मेश हिंगाके हेरायर वी त्यवापुः ल्ट्रिक्षरायभेर्वलयदेशमञ्जूते द्यतः स्रुक्षकेष्ठेषामञ्जूरात्मभागकेषा भेरवेरः कुरण्यत्व्यवान्यवर्षेक्षत्। भ्रुरक्त्रिला भेरत्यत्तार प्रतिक्षित्र प्रतिक्षित्र खार तर्केला केरामायर हरेर का का कि निर्मा का प्राप्त का प्राप्त का का का बाहर का बाहर का बाहर का बाहर का बाहर वन्त्रारदेववक्रियम्भात्राः कुम्पार्ताः द्रार्त्यात्रेम्भूत्रात्राक्ष्याः कुष्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र दीराचयवावयाः भुरायारे हतां बुल्युमान्नी केया दरक्वववर्षवर् मुत्रावरी सुराह्मद्रारा हो। क्षेयमहिन्द्रान्त्री छै। सुप्तायम्यामायादेन, उरार रार रेने रायाया देवायानवित्रावर देश्रेरावराण् वरेक्ष्यावराणारा राजारा राजारा सेरावारी के वसवाराण्या परासेरा शुक्रामार्थिक निर्मात के क्रियाहक कर के मुश्रामेश सूर्या निरम्भेश वर्षे के मेश देवलरातानात्वाकुराः कुलाक्ष्वाके भारदान्त्रवल् अवविद्यति स्वादवदाद्रम् हेवावल्य रिन्द्रिश्वरात्तेया स्वाद्यराधीता वर्षायायाया किराहेट तह्याद्राता देवहित त्य इंदर हार्वा दे अपने व्यव दे वर्त हार्वा है। वर्त के वत्रसम्बद्धिः भीत्रवीयवायस्यवा रहत्यहत्वभेत्रस्यह्वास्त्रभे तर्भितः भीत्रस्य स्वत्यस्य द्वजर्रत्ववारदेवववववत्तर्भः अभाषा वर्षात्रके के सूर्य अवसारिय क्रिंड के अन्य के अन्य का मुन्य के सिया की वर्ष्य महत्। हैं र श्रिक्ष केंद्र देश नेरी बीट के अमार्का पर्वा केंच्या केंच्या अस्ति हैं प्रविधा के क्रिक रमा हुलाम् करित्रहेव सर नाम प्यर दे। दमुनियान नाम करित्रहेन प्यदी हिर प्यता सर तक्षिण तहिवानेवाना ह्येरायतिकीरामहरामहरामहरामहाराम् स्विन को वाया दार्थिता करकुन वेरावाचा वायिता ही देराकु कहिरामा से वाया वाया के यायर्। स्टायमुना नेरावावाता सेरा द्ये दराष्ट्रायरा मनुः यदा द्या रवा महामानिक्री तवरः या वेलावें कुंबाग्रद्यवामा र्याद्रक्षित्रहर्याया में विष्टुं महाविष्टुं महाया वें द्यतः वृक्षे वृद्दः वश्ववः व्याद एकः वश्ववः । युदः कुतायः गलेराष्ट्रिते सेदवः वलुगला वा सूर्वः वर्षे

क्षित्र हैं ये अवर्षा र सुर्वे । बे कें के अवदेश अर्देश की वा की वा की प्रारंप र वे वा स्ट्री न की वास्त्री न रदावरे व वश्चीरावविषाता हैरा की देश वविषायत हैराया दवा की राया दा की राया हैरा की राया है। भुरितरम्यायम्याराष्ट्रभागः हिरी देरितरमापरियाम्बारम् । मानास्यापितप्रियम् रापान्वराप् हें। द्वावालुविते द्वादन्ते वित्तास्त्री वित्तास्त्रीये द्वाया वित्ता द्वाया वाल सदम् हें स्ट्यां ला कुर्वातवर्गात्र्यत्वरवक्षाकृद्वत्वर्देश । मदत्वर्द्धमञ्जरदङ्क्षिवायवत्रदः। क्षेद्रःभयुः सैत्यत्वस्त्रम् । त्वय ता ग्रूर्रगर्भेभ्यातासी वदयाकरा मृत्वते बुर्गासे वर्गी से बाता (वस्वारिक ताला में के व हो देशहीराव्यास्तितात्रका क्रियाच स्ट्रियाच स्ट्रियाची स्वाम्याच स्वाम स्वाम्याच स्वाम्याच स्वाम्याच स्वाम्याच स्वाम्याच स्वाम भारकत्त्र सूर्वर्षित्र विरासी वायरवएःश्टरतात्वा तालवा सूर्वप्रियात् क्षियाविष्यः विरास्त्र स्थापाः स् उन्मूल्य पुरा महर महर विग अपेमहरे ताती हुमन तर अवलक्ष आक्षिण भूता प्राचिता. क्वावयाक्त्रम्यायाया सक्वावय्यायायात्याक्ताक्ताव्याक्रम्द्रा वर्द्रकेवक्ताय्त्रें व्याता ८र. ५५१ वर्षे यास्रिया हो त्या त्या स्तर पर्ते पर की प्रदेश कर में प्रत्य प्रति हैं। र्वेत्रस्वपुर्स रहक्र्यः बर्वेद्रः। चार्षवः महास्वितास्त्रः प्रिमास्त्रः प्रिमास्त्रः प्राथः विभास्त्रः विभास्य विभास् वस्तिक्रग्यास्त्री ह्या स्परास्थामहत्त्री तरकार्यभारती सन्त्री वर्णा मान्या DEPHALY MARKAGARENIAN CARAMERIE LA LALLE MAKABA म्ब्रम्भेषा राजन्यभगन्त्रेत्रवाम्यान्त्रात् देरावस्राभक्तात्र्वेत्रव्यवान्त्रत्तेत् । स्वताराद्वा । नामानव्रत्यक्षेतानातर्। मिणाइकाष्ट्रियहरूक्षेत्रकार्यात्या हैराक्षेत्रेद्रक्ष्ण्यात्वर कर वर्षात्रा क्रामि हे मेर्स्य विभवरहरद्ववा वर्षा हे लु वर्ष देवा खुला रुद्वा वर्षा हेर ८७१४/६५ हरा विश्वराहर, १३०० दर, महेर्ट्या के अंअबुवयते नाम्यापाने वास्य मार्गिया रवार्याक्रियावादावर्वम् राचारे प्रति। कृताद्ये नयुद्धवाद्भवताक्षेत्रवातात्री रुरकी वर्षे वहरें वहरें में प्राप्त देर पर ब्रेंबर्टि गया ब्रेंबर के विकास के वितास के विकास ्रेस्लाल्यां बद्धात् त्रात्त्रे से तित्त्र हिरा महारा महारा माने माने हिरा हर के हिन्ने दे के त्रा हरे हैं तर हिरा महा शुन्तरम् छो। सुन्तरम् । क्रीमहिन्द्रम् छो। सुन्तरम् सुन्तरम् जार्यातातार्द्रात्मात्राता के.लराम्डिक्यावमात्रार्द्यार्भी द्यातपुःशुःपात्माणवः वाहूरी नम्अविवायम्बाम् देशायते थे तार्देश्याम् वास्यविवायके मात्रमा वे यहरायते भे तार्यक्षम् निक्षात् रक्षात्रा निकार विकारिक में विविधार्थात्राहरीति । विविधार्या निष्युन् नेवायरी नद्यम् द्वा विविधार्थात्राहरू निस्ता है महत्तुवाय छो। यद वसमा अवास्त्रिं वायभ्यायुवाया व्यवहर है। विस्तरे से हाम हु छो। एम् वलमा दरतियान्द्रम् म् ११११ निरायकरमेराया कार्याचलमा तथारमाना मिरायह 

ण.नडवाया वैका.दिवा.कु अधयः भुआहे। कु रुट्डिट.पर्जा.पा.पर्ट्याके.जुरी क्रेशकुक्ट. हेर्च्टेव केंद्रा मदर्बारा वीरावरवे तहिंत्रे केला साह राहर के वागर विवास व के खेर वि ति विवासित च्यावशा भिषात्रपुः में (ववशान्त्रे में सेवशा याता विवास के में प्रति प्रति वास्त्र विवार के मक्तार्भराव र हेंदर दें ते विद्यामेर वेर हिता वनाव स्वान्ति म महान वल्या वात हिते हिता है र व्यास वनदा क्रेबान्यस्थात्त्रेद्धरः द्यतः बहुरायात्त्रे कुल्यात्त्रः कुल्येद्वह्या क्षेत्र्युत्वह्या वर्रर्वेश्वाचेरी वाष्ट्रभाग्ये अतिहर्ष्ट्रम्यहैं वाहरी स्वालयान्यने विवर्णने विवर्णने ह्मर्द्रभाष्ट्रकार् कर्षेत्र कृतात् वर्षात्र्वयात्त्व्यात्त्व्यात् वर्षात्रे कृत्यत् कृत्यत् कृत्यत् वर्षा महूरी प्रमूक्त्याम्युरातामान्याक्षा हरात्राच्याः ब्राम्याम्। भ्रम्भावया क्रिक्शंकरी क्रिक्ट वर्षेत्रक्षा व्यवताक्षरा व्यवविष्यत्य स्वत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र व खिल्द्रं भ्रेविश्वरायर्थ । वास्तरविष्णावभावसात्तरः भ्रदास्त्रेत्त्रेत्त्राक्षारावतात्त्रात्ते वी वर्षरे प्रवास मकर्यस्य मन्त्र द्वार्षेत्रं त्यात्र मन्त्र द्वार्य स्त्र मिटा स्टार्य स्त्र प्रत्र मिटा स्त्र प्रत्र स्त्र मिटा स्त्र स हत्यां म्रानित्वित्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र मर्तास्याक्षर्त्रेर्र रठर.में अअरक्ष्यक्ष. प्रेय. र इत्र मायायाः क्रास्क्र र यथा व स्थान्न म्यादा सामर. सामान्त्र विभागावतः स्थावरक्षिणात् भीता रहिरात्राका अस्ति। वालाक्ष्मित्वन्य रहिनात् वह्यां कि हिन मियारियामिद्रत्रपात्राता सिद्रक्रम् म्यातामास्याक्ष्याकिद्रा पर्क्षत्यार्थियास्त्याप्तात् राज्यार्थितास्त्रम् र्वायाक्ष्यांत्र्यात्रात्राद्रम्या र्व.इयाक्षेद्रमञ्जात्र्यक्षात्र्यक्ष्याः क्षेत्रव्यवर्थत्वत् वत्रवादात्रात् द्रात् वर्षाः ख्यान्द्राख्यक्रम्लयद्वयाव्यामा देन्याद्रत्याय्याव्याच्याः व्याद्याः द्रावतः द्रावतः प्रायाने महार भारत व्यामित ह्या हिन्द्र्या था र में हर्ति माया है हर्त माया है मार हिन्द्र माया है से माया है भारव्यायात्रा भारव्यात्यायात्रायात्रायात्रायात् वर्भत्वास्यायात्रायाः वर्भत्वास्यायात्रायाः यदा अविवद्धदाइवार्यिक्षेत्रेवार्याया समर्थ्यक्षद्वीतह्याया र्यदा ह्या वेद द्वारायाचा वद हो राज्यवा म् रहेत् वर्षा वर वर्षा प्रत्याह्मायहर्भेद्रायात्र्यायाः स्वायाः स्वायाः स्वयायाः दर्भेया राष्ट्रियायाः स्वयाः वात्राः द्रायाः वात्राः र्वार्या विषयाने विषयाने विषयाने देशका देशका देशका देशका के विषया के विषये वा नहिंग्या केर् वेराव विवेदाव्या के तुन्य प्र रहन विना धार्यका ने दासदन वा के के निस्ता के वि हेर्यक्ष राज्य राज्य विवाय शिर् में निर्मेर अक्षेत्र में गण विश्व हैं निर्मे हैं कि में निर्मे राज्य रिनर म्मत्याक्तरम् म्याक्तर्रत्म् राक्ताक्ष्याक्षराक्षाक्षाक्षाक्षाक्षात्रात्र । स्मान्याक्षात्र स्मान्या

क्षे वुष्टाताम् भेरम् वार्मित्र कारायायायीदायाक्षे मेर्नाया वुष्ट्र कुर्मे वमाभावते मार्मिन वता सेनुवानाश्चरःष्ट्र्वानानविवतिवया । वाह्रवत्त्र्वातिहर्देवादवातिहर्देवादवातिहर्देवात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा रामिविक्तिविक्षेत्रम् व्यादिक्त्रम् विकार्याः । अकेरिर्द्र्याप्येत् । देवपादपास्त्रीम्क्रीयरो सरदेशास्त्यात्यात्यात्वा वृद्यायात्रदेद्द्वते सक्येद्र स्ट्रात्याः पूर्वा वर्गारा वर्गाया क्षेत्रा स्वान्त्रेया के सम्द्रा हिंदा के दिल के दिल के स्वान असरेरा वायारे देवां करिका हार हो। दार दर दर देवेशाय स्वा वाया र वाया विकास कर वह राया में हुं अध्यक्षित दा ग्रा किंद लीता सहकारे में कु बुदा वमा आवत केंद्र के दावरा देदवा वमें हिंव. भ्राद्रास्त्रेभे वद् । अर्द्रायाये प्रादेशमा द्राता द्राता दर्शिक्ष दर हो भे वद् । वद्भे युवा बीट वदे । वारत्यातः विन्नर्वाराम्ब्राम्के नाराष्ट्रवारेता दासाव्यायाष्ट्रवार्यदार्वेन करी द्वावस्था ्रमरःम्प्त वार्मेरावित्रवाक्त्री रमयानिक्ष्रान्तात्वाक्त्री वेत्रात्वानिक्ष्रित्वात्वान्त्री मैं में में त. राष्ट्र वारेवारंत्या से वारणर राया की प्रवास प्रवास की प्रवास क्षिरअपुर्याच्यात्रपुरवश्चात्रात्रवया क्यायवया क्याय्येवत्याक्षेत्रचन्त्रक्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रव राद्रामां द्राप्त द्रमद्रश्यम् स्वादेश्वर्ष्त्र स्ट्रि ्रियामा इत्याम् विकासम्बद्धाः द्वारा हिर्द्वराष्ट्रायाम् । तर्राष्ट्रायाम् विकासम्बद्धाः विकासम्बद्धाः । तर्मा मानाम् विष्या वर्षाम् वर्षाम् कर्षाम् कर्षाम् कर्षाम् स्वर्षाम् स्वर्षाम् वर्षाम् वर् उर्द्रात्र अर्थार् स्ट्रेंब्र वर्ष्य क्रिय्य के के वर्ष के किया के के वर्ष के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि कि यर् विश्वाक्तर पर्वाकेर देवला केर र क्ष्य भाव बेर वला पर्वे । यर् व्याप्त के । यर् द्या के विष् राम्यातात्वका रम्द्रद्राहर्यम्मद्राह्यत् हरायात्रमात्राहर्यात् (स्काय) दे:पहुर्से मिणदार त्ववा) देला व.जिंगा रामि समिर या प्रदेश एवर पास्त्र समित हो। यादे देलाव करा हराये कारा कारा कारा कारा कारा के देश स्वाप देश हैरा भूतर्टः प्रायम् मेर्यालेर ब्राया भ्रीत्रवर्धा स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया संभितात्र्याक्रिया राजवादम्यातर्थः वर्षात्रव्यात्रात्रीत् हेराष्ट्राद्यवायाः नामवात्रात्रात्रा मक्ता रमर्ष्रक्षेरा गणवन् वृत्व। वनातः व्वनः वेरः श्रुपाः वादुवः वया वित्रः वाद्वः अकेदः व स्वयः ( र्वन्तु) भेराप्ताक्षा वाम्बायक्तिक्षाराक्षात्व। यात्राच्यात्वाक्षात्वाकष्णात्व तरवर्षतंत्रमा अयाकी वा अक्यातमात्त्राच्या देशका मिंत्रपूर्ण प्रत्येत हैरेर व्यापाली सरायात्र्यात्राक्षेवाद्य्याण्यत्। म्यत्विवत्यत्वित्राक्ष्राक्ष्या रम् केश चर्राता में त्वाचारी में प्रत्मेणकुर्ये में में प्रत्मेणकुर्ये में प्रत्ये में में त्वाचार के प्रत्ये में प्रत्ये मे द्रभगद्रयंत्राहिद्रताववला महत्त्वात्यभाद्रभगद्रिमा सेमाह्र्यादेशकारे वह वहद

ला यूर.त्. सेवा.वेज.र्ज्य.त्.क्री वाल्व.र.र्ज्या.या.वेर.वर्ल्च्यां केर.र्ज्ये रेड्ट

वर वर्देर वर्गा सूर त. हेर हैं रहार मा हिर्। यालय में राजवा या राजवार वर ही सा से स्थार वयात्रात्रात्रात्रेवातर्कीता नदार्वकारात्या स्वात्रिकारा द्वार्कात्या वरामहरूत्येवा स्रद्भः द्वनः सं वायायवत्रम् वायायः द्वन् मान्ति क्षा क्रान्त्रः द्वनः हुना क्रान्त्रः द्वनः हना क्षाः विवादः अर्ब.रे.य. रत्रया.रे.त्व.क्रिया.स्य सी.र्याम्बन्धायत.पादमायरे.क्रिया मदःप्या.पासर्थया.स्या. याम्बार्का द्राप्तान्त्राच्यान्त्रत्वर्ता त्र्वान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राक्तान्त्राक्तान्त्राक्तान्त्रा जन्मून । एडिशोर्ड एडए हेसर हेसर हिसर रहाप्याता रहाप्याता राष्ट्राची वास्त्राकीया मियार स्त्रीत इंप्ट. वट. वर्दि वता में या. से या. से दी. भी ता. भी ता. भी वि व से दी हैं हर व में व कि आता स्वेर वि वा वि अतार. ललद्यवाद्रात्रात्रात्रात्रात् भेत्रीद्वद्याद्यद्यात्रीद्वस्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रवरा सा एडिम.रेम था.रू.रू. जाया व सूर्विश क्षिश्चर क्षेत्रास्क्रिं क्षेत्र रा.रेटा वर्टी से वी देवा की सुनानराभाकी केवनलक्षाशुप्तरमा विदेसम्बन्तिमार्श्वन्त्रम् दुनाभावक्रम्एए कार्यस में दावतु हीता त्वांत्वात्वात्वात्वाता रद्धवातानात्वाता व्यान्या हैता वर्षे र त्या देशतर्थिया यवेत्रे अक्तार्यम् रात्र रात्र क्षाकृतामुवारवातातहैमताकर्रद्रा ष्टित्यमुक्रम् वर्षिय मद्रम्द्रक्ष्यक्ष्याद्रम्बद्रद्रा भव्या अप्रतेत्वद्रम्भःद्रः। वतिःसःवेत्रभःवर्गा दरः प्यालयास्वया वीद्यन्त्रा क्या वदश्च नेवाम् वाल्यस्य केटा वर्ष देशक्र देशक स्टिन् क्षाद्रार्थाय्वर कुणद्रः निभर्देर सुनाभर्तिय स्वस्त्रम् नेया निभर्ते साम्या रदार्याताकार्यात्वाचार्यवाक्रिया में हिराराचारां त्या मारा सद्योक्षेत्राक्के न्यराता द्यम् रत्र्यारे रेद्रे सरतः विवयार् ता भाराद्या में अक्र्यात्रस्याते कुर्ण हिरासुना मार्था केरादा चरुरकेमर्गरस्य खर्क्याकिया वर्षेत्रास्तिर्वतात्त्राह्मा द्रात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त क्तिम् सक्ता वर्ता में विष्ठा में विष्ठा में विष्ठा हो हिर कें र पे देश में के के के के के कि के कि के कि के कि द्रभवा य भें जारदर र्ह्नेन क्ष्यांच त्रामा ज्या पद्मिल हुं रह्में रह्में ज्ञान क्ष्ये हैं क्षेत्र क्ष्ये क् र्या स्रम्याम्थाः स्राचिता क्रिया क्रिया क्रिया माया स्रम्या स्रम्या वर्षके वर्षके वर्षके वर्षके वर्षके वर्षके यकैतारी ही रे हिन तर ने दर्श्वा तहना सुरे रथला त्या में दर्ग ही भेरतार अवदार ही विकास व्या जयार्वका वायवा वक्षर्वास् रेते वित्र रेते वित्र र्यं विद्य विद्या के विष्य के विषय के रामित विद्या के विद्या विभागकियाहकरकेर्यक्षात्राच्याः व्यापार्वात् व्यापार्वात्रम् अवत्यत्यात्रात्राक्षात्रम् व्यापार्वे विभावे कियाता कियात्र मार्थित अवावरेर एत्र तरा ता आर्थित अवाय प्राप्त प्राप्त अवाय प्राप्त विवास मार्थित विवास प्राप्त श्चरः भे की भी भी वार्यायादि। श्चित्यायादेव । वनायावदुर्श्चे ने वरावदुर्भेवे। यावदुर्वेद्वे तपुः अद्याक्ति। यद्याय्येत्विक्त्याभागी पात्रवावत्रत्वित्याव मेंत्रताप्ट्रामात्राद्रीत् में। प्रतः स्रम्भर मानेद्रभव्दर्भद्र । अर् हीर विस्थान्यमा केर्युष्टर्श की स्राविद्र विदेश्यया म्भरा बैंब.हुर. । ख्रांबर.वे.भावर हिंबा.भूष्यु.वर्डर.वे.बा.बुभरा (स्राम) विवागात्रापु वेरासू. येश्याली अर्थेशक्त्येरअर्थ्येक्षास्त्रे विभागिषण्य मामाक्ष्ये त्राम्यायता विभागिषण्यात्रे क्राया क्रिक्टर.रूपात्रश वनाभवतः स्वा तिहास्त्रीताक्रावश स्वा पद्भाक्ष्यः वर्षात्राक्ष्यः वर्षात्रावरः स्व

25

प्रायम् स्वर्णात् स्वर्णा

खूनहित्र्ये। क्र. ध्रिम्मामामामामामा मानामामामामा वरता है। गर वर्षियाला वायाला न्या हिमायल सम् वर्षा वर्षा में माति मायल विवसाया एर्डे देराब्र्ड कर्ती रास्त्रायास्य १५२ १ १५५५ ८० १०६ हो। वर्षे देवायेशवा निग्निस वाञ्चवारा दुरक्षितामात्रव्यद्भद्रतास्त्व ।दुर्वरादारात्वावत्रक्षेता यात्रद्भार्यवार्वे रद त्रियामहर्यका दिन सिमावरकामावर में वात्रा क्षेत्री र रर्दर हर सम्पत्नी वैमा बेट सेव. म्लाम् । विभागावतः माथानाकुः व्यद्भावता वस्यापतः कर्णान् कुः कुरः द्वाप्ता वस्यापतः , मित्र किंद्र रानेदर, हीअपर्यप्रम्थ बहुआकी बर्धिवप्रस्था भूदर की अद्भारे प्रदेश होते होत्रक्षे सुरे हुर हुर हुर क्षेर्या होत्रक्षे महम्मान्य होत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र हित्र होत्रक्षेत्रक्षेत्र याम्यारम् मेय । रहामान्य क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्र विद्वा विद्या विद्वा विद्या विद्य मात्रा कुछ्ते मात्रम् राक्षाके माराया राज्या मात्राय मार्ग मात्रा यम्मेरी यम्मेरिया सरकुनमाम् मूरी क्ष्यामणा प्रहार्जिटा नियमिना १ तेष् यह सेराव्रिका मूरी क्रिय. नायविष्यात्वित्वत्तित्वत्तित्वत्तित्वत्तित्वत्तित्वत्तेवत्त्वत्तेवत्त्वत्तेवत्त्वत्तेवत्त्वत्तेवत्तित्वत्तेत्त श्रेत्र रास्त्रे वाया वर्षे दे वाया वर्षेत्र मायत तर्म वर्षेत्र प्रायय प्रायय वर्षेत्र प्रायय प्र मुलदेन अहरिया हें हे रेवारा की अववल की दे। दमर अवे विवेच वह आया तो खेरा हिर्देश में क्रिया में विक्रिये मिला की आववत्त्र में दी स्पेर अंदि तहीं में ता कुन के प्यादा म्बासित द्वावर्ति अहित्या सुद्दित्यानी अववतत्त्रित द्वाद्यही मात्र द्वाद्यही दुरत्रदःष्ट्रमःश्रीरःपकरःमहर्तम। जम्भीत्रमण्डीःमायतःप्र्यःद्री दिदःभूतुःच्वरः विवःसंसूरी म्बल्युत्रित्ति हेर्ने स्थात्रा वित्या सम्बद्ध स्ट्रिने स्थाने स्ट्रिने स्थाने स्ट्रिने स्थाने स्ट्रिने स्थाने श्चित्रमायायते सामेरता के सरद्ग तहुता म्यापंदरा वेवे सूरम्यता सुवन्ना महैया ह्यू म्यामित्यवि के र.रे.लर्। बीरत्र धु माम्मायम् मया क्रिया करार्द्रक् महमामाध्या के न्त्री प्रिष्ट, वर्षेत्र, तर्द्र्यभात्रा, जाती द्या, क्राप्ताप्त रही व. स्वानी प्रवासी प्रवासी नपुर्वास्वास्वास्त्रे अवतः द्विद्याक्रूरः पति एहतायसः तर्राः स्पूर्यात्वर्षे क्रिया वार्वेत दरा। रारकासेरासेरास प्रायत्यत्या विक्तर्यम् देवस्त्रिया विमन्नवनम् में मारी देदः कुष्रः भूदः भूदः भ्रतः भाषा द्यायते श्रता युद्धा प्रदेश विष्या विष्या विष्या भ्रत्या भीता भीता विष्या भ्र सर. बुंबे, ब्रवजाक्रीय, श्रेब्रा श्रे. ब्रव्ह्याक्रीट वस्ताक्ष्याक्ष्य देव देवा वा सर देर. ब्राय व्यवस्था वितर मि. रे.माया.मि.रे.पाट्। एड्याहेवायधनाकी वारवाणा ववत्यातामाया यात्र्यातास्य कूलारायात्रक्षमणा युराधणा स्रमायित्यक्षात्रेरायाः मार्थाः मह्यात्याः वर्षाः मह्यात्र र्शितंत्वरं पर्जा श्रितः क्रि. क्रि. क्रि. क्रि. क्रि. क्रि. क्रि. क्रियः क्रिय

अर्थात्रास्ति देवी.अर्थात्या देवी.अर्थातद्यत्ये किया अर्था केया देशवी. व्याप्ति अर्थात्या विकास र्मन के में हे प्रति है से हिल्ल के के से के मिरिए रेग्रेज मिर्जर रग्रेर्ड मिर्ड मेर्ड मिरिड राज्य मेरिन ता. क्षा अ. त. का अट्स न्य पाज़र का में राजे र मेरी विका केर में अने प्रति का विकाश में मेर केर में र मेर के प पत्तराष्ट्रियक्षकेष्ट्राप्तवीला अर्थत्यक्षा द्वारा द्वारा मार्थात्रक्षक्ष्रप्रत्यीला प्रदासम्बन्धः कु. ५२.५८। ४ वासवार् १ र १८ में १ वर्षे १ वर्ष म्ला असुरश्चात्रद्वायाल इरदी वरिक्ष्य नाल्य इरदी वर्षेत्र अवत्र अल्ला इरदी वर्षेत्र अवत्र अव्याव के वर्षेत्र व विवासी वाश्वी वास्ता है। वास्ति वास्त भार्निक्षुं धीनवस्त्राहेराष्ट्रा त्वारावारा विवालियान्तराते क्ष्रा स्वार्ष्ट्रास्त्र मृत्रा बर्दरक्षक्षात्रक्षात्रक्ष । अरा हिराक्षेत्रकः क्षेत्रेप्रवा क्षक्ष्रियद्वा बराक्रेर्जरातराजयात्र्याक्ष्या स्टास्याच्चेरामावरायात्रातामा स्राप्तादादास्याता श्ची दाक्र केंद्र केंद्र पर हेंद्र केंद्र के ्पर्वी वश्वालासेवार्ट्टासीलासी रवातत्त्रक्षक्ष्रकार्या मेरीश्राक्ष्यां करणी, अवपरेश रमग्रेसेर तालावग्रीयव्यक्ताक्षा स्वालासाम् दिस्तां सेर प्राप्तासाम् दिस्तां प्राप्तासाम् वित्राम्य विद्या क्षी क बीमानकिर्देशिके. क्षानुरातिया । वरिराष्ट्रन क्षेणावयाम्म्रक्षिक्षी समावकिर्देशक वर्षा परीव । परीवासिएर्राकार्भ अवयाव्यास्य तामव विश्वतिसिक्षित्रे विषय वास्य अभावत्र दर त्यानार्वेद्रवेदारद्वा १८१०१रस्य प्ट्रेस्स्य १८१८ स्य द्रमणानावी रामानेद्रवेदारद्वा । रामा वालि वरवा होर्डरेरदेव । श्री एड्स सारहंभाविका १ ० देन । विस्मादिका किरोगी दर्भ होता दर्भ । व्यवसा अर्दर के कि मासूर मूर्य दिवा किया वा एक दिया के का की वा अक्षा के का की वा अक्षा की वा अक्षा की वा अक्षा की वा विवयात्रिय । अत्यक्ति म् अक्र्या द्विर अर्था क्षेर प्राचरण सद्दरण वर्षर्थ रमा वर्ष्य स्था है। स्तिक्रमणकार्य भूम सम्मानिक्षित्र भूम सम्मानिक्षित्र मान्या मिन्न क्रिया मिन्न क्रिय मिन्न क्रिया मिन्न क्रिय मिन्न क्रिय मिन्न क्रिय मिन्न क्रिय मिन्न क्रिय मिन्न क्रिय मिन् द्यवर्ह्य के नावश्वाक्षर तुना वार्ष्य । द्यवाक्षर क्रिया वार्ष्य । द्यवाक्षर क्रिया वार्ष्य । द्यवाक्षर क्रिया नाम् क्षिताया त्रीता में वर्ष भारते भारती सह की कुत्र में में त्र में के मार्थित कर्मारी र्शेत त्रराधिया वें किर लेड वायर दुः खनायाने भेरा द्वारवार गर यति त्याय वर्गेर क्या संस्थान्यान्यान्यात्रमात्रेवायाकीया याक्राप्तात्रात्रात्रात्र्या मेर्धाम्या केर्पा क्वावहरन्वविवत्री वर्राम्ब्रिंदिवहर्ववर्षः क्रिंग्लावम् क्रिंग्लावम् क्रिंग्लावम् क्रिंग्लावम् स्रित्रारासारह्मासी कारे का सर् अस्तिकासाम्में का करार् में के कार्र की के कार्र की के इक्तरी रयात्रेतात्रेत्तात्रेत्तात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्र वर्षेत्रकारात्र्री मूर्यायमाम्बद्धार्यात्रमः मुला दरमारकष्ट्रमे महार् स्रम्प्या विक्रित्यर्गर्गार् क्षेत्रत्यर्गार् क्षेत्रत्यर्गार होता दमः स्रियाविक्षं गणाः भ्राप्त मिना । भरतः मिना

ब्रिट् अगूर, इम्रयम म्रा विक्राम्यातात्वाहरम्बवनम्री विक्रम् वार्षेत्रा म्राह्म्याम् राष्ट्र 2 के वना मिलेगाथेका दरकि मिंगामे द्रायम्बामा साम्यास्तरे स्ट्रिंगामे साम्यास्तरे स्ट्रिंगामे साम्यास्तरे साम्यास्तरे साम्यास्तरे साम्यास्य व'रे'रेलक्किक्किकेत्, बदलक्षेव'र्यवाभिव'त्य्वद्याले देश वावु'भेव'ववाभेव'त्रेवले देश 2217an क्रेट.च तेया इटाल्या च र्राच्या नार्षेत्रया स्वाद्या सवाद्यर सद्या स्वाद्यर सद्या स्वाद्यर इतालावी केंद्रवन्तानाखेरातात्ररावच्यात्मी क्रूरामावयात्रताहेवात्र्वे देवालावी विक स्वारात्ता राष्ट्रभाद्रवामा लेवाची केवा मेर्द्रका विव विद्या क्रुंता, वर्टरंत्र वतना जला कु वतनात्र वेजा प्रयोग द्राता में वर्टरं कुर्व के प्रयोग वर्टरं के प्रयोग वर वर्टरं के प्रयोग वर्टरं के प्रयोग वर्टरं के प्रयोग वर्टरं के प ूभक्षत्रम् पर्वेशस्त्रित्रम् द्रमणात्त्रवास्त्रम् द्रम् ववता स्रित्यमात्रहेत्रात्मात्त्रम् रामात्त्रम् त्ते स्रेर अग्रहे भेगव विष्य रहिर देव कर के स्रेर पत्री हिर दा राज मिर विषय में ये पाय में स्वाद्रास्यावः चर्द्रास्यास्त्रत्व । सुरान्नेरमाम्याकाषान् वायद्व । सद्तास्य सद्दरास्त्रेः ग्व.परीय रि.व.म.ही.र्यूम.हम.ब्रिट्म कुट्म हिर.प.च्याजीपारी.पर्मे.थुंशी सेवा.व क्षे.ज्यू ग्रांदायेन्ने र्याया अर्त क्षेत्रायते ग्रांदायेन में दर्माया अस्त्र में में दर्भया मानेद्केन्यते में द्येव के द्वाला द्यकेन यते के इत्येव के द्वाला हु अकुवालयते म्राटिना मालका मालका कार्या का ब्रावन्त्री अवर वर्ष नेवल केल में स्वायर में वर्ष केल में स्वायर में वर्ष केल केल स्त्री व्यक्षितात्ताहर्या क्षेट्रकार्या स्वामानद्वाम्य मान्त्री नेमानाने ना स्वामेत क्रि.ह्री रिटामर वृत्र पहले हिर दूस के हता निरंगिया वे वेय महरदेश सुखर. नसेन हैरक्षा हिराल वभक्तिया होता है। हैता वीर देशवा त्यर कर देशका की है। (५क्रका परीक्ष्मः व्यासामा । क्रांचा है में हुं। क्रीं श्रुवा श्रिमा श्रिमा श्रीमा श्री का.ण.का.जा.पा.प्रर.पुराने अवलक्षण्य के.भक्ष्, धवलाजा.परेटी हैं.ट्यूची. बासिमाल हिवालक्षाल्या दर्दिनेसम्बर्धिमान्त्रिमान्त्रिमान्त्रिता हिद्रा प्रवाभित्रक्षात्रिद्रभाव वरत्या द्वाराम्यास्यक्तानक्ष्यक्षात्रः। वे.वे.व्यरस्यम्भाग्यव्या सत्यास् चूर्यं चित्र्वाः मित्रविवाला देर्दर स्रेश्यवृद्धियात् । यह्नियात् वाह्या व्यवस्थायात् स् होला रेज्याराजा सेव्काला रम्मार्वेशम्भात्रामा अलाव स्थान स्य मेर्नाह र में में में मेरता देर में में मेरे हे ही ही हो हो ता माने कि ता हो है है है है में मेर स्रवःक्याम्रो क्याम् स्रीरक्षेक्षम् स्याम् वयाः याः स्रीरक्षे याः म्यावय। स्यास्याः व्यास्यावय। वि.पर.इ.प्रद.इ.एववस्याव अक्टूरि.प.कुपा.ग्रर.गर्थ.वरी अर्ब. य दे. बरु थ. अर्थे त्यरे वरे वरे थ अर्थे दे वरे अर्थे अर्थे दे वरे अर्थे दे करा अर्थे दे करा 

7

ही अ.जी. से. प्रेंप. केंद्र. से.र. ही अ.च. बाड्य पडव कि क्रय पाय परिया ही अ.च. अ व्यास्त्र की दे केवायात्रेता व्रत्याक्षणात्रत्यायात्रविष्या श्रीदाविष्याद्यात्रिक्षेत्रातात्ये । पाःभवतः पर्वेतः वृत्वम्द्रभारेता क्रि.एक्.भव्यात्रभावदे व्यावक्ता मेदायां भेदायां भित्रपार्थियां वि क्षेत्रत्रक्षेत्रविष्यं विष्यं विष्या वाया त्रार्द्रित्त न्या विष्या वाया त्रित्र न्या विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयं विष्यं विषयं विषय अहरी भूते ते हुर है । हिंदा का अर्दर र बेहु जरूल हिंद कर से र जववा। बर्दर ता कथा मू र्या भू रेटी कथा भू धु र र से से कुष्मा भू के भी स्याम् र र वित्र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष श्चरालक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वे वेद्धाः वास्वात्वस्य स्वराधिद्याः वेद्धाः विस्वराद्याः वर्षातारित इंगामक्षर्भवता में वद्या में वह वामार में मार में में के के देर दे । तर्रा देश वने गरा तर्राणा भवर दिर्ग गरा वर्ष आवत तर्रा वर्षेत्र अधिरायम्युः मृत्यूर्यात्वयात्राया । तथा भेरावर्षात्रमा । त्यात्रमा । त्यात्रमा । त्यात्रमा । द्रायां हरा के वे वादाता का लेटाचा ता हिटा वासवारम का बे अवासिक तर्देश वेदी वात के परि राजा हिएएर्वा वर् व्याप्यमायद्वते श्रेयाना स्वानेताम्या कारहान्यद्वाने । तद्दर में सरायदावर में या दाया। किया मना दिले महेल हेल हैं ता हा में वा राम में वा राम का वा तर् वरे में क बाली ब्रिटिश्विद्धिर रायहर्ता कर्म क्रियार मान्द्र लाव क्रेस्वन वा रहता रहता श्चित्राद्रातावस्त्रीक्षवितारेती द्राताताता विष्याप्ति स्रियावितात्यास्यात्री वर्गमत्रारात्रे वर्षत्र वर्गमात्रा वर्गमा वर्षे के वर्ष्य के वर्षा दूर्य दुर्य के दा दिन विवक्ते वर्षा के नए. ह्या बिव. परी किव. रस्कूब्रकू मर्टेर धनाता नुरी विव. हर वे. रू. प्रत्ये । विव. म्बुंभाववात्मवराष्ट्रपर्गयक्री द्वालेषुःजलरम्बुवान्त्रात्म्या नवात्मवान्त्रि भटेरादरी हुर्वीयक्षाक्षा कुर्वरित्रात्री पर्टेरेल.सै यल.र्नरत्यपुः यशपातियो लदार्य्यासाम्भावतावरास्य । श्रवाक्षेत्रका वर्षः कर्रात्रारादरी सेदार्रास्कर् रदर् देशारा में में में में प्रदेवरल में लाय रेमाया संस्त्री में मध्य सम्भावतात में से संस्ति। पर्रद्रियास्त्रीम्बर्धरात्त्राहार्वाद्वादात्त्राहारः सद्द्र्यायास्त्राम्बर्धावर्षात्रम् नायरः संदर्भनिकालेम स्वापदी विकापहरा राज्यात हरा दे दे दे दे हैं भी का लेगर एवताश्रद्भाश्री एर्ट्रेस्ट्राहीराष्ट्रश्चिरवर्ट्रद्भाजास्थान वाल्याम् वास्त्रियान वाल्या पर्या मेर्र हेना बालु में विभाग वाया मार्चे दिया है वास हिया कर केरे नहीं हैं र्रे देश सर्द्युम्स्यस्थायवतः वर् स्थाता त्राच्यात्राची वेत्वतः सार्वे ४ . भेराता र्रियाताम् । रेपासियात्र्यात्रेयात्र्यात्रेयात्यात्यात् । स्टर्यायातासमा वाशित्वर स्वाला केया स्वास्त्र स्वारमा स्वार स्वार स्वार हो स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्व र्णास्यान्त्रेयान्त्रवर्रात्स्यातास्याताः वादार्वताः वास्याः वात्रत्यस्याः वात्रत्यस्य स्वतः स्वतः र्रायद्वार्श्वराव्यात्रे विभाष्ट्रेम् नामित्रात्रे त्यास्त्रात्रे मान्यरावरे र्या.ज.मैंग्ला कर्रयूक्षातात्रभाग्यक्षत्वरात्त्रं में यूर्त्याः भूर्त्यत्यस्य स्वास्त्रं देन स्य तिक स्याप्त स्यापत स्याप्त स्यापत स्यापत

यदादगर्याद्याद्याद्याचा ११ त्या स्वाला द्वा खुराक्षा योदाविवावेरा वादी वदावता मद्वा केर्या हिद्यार कर माम्ब्रिट्रदेवाय कर वामद्वर से व कर्ण देवा से के के के के देवा है। वा के के ताद्रद्रम्यातास्थात्रात्रात्रम् स्वाता श्रीद्राक्षेत्रम् स्वात्रम् वर्षः देन्याद्राता वन केंता स्ताम केंद्र में आ त्राता ही दायक्र के न सिद्यमा केंपा में न के मिनमास्याम् केना केना केना देवरा कर्णा देवरा कर्णा है। विकास व्हेंसवा अवर्शन्त र देहलकुष्टिंह्दवसा वर्द्द्र विश्वास्त्र मान भेदेलसभ्याः व्याद्यम्वयाश्चेया रद्ध्यात्यात्याद्ययाद्वियात् । व्याद्यक्ष्यश्चेत्राय नम्रा गणतस्य गरेसक्तित्व क्षात्र विद्या में मूर्यमा माम्यावताय पर्तरा में स्राम्य पर्या रट्युंबालकर्वना ह्रियाचा क्रियाची स्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रिस्ट्रे यहार्मित्ताः मार्थरथतिः ते मार्ट्रा भार्षर्यद् । मार्थराष्ट्री सम्पर्यद् । मार्थराष्ट्री सम्पर्यद्व । मार्थराष्ट्री सम्पर्य । मार्याप्ट्री सम्पर्य । मार्थराष्ट्री सम्पर्य । मार्थि सम्पर्य । मार्थराष्ट्री सम्पर्य । मार्थराष्ट्री सम्पर्य । मार्थराष्ट्री प्रवालवार्थनाम् विवाश्वर स्थित चर श्रीट प्रमानित रू. हैन वला सावरम त्यार प्रवास है र स्रित् एमा बितुः हा व. रा. मूर. मूर। रेटेजा बि.स्य. वरेंच वर्षेप् रेसका रेजूचे हा वरी रेटापूर्वी जा सारे मायो विवास की भी श्चर श्चर अर अर के वर्ष वेशा वायरक एक र तरिया है से वाहर में के वार र ति में खरी र्रास्त्रित्रात्र्यात्रकार्यत्रात्र्रा र्रात्वात्यात्रात्र्रा र्रात्वात्यात्रात्रेत्रात्रेत्रात्र्रात्र्रा मार्थियारी के केर कर भारत के लिए ताना में अपने मार्थिय के मार्थिय वयान्त्रें दर्ज्य नवर मह्यान्। एतुर्केरक्ट्यान् खरात्त्री से यया संदर्भ रेती । अध्यक्ष पर्वत्र माथा मूद्र मूद्र माद्राया से बार में यह भाव भाव में वे व्याप मात में वे व्याप मात में विकास के देशका कर्ति में के पर प्रचा पानारिय के विकास किया है की वहने ता में के में हर ने की रिकास के विकास के किया है श्चायम्यासीयस्यासीयस्या स्याम्या स्याम्या । स्याम्यायाः म्याम्यास्या । विराद्याः विराद्याः विराद्याः विराद्याः उन्तर्मा नद्रमेशकार्याः स्रिल्युं मित्रवाम्यान्यान् स्रिल्युं मित्रवाम्यान्यान्यः वर्षान्यक्षेत्रवाम् रद्द्यालगर्भवात्र्यात्र्यात्र्याः द्वा द्वा मुद्देत्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः दिशया यात्रा स्त्री अत्राप्त के लहा पर एट्या पाया दिया या हिया या के दिर यह भाकी या अक्ष्रयात्या ने हीर-८र तर् कते नाम मान्यात्या वात्र के तर्व में देश हर प्राय के वा द्राताताओं सुराद्रा राज्याता द्रायात् द्रायात्र सुरावाता के स्ट्राया वाता में वाता विवासे कुला खक्रर केबा सूर, बी. अर्. वला अधरश्र एकी र विश्व मूर्य र हूर वला बीरता वी. ला. वि क्रियायर। देलदा अर्देरपह्याय्ये सं वद्यात्त्र वद्यात्त्र मान्त्र व्याप्त वद्यात्त्र मान्त्र वद्यात्त्र वद्यात्

े हिल्

えつ

व्यत्रितक्षरा हिराम्या अति स्रीयर्वारा केवरास्त्रिकारा या रेवर्गा त्यत्यमा हिना से राष्ट्रिया हर ही हो दान भित्र त्यर द्यार वता द्यत हो का प्रेम हो हो हो दिन र्भारअर्श्रेरप्रह्मात्र्वाश्चेता केरमधरक्षा घरकेरत्या केरमधरक्षेत्रा द्विट्यट्यट्य वात्राक्त्य वता है र. रया तपु श्री-परवता हिट्या एक राजा आहे आयर्टे अरवता स्राष्ट्रेग गाउँदायनवयादवयायाया वर्गाता सरमायायाया राजा दारा दारा दे प्या अ.कूर्.एड्र्अ.प्र.कुश र्यु.अ.अ.कूर्.यू.म.द्रः अरम्पतर्यु.श्र.रर.प्रद्रश्रायर्थाया चथ्य। वि गर्न ने प्रमेश्या देशमेश्युक्त स्थापन्तरायान कार्य संस्थापन अक्टरत्यर्के वर्षा वर्षा सम्बद्धि र्या स्थाप्त र्या वर्षे राया सरवा अल्लेख या यरे स्थापित इर्यावरा मात्रावर्षे मेला नेया हैर तिता है है से रे रेंग । ता है हैर है या है क्रुवाक्षेत्र्यक्ष्यायक्षायक्षायक्ष्यद्रम् देर्हे अत्यायक्षात्रक्षात् स्रोक्षेत्रहरा यक्ष न्यास्यादायात्राम्यात्राच्यात् रस्यान्यनरायुक्तः । १००० । १०० मेलिनान्यने स्वस्वता सरस्यात्रकेताः वला इत्यम्बर्यकरावलितः मेदर्वष्ट्रविष्टेदा स्थानिक कर्दर्द् प्यद्यते विस्तर्य हर्ष अंशक्तित्र्यान्त्रवान्त्रद्धाःदरःसद्भद्रस्त्रित्र्युःस्त्रिःत्रिरःवत्ताः अत्राह्यद्वित्त् मेंद्रः राष्ट्र-श्रीदेश्वः प्रायम् वर्षः डिमलायदे सुरंभे लेक्स्स की केल के कर मेर तार है। राष्ट्र है। त्राष्ट्रियायति त्रुःदेशियात् कृतियात् ने सामान्यात् । त्रिक्ता । प्रवालिकानेका द्वातीकाक्षवाक्ष्वाचार्यात्राम् रार्टाराष्ट्राम्नवात्रा विद्वारीराम्भवातः वसा मिलाशक्र्या हीर हो है । जिस का क्रिक्त के प्राप्त के प्राप्त के र इर हर हर हर हर हर हर हर हर से वा से र प्राप्त करमारः एकालाक्षायालार् में प्रकृति में कुर छ्राया हैलायका मेरा के में यह करिया के किया छल त्रमात्रा राजा राजा राजा द्राया स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम रामे वास के वास के विकास यास्ता श्रीर र्वात्रास्त्राता क्वारीवात्रीया वाववात्यति स्थात्वीर वारायर दे। सीराद्या स्वास्त्र वर्गार १ वर्गार थुन्त्री रतयवर्षात्रस्य स्वान्त्रस्य म्यान्त्रस्य स्वान्त्रम् छन्त्री के.सूत्रक्तिरते.खोक्ष्यतमा प्रकार स्थापात क्षेत्रका वस्त्रकार क्षित्रक्षेत्रका वस्त्रका वस्त्रका वस्त्र र्यानवर्षाक्र र्व के विकास का कार्य का किरानिया की विद्यानिया की विद्यानिय की ही यर.सर. मिलाक्रिक्यमन.त.वलमा वन्तर.त.म्रतंत्रंम्रदेववल.म्रे न्यर.श्रे.पूर्...

22 र्ग्यास्त्री रूटलार्ग्या करार्गिति विरावर्त्त्रेया सारायार्ग्या मेटाक्टराव्रेरावर्षाम् . र्यूया अर्पः श्वाः स्वः स्वावा सासुः अक्वार्गः रगरार्वेषा रभवाः स्ट्रियः पर्वे वः व नवः पर्वेषा किर्वन्त्रसम्भक्त्सम्भवन्त्राचासुरः। नावम्थरम्यत्त्रसम्भवन्त्रसम्भवन्ति विंद त्या पुरुर प्रकल्प्ये के कि है में रिक स्रेन रहर वर्ष कर्य कर के किए हैं है किए तर व तर लोहें का केर लुर् र.म.पर्यात्यमनता प्रयूचन्यम्भिता श्रीटार्नार विर्टरायत्रिरायता स्थान स्थान स्थान ्यात्वक्षाम् राज्ञास्य वाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्ष्य वास्य क्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रवास्य वास्य यात्रान्द्रश्वक्रवार्यते वनातः श्रुवायद्। दःभावदुवाः सव्भावद्वाः यद्वाः यद्वाः श्रुवा द्रस्वायस्यात्रु 32 र्त्राच्यात्रहरकीय वाहमवावरम्याहरावाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्य अ.ब्रीइ.वर्. डर.रे.सर् ख्रीयहिंदीर्थी। अस्ति व नवंतिर्धात्रेत्र कुल स्वा र्वारा रव स्वा में के कर नह वा के कर नता र ने वा कर कर र वे के की व्यार वता स्वासित तावर मीरिक्टर, पर् . जैर धरला था। ह्या नव हो है । भी मान का मान का मान का मान का प्राप्त का प्राप्त का मान का मान का वि.चू.मांकृते. टटालवा इ.जू. सेवार बी.मांकृती वसवाता हुवा जा. सप्ता है मांकृती केरी संस्था तायद्वाक्षेत्रभूत् व्यास्त्रास्य स्वरायाः स्वरादेता ।द्वात्राताः स्वराकुः त्या व्याददेशाद्वाः क्षणा के मार्थ में सार्थ है अति में तुर्ग में मार्थ है अति में तुर्ग में मार्थ है दिन स्वरण के स्वरण के सार्थ है अपने में मार्थ है सार्थ है सार्य ह क्र गाव मेर मेरा समाहता हे ते स्वार के स्वार मेर सेर मेरा समाहता ६ से । १८३ विदस्य में में में ये विदाय देश ता देश भर में लाय कर पहुंच पर कर देश महामा में में पहुंद्र एक कर के र राम्य कर विर तर्में मेरा स्मानु का कुला हुन तर है । यात, देर सरम्भन धरे विर तुमा सुना मेरा राजारा श्रि.व. पर रेत्रे, रर हें राजार पाया पाया वर्षे रेत्रे विभवाता वर्षेत्र हेते विभवाता वर्षेत्र मेरा दर्दरदर्भ्भानेवान कृषाण्ड्रियाण्ड्रियान्यायां के गुक्कार्यण रहदायाः व्यवस्था हु राषु यार्थातीयातान्त्र द्वारास्त्राचारायाः वरायः स्वास्त्रवयाताः स्राध्ययः स्थानाः वावा स्वायास्यः स्कार्ड्स्य मालद्रा अलदुवाथान्ने अवद्रायाक्षेत्रवा विष्म्यान् संदेशक्षेत्रस्यात् मा ब्रिंग्यम् अत्राक्ष्रिया में देश्या मार्थिया निर्म्य मार्थिया क्रिंग्य मार्थ मार् वहरायाचेरा नार्डाला का कि भी बेराही में तु अहमेरादा मेरा के देशहराय निया र पहिंच्या द्वार्यः द्वारम्याभावत्वर्वर्वर्ष्याभव क्रायमवायास्य क्रम्या द्वार्टरद्वास्ट्र

भूरायदा वयात्रवारितापर करकुवर इन्हर केरमुति एकदावायम् । करत्युक्षे भूवायद्धिः कु

विभाग्रेग्रहर प्रमुप्तां स्थाप्त्रामा स्था महान्या मह

प्रदेश देत कात्रेश में त्या प्रचान के कार वस्त्र ने वस्त्र का वस्त्र का वस्त्र का वस्त्र का वस्त्र का वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस ड़िर.ल.रव. सूर.ज्यान्य १३४३. श्रीट केपाल्य वर्षात्य वर्षात्य क्रिया है वर्षे स्रद्धाः मान्याः स्थाना दर्भारतीय गर्भे देश स्थापति संभाषाता को त्वव वह र ३१० व्यापदि सुन पन्धर, रेद्व.का श्री. अष्ट्रेय. वेट. कूव. व्याचा कटला से. की. की. क्या का अर्थ. सर्कें श्रीर विवक्त विकासित के क्रिया प्रकर्त वर सकेर केर प्रवस्त विकार प्रकर नि नाथर वर्वा करते की से क्या मान में से दारावा प्रकृत तारा वर्षेत्र में से से स्वाप स्वाप के वर्गर्ना रियवक्रित्यु ध्रियवक्रित्यु ध्रिया स्विवं क्रिया तर्वे व्यक्तर तर्व व्यक्ति । प्रेमा. क्रेड्रेमा.पा. क्रेड्राया.पा क्रेड्राया प्राप्ता वर्गा गर्मा वर्गा प्राप्ता क्रेड्राया क्रिया क्रेड्राया क्रिया क्रेड्राया क्रिया क्रेड्राया क्रिया क्रेड्राया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया द्वालाओदा हिंदानेलाकेवाश्वारेतलायदानयला हा तेताताताता हा म्रान्त्रित्रिताकी तार क्षा दे महिलाब्रिति वाचलाता रेत वाचलाय विवास सम्मान ला दा वर्षेत्रवे वर्षात्राचा वर्षात्राचा वर्षात्राचा वर्षात्राचा वर्षात्राचा वर्षात्राचा वर्षात्राचा वर्षात्रा र्थान्यायदार्द्धाः गादाः हे कियायदेवमायददार्द्धाः मन् क्रिक्षाप्रमायद्वाः वसार्भाः गुराके वितालग्वापादर म्राम्भानाः त्यावम्यावस्य स्वरायास्य सेन् एहें श्रीटामुद्रकुभक्क तार्त्रामूद्र। माभवएत्य्ये सूद्रमी राज्या माना । अदलक्क सूद्रमी वर्गरायाचेत् सुरावाक्षायातरावरावर्गा वृत्तिवर्गता सारामात् सुरासुरानेत् दवरके रेडहार व रंदी विद्धिमाअक्याविश्वास्त्रियात्रेदात्रेदात्रेदात्रे स्ट्राचनवायात्रे क्रियाविसावदात्र सर-देश्य-प्रेर-ध्रीट-(पर्वेश्य-व्य-प्राप्त-व्य-व्य-व्य-प्राप्त-व्य-प्र-प्त-व्य-प्र-प्त-व्य-प्त-व्य-प्त-प्त-व्य-प त्रविद्यात्यां भेदायते वादवादी काक्ष्यायात्याः विद्यंत्रे व्यवस्या यति वक्षात्राहरूयाया

20

52181 ?

72742

क्टील अर्थ में अक्षर रंटवर्टल के लावर कर के लेवा के विश्व के विश्व के कि विश्व में कि के कि के कि के कि कि कि स्ति वात्राचा के वृत्राचा वात्राचा वात्राचा वात्राचा वात्राचे ता वात्राचे ता वयमान्यावयामान्यम् हिराशिरायामान्यस्य स्वारा इसाम्बर्ग रततान्दरास्य मान्यरायान् रे. हरक्ष्यम् वारायायाः वारायाः भेरा भेरास्य प्रमुक्तिकार्याः विकासकार्वाके या स्वास्त्राक्षिकारा स्वास्त्राचित्र कुंदा द्वारा के प्राचित्र वास्त्र देश के वास्त्र के प्राचित्र के प्राच चरित्वसम्मन्ता रादेविवाभागेरभक्ताचिरम्बन्धारादि सुवासारादेता वाता कृताभक्ता खिवायाकी विवा रहार सम्मत् सम्मतः वमातः वस्वाधितः वो नामान्यस्यान् । तरे छैः वाक्षेत्राध्यः की मिले थिवान अवस्थित से अत्यासकार है तेता व दूर के दल दे द र द के है या या अपने ा भरम्यत्र श्रीवळेषा चेर हैरायां विकास सर स्वास्तर व्यर वर्षा सुर खारा वर्षा सुर खारा वर्षा सुर खारा वर्षा स्व

me conser क्या दार्गा । इर.व-४४.८१.४४.४१.४८४ वडमाश्रास्त्र वडमाश्रास्त्र हुत्र. देन अमा अहर दर तारेता. वन्त्रः यात्रे स्रावस्यात्रेयः प्राचीत्रात्रेयः प्राचीत्रात्रः व व्याचीत्रात्रः व व्याचीत्रः व व्याचीत् अवेर.ता) इ.वेबालाप उपस्येर.घो

कु अन्ध्यार्ट अवल्यात्यात्या । अर्वार्वाराष्ट्रेका का वस्रार्टी अवलर्ट्र स्वर्गारा होता । भवन्त्रभवभादरः। वाद्रमाने माना प्राप्तरं ने मुलायते नार्यरं तहः हिरामाम् माने द्राना सेवार्कतः

स्चालकी में दबा राजा पर राजे राजा दुरला है वि ना के से हिंदी हैं। में बाला के में बाहर मेरा अत्यातातार तार्य मेराना श्रीवता कितावश्चायक्ति विवतातात्रम् सेस् स्ता नीरावार्यायावादरवर वर्षावार्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्वात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या

हे । उन् . तम्वायित श्रुवरे राता हु वर्षेता वरका में एक एक वित्र के वित्र के ना तरी सारा सुरा भेता वहुमार सुरा द्वार पार विवाद दार विवाद दार पार विवाद दार विवाद दार पार विवाद दार विवाद द

लकार कृतिक राज्य न देशल्बी राष्ट्री नामल क्षात्र में नामल क्षात्र कर के तरक वर्षात्र राज्यात्ता मात्रीतक्षराम्भूराववातारसावसा कारराच्या हराहराहरीते विकाराया

ही मुंभरे मृत्युय र्यार्य विष्य वर मुंभनेयासर से र्यार्य वर विषय वर तेया वर

र्व सर्वावया महिकारता एकराका देकें मुर्थिलेशकेंद्रांद्री देखलेंगात राह्म समान विच्यम्स रेरतक्ष्मिनाराष्ट्रियाचे रामायम् स्ट्रा दिस्पि एस्से स्ट्रा हरा है।

कता दे द्वारा विषय वेराने प्राथ केवाच सुवार्या दे द्वारा विषय विराध केवाचा त्र वर्षायते द्ववार्य द्रा छ अत्र का वर्षा वर्षे वर्षे ये वर्षे वर सक्र्याता के इं इस एक प्रकार के विद्या है। कि द्या है अपने के से वाय देवा में में

श्री पार्यास्य स्थान्य सामातः श्री वलातर्वात्रेम्। सहस्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान

म् विद्यारा निर्वास नि व्यास्ता वर्रक्षेत्रप्रायम् इत्सार्या इत्सार्या वस्ता सदलाकून र त्र इंगलर् बाइरा र ने अभाषाक्र के न सिंदी दे से साला आधार के कि अधार र त्र र में र यते क्षेक्षाकालयुः स्रा हर्ष्यक्षेत्र यति क्षेक्ष्याकालयुर्वेद् सरवाक्षेत्रायति क्षेक्ष्याकालयुर्वेद् स्मित्र क्षेत्रम् भागायद्वा वदायते स्मानाता । वत्राचाते क्षेत्रामा तदार्थन् का प्रमाय में नवा ता पड़ी अक्ष लेगाय एक विता है में ता वया मी वास्तर महार में केंब्रियुवया में प्रविद्य मेंदावा पर पर वर्ष विवादियों ल्येत्यत्त्व अक्षर्कर्यते म्मामा देश कर्या हिर र्तिद्यम् मी त्रियद् द्वारा महारा मानी तर्मे त्यामा द्वा क्रिया द्वा त्या वा वा वा वा त्या त्या त्या वा वा वा व ग्राः दे स्थाप्तातातातात्वात् प्रियम्पविष्यात् । विषयात्रात्वात् । रोभभाक्षरद्भाराद्भाराद्भारा वर्षात्र्वात्र वर्षात्र्यायाः वर्षाता.सद्भावातात्त्रं देव वर्षाता.प्रत्यात्रम् वर्षात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् वालान्त्रः वादमानुः ध्रुपानान्वा त्यानान्त्रः म्यान्यः ज्यामुन्ना क्यूर्। रम्भाम र्यात्व विक्रिया । त्रारा विक्रिया विक्रिय विक्रिय विक्रिया विक्रिय विक्रि त्रमाख्यवर्ष्वासुवायार्गाल्यक्षेत्रस्य । यदादक्षावादात्त्रस्य स्वात्रस्य स्व दारा मार्ग विवादभरायाता वर्षा करा वातु भे अववाभे वात्रे वे केराया तर वे वे वा द्रभातातहताविराम् द्रवर्तिका द्रभाता द्रम्पते स्राम्या स्रिक्षा । व्यववायाद्या स्रुक्षः साह्याध्यातात्व वर्ते त्रावः वत्राताः देव देवः । र्तिटायाती.प्राप्तायात्रीया.प्रेट्यातात्रव रिकारमामा हे.स्.स.र.प्यातार. या.च्यावर हराया द्वाचोदा द्यारावा हिराकुषालाहरा अस्ता कराता । तथा की भारत्वा स्यामित स्वाक्ता है। निरंदान्त्री रविवातिमारार्वेद्वर एक्ष्यिक्षित्रा स्वातिका हिर होर रेप दे हैं अप नेर वाला वार विर ही गुला सव विदा द्यात स्वाय वाला रमस्य देवा मेर्च राकेम्यासामान्यर्थिकास्यः सक्यासामान्यास्यास्या सर्द्विवक्रिया व्यवस्थानस्यासर्द्विवक्तियः सर्वाद्यान्तियः हित्र व्यवस्थितः याभरमार्गातिमाताक्षेत्रः रामगान्तरावर्गातिमानाक्तिमान्तः हिरापेता हात् मान क्यान्त्रांतर्भ्याद्याद्रभाद्रभाव्यक्षाद्वरात्याद्ररः । तर् भूत्र हर्ष्यायात्राद्रात मवभावेत्यार्याचेत्। सरभावतार्यात्रम् नरभावतार्यात्रम् नरभावतात्रम् नरभावता

विश्वतंत्री सार्दात्वाता एक्ट्रेस्ट्रिक्षातातात्वा विराधितात्वात्तात्वात्ता त्यात्वात्तात्तात्तात्तात्तात्तात्त

31

मान्नेकियान्ति संस्टा विरामेदायमा याया याया याया विष्या विष्या विषया हिनानिदक्ता द्वि सुस्रापद् शर्वद्व व तवद्दि दे केन हैं भेने हैं भेने हैं । व वह व नवं धर्वर या बेरा वक्षां विष्यायम् वार्यार द्वार द्वार द्वार द्वार केर बुवावमवायार विषय वार्या 12 श्व ? त्यम् द्रभर वर केल दुर ह्रमा की तत्र का की त्या है ना है। ता है वर ही महिर विवे भी वा कर कर है। वयः यविया क्रियरन्त्रिका एक्ष्यक्षणायम् भरमायायम् इ.र.म्.स.म.म.म. द्वायायम् गरितर्गालक व्यानवर्गित्रायका वर्षा वरम वर्षा वर् ददक्षाक्षां अस्तर दयतावद्याद्यतादेश तर्षा तर्षा तर्षा वसमाधदायर हे मुस् सीर्य, एवं अन्दर एक विकास कर के ब्रह्म के विकास के र्वाकावालका विविधानुसानुसान् वार्मान् वार्मान् स्वार्मातकवालावदाराजालेता है। रामात्रायात्रधात्रम् व्यवस्थात्रः प्रतरहरातेत्र प्रतरहरातेत्रा प्रतरहरात्रायः विद्वव्यव्यवस्थिते प्यामगान्या वहमहीयन्त्रिकं के के किया दूर विद्यान स्ति अप के रवण सुपरे असमार्याक्षेत्रेण यामनायियमाम् रत्तर्र्त्यः स्त्रात्रः वाम्यः विषयमात्याः स्रि. व. रेलवं के अरेव विकाश की रेलवं के मानवी यानवा की महत्य पात्राक्षिण च्याद्रम् स्वाभिष्याद्वीराद्वारः वार्यावावियातात्त्रं च्यातास्व व्यतः रद्यादातास्व स्वरः रवरात्राद्रा वरामाणभुद्धिवान्यास्यात्रात्रा स्ट्रिंदेनकेन्द्रात्रामान् मृयायास्येतः ेश्वर्यदे। ववायात्वत्वा द्वोरेष्ट्रंभिकेश्वेरायाद्या अदुवायात्वकेश्वायायवादाः श्रुत्वि इतियनिव किल्ना के में रूट्नु अक्टूर बे प्रकार के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त विवास सार्वेष्याताद्दा वर्द्वात्रवाद्वातात्त्रम्। यत्रवात्रात्त्रम्। यत्रवात्रम् वर्षात्रम् परे.ह्ये.क्येश्वन्त्रचन्त्रच्याः स्ट्राह्याः स्ट्राह्मात्रचन्त्यचन्त्रचन त्तर् क्षेत्र्राहरात् वरातर् क्याराकुणद्राहराहरा वरावर् क्षेत्रिणदावाल्या कर. ट्रिमाध्येवाक्की,रियातार किंदारदास्रेरताष्ट्रिया कुर्त्वाता सम्मुयास्त्रियावावाध्यायां त्राचा र् जर्यानकामान्त्रियात् मात्राम् माहे भाष्यम् विश्वामान्त्र से कुव. र् रदाव द्वित हर्षा वार्य व योदार्थ वाया प्रदेश है। इति हर्षा व वाया वे देश रहा वाया ये व हिन्। दाद्विव दावाल्यक्षित्य वर्षात्र वर्षात्र्य क्विव्यव्यव्य हिन्द्र स्विव्यव्यात्र्य इतिन्द्रप्रमान्वनाम्बनाक्ष्यार्षः द्वारायात्यात्यात्यात्यात्वेवन्यावविवातवात्त्रः देवेन्द्रत्यायायविदर या की त्रायाता तर् हिराया कुअद्ध सुवातात तिका व्या वितरि ति वितरि का वा कु व। द्वार्त्,र्वावी,विकारका, कैराह्वानवित्रह्याक्ष्याकार्याकार वरावेद्याक्षेत्रव 75 3 N. नीर अप्रता किर में ये दे ति से अ किर अप्रता रताय किर रत पार के के किर अ में मा ४०५: सर् भे मार्थ मार्थ है । द्वार द्वार मार्थ मार्थ

का.धि.काबाकूनते च्यानंत्री, वर्टें तरकरा हुं , एड्रें अंतरमा साव से वे पारा सर

×31

(301)

त्यवानेदार्थवायित्ये वाद्ताः वाववानु दुरादुरात्यवाने रावितः मिरावद्राति हतात्वा द्रद्रविका केंद्रवर्शिक द्रार्थ केंद्रवर्शिक द्रार्थ है। लगक्षेर्तिके दरलक्ष्मिरवरलातवेदः क्षा अस्तिक्षिरास्ति केवत्वतक्ष र्शित्याद्भाः विद्यानग्रात्वेभाष्ट्रयावद्भागात्राः द्वाभाष्ट्राक्ष्याः विद्याः AU. 291. BUN. 29. Will : C. E. St. 22. MAN D. 201/2. + L. D. C. C. B. R. D. A. D. S. D. ल्। वर्रम्बालाक्षात्रवात्रवाद्वाद्वादात्रः स्वात्राद्वादात्रक्षेत्रवेत् स्वत् स्वात्राद्वादात्रा अरतः में अक्षेत्र हैं के राष्ट्रिय अमेरी तया ने अर्थित हैं के स्था में मार्थ रदःक्षाः विविक्तः केत्रः विक्रान्त्रः विक्राः क्ष्यः विक्राः व र् निक्ष किर्य र्या कर स्थान केर श्री लीवा द्या विमान्त्र कर हिर हो लीवा केंप्र तरा धरकुरायकुरायर् लाया कूलाकिताये न्यायायहमायात्ररा वक्रामाम्यायायात्रात्रा लुन। सूर.पिना.मे.पकुरं नपुरं वालाला लुना राजा.पि.स्यामेरा स्थान प्राची प म्। एवर् न्यूरी एवीव्यं वर्षे भाविष्यं क्षेत्रा रहेवाव एवर् राष्ट्रे मुक्ती स्वास्त्री राष्ट्र क्षेतुःशैलःशैलःभूत। द्वाःसवतःवर्क्यःयवःश्वर्यः योव। द्वाःयःवरूर्वतः वः वेव। तव्वाः स्रितेर्यायात्रेश्मर्त्यं यर्। वि.इ.वि.स्याला स्रित्याची स्रियाचीराम्याचार्याद्वी द्वार्यादा द्यतःवह्रवःदेःवःवद्वदःदरःतद्। वदुर्केव्कुत्यविःर्वरःदग्रमःव्यत्। ववुवाळेविवात्ययः स्वाः ये थे व स्वाश्वरवास्याः वह्याः ये थे व स्र द्वाः व ते स्व की कि व द्वा व स्व व भ्रामित्राःसूरी वरःउदरःसूर्यात्राःभावरःवर्दर। क्रि.चम्रेत्रक्षितःस्त्रियःपत्ररः। भ्राप्तरः स्वाध्यास्य यति हीर यदे हीर दर्। द्वायवत्वा वा श्री स्वत्राया के यह स्वत्य स्वत्राया से यह लाम्यान नावनः सद्धः म्वाः मृत्यः विवादाः क्ष्यः स्थान् । स्वाद्धः स्थानः स्थाः स्था म् स्री सर्रिया निर्देश निर्देश कर्ष में मेरिया मेरी पि.सैरा,ठा.चेरत्र। देवा,त्रु,प्रिणायल, विवानकर, वाल्य, वाक्ष्य, विवान क्ष्रेया हुन क्ष्रेया हुन क्ष्रेया है। वाला विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया है। वाला विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया है। वाला विवास क्ष्रेया विवास क्ष्येया विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया विवास क्ष्रेया विवास क्ष्येय क्ष्रेया विवास क्ष्येय क्ष्येय क्ष्रेया विवास क्ष्येय क्ष्य याती.के, यारीय, प्रव्यान्या हैरी विकाश्रिक्ष प्रमाश्रिकाताः जवा. जवा. जवे. विकार विकार विकार छो.चेर. में श.ज.छ. चेर. रूने हीर.रि.हिरायलारे देर प्रतायलेंगा भू अद्भार <sub>दे</sub>द्द पूर क्षात्रम् तर्भाष्ट्रात्रम् वर्षे भ्र. वि. वे. दर. जरण. हे. वे. व. दं किरी वश्चातप्रकृ वर्षेत्रतर्। लुव. लुव. अवल अर्य. यी यर्थित्रास्त्रीयार्देदा। रिश्या स्तरायह्रद्रयाताः क्षेत्रं स्वातिकाः नदः स्तरात्या क्र्याताश्चरी सेराजारहाक्यातरास्त्रीताती त्याचार्रास्थ्रीतात्याता 

य विश्वास्तर क्रिया श्रुवा श्रुवा श्रुवा महिला म क्रद्रदेवरक्षद्रायाः क्रवाता वर्षेत्र त्या देवा वर्णात्यवर त्यरं व्या सार्वरा सार्वे वा प्रेया.म.क्रेयी.बार्ट्र.बिला. १. ८.८४.८.५.जा.चेरत्य. क्रिम.श्या.जा.चा.द्रवाह्र्य.का क्री.ता. वेजाअवर्यः मदः अदरस्याः वमायः स्वानः स्वीवः स्वीवः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्व पहन्न श्रीर हैं ते हैं ने वर्ग र जेव र दर्ग में ना मूर्य र दर र प्यो र सवा प्य र ते वर्ग हैं के ना इर्सी मा दलक्षरभरत्यात्र प्रावद प्रायम प्रायम क्षेत्र हे नेविभेष । ध्रुला चाल्यात्त्वेत्रभारतः चाप्रास्त्रक्ष्याञ्चात्रवात्त्रेत्तः अक्षरक्षः वाववावात्त्रं द्रात् द्रावता मिस्त्रिरामान विरादा राष्ट्र म्या स्राप्ति विरादा मिराया मिराया स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स ्थ्या १८५ में १८५ में १८५ हिथा तथा वर्गार तम्य अथा है। या प्राप्त वर्गा वर्गा वर्गा \* स्यामकः यात्रयः तर्येत्रः तर्यात्रः देरः सरः देशकः दरः याता वरः कुषः स्ति । वरः कुषः स्ति । वरः कुषः स्वावायः ्ः वृत्रा वर्षेत्र यरे त्याव मार् वह द्वरा करा ना भाषा त्येव अवाक वा वा वा ना ना मैंबावमूब्रत्रायावयूर्तिस्तर्थर्। बालवर्तत्रात्यात्वय्वर्थन्तर्भारः क्रा वर्द्रमध्या स्रद्रातकवाङ । तेर्रभर्वाया विवर्षे द्वारस्ट्रमः के वर्द्रवर्षे श्र.मंक्रालक्षेत्रं रात्रवातः । सायर्भितः स्तर् क्षेत्रः स्तर्वात्रः मक्क्षाः ्रमध्यात्व स्त्र मुक्तिनी नेदर्भ दर तर् सम्भ दर्ग नदाया स्वत्र कुर् के के प्राप्त स्वति। सदर्दे । ख्यायहर्गः विकाम्पर्यास्य विकासम्बद्धान्यसेयादस्य स्वेत्रावात्रः हुद्यापेद् ब्रायद्वरं । पर्तिनाभित्रः मेर्यात्रे प्रकेशस्य मार्गात्म । द्वाराम प्रकेशस्य मार्थितः स्थितः स्याः स्थितः स्याः स्थितः मारपार्शित के ना तहा पाला नारपार्थित के मार्थित के मार्थित के मार्थित के कि मार्थित के म · L कारी का ? श्र किरश्चामर्प्रराष्ट्रक मुर्गा दर्दर रवा राट्र स्वाम । सम्बाध सम्बाध सम्बाध मन्त्रायासम् वारायस्था वारायकात्र्याः मृत्रे मारायायस्थाप्यात् वारायस्थाप्या प्रतरमार्था वावरत्वात्रात्रमात्रीत्रियः में वाकर्ता के. मान्यात्रमा वाप्टरक्षेत्रमा इत्रमालक्षा विलयहणान् विस्तर्मान्य विभयाविरवार्यात्राचारत्यात्राचारत्या 中国和 हैं वह का कार श्री दे के वा चरा हुता तर है है। यह का स्वाप साम साम दे विश्व का स्वाप से कार में दे विश्व का से वा से दे का से स्वायम्परे व्यतः स्वर द्वावापरे यदेव देवा क्रिय क्रिय वया म्या वाया स्वाम वी वया बारवाय भार रेला महे क्रांभवतार रेलाम्म व्याप्त के वार विकास के ता मान कर के कार के रेलिया के कार के रेलिया के कार के र र्यत्वरुर्द्रस्थते र्युर्द्धकार्यः वर्ष्वर्यात्रे वर्ष्वर्यात्रे विष्ठ्यर्रद्वात्र्ये व्या 9 🤫 1 प्रमान कर्ताता या मूर्रिया कुने अद्भी राज्य । त्रमान क्रिया प्रमान क्रिया प्रमान क्रिया क्रिया विकास क्रिया लूर.क्रेर.क्रर. क्रियाता.लर.त.पंत्रत्यात. अर्द्रमूक्षायाती.क्षेत्रच्यात्रक्षेत्रः केर्यामात

मी मुन पर्दे र्वामा मिर्ट्यामा मिर्ट्यामा है साम है र देशका पर्देश में माना कर में हैं ते से प्रति हैं में माना है से प्रति हैं से से प्रति हैं से से प्रति हैं से प्रति हैं से प्रति हैं से से प्रति है द्यतानहुद्विक् द्वरायानम् । केलवाल्यार रास्ते राखे ताविद् केदिवार काल श्रदशाम्द्रशालका क्रिया कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या इत्यत्ते के थूर यावव चेत्र वर्ग त्राया यववा लया घटाय त्रीपावं ता गर मेर छात्र त श्रीदमुरी मुवालातावि । केला चेर्कर दरातारला मार् रहार में विवा वावला वरहेर वर.पा.रेटल.दे.बी.पर्.केर.अटला ह्यू.बोट्टां ह्यू.ची.वा.ट्या.पर्वे प्राप्त कर कर्येल ष्यातीरात्मकातात् नर्याया वात्रमः वात्रभाक्षेत्राम्याकात् नः वात्रम्ये मित्रामा मार्थित स्थाप्तामा रहामार्थित स्थाप्तामार्थित स्थाप्तामार्थित स्थाप्तामार्थित स्थापता द्याताश्रक्षरं द्रायाश्रम् द्रायाश्रम् व्यविभवनियात् स्वार्थः स्वार्थः विभवतः विभवतः विभवतः विभवतः विभवतः विभवतः ्तः द्वर्रित्यास्यायायायायाः र्युत्यास्र्र्यायाः गर्दरायुक्षंत्रं, त्रद्दर्द्दंभानेदात् इरिन्द्रभयेवर्यते द्यक्ताः भानेक्यास्वयव्यव्यव्यव्याः मान्यक्रमास्ययः महत्राच्या अराष्ट्रपत्रसामा । तर्पतिवा क्षेत्राक्ष्या मा स्राधेर सम्म त्ये थी वी के वाक्ट मार्थ के राते थी वा वेद कवा वा वा व वा व वा व वा व वा व वान राष्ट्रियाम् मेर्स्याम् । हिलाम् मार्थिता स्वाम अर्तः श्वेगः तर्वातः ना विसायमा वेतास्त्रम् ति । त्या । के देश मुद्रा मुद्रा तर्वाता पर्पार्क में भी अनुः स्टर से बाद में उपार में में में में प्रीम स्वार ्र स्राप्तः वाहमावाचन्त्राव वार्त्ववार्याच्या देशास्य स्रिक्ष्यं के प्रवास देशस्य डिमाक्ती करावस्याता वर्षामा वर यल अत्या कर निया । य वर्षिक कि मिन्न मेर किया मेर विवास कर मेर किया मेर विवास कर मेर किया मेर र्स्तारी क्राजिक्यात्राम् अर्द्धाराप्ट्रा सम्मानकर्ता में विकास क्राप्ट्रा विकास नेरास्वारी मूर्र्या राजरी नामाये लास्या । विकानिरायकारा है द्रिक्या - "स्वार्यन्य में भारा राष्ट्री भारता नर नरिस्म का तमर हो अता है या हिर हे अते राषा स्वाह्म रहरा है अते स्व दाएका प्रियम् इर। वियम पर्वत् त्रित्व क्षेत्र र्थातात्रार प्राप्त कार्यात्मात् । वात्र कार्यात् । वात्र कार्यात् क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्यात् वात्र वात्र क्षेत्र क् यथियाक्षेत्रभक्त्यक्ष्या रताराय केष्रभग्नाम्यर्गाताक्ष्याः क्षेत्राक्षेत्रभक्षात्राहरूताः

ल्याः नर्द्रात्मित्तरिः हरा तायव। देश्वेश्वात्मित्रा खेराववी वेष्ट्रे तवरावते द्वाता (A) でが、 र्यतः निष्यं र्वायायाया नायमः वृत्तं के व्यायाः ता द्वाया ता विद्यायाः का विद्यायाः र्त्त्रार्थाकी यथान था छ। जुन होता लहार्या माना देवा न विराण व्यक्त होता विराण म्बर्धक्षात्रात्रात्रक्षे हिन्द्रकात्रा ह्रवाद्यात्रात्रक्षेत्रात्रात्रक्षेत् हित हरते ए हरके मुक्कालाल में ले के वा महिन हैं में ले महिन में महिन में महिन महिन हैं में महिन महिन हैं महिन महिन महिन हैं महिन हैं महिन महिन हैं महिन दे ने मार्गित ने में प्रति हैं के मार्गित हैं हैं। दे में में में मार्गित के ७ हो र क्षे क्षेत्रके, देकिक्सिक्षेर्धेया महत्र , नहसदेवरायवाया सम्बद्धा केर्रा でを奉べる。 में मार्थ ने निया है है। सूर में ता दर दाय मार्थ है यह दे हैं है है दे हैं दे में से में में में में में में में म् द्रवेरेक्टल, विश्वास्त प्रदर्भ पर्यं राष्ट्रं राष्ट्रं राष्ट्रं में राष्ट्रं राष्ट्रं में स्वराम र यन्त्र य द्रार र देरे द्रार व्यवश्वादीर के स्वाहुल। में साम नात हिंव स्वाह में र हरा से प्र 10 ब्रेचिय "अल्डेबर वटातालट्रेन्य्र प्रदेशका अवस्त्रे ने विवादित हैं। विवादित के अवस्तर के अवस्त यदाकी मार्थदा। समाम देशमान रहार राजदल किरा, किसी धरिता देगरी रहार सरामें हा। in a pass य निम्नादित्ते । नेत्र क्षेत्र ,3 root वयम्हराव नम्मत्वाहमातम् त्रिंदित्ति ह्यात्राम् क्रांसिक्ष्या मिं हालालानुद्राता के देश का माला में तार देश है वा वहें व के वा वहें व के वा वह वे के ला व दे के ला .724म्भा प्रवेद्ध कार्य र्डिनेश्ररे विश्व क्षा पाय क्षेत्र। क्षा प्रवेद्दर्गा नाम स्था है। हुट्या देवधादाता यापवे. सम्भा के स्था अहर मित्रा अहर मित्रा मित्र स्यामहर महाराष्ट्रात कर्षा कर मार्थिय कर त्या मेर 10 किया मूर्या र्भाता तमम। ट.केंबेज्ञलाका म बेटा महेर्त्या मेरी इंद्राच नव माना वाता तर्वता देवता देव तो देवी 17 mag ! ていれ、からあっていましい、それのかれるの、あていませいいかし、これのあるいとというです ला. हेरी अर जिलार्या प्राप्त पार्याः । अ. हिर तियात्ये । प्रत्य ह्या १३८ । अता हि है यो था कर्णा कर्ण मार्टिस स्टिना स्ट्री हरे. श्रु साल श्रु यात्र मार्टिस विवास हरे। प्रमासिस स्टिना स्ट्री स्टिना स्ट्री स्टिना स्ट्री स्टिना स्ट्री स्टिना स्ट्री वराष्ट्र सुनायते के तर्वाता है। वामके वात प्रति वह राध्या केरा वेराभे वाभी भीवा नवारा र्मन देवकाला वारतरवारका । रमगान्त्रमान्त्ररामान्त्ररामान्त्रम्त्रमान्त्रम्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम्यम्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम हुत्त्वस्त अस्ति। सक्ति। प्रमानिया ता वर्षित्र। मान्सितः मान्सितः मान्सितः मान्सित् । हर्मान्सित् । यनवारालवा र्यहर्तला कर्ने कर्ति हामावर श्रेमान महित्र वर्ष वर्मेया । वास. यूर. हुन. त्.च वा. त. वर्गता व्याता वर्गता हर । वर्गता वर्गता देन वर्ग वर्गता व

थीव। र्युर्द्रश्वाक्तिक्रियो विद्यायत्वामम्हरम्मा र्द्रामिल। महास्यत्वेते १ १०८८ म न् । इरम् ब्रायम् वन्ययाये । इर्र्यं व्यक्तात्व म् स्थात्राय्याय्याय्य यांचा जरत्व है भावत्यायायेवा कर्रात्ताता के लियादगार दे हैं में के करारके धायायीवा वर्षवयावहरावते ह्यायात् सार्वे द्वार्याये द्वार्यायेवा दश्केषा द्वाराभयो व नव यर्गाहर तिमान्य र्गार नता ते लेव मर्ग हैं के वनव सव न हैं स्वाहर वाहर वाहर वाहर मानवार्य र में श्रीररुवासव्दरसव्दरसव्देशित र रुद्दायानवाय देशिया के के क्रि.च.र.अर्घरश्चेश रचापक्षकर,रचेत्रच्या कुलाचक्रक्ष्यं रावराच्या रत्तयक. करि.वितास्यार्वार्वे वितारे वा द्वारावारातात्र वर्गाता वर्गावारा वरा वर्गावारा वर्गावारा वर्गावारा वर्गावारा वर्गावारा वर्गावारा वरा वर्गावारा वर् र्तयकिष्ट्रश्रित्रेश्वर्तातिवर्ष्याम् रेत्रवर्त्तात्रात्रात्राक्ष्याम् वर्षेत्रक्ष्यात्रात्राः भूतिक र्स. ब्राया मेर् से मार्थेर । हरेरेट यह मार्थे के मार्थे के प्रायम कर के मार्थे के मा त्र्व। यदे व्यक्तः वदालाः महामात्रवे देलाः वरासा केरालेरा त्राहरात्रेश विवार द्वार केर् र्राट्टर्याताताम् । विकास विकास क्या र भेगात देवतातारवता हर। निया अरे स्वाक्ष्या का का का कर कर महारा के वा वे वा हरा। द्युर धरे ने रहा देवर रर्जातात्वे त्रमविवास्त्र प्रति हेर्डिण वर्षेत्रहेला इत्यापत्र रेट्डिक्व र्द्रभेतेवाक्तरेद्रातात्वरमा व्यावाराद्रातात्वाता वार्वरावातात्वरा र्गराक्ष्यात्। न्यक्षेत्रदेशकेश्वेत्रात्मात्रवः म्याम्बायत् वित्ववाद्वेदव्यात्वः । श्वर कार्याचेत्रत्यं मेर्नित्र्वर्वायाचेत् द्रमत्त्रं क्रियाच्यात्यात्यात्वत्व्या त्वातर्वे मर्धियामी म्रीकार्या म्रीकार्या मेरी वार्षा मार्थिया हिल क्षियमिना हैं नी द्यार क्ष्या कर विवा हिंद्या ना सम् वा वदे श्रित खर ता स्वा रेशन्य १८८ मान मारुवामां में ले हिर देगर के मा यन्त्रायातात्त्राद्रे सेरास्त्रातात्त्रे क्रियास्त्रात्त्रात्यात्त्रे सेर्क्याद्रे सेराप्ते सेर्क्यात्रे सेर् स्ट्रा के.क् बेबाज.ज. उर्जुर.बुर.बु.बेर.वे. व सव.त.ज.बेबाजा.बुंबानुर.बी.उर्ड.केर.बर्ग. 

IIm

ارے

Time र नरामा के सम्यास्त्र हो मान के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के स्थान के निर्माण के सम्यास्त्र के सम्यास्त्र के निर्माण के सम्यास्त्र के सम्या वार्यात्रात्रात्रात् हिन्स्य वायाहेरावाहिर्द्ध्यावाता दर्वाश्चावाकराविकराविवव्याभर्देः िन्द्रतः देवालर्वा लक्ष्मत्वर विश्ववतावलर्द्द्रता देवलर्कावाववर्ष्ट्रता वायलः र रेड़। याताक्षेत्रात्वरादर्व्या यात्रवःयात्रात्राक्ष्यात्रः वृत्री क्वायतास्त्रेयवार्त्वराद्वराद्वा युष्टित्य अद्वाश्याक्षेत्रेत्तातः भारत्य अत्याम् अत्याम् वर्षः = स्वरम्य निर्द्धाः श्रेष्ठा अत्यर्भा अत्यर्भा अत्यामिया साम्यामिया साम्यामिया साम्यामिया साम्यामिया साम्यामिया क्षान्ति द्वार द्वारा ने तान वार तार माने ता की अकूर में विदेश रें रें प्राप्त माने ता की अकूर में र्त त्वराविष्यात्वात्वात्वा विद्यालया में विद्यालया त्य वास्त्रामा वास्त्र वास्त्र वास्त्र वा निक्षा विद्यान विद्य पिक्या में में में विविध्याम् । यामा विकास दिस्य विविध्या विकास वि ्याद्भार केल्या । विश्व राष्ट्र स्था । विश्व राष्ट्र स्था । विश्व राष्ट्र स्था । र् (र. तेश) दे.क.भभरेत्रापुः सं.बे.चे क्यानक्षेत्ररेतर्यं वरत्यं क्रियायक्षेत्रात्यं करम्याः । र व्यामाणीयायर्गे अद्रम्यानीयामिद्र। र व्यामाणमाना 'अवर्षे ब सहस्रात्रवार्षु राज्याम् हिन्दान् । ताल्यं वाष्ट्राक्षेत्रास्या 1694 ११ ेक्ष्रियातातीतात्रवार्त्वेची जयातास्र्यात् विदेशिकात विदेशाता है। त्तरहेर्याभवेद तेच स्टेंट्या भारता । न्यारीये अकेरायभक्तर्याचा ष स्वयर्यने या सहर रेयून रामात में या नहरूर में राज्ये पानविषया वर्ष रेयून रामा या मार्का द्वांने मान्य या मान्या मान इरवित बाह्यर दिवादिवार्यः एए हस्पेयक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र तर्वा वार्ताराम्यात्महत्वहरात्क्रेयाः ्रे हरायार्थविक्तांत्र हा द्राप्ति व्यापातां स्वात्त्व व्यापातां स्वात्त्व व्यापातां स्वात्त्व क् त्यालाकार्यात्राच्यात्रेय ह्यायक्ष्य्यत्यात्राहात् त्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र सर्द्वलक्रम्थ्रम्थनर ्वलक्षक्षक्ष्यक्षेत्रम्थन्त्र स्वत्यक्ष्य ्रिस्मव मुच्या वहरवाहरतेन किसमे श्राक्षण्य वाहरम्ये प्राम्म करियो वसायम् नुस्तिर्ध्याव पर्भरभेर् स्तावर्ष्ट्रित् नुस्त्वान्त्रेष्ट्रेश प्रमुक्ति विवास्तिर्वेश रेर् ्वहेर्यारे तारके हेर्यारे कार्या केर्या केर केर्या द्वात्रवयाने तात्रकेष्ठवयाने वा राजाकिरहे भारत । वनाववव वाप्रवात्रवाद्वातात्रवादेशायादि। ्यान्तिकार्त्यात्रात्त्रात्त्रः । त्यत्व्वविभाद्वर्ष्णात्यः विश्वर्ष्णात्यः । ्रा निर्णाम् । विष्ण्याम् स्वाताम् विष्ण्या एड्रिका विष्ण्याम् स्वात् विष्ण्या स्ट्रालक्ष्या : क्षिट्य प्रम्यलक्ष्या देश वराकर वर्षायक्षा करा करा क्षेत्रवास्त्रदेशायत सरायरद्यायद्यक्षायह्यत्र नर्त्रवास्त्रम्यायाहित्य

ल्याम्द्रन्यते दर्दाका व्यापा द्रमात् के सामाने द्रमाती नामाना याम्बर्भावास्त्राचा चेत्रत्र्यायतः स्माप्ति सम्माप्ति सम्माप्ति सम्माप्ति सम्माप्ति सम्माप्ति सम्माप्ति सम्माप्ति समाप्ति समापति समाप्ति समापति समाप्ति समापति र्मलाद्यावल हो भिरवरणाहेला रे किवाहेर्टात्यका स्वास्त्रेया संवास्त्रेया स्वा हिंदियाम्द्राम्द्रित्याः स्वाद्याक्षक्किक्किक्वराक्ष्याम् । यद्द्र्वासम्म अयानिक क्रिया के क्रिय के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के का भाषायम् विवस्त कार्यात्रा विवस्त कर्यात्र कर्यात्रा देव के क्षेत्र के कार्यात्र 可以我们的 经实现人民的工作 经 经 人名英格兰人姓氏尔德的变体 यात्रम्यामहरूरक्त व्याप्ताम्याम्यान्त्रात्रात्त्रः द्वाय्यभावस्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा ्राप्तियात्वाक्षेत्रक्तिकः स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स् स्रीतरहित्वहरराज् ना स्रामावरवर्षेत्रस्य स्थाना ना नाहित । सहित्रित स् मुक्तर्रिताक हुन तर्वा हुन के जिन्नित तर्वा का मुक्त मुक्ति हुक्तात , ब्यान्तर्भारतलारदरवद्यत्य । विकाल कार्येक्च्याचावला सैयालाभरत पर्वदला राष्ट्री सेवामरेत. प्रहार में करता प्रमाण के कि में किया है कि में किया कार्या । प्रति । व्यक्ति स्परी र पश्चिम्यार्थर स्वार्यम्य स्व क्रम् स्वार्थन स्वार्य स्वार्थन स्वार हें हरा त्रें अंश्री र्ता ता तिहर वर हें या तरे राव के ते वर के ति के ति हैं या निर्देश के अधिया पर्दित्ररूरः देवसदातान्वसवःकेताः वासराग्रःश्रराग्तः वादाक्वावसः श्रंभात्रक्वाक्तः वेदः द्वरसः ना. ज्यात्र हिर्यात्रात्त्रात्त्र हेर्यात्यात्त्रेर हेर. या अवः दिल्ये देशात्र केरायतः केरायतः केरायतः विद्या महाराज्यारा वात्रेवायम् विर्यम्भवाव त्रेवा रहेता स्रीता स् श्चरत्रक्षेत्रः चारापद्रविषद्भविष्ठ्यात्रक्षात्रः विवासक्षात्रात्वात्राव्याः इर्तः सङ्ग्रेषात्रेषः स्यालिकाम् के स्वास्त्र में स्वास्त्र के स्व 

**!**=== त्यं यान्यमास्य विद्यविष्टे भीदावांका त्यां का त्यां स्वत्यां का स्वत्यां के वित्यां स्वत्यां के वित्यां स्वत्यां के वित्यां का स्वत्यां के वित्यां के वित उष्ट्यम्बर् । यह देश विष्यु स्वाप्त स्व न्येसविद् ना न्याप्त स्था भागा ने ते निवहता ना मान्या पहले प्रविद्या प्रमाणित विद्या प्रमाणित विद्या प्रमाणित मार भेट्रा १ मार्ट्या मार्ट्या वार्य हरासरवाद हा मार्ट्य मही त्राह्म स्थित हर वार्य में एक केव क्री. जारमा देश मारकर जुन क्रिया शास्त्रा वित्र दरमा देश तेया जारमा द्वित्याचित्याव्यावरात्रीमहरता व्यापानस्यात त्या व्यापानस्यात् अस्तरात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रा हते। या प्यति हिर अरहाय। ध्यां विचेतिति। र १६६० ११ १० १६ १८०० इर्ड्गायाहराय नेत्रामा (अरामार्) विश्वीयात्रामा । त ही खेत्रा जदम र हुं शायरा न में र जिंदा हुट र र र आज्ञा अंदर्ग मा नह ही ता है। हरायाद्रावाद तार्थातात्विद्य द्वार्ति व्यक्तिमा व्यक्तिमा व्यक्तिमा स्वाप्ति व्यक्तिमा त्याद्वाता यम् मार्थिक वर वर्षा कर्मिक कार्या हैने स्वराम कर्मिक करिक कर्मिक कर्मिक करिया कर्मिक कर्मिक कर्मिक करिया करिया कर्मिक करिया कर्मिक कर् रायराया में यूपानपुरा पायपह्रमासूरी हरात्व संस्थानिय विश्वास्य あっていてころうと ६.३१३ ७ भिष्मात्राहर हूर्म लस्यान्यस्यास्त्रितास्त हराजाना ीर्याकार विभिन्न विद्याला विद्याला स्वर्थना अध्यक्तिम् अस्ति। इति है तर्रा ने ने ने ने ने ने कार्य कार्य देवारा रवा देवारी रवा के विकास कार्य देवारा वा विवास कार्य कार्य वा विवास न्यायक्र निर्वास्त्राच्या मान्या रव्यवस्त्रायार्थर्थर्थर्थर् मार्गात्रामान्या वित्रमान्यात्राम् स्वर्णमान्यात्राम् इरः अयास्य अवस्त्वाद्र दियः ववुवायाध्याद द्रात्ये रायदे त्वायाये वादे । कृषात्वे । ग्राप्तिकार्ष्ट्रमात्रः अद्या एवताम् स्ट्राप्ताम् स्ट्राप्ताम् वर्षात्रः वर्षात्रः वर्षात्रः वर्षात्रः वर्षात्र या. सु. पात्राकी. मु. केपारी हु. केपारा हे. केपारा प्रता माना र राजर्या व्याहराया है। इर्डला वयला वे.वर्.वर्षलास्वलार्बी.वस्र्रा.वस्त्राचीरावस्त्राचीरावर्ताताकीर्दे चलना रेगून, गुर.केन, रूपूरे ता की मेर वलना के के ग्रेट रेग मे योगान मेर्टरी हैर त्याको कर्रात्राहरू कर्ण मेल्रे कर्रात्राहरू केल्रिक स्वाहरूम वर्षेत्राच पर्वे वर्षेत्राच वर्षेत्राच वर्षेत्राच लावालिकार्यक्रास्त्रात् देते माला हैवा बाला देवा वाला देवा वाला के वाला प्रवासा करे हाल दे वःस्वारवारकरा अवकरारवाः भेषु वायुरः त्वां केषा विश्वकराय्वायरात्वायरा

याह्यात्वाचा लोक्स्मेर्वास्याच्याच्या वर्णायात्वाक्षेत्वार्म्याक्षेत्राच्याचेता वुगणायाः भेर्वाद्या चरि वि सामायाकीर वर्षवाचरी है किया यायाविकार करण प्राप्त हिर्वदेव व वर्त्रम् क् बद्धारा ए सार्ट्यास्य स्टिन्स् स्टिन्स् स्टिन्स् स्टिन्स् स्टिन्स् श्रुक्षेत्रक्ताम् व्याप्तिमात्र्यात् वातः भ्रेतातात्व्यक्त्रस्यात् वात् द्र्यूरः राजारेराका राजारा अराक्षाया साम्राज्यास्या साम्राज्याया क्षित्राचारवार्का के विकास के विकास के स्थान के णार्दरमाश्रीमा हिर्दरहरा १ गार्द्यप्रमेश सम्बन्धमा है वायराखणासेराया है वा सिर्धर तियात्वा, प्रत्य कार्यात्व । के द्वारा कार अविकार के दे रें का कि में अप वादारी सूर्त दे रें का कि में अप इर.श.वालाश्चा प्रमाणिया द्रात्में का क्ष्या स्ट्रिया द्वार अथार्थ द्वार प्राथम् द्वार प्राथम् द्वार प्राथम् । र्वियाला इस्ति । अयः श्रेत्रासद्यालकात्रास्यावात्यादा श्रीदालकारवात्रास्यात्रास्यात्रास्या लात्री द्रानामा क्रिक्स १३ के कि महिला स्त्रामा मार्च हे ते ता है से ता है से ता के महिला इंदर दास्त्रीय के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार हिर्यदा चेत्र चेत्र देयदा नेत्र व्यवस्ति । द्वेस्ति । द्वेता यह । हिर्य द हेत पति नेदाव ता स्वा रामराद्रभारकते केर्यक्ष केवा च्याला नेराकी कार्या में मेरा नेरा करें कार्या में ्यास्तरकार्रश्वयाताः स्रा अर्द्धय्यात्रराक्षार्रश्वर्त्रात्र्र्यात्र्र्ताताः द्रश्वर्त्वर्त्वर्त्ताः युवा.श्रेवका केंद्र.एक्ट,बाट.बी.वधु.श्रेवना सेवा.क्.बीर.सूट.इ.लुका.वजदण सेव. नियायात्रयक्षिक्वायात्मालाव। कुट्याकुटाव्यात्मात्यात्रयात्रात्याः स्थान्या स्थान्या । उत् वियायात्र्याः । これによりません。 からかんりかんしょうしょう 一日かいたんいなど はなだいのいかろ स्टिन्तरा । १ १ १ । द्याराकाली राजाभनी वास्त्रर राजनार अस बहुवा द्यायते स्तु जो ध्वेना देवा यदे वाहमह्या ध्वेन वर्षे वाहमह्या भारता वर्षे हर द्रे त्र्रातात्र् तर्मात्र र वर्षा वर्षात्र द्रव्या वर्षात्र द्रव्या वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्ष दम्परिस्तुर्भात्रभात्रभात्र हतः । भार्षिते श्रुषि वर्षिर्षा देवायदे राज्याना वर्षेत्र क्रियर्थमात्र्रेयात्रहेया वस्त्रेया र.प्र.म्.म्.प्र.म्.प्र.म् म्य.प्र.म् हेरार्ट्य हे सार्व वस्त्रेया हि म नमकेमहारामरकर्तन वर्षा र विवास्तर्रमाया वर्षाया वर्याय वर्षाया वर्षाय वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाय पि श्रेम्छ्या र विव रहा . मायमण सूर् हैंग लुका है । इंसा मार इसे मार्ट दे ताली क्रियान 在第25年中,1916年中,1916年中,1916年中,1916年中日,1916年中日,1916年中日中国的1916年中日中国1916年中日中国1916年中 र्यान सहित्या विर्वेगात्र में स्थानिया में स्थान में स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

एस्राण्ये हिर्क्वारास्ट्रम् स्वायम्बर्धवाराध्ये। ह्वायस्यायम्क्रीयारहेन् राजी रमस्तर्। जयत्वीराजारम् अस्ति। यस्ति। वस्ति। वस्ति। वार्यदा तवावायासास्त्रद्रत्याणुकानेवाचेदा -नेवाकेकावादा च्ह्राचेदा पाला च नवाचावादा वनवायानाम्बर् वेरायेकवा खेलालाकादतः ध्वात पत्त विका क्रियेवात वश्चार्थनाता पर्वे हैं निया के वार्ष के मरम्युवारायायायाः त्यारकुर्यामान्येत्र्वाचन्त्रस्य ह्वाय्यः वचरमुः थेत इस्ति हिर्मित १ वर्षा एक्रिया वर्षा वर्षा वर्षा के कि स्थित । वर्षा के कि स्थान ^&ક્ઁ क्षां प्राप्त प्रमा हिन्द्र । सन्वासाये प्रमान क्षां प्रमान क्षां स्था का स्थ ८ लेक्य। याहिरा अश्वभागावतः हैं से से देश मान वर देर रे रे अर र हे बाय पर दे रे अर र है वाय पर दे व के या निम्पारका का कि के कि के मार्थ हैं हैं । । । । । । । । । । । । मार्थ प्रिय कि व हरता है। है र पर वी जना एर्भनर मानुगरानु सूर्य विभाग को नेर दूरा तारी नेर होते। हार्य वहरमवहर इ.ज.यून्यर.अ.इर.श्रेय । ट.हे.ज.यून्यर.इर.र्यान.मरी इ.क्.झ.म्यूप्याहे.जन्हेला (中できた) 型土(イナロケー) 2011/11/2011 11/20 द्रेरायुरावरावरा , ज्रारायेराचे १ पवामा है पार्थिया दे पार्थ में या कार्येश। क्टान्स्य। रायनभागमध्यायभावसद्भादः । तिहाः हारायः श्चिरवावम्द्राः वासुरवा रयत्यदूर्यक्षाः अर्दः। श्रीरम्डर्भितः क्वार्वालयः वात्रवाधाः र्षायातरेया अवस्या देर्यायम्बर्धाः स्थायात् देरस्य स्ट्रियाः स्थायात् त्या CURTED यरेन.र्त्र्यताताचात्राहरू द्वाता वार्ष्ट्यावरातवत्रत्यम् रात्रेत्र " व्य**ह्**य र्यात्मवायते वाह्रभाक्षिताता दावन्त्रायात्रीरामार्थी तर्या हता देवतावन्त्राया

45

र्यस्तित्ति प्रात् व निर्मान् व विवाहित्ता व वारावहत्त्र स्थानेति दस्तित्व वर्षेत् वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र नपु. खूबाल र नप ल्या कुम् केंद्र ला कर्ट्र मार्टिया दे दे ला मार्टी किया मार्टिया र्म्भेश्विवान्तर्रात्ये व्यरातावविन यमवे.रार्य्रकारां वेर.र.वर जाल्याः रक्षावया । वर्षात्रां दर मान्याः रक्षाव यभ्रेयम्बर्गार्टर्भावर् । प्रतिस्थार्थर् देश्वितायतिष्ठवारात्मवित् जीयिवियोत्ति॥ र रहराही एसी राष्ट्रभग वरविश्वा स्थिता । विश्वासार स्थामान राया स्थामान राया । THE MALESTANDER OF THE STATE OF नेर्निक्षत्वरः । वन्नेत्रवेद्यावन्त्रप्रभाग्यत्व स्वाम्यान्त्रा म्यापर ररावरहरः स्वम्यार्गारास्यार्गात् विच नवरस्यात् अवस्तर् ख्रीमहिन्द्रम् । इ.इ.महामहा का. म सामासामा माध्रम् माध्रम् मा 出土まれておくかいみできて、第一はままとれるであって、これはしているからながれて मार्ष्ट्रियाला वर्षेत्र देवक्षेत्रम् अवस्य वाना विद्यास्य स्वर्णा वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् यहिन्द्रवाल वह दिवालक हैं। विकेमण हिराइस्य मिला स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन राज्य स्थापन राज्य राज ABI TENTONE TO THE TOTAL TO THE PARTY OF THE PROBLEM गुर्नेरमहरमहर्ष्यम् । । इक्किन्यर्थः प्रभूत्राचा । इक्किन्या CAST TARREST A Ring. मारमार्का व्यक्तिक मार्थित स्टार्क्स मार्थित स्टार्किया हिस्ते (१६८०) गरम्मान्याता । दरानिक्रामान्या राज्य साम्या साम्या । र.जंबना मर्द्राम् । त्रा विकास वितास विकास वितास विकास वितास विकास म्बर्यस्योधित इस्ति। स्वति। इर्ह्मा महेबानिस्ताना । इस्ताना स्वापात । वार्षा 四元字母司 马克斯克斯人名的人名 四年 三十年 一切的 一年至一日

, बहुभायते. . Z Mame to 753 & 50 20 25 200 25 200 25 200 20 3 200 25 25 200 25 200 25 25 200 25 म् अस्ति । स्यान्ति । स्यानि । स्यान्ति । स्यान्ति । स्यान्ति । स्यान्ति । स्यान्ति । स्यानि । स्यान्ति । स्यानि । स्य स्वारम्बरम्बरम् । याम्यान्त्रम् । याम्यान्त्रम् । याम्यान्त्रम् । याम्यान्त्रम् । देवन्त्रम् । देवन्त्त्रम् । देवन्त्रम् । देवन्त्रम्त्त्रम् । देवन्त्रम्त्रम् । देवन्त्रम् । देवन्त्रम्त्त्रम् । देवन्त्रम्त्त्रम्त्त्रम् । देवन्त्रम्त्त्रम्त्त्रम् । देवन्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम् । देवन्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम् ्येवकारी सूर्वे हिंद्राचीरेटरियर्के व े सुराय्येहरू रेसूर्याता डिक्रा राज्य । विविधित्र विविधित्य विविधित्र विविधित्र विविधित्र विविधित्र विविधित्र विविधित्र विष्य विविधित्र विविधित्र विविधित्य विविध र्वेपापत्रातः वस्यावस्पार्यस्य वस्पासर त्रिस्माने क्रिस्त्वेर् पर्वेर पर्वेर सम्मानीयः त्वीवाहिरद्धर्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विवयम् १३ रहारी देश इंराहर देवता ए तिर ए विर ए विर ए विर ए विर प्र के राजा दे विर प्र विर मिला है आहे. इरा अट्रिअयुविवार्विद्वारात चंद्रवीद्वास्तिक्तिवार्द्वाः स्रीत्राः स्तार्विद् भिष्यद्रवासीय ने माने दें हैं अपूर्व पर्देश पर्देश माने पा का वे देश पार्दी, पावे की हु बा मान देवा की प्रदूर प 15 Fate द्वराक शेटलायां शिटार गरा हे सुंब ही दर खरायर या रेश हे के का खेता खेता या ता रा क्ष्राक्षित्र के अस्ति के अस्ति के कि अस्ति के अस् रविक्षित्वस्य स्प्रांत्रेवया है एक मह स्वाद्य करी वहस्य स्वर्धात स्वर्या स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्धात स्वर्धात स्वर्या स्वर्या स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्या स्वर मलद्दास्त्र तरी दर्भ म्यारम् तर्मा तर्मा तर्मा तर्मा तर्मा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे यो दे दे ।

लात्यर्वत् नावशासक्वावरा नार्यस्य स्थरायि हे से द्वारा हुकर हे तर्वा व स्वायाहर मा है वहुंव हीं परगर के भी वर्ग मेर रहिर अभी हुन कहें के कार कर कर है निवास warman प्रमायक कारा महामा के कार में के किया एक महारा का में एक करें प्रमा करें प्रमा करें अरात्वुकाव्यतिता स्राध्याते वारायका कार कार प्राप्ता कर । अस्दर्भित दे हैंग रद अया बदक्र रहा केंगर दा अपर ते बुद केर तो तक्ष में ता विश्व रागर है हैन मेर क्रियमे स्विदानुकायिती व्यवस्तामा त्यामा आदानुसाम् स्विदान्ता सर यावन अवस्त क्रियमे उन्दीयाथाता र रावनद्वारायाद्वेत्रात्त्र मुन्देत्रात्राचेद्वे सुक्षा व विद्याद्वेत्र उनिम्हार्य में कुला हर के उन्हें में अप अधिक में किया अधिक में अप के में किया किया है। वा भिर्मित्या भिर्मियायम् । मैकामावमारः च भगवत्या मेक्षियम् सम्मित्राणा क्षित्र है । अस्य राज्य है राजहारा यह जेर । जा राज्य है पान पराय के । जा राज्य महिराहार । अस्य स्वर्मे स्वर्धे द्वा तल दर् यत् तर महस्य होता स्वर्धित्वर्षा या रामा के देश महाराष्ट्रीय अस्या कर महाराष्ट्र कर में या प्राप्त कर कर में या प्राप्त कर कर में या प्राप्त कर ने प्रमुख्य सम्बद्ध मार्च के सम्बद्ध के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के सम्बद्ध के स्थाप के सम्बद्ध के स्थाप के सम्बद्ध के समार्ध के समार्थ के समार्य के समार्थ के समार्य के समार्थ के समार्थ के समार्य के समार्य के समार्थ के समार्य के समार्थ के समार्थ के समार्य त्याराय प्रकृतिकार स्ट त्यान वर्षकार हमान्यूर्यन राम वर्ष मान कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण की र्यु रेकालर वा वा वा वा प्रकार वा के अव लाग करता रकार में रहिवार कार है। ते वा वीया भित्र देवायान सुधिदा सम्बद्धान्य । कन यह त्या गानु हुं पूर्व हर र र र र र र र र में सुवाकी कात्रभावीं त्या ेर किर हिर्देर्दर अव ह राज्य र्वा तुम सुधिया वर्गर । बय र्व वार्षकाळेश्रास्त्रकेशावनादा तस्रास्काल हरा बेरावराहरा हर प्राप्ता र प्राप्ता सोराधिकर रहे राम । श्रीरादमय वर्णाय में सेरा केरा केरा केरा केरा केरा केरा अन्तरमान्यात्वरहा । त्यान्दरदर्भवास्रियावरहा ह तात्रमुख्यात्वर मेंद्र द्रवलांद्रात व त्राचंद्र द्राविके स्वतात त्राहर द्राविक्य मिन्ना र रक्ष्याच मा याते द्वर्याचा स्वार स्वात्या विस्ते हेत मेर्ड्स्क्रेम विक्रंभेग विक्रंभेग केल के का किल किल त्यामा निया विश्वास्त्र ं हामरम्यमा कुर्यस्थात्वर्षः स्वर्थात्व्वराममा स्रेत्रे हर्षे स्था त्या मध्यायर पराप्तः भविष्यक्षेत्रमा स्ट्रकाल्यप्यः । क्षेत्रका वा क्षेत्रक्षणाया स्यारे द्वाष्ट्रमे विपार्का मद्द्रभाभा क्रद्रमम्भूद्रपद्रवार १ वाहरा चर्त्रमा द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्र गम्भूता कृता क्रिकेन की शार्वभूता त्वराने राज्य राज्य स्था गर्भ कृता वद्यान्त्रभा । अत्रव्यद्यो शुर्भरो धेवस्य भुधेवस्य अवस्य सिर्

इल्ल्यान्त्री र केयार बारी त्या लाजात्या मिल्ल्य प्रदेश मान्त्रा में क्या देश में में एह्या इत्ता व एवं वायर वेरायन र्वायम् न्य स्था सम्बी दुवाला सर्। 3) रह्मां में का स्ट्रेस स्पार के स्ट्रिस का कार्र का स्थार का स्था का स्थार का स्थ あいれていています。 アルカウのいちはいいいいいいいいいいいいいいいいいいい ा वस्यते हर र्वता कॅलिट प्रेन्ते कुरायारोद्ध सुद्राची नेत्राच यान्ता रायहार यहामुने बिरमेन बिरमेन विरमे same as स्मान्य का समान्य का रिक्रायाला है। इंब्रायमायरेवराक्षा ही से संवारात्या या भावाहिता देव दुर्धे मुद्द स्थान नयरेचे हिरक्षम्यः व्ययदियावे लया अद्भाग्यास्य में बुद्देरे दें में हिर्विशासर मद्वार् क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक गुरार्द्राया श्री लारक्रिवमाभवत मेरा गार मेरायत श्रीरेमाले मेरा प्राप्त स्था ्राभित्वी भर्महास्त्रे वात्रां श्च प्रवेताकि क्षेत्र वास .... रवा तर प्रायम प्रायमिति । तरुरामा मेक्या मार्टराम्या र र र र र र र र र र र माने वान . साथी र मिता र मिता र मिता है। म्लक्ष्याद्यात्रात्रम् द्वाराज्याद्याः । भ्राराज्याद्याः । भ्राराञ्चात्रवितः रवात्रद्वार्ये प्रतिस्था । तर प्रति । वर्ष िर्यात्त्ररायः वद्यायंत्रर्द्राताः व्यवद्रात्ताः वद्दाः व्यवद्रात्ताः वद्दाः व्यवद्रात्ताः पर्याः १ द्राप्ताः स्पर्वरा गात्रवारा गात्रवाराप्तात्वराका गात्रा । यात्रवात्रा यायर यायकी अन्तर तर् क्री क्या विता विता है है र पर क्री किय विता ही वर्ष हिरतर है ा व्राचाता साहिया वर्गारावा साहुत वार्म हे । "रहेवा सहरक्षेत्रहरू १६४ ब्राचान्हेनम्त्रे हाता स्रवायः क्रा क्रा क्रा क्रा क्रा व्यापालिका विषय । रहेर्द्धर्याहरास्त्र तर्भावता स्टूबर्ट्स हर्माहरास्त्र तर्भावतास्त्र स्थान्त्र पर्याच्या चराक्ति, में अकृद हिर. येवलापरं । यूनिसे या अरा प्रास्त्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् यद्वत्रेत् यद्वत्र्वार्थः वर्षे वर्य रामाना रेवाता प्राप्त वा वा ता नेरा के लाव हो र देश हो र र र र र र र र र र र र वा वा वि दे र र वि वा वा ए.र. अरर्व्याती,येगर्वाती,रेरा रिवामार्वि,याष्ट्रगान्यमायव र याष्ट्रमा वितर्धिकान

े अहम् नार्या र्रेट्नार्याः व्यापहरी यथात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः नम्बर्गार्था स्वर्गात्र्ये वित्राम्य स्वर्गात्र्य स्वर्गात्र्यः स्वर्गात्रः स्वर्गात्रः स्वर्गात्रः स्वर्गात्र स्यो स्वरहा करवायते सम्वादाता है हिरहते त्याह नवार हरे हैं। रहे किया रेशाश्रियादात्मा के ब्रोट उराह्मा के ब्रोट उराह्मा के ब्रोट होता के विकास क में रए में रहा के तर के मान के तर की मान के तर की के तर की के के तर की की तियोपन्ती एक् अर्थत्या । वामानायक् विम्यानाया । " अप्रदेश से अर्थिवम् विभारतास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् लामवराक्रियां नदार्वा त्या देवलादालाक्षवाक्षा द्वाराक्षिराक्षेत्रवलाक्षेत् मेर्टर मेग्रापर मान्या क्षाणा साम्बर्धित स्र र कार्ने दर र त्योर यायाया। कर द्यं व ये ये द्या ते ये ये ते ये ये ये या ते वा वा वा वा वा वा वा े.द'हवरामेद। ह्रादाम्'र्व श्रदायान्यात्वा । विदार्यम्यामेदानामाने मेना प्राप्तानामाने । विदार्थनामाने स्वर्थनामाने । विदार्थनामाने स्वर्थनामाने । विदार्थनामाने स्वर्थनामाने । विदार्थनामाने स्वर्थनामाने । विदार्थनामाने । विदार्यमाने । विदार्थनामाने । विदार्यमाने । विदार्यमाने । विदार्यमाने । विदार्यमाने । विदार्यमाने । विदार्यमाने । सुनाउ नरामा वानेर्घवसाय इस्र्मरायसास्र राजन्यरास्य सहस्रोत् वं भेर्ष्वया भेर्। क्या य है भेर्ष्य भ्रवया भेर् प्रवय यह स्टूर कर तर तर तिया प्रवास । र्वेयम्स्याभेरव विरक्ष तो भेव। मध्यम्स्य मान्यस्यस्य । । । स्याम् रत्यव मन् डिलाल कुमर्भर सूम्रार व प्रवेश मुख्य मान्य मान्य । यहरी र्याम् क्ष विवया है हैं। देश वहेल एडर्बे. के. किरावाल क्षेत्रवाल रहा विवाल खरे के में मूरी i stark ? सान् वर्ति संदर्भ केरता वर्षाम हिरवा के हवा रहेता सान् वर्ष दर्श है। तर रहा मेरा रूप से रहा है। यंद्रकर्तित्रं अत्रात्रं के ह्या की शति देवर्त्रं नेता वार्ष्ण ह्या त्या है अत्रात्रं व लाबाक्षिता वे. प्राह्मा वर्रा प्रवेश जिल्ला है। वर्षा त्रवेश पर्रावेश पर्रावेश पर्रावेश वर्षा विकास वि मानी पर्र में कराता करते होता होता हैर मा हिर ता हिर ता हिर होता हैर कर कर हैर कर कर हैर कर है कर हैर कर हैर कर हैर कर हैर कर हैर कर है कर हैर कर हैर कर हैर कर है कर हैर कर हैर कर हैर कर हैर कर हैर कर हैर कर है कर हैर कर है कर हैर कर है के कर है के कर है के लिए है कर है के कर है के कर है के कर है के कर है के कर है कर है के कर है कर है के कर है कर है कर है के कर है के कर है के कर है के कर है कर है के कर है के कर है कर है के कि है के कि का है के के कि का है के कि कर है के कि कर है के कि कर स्रित्याध्या द्वाकी नास्वादुत्वतो धेवा साइवाविव रहमा कर्वा रेरा रोर यति वर इस्तरायरायवरा हल्यां श्रीरायार्ट्या यात्रेश्री द्रिष्ण हरायाव्यक्ष हिं ते हिंदास विभान्धायः म्रास्ट्राण्या कार्या विष्युर्विर्वित्वित्वित्वित्वा द्रित्या स्ट्रास्ट्रास्य विष्युक्तिया स्वानाञ्चन द्रहर त्वेवर कृष्ये वर गर्यस्य स्वर क्रिक्न रेर्ग प्राहर ए. वर्ष्याके लुपी में इ. शुर प्रयाहर एववल के हुन यर अर अर प्रया एकर के ये वा के लुपी र्र्यास्याक्रियावत् क्रियं र हि रेय तयह स्यायात् र या बेटा वय क्रियं वर्ष म् देश तहतास्यास्यासुरतः । स्रापार्यतिन्त्राः स्रेग्नुः ध्यातः तरेतासम्बर्धः क्रि. प्रथाला ड्रिट्रमण वर्टर वर्ष कर्ता कर्ति आर. देवाल स्त्रें अ. प्रथा वर्ष अ. वर्ष अ. वर्ष अ. वर्ष अ. वर्ष अम् विभागिक कि हेत् त्या विकास के प्रति विकास के वितास के विकास के

1 \*2 क्षिल्या व्यक्तितरकार्द्द व्यक्षिया वात्रम्याक्षिया त्रात्रका वाक्षिया वात्रका वाक्षिया वात्रका वाक्षिया वात्रका वात्रका वात्रम्य विद्या वात्रका वात्र by feet. हर गार्थ र अर्टरहेट माड्या लाक्षेत्रा के विष्ण कर्तिया है से की किर्द्र विकास के प्रत्य के प्रत्य के किर्द्र की की किर्देश की किर्देश की किर्देश की किर्देश की किर्देश की किर्देश की की किर्देश की किर्येश की किर्देश की किर्देश की किर्देश की किर्देश की किर्देश की किर्टेश की किर्देश की किर्देश की किर्टेश की किर्टेश की किर्ने की किरो किर्ने की किर्ने की किर्ने की किर्ने किरो की किरो किरो की किरो न्यान मालकारतरमात्रमेट विभागावतार्त्रमात्रम्या मारमाने। वारवातात्वर्भित्रभा क्ष्मान्यक्ष्य त्याद्भवद्भाव वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे वर्षात्रे Marian) येवाभा में अयामावाकुरातीर वातमां क्रम्यनवायां येदवाभेदायवायां यनवायां 5 hors ॥ डेश मार्द्धिया नावियम् र्व र्वः रतः あるるない : विस्त्राराहरा द्राजनवाराहरायहरायहरायहरायहराहा । त्राह्मकेयहेयहे विरमेर्द्रकावरायः स्वामित्रकार्यः । स्राधाराबीराकी र्यारा तह्वात का मार्थिया राज्यात्रेश्चित्रव्याभेर्यमार्थ्यात विष्या मार्थिया राज्यात्रेला 7 old प्रमानिक हैं देश राजे में में प्रमानिक प् य्रास्त्रास्त्राक्षाः की लला के वस्त्रास्त्रा दः केवामार्थाना भाषाः प्रयास्त्राः बेदाबदायदे मेंगी अकर्शी महर्शन न द्यम्वया स्नाःयद्नाःद्यतःसरःदुरः व अकर्शतेनाः विया अके विराधित के के किए । से किए ता किया के विराधित के किए विराधित के किए विश्व य्यायायहरू त्ववव निर्देश के स्वायतियाय है। म् अर्थित्यते स्वा वस्ता रदा का वहर वनवायते वहुरा वनवायी द्वात स्वा स्वायासते रामायात्र्व द्यारा त्र्या त्र्या त्र्या त्र्या व्यापात्र व्यापात्य रयलकुर्द्धकुलयं यनुगर्भयते रूका अनुसर्देवाव एसंद्वात रूपा मन वराने राजा goodsed horns. छ। रहिन्द्रका न्व व वा वाकित्र एक एक विकास के वाकवादमामध्येता स्रिटिशन की वेम के मध्येम र्भक्तिवर्षिक्षित्रक्षित्रक्षित्र व्यामितः व्यामित्रक्षितः विष्ठर् प्रति। विष्यामित्र विष्यामित्र विष्यामित्र रिव कु वर्ग-नद्रश्वर्षेद्री ध्व सद्दर्श ध्व ह्य क्विस पत्र क्षेत्रपर से स्वर्वर्थियी ध्व इंगर्गराष्ट्रेरावी रर सुध्येव। विदार्गर सुरावी के अरूराध्येव देशसद दुला छे । युवा का त्या समायानी सेराया स्रवाता रहा तर्देश्यानी मुद्दा कमाता रहा इयानी नामना यासना ता रहा भ्रामिक्षिक्षरम् ते प्रमानिक्षिक्ष द्राचित्रक्ष वर्ष के स्टानिक के वृर्ध्यामार्भ्यः स्थर कृष्य । दर्ष्य वर्ष्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य ।

द्रा द्रां कूर्यां में त्या वर्ग त्या दर्भ मन श्रीट्र पट्र वें तो पर्र मिश क्रिया तक तक मदर रेल्या कुलाकी दरक्रदेशक्षितातारद्धार्थः स्मार् वक्षकः क्रिन्द्विक् वान्तर्भारम् वर्षायद्वा रदन्तिनेता बावुक्यक्वादगारात्कवा तक्का ह्यादाराष्ट्रिय तकका ह्यादाय वु पर तकका नेदा केतेत् अर्वः व वा स्वायक्षां वक्षां वक्षां वाक्रेर क्रियातक्षा वाक्रेर क्षेत्र व रवा हाः व्यक्षित नाया वादास्वास्ति वाद्या मान्यत्या मान्यत्या वाद्या रक्षिमा र्रियम् वरायम् भ्रामार्थित्य वर्षात्मा रहत्या र्यायक्षेत्रम् वायर र् रगरहार्षे द्वायहरता र देशकेषा एवर क्रियमेल हरा र शे क्रिया के सेवाय सम्बद्धा उरवरिश्चरेश्वर्थ्यर्थ्यर्थितः स्वयत्वर्थ्यर्थ्यय्यम् स्वयद्भवर्थ्यय्यम् स्वयं प्याचित्रं मा अवस्तिति। एक्स्य हार्य स्वाध्याप्य यवद्रमा देवा रायास्यायाक्त्रायाययाभक्षायाः रचाउठिकायम्यायम्भक्षः सूर्यस्यक्षियाभक्षाः रेश रद्रवर्ष अस्वेष्ट्रक द्रवा क्रांबर्था सायवण द्वीत्र्यः विस्वारं विस्तर्यं क क्षेत्रायात्रेका वदवादरत्वा द्वारायात्रम् इस्य क्ष्या करत्या वर्षेत्रा वर्षेत्रायान्त्रम्। र्वाचरः भेन्यमर्कर्श्चररंगरः मगत्र्ववंदर एदरदाचर ३१ वर्ष वर्षान्यवयाः धरमहस्र स्राप्त वारत्यावसेर श्वापादसरत्युः वसाक्ष्या स्वयादरतान् स्रेसिस् निरास्त्र रस्तावारा से देव देव गा था वाह्यायात्र्व राखेवायाते वाहरावाह्यायुर करतेरा द्राहे वर्षे वर्षे राष्ट्र हेर् हेर्स कर्ण कर हेर्स कर हेर्स हैरिय के वर्षे वरवर्षे वर्षे माध्यास्यर्द्धियात्रवात्र्यः, श्रीमद् दिर सर्वात्रदायायव । हो ः वत्रकार्विदान्य विक किता रहा भारति व व्यवस्थित कुवार्ट्य वास्त्री स्थापन स्थापन भयाद्वान सुर् वर्गा सुर । वर्गा सुर्वे अवराद्य सुर्वे के वर्गाद्य सुर्वे के वर्गाद्य स्थाप । वर्गाद्य के वर्णाद्य के वर्गाद्य के वर्गाद्य के वर्गाद्य के वर्गाद्य के वर्णाद्य मरागरी मेलयरिशक्ष्यम्भियाः भरमत्य = क्रे.यं व्हिर्जना में स्राणक्षेत्र । स्वाक्षरक्षर्भर्भर्भर्भः । तस्रक्ष्यक्षर्भः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः तह्वादेशक्रियाच्या श्रीमानवास्यक्तयान् वाक्षेत्र राहेराखाले द्रावर्षे त्या सूर अवस्त कि के विकास के स्राक्षेत्रास्त्रीर। रम्भेरम् बदारम् हर्यास स्राप्तास स्राप्तास हर्यास विश्वताया क्षेत्राच्या वर्ष्या वर्या वर्ष्या वर्या व क्षेत्रम्थाः भिराद्याः विया द्रयात्यात्राः भिराद्यः प्रदेशस्य क्षेत्रत्यः भिराद्यः स्व

विकासितात्तः युरुत्त्रम् नामात्रम् यात्रमायात्रः व्यवस्थात्त्रम् त्याः त्रम् भिमासिके स्वारमपूरी सैवासिटार्ट्ट प्रवर्ति वसे देवसे देव से दर प्रवर्त ने के प्रदेश हैं दर र शुं चुरावत्रायो वर्षायो त्रा क्षेत्र के वर्षा वरा वर्षा वर राक्रिक्रे वार्र राग व्याप्त विर्द्धात्वा विर्द्धात्वा विर्वे विर्वे विर्वे विर्वे भवायद्। स्वाकत्तिववदाः व्यवप्रवास्ताः स्रदार्थः स्रद्भत्। वाहित्यास्रहेरः विक क्षिया अवश्य म्याक्त्र म्याक्त्र विकासम्पत्न मियार्थन स्था हिमार्थ कराइ । स्था क्षियां क्षिया वया येगाया रहा है। है । जनस्या यावा श्री त्या वया वी या ्रास्तानित क्षेत्राचित प्रमायते हिन्ता स्थाना वार्षित स्थान स्थान स्थान मि.चार्च्यात्रे से के र द र प्रकाशकराय । द्रांतरी का कर र र व्यापित कर र र विद्रावता । दे सर्यराक्षर भारत की हर त्रेवनारत्व केंगा प्रवास्त्र के रवा वर्ध के राजवा । भागा २ तकेन्या ता व उस राज्य वर के हिन्दा तो सूक विश्व ते का अधिक वर्षे के अधिक के क्रियार में मारा हमारमाहर हिमार देर दर दर दर ते अविश्व करिये में में के वहवाय वायुक्त याद । त्व में वर हैं हो स्वापनिया क्रमहिटा विकार त्या के महिटा लवान र्याय में र्याय के याम्य हैनायायय में यर्वत्यय द्वेत्यर हुंदर निर्देश वर्ष स्ता स्वाक्षणान्त्र के दराष्ट्रायम् स्वाक्षणान्त्र वित्रायम् स्वाक्षणान्त्र । स्वाक्षणान्त्र । स्वाक्षणान्त्र तर्विमालर्मार्द्या रहा । व्याप्य राज्या वार्यात्य । रेविमाल्यायर क्राक्षित्यत द्रात् श्रेवास्त्रवरा श्रीरावी त्यवान्ववसम्बाधारा सेराय द्राता वर्षे द्रा मुक्तां अप्रति । १८ १८ हे व मार्थ देते पहिंदित । इस्ति । इस्ति । इस्ति । अप्रति । अप्रति । ्यराभार्तित्वराद्भार कर्म वन्त्रायां सम् वन्त्रायां त्राह्म सहराद्भारत्यां के व्यवस्थित स् सकर्दुर्दि संदर्भन र विषाय स्रायर है स्रायक्षिक के विष्ट्रहित र केर हैट हुँ र भिक्षेट करर राम् धेवार्ट देर रदादादावर्ट देवसार इस्हेरादाँ संदर राजर क्षर ररद रदवंदर खर्ड हे कियाय रूद व अख्वराक्ष केंद्र का इस दर्वर कर राक्ष राक्ष निष्य करा दरराय हुरावुकर, यरक यक्षेत्र केंद्र है राज्या है। युरा रार्श्वराद्भवसाया वादालस्वर रदर्शसुर्दि सुरस्दर रही। क्रांस्ट्रिस्ति शुःशलश्रियलम् रेटा एं। दादातात् तारीरार्य सूर्वासूरी स्

मावरक्र स्थावस्य। द्वांक्षाद्यारसंदाक्ष्याद्यात्य से देर्यरस्ति अवरवरवंता

ार अयदवादव् हिंददेशर उपायद्य ार्द्रदेशर पर्ध्न में में हेरे पर्वायदेश कर्त्र विवास यम् हिन्द्वरा रावर्तर संवार्तर संवार्वर विकास के वित्र के विकास के र्यतातिक श्रूर्तार्य वर्षे करकेनकर्ता रहता है है करकेरकर्ति त्या वा श्वा त्रा वा वा विषय के स्याप्तारम्मयात्त्व केत यहेमक्रियां वे विकासियां वाह्मात्वरायायम् मतुरा कर्काष्ट्रम के लेखने व्यवस्था करात् वर सम्बद्धा । अने र्वार्यात कर्याहर वा कुर स्पर पर कहम के जिसे वार्क केव केले निधियामा श्रेमियामात देव देवारा त्यादा राष्ट्रमा स्थाप मा या त्यायार एक क्षेत्रा वाद्यात्याच्या क्षेत्र क्षेत्रा विक्षियात्यात्र विक्षियात् । मूं भी अने मेल रूट । जहरास वर्षे सुवस वर्षे का रहा तर कर सुदर है तर सुदर है तर सुदर है के सामान शिमारदेवराए में आपेरी विकास द्वाप्ति है के कुर्य मरे लंदर प्राम्हर महाता म्याया र अया प्रमान में स्था प्रतास है के प्राप्त प्रमान के प्राप्त प्रमान किया है। जिस्सान किया प्राप्त प्रमान किया है। जिस्सान किया है। जिस है। ब्द्रताधर ती द्रायक इर्द्रक्रा स्ट्रायक हरा के कार्य हरा से कार्य हरा में कार्य में देवापनियाति दर्शनियाता हास्य हिर्देश प्रदाय स्वतंत्राच द्वारा गुराहर र र त्रिक्ट स्वराध्यक प्राथमभाषा द्वार्यांचे र्ड्यार १०० हिंदा र्वयस्थान स्वयस्थान स्रातार्वात्यस्य स्रातार्वात्यात्रः स्रात्यात्यात्रः स्रात्यात्यात्रः स्रात्यात्रः स्रात्या णा गाः १ द्राचीरसर्वेणराज्य देशत्रवाचीरणविभक्षेत्रस्य रोवारेश्चरते, मेर्स्स रिक्स र स्टूडिंग र से हम र दे हम में मार्थ ने प्राचित्र है र ता वाव हर ये ता जारा दशकारी वर्षा प्रवासिया समामा सीरा परे परे वाम रे ने पर है। यह ने मियर बर्दे त्राचित्र वर्षेत्र यर नव क्याम हैये हु। उर वर्षेट्यान हर हर हर

गुर्गात्मम् वर्षा के दूर हा त्रिक्ष कार्या है है है हिंदू में दे स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित (वस्ता क्रिया कर स्व की स्टान्स कर देश कर कर देश हैं है के का कर कर के कि की से さんこうできていていまったとうできないできるという。 これのできない रमद्भीसार्वा वस मार्टा १००० । १००० माना माना के वा करामरी END MANGENTE PARTICIPATION OF THE MAN TO MAN TO करा सम्मूर्मित्याम् त्रुभान्द्रम् । यह स्टर् तः वः दारीमा सम्राम् करित्युर् म्यार्ट्सिय ये प्रमित्ति कार्य मध्य राम्याम् । दर्यति स्रिक्षेत्रम् स्राह्म किए ते प्रायम् देश हैं रियम स्टिस के का मिन के मिन स्तिरायहराताः म्यावया रहत्वरायवरायते यहावस्यास्य स्राप्तं स्रर्गं वृत्र्यं यवर पार्ष्या र सेनेअए.केंग्रेव न्या र्यायाहरी है करता ते यह अभेरव सुर्वे रूप रहेश हिम्मा अर् तह है। स्राम् दिव द्वार दे हैं इस्ति विषय स्राम् विषय विषय विषय विषय विषय विषय भेमवी नेशान द्याप द्याप मार्ग द्याप क्रिके किया या विक्रिया राष्ट्र दिया क्रिट विभाग स्वर स्थान्याति । यो स्थान्या स्थान्य । यो स्थान्य स्थान्य स्थान्य । यो स्थान्य स्थान्य स्थान्य । यो स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । यो स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य रबंदका भर है। गरमद्वरवर्ग सम्मान द्रम्हर्भ सहस्था र वसहरामिहरामिहरामित्रामा १ महाराज्या राजा है तामाय विवाद होता द्यालाता रहा करानेता करानेता करानेता व अस्य अस्य । ज्ञान क्ष्या क्ष् ्रविता स्वास्त्र में हिंदेश में प्रत्य के तर्द्ध में स्वास्त्र में स्वास 

MU

ही राहेकाय एत्यायकी राष्ट्रस्यारम् वय हाक्या वर्त्रते व्याप्तिय एक्सेश धेत र्ना थेका अरवा एतर रहकावयारहिरला क्यानहरा सन्वर्ते तासे वक्त वर्षे हैं। वन बरायाओं तर्हें समय में वह्य प्रवेश र कृष का कर हैया वारकर देश समयाक्षेत्रेयाद्यास्यक्षितवियारेदा महार्द्धां मुद्दारा स्थाराच्य या बार्षि मेरत्रेत हैंदर से से देश कर वार कर के अधिकार बरात प्रमुख मेर वार हैर वार हैर वार हैर वार हैर वार हैर भ्राम्भार्त्येत्रित्री क्रिक्ट्रम् म्यास्त्रम् म्यास्य स्वर्णात्यः भूतिर्देशकोता मुख्येया द्यातर विषयादर परायाश्वात्या र्यायया गर हरा दृष्ट्या म्लक्ष्यं निर्मित्र विष्टा विष व्याच्यात्रेतः वतः क्यावावास्यात् वर्षे द्रम्यः म्याद्रम्यः द्रम्यः व्याकतः मर्मिद्रिक्षम् क्रि. महाम्यायाम ्यायम् स्वाप्तायाम् । ्राह्मर्यहर्षायादात्राम् वातं भ्रम्भयस्य सहित्। स्वार्यकाः व सुर्वेष्णवः । वात मदामहाता द्वा दहार देवा प्राप्त । विकास सम्बद्ध । अवस्त स्ति उरा द्वा त्याक्तर्यातात्वरताता व्यवस्थित्यम् हा हिर् स्वेश्रेयस्यात् रायांच्य असर वराव्या में ल उद्विताताता स्वाभर र्हेर देर देर वर वस्ता के-रावासाहरव्यायका - महिम्हरम्ह्याम्यायन् वन्वर्दे दार्थरायिद्वावर् अवत्या मी तम् तर्षा अरत हराकेर ने वर्षे भेंगा में थेव हे से वर्ष व नुराम कराय हरा है कराय हरा है कराय हरा कराय हरा कराय हरा है कराय है क म्त्री विश्वम्यम्द्रविद्यत्यव्यम् द्रव्यायद्वात् नेश्वम् यापाय के अपापरी इस्यम् भीय श्रेय मुन्न क्रियं क्रियं में प्रमान おれなくなるとのからなっていることはいれていまりがくとはなるからい क्रिके के क्रमण १९ वर्गात वर्गा मान्य भागत है। वर्गा मान्य क्रमण है। यातः वहत्यातम् स्रात्या । वर्षः वतत्ति वतत्ति । हिरादेश हर । तका त मन्युक्त कार्युक्त कार्युक्त रह सम्बद्धां प्रदेश र्वित्वर्थेर्येषुक्र महर्वत्र करात्रा देव स्वाध्यय दे र वेदर र विद्रा काररायक इति है । जा न रमतायभावस्वायो औररामा हिरस्यामरी केमानीयमरायम्पर्दे परेवारेशास्त्रामाधिवानेयवा देरायराया शिक्षायात्रवस्त्रानेयवा मान्द्रायाभार्यात्रात्रार्ये अत्तर्व स्वात्रेवायात्रात्रात्रात्रात्रात्रा क्रिया अर्वाका के बावास्या वी मान स्ट्रां व्यासिक निवादिक्त विकास देरा दे हैं द दे ते दे हैं द ते ते स्टिल स्वादेश के देश पार्यः श्रम्भाषान्त्रः द्वारमेद्वा क्षेत्रायः क्षेत्रः व्यापान्त्रः व्यापान्त्रः व्यापान्त्रः व्याप्ति व्यापान

メイ 88 (अंस्या हिरमहिरा हिर्द्धअय म्र्यूर्ये स्प्रियं राह्मा हिर्द्धियं में मर्ग हेन्यातरेम् हेर्याय में श्रुटा ने होरा हेरी हैं द्वात केर स्वाह्य हेवाया हिरादर 3 ला लकीट रहर है कर्ष र यर यर में अनु अन्तर्भ रवद अर् दर ले केर केर स्था में र ता ले केर 4550 विवायहर्देवार्यरे अधि। हेर्। यहूं असंकार र सूव वर्ष वार वेश देश देर दर्व दर्भ हैं। अर्थायम् द्वारा त्यायकार्यकार्यक्ष्यत्यकेत्र्येल्ये हिर्ल्ययार्यः कर्यं भेत्रेले निवरात्वर्धस्य स्रो स्रा केषिवस्र रवक्ष र्यं स्रा दर्भ भरत्वर्धाः ्ट् । न्या ह्राय्न्यकिष्णापया ह्राहित्यविष्याप्यात्वार्या शाद्याह्मा र्य नियाले रायस्यामा निर्देश्यम् अभिनेरायि तारम्बर्ये देरेराका तर्ने त्या भागा है भा ब्रियम् वाल्यां में वाल्यां में वाल्यां में वाल्यां में वाल्यां के वाल्यां में ्दार्यस्यार्यतातातीत् म्यावतातहेवायति वर देरा स्वत्यासुदार्षिका सरादरातादा हेदा वालवः अव क्रूर तह्न हे भर केर धर त्यार त्या रे तर तर तर विषय के स्मेर की त्या है रेट किलाकालामार्कालाक्ष्या राष्ट्रा राष्ट्रा है। साम हिना के सुदर्शिय करें बना वहने हुता र्यतः रोदर्द्रायुवाद्यतः वृष्ट्र देनेद स्वयतः रसद कारेव्यहः अर्द्धर् विवायुवायद्वात्रिकार्याः नता चर्नेन्वर्वरक्षाक्षित्रमानक्ष्री द्र्रात्रम्त्रम्त्रेन्त्रम् न्यानहित् वादर्भनान्यात्वन र्स्वर्यात भेरे विराध देश प्रदेश हैन हिवास सम्हर् वर सुरायक्षमा दे हैं। या दरा दे वर वर वर क्रियेर अव्यान्यर अहरी विक्रिय में भ्रम्य वर्षा तर्युवामा र्यान्य वर्षा र्युवाय स्थान्य वर्षित र्वहरूकुक्ति। देवरादारामा कराकुः च दर्गारायरा नेरानेरादे पदाराये वदाके वानिवादारे वाक्षित्वेदा वनवाराद्यरम्दरः। श्रीद्रवाक्षितास्त्राद्धवादरः, दमताताक्षेत्रदेशवाक्षेत्रवे। सम्प्रमा केवातवराक्षरः ,राष्ट्ररा तनवर्गात्वकति केराताष्ट्ररः वसवायार्वेवादवार्षेरपुर्देश ल्याम् रावनात्र्राहराहर विकालार्नेमास्राद्रात्राक्षेत्र विकाले रावन्त्राहराहराहर र्यर्या पर्मा विकार्य मार्थर देन हुं से दे हैं स्थारा लाईर दिन विकार में दे र दे से विकार वा विक्रांत्र कारदायकार्या वार्य कार्य रा न्यां भेरा के विक्रमा कि देव के बहु राया विद्या के प्राप्त के प वर्रवर्भावर्षेत्रेत्रे र्वर्म्युम्ब्रिम्ब्राम्भेत्रा ववायाय्यर् स्टरिक रेका में कर कर कि लेक वर दर्ग भेकी र्यम स्वर्धि कर है है लेका के में हर्ने क्यमें वनक प्रमेन रेहन तेरे रें कें केंद्र रें इरले हरते द्वराया हर् यराम् भारतिया । कासामान्याम् । स्थाना क्षेत्राचा क्षेत्राच क्षेत्राचा क्षेत्राच क्षेत्

द्राताल (श्रेम्य) द्रावनम्याव्यक्तिम्भ्रमाख्यात्रम् व्यापालयद्रात्मा

क्रिया ता ए खुरार्या पाता त्ववा क्रिया है । अस्ति क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रि.रेग्राणय ट.केंग्रामु.चाक्रुग्रचणभाववी वस्तु ट्वांश्रमें मंत्राय देशत थी.य. णमी अर.क्रि.प्रां एववयमी स्राच्याना हिर.वाक्रुग्रम्हर.पर्गरी देशर.प्राप्या भूमाना अम्मुत्रमानरम्भूने पर्यता (गत्र क्षेत्रम्भून प्रत्यस्य पर्याप्यम् एड़ेर वाला दर्शक्तर र्युवारअर कर धार्वारा वा इस वार्षे के खेर रघर ता खेर दलारोत्रेटाकी अही अर्डेटा वादाला वायला हा । देहा बदा बता अर्ले हिंगा वर्षे वाय विश्वेष विवायां वरवर्गावासि र हेर (पर्वा विर्रायाता वर्षायाता मिर र हेर वा अर्वा शवास्त्र) शुभ्यारे वह व या या पत्र विद्या मिर रेंद्र क्षेत्र के से से दे दे या या या या विद्या से से प्रताय या या विद्या नासिया बी. अश्रमामासेर, यं या या बूर, दुण, कुर, रम ए. जा कुर, रम ए. जा कुर, का, कुर, का, कुर, का, कुर, का, कुर, धर्वमद्रात्रक्षक्वास्त्रस्य । द्रत्यास्य । द्रत्यानात्रे वाद्दाणात्रस्य । स्रोधा केला बेराकेराकादता तर्वा कर्षा धारी स्रव कारेरा श्रीदाया हे भेर हैं। कर्र सालामिट सामेट प्रामेट प्रामेट प्रामेट प्रामा स्था पर । ता । देवा वा वाव वा वा वे पर प्रामेट देवा म्मार्वितार्वे स्तर्भात् वर्षात् वर्षे विरःश्राप्ट्रं तम् वर्षाः स्वा । । स्वा भादिनोत्रे दे श्रुष्टा तार्याता । साताताताः मार्ट रिम्मा सरामदाक्रियमानावयक्ता । त्री देहत्तरासीर् मालाकी वम. गायतः अहः : , याते त्रां अर्चर्द्धते जानुद्रत्यक्षाः हु । इभरा दाते सुन्द्रिता भी नुन्धी कुल के दर्भ कुर तथ्यी रहिरे हैं, में दाबिक एट हुनी अविजात हुनी अविचार है के में गुजुक्ती केलायवातात्राद्रतपुर्धी। हिन्दलादाला के किला विस्ववाहीर ब्रेट्स के मुद्दाम्मेया हिरेदा हे देराद्यता वहुदाम्मया यदादका विकास स्वामाद्रा द्यता ताते व्या मुस्रार्गः विश्वा श्रुतिर्द्धानित्रम् अनुतिष्ठ वर्षेत्रम् अनुतिष्ठ वर्षित्रम् वर्षेत्रम् मार्भिक्तिक के द्वारा के त्रा के मार्थिक के त्रा का के त्रा के त्र के त्रा के त्र के त् र्दर वर्ग भ्राप्त प्रस्ति के पुरा विभवात वार्ष के हिं हुरा र्वे कर बर्ग हिंग है पर रेतरात्म १ हैं : हिर्द्वायाओर स्वायां विवायां विवायां विवायां विवायां विवायां विवायां विवायां विवायां विवायां श्रिद्रास्याता मुलय्त्रर्विष्ट्रास्त्री र्वाश्रिवर्वितायात्रास्त्र ।सर् मर्वेषमक्ष्याक्ष्यात् वरक्षेत्रवर्षात्रात्रक्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षा र्रेटर्यामा त्रके विवव र त्रवेश हें नामा त्रके त्राचा त्रकारे त्या त्या हेर्ति व्या र्रह्माम्बाक्षाम् वात्राम्यात्राम् विद्यायात्राम् विद्यायात्राम् विद्यायात्राम् रंक कुं को नार्तः रयत यहुर महिरा क्रवारियकी धार्वे तार्वे मके कर विकार में विकार के तार विकार के तार विकार के इ.इ.स् इपरामराष्ट्रभावेरार्वामायर। श्रीरारमार से.मे.स्वास्ता वरमवेवावसाया

पर्क्षिक्री सरमर्वित्वासक्षा क्षेत्रात्या राष्ट्रात्या स्थानाम स्थानाम सर्थे, यह देर सु जदल है. . . र दर लूट वन म म म म म म म म है। है र लिया का जो कातिवात्रः क्रांत्रः જ દરિક ને રહ્યું એક એ માર્ચું માર્ચિક वसालाखितः ब्रालाराका द्वारवसारमारायाते कुरायहेवावी सम्प्रालभारा महराया हेरा रथया पेत्र यहिताचा अर्वः अहिर्। रमराध्या वारवाता अरवो त्यारा वारवाता शर वो ररवा द्वा 3 2001 शरामायरकार् ररामायक् वयालाधर्म मार्चित्रमा वयालाम् केर्मायम्। लेबा.जाय्यालाह्यू.र.र.या.जा में अक्ष्में में अक्ष्में में व्याचा केवा.जां का जां का वा का जां में राया जां में मिल्लामा रा.पाक्रिक्ट्र रं.या.एक्। सर.विश्वा हीर.पार्यातिश्लेष्ट्राण्या सर्रिया हीरावालक्रियेश र्ययात्रमः सेराभार्या विवासम्प्रायाः म्याप्तामः र्यायाः म्याप्तामः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व ्रिल्या कर रताय स्वेच यह अधियह विकास के व्याप्त के विकास के वितास के विकास अवर्षा लक्ष्म राज्यात विकास के विकास के कार्या के देश के के विकास के वितास के विकास एक्रिं या के प्रतास्त्र हैं के प्रतास्त्र विष्य के प्रतास्त्र विषय के प्रतास्त्र के प्रतास के प्रतास्त्र के प्रतास के प्रतास्त्र र्ष्ट्रकरा वस्त रे प्रक्रिया विकास मार्थित के मार्थित क यार्थाः यार्थः होत् का विराक्षाः विराक्षाः विराक्षाः विद्याः र्याच्या मार्ट्यामा नेर्या अत्या अन्या क्षेत्रक हैता हैरा हैरा हैरा हैरा देश तारा तर स्वाना महिना महिरा हैरा है ता है ता है ता है ता है ता महिरा मिलत चर्राकुरकुरकुर कर का युवा की वर र सुरायम हेर् ववन र र या हिर र विवास र पार तार तार विद्विर। श्टरम्ब्रस्याद्रस्यायद्रस्यायवयाः कृताः ह्वास्यायाः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्य

क्षेत्रातातात्रवाचनवर्त्रात्त्रवेत् कर्तव्यविद्यात्त्रित्य क्षेत्रवर्त्वात्त्रक क्षेत्रवराष्ट्रव ब्रिर स्वाध्यक्षित्र विश्वास्त्र विश्वा केवलम्बर्गकः क्षेत्रल्याः । दास्यक्षम् विश्वास्त्रिर विश्वास्त्र स्वायो स्राणवावयावर्। र्यायवनावतर्यातर् स्रात्र्व निवार्ययक्षेत्रातर् मुलयां भेरी वी त्येया के ला ता त्राच्येय स्क्रियं मेर की विद्या मेर की विद्या में ता मि ट.रे.व.प.ए.येंचेशात्रीचेशात्री रूपाया कर्र्ड्छ्ये केल मेंच में अला रूपा केंद्रु के अला भ्रम्भार्यस्यम् स्र्वास्ट्रस्यम् राष्ट्रम्य राष्ट्रस्य स्थार्यम् स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्य स्यानस्य व्यवस्त्राप्ति । स्ति वन्याया र्याद्व स्वयाया रायाद्व । स्ति रायाद्व वर्षे ह्लान्डेनाह्लान्डेनाह्लान्ड्यायान्याथ्याः हर्ष्यायाः ह्लाल्येरास्यायेर् देतुनार्यदक्षेत्रयाः र्ष्ट्रहेन । श्रु नायम्बर्धियात्वर व्याप्त । अस्ति। एएएण्यात्वर हुवा व्याप्त । रक्षात परितर्द्वालस्त्रें वाज्यवित्रां कार्यात्रां कार्यात्रां में कार्यात्रां वायलये। विराधारम्बी मान्याचरायांचर। वस्का व क्यापुर पूर्व एर्ट्राह्न अहर हिर्ह्माया प्री वाचेर चेरावरी महस्य देवरेव रहास्य किता मुंब के के दाम चेवत महस्य विमालका दुस्यादाय मिलर्वे बडेरी पर्किकिकि पर्के हुर्हे। स्राप्त हुर्ने रे 3 <del>वा</del>र्ड हो। भाजरहराक्षर्वित्रम् स्वार्यस्य इरकेन मायव द्वरहरा त्व्रान्ध्या स्वार्वित कियात्रेमका है। त्राचात्र त्यात्र प्रस्मिकेल्य कित्र क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके या सर रेवी सं रवाया आहे गाहरे गाला गर में प्राची है है है स्वाया सर्वा रहेवस ही मुंब हुत. माद्रका तारा तार का सम्मान मार्थ के मान का निमान 18्रामा हम्मेर्स् म्बर्भावासाम्बर्धार रेरा अत्यासामा त्यार त्यार हेरा द्वाया रे के काया से विकास के विकास के विकास के विकास के व मध्येन्वराधायतत्त्र्नाता द्वेनवर्षवाधीरक्षियानात्त्वावात्रदेवता रुद्दर (दुरावर) वकुरक्षेत्रास्त्र्वा ता त्रीकाकुर्यः त्ररः हित्र हित्रः प्रवणः के यावशः कियारवात्रेयानः वाताः वाताः वाताः विवादाः गत्री सम्बानियावा पर्वाराम्भवानार्दाम्बार्यरेता दर्दद्द्राम्भवावा पहिन्तिरावेर्कास्यः यत्रम्य र्यक्रुं स. य. देव रत. हेव । रवायः वार्टर प्रवायान्य प्रवेतर वित्र वित्र विवायान्य विवासिक्ष म रिन्यम्ययास्त्र रेक्टर्डर) रवर्गरान्यमान्त्रे विकर् रामानाने रामानाने रामानाने रामानाने रामानाने रामानाने राम र्रेश्रिराधकारा अनेक प्राक्षरी रवार्यर मेचे राधुः में भाष्ट्राविकार्गी साक्ष्यं विकासाम्या प्राप्तिका म्यावा रिवश्यारामायाभवार्षे मा चर्णात्र्व स्वास्त्र मा वर्षेत्र मा वर्षेत्र स्वास्त्र मा वर्षेत्र स्वास्त्र स्व वि रहरकेत्रचरि सुवक्षत्राम् भें हेर्यम् वार म सर विर विम मा तर् से वा वीर हाता 

5 141

कियात्यात्रात्रात्रेत् लामार्ग्यात्रम् त्राम्यक्षाक्ष्याक्ष्यात्रम् द्र्यायात्रम् विवासक्ष्याः व। यूणरव त्यावक्रियादक्त्रा कैटलक्षरक्षरक्षयक्षित्रकेष्ट्रा देखे भार हेर्य्यक्षक्रिकेर नेरा करियारे पानवर केंद्र ग्रामार्थिता दर्र देश कर्म करियों वर्ष केंद्र में में केंद्र में में केंद्र में में इ.स.ब्रीर्भायदम् भवर्षाम् वर्षे । मार्गर्भायम् अवस्य अवस्य अवस्य अवस्य अवस्य वर्षे । क्रियाक्र स्वर्षाय वर्षे अहर यहा र्यः रवसवाद्यान्त्रीयानार्दर दर्यसामा वसमा सन्दर नगरास्या वहेवाता के ्रेराभक्षात्राहराम् ताम्येन क्षेत्राच्यात्रमात्रास्य देशमात्रम् क्षेत्राच्यात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमा मीर के अति तर्भा वरे भी मुम्मा में नेकर वरे वर्ष प्रथायायवरा र्यात्वेर वर्ष वर्ष वर्ष क्य अध्यविश्वी र रेके का क्या हितर हिर के र के के विश्व के र त्या के विश्व के स्था के विश्व के स्था के स्था के ्राया केर्या को के बर्ग वस में के वायर स्वा हर। ये वा सब र हिए वर हेर हे त गुवा ख्याच्यापर्धियाते वाक्षाणा अदरवार्याकी तपुरक्षात्रके त्या प्रवेशात्ररवाक्षेत्रके के वाक्षा प्रार्ट भरेशनासीलासूरी कुरारायाम्प्रास्त्रियोलाहिरी इ.रूर.केशमायविवासार्यावाहिली रिर्दर देवाह्यर. कुक्रतात्री एह्मभूर शरक्ष्यकेषात्र्ये सै.एक् लूटलकि र्मेंस्परी मैंबान्एकेक रवल देंद्रल संचल्यास्त्रेचेरवना एवतास्येरान्ये। एदे त्यावर्यन्वन विवार्यानार्। देता वर्षानाव दाविष्यार्येरा पत्र देशी पर हेर प्रस्ता । अंग्राप्त क्षेत्र क इया ब्रम्किर शुर द्वारी द्वारा Same a) पार्च पार्च देन वा की देन हैं के ते । ए ता के देन देन वा के देन के दे के देन के दे के देन क मानामा मिन्द्र। र्रेयात्रस्यम् भवतात्रम् मिन्द्रम् सिन्यक्ष्यात्रस्य स्थात्रम् यात्रस्य स्थात्रम् मुक्ति-रित्रिक्षे नाता न्यायः सर्वेत्रत्वक्ति विश्वक्ति विश्वक्षिर्याः मूर्यः प्रवारः । रूपा न्ययर्गित्वि शुर्द्रभरत्रेंद्र एह्म.व.शुर्म, द्रे.च.लवा म. हेर्ड्ग्यरात्रातातातात्वे । कूपक्रुय्यवर्षेट्र हिटा श्रीर्श्वातिवातारीय विशवासी विवादी विवादी नेवाहरी भ्राप्ताकिर में वार्टित नेवाहरी रे वयारायाक्षत्रकृत्यो स्वक्षेत्रव्यास्या अया ध्वेत्रकृत्या अवाक्ष्यरयास्य वर्षे उम्बा सरमाहसानेता द्वस्याचेरावते के स्ट्रिंदर। र्वाचते सुरायते मुख्यादे मुख्यादे मुख्यादे । मुक्रिंद्यादे । मुक्रिंद्यादे । मुक्रिंद्यादे । मुक्रिंद्यादे । म्म्यान स्वयानेत क्रिक्तिरायायत्वातरिता विभक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रका स्वयान्त्र । लरः वर्षियामः वर्षः वर्ष्याः कूर्यः वर्षः वर्ष्यः वर्षः वर्षः वरः वर्षः करः करः करः करः वर्षः र्याः चाल्या लाईया त्याव के मु यादेल यरेता रवा तेत्र मार । स्व व हरक हरा विभागत तर्रेत इ.सेलक्टा वारमधरत्व. इरेज्दस्य परिवाल्ये विमटलु के में वास्त्रे णमायाक्षयां वे त्या तरे बुक्य यते व्यक्त क्षेत्र क्षेत १ रचात्रल ब्रिजा भू या अजा चर्ड मूं . मूं आजूर व्राप्त देव के वेर नजह में अहरी मुन्दरिया अपने मूर र्वायायायाया तह्याचीर अंदक्ष्वेच्यायाया र्द्यायायार्द्यहेव द्रा व्यायायार्द्या व्यायाया 75021 कुर्वास्त्रेजासर्वेशास्त्रवाता लूरम् स्वस्त्रम्था रचा स्वास्त्रम्था र केणा त्रा नेर सेर अवसाता त्रध्री र 

न् न्यात्मित्। द्यत्ये वयायवन दर्रात्येवया सूचा विद्वत्या पति स्वया ता स्वर् मुंभें दास्यामी स्रेंदाणयाय पायम्। द्यादामुक्तिया। द्वादामक्तिया। द्वादामक्तिया। द्वादामक्तिया। द्वादामक्तिया। श्चर्राराशकार् दिस्यारे विस्तृ । वहनार्गाशकारी मान्याने के कुर् विराधिता विराधिताला वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा के वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वरा वर्षा वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर वर् त्वावाक क्षेत्रपुर्यह्यात्रराज्यात्रर्वात्रपुर्वात्यर्र्वावयर्वात्रपुर्वा पर्वावर्वात्रप्वात्रप्वात्यपुरम्य युः अदतः यम् वायुः अद्भार्यः युः वायाः युं वायाः वायाः द्र्यत् यते से ध्येवा द्र्यां ययः युः क्र ब्रिट्र दित्यं नहें से के लेका तह्म ब्रिट्स वार्य ता में ता में ता नहीं के वार्य के के वार्य के कि वार्य क क्रियायां बद्दार क्रियायोग वार्यायायां यात्रीयात्रीत् देत्रवात्र्यं भाग्यदायाव्यास्त्रेत्राः भूरः कि.लूर.मुर्वमम्बर्भातार.वर्ष्ट्या. हे. जैसेवायुक्तरेय. र्रा. ज्यार्थर. व्यापर दिवारेर की प्रामस्य देव के रदा हाष्ट्रम्स्यह्त्वरवाक्तिवास्त्रवास्यात्रवास्यात्र्यात्रम्यास्यास्यास्यास्यास्यास्या नलसाय्युवर्द्धाः भवेत् (८८) श्रीरायाक्यायाव्यायुक्तायाची राज्यायाव्यायुक्तायाव्याय्यायाव्याय्याय्यायाव्याय्याय म्सेर्वाया, स्वायर्य्यर्मवाह्वासेवद्यायर्वायरेव त्यस्यस्य स्वर्णेयर्थः यस्से स्वर्णेयः स्वर्णेयः स्वर्णेयः श्चारक्षर विद्याता स्थाप है। इस विश्व आयार वेरहर वर्षेता वर्ष सार है। वर् भेर वर्षा सार् ग की सहिर्देश्य प्राचायावायायाया का प्राचाया मुख्याया ' विश्वेत्रक्षार्धेरसम्बन्धा व्यव्याम् सम्बन्धा व्यव्याम् स्थाने विश्वेत्र विश्वेत्र विश्वेत्र विश्वेत्। क्रांचित्रकारात्रः साम्द्रम् सुरायकार्यक्षेत्रकार्यक्षेत्रम् विद्रम्य। न्वायक्षेत्रविद्रम्यय मा ग्राह्मिलाश्वीतावरायम् के जिन्दरला श्विन्यकुल निष्युल में कृत्ते वास्त्री वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र व भन्यत्। पर्यास्त्रेवाःवर्दात्यः सेर् । स्रद्धवार्गरायतः वायवास्याः वायवान्त्रः सर् । दर्दरः दर्भक्षः श्चे यरदेश स्वरं वादवा गायर त्यां र साम्रे हिसा से वादवा ने वादवा ने वादवा में वादवा ने वादवा है। देगारमा रेडी व.४९.५१.५४.४। त्रीत्रक्रेय.४.४.५५ के.५४.५८। क्रा.४४.५८५४.४५५५५५५५५ विवादायावर्काता । १इट मूर्यार मंत्रीवावे दक्कीयावता वक्कायते के मुक्केदाविवादा सेर्यरे धीर्विवेदर्रेर्युर्य रचलवर्र्युर्य वार्वेगाद्यर वारम्यस। वलस्य वेदर्धित ोवा दार्या अध्यक्ष उन्हें ना त्या से दरे से बचारी वर्ण देश देश से स्वयं के दारे । से दरे राज्य अर्के दर्भे दरे देश ग्.ज.जन.जर्जर.वर्ष्याक्रि.ज्र.जुराजग्ला राजा देवया.व.व्यातमा.व्यार.वर्ड. व्रेर.जुरी ग्रंगर जर्मर र प्रमय अर्थर वाया । तर विवाद्या यो वाया वे वाया वे वाया विवाद के वाया वे देवी र डि.श.चसूरत्र। वनाकेट.मु.अव.रट.बीग्रेय.लूरा नाया.कु. वर्ग्या.जाता.केशत्री वर्गावग्रम्, वर्ग्या. रद्भुकाक्षेत्रः व्यद् रसतः सक्षिक्षितः देवकित्रं कार्यस्यक श्चीश्चीदाकी कार्यः वर्षेत्रं यते दुस् व्ह्रद्वते रयुरं ता अप्ने अवगर्विक त्रेव के विभाषा हिर्देश मेर्द्यते विकास विकास यके। हुरान्यवित्यं मालायद्वराद्वा यमेतातन्याययम्द्रात्र मदावस्य यते हुरा

इ.स्रानेयः ग्रदा यदार्वाराष्ट्रवाराष्ट्रवाराष्ट्रवारावारावार विवासावावयाः स्वारदान्द्रिरो

र.ज्याक्तिंशरे.तपुःजनायाद्या.जर्या । क्रुं श्रीर.यी.ग्रज्ञा.ज्या.ज्या.पर्या । म्यू.टर्जा.टर्

र्यर्भा नेवाव। दर्भावतामुदाणासूरायाण्या। दावर्ष्वितायायायायायायाचेरास्ट्राक्या धेरा श्चरायम् स्वीर श्वीस्त्रास्या प्रत्ये की द्रम्य माने दरा क्रिकर समाने वरे से राम प्रत् pair. राट. द्रम्यातम् याद्यः देशः दरा याद्यवः स्वाद्यः वोद्यः वद्या अवीवः वाद्यवः दर्गरादः विः मध्यार्थ यात्रार्थ यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः दरः। दह्माञ्चायाः स्वेवःक्षेवःकष्टितः। वाधाः यात्रावः द्वार्षः। वाधाः वाद्याः द्वार्षः। वाधाः वाद्याः द्वार्षः। वाधाः वाद्याः व्यक्तित्रद्रभाददा कि.क.र्रेट.र्थानकदावद्या केत्रमानविद्याना नधुः हेत्र.रे.एरेजा र्नेटर्न्यकदा 3 श्रुद्धायते शर्हें हैं दर्भार केदाल केदावेदाते। में अर्थ वार्वेर से लावकी विवास्त्री हैं। भक्तं,र्रात्रवश्यो स्वास्ट्रिर्स्य,यित्रभः,रद्रा र्यर्ग्यात्रभागात्त्रवात्रस्र्री वाक्याःस्वेर् रज्ञ में येवलाय वडे। किर केंत्रेशन विकास तप्तर में रात्रा केंद्रों केंद्र केंद्रों केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र र्रात्यातः स्मिन्त्रं कृति । द्वायत्यावाता मार्वित्रं प्रतिस्मिन्त्रं व्यायक्षात्रं प्रतिस्मायक्षात्रं क्तर्रक्षित्वम्यक्ष्यम् वर्षात्वस्या र्वस्या र्वस्यास्य राम्पर्यं वर्ष्यास्य वर्ष्यास्य याच्याराज्ञीला मेल्या के कि सम्बाल में याला में रावपुर्या स्वाल में वाल में प्राप्त में वाल में वाल में वाल में ह्यातक्ष्यात्रक्रिया ध्रेत्रात्रेरत्य्यात्रेर्तत्त्र्यः। सक्ष्यातास्य त्यात्रात्त्रेरः। स्रु प्राचा संचान्त्रीया स्वित्रात्वराक्त्या क्रांक्त्या क्रांक्त्या विकास्य म्यान्या क्रांक्या विकास्य क्रांक्रिया र्मित्र हे जब्द्वायत्त्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र Sgrain लेका दे देर अवरण वर्ष के सिरा देक अवरण अवस्था के केर हे अ से दे हार हर सार का ह वाहेल या

प्रैचानकि किस क्रिणाचए इ. इ. इ. इ. इ. की. पर्. के. विश्व ह. का. या. विश्व क्षेत्र क्र

यून्त्रेत्। नूटाक्षेत्र्यार्त्य् भर्यान्य भग्नेत्र्य भग्नेत्र भग्नेत्य

793

80351

र्र्ट्र हे हि स्रेर्य ह ना सुमा ही र्ट्र हे छातु पकेट स्वेत प्येत प्येत प्रेत ना हेना व स्रेरा हत. मिर्टर यिक्यात्रेव मेर्। यर यति रे व्यक्ति भागाप्ते व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व पर्ताहेर्दरहेर्म्दर् ।देवयदायामसङ्ख्या श्रीराद्यामाष्ट्रमे स्वासवया क्री प्रमुद्रियाक्यसीतार्थात्र्री रत्त्यारवशाक्षिरक्षित्राम्यूयःदित्ना प्रविद्यातपुरक्षेत्रस्य र्वा.के.वश्या चाय्त्ररदाधिके.कुचाचलमालूरा कारावरेर.केचाञ्चाक्रायाता हिर स्वा अप्वा में किया जा वा अराम के एतिमार राजी रहा। देवा मार राभर के बाजा में तर त्रेत्राम् व्यक्तित्वत्रात्यव्यात्यव्यात्य विवालस्य स्याद्याद्यायः त्या द्यत्तास्य स्वरः द्यार्यं द्य मान्यासुनात्यायप्राद्यासीत्याः क्षेत्राकार्यप्रमान्याद्यम्याद्याः मानित्रमान्यास्य क्षित्रासुनायाः । द्रात्याव मुद्रियंद्राक्षाख्यावे वरवा साम्रद्याक्षेत्रकी दवरायाकेरी विष्ठेरवरायाकेरी विष्ठे मभर्षार्<u>यर र वं</u>राण वश्चरी अम्पर्स्भ गर्या की र वाली वाली वर्वेच लूप गए र र से र री र्भरदेशहर्म्, श्रीयाताः स्रोतायाः यरः । यद्यातात्रः पत्रीयात्रात्रया। परप्रास्त्रम् यात्रम् । महिमारी चर्नर रेंगा वर ते अराज रूपा वर्र सावर मिया ते राज वर से वर के वर्ष का.वे.र.भन्तर्भरार्ते। योष्टातिवादाव्यं में प्रदानाकरी हो स्वर्गकी कुरत्या श्रीरत्यः विभवन मुशक्तर्यी, अक्टरं दाता के जाता जाता कर भेषा प्राप्त कर भेषा प्राप्त कर भेषा प्राप्त मेरे िकुर्या बिरामा मुद्रमा मा स्थित। दे हिमामा त्येत कर कर के तर व व व व व व व व व व व व व व व व रित्री बी.मा.कार्बर क्ष्यां प्राप्ति हिरारमारायपारवर्षात्र करायहेरी सी.केश.च केश केश करें ता के बी. मा.मा.सा. स्थानु वर्द्धा कुरा यं वतुका अधारितुषा तरे तर्ति विभवने वा मरायुका अत् देर रम् महिंव वा विश्व कि दे कि सक्ते कारम वर्रासुमाने स्वास्त्रकालकवालयी सरतायाद्रात्रसात्रवदात्या येत्याक्रिक्विक्रवार्यका वाराधित। (यम्हिवाव्रस्थाताः स्वातो स्वर्। व्ररः द्वायं सः सुवारा स्वर्रः य ते द्वा पर्वुतः (३ स्वय) वात्परा चात्रे प्रति त्या का वात्र त्या के वात्र त्या के वाद्य त्या के वाद्य त्या वात्य वाद्य वाद्य वाद्य वाद्य ीय। रद से वार्य में से जा ही जा की वी वे वित्य अपना सहित्य है ता की मिर हिती की रद व्यायित्तर्भ विवातास्याक्षेत्रतातारगर। दास्वास्याक्षेत्रताक्षेत्रताक्षेत्रताक्षेत्रताक्षेत्रताक्षेत्रताक्षेत्र र्ता विश्वा ह में देश थाता वल र ता वावर । वाल वार ही वेश वाल वार मार ता वावर । वाल 18 ब्रांप क्राय वर्ष दरण वर्ष दे य सम्बर्ध ताय है। वर्ष सम्बर्ध ताय है। वर्ष क्रियं के वर्ष क्रियं के वर्ष क्रियं अला अस्त्रात्मवास्त्र हेग्याले दी दमवाद्व्य के गलिस सर्वास है ल हैला यह वे मरायाता मदाक्र मेर् इता अला मुंच कर्षा हो तर् मेर के के का क्षेत्र के कि का मिन सुदा का मिन सुदा के कि का मिन रर. शंभयाकी वयमन्द्रतंत्री यर. वी. छे. म. म. देर. भूव. कूव. कूव. कूव. ता. पर्वी मवार्त्यर्ते केर्यक्ष्यात्वर्णावर्णाच्या यदार्ग्यायायाः प्रावेशक्षाक्षरते। ववलावे वते

65

र्ट्स्लेबायामावसुयाकोरकोरम्। रयतातर् छ्यास्ट्रिया व्याप्टराये छेता देशकेर वर्त्त्वे व्याप्ति वर्ष नाम्यानां ने के हत्त्री र सुत्रम्य। । क्रीय है यूर्नि हैला बेराहिट द्यता वाह्यादर धीवार्द्धला वाववायकेर होरा देवाहु बुं लेंबा यति ह्यादे सुर्वेदली रब्रोह्मप्तार क्षिर् दे ब्रीट या इसला हे हैं । सेरायर अझ वाइसला सुरिक्षेत्र के स्वार विकास के स्वार क्षेत्र साम्य विकास के स्वार क्षेत्र के स्वार के स्वर के स्वार क प्या हायहर्ने संमानियात्र देरी वेशास्त्रिक विवासिक व क्षेत्र वावलायका विवालहुका स्रेति यावरवता वेदे वार स्रवाकृता कारे। त्रेर के स्रवेद ग्रंबेश्रदेश्या द्वायावन्त्रिं स्वायत्वत्त्वात् त्याच्यात्व्याः क्ष्यायस्या वयाभावतः द्वायाते सुर्द ट्रिलिम. सूर्यरद्ध मु. पूर्वा मुकरता हुमा त्वर्या केया किरतर तर अप के कूरता मूर्य र र ये मूर्य र र ये あってあるいる。むとの、女と、如、して、いず、多くの、女」 और हे मेर हैं। मुंशलायलाय तर रेरा आताता में ता तर रेर मंग दूर ने मुं क्रियास्त्रात्रा त्रियक्ते तर्हिन्हिन्स्य प्राप्ते वन्तः वास्वविवासायविपात्तापावर र्यायातिमायवारप्रेयुःमधिःभूक्री एव्यापान्द्रिः वृत्तिवाक्रीतायात्र्याता वर्ताप्राप्ता जव्दारारम्ब्र । देत्रमारजायवक्षा मायद्भार्यम्भावा श्रीरात्रेणमब्दावक्षरवि भावतालक ति किस्याल हें यो रगरंभर तिलात में में तालकी येते बेट सेविस ताम मेरी एस्मिल्लाका कु १०० के प्रति हे १०० के १०० हैं। इस १० हैं। इस १०० हैं। इस १०० हैं। इस १०० हैं। इस १०० हैं। लागा को त्यस्क ता राष्ट्रीय तहा । त्या वर्षा की राकी सेवा सेवा सेवा हिवा सेवा पर 3 Laugh 255 @ प्रकादकार्भवा देवलारायावन हुएला के बेरिक लंबे केरे है। केवलका करणा र्यर्तर्त्त्री गद्भायाय्र्यः क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया यताक्तामर्वास्त्राम् वता मद्वसम्बत्त्वाद्वासम्बद्धातात्ता द्रम् सम्बद्धातात्ता ववःक्राक्ष्यां प्रणक्षाक्षात्ता क्राक्ष्यात्या क्राक्षात्राचात्रात्त्रात्तात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा प्रमण्यत् वर्षात् वर्षात् । वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् । त्रियाः वर्षात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्षात् वर्षात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् वर्यात् र्भेयायमः दे वं त्यादाभक् ने ता विषयः अर्थे निया विषयः अर्थे निया विषयः में विषयः में विषयः में विषयः में विषयः किर लरकारा कें सकेर कें पड़ेया किरिया किरिया के प्राप्त श्रद च्रेर चर त्री र विल्यिक्तार्री यी रंभग लेंभ वर्षा वर्षा दें केटरम में तर दम रको अस्ताचर १११ दशका एहरला वला श्वामा तुवा त्या तिका त्या तुवा वला विका विद् (अ.व) चरकी १८.९६. ए अल. र. अर.तार. र्जर। जयानु तर्रा दे. ही. ये. ताबाला श्रिका हा. कार्टर मुख्या. जारी क्राता.क्षेत्रमानी. ग्रामा भर श्रीत्यर मेत्रात्य हेत्। क्रियात अस्ति विवास अस्ति विम्पा विमाल क्रियानवि रविवि एर्पानी हेरा हिमाल विकाल क्रियानी क्रियानी विमाल क्रियानी क्रयानी क्रियानी क्रयानी क्रियानी क्र्र. में अ.त. प्रियार द्वरा क्रिया मेर मेर विदे प्रदे प्रिया में देवी में देवी में वे तामा में पानी श्ची त्या वर्षरामक्ष व्यवत्तर्था । त्रिकर वर्षाण वर्षि कर वर्षाण वर्षि कर वर्षाण वर्षि वर्षे वर्षि वर्षे वर्षे

य। यात्राधु रूद्रायाक्षात्ववातुवा । श्रुपु श्री द्रायात्र स्वर्णसम्बन्धा क्रि.स्टब्रहरणताद्वाम् क्रिटा शिर्त्याम्द्रवरावस्य वर्षेत्रवर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वया स्वाम्यास्य रात्ववार्त्र होता मेत्रायय रेडिया मेत्र मेर्डिया मेत्र मेर्डिया मेत्र मेर्डिया क्रेर. इव मांचेर तार्युंची वार्युंचा यूर्व दसवा वु दर्व वु त्वेर हो ता दु वु वा केर्व व्या वेर हिव मांचेर भारत्यात्रें स्वामा त्र्यावाता ही द्वां कोद्वां कोद्वां स्वत्या कोद्वा संस्था सुद्वी त्या म्.विर. अरे ते अरे देव वा अरे र वे पार्तिय वा विवाय विवाय विवाय के वा अरे दर के विद्रा है। नेत्रभारत्ये, प्र.क्ष्रेरी हिर्बेणजूना प्रचार प्रदेश न्यर जर क्षेत्र क्षेत्र में त्या प्रचार कुरा न्या प्रचार प्रवेश मुन् मात. येन अ.क्रिक्त त्या पह्यामन केन मार्थ कुन पहिंगा रे.मुन पहिंगा रवार्यमुलदम्री अद्मुक्षिकालम् मेरला मिन्दलम् वयावारावरात्रेता रिसर्वे के मार्टन वयाक्तावायात्रात्रात्रात्या द्रम्द्रमञ्चाता त्रिवायते त्या माति स्वर विद्याता क्रिक्ट्यातपुः स्रेरक्त्राएववर्षः १३६ वालतायक्र्याता ए से सर्द्री में से क्षेत्रक्त्रार्था है। भूता दे में द्रव्यायावर वालला स्टान्ट क्रिक्ट में त्या है के भूता है के भूता वाल के में त्या के प्रति में त्या क्षिमीयात्राह्म के विवास के किया है हैं प्रत्या है किया के किया है क्रिक्र व्याप्त क्रिक्स देश देश देश कुलयं से रक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मा अध्येद सामु विदेश देवदर्य मन्त्राक्ष्य भागायम् । विष्यम् म्राम्यात्रा माहित्यात्रम् माहिता माहिता माहिता माहिता माहिता व्याप्त माहिता विद्वारम् इरायाद्वसूद्रायद्वेश द्वायाद्वीर स्वायाद्वीर स्वायाद्वीर विकार वर्र व्याप्त क. पार्वाश्वर वर्षेट्र दर पर्वे प्रमुक्त वर्ष पर पर्वे प्रमुक्त वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर पर वर्षेत्र वर पर्वे वर पर मर्दर्वनायतियोवी से स्वास्त्रास्त्रां त्यान्यायर्देनात्मायत्वाता क्षेत्रात्र्यात्वेदाह्यरात्मार्ये हिर या कर सुर सुर तिवेर ऑर देता रेर्। हुर सु खर विर ऑर देश रेर्र के बॅरर गर से असास वहर हिर् स्थाले रिया र प्रार्थित संस्ट्रिय स्था स्था हिट ए स्था । यन र मार्स् र स्था राज्य । गयाःस्रावनश्रुतासारद्द्याम्। द्यातः वरुद्यावनः श्रीयारद्वाः स्रायाः स्रायाः वाह्यः वाह्यः विदेशेर कत् भ्रायहिच्यत्त् डिला गल्यार्टर सुदाय पूर्वार्शे क्रुवार्रिक्षर्षिराच्या विद्यालार्यात्रायात्यात्रायात्व्यात्राच्याचात्र्यात्राच्यात्राच्यात्रा लर्डिर्एर्य । ज्यात्वियान्त्र स्रि. ह्या. प्रे. प्रति अ. ह्या. ता. लर्डिर वर्षे । प्रयाप्तियाः नीमातहतः रदः तदे । तहीता नते हो द्वारा तुरस्य रदः सामाया नते व्याया तु वु ता सामार्थेरः रेतुः बर कि.चर. यात्मतुः क्षेत्रार : ब्रार : क्षेर : क्षेत्र : क्ष नायम्बालयातय। दयराधेराधेर। दूराराष्ट्रवार्राष्ट्रवार्थात्रयात्राव्यात्रयात्रयात्रयात्रया र्भायवित्यस्तायाप्तेती वार हिरातर्रा हिराओर चार श्रीरारे विवाधरा विश्

मी अर्थर दिर। वरा अर्थे तो माया राष्ट्री स्वा हिन सिव तर्वे गर्भे व तर्वे महिर हिमा

**1**5< 68. रार्ट रवा माने केरा है मीन श्रीने भारे या केरा सूर मी रवामा भीन रें रेरी एरर अर्कन मिताव" जा मानियान मिद्राता हो। हाते प्राया प्राया माने विद्या का विद्या का विद्या का विद्या का विद्या का की चेत्राल देल विश्व विताल के किया त्र की की किया देत लाद विताल के प्राप्त की Select गिक्स्मिहर्ने श्रीकामित्राम् मामित्राम् स्थानित्राम् यी. ज्याता क्रा क्रिय विद्यंता ज्या रंट. क्रिय अधर जा सहजा क्रा होता द्या त्याया अधारा वा प्रात्येय अर्पात्यीयात। ए. म्र. मी. यती. परीया. सर्ररपरी कुर्या मृति. प्रमेश क्षेत्र या बेरने सापती। दार्वे. द्वियात हो स्टिन क्रिया तारवावावाया स्टिन रगरयते निवर्षियारेत संसर्यय सम्माना नरमा सामे देश हिर्द्र मन्त्र अर्दर र्रझ्रे में मार्था श्रेत्रातिराक्षिर्ध्यर्थं में द्रात्रात् वात्रात्मा मार्थिता स्वात्रा क्रिंड्रे में स्रीयाता केविए सम्दर्भवेषकी अवता एडे छए क्षा स्रीता से अपर केट हरे. म् केचा गोत्र १ वर्ष हेर विस्तर देवा हैल कि वर्ष मार देवा हैल के वर्ष मार देवा के वर्ष हैर है। सुरायम् ररायराद्यास्य स्वास्य अक्ष्या मिलाध्रिप्रसम्भा विकार विकास मिला देशका क्रमायन विकास देशका में देश की में में की में में में में में बिरामानार केर्डिटरपर्व । पर्वेट केवररा है। पर्देर हर पर्व । र्या नियम नियम अके या विव निर्मा दर्सीकें स्वालामा महीसरेता विद्वेदक्षेत्रकें केंद्र दर्से हिंदे में दिस्ते र्विच्यमास् हर्वराव्य्यमार्थाः । रम्ब्रिम्यम् विक्रात्यार् स्त्रात् स्त्रात् स्त्रात् । किट.श.वश्चर्यक्षेत्र क्ष्याचितादेशया सै.जेला.जेला.जुरी यावश्चरत्रया श्च्यायायकालूटा यूट.ज्.युट्युट्युट्युट्युट् यापा वार्वा क्ष्याच्या क्ष्याच्यादेश वटायोजा.स्रेयाकी.वयदेशता प्रविधा पाविदायाजेशाःसद्वियादेशतालेशी प्राथायाविता प्राथायाविता व्याचातादारी विद्यूद्रियं विद्युत्यविद्युत्याचीरणः जुरी यपत्रातायुः तियादाः पाजा प्रविधा इट.श.घम.देशया.वे.जेग.जेग.जेग.जुर] यावशत्राद्यवा.द्यायाद्यायाद्यायाद्यायाद्यायाद्याया में माना त्रामक्ष्यं मार्थं प्राचा प्रचाय किरायेश्व रिमार्क्र मिंद्र देश हैं में में में में में में 8 Sharp श्रिक्त ण में सिक्री मूर्त् वेलाम् विवक्षिर ररामा मस्या कुरा हरी धरात्वा मर्गात्वा मर्गात्वा मर्गात्वा मर्गात्वा विवक्षिर ररामा मर्गात्वा किया मर्गात्वा म 10tohice क्रियो श्रिमायम्यात्र्यात्र्यात्रेरार्याद्रात्राद्रा सार्यारात् क्षे.यम् सार्यार् क्षे.यम् वि.याद्राया वि.याद्राया वि.याद्राया मी.रशर.चानावाकिवारर.एरी कैवारर.अधु.माष्ट्र.ता वानावायता.केरा.अपवायता.प्रेवी प्रश्नित्वात् स्वात् स्वात् स्वात् क्ष्यात् स्वात् क्ष्यात् स्वात् स्वा हरा दलर या वित्रकृतक्ष्यक्षिण रहार् सुर्यक्षिण वर रेर्स्स् हरा स्ट्रास् करक्ता रिते र्रदेर तरुवा केर व्यव भवना देर विवाय केर के के के में रहे वर्षेट कर मार्थ

गाळा था है रहे हैं। शुक्र त्या था **™**त्राञ्चल या अर्थत्यते त्रु तरे त्रुरत्य यो अभिया पातार्री कारा पाया पार्य र र र मा या या ही गर्य यह के र प्रत्य पाता सिक्त मिन ग्रद्भानावयः तस्य वारामा अयवपाद्ये वयं वार्षेत्र विवाय। से वार्यभारतः द्वस्य परम्बा ्रवार्ट्यक्ष्यं र्वे अभगत्रभवेशया सद्यक्षित राष्ट्र क्षयायुष्ट्रव स्वरम्वेश स्वर्ति ह्यार मालिलक्री केरवननावरायप्रक्रिया वक्षराल्यी प्रमामाध्येत्रायरव वक्षराम्म्यक्रिया यर्थान्त्रम्वेषान्त्रिक्ट्रान्त्रम् हेरान्त्र। शक्तिग्यन्य, प्यवन्त्रपु विग्या। जयर्थान्य, त्रक्यक्र मितेथुता ह्राट्यहर्ष्ट्रभावरंभुकायंता वरःवहरःवर्षाकार्कते श्रुप्ता वर्णायहर् रहते राजहरा । Fate म्म्यान्त्रात्त्रिम्द्रम् व्यान्या यात्रम् स्वत्यात्रम् राष्ट्रम्यात्रम् व्यान्यम् व्यान्यम् व्यान्यम् व्यान्यम् र्वाश्रद्भवायाम्बर्दस्याविवास्या भेद्रस्य राज्यास्य रहत्य रहत्य स्तर्रस्य विस्थानेन। वस्यानस्यानर्वाको तक्ष्यवर्वात सुराव्ये वहदद्वी स्ट्रियमा वेन्याहीरमार्भवद्वर् देने म्बार्ग चीरार्ट्र्याच्यानिमार्थमाता हीरायहराय्यावरामार्थातामार्थातामा सम्वाततात्वरा देवहर. 3 रा म्यास्या विवारहरन्त्वस्यु मेरी ती सेर्यरिवयार तथा से तथा है का से प्रेर्टियार वर पर मा सुरर्गराया त्रुवारकर तकर देश सुरद्ध रायक के क्षेत्र क्षेत्र स्वाहिक देश सुर्वेद प्रकृत रायद स्वाहिक देश देतत्त्र्र्व्यद्रात्म्वर्षेत्रः स्ट्राय्क्वा एक्वासः रा. व. महास्यात्ताता एक्यावर्षेत्रः सुदः सुदः सुद्रः स्ट्रायः हो । men क्रियारमास्त्रिक्ता द्रास्तिक्ष्या ध्रायाध्यातात्वातात्वातात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्रात्यात्रा क्रि.श्रेट.अर.श्रम्भाक्षित्वास्त्राविक्षा क्रान्यसम् वास्त्र वास्त्रभाविकात्वात्वात्वात्रम् विकारमानु म्या हिरार्यसम्बद्धायात्रावर्षात्र म्यार्थियात्राक्षियात्राक्षियात्राक्षियात्राक्षियात्राक्षियात्राक्षियात्रा रत्यंश्वरतात्त्र्रात्त्रार्मात्त्र्र। संस्यायव्यवेशाय्रम् हेरात्त्रात्ता सर्द्यूयात्मेत्रायवारात्ववहरी हिराहराहराताहरास्यावस्ता हराहरास्यास्या हराहरास्यास्या निमालव्याव्यायर्वे विद्यास्त्रा विद्यामावध्यास्त्रीत्रायर्वे वर्षाः देव। यदाद्वातास्त्रायते त्वावहर् स्र क्रिया स्रीटारमा म्ह्री तारेदा व्याद्वेस हु मुद्दा स्रोति है सह देवा या वेदाव नवाय रेदा म् स्वाक्षिरायायायायाया विर्मान्तिम् स्वान्तिम् रम्मान्तिम् । र्यत्यक्षित्वियात्रभव्यद्वावभव्यद्गे तथक्षेत्रम्यात्रम्यक्षेत्रः भूत्रम्यक्षेत्रः भूत्रम्यक्षेत्रः भूत्रम्यक्ष किंग्यानिमायह्याताश्चिरातां हरी सेश्चितामा यहिमानय विद्यायातिमा सार्वमाहिराताहरी सा दरासेम्याद्रावसम्याद्रम् र्मर्क्ष्यस्य स्वत्यात्रम् स्वत्यात्रम् स्वत्यात्रम् अप्तर्थः क्रमा अर्ग्यार्थरक्षि, बीलाश्यात्रमा में नर्भिष्ये केलान्य प्रद्या ये अष्टेश्यूर्यः यति यद्श्वरश्चरात्म। द्वातः वदे भी केवा से मार्या त्या वदुर हाव ला नुते तक र स्वती भी स्रिवासितं वर्षास्त्री होटाया हेरा या से सम्मार्थित रामाराया रहा यहरा वर्षा वर्षेत्र वर्षेत्र 

-0 70 YAEGIA DAN 正になるといか、およい、いないとはない、上はなかかから、なり、よっている」、とめ、 प्तर्वाण पर्या तर्या ने शक्त में यह अध्यायरा जिल हैं. य अया प्राया सर रेट हैं रे हूं र य य अस पाई. क्राव बुर तर्कीया वा धनायां वया अहिर ही र में स्थाया । वर्ष अहि में दे हैं। र विशेष्ट्र राष्ट्र भीर, केर. यह पार्श विशेष्ट्र में अवस्त्रे 23047121 श्रम्पर्वे Start, रगत ग्रायर्रात्य स्राय्या ख्राय्या ख्राय्या वर्षा गर्मा वर्षा म्याया वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क्राये वर्षा वर्षा ह्यान्यात्या रेवयावयम्भयद्वियाता विकास्त्रात्याः रिति हेस्यायद्वियाता पर्य रिट्ट के रिल्क के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य क यह दें दें परीका लहा। देवानमं के के में देश रिता देश देश हैं वेश हो ब्रेम हैं वेल नहीं में इस नहीं में स्याय। युर्वाया क्षित्रम् १००६ हेर १ वर्षा १ वर्षा १ स्प्राहेर । यह सम्देश वता के वा तर्या है राजा से स्थान 14 दर को देखा वर दे कि र भे क्वा दादर वा अनुमान नर ने व्यर्थ के वर के कुर्ने कर्ष्यान्यस्यात्रध्यात्रत्यात्रत्यात्रहेस्यात्रा water. मिन्निक्षी श्रीकालकार्त्या कार्यात्रकारात्र श्रीकार्यात्रकारात्र देन श्रीकार्यात्र विकार वलामुन् द्यात्वीवालामा वातीत्वीवात्रीरामादविवाला क्ष्याःमहित्वक्षामञ्जूत्याद्वात्वत्त्रेत्री नायते यालराम् राजाता याल्या भ्रावरवालवाइ देरा सरावर से सर हशका मुक्कातमा व्यास्मातमा र्वा मध्यहणा क्ष्या र रह्म महिष्य मिया म बहार के विश्वास क्ष्या स्वार स् ६क्षेत्र्र्स् रवा स्रायास्यापस्याप्रात्र्रात् स्रायास्याप्रात्र्रात् अहलाम्रेन्स्यहूरी हर्ष्डराहराज्यान्यान्यान्यान्या कुलावराक्राहिराना हिराम भक्षेत्रकाश्रीयिक्षात्वता स्ट्रा स्ट्रा वरक्षत्वर देसे ता । दिस्य स्ट्रा त्रा ति स्ट्रा स्ट् माने दिया निया वर्षा वर्षा क्षेत्रकी द्वराय मूर्। या भ्रे तुराष्ट्रम्या या से ति 7 string of - : : दहार विद्याना तर्वा ते विष्या के त्या है त्या है त्या है वर्षा है। है त्या है। त्रेतार्थरामेश्वी अस्त्राताम् वर्रार्म्स्विष्ठी कराम् सामावर्षेवात्रात्रां वर्षेत्र व्यविष्यास्ति १ १ वर देवार देवशार ता मर्ग मर्के ता। इ.र. वयला श्री र की मक्ष्य है। इवार्य र से से में में मित पर्देश दें तक्रम्यायम् द्वानियानी वर्षा श्रीयाची त्यायह्यासीय वर्षा द्वीय वर्षा देशम्य यायायमानामा र्भवत् भूरावस्थायास्यस्थलि हुरायस्य क्षेत्रा के कारावरे व्यक्ष वहें स्था द्वुदार्धन परि इसका क्यूरियाला हराता तिराभर हरा पर्याच तामा क्यूरिया कराता क्रियंतर रदारवदाग्रद। अक्याद्यार्याः क्रियः क्रियायाः तात्त्र। र्द्रदावनाम्यः म्रामनाः विवासी स्वा वर्भित्याता कूर्क्षित्या क्षेट्रमव द्वराचित्रवा मार्थर पार्थ । त्यार्थर तात्रा क्षेत्रमव क्षेत्र पार्थर । की र्व. रर्जा श्राप्त पात प्राप्त हरा राष्ट्री मुजया मुजया मित्र मित्र र पात्र प्राप्त में मुजया में त्रहें गायरा विस्तेतात्र्व । राष्ट्ररादेवा कर्या के दे दा हा के दा हिंदा हो व क्रिया तो दें।

जिलायर्कायरः सूरक्तिका स्ति वाषकाता द्वरः वधुवादे रूर्याया विषयी अवलाख्रा राजाया

क्रानित्रद्वात्त्वात्त्वात्त्रं केराद्वाताः स्रान्त्वत्वात्य्यं मेरा दे म्यूद्वत्वत्यस्य का म्यूद्वत्वत्य क्ष्यायवेलाविद्धत्यव्यात्स्यायाक्ष्येयव्यक्ता वद्यद्यायात्रम्यवाव्यव्यात्यायात्रम्य रदःस्वायात्रदेशभ्राता श्चीदात्रवात्रात्रेष्टिकात्र्दार्वायायवामा द्वातव्यायदात्रायायात्रेत्रा लुवा कुंत्रक कुंतर वरकर अंजा वरक्वा । इंड्रिक्टर वर्षा स्वास्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त इंगाल्या न्या के ता हैरी देश जर है रहा देश के वा मान में में मार के मान के मान के मान के मान के मान के मान के यूयानात् स्वाराहरारात् ारा पर्ते रववा हिम्रास्यव। ात्रेम्भ्याकराह्याच्या विस्तर्या र्रायहराक्षेष्ठा मेर्ने म्यामात्रेया स्ट्रायहराक्षेत्र क्षेत्र मेर्ने क्षेत्र स्ट्रायहराक्षेत्र स्ट्रायहराव स्ट्रायहराक्षेत्र स्ट्रायहराक् द्ववाला न्यम् ख्वारम्यल जेकाम् वर ता स्विग्ण द्वा स्वास्त्र द्वा स्वर द्वा स्वर यह तह ते स्वर य दुवार पहिंगानुदावाला में नारदावाला में नारदावाला में नारदावाला में नारदावाला के में नारदावाला में नारदावाला स्यते करकेममात्यवर्षता देशम खेनकी रहलाया देने रतारा के मराया करा हेन हो। क्रिन्ध्वयां सेविधः येवचए वयता वयात्या विद्यात् में द्वार विष्या क्षेत्र विद्या स्वत्या क्षेत्र क् सित्र हो राष्ट्र १.र. बार्ड बाराता किंत्र था लहा द्या नार देश नार के स्टिश्त है। देश हैं तर के लहा से प्रकेश न ने से र ब्रवक्टा खनात्वना देवा कुर तकेला व ब्रिक्ता वति भवला देरा कुर्द्धिवया बर्जलात्मेत्रज्ञाता देवाचर्ता मूलाईरार दवाम ते ल लुका क्षेत्र रेट्रला हे तर के राधरलाया गिर्क्रा के रहे हैं। श्री श्राम प्राप्त प्राप्त से रेरी का म वादद्री मारीर में रेदवाया स्वायक्य सुरे यर महाराष्ट्र यह राष्ट्र में रे वर के में रेवायह र्दा मिलासिर्वासवायाम्यात्राच्या वद्या विवास वर्षे वयात्वे वर्णाद्यात्म वर्षे वया र्गरः म् क्यां निरंशारी च यूपा एड्ड मानाती पर्वे का विश्व माने मा विश्व मित्र मायववः यद क्यां विषयः च्या दिस्तराता अम्बीता रा पर्ने राद्र प्राय प्रायमेशा स्मर्भिक सम्प्राय राम् स्रिम्त्रास्यर्वेत्रायर्भायतेत्वात्रा श्रीट यामस्य द्वार स्रिम् क्वर्वे वामार्ग्र वाराक्त्यायहत्य्येत ग्राक्तियार्द्रमा सरस्य स्ट्रिंदर्स्य ग्रायते क्रायते मार्टिक प्रमास्त्र के स्ट्रिंदर् रेरा ५५० छ। स्वायविवर्तिता र्यारे हरायावित्रायहवाहेरा क्षेत्राक्षेत्राहर्ये हेयावह्याता वयता द्यर्वश्चित्राम् माम्यक्षेत्रायद्। यायाद्या म्यतिद्वदाया वर्षेद्र। हर्षेत्र स्राम्यक्षेत्रः तस्तामा केर्अस्त्रम्भभगन्दर्भ त्यूमा लद्दर्यूमायहम्भिद्धद्रम्भद्रम्भवद्री सदम्बेशन्यायलाभद्रयाला स्थिर शास मून यति है। सार हो नसके वास्त्र में के करमा ते सहस्था देश हो। के दूरमा ते सहस्था देश हो। सा र्थं.पर्पार्तपत्र्युः गेर्डेग्रास्त्रेया नरम्केन नपुःस्यान्त्रास्य स्थानायः सरः का रम्केलर्येवासाम्यं स्वाद्यात्त्रात्त्र स्वाद्यात्या तर् द्वित्यं कर्यात्यक्षेत्र क्षित्र स्वाद्यात्य स्वाद्य स्वाद्य

दरम् श्रीर द्राप्तर्यत्वर्दाता सक्स्द्रके क्रिक्ट्रके क्रिक्ट्रके क्रिक्ट्रके क्रिक्ट्रके क्रिक्ट्रके क्रिक्ट्र Streeth le ्रतिराक्षेत्रकात्रकात्रकात्रकात्रका क्षेत्रकारकार्दिक्षेत्रहें होता चाम्यकारका किर्यालय किराम्य स्वा दवरी। 2x5g ह्ये दालाका एके वास्त्राचनका होते वास्त्राचनका वास्त्राची वास्त्राची स्थान के वास्त्राची के वास्त्रा उ = अप्राच्या र्रेयाश्चरप्रिणादर सेंट बिरिक्ती काचरामुष्टियाक्षिण मृत्रीर जाक्रवण इंश्लेक्षेत्र से ये रिवेश में व 4 Mite वकरा स्रेर खंद्र की बर सर्मित के समाव हिंग हैया हैया स्थाप है हैर रेगर वसमाय र के विकास में मिया त्रिक्षाना मुक्ताना मिन्द्र मादादर कराया मेन मादर क्या मेन मिन्द्र में प्रमान दार्द दा मादिर में प्रमान कराया मिन्द्र मादर क्या में मिन्द्र मादिर में मिन्द्र मादर क्या में मिन्द्र मादर मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मादर मिन्द्र मिन्द इत्या द्रास्त्वकूरी मुजनाधुर्दरार्द्रम् एवंवास् प्रथमः मिन्नः स्पर्धरार्धरम् म्या कर्रेवाक्रमेरेवया ्भग्रार्ट्स्यानी जारार्विक्या दम्बियार्वद्वया म्बर्गायस्याया बद्द्वग्राम्युर्भावे र् हरा द्रभावनात् केवालाये सुरावना द्रभावनात्रम्भायावे सुरावनात्र द्रभावनात्रम्भावत् । न्त्रा रद्रायास्त्रवार्येयावयाताया द्वक्रियावास्त्रियाद्राद्रद्वाया भद्रद्वायाद्र्यक्रिय ण श्रा कर्षे अवस्था संदर्भताव मेर् सरमा क्रिया क्रिक्ष्यं द्या जा ब्रिक्षक्र्य। क्रिक्ष्यं क्रिक्ष्यं ज्या क्ष्यं क्षयं क्ष्यं श्रेरकीयान्यस्य विवस्तियाते स्रित्र होरेरसे अरामस्य स्वस्य मुखेले मा नर्द्यरे व् व.अ.श्रद्भात्र रिम्पुत्र प्रमात्र मार्थ रिम्पुत्र वर्ष रिम्पुत्र वर्ष राष्ट्र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष 17 AD (1) क्षेत्रभारवाक्रमा महर्ग । जन्मा महर्षः मुं संभाषात्यां महर्गः राष्ट्र मान्यत्यास्य । दशमा त्यामुक्त र्यावक्र मंद्रिक्षवयमद्री वचवत्रम्य वर्ष्यावरम् वर्ष्यावरम् वर्ष्या क्रिक्यंदर्विद्यावरम् 85 7 2 वामानेकालाय रामा केल वित्या केल वित्या व उद्भाश्चरक्षात्म्यरक्षेत्रक्ष्यक्षा सम्बन्धात्म्यर्थायान्यत् व्यायसर्वित्वस् संदः क्र्या. के. तीता कूर ना पुर्देश पट्टा ही दा क्रिया ना क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्र के संबाद्ध के ते व अप प्यति देर्ब दशक्या चलावविवात देरे के पावनव यावतर वर्षे श्रीर में के श्रीर के में में ती की में मान कर का कर का मान में मान में में मान में में मान में में मान में में क्षेत्र, अष्ट, एवव द्वारा या लूर, इस तावी क्षेत्र, यह क्षेत्र स्वारा वा लाहर हरा लावी द्वा का वा लेव अष्ट, वेव र वनुदा । अँभ हे येद कू। हिलाकारहरायरा श्रुदे स्मरम्बन्धरे इष्टर इंग. मेर. । इंग. व्याचात्र के. के. रेड्श. के. बारिश्य के. तर्थ के. तर्थ के. तर्थ के. तर्थ के. पर्या उपमध्यायारेमाताव दे ये. प्रे मेर.धें द्या ग्रा में यूचा हु हुई हैं। धें इ.पार्व प्रद अ.श. रूर्। १३१८म. ज. मुर. प्र. मूर. मा श्रीकृव हे व हिन हिन हिन हिन स्थान हे न सिन. यसराम्यादरामाकार्यमामाहर्। हारास्त्रास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यास् अप्रत्यक्ष्यंद्रवात् वं त्वुभक्षिक्षवाता से वव्याक्षेत्रवेत विष्याष्ट्रविष्या वस्रायतः मेन्द्रके चावजालयात्रमा है। तैयाचव्यवेद्रायक्षर श्रेवः इत्या वैयावक्षताः १वः क्रियं वर्षाः वर्षाः

म्क्रस्या माने क्या के वाकार दुत्वववया अवहरवते स्राया दराया ही। यो वादया ही रावी हार्या हिद् . यद्वाद्याः स्वायाः सहताः तोतेदा देःदराव याः निषावरास्वरावदेश द्वाः सुंदि वासकेदः द्वादरा (सुर) श्रीरायते स्वराधान्य वर्षे मस्याद्वा सर्वे वाया वाद्यस्य वर्षे द्वा द्वार्ष्य वर्षे द्वार स्वर्षे द्वति राष्ट्र वश्या सर्वात्रम् त्येतास्त्र वर्तावर्यात्। यदार्वायत्यस्य स्वात्यावर्यव। द्वाद्यस्यावस्यास्यास्य सरसिरकरायने वर्षेत्रस्य विवस्तरम् अविक्रियाने त्रामित्रस्य में भी भी से क्षेत्रस्य विवस् णड्यालटा विक्रिर्धरम्यास्तिवासुरादवादी क्षत्रायते स्वरायते स्वराया सिर्द्धवासीटा भूत्री पर्वश्रवितः वाक्सायिवारात्वरातः रवापः स्क्रितः स्वापः देवःके। पर्दश्रविद्वणः स्थारक्षिः णा ज्वासित्रक्षान्त्रश्चित्र श्रीटार्यारक्षेरावर्राहर्श्चर्थक्षेर्रा स्ट्राटव वनवायः दरार्थक्षेत्रस्य हैं गुलस्यद्वस्थातहेव से देन वनात विवास वास वास वास निवास के स्वाद्वा हवा प्रवास के वह वी प्रमुक्ताद्दायाक । द्वयाव मुद्देश के देशावरा मुद्दिश क्रिंटा ताह्दा प्रदेश प्रहेश वहका है में मिलात्या भवाका त्वराष्ट्ररावम् वराहिर। यहरवी रास्यास्य र्वरताया द्वरावा द्वरावार् वत्वायायम्बद्धाः विलेशेर्वयम्बद्धवादी मुक्तरेवनात्वत्यत्यात्वत्यत्यात्वत्यः ८४.८४४.तीचा.चार्युचा.पा हिंरच.सैचान्द्रप्त.र्ज्ञाता हिंचा.चार्ट्र.चन्त्रः पार्वर.प्रदेश श्रिंग्रामायवर. - र्वाट्ठवा वव्याचेत्र त्रिले व्या त्रात्मवा तर्वा तो त्या व्या न्या न्या त्रा क्षा क्षा व्या विष्या विष्या व रस्मिन्दः भूगः श्रृद्धे। अड्डिरायलाक्चिर्गातअर दर्श कुळतः वास्ट्रंद्र खूँवासवस्म देवसर्थायाकुः क्र. ज्यामा वि. रहिरमा बीर की काइमा अहसा है। से एक्षेत्र हीर जा वित्र मार्थ अहर। अहर भूव भिरामपु में लार्टा तत्र अया यह मार्थ में सार त्या स्वाप मार्थ हरे। द्वार वह रेल म्या रेल स्वाप विका ्पह्रम्बीरक्षायत् वास्टर्म्यासहर्। यादरव्यत्वरावाण्यादर्ग्यस्य क्रिस्यते भेवस् नर्रामहर्। पर्रायमान्द्रियामारे त्रमामा सम्बर्धनायायके नामर म्वायमहर्ष द्रेस. क्रुवा वास्त्रात्वावरत्वरात्वा तात्वविवावावभारत्वातावहर्यात्वा रार्ट्र वे म्राट्सायाद्येता क्रिस्वा अ. ८ ह्म. थ्रे. त्रेश्री विल्लावित वे. अध्यक्षा लाय व्या लाय द्या के. विशे विल्लावित विष्य विषय वणायमार्स्तानेरानेर। रहावायात्रीराधारायात्रात्रात्र वालवात्र्यम् वालवात्र्यात्रात्रात्रात् वालेकालेर मेंवलाल्दाक्या सरादम म्झेरावी खना खात्री ही वाबराखेदा खुराती खेरा हीरादमार हें का र्त्ययःशुः पर्यामा भ्राम्बन्यमानार्त्रमणः स्ट्रान् भ्राम्बन्धनः स्वतः स श्रुभामश्राद्यमा द्यानपुष्ट्रद्रास्तायरम्य । पद्याध्रद्धाः भ्रात्वे सम्माना क्रुमार्टः मर् हिर तथेया वरम्पन । नारमारे उन ही प्रयास्त्री वर्षेत्राचा पर्वता हर है मारा र् मिन्द्रिःद्वारवर्रम्भूद्रायम्ब्य । तथार्द्वः व्यवस्थार्थर्तु। सूर्वःवर्णवाराःस्वा । · क्रिक्ट, यथिर हून, एक वालाहण की लदालद देंदर अथरात रेन्स् केंद्र, एक बेब साम केंद्री 

سے لاہ 74. दूर जन देव अट्टवास्टर स्वास्त्र वी तर में में में देव से प्राप्त के का के का का कि का कि का का कि का का कि का का कि का कि का कि का कि का कि का का कि का का कि का श्राक्षाक्षेत्रीर्द्धी यीकालकाम्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या यन्त्रका स्वत्याद्वीर्त्यं महम् हिन्द्रारा स्वामापुर्द्धवायार्द्यानुवन्द्र। से वर्षाह्रीर यी द्योभवाव विवास। अवतार में द्यार वें में वार्ड रास्ता अर र भागा तस्य दर वीमव वीमव वासा। रायने राजियाद्वी पर्वा वर्षेत्। जालारी स्वावता रात्रा प्रत्यादार सामेलाता वहसार्वा रात्रा क्ष्या के त्यार माहिताला के जा वारा आहित महिता के श्री देर तर देश है । देर तर देश है । सुर तर तर देश है । सुर तर तर देश है । सुर तर तर है । सुर तर तर है । सुर तर तर है । सुर तर है । सुर तर तर है । सुर तर है । सुर तर तर है । सुर तर तर है । सुर तर है । सुर तर है । सुर तर र्वामान्नाम विस्त्वाता कु। द्वात्माद्येवता मति वाम्याक्ष्यात्वात् । ताम्यक्षेत्रात्रां वाम्याद्यं वाद्यं 342,501 मुख्यलाजा के एक्ट्रेक्स्प्रेटी १९१ : 1111 मिस्स्प्री मुक्ति का अपने प्रतास के First. क्षेत्रस्य क्षेत्रक्षेत्र प्रदेशकायम् रम नर्काता स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय वर्षद्वावरामह्य हिंतरहर्ष्यात्नार्न्यराध्युर्या न्याद्वेषाः वाहराष्ट्राह्य ्रियः म्याया रित्यामक् के शिक्यमही स्थाया सर्भयावामर राज्या प्रति है हरे हे यह स्थाया सर्थे दरमहातायतिवास्तरपाद्धेरः निवान गाउर ग्रीक करेला ग्रीहर्स्य मुत्रावायांत्रेत के त्यर्राविवाद्वां विवाद विवा 6 र्यायाः रेयूयां र्यः रदः क्षेयः स्यायाः तर्याः र्यायाः र्यायाः वह्याः श्रीः स्थाः याः यस्याः प्रविद्याः । र्वेचनार्द्रम् अवाक्ष्यस्य स्थाप्ता त्र्या परि र्याप्ता वर्षे र्यं स्थाप्ता वर्षे द्राया वर्षे वर्षा स्थाप्ता स्थाप हिला रात्रा स्टार कर दे तर ही रचन हार्ष वाले वाने रहा नात हुन समा हुराव रहा フはではる थाओरर्थाताताओ शुरर्दरा भेगान्द्रायन्यस्यस्य रशास्त्रात्यस्य हिलास् weak. वहरत्वृत्ति विवादम्यात् राजारदिवायायविवायत् दिवंदसुर्वायस्यावादाः यद 8 3 खुक गुलात्येम नकर राभवाक्षेत्राकुलारमयाता इत्यादम्बराद्वर्म एर.पण र्णियात्रवेदसास्याः वादा द्वादार्वेदवार्यादाक्षेत्रा त्वादाक्षेत्रतास्यात्र भिक्ष अलायादायरावना दिलदालाम् कुर्वेद्यायायादा द्वामायदायदा क्राम्यादा केर् मु. मुनमा मेर्या हैया हैया हैया हैया है यह है द तमा है। यह त्या माने रदा मीयासमारराता रहिमात्यां वार्याहर्षे न्या दिन्दी द्वार दिन्दी स्वार्य द्वार देव अवस्ति वार्य राष्ट्री ना राष्ट्र मुस्यारी दुर्गा तहां श्रीरकृता यात्रेरके पुरम् करेला यात्रे सुबन्नाता त उर्न्द्र है स्वाप्ट प्रमास्त्रिकर्लिय रेजाल्या सुर्वेद्र्येर्वाला केलर्प्त्या सुर्वेद्र्ये लुला ्रांस.बेला.लेल.त.र्रास केर्रा चमत्रतात्रव्यार्थर्थे केर.लेखे केरामधान्यका वर्षे स्राय क्षेत्र (क्या) त. हेर्या क्षेत्र क्षेत् क्रेर.च्र.पा न्व.स्ट्रिंच.क्ष्यच्याक्ररा क्रि.पर्चे.क्ष.क्ष्याक्ष्यात्ररा वारवायावर्ष्टिक्षेवयर्रर

क्रिक्न विकार त्याके। यह वाहि ही देश त्या का का के ता के वाहिक क्रिक्त वाहिक क्रिक्त क्र. परेचाल, (क्षेचल) वर्षधात्रकाते. सैंच तथा पदा हुल सेंच तथा की कें जिस् के का कुरी वं रागर. क्यामात्रुतामवयामेर। स्राम्यम्कतायमाम्यान् मान्यामाना तार्थर। व्यायक्तिक्षान्त्रवा द्रान्यावयद्वस्यवातातके। तक्ष्यान्यात्याके सूर्द्रत्यदः। कराभेराश्रम्यते कुलायात् । रहताते लाहमा हास्रारति दारत् वितर्वे वितर्भामा क्षराम्यान्याः कूरावर। रदासूनाध्ये वाध्येवाध्ये विद्यान्त्रा र्याः स्वराप्तरासूरकुरावर। त्र्युरं भेरायशंक्षितायमं धेना देलाम वनातम् निस्त्रमण्डित् त्यारे । वनाति । (का का अपनित्र । उत्ताम के मार्थ । जिल्ला के मार्थ के प्राप्त के प्र के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप भेगात्वलाविवद्वर्ष्ण्या अनुसर्म्अन्द्वरअवत्वलम्भेरमा स्वादिकः स्वाद्धर्मा विवद्धम्या द्वार्या विष्यति स्वायति स्वायति स्वायति विषयति क्रियाति । त्यावासि हिर्देशेष वस्त्राया श्चिम्वाकुरे सुनात्रा भेक्षात्र । त्यारायमधेरा राज्यासूनाव्याव्याव्यार्थेता म्ब्राहरक्षामानाः द्वार्यायतित्वरावश्याव। स्वत्यवर्गार्यतेत्वक्ष्रभुद्वत्व कुन.वि.याकुर्याताभद्दणतरहला के.स्याता माना वि.या. १८० द्रियाने वास्त्रेता वियम वास्त्रीता **अ**स्तिक प्रमा रेल्य खर्मा स्था स्था त्या सार्य द्वा विकान はよりない。いるはいいいいいいいいいいいいいいいいれるとればいいいくれないいい、これのでは、これのでは、これのできないに、これのできないというというできない。 म् रम्याभ्रदास्याभ्रदा स्वाक्षित्यात् भवत् । द्रात्मा भवत् । द्रात्मा । यदावयायावतः ता हे स्वत्तरः हरमें वर्र व वव के बर्र रेस राजर से सर्वर के रहे । इत्य संवय के अपरा प्रवास हरे मद्रद्रात्म्य कुरा,रंभया एट्रराचयमा ता कुर्या स्रोता कु जाता मार्का प्राप्त किरमा स्राप्त वेरी मला विवादा विवाद अवावता में लेवा का विवाद का विव हरभर भर वह स्वया र वार्य में के ता । या हिर खेल ह्वा या सुक्या गातु के या गातु के या र्षे अर्घर:र् इत्राद्मान्याम् स्राप्ताना क्षात्राम् द्वाप्तान्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् क्षे. क्षेर्रभग्रद्धत्त्वस्य स्वाच्याम् अद्वाद्यास्य स्वाच्यास्य स्वाच्याः स्वायः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वायः स्वाच्याः स्वाचः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वायः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स् क्षित्या वर्षे वर्षे के त्र के प्रकार तर क्षेत्र के त्र के त क्षेत्रेतेत्र वत्यायाक्षेत्रास्य सम्ति सम्ति सम्ति सम्ति मार्पा स्थापा स्थापा विश्वरात्तिवादात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र द्भरायरायर् द्ररायाष्ट्रभाक्तायायायायात्रहरूर्वेत्रयायात्रहरावयम्याय्वा इ.र्यात वर्रम् अवा पर्या तिया वा वार रेया वा मार्त्या के वालिर खेट र मह्म रेटा हे मह्म सिर हिर 

ररुक्षरव्यास्त्रा

/बाउदा हिस्यवमा राटाउहराया राज्यातमा सुर्देदमा । वर्षेत्रहारवाता अकरार्वे वासहरा ना 2 वादाया ीर्यास्थ्रप्रेष्यान् प्राप्तान्त्रम्यार्थ्यम् स्राप्तान्त्रम् वर्षेत्रे वर्षेत्रप्रम् वर्षेत्रे वर्षेत्रप्रम् मा भावता में नार माने वर्षा माने से यारर कर बीट बीट हा लगा है गांदर में में बीट हैं के मालिर रहत्ये। में भाग माला मिर्देश त्यार्यातर्। भीवाद्यवाकराष्ट्रां वादेशिवात्याचर्याचर् नात्र्यात्याच्याचर्यात्याव्याव्यात्याचर्या खिरमानएकिरायर्विक्वाणा वार्षवास्थाल्यार्वा श्री श्रीरमेत्रायम् वहना रकार हैया विवादभराधका तर्विते हैं साथा द्यारा स्थाप विवाद देवा विवाद विवाद स्थाप नित्र शक्षर मदरशार हैल हुर हैंब अं तर्मति मुक्ता ता कामर ता मद्र महिन मेर् भिराम्प्रहरा नेरा कर द्वार हैया अवविते दर्य से में कुलाता अर्धान्य साम्दायस्था से स्व क्रास्त्रा क्रिकान्। इ "अरामसम्भर येवकाकी द्वराकाः रहासेक्षण सुराधाराष्ट्रियाचे रेटः देवसाहीरारग्रार्था रावतुर्द्वस र्शवरदक्षिया तान्व व्यवसाय निष्या स्टिशी राक्षेत्र महिती त्राक्षेत्र भागवतामा स्त्री 4 gz वर दिलाई लियाक कराने अर. साव अवास्त्र के सी से के विस्त्रासंदी रथता क्राया द्वा हरा से के स्ट्रिश्रेर मात्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास् 5年最 व्याप्रस्कार्याधेन कर्यक्र स्वार्ट्य व्याभाष्ट्र व्याभाष्ट्र व्याभाष्ट्र व्याभाष्ट्र 6वार्वरास्था वर्षेत्रयम्भवस्यात्रम् हिन्सेह्स्या १००० विक्यायात्रा १००० विक्यायात्र I THE THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERT का के दे विका के निकार एक के के के किया के विकार के विकार के किया के किया के किया के किया के किया के किया के क स्वयम्बद्धाः विकास्ति राज्या विकास्ति विकास कार्या विकास कर्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या वह्त्यक्तिम् इत्यायसम्बद्धाः व्यवस्थान् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् मार्गा में इस्तानित्व के स्वाप कार्य के स्वाप के

भन् सर्वकृत्वसंस्थानम् वर्षाः । ध्रिक्ष्रक्ष्यस्यस्यस्यस्य स्या

मार्थिकाश्चित्राक्ष्यं कि मुन्नाचरात्व् क्षिणा राज्यात् वात्वात्वात् क्षेत्रकात् विकास विकास क्षेत्रका क्षेत्र स्वतिकास क्षेत्रका कि मुन्नाचरात्व् क्षिणा स्वतिकास स्वतिक क्षेत्रकार स्वतिक क्षेत्रकार स्वतिकार क्षेत्रकार क ११ खूर वर है। नोर्स् कुमाराजिद्दार्श्वारिह से मंत्रियाली त्यं अप्रात्तातात्वात्येरमेत्र अपरीदात्यात्यात्यात्यरमेदावात्याः सुवर्याकी वद्यताद्रमेवार्केषा द्वेत्वर्त्युः द्यों अविवासपुः किपाञ्चारमञ्ज्या द्यां वायमाशुः वर्षाता(व्या) ही वृद्धः वाद्देवासा वर्षुद्ववार्यात्वराद्यरात्हें अयर्भवा भित्यराय्युं विषेत्रतात्रवरात्व । क्रेवायते त्वसार्भवा बद्वारात्रमा हमान्विति देरमाक वर्षाहर। देवमारामाना के प्रवर्भाना काष्ट्री मिया सेव त्यारी स्वायम विश्व केंद्र सराम्या त्यम रागवत नामव दे स्वार वार्य त्या ठम्कीर्वेद्रयान् र्याष्ट्रयद्वयाक्रायात्वा रेयायारात्यायात्वा कर्याया प्रमातात्व् त्रेपार्ववास्त्रीत्रस्य स्त्राच्याः स्त्रस्य स्थायते हेरास्य त्रियाः त्रवास्यते हेववाःसरः भ्रम्भराद्वास्य सुद्रा च्रद्धिवायाभरे स्मिक्ताता स्मिवाक्ट विस्मिवावसातात्त्री देलाद द्यास्वर याना करिका की ता भूता वारे सुद्धार में सुकता हीर इस अधि देश से से वह ता है की की का विवास । मकरमें या देन उस यसि धर्म विदेश एर पर विदेश मामके दर व्यव अंदर रे प्राप्त के दस्रक्षर्त्वा भारेभार्था दर खर एक एक स्वार्का लेका र स्वाया अभव हर द्वा सुवार् सिमान्तरक्षित्रे स्वायान्य विदेश में में तदेवया ता हे सामान्य है। या वार्षेत् या क्रमामात्रमा द्वरादेरा व्यास्तावनकात्रहरादहावाता करासूराव्यामह्यामह्यामहर्मार्या मक्रवादगराया भूति । साधाता व्रवादराववास्य व्यवधिवादवाया स्वताववा स्वाव स्वावास्वा महत्रदारति हिर्गिष्ठभाने ग्राम्या यात्रभाष्ट्रमे यात्राया माह्रभाव व दार्गिया असा स्रीतः म्यान्याकात्ववातहराण्या ११५११३३१। वायरावाववात्या क्रुकेवाव त्ववया क्रिकेट ्य्यास्ययारात्रेवान्याः त्रात्रेवान्याः वर्णात्र्यवान्याः वर्णाः वर्णाः वर्णाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः पदी स्वारवाराचार्याराज्यार कार्या राष्ट्रम के मित्र भ व्यार प्रवास ता दरवाय से सर द्वारायाच्या विराक्षात्रित्यम् भूतिश्ववाद्वित्तर् म्यून्याया स्वार्थित्याया स्वार्थित्याया द्ररः यो राष्ट्रायोक्ता व्यवस्य प्राप्तेय क्षेत्रमा द्वीता असे प्रह्मा के दरमा वसत्य रास्त्र हर्या हैती स्यामान्य व्याप्ति क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया व्याप्ति । म्युरः यद्भात्रात्। व्यामते भेद्भावत छात्यर्भद् हेल्ल्ला यात् क्रिय्या माला कर्तिकार्यात्रेद्धरेहित्स् त्राह्मात्रेक्ष्यात्राह्मात्रेक्षत्राह्मात्रेक्षत्रेक्षत्रेक्षत्रेक्षत्रेक्षत्रेक्ष क्यराम् स्यायमा वहाइर अल्ला स्यार्ट साम्यान विवासर। विवादी द्वामावनादुवा तक्षेताको मार्ट्वित नामिरकेत नादाव त्वेतामा द्वात ववदावना

स्ता योक्ष्याक्षाकाक्षी विद्यानिक्ष मार्थाक्ष । क्षित्र क्षित क्षित्र क्षित् क्षित्र क्षित्र

द्रभुत्रभ्रस्ति वर्द्रम् । स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्रिक स्ट्रिक

प्रकासीर प्राप्त स्थानका विश्व क्षार व प्राप्त क्षा प्राप्त क्षार व प्राप्त क्षा प्राप्त क्षार क्षार

न्ये र्वेदानास्र रहेवाम्बर्धस्य हरा तर्षेत्रत्वासेर सुधातत्वास्य वातात् हीर सुतासूर म्बारायाकाता रहेरवायावहुवायवेवार्केत्यार्या रवार्ययार्ववेवार्व्याताया विस्टारी भी विवेद क्षेत्राचे रूटा अदिर द्ववित द्ववित द्वा देश तो दे। धीत स्ववित र केर त्वेर द्वा वित्ववार्थ भेदा श्वापानिवर्षिके माता स्वार्थन दुर्व वर्ष नामा स्वार्थन स्वार्य स्वार्थन स्वार्य क्रिर्यं में प्रिक्त में ता कर्या में ता कर मार में ते हैं में हैं में हैं ते हैं ते हैं। के तो के ते के ते के वया व्यूट्न कि. स. द्र्या । द्रम्य अरा या वया अरूर त्या रद केर अरकी खें असी अरकित. wash. ्रवासार्थादेर वर्षायामा तर्षां तर्वा तर्वा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । दः रद्वा वर्षा के दः दे त्र रहेर १ दे रहेर द्विता मेर हर त्युवाकाता त्यु स्ट्रिय वया वास्या ही वाइ अर्पेस क्ष्रिया है यह माहा है। लक्ष्यात्व्वाअतिष्ठक्षाता ते अरथात्रीयात्यर द्वीराधितात्वद्वा विद्या धर्यक्र क्रिक्यारम्म्द्रान्द्रान्द्रान्त्रात्र्या। तदेव स्वग्यक्रवहस्यक्षे महेलादेवहस्य वास्त्रपृष्ट्वरावः ताः मारा भरताता विवास वर देशवा क्षाय प्रता क्षाय वर्ष राजा क्षाय क्षाय क्षाय क्षाय क्षाय क्षाय क्षाय क्षाय क्षाय क र्में बर्भवासी ताता है नातरे तर्य का करा। के लियक कर्मिक हैं के तरि हैं कर के माने कर कर र म्बर्वित्र्वित्रम् विभागास्य वस्ति वस्ति वर्षायामार्थेवर्षा क्षेत्रवर्षित्र वर्षायामार्थेवर्षा विकेश्वराति मुन्द्र देत्र के के विकास कर कर के किया कर के के किया कर के का विकास की देशता है उत्तर कार कर तार के प्रताप र ता है व देश के द द लिया है व प्रता विश्व विश्व के किया पर केंद्र के विश्व मरबहरा इ.ह.ये वे क्या हे क्या र रें र ये पाय र ते वे व क्या र रें पाय हैं र में यह पर पर पर पर हैं से करें या सेव्यक्तिता त्या करमा का रेवार के १८०० राष्ट्र होराया केवार राष्ट्र की माना है सर्वे रहें या ब्रिट कर्रो रास्य दराभार भारक्वा या क्षेत्रर की शवर महिन का कीवया स्वास हिर पायया की हैता हिता कर वृद्ध्याद्रवी सेंद्रवार्याय व्यवस्थाय व्यवस्थाय । त्या विकास मान्य के द्वार विकास विकास विकास विकास विकास विकास मार्डेर्ट्रानेयो वराम्रासायवेशक्तिर वर्षा भेत्र मार्के मार्टे मार्ट्य प्राया कराया मिर्ग महिंगायदे हिंदात में में शिक्ष के देश हैं है। देश क्षेत्र तारद मर तर्म में में में में के देश के देश के मान में क्षित्ररः यात्रायानि सारी वदात्र सामानि तरि तरि विकास के वित्र के विकास के र्षेत्रियर्थियात्रीयात्री एक राजितात् । विकास रामहिरिके वेर वर्षा सुविरि भूररकत में देवालक्षरातात्रस्याहेत्रस्यात्ररः नहिल्ला

प्राप्तिक स्थानित स्थानिक विश्व स्थानिक विश्व स्थानिक स्थानिक

स्वास्थ्यवातात्रेष्ट्रं वर्षवाववा हिल्लाकार हा वार्षात्रा शुल्देशुर्वाकेववा र्रस्मित मुलेक हुमा तकुर केर । र्र्य एट अम्बेल भी मान्धियु रे तुरी तर यह दाता केर यह मान रंदा भुरा ततुवा अंदेर ने सेरा भुरा मेरा करा मात्रा हैरा । ततुवा अं मेरावा करा देर । देर स्वर त्यमान्त्रर्थक्षम् र्रे रेक्यर्विके त्यमास्या क्रिंटस्य मुक्तर्थक्षिके स्वीतिक स्वीतिक स्वाप्ति स्व श्रुवायं अर्द्ध(वाद्द्र)विद्युत् अधिके स्वाद्यक्षेवावास्थातर्व ) वस्त्रस्ति रावा वेवास्य अकेद वार्षुकारदेव । त्यार्पर्यः (यमान्यः) है. संवारमायः सर्दरः वाः वरः करः स्रीरः दरः सर्देवा अस् क्र्यातात्त्रीतात्त्रात्त्रा क्रमक्रम् क्रमक्रम् वर्ष्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम् वला (मानवत्वाणाः क्षेत्रवेषवरला अल्लास्यविष्टरवद्यव्यववा तर्क्षःस्वालका हरावः क्रेवाःवान्त्रभातर्व । अहरःस्र्वभंशिरःदगरःवाविःद्वीतार् । क्रवानतःश्रीरःदशहन्तेदः । सुवाः अर्टर्बर्ट दे रिलक्षेत्रक्ता एकेसचिक्त एक स्वास्तिक स्वास्ति । यात्रिक स्वास्ति वा प्रवासी तह्मह्यर्क्षया नार्वे मान तक्षेत्रवर्षिर्वित्रवर्ष्यः दे। केथ्यया वसुयाव कुराया विद्वा द्याप्यते कुषाय रथर दर्भवल। द्वायते द्रभव के वी के के दार्श तह सायते का के स्वायते का के स्वार्थ विवासदेशयति।वात्मं यश्चरं क्षेत्र क्षेत्रविद्याति। द्रार्थित द्रार्थित द्रार्थित द्रार्थित विवास कुर्त्रर्वरहर.जर्ग ग्रथ्न.दे.(द.) व्र.वेर.रब.ज्य.जया व्यक्त.दे.हे व्रवीर.व.रब.त्य.लागः क्षेर क्या श्रीव नास्र मारे के मालदी मार देश रह बेल मार प्यास ना दर में हेव तहे ता त्या प्याप्य प्याप्य है वसारीटारगराद्यतावर्तात्रकार सरद्वास्थायम् वेरता । साम्यान् वरता स्वराना ३वरम्या कि ने तर दिनत्य दुर्ज भरायण श्री रावनि तर श्री रावना स्था राजा स्था राजा स्था राजा स्था राजा स्था राजा देरस्यद्भिराधात्र्वास्य भित्रमा क्षेत्राया क्षेत्राया क्षेत्र वर्षा क्षेत्रमा के वर्ष मुग्ना मुस्या सर्वक्षेत्र क्षा स्ट्रिक् । १५६ द्वला सरायत्वसाक्षेत्रं व्यववरक्षेत्रवारिद्वा मित्रियामको सुरायित्यात हुअस्व त्राया वरुदायास्य वर्षेत्रम् वरुदास्त्रम् वरुदास्त्रम् । पहुंशाचिरक्षितातानकूर्तमा ३० मा अव एडिवरा स्वया अवसा अवसा विसंदेश के रही है। रामास्याम् रायात्त्राक्षेत्राचे गणेवा यदार्वयातह्यात्त्रीरायदास्यातः त्यासावतःश्रीसावरतद्वाप्रदे। न्यर्यद्रभर्वार्व्यात्र्वा रेत्वार्यवाप्त्र्र्र्यं म्यार्व्या नेत्वार्यवाप्त्र्या ब्रहा वर्षे व्युत्तात्व व्यद्धे वाभूरी संबाताव मूर्तिष्ठ प्रतिमारा अरस्य प्रमानवास भिन्हे। र्णवासिक्यान्य करायात्रीतितात्त्र्यात् वर्षेत्रक्रामान्यत्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् र्राराहित्यात्त्रार् हर् (क्षेट्)वनावरे। इरायर श्रीर रहे ज्वाह हरा। १९८८ व्यर देवायमेर्। श्रीवेश भर्याभाक्षेरादेवामहोत् क्वाविमायम्याताला एक्ता एक्तात्वाक्षेराम्ये रक्तात्वामा क्वेर्विम भराभारत्वे होत। त्व्वास्ति द्वास्ति क्षेत्रवर्षा के वेदास्याय। सरास्याया सरास्या । सम्भक्षि । त्याया र्रिटर्यासम्भूयात्रमान्तर्भ। द्वारात्रमान्तर्भ। यह प्रमान्द्रमान्त्रम् वित्रमान्त्रमान 

र् गर्यावरिक्ष्यकारस्टरत्रा युभक्षकेत्रावर्ष्यकार्यः प्रमानवराष्ट्रीयार्यः। यवामवराष्ट्रीयार्यः।

नेर्वर्यत्।

名的

कार्रेट कुलक्ष वारे र तर्दे रदा दर व बतवाधित स्वाव व वता क्षेर ते अते तद ता तदे हे र बाधिवा ेक्षाची वर्ष वा दराया वर्षे वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष क्षेत्र वर्ष क्षेत्र क्षेत्र वर्ष क्षेत्र वर्ष वर्ष वर्ष व मान्या निवस्ति । वास्तिवर्ता द्वारा मान्या देशका विस्तित्या । वास्तिवर्ता विस्तित्या विस्तित्या विस्तित्या विस्तित्या क्रियाराद्यमावर्षे हेर्याह्र । १३१०व वसामान्याराया मृत्यावरे सुन्यसहर्ष्यक्रा क्रियान्त्रम् वर्ष्यात् म्यान्य विष्याम्यान्त्रित्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् म्मान्यान्त्रर्थात्र्रः यरव्यद्दे। स्ट्रांचेत्रेत्रांचेत्रांचेत्रांचेत्रांचेत्रांचेत्रांचेत्रांचेत्रांचेत्रां नार यरे वर सहूर। वाहमारेक पान ता विक्रोरा । क्यां महिरोह की मुलामिलरहरम् द्रेत्रसहरका सर्वात् वर्षात् वर्षात् । इतिमान् स्वत् वर्षात् वर्षात् वर्षात् । रिणवारात्व अभाक्ष्यक्षियात्वाक्ष्यम् क्षेत्रक्षयाः क्षेत्रक्ष्याः स्थित्यातः स्थित्यात् स्यात् स्थित्यात् स्यात् स्थित्यात् स्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्यात् स्थित्यात् स्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स्थित्यात् स् र्वा श्रीरादमान के विकास करा या श्रुप्रकाभेद। कर्या सदसक्षा के प्रतिसाधन के मेरादर। क्रिक्टर दे.ए उत्यान ए देश के दिर पर्य । क्रिक्ट के प्रति ए ए प्रीके के प्रति के के भरे प्रति के कार्य देश द्रारक्षेत्रहर र र प्राप्तिक केर्ग कर्ष र म्या र स्थान क्षेत्रभारत् भेरुमनमुराद्यत्य वृष्ट्यामह्री त्राह्मक म्यातस्य वृराद्येरम् かいといいのなく そのいらられるいかいかんかん こうしょう はないのかまれ महल्यक्रियातप्र, प्रवेशान्त्रक्ष्यात्रात्व्य हित्या दाता या या या सक्तिया श्री हर्या दे दे या रात्र देही मित्र्र्यास्य भुक्षा त्युवा व्यवा वा वा वा संस्थित द्रा स्था विकास के त्या के वा वा कि वा वा वा वा वा वा वा वा मृष्ट्रियाचारीमात्राचा पर्वेचीक्षणायानीद्रावान्। वर्षात्रा भागायान्यात्राव्यद्रात् । संस्थिते भक्षे हरकर रश्रम् वावेन वावेन वावेन वावेन वार्तेन वार्ते वार्ते वार्ते वार्तेन वार्ते वार्ते वार्ते वार्ते वार्ते वार्ते वार्ते वार्ते वार्तेन विषायं वर्गथा अर्के ला ार वहर्तर्वे अर्के वा यहरा रगत्यवर वर्द् या वा विषये क्रिया श्रमाहिका के प्राप्त पर्मा पर्मा श्रीर ही मंग्रेद्राका पर्देश । ही एक प्राप्त है ते विश्व क्षा कर है के दे का कर के प्राप्त के के दे हैं के प्राप्त के के दे हैं के प्राप्त के के के दे के प्राप्त के प्र र्त्य अन्वयद्भारात्वाश्चार्ताः अक्रियायायायात्वात्रात्वात्यः त्रायवयाद्भावः ॥ स्वत्यायः ॥ स्वत्यायः ॥ स्वत्यायः विनेक्टर होता तहेन अभीर नियाया निर्वे करामदा व्यव र के ना है दरना मंद्री मानदूर हो। क्रिया है तर विराधना प्रमाय विराधन कि स्थानिय विराधन के कि स्थान के मानिया है का के समाय के प्रमाण के प्रमाण के कि स्थान के स्थान कित्रहराक्ष्यकरार्यस्थित। द्रुरावहुरास्य ध्रिराक्षिर्वेत्राक्षेत्र विष्यते स्त्रुरायात् वेत्रस्ति वर्ष्व

इर रमस्यर हरेर अवर्रमध्याहमभयम्। त्युवासते श्रुर्थया बुरवार्श्वादी रहरत्रक्षिरावारिक्षराव्यर। याह्यास्रात्रिर्यादेशात्री रम्स्रित्रावाराव्यरे २ तरेयहें त्यं र देव र र प्राप्त हैं है प्राप्त हैं मिरतके वह राम र मिरतके वह राम र मिरतके वह राम र मिरतके वह र्णत्र। हुन्। पर्वरात्माद्दास्य राज्य नान हिन् वर्षेत्र वेशमावरः स्वेशसहस्यादे। रदासदद्यायद्वायस्य ५ वस्त्र । वदान क्रिन्ने म्राचित्र क्रिने में क्रिने क्रिन र्जिन्हिं। वेश्व मन्त्रम् रस्या रिविन्हेलाल्या परिवृद्धात्मारीम् मनुगलाहिल १म्टालका विभवेत्रात्वावी ः ततितिवाह्यहिताल्या रेरावमत्यित्विक्तात्ता सरक्षि म् अस्य मा प्रतिमानिक क्षेत्र के स्ति मान्य रमण्डीराणान्यमारीर्याः । गरायम्यास्यावसमावसमात्र अराष्ट्राश्चार्यम् । ८ - १ देशकार्य के पहिंद्य पर अवश्य अवस्त्र अवस्त्र विकास विकास कर्या है सकती वर्ष कर्या वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष 7 वरवरका क्रिटाक्षेत्राता प्रवाहिका वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क्रिटा दे प्रवाहिका में वर्षा प्रवाहिका कर्षा वर्ष रीर्यात्रीहे रा- स्थापतियात्रायरावपत्रते वारत्यात्र से से सामाण्यात्री से से प्रायम् से से प्रायम् छल। दरतद्यारा पर वर्षेत्रकाराहरा, रक्षान्यकाराष्ट्रवामारगरम् विद्यामारगरम् विद्यामारगरम् विद्यामार्थानम् विद्या कर्भरक्षंदराव हेव एवायावर्दायर हुलाहे रहाव हैया वाहु अवर्दा हुं है। तवराद्ध व वण्यद्राद्वभावद्य स्वावं द्वंत्राद्यक्षात्र्यं क्रियं स्वावंत्राद्वेरवर्षा ~ > A. . . . .

B. 1



वर्गा रिक्षाः इर. यहमा स्वरं यासि दंत्रासा पर्वेशतः से. सं अतः रामे दर्भ देशक्षश्चर्यात्रम्भात्मा स्थाद्यां स्थाद्यां स्थाद्यां स्थाद्यां स्थाद्या स्त्रं स्याप्ता द्रम् स्याप्ता द्रम् स्याप्ता स्यापता स्याप्ता स्याप्ता स्याप्ता स्याप्ता स्यापता स्याप्ता स्यापता स्यापता स्याप्ता स्यापता स्रायन्य स्वयं रहेल्ड्स्य स्थाने स्थान स्थान स्थान स्थान वास्त्राहर्षात्या वर्षात्राहरू वर्षात्राहरू । मुर्दमेल्याम् देरलेद्धायाद्द्वीय करणा सुरायस्यात्रीत के त्या संस्थानद्भेतःस्वार्वेदत्या क्षेत्र्यंत्रप्राक्षेत्रेचित्यान्त्रात्या लयास्त्रयायो अरहाराया वयतस्त्रेर त्रायास्य हाराया द्याचे यापेर हेत. विसार्तामा द्यामाया संदूर्ण द्याना विद्यामा विस्तासी द्या स्था ब्रम्बर्ध राष्ट्रमात्र्यात्रात्रात्रमा विद्यात्रात्रमा विद्यात्रमा विद्यात्रमा विद्यात्रमा श्रीया वयास्त्राय पर्रात्याय पर्रात्याय पर्या स्था सि. प्रयम य र से देशा मि र्वेत्रस्थितः। यद्त्रेत्रस्थेत्रस्यय्येतः। खेत्र्रस्यत्यः व्याप्त्रस्यः ग्रेया। नावना सिंद्रभूद्रास्त्राच्याच्या सिंद्र्या। स्त्रे सामाद्र्या स्वर्धेया म्यस्या तक्षेत्राधार्यक्षयात्रेत्रायात्रेत्रायात्रेत्रायात्रेत्रायत्यात्रेत्रायत्यात्रेत्रायत्यात्रेत्रायत्या र्म्यता श्रीन्त्रया।विक्रान्यन्ता क्रिक्या १०न्स्यन्त्रम् स्वर्गायाः स्याद्रा रार्यास्यास्यास्य विकासिक्यास्य स्याप्तास्य । स्रायम् त्री द्वामा केरा निया त्या द्वामा स्रायम् स्रायम् । स्याम् । स्रायम् ग्रेरावसार्यस्यान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्राच्यान्त्रान्त्राच्यान्त्रान्त्राच्यान् म् विष्णवेसार्देरमान्ता देत्यात्युमान्तिमान्तिस्य सेह्रमा म्याम्यास्याम् स्ट्रास्याम्याः स्ट्रास्यास्यास्य स्ट्रास्याम्याः स्ट्रास्याः रत्त्रेस्य म्योर्त स्वयास्यास्य स्वेत्रीयाप्यात्तरा स्वेत्रायान्यात्रेताः त्यरं के गाउँ होता है. रंगया ने गुरे सक् गाय प्रशास होता है. ते गा होते म्यास्त्रास्त्रा रेस्वत्य्यास्त्रेतं व्यरात्यास्याः ठेवानेर्द्धर्याः रे

**حرد** Landers ということが、いらこ本動のこか、かいまいられている。はかからはようには、 Landers ということが、いられる。ないからいないでは、およいないではない。これにはない。ない、これにはない。 मानरहर्य समाय हता माना माना मानह ता त्या है माना माना माना है ने स्था है माना माना है रम्रकार्यसम्बद्धाः स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स रामरेज्ञ अर्थाहुर्यस्यर्गरर्रे यस्याउक्ररेसरे खूबेखा छ्रेर्रेस्के छि.स्टब はたされていておからあるができておけるとかれてはいまかいはしませいかいだって となっては、ヨセガーンはが、ことが、おく、ちゃいろいろとという、は、ころには、 क्रियानुस्येहीत । इ.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च इसरालकार विकास करोर हिंदीराय सका मुकार इस ति ति सम्मान सम्याती यश्रीतास्त्रयात्रतिस्थित्वात्रमा एडए.मून्ने संद्रायत इयान्या स्रित्याक्रियाचेत्रहेत्यान्या व्याह्रसक्ष्यान्त्र चर्नार्गं यातरे इत्यामका होरा के व्यापा तर्कार स्थारे में मेरी ज्या महाराष्ट्रिय प्रत्या र प्रत्याचा हुत्रास्त्रा र प्रत्या स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्र 我还是出人之之后之人 都过去的知道是是美国的一大人之后,我是我的一大人 १४३. यहंत्रान्द्रित्वा नवायहूरायलन्त्रान्यात्रा से.ज्याहस्या पर्यास्तराते रात्रा रात्राया राज्याया राज्याया राज्याया स्थान EN. त्यास्त्रास्त्रात्ते । यहस्याद्वारात्त्रात्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् वितस्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् वर्षात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र स्ता है. सुर्यस्य स्वास्त्रम् स्वा विद्याय सुरसे र हिया सर्। वर्ष क्षत्त्रिल्न, बहुवास् बहुद्रा बहुद्रा वर्षेत्र, यान्यं र से प्रत्ये प्रति वर्षेत्र त्यर्थात्राप्तात्रात्यात्या ग्रेल्रात्य्यायात्रा ग्रेल्रात्य्याय्येत्रायात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा र्गाट स्टब्स् यार्ट्र्यं महियार् हेर्रा सर्यर स्थायार्य स्थाय स्थार्य हिर्द्य स य्यान्तर्, व्यायायाता। त्रियानु स्त्राद्ध्यायाया वित्राता रमंद्रपर्देर्सेन्य स्त्राहर्द् स्त्राहर्द्द स्त्राहर्द्द्राहर्द्द्राहर्द्द्राहर्द्द्राहर्द्द्राहर्द्द्राहर्द्द यद्यात्येद्रात्रक्षा स्वराष्ट्रियात्य्यायात्रेत्रस्यात्येतः म्राम्यान्य । स्टास्य १ म्यान्य स्टास्य स्टास्

म्मलास्त्रेर्यते मार्थार्याया मार्थार्या मार्थाया मार्थाया सार्थाया सार्याया सार्थाया सार्थाया सार्थाया सार्याया सार्याया सार्याया सार्थाया सार्याया सार्याया सार्याया सार्याया सार्याया सार्याया सार्याय र्यरात्रेयायसमा स्टाष्ट्रमार्टर्यर्ये स्टार्ये यर्टर्स्ट्रियासः मातिक्रा, रर्रतव्ये अस्त्रक्ष्यं प्रमान्य स्त्रा स्त्रिक्ष्य राज्ये स्त्रात्या म्रोद्रन्त्योत्यस्य नुस्या वस्य स्यान्त्रान्त्रात्या । वस्य स्यान्त्रात्याः दर्यात्रात्रयात्रात्रविद्या द्याद्रयदेश्यायाव्यद्यात्रात्रविद्याः विद्यप्रदेश्याः यायर गारा र्याण वर्षति वर्षदेशेषाते । यह या के त्राक्षेत्रे स्था ल्रेस्रा ल्रेस्यालक्ष्यायूर्णत्यायूर्णकेत्र यतेर्या स्रामार्थिकार्वास्त्रात्ते स्राम्या स्रोमा स्रोमार्थिकार्यमा स्रोमा नर्रास्त्रामिकीयात्रास्त्रेयरार्तेनरा त्रमार्यर्त्यात्रहेर्योत्मात्रात्र्वरा त्रामा देदसासामहेत्रमेलायाया मार्थे द्रम्यसामित्वेवायमामा द्वे रेस्ट्रियास्त्रे देशस्य स्वयं राज्यदे राज्यदे देशस्य स्वर्धितः व स्वयं राज्यः ना गुना शेयारेना इता संद्वसंद्वसंद्वस्याता स्तित्रे रेने रेने रेने रामप्रेमित क्षेत्रसम्भानिकान्त्रेरास्या लेशसम्बद्धाः संभेत्रात्मारामा संतरास्त्रेर संभयात्रात्रम् संसेरावर्षेत्। यो सम्सायक्तरवासीराता विदेश रेद्यारायतः न्यात्रात्रेक्ष्या व्याप्त्रेत्रिया व्याप्त्रेत्रेत्रेत्रात्रात्या क्राया क्राया त्हेर्या रेर्वास्त्रेर्यस्त्रेर्यस्त्रात्रा द्वतः यहत्यारस्त्रेर्वेत्रात्र्याः न्त्रेत भूतिस्त्वत्राम्या। १२ वृद्द्याया । ११ क्या वृद्द्याया । ११ क्या वृद्द् सूर्यार्द्रा रचयाचार ज्यांत्रम् र्यास्त्रा र्यास्त्रेरा र्यास्त्रेरा नस्त्रा राज्यास्यान्त्रेत्राचारा त्राच्यारस्याच्यार् राज्यार् राज्या यद्रद्रम्मः व्यवस्तर्को। देश्यायाः देशाला देशायोदा देलेन्या मृता स्रुद्भार्यद्भावत्रा वर्द्धायात्राच्यात्र वर्ष्ट्राच्या स्रिस्टाय्यायाः श्रीरहराध्येरा इस्मर्योरस्यात्व्यार्यस्यात्वा सेरस्यायकरायारेला र्। क्षेत्रः वर्षेतावस्य वर्षाय वर्षा यान्यत्रहोराष्ट्रयाभेरा, रर नेत्रसंद्रयान्यरण्येयाहोता स्यानरयराद्यार्थः इंग्वेगा संभवराहेरअएसस्याया संतिषद्वातियातमार्द्दरा

केन्द्रेत्रीलाहेरा व्ययसम्बद्धार्मेर्ट्रेट्रेने से तर्राष्ट्रेत्रेत्यस्यायः इर्के. लेज.एडररर्थरहरू लुस्टर्करा रायर्डीयु. हुर्स्सामा इन्द्रें हें के यह देन प्रकार हो। लहार में का मार्ग के प्रकार हो हो। र्रक्ष देस प्रकार के स्वार्य देश कर देश कर मार्थ के ति स्वार्थ मार्थ के ति स्वार्थ मार्थ के ति स्वार्थ मार्थ के ्रिक्तिक त्या अक्तिस्य क्रियाम् अवस्याम् अस्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास चर्रायंत्रासामार्यर्वे स्त्राचे स्ता इत्याराष्ट्रे त्युष्टे त्यं राज्ये स्वार्वे य कर्रराव्यक्तर्य केल्यस्या केल्यस्यात्रात्रे त्यारात्रात्रात्रा द्रत्यावर्त्या वस्यास्त्रात्यास्याद्रात्याः देरवद्यान्या एक्यान्यान्ता व्यामाश्चीत्यात्यानेव्यान्तानाः श्वीतामान्यान्तान्ताः ... लु.एर्ड.ट.र. कर्ड्ड.क्र्ड.श्र.र.प्रजामकाश्चीराजाचारा र्ट्लक्रेजन्त्रवार्ट्ड.ता... त्या भी मार्च हो। एका सत्रात्रे भी भी द्रा द्रा द्रा से से स्यास्था द्रा सुर्यात्रार्यकारं र्वेट्र्राकुरा शासियायार्यात्रात्रात्यार्यात्रेपार्द्रा श्रीरार्वायाः य न ने स्थानुन त्या एवं से मुना वस्या साय से मार्टे स्था संदत्त ध्येया वस्या इस्त्रेस्त्राम्यरं स्वास्त्रेति हः मन्द्राष्ट्रस्य त्याच्या स्त्रास्त्रा चंगास्त्र राज्या हिन्द्रायास्त्रेयायाः भावता वहिताहस्याहर्षात्वास्त्रेयः रंकराति एर्डे.स्ट.केट्जार्ड.स्ट्रेबात र्ज्यापड्डाल्यास्त्रेत् युराया दे मेर सुर राया व्या प्राये सुर। यावत सार्वे या सर्वे यसे सार्वे यसे सार्वे यसे सार्वे वसे सार्वे वसे सा र्यत्र कुर्या सुर्व वर्ष प्रति स्वार्त स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति । युगरास्त्राच्या द्याराम् द्रात्या प्रात्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या इस्तियात्रात्रवेषा अस्तित्यात्रात्रात्रात्रवेता वृत्रात्रात्रवेता इत्तर्दरा देन्द्रेश्वास्त्रास्य देन्द्रेन्यास्य वाता योत्तर्यात्रास्य द्वारेता इस्तरावायार के क्रियाना स्वान्य व्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा मुस्यर्भेर्द्रा व्ययं वार्ये वार्थे राज्ये हिराहे व्ययं स्था वर्षे स्था वर्षे स्था हिराहे स्था है। जनला ब्रेस्नाम्स्यूष्ट्रन्दर्द्द्रम्याचेन र्रात्म्यम्। भेरात्तेत्वेत्रस्यायात्ता स्रात्राम्यायात्ताः म्या भीर मेर मेर तर्रे मर त्ये मयको। ग्रम मध्य हिर प्राय हो है. एर्रेशम्भुभेश्वर्रद्धात्र्यस्तर्द्धाः र्रेटलीयः यद्वर् स्वार्ये स्वार्थे वतीयस्त्रम्यार्थेया अन्वद्रम्यार्थस्त्रीत्वे यमेग वहेर्यास्यायाः

रवा एडेक्.स्.एटी रर्जरेर्लाक्षेत्र.स्र.चं.लेक.ररा यावसंग्रेर.स्. कर्त्यातस्या रिसेर्ट्यायायास्रीत्यात्तर्या। अक्रीत्रेसीर्यायायास्रीता स्याले स्रिताक् वर्षाक्षात्रा के वर्षा के वर वर्षा के वर् क्रियानेयामालेटियरक्र्यकेस्ट्री महिर्माहेयानेहिरमाना सरीया हिराहा व्यक्तिस्यारायात्त्रा । व्यक्तिस्यायास्यो नेरत्येता नेस्त्रेत्रीरायत्येता ज्ञाचर्षा हुन्याच्रेरहिरम्रेरस्यानावाकायाव्यात्रात्रदेरदेर्यास्त्रंत्। र्यात् सुनमान्यसारुराम्भेरायायायाचेरा राक्तेराम्यायायाचेरस्यस मासेरा रत्यस्त्रीरारसमातमतःस्रम्याः हिरामानेयाहेरारमेतासेराहेरा युराक्षात्ररंभूत्यात्यामासः लि.ज्ञानामान् रेत्राचानाना निर्मानामान क्षरश्चरताल्या वित्रस्यवी सर्वेद्दी । श्रु.चं.च.ता.च.ता.च.त्रस्रेर. रामाना कारायाम्तायाचेन्त्राचेन्त्राचान्त्रात्यात् हेन्याचान्त्रात्यात्यात्रात्यात्यात्रात्यात्यात्रात्यात्रात् इस्या अस्यामते व्याप्तामे सहोत्यामे । वायपार् रहेर्द्राया वी पूर्विस्यान्या गान्यस्यास्यास्यास्य हेर्द्छन्। यद्यान्यास्य र्रापुर्धरावसर्वतस्या सस्यास्यास्यात्रेत्राक्षास्याः स्वाराजाः एर्नेन्यास्त्रेर्द्रस्य स्वरूपा अन्त्रस्य हेस्यस्त्रेन्यास्त्रात्त्रा ह्र रंदुरम्भेर्यस्तर्भवर्गात्र्या। रेस्यस्तालवर्मस्य। क्रेरम्भेर्यस्तर्भातः कें. त्रा तरे प्रत्रम्भ मारके यथे। द्राने मध्ये प्रविधा प्राणेखा इरा श्रीराश्चार्यनामान्यार्थनार्थात्रात्तात्तात्ताता येश्यादेश अया क्रिया द्वाया द्वाया द्वाया व्याया तास्त्रीत्यात्रीयाः वित्यस्यात्रस्याः साम्यास्याः साम्याः साम् मेखाल असामेर्ने ने में असाले ने सामे से साम में साम सरत्रात्तेत्रात्रेद्रात्रेद्राय्येत वर्षक्ष्यंक्ष्य्यात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात् द्वर्यर्थर दे.सापक्र्यं देम्सा रसारामाना र देर. श्रीरादगरक्षेत्रात्यर्रीदगरभेरियो असारीयाँ में अक्रेगायेदायाया क्रेया संक्रित्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यात् व्यवस्यस्य व्यवस्यस्य व्यतः द्वीयायोटाक्ष्मात्व्यासंदरा दर्रासंस्रोद्धात्वेष्ठरामलेखा द्वेः श्रद्धार्थित हिन्द्वार प्रतिकेत्या स्वितिक स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्व मार्द्रप्रेम विकारमालीमा विकारमान सम्मान

या अर्बे यथु अर्गा मुखाम स्वेयमा वित्यम् स्वेद्धिममा वा अनिसार्थ। श्रेशनार्यस्यामानगरार्यस्यर्गा महम्मानस्र न्यान्यस्य वर्षान्तर् स्यान्त्रप्रदेशस्यान्यस्या स्रीयान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य त्त्रेयन्यस्य स्वार्यस्य क्षेत्रयं म्यास्य स्वार्थितः क्षेत्रकार्यः यास्त्रेतायादेशा स्रोत्रह्यायास्त्रीप्तरतात्रस्या १९४१वयःस्थायतेस्या रसरम्भेरायरेलकरेखेल। अयम्स्यर्भित्रार्भार् ्रित क्र न्यूर मार्जार ज्या राष्ट्रया न्यालय स्थालय स्थाय स्थालय स्थाय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थाय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थालय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय क्षर वार्व या सक्ते वार्ति। त्युवाकां ह्योरात्या य ने रायर रेरा केराह्या हिंग्ये प्रस्तर से रेरा रत्रात्रां सामान्त्रात्त्रात्ता के श्रीत्रात्रात्त्रात्तात्ता प्रमान क्ष्या क् इ. ५५५ - रगरम्भंसं अन्यर्रम् सम्बद्धायात्रया। सुविरालर् सायाः ल्येन्द्रेश स्राह्मेर्यरायां मेर्चेन्द्रयाया स्राह्मेर्यायां स्राह्मेर्यायां स्राह्मेर्यायां स्राह्मेर्यायां स एड्रबर्रे प्रदेर.लेज्यस्यारस्यूर्धमार्चे गया। सर्द्यास्य स्वाद्धासाया .स्री के खेर हेर संदेश ने नाम नामरेता महमातरेत हिं खेर हर महमात रस्तरायक्त्रायबेरतक्ता लेशक्तेराय्याक्तिक्त्रार् लएसरएर्याल्युवा भूत्रासक्तारे स्र्यात्तार्ये सेरार्याक्यार्यास्य रेंग्रेटर्र सेर्लेयायाः भ्यायाने यद्ध्ये प्रयोग लाव स्यास्ट्री प्रयोग स्थि विस्त्रयास्त्रीता क्षेत्रयास्त्रात्मात्रस्य स्वत्यात्रात्मातास्य चित्र श्रात्मायाः रर्रः सुर्वे र्योत्ये रत्त्रे रात्त्रे स्थात् । यहत्याः स्थायाः स्थायः स्यायः स्थायः स्य पर्यातर्भातर्भवत्यात्रेर् सुलार्भवद्रा क्रियंत्रेत्रव्यात्रेरा गयवार् कु.लर्य.ज.जर्ज्य.मुर्रा व्याद्धरशहर्ज्य.स्यर्थर्ज्य.स्यर्ग्य र्पट्सरत्वेव. रं वित्रराज्ञात्वारात्वारात्वार्यात्र्याञ्चात्वा । त्यारे द्वाराष्ट्राया यम्यास्त्रास्याम्यर्यं यद्ग्यास्य स्थान्यास्य स्थान्य स्था タンナンチ、ゴイエノインのシング、カインスタンディステンスをしてディスタンと र्रायराम्यरान्त्राच्यायार्वराष्ट्रार्यान्त्राच्याः क्रियां मार्ग्यात्वराचाः त्तात्रात्ताताता चित्रात्रक्षत्त्रत्यते । स्वात्यक्षत्त्रत्यात् । स्वात्यक्षत्त्रक्षत्त्रः । स्वात्यक्षत्त्रक् त्याचेत्रक्षत्रत्यत्त्रत्त्रत्त्रेत्त्रत्ते । स्वायच्यक्षत्त्रत्ते । ब्राम्या शक्तियायहेत्रायात्यायात्यात्राह्रता अत्यस्यायातहरायः

ज्ञा । मूसप्रहूर्। मिर्सानम्बर्ध्यात्रे मिर्सानम्बर्धाः मेर्ग्याः मेरास् म्रायत्ये न्ता न्यायायायायायायायायायाचा न्यायायायाया यात्रावत्र्रास्या वराययार्ग्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्यात्रास्या र्यात्रम्मित्रत्रम्भा वर्षम्भातात्रम्भात्रम्भात्रम्भा स्त्रात्रम् यर मार्ट्र तियर पहेंद्रा मध्यर र के में र से मुख्या हिंहे मध्य र ले रहे एस्रेर्न्यक्षेत्या एक्तर्र्य्त्रेर्न्यक्ष्याचारस्य मान्यास्त्रेर श्चित्रं त्रात्यात्रात्या स्रिसेयाम् यात्रेत्त्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या ररेजा. वि. ग्रेरमा दे हैं रखा ुरुष स्वर्मे स्वर्भ हो हो है र्.एर्ज्यानाए के.लेयातायात्रा यालवालयायात्री छ.प्रेट्याहेर्ये, शुर्गान्यर्नात्रेत्वत्रात्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रा मार्थ्यः मार्थ्या मार्थ्यः मार्थ्या स्वत्रा स्वत्रा प्या स्वार्त्यं भूत्रात्यायात्र्वेष् मर्पर्यात्रात्र्वेष् त्या श्रीत्त्र्रक्तात्रात्यायहेत्य्रा जातरावातास्त्रात्य्र स्यान्तिस्य मान्यान्त्रम् मान्यान्त्रम् मान्यान्त्रम् । स्यान्यान्त्रम् स्यान्त्रम् स्यान् दस्रवामा अति सुरामा जिराम्या प्रमान हमा दिति हैं पर से मेर कार परित प्रसम्देश्या द्वार् स्थाप्ता स्यास्त्र स्थाप्ता स्यास्त्र स्थाप्ता स्था साम्बान्साने मेरान्या होत्यते अर्थेत् अर्थेत्या मेर्थेत्या मेर्येत्या मेर्थेत्या मेर्थेत्या मेर्थेत्या मेर्थेत्या मेर्थेत्या मेर्थेत मुम्पर्ता सरपर्याम् स्वास्त्रास्यास्त्रास्याः स्वास्त्रास्त्रा वगालेजातवसीर्ने त्रास्या स्थितस्य स्थान्य स्थान्य सम्माने से दिन्य एकिर्यास्त्रात्या लेखे.जार्युर्य्या लेट्या केंग्रिया स्वाह्य या बर्ट्या यत्। त्यस्य मार्गा न्यं देशके ति त्या द्वारा स्था न्यं प्रत्या न्यं प्रत्या विष्य मल्येत्राक्ष्रीया सङ्ग्रामत्यात्रास्यान्यान्त्रास्यात्रा स्ट्रिस्टर्या त्रास्त्रम्य वर्त्या मार्यः म्यान्यात्रम्य मार्यः म्यान्यात्रम्यः १ हेला यस्रकास्त्रास्त्रेत्र्यस्यास्यास्त्रास्त्रेत्र्यस्याद्यस्य स्त्रेत्र्यस्य स्त्रित्र्यस्य स्त्रित्र्यस्य स्त्र त्रेत्राना श्रीत्राच्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्षे स्थात स्थात वर्षे स्थात वर्षे स्थात स्था स्थात स्था स्थात स्था स्थात स्थात स्थात स्था स्थात स्थात स्थात स्थात स्थात स्थात स्था स्थात स्य विश्वास्त्र स्ति के अवादी। मत्राची स्त्राची स्त्

वैदास्त्रिसाम्बर्धरात्रसा देखालन्त्रमालदायास्य होता क्ष्यार्त्रत्यस्य स्वर्त्ते वस्यान्त्रस्य स्वर्त्त्र्यात् स्वर्त्त्रस्य वस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्ता वस्य स्वर् म्ब्रियम् । तिर्दर्न्यं र्राह्म स्वर्षा से अरत्यरं असामा स्वर्षा सिर्मा सिर्मा सामि सामित्रा सामित्रा सामित्र इंद्रम्या रेख्नियम् र्यास्त्रित्यम् र्यास्त्रित्यम् स्त्रास्त्रित्यम् । तयद्याद्दर्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् यार्ने स्रेट्या अन्यात्रा वर्षेट्रा यहर्त्या यहर्त्या यहर्त्या वर्षेट्रा अन्तर्या वर्षेट्रा वर्षेट्रा अन्तर्या वर्षेट्रा वर्षेट्रा अन्तर्या वर्षेट्रा वर्षेट्रा अन्तर्या वर्षेट्रा वर्येट्रा वर्षेट्रा वर्येट्रा वर्षेट्रा वर्येट्रा वर्येट्रा वर्येट्रा वर्येट्रा वर्येट्रा वर्येट्रा वर्य र् की वर्षेत्रक्त्र्या स्टानिमान्त्रक्त्रात्ता स्ट्राब्द्धः स्ट्राब्द्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्राबद्धः स्ट्रावद्धः स्ट्रावद्द्दः स्ट्रावद्द्दः स्ट्रावद्द्दः स्ट्रावद्द्दः स्ट्रावद्द्रावद्द्दः स्ट्रावद्द्र्यावद्द्रावद्द्र्यावद्द्र्यावद्द्रावद्द्र्यावद्द्र्याव ल इक म नयम स्ट्राया स्ट्रास सं र्याय पर्य तर्रिया तर्य तर्य में स्थाप स्थाप एट्या। स्र्वात्वाक्ष्णद्रात्रदास्यायात्रद्राया द्र्यद्रात्रात्रद्राद्रायात्रस्य मिल्या यहर्भरत्यर स्वर्षा स्वर् क्षेत्रवात्र म्यूनाराक्ष्र्रापनेन्द्रम्या मूर्ति द्रावात्र पूर्णे स्रोतिन क्रेत्यम्भ्रभूत्रावेसात्र्रात्र्या न्य्रवाश्चर्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात् र्या द्या द्या द्या द्याय द्वाय द्वाय द्वाय प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त हिंद् द्वा अद्भूत विकास क्षेत्र प्राप्त हिंद ह्वा अद्भूत हिंदी विकास क्षेत्र प्राप्त हिंदी विकास क्षेत्र प्राप्त हिंदी विकास क्षेत्र प्राप्त हिंदी विकास क्षेत्र प्राप्त हिंदी क्षेत्र हिंदी विकास क्षेत्र हिंदी हिंदी क्षेत्र हिंदी प्रिक्षेत्रकर्त्या समायक्तरत्व्या व्यान्त्रकर्ताः क्रमहर्के प्रत्य प्रमार हूराता से अस् मेर्स्य प्रमार हे स्वाप्त पर्देशका श्रेकार मेर्स्य । हिस हर्रतहर्भक्के वर्रवस्था स्राप्त्रात स्राप्त्रात्राक्ष्यात्यास्र मेर्प्यास्य स्रोत्त्रास्य पर्यस्थान्त्रीकी तान्त्रे कीरल्य्र तर्रान्त्र हे क्रायान्त्री ने नातान्त्रमा निवास रगुया जयानमयहर्त्त्र संगुत्र में याता तर्द्र वा नस्र विस्था स्रित्त ब्र्यः नरं र ब्र्या। व्रिट् स्प्रेट्संद्रेसं द्रियः ने स्वर तर्हेर व्या। स्वर त्युवा खेते यार्थरत्र्यक्षेत्रत्यस्त्रा रेख्रार्ट्रहेत्रहेत्रा व्यर्त्रम्या येख्रास्त्ररः क्राप्येतास्त्रेर्द्धा र.यत्रंत्रात्यक्रियंत्रियिर्याता सर्वयस्त्रेत्रस् रकरः संस्कृत्रमध्या। दस्रवः संते विद्यारा सार्वेदा हेता। वार्वेदा हे वर्षे विद्यारा

ख्वा। ।सास्रायम्भेना। तम् रक्ति।स्रियःस्रायतेरस्।।वेगा स्त्रीः र्विः परितर्भावः श्रमणायः यवस्या। देवः योर्देरः ग्रम्भावारायः वेदः। यात्रयः वेदः। वेमायक्षेत्रास्त्रिर्भार्दररेन तर्स्यर्पंग्य्यानेस्यानस्य । नेसायर् द्येव युवाय तिया केयते के लावे युवाय क्या हिक्ते हे माराव दे से दे स्था स्याः अत्रेत्रे देशे देशायः अद्यारदेशका के श्राप्ते स्वार्थित स्वर्थाः देश अत्रेत्रेत्रे अ कुत्रस्ति देशयाक्त्र गर्से जाके एवं ग्रास्त्र प्रस्ति किया है स्वयं स्वयः । तिर्देशस्य केर स्वेचात्र ज्ञायाक्ष्याया स्वेद्रेश्य स्वर्देश केर ता तर्र स्वर्द्य स्वर्देश रस्यारेनर्श्वीयारात्र्यायसाध्यायस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्था क्रांस्यव्यत्रहें श्रे श्रेक्ष्यक्षाकाराया । स्यायायाया द्याय्यत्रहें स्याद्वाद्यार्थः देर्रहर्ष्ट्रियंत्र्यंत्रम्यंत्रम्यान्या ज्रूर्यात्रेत्रंत्र्याः म्रोक्ष्यां मयनान्ययार्याः व क्रैं अरथरा। असेकारायुक्तातिक्रिके खर्डे क्रामा। सन्दर्भ सर्वर्र्य सम्बन्धे ब्रीयान्त्रम्या देनायाः व्यास्येदादवाराष्ट्रीयार्व्येदाद्याद्याः याद्देयादेन्त्य लियात्रेया तर्यात्रेयात्र्यात्र्यात्र्यात्राता लेप्याद्र्यात्रात्रा । क्रेट्रकेंक्य् ख्रिच्ट्रेंद्रा कार्याकं प्यां क्रिक्य नः अध्यानित्रास्त्राम् अधिरूलरः स्रोतान्यात्रास्त्रम् स्यापान्य सर्। मिलर्सेर्र्यस्यर्रस्यर्रेर्यर्प्यस्यात् व्यापार्याः मास्या अमें प्यान्धेराम् क्षेत्रात्रेत्र स्याना स्थित् होरान्य स्रित् क्रिया दरवाताकां प्रोच्चेत्रते त्रेरा सेरादेवाता स्तिर्देवाता सेरादेवाता स्तिर्देवाता स्तिर्देवाता स्तिर्देवाता स्तुत्र मान्यात्रस्य द्राय्यात्रस्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्यात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायाः द्रायात्रम्य द्रायाः द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायाः द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायात्रम्य द्रायाः एक्ट्रिटरा स्थापट्यांस्पेरेस्यसाम्यस्य स्थाप्ता यात्राचार्यसाः म्रक्षान्त्रस्यान्त्रस्या द्यारद्यामन्यान्त्रस्यान्यस्य यक्तिया द्वार्या । तर्वार्या रिव्याय दिव्या स्थापित स् की दवर संविद्वेदा व्येद्रत्यम्स्ति कर्यक्रमात्में त्येत्र स्वास्त्राताः कुर्याप्त्राच्याच्यात्राच्या विस्तरक्ष्याक्ष्यंत्राच्या इक्ष्याच्च्यात्राच्या चरत्रम्। तयद्वास्रास्रोरोध्यायस्यामार्द्रस्याच्याद्वरः। देहेवात्यायः स्रीति

ला इ.स्ट्रल.च.र्यर.स्यु.झ.स्रेर्ट्य भ्रेर्ट्या भ्रेर्च्यालाच.स्युर्ज्या ख.-यात्रेक्षेत्राह्मध्येकाक्रेरमा वर्षस्यातहत्रहर्त्त्रिक्षावर् वयावतःहार् मायान्त्रं विद्या। देशक्रक्षितालक्ष्याण्यद्वाता। श्रीदाहेश्वेवात्र्यान्त्रेष्ठ्वः अवय भूदा। नुसम्बद्धान्त्ररा सेर्न्यत्रेरर्न्त्रमात्र्यात्रमात्र्यमा। स्रीयमात्रम् वात्रेत्रे. एकेकत्त्रती देखेरमध्याप्ताचार्यात्रेत्र्या स्राद्याद्वादकातात्र्यात् 2名1 रम्यान्यात्रात्रात्रात्रम्याते नर्मयः कुर्याः भीत्रम्याययाः स्टर्यम्याये स्ट्राः । उ सुर्देश नव्यक्ति क्षेत्र क् इति । स्यान्येता देश्यास्त्रीयास्त्रयास्त्रयास्त्रयात् रेखार्थ्यात् रेखार्थ्यात् । क्रियाम्याम् विकास्यास्ति। यात्रस्याचक्रावेतिस्यान्ता तस्यास्ति। र्खेन्द्रयस्ता सामर्खिन्द्रम् स्तर्यस्य स्तर् केंदुःचर्-केर्न्यान्त्रमष्ट्रः। यात्रान्यान्यान्यान्यान्यान्त्रान्यान्त्रान्यान्त्रा ्वरवण्यात् व्यत्यकार्यस्य स्ट्रिस्यात्रेस्य स्ट्रिस्यात्र्यस्य व्यत्यक्षात्र्यस्य व्यत्यक्षात्रः स्वर्णात्र्यस्य महिमानानारा दरदराचारहेर्ने द्वानेना निम्मा वित्वेरियहेर्स्य दस्या रस्यात्रात्रा न्यायक्षाराहर्भायादेरसा द्वाराष्ट्रस्यात्रात्रस्य स्यास्त्रास्त्रित्तारहेस्त्रस्यास्य सहस्यास्त्रास्त्रास्यास्याः वालेग सिक्रान्य अतः तर्र प्योर्कर प्येता सुरावस्य स्थान से त्र्या से वार्षे व्या मुर्दिस्य मार्थमायाता दयालहर्ष्ययाता एक राष्ट्र लाया लारकरायाया. प्राम्पन्तरात्रीत्रा में से से स्टाम मार्चित्र क्रिनेया दे नेया रवा में नियम क्रिनेया स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम रदाविषाताम्बाक्षाक्षातान्त्रवा होर्द्राम् स्वाक्ष्यात्र वर्ष्ट्री स्वत्वस्य १०३ वर्गा देशहोत्रा तबेदा अंदर्शनेयात्र दरहिसाझा छित्रदर्शका संदर्शना द्या न्यत्रेन्द्रस्योत्त्वास्त्रा सर्वेन्वतेस्र्योद्दर्दस्यतः वतेन्त्रना स्रात्याह्रेयात्वरः वः लयक्षित्रं मेर्ना सुराक्षेत्राद्यात्रां स्रिक्षेत्रं दे। दर्जाद्यार्भा सुरादरास्याः इरा अक्रूराक्युर्यासा है. यासाया सावा राजा देव स्वयासा एकता वर्षे श्री व्यास्तिर्धरमा नेरमाल्यास्यस्य राष्ट्रस्य स्थित्या X #æz: म् सिर्मात्र्रेत्वेचा स्राप्ता से प्राप्ता का ने मार्चे प्राप्ता से प्राप्ता स ह्यान्यानीत्याम्यात्यायार्यार्यरा स्वातत्र्वीत्यान्यात्रेते स्वात्र्यरा क्रिसायत्र्रीत्रेत्रेत्र्यत्र्या र्वे.म्र्रिस्ये नाष्ट्रयाश्च्यत्र्यत्रात्र्ये वर्षात्र्यम् । वर्षात्र्यम् । लुस्यान्यत्रम् द्यांसाती विदेन्त्ये ने माने ने देवमा यायव दर द्वार्थे

स्र्रेश्च मार्थायाम् राष्ट्रियास्य स्राप्ता स्रापता स्राप्ता स्रापता स्रापता स्राप्ता स्राप्त याल्यूर्न्न्र्र्यं विमान्या विद्या स्त्रेर्न्न्र्या म्यान्या स्त्रे यः विमान्यायान् दात्राक्षेत्रोद्दर्याद्यात्यात्रात्याः स्ट्रात्रेत्तरे द्वारात्रात्या ल्यू सर्वे स्वर्वे हैं।। विकास विकास के स्वर्वे से विकास हो स्वर्वे से हों र्यस्थान में अक्षाम् मार्थिकात्रतात्रता में राजपुर्वेश वसाम् प्राप्तियों. सुर्केन्-शुर्कान्त्रिः चिक्तम् स्ता रेकायलेका सुर्क्त्य सेवाश्चर स्तेकाता। श्रीचें स्वारच्यात्राकारायां स्रार्थे मीत्विकाताया दर्षेत्रकात्रे वाल्याता । द्वारेक्ता केम्प्रस्तित्वा स्थानेत्वा द्वास्त्राच्या। कुर्द्धास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्यास्य यात्रात्रप्रदेवता वाद्यात्रात्रीय केंद्रवात्र्या राज्यस्य विवास तर्भाता लेक्ष्यर्वस्य स्वर्धित्यर्थित्यर्भात्ता क्रियत्त्र्यास्त्र्रीयिः र्रा लिल्लिस्स्र्रेश्यामस्य र्यायस्य स्त्रियस्र ्यास्यार् सर्दर. मूर्त्याद्रस्य रस्त्रास्य स्थर्भात्रा लिलाक्त्रि. सर्वार्य सर्वार्ये । स्मार्था र्रावियाः स्मिर्या से सरका से संस्था रात्रा तर्मा त्रेया त्राया से में स्मित्रे रिया रेता म्यक्षेत्रके विक्रम्यके विक्रम्यक स्थान इ.स. १ इ.स. १ चरा चे ना ते त्या में त्र कर वर वर हो से ता कर रहे। स एक्स्यान्यर्रः यात्रक्ष्यः । विस्तर्यक्षःस्यान्यान्यः स्ट्रा साविकः श्रे. वर्रेश्चर्याया। द्वांबायालेत्र्यतिस्र्यर्थरार्था क्रिय्युयक्षेत्रक्रि 7 may 1 नपुरंता १ र मुर्स् स्रिर्स्य स्थार् म्यास्त्रीस्य स्थार हो ता। यो रूपा स्त्रेन्त्रेन्त्रं र्यं र्यं र तर्गया। सम्रेन्यं र मायाः स्रेन्यायः स्त्रेन्त्रेन्त्रेन्त्रेन्त्रे र्मरर्न्यरवर्षर्भेष्ठे हिसार्। संस्तित्वे हिस्यायमा हिवर् क्रियं द्रायते में अर्दरा अर्द्ध माना मिला में त्रा ने में में में में अरक्रक्षेत्रेर.सूर्या.पेया.ए.एर.पर्। इस्राय्यास्त्रेर.सूर्यायाश्चित्रसूर्या

क्वा। ।वि.श्रेमानारम्प्रमान्द्र। म्र्मानात्रः क्वीतम्बन्धः स्रेरा देदः सर् रेक्.यु.चियात्राल्.ता। चैतास्रेर्द्यकात्रयात्र्यं केराता वसकात्राः स्रेर्ट्यः क्री दरस्य स्वायास्य स्वयास्य स्वायास्य स्वयास्य स्वायास्य स्वयास्य स्य स्यान्यस्यन्तरायस्। यद्यस्यनिस्रिन्द्रन्त्रेस्यायान्यवद्गाः व्रित्यस्तिवन्तः १०००। प्रकृत्स्य स्था स्रिट्ट्र स्थाना स्थान अवस्तरताराक्त्र्याक्त्रियाकार्यक्षात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र स्रित्ता ज्रात्त्राक्त्रियाकारात्त्र अड्ट्यायम् स्वता ट्राद्रतात्वाकात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा । प्रान्तर्भाससंस्थायास्य स्वाचे राज्या । त्या राज्या स्वाच्या । क्षा राज्या स्वाच्या । अवरंम्ररंच अरं हे अहर्यन अतः। उद्भेर न्या क्रिया भर्मे । क्रिया रंगातियातात्राक्षेत्रता क्रायित्राक्रायः व्यास्त्रत्यः क्रायाद्राद्रायः अर्दरह्याक्तेरविदा ख्रीकालकाद्यम्हेयावतर्येयवाद्रात्वेदा वियाया मार्ने मार्ने अहस्य अंदारी अर्तहरीयराया अत्रहें अवा दें दराया मारा प्रेर न्यास्या स्थानस्य स्थानस्य द्वारा स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स सर्दा स्मास्टिस्यास्तिस्यास्ति। द्रीद्रातिस्देरस्याः नेद्रात्याः रामा द्रमान्युद्रायाः स्ट्रिक्ताः स्ट्रिक्ताः स्ट्रिक्ताः स्ट्रिक्त्राः स्ट्रिक्त्याः स्ट्रिक्याः स्ट्रिक्त्याः स्ट्रिक मिनेस्स्येरा कोस्येर्स्येतेस्स्रित्यकीत्वेत्यकीया हेया हेर्स्स्या रिस्स्स्रिस्स् रेहेल्यावविद्यात्स्यराचे रेखेसपात्याम्रास्त्रेचेते। यासे यमेरा मेरा महेरामेर्वेल र्राच्रियाता क्षेत्रेया। वयास्य र्यात्राच्यात्र्यायात्र्यात्राच्यात्रेयात्राच्यात्राच्यात्र्यात्राच्याः हेत्र यार्ग्यात्र्याः द्वीस्तित्यार्ग्याः य्याद्वाः स्तियत्यात्र्यास्यात्यात्रात्याः स्त्रायाः वर्षायाः वर्षायाः वर्ष यसल्यस्ययः गत्यस्य स्ट्रिंग्डिलन्स्रेर्स्स्य वर्षेत्रस्य क्रां स्वत्यत्यद्वा श्रां श्रां स्वायत्या क्रां त्या स्वायते । ष्णे । नेसासूर यो ते विसा इंग येते बार्डर र वेना यो द्रारा मात्रय के र गर येते चित्रमा वर्षार्देश वर्रम् वर्षार्वा वर्षात्रा वर्षात्रा वर्षात्रा वर्षात्रा वर्षात्रा वर्षात्रा वर्षात्रा वर्ष रकारियात्रास्ता सामितात्रीतास्त्राचारम् कास्त्राचारा वर्त्ते वर्त्त्वार् प्रवर्ता यते यत्यात्या तर्म्या १ तर्म्या १ त्रास्ति यह स्त्रीय स्तर्मा सहसा सार्मा स्तर्मा स्तर्भाते । परा रमरत्रमानुगासर्रे तिल्यान्त्री इत्यम्राष्ट्रियाद्वासाम् स्रिते। तर्रेश्वाववायते महिर्मेन कार्यक्षेत्रं कार्यक्षेत्रं सार्वेश्विदेशतास्त्राम् । वर्ष्या शक्ते असर के अर्दरा श्रेरं कार्द्र स्टिस्य यह व्यापा से हैं र खी गी से वित्र मदया मृस्यासिक्षणक्तान्त्राच्या इजानक्ष्यान्त्रेन्द्रीन्द्रा

त्वरायकेत तर्रात्रोराधाताकी वाकारकेरेरा। दारहाराभरायारकार हो स्देशकेरा स्रास्त्र म्या स्टायहरा धर्मा सर्मा स्टाया । स्ट्या स्टाया स्टाया स्टाय से स्टाया स्टाय से स्टाय से स्टाय से स रहेर से द्रायन्या मेराद्रा सेया संदूर रेमेर्स माया सहर । स्सूर दी माया सर वर्त्स्त्रः। वर्ष्यस्यानेन्द्रस्त्रीरःच्याखेत्रः। वर्ष्याव्यवद्ग्यसःदर्द्याः ेरेलेसा खेलकंक्यरख्याचतेशा खठरसम्दर्शकेकला ह्येर न्त्रम् स्मितं याम् ता न्यान्यत्यत् न्यान्यत्याम् सम्बद्धाः 4 ma11 सहरगर्देश्ये तर्गा रचतः सेर्छेग्या स्वर्यक्षया सेरा सदस्या सेर दुलिकाटिक्रस्यास्त्री रुस्त्रस्य स्त्रिक्ष्यस्य द्वस्य द्वस्य स्त्रिक्ष्यस्य 2 भ्राज्य अ एर्यास्तर्यं गा। रस्ट्रे.स्रास्त्र्र्स्हेर्स्ट्रे ल्यान्या लेवास्त्रायाः 621731 यवदारम्भ्यो रश्चे ररा उद्गारा होर मार्चे हे त्वीया। १० व्यासे स्वर् 79.6 ४३८मवन राष्ट्रेरायर मार्गरा मार्गरास्त्र मार्गरास्त्र मार्गराम्य मार्गराम्य मार्गराम्य स्थापना स्थापना स्थापना त्रातः देरायकात्रासा समायाक्षेत्रस्य द्वी केय यथा त्राया द्वाया होत्यात्रास नवने न व र या। वात् रेनामा च सार्यवर्ते कार व्येना वार्यवर्ते सुर क्ष भारत्याः स्थान् स्थान्याः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थाः स्थानः न्ज्यात्रेर्ता व्याचेत्य्यात्रं म्यूराष्ट्राक्रा न्जारास्यक्षेरायात्रेर्यते भवत्त्र द्या। व्यामान्द्र स्व व्यामान्त्र स्व व्यामान्त्र वार्य क्षेत्र स्व व्यामान्त्र क्षेत्र स्व व्यामान्त्र द्या। त्यामान्य स्व त्यामान्त्र स्व क्षेत्र स्व व्यामान्त्र व्यामान्त्र स्व व्यामान्त्र स्व व्यामान्त्र स्व व ठ्या। क्रॅर्यामभ्यम्भिकास्याया स्रीमिक्षयायार्रा स्रीमिक्षया Haira) द्वान से विद्यास ने न से जा विद्या विद्या विद्या विद्या । विद्या १३वर मान हि । एर सिंह सिंही देर वया यो सुर मारहेर ने मारहेर मारहेर मारहेर मारहेर नगरान्त्रीती वहनायन्खाया । वस्य के अक्ते अख्या मन्त्री हिरादराजी नहेर्दन्या स्रोदा नहार स्रोद्या मुद्रा मार्थित स्रोद्या १८७मा अस्य प्राचित्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र न सून्यक्ष्यायास्त्राम तर्वेता तर्वेत्रामयाः स्वायाः स्वर्ष्ट्रन्तियायास्त्रा 165 क्रियातार्दातायकेराद्यातासदा द्वारातकेराद्वाराह्यायारीत द्वारा रदालाक्षेत्राद्यालाक्षेत्रा निर्देश्यांत्रवायात्रात्रात्रात्रा क्षेत्रीयाक्षेत्रा क्रियार्य पार्ट्स रे.में.योर्ट्रे येत्रायात्यात्र वहरा सामिन्याय्यरः यान्त्रयः यता व्याः नेयाः स्थान्य म्याः । वेता स्थाः व्येतः । मुद्रः यः यष्ठे गावः यात्रांत्र क्रींर्क्ता रसर्दर के यक्षेत्र क्रियाना स्टार्टर राज्य स्वार्थर वि

M. U.E. S. W. क्छा। विस्यानी स्तित्रमायीयायीयायीयायीया विस्तित्रीर विवाली यतेमात्रेस्र ध्वेता सङ्ग्रस्ट्रम्डिमास्रीत्रः स्थापा गत्रापास्य स्था यस्त्राक्ष्मा नात्मार्यात्यर्क्षात्यर्क्षाय्यत्त्रात्रेता नाव्यात्र्रात्मत्याक्षाः स्यानेद्रा विकामेन्यम्यायाताने क्षेत्रमत्या हेन्यस्याने स्वास्यान्या सरेक्षशायर्ष्ट्रीत्यर्र्याय्योष्ट्रियर्ष्ट्र्यर्थाय्ये रक्ष्यः संत्यर एक्ष्येः मृद्दे स्वर त्यरा श्वरावस्य श्रीर श्रीताला। क्षेत्रक्षेत्राक्ता अवद्भेताकुत्रिक्ष्येत्रकुत्रहता एतंत्रासूत्त्रकुतान्त्रते क्रमम्बाहरूर्र्य्यस्य भेजर्युर्य्यस्य वित्यते मतिस्य त्या। देवास्यात्वीः क्रीन्द्र वन्त्रास्ट्राविकायते नचे द्विद त्व्या स्त्री त्रेन्य प्रस्ता प्रस्तायाः र्वेर-यर्भाःस्य-र्वेय्याःसायस्यान्त्र्याः त्र्रात्याःसाम्याःस्याः क्रे के दर्भ दर्भ दर्भ दर एवं गर्भ दर्भ ता ता गरा से दर हुने ता ता दर्भ द संसक्त्रित्या स्वर्धात त्रित्या स्वर्धात स्वर्या स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्धात स्वर्या स्व त्रेत्रे स्यम् द्रम्य वाया सम्दर्भा त्राया स्थित स स्रद्रिक्षत्रक्षेत्रस्य स्वत्रात्रक्षेत्रस्य स्वत्रात्र स्वत्रात्रक्षेत्रस्य स्वत्रात्र स्वत्रात्र स्वत्र स्वत् इंत्याताश्चीरशेतसूर्। तर्षर्स्यार्रस्य मंदेर्त्य मंदेर्त्या स्त्रेर् याष्ट्रिया क्यांत्रेरायात्त्रम्यार्यात्रा व्यवस्य व्यक्तात्रा स्रमायतीर्यस्य स्याप्तात्ता व्याप्तात्ता व्याप्तात्तात्त्रात्यात् भवाहता र्नास्त्रेयत्त्र्रायद्वायद्वा तह्यक्षेत्रक्षाय्त्रेय्वेययान्त्राय्त्राय्ये यास्त्रस्यास्त्रस्याः तद्याः न्याः न्याः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्र सः रम्भारद्वाः वसः स्त्राः न्याः न्याः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः म्रेस्र्या यर्यं यस्य सम्मित्रिक्षा मार्था सम्मित्रिक्षा मालाका केरानका। कु एउनेस माल्यमंत्रा मा. सूचा चर्ता संसूच मार्का मालाका केराने मार्का मल्यः बुद्धरः देते देशन् देशका मान्त्रमा स्वाद्धरा सं चरा देशन्ति । देखेता कार्यद्भाकत्त्रेम् इत्रा सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः हिर्देश्चर्रास्यर्भः संग्रम्ते। क्रेंस्यं स्राह्मात्राह्रास्यात्राह्याः क्राम्यरं वृद्धाया सुलाम्स् त्रयान्या सर्वे द्यास्यास्यान्याय्याद्द्रम् । स्टास्येयाय्ये क्रावारा स्त्रीत्या स्त्रीतास्या स्त्रीयास्यात्राम्यात्राम्या भक्तवंतु है. रस्त्राय अवु क्षेत्रा रक्के एके रक्षेत्र स्वर्भाय का है या के या।

्रभेशत्रात्रात्र द्राच्या स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र । स्वास्त्र स्वास्त् र्षाम् अस्य स्वारास्य राम् गया। ।क्षेत्रस्य वाद्यस्य म्यू हर्य वहीर्षा । mane स्ट्राह्म स्ट्राहम एर्जेग्रास्त्रिक्षेत्रका स्त्रा श्रीतिक्षेत्रका स्वरंग्रास्त्रक्षेत्रका एर्जेग्रास्त्रेत 32011 त्रस्तर्र्त्तेत्रेत्रा देरसर्त्याक्षेत्रस्यात्। विस्वर्त्तेत्वास्यात्वाद्गीः उत्राचन्त्रीतः भूरसरा ।सारद्यानं स्राज्याने स्राज्याने स्राज्याने स्राज्याने स्राज्याने स्राज्याने स्राज्याने स अदिन्दित्य सेरा वरादर्भेय तर्द्यस्त्री र्ज्यास्तिता स्ट्राद्येय सेर्देग ८वेगा.संत्री एर्.गथता.के.स्यायस्रित्यार् र्रात्रार्ट्रा मूर्ल.संप्रेट्रेयेस्यकर्. रेरो अर्र्नासः लोडेकाराका। चेर्निए खरार्यका छर्र्ने करारा छर्रस्थार महेती स्राप्ता गर्मते महेला स्राप्ति क्रिया स्माप्ति स्मापति स्माप्ति स्मापति स्माप्ति स्माप्ति स्माप्ति स्माप्ति स्माप्ति स्मापिति स्मापत वस्य हराया त्यासंस्रीता हिरादेश करा बाह्ये ही त्येत त्यार सदेगा करा श्चेर्यस्थालीय गतः स्टाब्दा वदःसवाशवश्चीः स्वार्येने त्वास्तितः वः भूक्ष्या नापूर्या। क्रितमापृश्चिर्यसम्मामस्याल्वता वृत्याः अर्थन्ति स्विर्यस्य स्वित्रस्य स्विर्यः । क्षित्रस्य स्थित्राचित्रस्य स्थानस्य स्थिति । विष्याः स्वित्रस्य स्वित्रस्य स्वित्रस्य स्वित्रस्य स्वित्रस्य स त्रमथार्या स्त्रेस्य स्वा स्वास्य स्वा मत्त्रमा दर्त्रात्रमा अभिराक्षात्रात्रात्रात्रमा त्राम्यात्रात्रात्रमा क्षेत्रहरी चर्रात्रेरावरवाक्ष्याक्ष्रियाक्ष्यात्त्रीताक्षरा यं क्रीन्यतान्या। यंश्रायं क्षित्वात् स्वत्यत्यं त्यात् विक्रित्यात्रात्रक्षेत्र्यं व्यवसा। मुक्तास्त्र्र्ता यून्यत्रत्यं र्यान्यस्य प्रवश्चित्रस्य विष् , 6 ख्रुवा य अ.पूर्यं उत्रांद्र सद्वि वी वी त्यो वरी देरे ही रायते दयता स्वाद सहिता. स्य स्यान्य स्थान म्राट, मार्रात्तस्यात् महिमास्यिति स्त्रेस्याता स्तित्तर्यात्या त्या र्द्ध्यर्भात्वर्भग्रेत्रहर्भ द्र्ये द्र्ये विस्वर् रस्यातवियातम् स्राध्यात्यात् सर्वेत्यान्त्रे परियात्यात्रास्या अर्द्र गार्थेस मार्थ्या द्व्यं त्व्या हासक दर अर्ड्स् सू त्वरेत द्वत्य्द्र रर.अर्ड,र्नेनर्न्नाले, लुड़ा सराप्यात रस्त्री की में स्थाल है। की स्थाल है। इस्रक्षक्तिक्तिकाला द्वार्यात्रे सम्मक्तिकाली दर्गास्त्रे म इस्रवासी,लूट्:विस्त्रःलावा र्वे.व्याहरूपारास्यतपर्रहेशा वार्यस्त्रेवास्त्रेवा त्मयः ग्रद्भन्द्वत्वाद्यमः व्यवेश स्रवाः निर्मात्राचेतः त्यात्रः न्यात्रः नदातः यहुदः

त्या । इस्ययः रूत्र-नुवक्षः द्वरः । क्रिंट-नेरः ए ह्रेसः यः या चेरा वता यहारिकास्ता सद्धियात्त्री दलद्रमास्त्रीद्रीद्रमात्रायवद्र। वसाराहर्त्यकात्त्रा श्रिम्यवरा वरायारहेस्यतिस्याते स्रेत्यवरा देवस्यस्य स्वास्त्रेवस्येवायाः ६ वटा व्यक्तरा अरवर्षरञ्जीवायास्यायास्यायाना सुर्यात होत्रस्यार्यर तियस्ता रशकारसूर्यक्त्रान्तरस्य स्तरकाररक्ष्या विरस्त्र विर्मान यत्मभा ब्रूरअसेराद्युअराद्युवार्शेररा ब्रॅअपेविवास्ट्रेरसाह्युरेत्युआर्वारोषा त्रक्तित्र्रेत्तर्द्रतर्द्रदेश साम्याक्तरम्भेतर्द्रतर्द्रश्चर प्रमुद्रा दरक्रियाने एरं एरं ता। वाव र सेरा छर स्वर संक्षेत्र दे। वाषा स्वरं वेर वेर एर्वा सं प्ता यापम्स्रितेनभ्रम्भान्तरादेश सम्बन्धराद्यसाम् तार्देश रत्यक्षत्ररेत्र्वेतित्रेय्येर्यक्षा मेर्ट्ययेय्यक्षामानात्रात्ये हेर्सेमः १३००० स्रेत्राचले के स्थान के प्रत्याच मित्रा के स्थान के स्था में राष्ट्रिया गहरा में म्यामे म्यामे में राष्ट्र राष्ट्र में स्थान र्यो मेरिया मार्थित षर्मित्रिक्तिस्त्रीत्मन्त्रवन्ताः अरम्भूवते वृत्रात्मन्ताः हेयावेर्दिन्ताने । पूर्वताव्यस हिर्यर्था र्रक्ष्यक्षिक्षाम् स्ट्रियक्ष्रिक्षाम् स्ट्रियक्ष तिर्देश्ये क्षूर्यायोद्देश्यत्यवाद्यीक्त्यार्यादेशेर्ये देशेर्याद्वेद्देशेर्योद्ध्याद्वेत्रायाद्वेवायाः कुर्स्वया भियाता कार्युत्रादृतुः यहित्र महत्र महत्र महत्राया । यस्ति समस्यास्त्रेस्र स्वास्त्रेस्य स्वास्त्रेस्य स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास् मार्ति मुस्यानाता स्टियंता हो स्ट्रास्त्रा त्यो द्वरा या स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास रक्षमञ्जूराधीरकीर्यरयान्यूर्यसीक्षरर्रा शेन्तरमास्यस्ति वनसात्र्रे र्श्याययर्द्धरेशे सकेरयंदरा भारत्सातर्शे युर्सा सश्चित्रयः हराइमथ्य करत्वता सेरार्क्या गिरा हीरायते मान्या मूर्य नता नरा नरा सुर सन्तरी असम्बन्धन सुरिते हे है ते हैं है है है से स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक सुक्रायः इटा केंद्र से साक्षेत्र के से बाब से बाब ता है। सह वा नार र दार न हो दे रहे क्षेत्रक्रीत्रात्रक्षेत्रया क्षेत्रक्ष्यायाय क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका द्धार्मा स्ट्रा स्ट्रिसार्ख्याच्या रे.क्ट्रास्ट्रा र्यामानतः र्यासा "सम्भित्रम्यक्षेत्रेत्वर्त्वरत्वरत्वरम्यक्षित्वे स्वाक्षेत्रक्षेत्रम्यक्षेत्रम्यक्षेत्रम्य । 12 स्वाद् तर्वतिस्यास्त्रें सित्रेयः सेवर्वे वे स्वायित्रद्वारायाः सुवर्वे सदेरसं विकास र्रा ह्वि.इसस्य र.श्रुव.कर्रा एडंक.करवस्य, क्रुवस्य हुर्गे.वस्य म्स्यायात्रर्ग्याद्र्यातः वर्ष्ट्रियः सद्भ्यात्र्यक्ष्रियः ग्रुट्यस्त्रा दःस्याद्रसः

मया परवी-

mame of cup

क्षात्र विद्रात्त साम्म्य स्त्रिक्त स्त्र स्त्रिक्त स्त्र स्तुर्रस्त्रेर्द्र्येश्वर्यात्र्यात्रिर्द्ध्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र 2 done सर्धेरमस्याभी में पारियान में प्रतिस्थान में प्रतिस्थित स्थित स्थि क्षेरे हिते क्षेत्र त्या की वेद प्रति हैं देश कर यह कि कि का का किया कि की शुर्द्र से ग्रेजर पर्य देशर्थ हूर्ग अधानवाता हरे हेर्न्य प्र बालू हा । प्रें या से स्याक्र विस्तित ने प्रत्यात स्थाति । स्था त्रा क्षेत्र विद्या स्था त्रा क्षेत्र विद्या स्था त्रा क्षेत्र विद्य यलनार्त्रे याल्ये : सेर्ये यल्य्स्येयलनार्ने है। मि. प्रयालया खे. कर्रात्वर्ध्यक्रात्वरेष्ठ्रा अत्रास्त्रेत्वावर्षाः केत्रक्तित्वर्गः अत्रास्त्रेत्रक्ताः । र्वेमार्यात्मात्यात्या अर्थेत्यम् त्रात्यात्मात्यात् । यहार्या लेलायहर्षिकास् बुर्यालाश्चामाये बेर्वे स्वर्षेत्र लेस.कु.जेशकाल.र.रे.एकूरस्याक.एकू.रेबूक्ताहु,किर्युवसंप्राद्धीपकाकु. चर्रात्मग्रस्य मार्थन्यात्रात्ये व्याप्तात्रात्यात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र 至河東公子二江山山大水湖北江公山大江至少是大江村公山大路中的山南山南西 म्रियाम्यारम् म्रियाम्यारम् स्थानित्रम् स्थान्या त्रेयात्रत्री, लेक्षक्ष्यत्रत्रत्रेयत्रेत्रत्र्यत्रत्रा, याक्षाक्षः यात्रवियानः यावात्रात्रात्र्यः व्यात्रात्र मका। द्रायात्त्रें प्राचरायम् स्रोदे ज्यारो। द्रावद्रेत्या स्ते स्राद्यस्य म्यूर् स्त्राक्ष्मा व्यवस्थान्य स्वास्त्र मान्य स्वास्त्र स्वास १०१मन्। द्रम्यस्य स्मार्थित गर्स्ति अर्रास्य र्रा देः व्यम्बर्य की कावसा नुस्देर दिस्रान्यत्यत्यत्यत्यत्र्यत्र्यत्र्यत्रत्यः पर्दरः र्क्षः प्रेयत्यतः श्रिक्षत्रत् स्यार्भाता रयात्रात्रावध्येत्रस्यस्यात्रात्र जाग्यायत्यत्येत्रस्यः सस्यस्ति कीत्यत्रेत्रस्य महितात्रस्य । द्यान् स्यापाताते ब्रेन्य द्या हिता लेंबा अस त्रंत होंद्र असेंद्र। यत स्थितिर ति स त्या माना तहस स्याद्वहत्यत्रत्यत्येय्तास्य स्याद्वरा स्याद्वरात्याप्यात्रा सर्द्याद्वरः

उठ्या । भिरुषात स्टिर स्ट्रा से स्ट्रास्ट्रा से स्ट्रास्ट्रा से प्रत्या से स्ट्रास्ट्रा से प्रतास्या येते से के देव त्य्याचे देश का या कर्त्य येता के ब्रोद्ध दे जाया दे स्वीत रे का वा के विष्टी र अर्दर्भ भूगाचे सर्दरको अञ्चराया अञ्चर स्वीर के पर्शेष्ट्राया विश्वित से स्वाया स्वित्राया मासेर्द्रतेवरकी हर्दे राजेरा न्याक्ते तरावर्क तर्वे अंदा हाम द्वालेख श्रीत्राद्भित्ते अत्यन्तित्त्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्यात्त्रेत्यात्त्रेत्यात्त्रेत्यात्त्रेत्य यत्री होत्यातहत्यातिहत्तातितात्रह्ये हित्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र र्वयरता विक्रिया अक्षिर्द्रस्त्रम् विक्रिया तरे क्रियाया. स्याक्षांता क्षित्रयाष्ट्रार्याक्षेत्रवरा क्षेत्रत्यस्याय्वतिक्षेत्रकार्यर सन्तियान्त्रास्य स्थानियान्ति। स्राम्यान्तियान्तियान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्या द्रा युवानिक्ति स्थानिक स्थान क्वीहिरात्स्ययेरा नेह्रेयायेराने होरात्र्यरा नेत्रार्मे हिर्दरी है एया है। विवाद वे व रुदेर्सार्हेरायाद्वारिया खेरकेयहर्याहे झेस्थरे। त्व्यास्तार्येर यासीरववसा रेख्नेनलेरकोक्राचेता क्यासाक्षेत्रकोहेत्यसाया प्यां हिर् क्रिस्या हरू. यह गा पराया सरीत हर तह र या हर हो। होर या सराया स्यायकी वहस्यस्यात्यात्यस्य स्थिते व्यर्द्यस्ते वार्ष्यस्य विष्ठा रेजरहारान्स्र केरेरा हीरेकारेल्स्रेंस्स्रे भ्रेयका सन्त्राह्मर स्वार्सर स्वासारमा देरक्तियाम् । नरनगर्भेद्वार्यक्ताम् व्यस्याम् । व्यस्याम । व्यस्यम । व्यस् द्दिनेश्वर्यास्त्रेवयात्रेत्या यादस्तिस्यित्याद्यात्रेयात्रेत्यात्या देस्य सर्भेर्द्धरम्भरम्भरम् राज्या सम्य ल्याया वितान सम्य मान्या । मेंद्रवेति गर्दातात्में योगोत्री यदेयाद्यातात्हेंद्रतेत्राता में यादतादा स्यात्मा करम्भा करम्भा करम्भा क्याया अवस्य अवस्थित क्षित्रा विकास स्था स्था है। स्था स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र दक्षा देखेबर्सेट्सेट्सामाबर्धियाः व्यट्टि व्यट्टिसेखरिटे व्यवसार्थे त्या

प्रिंद्भगभान्त्र नामना न्द्रेत्राम्यान्त्र व्यान्त्राम्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त ल्यात्वर्मस्यायान्त्रत्रा ज्यासते स्रेरस्यानात्रं नाय्यात्रा सार्चेरकोत्रात्रा करी-रमियर्वत्वत्या स्र्रायम् राजन्यत्यत्यत्या र्वेना र्वेनाम् मानत्र्रास्त्रस्त्रस्त्रस्तरः र्न्स्यःतार्यायस्त्रात्रस्त्रा सीत्रताः एकर्रम् के बेर तर्वेग्रा, मार्द्र त्यायर्र स्ट्रेन्स् विवसा र्रेट्र ते विवसा यारे द्वारावत्रम्या हेर्युर्रहर व्यापा त्येर्रा हेर्येर विष्ट्रास्य त्या रंगतर कुल सरायसाया र त्यायात्रका त्या स्वास्त्रकारा रेर खें स्वयास्त्र चलार्सेम्। कुर्ता अर्थरस्यार्स्यार्थरान्त्रेस्यार्प्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त रियहरें हुरे श्रेचर वर्चे प्रियम् र र से र ये सूर की मिं पर हिर चिरम स्था। ल्लान्ता हो हो के त्राक्षणकरोट्या देशक्षर्य संदेश र्वाहर्षात्र सेर्यः इक्तरास्त्र स्याप्ता स्याप्तर स्याप्ता वर्षे र्वापप्ते । द्राप्तित स्रित्यत् त्रेमार्यात् प्रीत् स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् । द्रम्पेग्याय्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् स् र्यस्य यात्रव्यत् वर्षे । द्रम्प्य स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् । स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् । स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् । स्रित्यत् स्रित्यत् स्रित्यत् स् र्ज्यायः हे बर्जः विस्तु स्त्रात्त्रात्या स्त्रात्त्रा र्रियामार्जुः। त्रार्वेनामार्ड्यम्भागवरा यत्रीयारामा।विषाना द्रेर्यास्तर्भार्यद्रमार्यद्र्यास्त्रव्याता। रद्यास्य स्त्रेर्यद्र्यायायाः स्राह्य C41.49 क्षेत्राच्यावेषात्रयायात्रास्यस्यात्रात्रा स्ट्यास्यात्रात्रात्रा द्रद्रा 3son of beggar. रार-सा। १० व्याना तहस्य द्वीराखेर से संस्था से नवसा सामा स इरा। बर्मिराजेर्मिश्याकेल्याकेल्या (एड्सिम्योट्स्रेस्ट्राम्सारा) केला यल्याताता। त्रिराकेग्रेल्यात्यात्राक्ष्यात्रेस्त्रेन्द्र्यात्रेस्त्रेस्य न्ये अर्रास्य विवादा स्राया विवास में या में या विवास स्रिया में या में स्रिया में त्वात्वार्यायप्रथयता स्यायानस्य स्वान्यर्गा स्रीत्रं स्वान्यर्गा ख्याजीरायात्विदायांच्या यात्रिक्तदेत्रयतेत्वा जेख्यायाः क्षेर्स्य्यात्रं। विक्रम्ययायात्रं वते देवा। वर्षे वर्षम्यात्रं स्या सत्या र्दरक्षमण्यदेरबर्जा वहस्यिर्द्धकात्रवः स्ट्रा र्रा दर्भागमास्त्ररात्र्यं संदेश स्त्रात्र्रे स्त्रिक्षार्यं स्त्रात्रे मानियास्य वालातासाद्वीर मान्ता स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान संयु श्रि. यो संस्थार स्वास्त्र में स्वास्त्र 

क्का। १२स्टर-ररकार्यर स्तिनेका। दूसासिरेस्त्य र स्रोकात्य भवेंका। अयुर्रत्यर सेरिय के अस्तर्भ द्या म्हिन विकाद सम्भिति । केर्सि स्वार्भेगावाव्या स्वार्थ्यास्वित्रार्थ्ये स्वार्था स्वार्थिया स्वार्था इराव्या। रतप्रवृत्मिलर्सेयामान्या। यान्यस्यम्यत्येवः क्रिम्या र्द्धरान्द्रराष्ट्रीर्त्तरत्रमान्त्रमयुम्पर्दा अरारेतीत्ययुम्यान्त्रमान्त्रमा रा र्रेस्स्य कर्षे स्राधित क्रिस्य नास्ययः त्रथः क्षेत्रायः राषेना। दनारः कुः विनादरः तनारः भवेना। सद्तः सुरः इस्पर्यतिकारेक्षेत्रस्य म्यारम्स्यतिस्थियस्य। मार्थेनस्तिस्यतेतिस्यत अरसहरा श्रेर्व्वश्चारम्श्रान्यरा व्यक्तर्रात्रा मु भूमस्यास्यवानी तर्ने त्यम्याने । दरयानीये स्यति मृतदेत्वी नागयाः प्रमास्त्रेरमस्त्रिर्द्धरम् स्र्रेर्तिः स्रम्या रेषसम्बद्धरम् स्रम्या स्रम्या स्रम्या पर्वेरक्षितामानेगा र,यकाप्रेकार्चपुर्यायक्ष्र्रंत्रा रवापातास्त्रेक्षिरार्यार योगिना गार्नेकोसङ्गासम्यद्दा स्मान्ते अन्यङ्गायसम्यन्त्या चलप्रेर्देश्वित्रवायुर्वेश्वर्ताया भवता। रं बलक्षेत्रवेर र्योक्षायक्षेत्रा महास्त्रेया पद्यक्षित्रके यक्षिक विकास मिल्या के स्वाता विकास के स्वाता वि अस्राद्यत्थेरः बस्युमा ख्रीना बहेरा ना वेदा चार्या एक्.प्रियाना प्रमाक्षा यायना स्त्रेर्तिकाना स्वयाना स्त्रुम्हियात्रे स्त्रेर्रा राज्य र भ्रिया स्वाम्बर्द्रस्य स्वराद्धात्रायां स्वेदयाह्वान्य्रयात्रात्यां भ्रिया २०६) स्युक्तक्त्यरत्वेषार्क्षद्वस्य स्थात्रेया स्थात्रेयात्मास्यायाय्यात्रेयात्रेस्या स्वर्त्त्रेरात्र्रः क्रिकानोर्त्रहरूकाररा र्लायाहोस्याय्याय्यारायया योगस्ति करार्याय् क्रांगा मध्यावयञ्चित्रयाल्यराभ्यस्या म्रान्यम् रायर्भ्यस्यायाः व्रेरा इन्द्राम्यकार्वास्य भारव्यक्ति। स्ट्रिक्त स्ट्रिक्य साम्यकार्य स्ट्रिक्त सर्ए से सर्र में स्था के पार हे से स्थाया । के से स्था हु हु में में से हु हु स्थार में से हैं है। सर्द्रिक्ट्रिक्ट्रिक्ट्रिक्ट्रा स्वयायायात्राच्या स्यास्त्रे डिस्यंस्सेस्यक्त्रावहरमंड्रीत संभित्रं स्वक्तास्य स्ट्रिस्डर्। रेवक्ट्रीर्युयः र्वेयम्भाष्ट्रेता बलक्षकार्रेष्ठेर्व्यद्भावस्या क्षेत्रात्वात्र्येयस्य र्कुलर्वे प्रस्था १० वर्षि देन्द्रस्थर्वे स्थाने र्रेत्यारक्षेत्राभाष्य्यरसङ्गराष्ट्रस्य सम्बन्धस्य स्ट्रेस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य

र्यात्तरा सरसेरशेयत्रर्यस्यात्यत्यत्यत्यत्यत्यात्र्यात्या हर्ने हुः छ, अनेत्र्यः क्रियः स्रेयः स्रायात्रमाञ्चा द्यात्रेत्रः क्रियः स्रायाः वर्गत्रेत्रः क्रियं असी असी असी असी क्रियं के असी क्रियं तियं ति से असे त्ये दे असे त्ये दे असी 4 भ्राम् अत् । वर्ष्ट्रम् । र्राष्ट्रम् प्रमायम् अत्यान्य न्यान्य न्याय न्याय्य न्याय्य न्याय्य न्याय्य न्याय्य न्याय्य न्याय्य न्यायस्य न्याय्य प्याय्य न्याय्य प्याय्य प्याय्य प्याय्य प्याय्य प्याय्य प्याय्य प्याय्य प्याय नुरास्त्रेत्र्याररास्त्रेत्रोयरहरात्र्यास्यात्त्र्याः। र्ययाः इस्यास्या स्वर्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर्त्यस्य स्वर् सन्त्राराषु स्रात्तात् तहताते त्राराहे र व्येत्यारे स्रोता स्रात्ताय या स्र स्.सं.र्यान्ता स्रान्तिर्यः त्रान्त्रान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान् हैं.र्जुरेक्षक्षक्रेरं.रर्रे के.स्वेडक्षया.स्वेडक्रे.ड्रिक्षक्ष इ.स.यश्यास्यास्य स्त्रीरस्त्रायाः १३४.स.स.स्याः विस्याः १०४.१०१ स्यो। उर्,ल ४.कैर.त. इप्रजार रेक्टल के पारा १०४ । के बाद दे कि एक दे हैं। दर हो के बाद से अवस्ता स्याप्त्र स्याप्त्र स्याप्त २०७२.ज हिर्गुमुक्तर्रस्रा महर्त्या महर्त्या है महर् ने महर् ने महर्ति है महर्ति ने महर्ति । चल्यानुःस्र सर्दर्य उत्यन्ता वर्षाय सम्मान्य ता स्राप्त वर्षास्य स्र यभाग्निर्श्वीर रस्यार्थास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यस्यस्यास्यस्यस्यस्य याद्धर्यात्रात्त् स्रीरसरसरसरसरमायायात्रेयार स्याप्तरक्षेत्रात्रात्रे छ। इसर् स्वापार्ड्याला र्यासक्षेत्राच्या प्राच क्षेत्र वेषा त्रिकास तर्। सन्दर्भित्र क्षिया हो सम्बद्धित हो । द्राक्ष्य स्था स्था स्था स्था स्था स्था स लयान्त्र्यः वर्षायान्त्रया चर्रात्रः वर्षायान्त्रया चर्त्रः माण्यासम्बार्गा ए विरम्भास्य स्मार्थित सर्वास्य स्मार्थित सर्वास्य स्मार्थित ल्यु अवुत्तर् हुरा यो अत्याकृष्य अत्याकृष्य अत्याकृष्य अत्याकृष्य अत्याकृष्य अत्याकृष्य अत्याकृष्य अत्याकृष्य अ लर.सर्र.चुरम.इ.र.मर.स्.सर्र. ४र.सर्. १.५.च्.च.च.स्.सर्. क्रियारकार्त्य प्रमान व्यवस्था त्यारम् व्यवस्था त्यारम् व्यवस्था व्यवस्यवस्था व्यवस्था व्यवस्

का। । अरमे असे र अने समया सम्मा अवितः स्याया रातः यः यार्ट्यक्ट्रा अज्यसम्मर्क्ने केन्या स्मेन्यस्य स्मान्या क्षित्व क्षेत्रित स्विता सर्वा विस्त्रियो स्वित्त स्वत्त विवार्द्रस्य क्रिकेत्रा म्यस्याधिवयस्य स्यास्य से। इतायाधिवायरी द्युद्र दे उरा रेडे अस्तर ते ते ते स्ति हैं ती। अवार की स्तार विकाल देखें की के देवा की त्याक्षेत्रेत्र्यात्रक्ष्र्रात्र्यात्रात्र्या यात्रात्र्या यात्रात्र्या यात्र्याः रहलेक् का वह व्यद्र अर्के वह व दर्य के स्मृत्यू व द्वेर वा कर द्वाद कात्यया अध्यम्मत्यास्यात्ययस्यात्यात्रम् छन्देर्यम्यास्त्रहरात्रम्यास्तरा यात्रास्त्रस्य स्ट्रास्य स्ट्रास् लि पर्मा त्यातिक विद्यम् । वेकाव्यर विश्वास हिर वेर प्रेर प्राप्त । विकास ब्रिका वार्त्रेन तर्व वर्षा श्रदेशव्यायणस्य वर्षा तर्वेश एक वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा मलियावूकारीताचा क्रियाकी या राज्याताकी राज्या क्रियाची क्रायची क्रियाची क्रियची क्रियची क्रियची क्रियची क्रियची क्रियची क्रियची क्रियची क् रश्चार्यात्यात्यात्र्री कुला ज्ञानः वरास्यात्रात्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्यात्रात्यात् स्यान्त्रे स्वास्त्रा हिर्श्ये स्वास्त्रात् स्रेरे स्वर्धिय स्रेट्स साम्येय वृद्ध मारित हो निया ने स्वार हो स्वार स्वार के.महिरासहिवा क्या नेतीरेयर स्ति वार्रक्र स्मित्रा क्या सेरिस्स म्सिअक्ष मार्ग्यातिया। रदाबालवा के स्रा-क्षेत्र स्राचिता। महित माज्यातास्यात्रात्तात्त्रमिह्द्रा सार्रास्याप्रसान्यान्यान्। स्टाराक्राः स्रुत्यतास्य अन्तर्रा इत्रार्क्स्याप्याया स्रुवास्यक्रीसीविगार्थ्य स्यस्यात्र्रस्य स्वेद्रायेश्वेत्रः। नदो राद्रके नास्यद्रिस्योत्रेन दर्ष्ट्रद्रावेस लालुक्षा लाकामध्यर्यभ्यत्यर्थर्थर्थः। यावय्यक्षेत्रस्याम् व्यव्यास्य इत्यर्कर ब्रेर्च केला हरा अं क्रांच्य न सम्बद्धा नाववया

मूक्तर्देशकायर मुद्रा म्यूबिमा स्ट्रिया स्ट्रिया मिद्रामात. ग्रेय plant न या मान्या स्थार स्थार त्या प्राप्त के मान स्था । स्था स्था । स्था स्था । स्था स्था । स्था स्था । एर्डे.बॅ.१ , जुरासे स.ज.ट्रेंजेंन. पर्डेंब.१ सेयास.मधि.ययेयात्या सेयास. स्यार्। स्राप्त विक्तार्यात्यात्येय स्था वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत् 20191 वर्षेत्री स्राम्यावसर् जाकाता महेबा कर स्रोत्री सर्वे स्राम्या स्रिका ताका ता - योजना प्यास्ता व्याप्तायावस्यारेतदायात्रा बेनावरक्तारेते. 3,93 न्स्रायान्त्र। न्यान्त्रत्यत्यत्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यः । क्षान्स्यन्त्रस्य त्याष्यप्दः। यनायो स्रयोरे व्येव र मार झे वे त्याय रहा व्यवाय विसे वो स्तार से र त्याय मिता इ.रं.स्क्रिंग.क.पंथान्ये.रं.रं.रं.रं.क.रंथ्यं.क.रंथात.क.रंथात.क.रं.रं चल्यास्य पर्यास्य स्थिता होते. हो भिन्न द्वार्य स्थान त्यःस्त्रस्यः। स्वाःयह्यः त्यःस्त्रस्यःस्त्रासःस्र्रः। स्क्रास्त्रास्यस्यः वर्षा यानामक करके रावेश देनाया सेरा विदेश सार्य या ये वर्ष दें ये लर्ज्यस्यायुगसायायराहेरसा विख्यस्यारी आरी ध्यास्त्रीराया धारी नीरास्त्रेर्स्ति योस्टातियात्राह्येते स्टात्रित्त्र्यं स्ट्रिंद्रे द्विरक्, स्म्मास्यरस्यार्। जस्यस्रत्रस्य राज्यस्य यले. क्षेत्र्या यक्षेत्रस्त्रीया त्रे साये प्रवादेश होत् प्रतिया सार्वेद क्रमाप्यम् । नेर्ष्येर्यम् नम्ने नियाता र्प्याङ्ग्यावम् यान्त्रता रे.म्यायाद्यारारारायाव्यायान्त्री। द्वारास्यामान्याद्वार्म्याः あってきている युस्याद्या स्रीयास्य स्थाद्याम्यायिता स्यायाद्या स्थायाद्या स् 5年 स्यानस्यान्। स्राह्मात्यान्यामान्त्रात्यक्षा। क्रुमाययथास्त्रद्वासः के असी असे ता में से साम असे असे साम से साम are, भूत्रात्वे नारक्षेत्रका रेवकारक्षेत्रका स्थाप्तरक्षेत्रका स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप १ महत्त्व नारक्षेत्रका प्रतिस्था स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप सुक्तित्व हु दे स्था की त्या प्राप्त के स्था कर स्था के स्था कर स्था के यह RECY) संमिर्द्वार्थित। देन देशस्त्रित्यादुन वास्ति।त्रुसारस्याम्बर्धाद्वीयः दे। इस्त्रवया श्री श्री ज्यार्था अस्ति त्यार्ग्यस्य श्रीकार्

७७१। विद्योतकार देने रेक् रुखरा बर्झ्यात् वास्वास विविधि उसकी सदस्यसंस्य रेक्ट्रेस्सेस्सिस्य देस्स्ट्रिस्य वेस्स्ट्रिस्य विस्तानिय स्व्याख्याचे वर्गार्यम् स्वाचित्राच्याख्या कर्राख्याक्रा कर्राख्याक्रेयाच्याक्रिया भाक्षेत्रदुर्द्धःस्यामाररक्षेत्रया। देर्द्देन्द्ररायास्यावेर्द्ध्यरक्ष्येर्द् स्यक्ष्याः। द्यमास्यस्यद्यस्यद्यस्यद्री देन्त्रम्यस्य स्वर्तास्य । ज्यक्षक्रम्भर्द्रा इक्षमाञ्चमास्र्रेयस्यस्यात्। इस्तिस्याद्येर्र्र्य्वरूप प्तरम्यान्यम्यः सर्वरत्ता किंद्रदरः स्ट्रांच्येत्रसं स्ट्रांच्याः स्ट्रांच्याः स्ट्रांच्याः स्ट्रांवर्थाः गर्रिकायाध्येता तक्नेत्रदेशतन्त्राक्त्यार्ट्यायाध्येता विकास्याद्यायाध्याद्यार्थात्याद्यार्थात्याद्यार्थात्या र्या किर्मालयायरेस्र्मायायिका स्यान्त्रेयात्र्रात्रात्रात्रेता स्याति स्राम्यादेश वाद्यां स्रवीति श्रेष्यात् वाद्यात् वाद्यात्यात् वाद्यात् वाद्यात् वाद्यात् वाद्यात् वाद्यात स्रास्त्रेरा रयदारस्यादरिक्षेक्रेनेत्यस्यात्रीया इर्यदान्यस्यास्या हिरामायाः हिर्मित्राम् क्षेत्राचित्र राजिता। देखेन सम्मस्य सर्वे त्ये माना स्वर् दर्भेन fathom. क्षालयाताल्य्यायाल्य्यायात्राप्या तड्यात्र्यायात्रायात्रायाः या स्यारीक्षक्षा त्यावकार्तिक कावेदारो लेट्रा हेर्स्य स्वकार्य स्वितिक वित्र या अल्प्रदर्भराज्याताल्याम्यात्यात्यात्यात्रात्राम्याम्या लख्यं म्यास्क्रिया द्येत्या द्येत्या स्वयं या स्वयं かんとというないないが、かいとうにきかったさいないない」はたか、当社… रस्यार्ज्यास्त्रीयन्त्रपुर्या "क्षार्यन्त्रपुर्वास्त्रेत्राम्यान्त्रस्यान् । यहस्यन्त्रस्यान् । १ श्रुद्वाम्या स्रायास्त्रेस्तान् वत्यान्त्रान्त्रात्त्रास्त्रेस्ता वस्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् रत्त्रिके स्मार्थिक स्मार् र्रेजी एकेककड़रा रुक्तर्दिर्भेर्स्य कार्ने जारेटरा सुरर्ग्य खर्ष चर्त्रादर्यक्त यद्यदेक्तालयात्रयक्त्रात्र्यक्तात्र्यक्त्रि लम्। सम्वयात्रास्यात्रक्षरात्या वेषात्रम्त्रियात्रस्य स्थित्यात्रस् स्यासारात्रीर्ट्ने न्रांत्रेयवास्त्रीत्यात्र्यात्त्रे स्वात्र्यात्रे स्वात्रात्र्याः व्यापात्रे स्वात्रात्रे स्व लर यहर या भारत है। ता न रहर पुर वार बेर वह मा यह मा वह सिर होर हो र तर हो। छ्येस्त्रेस्त्रेक्षी छी ह्याकात्मकात्मकाराक्ष्या अपारात्मात्मात्मेर्द्रा द (रावणावता संस्थाता संस्थाता स्थाप संस्थाता स्थाप संस्थाता स्थाप संस्थाता स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप रिकर्षेत्रमञ्चर्यराण्या। स्यानमाध्याचरा अस्यर्केता राजाती स्थान

2000

क्षेत्रामाःस्त्रया। यातरीयारीयात्रान्या श्रीतास्त्रस्ति वालयानुरारेता। रेरटरे द्रेस्याप्यास्य याचमार्डेर्स्युक्तस्य हिरसेयां यव्यक्ति स्थापित्र गुर्भाद्र विगवेनास्त्र त्रेत्र प्रेरा स्ट्रिंस नत्र्र देन में मासे प्रेरा हराख्या " वेश प्रस्तार से या सूर्या। साम्यास्या री स्थाप्ता स्थापता स्था स्यत्यारम्यायायायायायायाता यरेत्रम्ययावतायायायाया हर्रात्रात्ररात्रात्र्यात्रात्र्यात्रेत्रात्रात्रात्रात्रेत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रेत्रात्रात्रात्र अक्षित्री, सामार् सेर्नेर्या सुर्ग स्थापिया प्रवास से क्षेत्र रासा सुर्ग से वारा सामा सामा सामा सामा सामा सामा कार्रेश देंगी स्त्रम् । वेश के स्वर्त्तस्य विद्यात्रिक्तस्य ने स्वर्तात्रस्य रसराया गरमा गरमा स्वास्य से राष्ट्रिय गर्म १०५५ । व्यास्य मिलीस् भवत्यस्य इतारायाञ्चरम् द्वाराचित्रायाच्याराचित्रस्य केराराख्याच्चेत्रावित्रस्यम् केर अंग जो रयराज्य प्राया स्वरं के स्त्रीत के स्वरं के स्व यद्भा भूगकर्रेषुः पर्वेतात् हुर्कायस्या बुदा कुरावा हुरावर्षेस् स्राप्ता स्थिता प्रद्यासियू यात्यातास्याताः पर्याः द्रा स्थात्यः लर् सार्वात्यः याद्रमात्रः। रेन्स्यान्त्र्रान्त्र्यम्यम्याव्ययम्। ब्राह्मेःव्ययन्त्रेभवतःतह्न्यान्ता निर्देशः ब्रेतित्र्वाष्ट्रराया। त्यायोतीयोठीमधीयर्देररा। यरायोवानयायेरायेरपते। बालगाराम्रोरोतरसम्भागा स्वरस्यालमययस्यारस्या तस्रास्रोरस्रोर् रकेरावगराया। रसराच्यालमयावहेत्यारेन्स्रा रस्खेतेत्रार् स्क्रूरावेर याया। बार्र्यास्य स्त्रेया त्या रायाया स्त्राय त्या स्त्रित्य स्त्राया स्त्रित्य स्त्राया स्त्राया स्त्राया स् यान्ति होत्त्रेत्ति होता होता स्थान स्मार्थिक स्मार्था अस्ट्रिस्याम् स्रुप्तास्याम् स्रुप्तास्या ष ज्यातासी राधि सामान्य देन । के में बर्दे नात्या संयोगाया। स्मेने देन ने देन मर्मान्तुःसः। मुर्द्रम्यस्य गयन्त्रेनान्त्रम् म्यान्त्रम् संस्थित्। वर्गा वसेन्यूवरीक्षयमारी खेर्वहेयर मरापिमात्त्रेय। मुस्केर् इयम्तेक्ष्याद्वाका नक्ष्या विराद्यादेक्षा वर्षात्रमान्यान्यात्याव रमञ्चरित वहिंसमर्तिनंदतेन्यरम् इंडिया रहत्यम्यरतान्वीसालेखोदन

त्रद्रा योगासेवामान्य यारस्रक्षकाताताता। क्राम्कान्यस्य विश्वाताताता स्थाने मुद्राक्तर मञ्ज्यान्त्र्यान्त्र्यात्ता ति.प्रत्याद्रत्यं भार्याव्याद्र्यात्यात्यात्रात्र्या देत्यानावस्वतेजन्मतस्यायस्क्रीया रे सिस्ने नेद्र्यास्त्रत्यस्याद्वार्यन्या रेस्ट्रेर-२ष्णर्वा ्रेसद्भर्यद्याद्याः। विकारर्त्त्रान्तर्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः व यद्रयास्त्रप्रदेशकास्त्ररा यस्ट्स्यलेसिल्येद्रयाकास्त्ररी स्ट्रेसेयात्रेर पहेरात यास्त्रीं । वर्षेत्र क्रिया एकाम्बकात्म्यात्म् अक्षेत्राद्रत्यस्य देन्त्रा वर्षस्य देन्त्यात्यर् स्त्रिर्म्यक्षर्थः क्षित्रेर्द्धर्म्यक्षर्थः व्यक्ष्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्षः व्यवक्ष्यः व्यक्षः व्यवक्ष्यः व्यवक्षयः व्यवक्षयः विद्यव्यवक्षयः विद्यविद्यः विद्यविद्य रस्यक्तिम्यायास्य स्ट्रियस्य स्यायायायास्य । विर्यन्त्य स्यायास्य स्याया स्थात्मरक्षेत्रद्यां नगर्द्धराकेराकेता इत्यात्रिया सम्यात्मात्म्य द्वितास्यात्मेर ४० वर्षाया র্ষার্ক্তিশ্বস্টেইশ্র্রীশবাপর্নারীশ্রীশারের শিক্তাশ্রের শ্রীক্রী ন্যান্ডের শ্রী मलयसर्वे यामतरायर्भ में से मान्या स्वामाने तर्रा में यो स्वार्यर १ वर्षे क्षिया यंत्रियंत्रियात्तात्रात्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्य स्तुकुर्भक्षित्र मानुद्देर् र विर्त्य अस्त्रिया के दूर र ते विष्युत्र प्रतियात्र स्थाने स्थान सील्याकतिरेश्वसायेक्षा रेन्यस्पूर्रात्राक्षेत्रत्यायावस्पतिस्याः नेत्रा क्रमा अर्थिर श्राप्तरे स्वाद्मार तर्या स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ ख्रुंस्वीयहें हैं। क्षां का का राहिता में रेरा अपाया के ता त्यं रेरा ष्ट्राध्यसम्ब्रेन्स्यम्यान्तेरमस्यास्यस्यवितः वरस्यव्यापरस्त्रे यः वेरस्यवितः। र्मर्सम्बित्यकेत्राक्त्यक्ति। स्टालगाचेत्रेस्यर्त्यम्बत्याहेव। समारः यतिकासेरीन्नरकार्टिका नापन्नरिक्ते स्वास्तानातुन्यरिका हारेक्ष्णयार्द्धार्यक्ष्यं याद्धार्थार्थ्यार्थाया क्रायां क्रायां क्रायां क्रायां क्रायां विवास क्रियंदा राद्रायस्याप्रवाता के योक्त्यकी वास्तवा आयोती मुस्योर म्यास्त्री सिवस्यर्थायत्रतेस्यास्तरः। त्यावारस्यम्भेत्यास्तरः। स्त्रम् अस्य व्यक्तम् मान्यस्य देशे व उवे वर्षाल प्रवर्गात है। है। त्या त्या में मान त्या भाषा या त्या

110 र्गाम्प्राप्ते स्वर्तः त्यादराहरू। वित्यवास्तर्का केरार्यराहरू। स्राप्ते वार्यार केराप्तेरायाला नरतर्भ असंदितराकी नायेरा त्याराष्ट्र । अवस्थेरावराकी रायेरायेका अदिती मित्र dal! वर मी येर वर प्रेम प्रेम के राम में वर मो में मा में ता प्रेम प्रमान के मा निकार के प्रमान के प्रमान मामामिक्टिया मान्या like as the open shape वरर् वर्षेत्र तर्र तर्र तर्र देरे देश का वाका ख्रामा तो व्यवस्था व र्यतः त्रार्याववः स्यार वे बीरा अवा ता ने वत्रे वार ने स्वी अविर इक्षार्भेयरावरंत्रात्रंत्रा एकात्यात्र्याते व्याप्तात्रात्री मक्षेत्रावयात्रे 27314 3 METERS स्यंतिकेर्न्द्राचेरा विकातार्थकातितेष्ठ्रात्रेश अर्द्ये विका 36次 // क्रेर्या. ब्रेस्। यालसा. याच्या. सर्था यास्त्रातरी व सम्मारक्ष्रियासिते। व 14部刊 यवतः वेरा नार्यस्यावयासरे हेनार्यस्वेस्ताररे करमाविष्टेस्रारविष S से विका Black स्रेर्नेरा त्रेम्यार्येष्यार्थेर्याय्येर्येयाय्येर्याय्याय्येर्याय्याय्येया bambor. देशास मध्य ति है में द्या वरी द्यम क्ष र माना से त्यम हेरा के ध्वे 6 वर् त्याययावर्त्ररेष्ट्ररेयेता भ्रेरावेयात्ररतर्त्रोधयात्ययेत श्र १८ १९ १९ व्या मित्र त्रिया स्ट्री रेज्या के स्ट्रास्त्र स्ट्रीय स्वाय स्ट्री स्वाय स्वर्ण स्ट्री स्वर्ण स् स्रेरा अर्थनासार्थनास्र्रेत्रास्र्रेत्रास्यक्षा ज्यासर्वेत्र्रास्य्रेत्रास् असस्यक्षा हरात्रेय उठरा सत्यत्रत्रात्राहरेता असस्येर यायान्त्री। दरायते हिर्मित्याया हरार्या स्थारा साधिम रया न्येत इ. ब्रेन्। केला स्ट्रियात व्यात व्यात व्याप प्रत्येत व्याप प्राचित व्याप प्रत्येत व्याप प्रत्येत व्याप व्याप व केश्री वासि स्वयम्भ्यत्रत्याय्ययस्य स्वर्गा र्यायात्रस्य प्रमानेश्वर्त्त्रम् स्वर्णास् याल्यं दर्वे याः स्रेयः स्रियः त्याः विस्त्रात् दर्वे दर्वे दर्वे यात्रात् स्त्रात् विस्त्रात् विस्त्रात् विस् याल्यान्त्रुवास्य दत्त्वा अत्यासं तत्त्व्यवः होदः वास्येदः वान्येवास्याता वित्यसं ददः सद्याद्रमार्नामान्त्रेरा। द्रमानामान्य्रेयान्यान्यम् म्यादान्यान्यः चुत्रातहस्राता। चुत्रात्रातकात्रात्र्यात्राह्मरेन्द्रम्यात्राह्मरेन स्ट्रियंत्रस्यराद्रमरः सःरम्भा रेत्रः तरः क्रीयः म्यायः र्वायः स्रेर्। र्यतः तर्रायः वर्षः इंदर्शन्ता नर्तरहेषाययाहिबाधित हेराता क्षेत्रक्रियायावस्यतीः ग्रीमायाक्त्या मेंत्राया व्यवता दसवातमाता में मेंद्रात्मेत्र सर्वाता स्वीत तकातः में वेस्त्रतः मुस्तियाः व्यवेश व्यवाखेषायाः या यतः में व्यव्याचा विवादाः

220

बन्। । १४६४वापराक्षीतिस्यायाः संभावताः विकायदेवायदेवायदेवा स्यात्मित्रतात्मेवात्मेराक्षेत्रक्षेत्रम् तहास्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र (मर इस्तार्थक्षे राष्ट्रियमा। श्रियर्स्य स्थारस्य स्थारस्य स्थारम्य तास्य स्थारम्य त्वार्थित्रूर्। अवेतात्रसायान्धेयाम्बद्धरा रात्र्ररेयाम्बराक्षेत्ररायते। पर्यास्त्रीत्रेत्र्यात्यसारात्त्वया स्र्रित्रहेयास्राह्यात्रस्यात् द्यतः यद्रव्यक्रद्रके से से सेर्यायात्य देरमायो त्या क्रिसे न वसायाः स्रदर्भ स्रोत्रे स्रम्भे स्रम् रेन्द्रीय वाकारेयर वेकार्केट्रा द्यार केट्रिक न स्वार्क दक्ष क्षेत्र स्वार श्रीतात्रात्राप्तराश्रीतात्राच्या रेत्याचावात्त्रयात्रात्र्यात्रात्रे कालकासम्बद्धाः हिना हिन्द्रद्वाक्षेत्रम्याना सर्देश्यानाः नाद्वाः स्रित्यरा स्वायुत्राकेत एकात्रवाक्षरा हिन्यर्त्ररद्वेदवास्यर्त्रात्या स्यून्त्रेत्रक्ष्यात्यात्यात्या द्वेत्रक्षायात्र्येत्रक्ष्यात्येत्रक्ष्याः व्यून्त्याः व्यून्त्याः व्यून्त्याः चित्रक्षयाः व्यून्त्रक्ष्यात्यायाः व्यून्त्यायाः व्यून्त्यायाः व्यून्त्यायाः व्यून्त्याः व्यून्त्याः व्यून्त्य मिर्वादम्। वरद्मं वर्गायस्य सेर्वेगस्यो। सीत्यार्रत्वेर्ष्यं सेर्वेसर्रत्वेर्ष्यं यार्था श्रिक्तं संस्थानित होता प्रास्था हेया वया प्रित्त होता इक्ट्रिस्ट्रियार्ट्यार प्रत्यार के त्रे प्रत्येता व्यास्त्र के त्रे के त्रे के त्रे के त्रे के त्रे के त्रे के ल्युक्त्रियादमान्त्रः द्राल्यान्त्रेत्रसङ्ग्रात्मा तहवास्राद्याण्यात्रात्रः तर्वाको नेपा देवदेरेजनमञ्जेवारे रेम क्राया द्वाया विवास प्राप्ता भिरा देर्दरक्षेक्षक्षक्षक्षक्षक्ष्यद्वरक्षक्षद्वर अस्ति स्वयं क्षेत्रक्षक्षक्षक्षक्षक्षक्ष विद्यानिया ग्रद्रमाणेखयते। नाबरसेनासेरेनोर्गोचर्नास्त्रासेरेनोर्गोचर्ना न्यस्ति स्ति के वेश्वरस्य त्या स्याप्ति स्याप्ति स्थार स्रियम् त्ये त्या यरा भिक्षाहरा यक्तर राज्या रव्ये रेज्य वित्र स्मेर विराधिरा क्रियों के वर्षेत्रस्वहत्रहर्णर्। वात्रमञ्जूरः मस्ति ठाः श्रेत्रयः काञ्चे वारः पर्। यः ह्याः सर् सर्वार्विकरलूर्। क्रेंद्रपरस्थिकान्य प्रवर्षियात्र यात्रियात्र स्त्रिया रभर यासीयाता। याण्यात्रे प्रमाय प्रयोग प्राचीयात्रे स्था है। स्था है। स्था है। म्याध्यायद्वर्त्यायस्य । विस्तायद्यारेत्ययदेवयायदेव यायादेव स्यान्त्रिया को वि र व्यव मार्थिय स्थाने स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स यास्ट्र अश्मालक्ष्र का.स.ट्र क्रिक्टल्या क्रेसेट्र स्था सम्दर्भ स्था इरा छिरासादर्यालालास्येवरीयात्तात्त्रे स्वान्त्रेत्यार्यात्रात्तात्ता स्मान्त्र हि. यह मार्थ्या व्याहिता। दे तह दे सार समार्था विषया। लयान्त्रं स्था न्यं क्षेत्रं में स्थार् द्रेम हे समारद्रेस हिया लम्बुर्ग हिर्म्यकानम्बर्भाताम्ता स्रेन्द्रिक्षास्य कार्यन्त्र

792 वयमन्त्रमात्यात्रेद्रायात्रेदा धार्यदा धार्यव्यामात्रात्रम् । इत्याम् स्ति [설시] The second र्। अस्य र्रेट्रस्य स्थापना गर्म्यस्थाया स्थापना याने माले यती खेरावा को मुख्यामा वार्त्या सम्मानेवा सामाने मामाने । सम ८.मे.स.इ.म.सेय.दुर्शिताल्त्री यरास्यत्यस्यात्रीयत्यात्रास्यात्रीत्रात्यात् चत्रमास्यात्राहरूते। संस्ट्रान्यात्राहरूते स्वस्ट्रेयात्राहरूते। सस्यात्राहरूते। रयरास्यात्राहरूते लेका क्रेट्रेट्राचा । एवंद्रित्या क्रांत्राच्या क्रांत्राचा क्रांत्राच क्रांत्राचा क्रांत्राच क्र एक्त क्रियाच्याचन्द्रस्याक्ष्रियास्त्रेत्रात् व्ययव्तास्त्रेत्रात्यात्त्रात् बुरक्ताकुर्तायायाताकुरमार्युर्ग यस्त्रायायायर्र्ग्यायायात्राया स्त्रम् भीरक्षरम् राज्यस्य स्त्रीता । त्रात्यस्य स्त्रीता स्त्रीता स्त्रीता हुन-नामकुप्रताप्रह्माम्बर्गन्युर्गन्येता स्वावस्यान्त्रात्यास्यान्त्रात्यास्या र्भारक्षा स्वायाम्य स्वरायते सोदरक्षात्रक्षेत् स्वर्त्ते अर्म्स्य स्वर्त्ते । विदः 大きるとかがいい、あれてはちははいいっちゃんがっちょうだっていてい म्यायदे हो देहद्यम्या में स्थान के स्वादार तयदाय होता वे म्याप्य स्वि यर र में मिल्टर कर्षाता। स्ट्रान्स अप करायान में ता र सरास्त्री हैं जरेर वही म्बरायम् स्य स्याज्यात् त्यापराज्या ज्रात्या ज्रात्या जाताः साम्याच्यायस्य स्वर्गा व्यापायः यान्येयाद्वराह्नेस्रेस्रेस्रिया द्वाराह्नेस्याराह्नेस्याराह्नेस्यार्थेया य्रोताए हेंदाराम्या ग्रेस स्वाद्धरा असूर्य याता छए यसमाया स्वीद्धर यदेव देवा यति यह या देवा अदेश नः मृत्र हो अवे स्वीपेया सित्र कुर्दे वा या सामा है वाया यह श्चेर्टराचारा तस्रराह्मकायरार्काराकेमका ग्रिमान्यासे कार्कर स्रोता क्वाबार्यंत मुर्मर्म्मत्येष्ठेर्रा द्वा इरह्या यह महिमार्थिक विष् ये.से.स्री इ.स.च १०स.स.से.स.स्रेल्यू संस्था स्री साहित हो। लुकुन्य के इत्यादर्श्व में मालया मी दें हो माला सर्वे अप्रेमी ने में श्री स्थापित हो है त्ताराद्रता हैं.लर् के मृष्यं यथत् अत्यर्ध्यात्राच्या हैरस्य स्थापे संदर्भ वरात्या। वरासित्यर्थाः कारा संवेता व्यवस्यात्येत्या वर्षाः

नर्पिता सरस्य हिन्दा होस्या न्या सित्र हिन्दा र र स्थान हो प्यर तिस्य स्था प्रति

सारदेशरेकारेकाविकामा उद्धान्नास्तिते हैं देन क्रेंद्रस्य देना क्रेंद्रस्य देना

न्। इत्राद्यद्वतेता यंत्रसुर्या द्यत्युरस्येत्त्राय्युः इत्रावसुर्द्

क्रा म्यायायातासम् यात्रस्यात्रा माम्यह्माजात्रात्रात्रात्रात्रात्रा तया अभेतिरेक्ष्यक्षकारमा उत्तरमेरेकातत्वर्षकामस्वाया सुक्षे स्ट्रम्ड्रस्यूर्। सम्प्रम्यद्यात्रेर्चराचरेचार्यर्गा रमन्द्रमार्थे प्रेश्वर् तहत्रम्भिक्षात्रा हर्द्रत्त्र्यायस्यक्षायाधिका यसमार्यस्यर्ग्यर्थि श्रीतरदा विस्तरसाद्धयाम्याद्धरारा महित्यप्रेमायासारात्रारा हेन्द्रात्रात्रात्रा केथायात्रात्रात्रात्रात्रात्रा सुन्यता संद्रलद्यल्दिल्द्रस्यसंद्रत द्रवेद्वेद्रयस्य स्ट्रित्य रेंद्रसार्भेत्रदरन्त्रम्येक्वलन्ता उत्त्रम्लाहर्त्ते त्रुरक्ताता वार्ष्या 4 hidd 4 स्रेर्मिन्नेर्रहत्व्र्र्म्स्रा खेयवय्यस्यक्रित्या क्रेस्सेर्च्या ब्रेन्ड्यास्त्र व्याप्त स्थान्य स्थान सरद्भवास्त्रस्त्रेवादस्तर्तरद्वयःद्वः त्यर्रहेषातिरत्यः तस्तर्म् क्रुता क्या मेराबालार्राज्यस्य इरानमान्यस्योक्तान् री इस्पर्यस्यम्भवित वर्षान्यस्य ल्येनस्त्राच्या स्त्रात्वस्त्राक्षेत्रावस्त्रास्त्रात्त्रात्ताः स्तरम् र्नेत्रम् तक्ष्रम् रख्यम् अयम्भी नामम् स्रोत्स स्रम् स्रम् च रत सर्हेत्स्मेर्ययायायायार रेरा हेर्यरेयेत्रियमेर्द्याते वर्ष ह Bran दे। तद्यांक्र र स्वाके अर स्ट्रेंट स्वादेश तहत्त्रे से लिया स्वाद स्वाद र ११६ वर माध्येत्राचित्रात्त्रात् देविन्ता देवान्त्रत्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र ष्ट्रेस्ट्रीट्टी अपूर्ट्स्ट्रियासरेग्रास्त्राचेत् गत्रम्यदेशस्यातमान्त्रात्रात्रात्रात्रात्रा मिर्नु के किता के रेट रेट हो। अके सरकार सम्मिता के मिर्ने से कार नरे र रे के सकते " मह में हिंगालक्कुर्योत्। त्रतिरस्वति में स्रिया क्रिक्य स्थारम् में रहे । रेक्ट्क्रायकार्व्हें मानेब्ट्री कहें मानेट्रिट्य सेट्रिट्य संबेहित्य संबेहित कर्मा स्थापना स्यान्यक्षत्र्यात्त्र्याः व्याप्तात्यात्र्याः स्थित्। द्रास्याः स्थित्। व्याप्ताः स्थित्। व्याप्ताः स्थित्। व्याप्ताः स्थित्। व्याप्ताः स्थितः व्यापाः स्थितः व्यापाः स्थितः व्यापाः व्यापाः स्थितः व्यापाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्या द्वीत्राहरा संहैत्यावयाक्ष्याया श्रीत्रावयात्रीयात्राहरा हरा। र्यान्यति वर्षा वर्षेत्राचित्र क्रियान्ति द्रायते वर्षेत्र त्रेया वर्षेत्र द्राया वर्षा हिंच्यं वाया राष्ट्री स्वार्या स्ट्रे यामे राया स्कार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या प्रत्येत्र व्यत्रे स्वर्णा क्रिया क्रिया विष्येत्र । त्यात्र स्वर्णा व्यत्येत्र । इस्र स्टेंहियाक्रेयाचेर्या रेस्येयमहत्त्ररेय्यास्यास्यरेष व्यवसार न्यसम्बद्धिरीया देत्रयार्वेत्रद्रस्यम्योत्रयम्या न्यसेराह्येत्रस्य वस्याध्यम्या क्रम्हेक्रयास्यादक्ष्येते। यस्यिक्ष्यस्तिहरः क्रेयस्या सर्मसारीतर्चभार् जीता द्वाराय मित्रारीत क्षेत्रारी द्वार्य रामित्रारीत क्षेत्रारी द्वार्य रामित्रारे के

सरती वर्षेत्रात कार्यास्यात्र द्वाय्या हिरायते स्वायिकारी स्वार् अ केटबा सन्त्रप्रत्यम् स्त्रितः स्त्राच्याः स्ट्रिस्ताः स्ट्रिस्ताः स्ट्रिस्ताः ्रिम्करा स्ट्रिक्टिंग डेर्क्निक्ट्रमा स्ट्रिक्निक्ट्रमान्य स्ट्रमान्य स्ट्रिक्निक्ट्रमान्य स्ट्रिक्निक् हरहरा नर्यः न्याकेर्यं याद्ययात्रेरः खेकामहर्ययात्र्यः खेका मुम्द्रमाण्य स्त्रेस्त्रस्य हेता स्वर्धा मारामा वया स्त्राम्या स्वर्धा स्वर्धात्य स्वर्धात्य स्वर् できますがみであれていない。当れまれたかいないできたい、 あいたくかないのの रूपार्श्वराच्या अवस्थास्त्रराहराजीत्यामास्ता स्राहरम्बर्धायामास्या प्रतिप्रयाने वर्षेत्राच्या अस्त्रेत्राच्या अस्त्रेत्र्येत्र्येत्र्येत्राच्या लेंग्रिक्ट्रेस्ट्रेस्स्रित्रं वर्म्याप्य वर्म्याप्यतित्यात्रं स्थाप्यस्र्रेस्याधित्रं धरा हैरासेंगायले.होर्यवातास्था र्यक्ते इर्यपद्वित्वक्तें स्था स । उत्तर्वतुः नक्षरः नक्षरः नक्षरः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे कष्ट स्यान्त्रस्य अभवेषास्रक्षेत्रस्य व्यक्तर्ताः व्यक्तर्त्ताः स्वित्रस्य स्वास्त्रस्य तर्ष्युयान कावत्रास्यस्य स्ट्रिस्य केल्लाक्षेरत्र्यक्ष्या हेस्य केरिस्य करि में न्या सदार तका में रांचरी में न्या। मंत्रेयाम के तिरहित के रूपमा न्यत्म्यतम् वर्ष्यास्त्रे यावस्यक्षर् न्यान्यक्षर् म्यान्त्रे त्यान्त्रे रलम्भयः में रा द्रमण्याम् हेयाम्यराष्ट्ररायसम्बद्धाः तर्यायस्य दक्षेत्र। स्त्रेलास्यानमञ्जूनमञ्जूरा श्रुरेयातीर्यरम् तर्यासी तर्यः यहर्त्रस्य द्वरहरू तथे। तहस्य स्त्रीरेवस्य द्वरास्त्रे सी वेराय प्रमुक्ष म्लयाक्षास्त्रं रा मृत्रावम्याम्यस्यते हेत्र्यास्याक्षास्यास्यास्य क्षेत्रक्षात्ता लिस्त्रेयकेष्ट्री लिखानात्त्रकार्यक्षात्रक्षात्राक्षात्त्रकारा प्रात्म १, व्यामक्षा त्यारक्त्रित सर्म्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य त्या स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य क्षारे में प्यत्र या दर्श अमेर सोरा द्यत वचट <del>या रेश</del>का ० मारा द्या रखें द्रा इर्ट्याक्रेय अक्षर्मेत्र्र वसमारमम् १० सायाक्षेक्षक्षेत्र स्त्रिम् ल्यसारदर्भ स्याया सम्म्ये के क्याया। क्रीमें क्या क्री महिरासियाया या त्रसम्भत्यत्रे त्रीयात्रम् त्रात् त्रात् त्रात् त्रात्रात्रम् सुयायिया गाम्याकरायाला है। देरा क्रियायार्य प्रयास्त्रायाया स्वास्त्र सा ब्यायान्त्रवरात्रयाम्यायातारे। द्यक्तियाणेकात्तार्ट्यारात्यान श्रिक्वान रिग्र सेयाना । त्यार प्रेच किया स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप से विवाप से विवास से द्वार से द्वार से द्वार से द्वार से द्वार से द्वार से विवास स

115

राज्या । मिरायतीयकाः में तर्भा वरायुकाम्येरायती स्रार्थरात्वरात्वरा का व्यक्षायम्यायाः व्यक्ति। ब्रिक्यम्याद्यात्रमाययायाच्या क्रवात्यात्वेत्त कुन्यरात्त्र्या हिर्याराष्ट्रमञ्चारात्त्या यात्रास्त्रम् स्थात्त्रेर त्तात्रभवतःत्या रेक्ट्रेन्यास्त्रीक्षित्या है।वेर्याक्ष्या वयस अधुक्तिमान्त्रा मान्याता मान्याता मान्याता मान्या मान्या देवाता है। नद्र। क्रिरंदरक्ष्यं मधुक्यं ययका ए। स्त्रेन्। क्षा अक्षाक्रित्मी अवका क्षर्यं वर्ष स्वयम्भूकिष्ण्याः। यस्यायम्भूराः द्वास्याः म्या याम्या त्यास्त्रेत्रकार्यः द्वार्यः द्वार्यः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स् इत्राद्धरात्म्यः स्त्रायः स्त्रायः द्वार्यः द्वार्यः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स् स्थलारीक्यार्केम् स्थित्यार्थित्। य्यम् इत्यार्थिति में मुक्कियारिया। ययारीक्यायक्षेत्र १ थे द्रिया यहेग्रा योग्यताक्षेत्रमायुर्वतायायहेग्रा सूर्रकेश्चर्यातुत्रियायर्था वायस्याः १ व्यरमावर् कर्यास्त्रक्तामक्ता हिंद्युक्तान्त्रक्तान्त्रक्तान्त्र प्रदेशान्त्रक्तान्त्र प्रदेशान्त्र प्रदेशान्ति प्रदेशानि प्रदेशान्ति प्रदेशान्ति प्रदेशान्ति प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प्रदेशानि प स्ता लद्रत्यं स्त्राचीया के त्ये द्रात्या क्षेत्र व्या स्त्राचीया स्त्राच स्रित्योदर्भ कर्रक्षेत्रस्रित्यात्व्रित्यात्यं स्रित्या स्रित्या स्रित्यात्यात्यात्रात्रे विषयात्रात्रे क्षेत्रकुर्यस्य राज्यस्य । ता ति । तार्ष्यस्य राज्यस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य स्यानुता। रेखात्राम् राज्यात्राम् स्यान्यात्रास्यात्राम् स्यान्यात्राम् स्यान्यात्राम् राज्यात्राम् राज्यात्रा द क्रिया एक प्रकार मार्थे के क्रिया वार्य मार्थ क्रिया विकार क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया द्रार्थः । त्रार्थः केत्रात्रः केत्रात्रः केत्रात्रः केत्रात्रः केत्रात्रः । क्रिक्तात्रः केत्रात्रः केत्रात्र द्रारः । तर्म् नम्द्रात्रः कर्ताः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रः क्षित्रक्षेत् करल्या च्रेरलासवार्त्रमसद्भारत्या सेमातासवार्त्य सेमातासवार् स्रोद्राक्तकार्र् केंत्रकार विकास कार्या किर्द्धा केंद्र केंद्र के केंद्र विकास केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र के सर्वास्तर्भः में के होत्या द्यां सक्ष करा होता । स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वया त्या राज्य राज्य स्वत्य स्व निर्मायुक्त मुद्दे। भुद्दि, कुर्गते क्रिक्रें में गुरा हिरक्ष क्रिक्स मुक्क मुक्क क्रिक्र न जनवेश साम्पर त्त्रित्रस्यरत्त्रा मेख्रेन्द्रस्यलस्या र्या रेम्बस्यस्यस्या 

Second name to Hor ३ वैद्या कृति । स्टिन्स । स्टिन्स । स्टिन्स । स्टिन्स । स्टिन्स । या ता ता ति ति स्टिन्स । स्टिनस । स्टिन्स । स्टिनस । स्टिन 大きないかとかいさいないとうことのとないない 大きかかればないること म्यान्त्राह्मात्र्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र मे नामतियातम् हिया सारायकासा यादायद्यी स्वाहरसी द्वारा स्राहरसाहरू यात्र क्षेत्र क्षा कार्यस्य क्ष्या क्ष्य उर्दे पर्दे त्या । यह मानस्य हे मान द्यार यह मान स्थार द्या त्या त्यार स्थार स्थार सुरा लहुं मार्गुर्स्थाय मा मा हुरा एक्ट्रिस्थ्यूर्ड् प्रयाद है रहे हुआ। एक्ट्र हरम्याय रेस्यर केया। त्यर्य केयाय योग्वयं याय्याय या। रेयाय्यायक यस्य के हुन्द्रा हुने संस्य के स्ट्रिस के स्थाय स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप साधिता メスス・第二年にかられていることには、このとがなっている。かいは、よいは、ないないないか स्रोत्यमात्त्रं सम्मेत्। नायत्यात्रेयात्यस्यत्यस्य स्राम्येयः नमन्त्रयात्त्रीत्रे र्ता रेक्ट्रिक्नेक्नाचीरेता हरात्स्य वेसार्व्हरीय स्मास्य तर्ति मह्म स्थित द्राया ने माया मार्थ है। यह स्था मार्थ के मार्थ के स्था प्रमाण प्रमा सुरा स्थालकात्त्वाच्या स्थाना साम्याना राज्याम्याना स्थालका 4 8 31 では、」をから大はこれ、これ、これにいいいとはいるなるが、は、まないれないなる。 मुर्द्धरायक्ररासका। यहत्तिः मुसार्यक्षेत्रं मिन्यक्षेत्रं स्वर्त्यक्षेत्रं रहित्र रहित्ये स्वर् ्बुद्राक्षते द्र्र्राक्षते द्र्राच्या श्रेराध्या श्रेराध्या श्रेत्राच्या स्वर्धिय स्वर्धिया स्वर् यति। सेत्रा प्रदेश्यर <del>बर्द्य</del>का उक्तका गृह्या संयदका दावस्य त्रित्र स्वरंत्र संयद्धि यत्रम् विद्यास्त्रम् स्वायुर्वे स्वयं 6 a) まないかのかんかいとうことということになっているとれるとは、それになる... となってなるとうないというないとうしていて、 いまかんがっているいとうないというと हराजियात्तेत्रात्तेत्र्याः रहेते रक्तात्र्रेर्क्त्यात्त्र्रेर्व्यात्त्र्रेर्द्र्यात्त्रे 7कर्भ ११ अहरतिया राजा० अ.स.स्यार् वसास्यरं वसास्यरं संस्थित स्यारम्यः वी वहर दिस्यः धरत्रस्तर्भात्रातार्भ्यक्ष्यार्थः व्यक्षायात् मृत्र्यर्भ्ययाष्ट्रसायाः शुक्रमानान्त्रियाम् मान्य्रास्याक्षरायाद्वेत् मान्य्राद्वात्रम् श्चेत्रया भीर दोरा नित्या सम्मान वित्या प्रमान स्था है राज्य स्था है सम्मान स्था स्था । सुंद्र-मे वर्षेर्यारायकामायुक्का मा। राष्ट्रिमालायुक्का वेराव सुमात्मका मीर्यरम्पर्यात्रात् द्वारम्पर्यात्र्यात्रम्यात् महित्यात्रम्यात् त्रेयर्गत्

।अहर्द्धवा। देशक्ष्याः द्रमेरे नराय वर्ण<del>कार्यास</del>्य के करा मेरा खेरारकार इस्ट्रस्ट्रस्क्रिका होरा वहारा मेर्से स्राया हाता रेख्ने राक्त्रिका सी क्रूर्य मेर कर्रा स्क्रिका गुन्दत्यमान्त्रोम्भेम् सम्बद्धारम् व्यस्यस्य स्याप्त्यम् भूयाचीयात्राम् सस्यात्रे र्यमारस्य्यम्यस्य त्राचात्रस्य द्रिये स्ट्रिये स्ट्रिये स्ट्रिये स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं रस्को स्रें सम्बद्धा द्रवसमा अपरे सूर्या के राज्ये के के के के के स्वाप के राज्ये के स्वाप के राज्ये के स्वाप क इस्रक्षर्योत्तर् यं अत्र वर्ष्य कर्षा व्याच्या वर्ष्य कर्षा वर्षे वर्षा क्रिया कर्षे वर्षा वर्षे स्यासिकासीर्यावयाम्बर्यास्त्रास्ता अराद्याद्याय्याद्यात्यास्यात्यास्यात्यास्या स्यात्रकार्याकेत्राकेत्यतीक्षेत्रिके के तरिष्ठे के मुक्तिकायाला । देर्त्या स्वाप्त्रित अक्ट्रिक क्रदल्यक ही सूद्र सादे हैं देश सुद्र दा के मा खेर दा के से हे दा का के हे दा कर हो देश यला क्रिक्स मिलकार में बिर्ययम में या में मान में में मान में में मान में मान में में ब्रेट्रेंट्रजात्र्रे व्ययम् ती त्वा वेट्रवरेट्रे हुन। क्रेंट्रवर्षेट्रा स्टेंट्रव्य र्राया र्यायानक्रियक्तियम् लेखर्त्रियक्तार्त्ते क्रियासात्मार् त्यसंभीता विरम्भाया मेया मेरिया के मेरिया के मेरिया परिया खेरा मार्थ के मेरिया अwind क्रेंचिकात्मे वस्त्रमादः वाववस्य दर्श्वेवस्य स्ट्रांटिक्य स्ट्रांटिक्य स्ट्रांटिक्य सरवरवर्ता केप्रकारी भारताये स्माल है सार र बार में र राया के से सार के स्वार है सम्यर्भ मुक्तिमान्य न्यात्र मान्य म्यात्र मुक्ति स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे । यप्रस्थान, दुर्स्सर्य, पुरत्वश्रस्तरी। अध्यक्षिकान में शक्ते कुर पर प्रसारता । पर्दा क्रिक्षेत्र स्रोदेशक्षेत्र स्रोद्धेयास्त्रा याध्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य लायद्वाराद्वाकानविष्या क्रियाकार्वित्रस्य क्रियंद्वा स्रम्बस्सर्वेदक्रेवल्याहेत्यप्रा द्रम्भवंदरस्य स्रम्बर्यर्देदर्शेक्स सुया क्ष्यावराख्यास्यरम्भाग्यमा अरामस्य भूत्रस्य कलावह र्स्ट्रेट्रिया। क्रिक्ट्रियानेकावक्रम्यं कर्ता संस्कृत्यं वितर् स्तिलित्। क्रिस्सिटेर्ट्रास्यक्ष्यासेर्टेर्ट्राः स्यक्षस्य रत्त्रास्य स्वर्थास्य सुबिरम्यकासुब्रकामका। का समम्बर्धकाम्यामा म्यूयावरम्पर्दे सुम् करा मार्च्यक्षेत्रं र र्वक्षा केरी कले.क.इक्ष्यं क्षेत्रं अवरे र १०व्यं । रे क्रेंत्र-क्रिक्रोत्रा असत्यकाकाक्ष्यभावति क्रिक्रिक्रिक्रिक्रिक्षा यर्भेद्वराष्ट्रेसरेलयी वेष्ठा वर्षेत्रायका वावसूया द्रया तया हरा। वेकायती

क्रिक्सम्बादिक क्रिक्स क्रिक्स

419.21

ৡ'ব

या लावनीत्रस्यासीकेन सार्वता रहासाजीत्रेत्रासर्ज्यात्राकेत्रा र्यापा इट्याह्या हिटायलक्षक्रक्रकालायद्री क्रिय्यस्त्रम् क्रिय्यस्यात्रक्षेत्रात्ते स्वयंत्रात्त्रस्य यक्षित्रात्रारे न्यानाविकात्याविकात्यात्र्रेत्रहित्रा हिस्समास्य कर्राक्रियोकी। इस्करीर दारा परितर्भ स्टिस् राजर हो हो होरे रेन व्यक्त स्था न्हें सम्भानान्य स्वत्यात्ते स्वायाता क्षा द्रा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र रू.स.क्रुंट्राचर्ट्या यलद्रत्र वार्यात्ये वित्र क्रिक्या क्रूं त्र क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्य र्याम् श्रीयामात्र्रेष् रित्रेतितिते हे नामन्यान्याम् स्थान्त्रियास्य भर्तेमक्राच्याद्रा र्यालामक्षेक्रार्यद्वायम्यात् क्रियात्रा यु.स्यर्रभ्याद्रेश काम्याद्वाया माम्याद्वाया स्थायाद्वा स्थायात्वा त्याद्वाया のかっか、ヨナロナンシャン・ナン・ラットラー、それをもかがらまれるとうない स्तुकार्यकात्रक्ष्यः। के.म्.च्यून्यः, र्यक्ष्यः प्रत्याक्ष्यः के यात्रक्ष्यः व्यक्षः स्त्रेतः व्यक्षः व्यक्षः व स्विकारः पर्यन्ति स्त्रित्यः देशा राष्ट्रकार्य्यः प्रत्याक्ष्यः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः デュー 大を大型の、からよか、デュングインにかなり 型、マセインの、ないの、あり दर्दिन्त्रवाक्त्यालासः। स्रारम्भात्रोत्रेषः चारम्भास्यन्त्रसः त्रेपष्ट्रसःस्रोद्धाः अनुवनः 点が、当から、当からは大きな、一番ないでは、大きないでは、 きるからないから हमार् सेवयात्रका रहेर् राखेर्निहरको तर्या हेत्रिया वार्यवका अस्या हे はため、かさいとはいいない。 かんとうかんきょうからいまるとう とうかいらなからない त्रका राज्या रेर्ट्या होत्य विकास कर्षा महारा महाराज्या स्थान は、などとから、まないない、ままとうできないないからかれる。これに कुर वायीय हो मत्त्वेर। योग येग के का के का वे स्थाने का में माने का के साम के का के साम के का के साम के का के स प्रकार्यमाञ्चे हेर्सा क्रिका क्रिका राज्य सम्बद्धा र्याया स्रोतः । मण्याद्वाया स्रोदादे हो। येदार स्राया क्वे के के स्रायं राया। स्रोदा サスタナナスタインシャスト かかりようとが、からがあるので、ありるがない。 到一到少多少多少多好的好好的人就到了一点的一点的一点的一点的一点的一点的 शुःचलका मुद्रास्तर केंप्रस्थार रहेरास्य मालका यका चित्रत यावय सका याव्ये. य. छ्रास्त्रेया स्यास्य 云·多大·多·元·文元·安·元祖本小文·文明·西·安·文明·安·元元·西·安·元元

क्वा। । नार्यस्यर्द्द्रस्यक्त्र्यक्तिः द्वार्यक्षाः । रस्य वर्षः वर्षेत्राः व्या कुरियाने सार्यर याद्रता दर्बारतं यात्रेर हैं क्षेत्रं वर्ष के वर्षे के दर्वे वर्षे के वर वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्ष क्षेत्रम् जलका जलम्यूर्ये द्राह्मम् कार्यात्र के के कार्यात्र विद्रित यर्से यलका यल्या सम्पर्ध कर रास्त्रे के का के का सका। यह साम्य्य द्यां वर्षा के इं ब्रायके रे ब्री सुम्रक क्षेत्र दे ही र दे के देवा देवा देवा देवा दुस्य करसुरामक्रास्य संदूर्णा स्थित्रात्री स्थाने स महोत्रा वर्षे अविश्वर के के के किया के मार अविभाग के मार के भड़िया दर्भाणया ने क्रम्यान्य सम्हेता ना ना ना राष्ट्रिया द्वासा समामित 本国出了 李莽的不由王本国出来了一种的中心的一种一个一个一个 म् उत्तरमात्रमात्रा कारायात्रामान्यात्रा काराया भह्मर्ह्सर्ह्स्यान्त्रद्वता स्थायहरूपाण्यास्य स्थार्त्या स्थार्थित स्थार्य स्थार्थित स्था स्था स्थार्थित स्थार्थित स्थार्य स्था स्थार्य स्था स्था स्थार्थित स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थार्थित स्थार्थित स्थार्थित देशस्त्रीयो रयायायद्रस्थिता त्याद्रमाद्रस्येदेशत्यायद्रात्रा महे संग्यद्रता स.इ.स्त्रीकुर्द्रस्या स्थात्यायाता स्थात्रे स्थात्याता स्थात्यात्रा स्थात्रा स्थात्र र्रेक्ष्याक्रियात्रहरूत्यावरात्रात्रीता सिराकाहीत्रीर्यात्रारहोत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा अभी ब्रेस क्रें में स् एर्स्से सी रमत शर ब्रेस ब्रेस में र में ए व्यूस । यी सम्बाध कर् दक्षेत्रमात्। वावस्यावरसामुमुक्षीद्धरा स्रीटस्ट्रेन्स्त्रेर्त्त्रेर्त्त्राहरस्त्रीत्वेन्त्र मर्यार्ट्यम् म्यार्थास्य स्ट्रिम्या द्रम्या द्रम्यास्य नावम्यत्तर्ने स्ट्रिमः। यहत्रका श्रेत्रकार प्रत्येत्र देखा होत्यका त्या विष्येत्र विषये विषये विषये भ्रात्यात्रस्यत्त्र्रा नयत्त्रसम्यात्रस्यात्रस्य द्रात्यस्यः। ल्यास्यास्त्रित्यास्त्रीत वयास्येस्यान्यास्यान्या क्रिस्स्यायस्या इकामक्षरेरी मज्याराम् के वीरम्यायांकी मीरखेर गण रेदिमी मिलायांकी र्केर्यक्रकुकंप्रवेदालसायाः स्। द्वातासूत्र्रद्रायालेकिव्हरा प्राक्रिक्रवालेकि कालवादी वक्षाक्षकाक्षकाक्षकाक्षकाक्षका रहार्यक्षात्राक्षका विकार्यकाला द्यान्यक्ष्मव्यात्मात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्य रे। वरीयेववरक्षाविमायेवविमा वहसञ्जीरक्षेत्रमुम्मायायेवै। वरः यावानास्यास्य स्वास्त्रीत्रास्य स्वास्य कर्म् प्रज्याद्वेस्य स्थान्त्रे स्थान्त्रात्त्रे स्थान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् पहुत्रमञ्जूरा ुर्द्धराद्धरामा स्थाना स्थान स्थान मिनुष्यक्त्रें नारक्षमः राम्यान्य स्वार्थितः । व्याप्यक्ष्याः स्वाप्यक्ष्याः स्वाप्यक्ष्य र्प्त्रा एक भार्यार के . या राजाया हिर सेया या ती हो । या प्राप्त के ने

120

यहः हैरलका नार केश त्राप्तरात सेरार मार्थित का तिस्र की का यात्रिक्त्रास्याच्यात्मार्थाः । वरत्यास्यात्वीत्रास्त्याः श्रीदावीताः स्वाद्याः इर्जु, फरला क्रेमा उड्ड मेर्च क्राच्या कार्य क्रेस क्रिया क्रीय ने बादा कर्तु स्ते कुर्यात्रा कर्त्यामान्त्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्राच्यात्र् सुर्द्रप्रस्थिते स्थात्वायायायाता व्यक्तायात्रस्य स्थिति । १०४०तक्री शिक्षा स्ट्रास्ट्री स्ट्रीस्ट्रीसा हो। हैं लारतर रेस्ट्रेस स्थाना खर्मा छोटा होन में भिया के स्वितः । याप राय देव देव सिव असे के स्वारं के देरी वाकि की के का न्त्र्वालासाद्दर। न् स्राप्तासासास्याद्दरी द्रवद्दरावावस्थाः हिर्द्धाः राष्ट्री अस्त्राम् त्र्येश्वामा मालका तर्मा हिर्द कार्या क्रिक् यः सम्भाना । साम्याना साम्याना साम्याना स्थाना स्था あれがい。はれから、まる、まる、またいとうできたからかられるとうというとうと क्रीयन्त्रास्त्रकायावयः या देर्वयः या देर्वर्त्वयः या स्ट्रा वर्षेत्र यूप्रक्रिक्रम् ज्यायाक्ष्मायक्षेत्राचेत्राच्छात्र हिता हिता स्वायाया हिता हिराया अर्थात्त्र्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्र क्रि.क्यपुन्तयुद्धी । श्री. खे.ब.क.क.कुर्यात्रा.कु.दूरा । अस्टूमा खे.की.का.चा. इंद्रिक्ष । या या दिवासी द्वार में या स्थान सिर्देश काय प्रत्य देश. मज्ञास्त्र्यमात्रत्रा मस्र्रात्त्रमास्यात्रात्रात्रमात्रात्रात्रमान न-रेया.ग्रुप्तेत्री. अप्टूर्युया.वया. क्रुप्तुस.ग्रुर्याच्यात्रात्री सानुवाल्यरात्रात्रीयर とうよういからかってなる。「ないないないないないないないなっている」へいからから あってからかないないといい、おとからなからで、できてますい、そうなかい

क्या विस्त्राच्या क्रिकेट स्ट्रा क्रिकेट स्ट्रिक स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रिक स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रिक स्ट्रा イタスのおからとうないないない。 ションは、またいないないない。 ションは、またいないないない。 ションは、またないないない。 ションは、これないないない。 ションは、これないないない。 ションは、これないないない。 ションは、これないないない。 ションは、これないないない。 ションは、これないない。 ションは、これないない。 ションには、 カローには、 カローに 2912,040 ब्रायान्याक्षात्रात्रायाव्या व्यवस्थायावस्त्रारे द्वर्ष्या स्याक्ष्यम् मुक्तः चवरा ब्रास्याका। किरासंदायलाक्षित्रवाक्षेत्राता संश्रुक्षक्षेत्रकाक्षेत्रत्रा 3252.201(0) सार्भाक्षता के वयद्येत्राता वस्त्रास्त्रीयक्ष्यत्येत्र्यात्येत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रे क्ष्याद्यीय क्षियात्रवर्गा वरमानमञ्जार रहकर र वर्षेत्र देशति भावस्य संरक्षेत्रेत्र हिरक्ष्णकामहकात्रकालद्वितामम् रकत्वेते कार् इमारोक्षेत्र विमत्येवारीतस्य कार्यक्षेत्र सम्यवसीत्र विमक्षेत्रकार्यक्षेत्र रान म्यामक्यान्यांन्यान्यान्यान्यान्यात् सामुक्तिस्तित्तां मास्यान्ति रेपरियन्ति विद のかながいかいてき、ころのでまたがいかみから、またないかかいなるないのろ またいないないかられるり これにはておりのかいかい おもいなるこ चक्षेर्विर्देरिक्षक्रिका विर्योक्तियां विर्योक्तियां येताविर्यात्ता वर्षात्ता वर्षे नर्भकार र जिल्लास्य विकास स्वास्ता स्वीत्रेर करारा मुस्ता राज्या र राज्या र राज्या र राज्या र राज्या र राज्या र कारमास्याक्षक वे वित्वरास्य दिस्मारस्ये स्वरात्रात्रेयात्रात्या उपात्मेर् मुंकम्रेक्ता रेक्सक्कक्रकार्यार्याद्या स्रम्मक्स्यार्यावेस्हरा यमरत्रत्मर्म्य हे काराध्येष्ट्र हिर्द्या क्राया क्रिया के त्रित्या क्रिया क おもからないというというないというないというというというできないとだかっ मक्षिक्यक्षा रुक्षलय वर्षेत्रके हत्। दर्द्यवसमा यलस्य पर्वेद में दर्दा वस्त्रांका वर्ष्ट्यम् रामय र्ष्ट्रियम् विविधावसम् त्रात्र्यस्याविवासम्बद्धा मुक्ता रक्षमकासद्भित्रेदाको स्वेतरक्षमा। स्वास्त्रेत्वेद्वेद्वर । । मकार्त्रम् मकार्यकार् द्वारात्या क्रम्यन मध्यकारात्रात्रा ह्रिस्य सम おかまるなべる、一点のたく かんたがたがいかかいだんのかく ヨウかいりかいていかって र्यात्रात्मा स्वत्रात्रे रसर्यात्रे रसर्यावर्यक्षा रत्याम् स्वत्यात्रे स्वत्यात्रे स्वत्या क्राम्यके क्रव विकासिका केरा केराका में से हेर्रा यरे रामास्यास अका हेराये हो। मतर रोत हारासा अवसारी रहता वर्षेत्राक्षात्र दीवें सातादा वाक्ष्र अक्षा श्रीररे वक्षेट्रा क्षेत्र सात्रे विदेशे स्र त्या अर्दस्य अरहे ब्रिक्स हे कर्षेत्र क्षेत्र रहेती ख्रास है के तर् । दल सांक्ष क्री ... यत्यावयाता मिल्यू इंबर्धायुम्यहर्त्यवया। ठुमा ब्रम्सियारे स्ट्रा यदम्तरामालाक्ष्यक्षर्म्यक्षर्म्यक्षरामायराम्भादर्द्रास्ययम्भारद्गान्द्रावराद्गास्य यर्द्धर के विकास के देश के देश के देश के विकास के के के के किया के के किया के किया के किया के किया के किया के क दुस्के अन्यता असी यन प्रवास्त्री के कि स्थाने स्थान स्

121

इस्ट्रें के पर्ते के रामित्र के र र्ट्या रोसदीस्त्रास्त्रा वरस्त्रस्तरस्त्रस्त्रस्त्रा क्यायाः उर्देशकार्यकर्ष्या कर्षा कराकत्रिया ने ने नात्रकार्यकार क्षे स्रात्ति क्षित्रक्षरक्षर्यं स्वित्वक्षेत्रे वेत्रक्षेत्रत्यक्ष्यर् स्मार्थिक स्मार्थिक स्मार्थिय सम्मार्थिक स्मार्थिक सम्मार्थिक सम्मार्थिक समार्थिक स यस्याल्याः वा व्यावस्थात् स्रद्रात्रस्या स्रात्रात्रात्रात्रात्रा यान्त्रात्रा यत्त्रात्त्र्यात्र्रम्यात्र्रम्यात्र्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र त्राच्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रम् वभ्यवकार्यात्त्रात्त्रम्यात्त्रात्त्रात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात् म्येत्र देशकर्ष्यमाने वर्षेमक्ष्याका क्षा क्षांस्याद्रमाया वर्षेत्रम्यते वर्षेत्रात्र コンシャコ・エンコンのとう、カンのとう、なからいないないないがない ずんとからない ひせ、彼な、ふれがかりなって、は、それでもからなっち、りかりはないかっちょうかけんしょ あんれまれたける となったいけいにかられるとなるとなるというというというというできます! タンダニアングラン しんというないないというないないないないないないない रक्षांक्री राम्यार्कातम्यक्ति राम्यार्थः क्षेत्रार्थः स्वार्थात्राम्या はないこのないかにてたままり、もなられないとからかいかいかいかい。 おうせんりょうきょ がおきままれるとないでいからない まないこうしょうだいないないとう! ररायात्रास्य के स्वर्गास्य म्यास्य विद्यालया हिराद्य क्षास्य स्वर्गास्य विद्यास्य のはかれている。というないはないないというないできているとう。 लर्यास्ता स्थार्यार्ट्यास्ट्रियायद्वियायत्। विराक्षात्रात्यात्यात् वराष्ट्रा या सकारा सके द्वारिया सेरा सेरा सकारी रतार ... इन्तरहरान्त्र हर्षा हराया दे दर्ग मेरिक स्थान 五年二十五年十五年十五年十五年十五年十五年十五年十五年十五年十五年十五年 सर्वेद्धरात्रीतार यहे महारायदार कार्य द्वार स्वाप्त होता के बस्त हारा के उर्दर राज्य । योग्रह्याया अस्य स्थान स्थित यह वर्द स्थाप द्राः त्रस्त्रीकाराष्ट्राच्यास्यास्यात् वर्त्रस्त्राच्यात्रकात् या वरारायवारिकाल, ज्या। राम्यायमामाम् स्युकामाः। स्यारभार वहरूर र तर्वर या स्थान है अन्त्रेय विराद्ध वर्ष के सम्बन्ध साम सम्भादिस रामा टक्मार्न्य स्ट्रिस्यालयम् रेत्रात्राच्यात्राम् स्ट्रास्यात्राम्

2 Feeth

: 3 में करमा

उठ्या । राम्येश्वरिम् क्रिक्रेबातामा सुराया यम्बाम् स्थाता तर्वे व्यक्ता १ Fainted गुरा भितारी .. ग्रमामानिस्यपर म्यून्यामानुस्यमान् स्वरम् यर्रायार्भरास्य के का करियत्याया सार्य राज्य स्था स्था स्था हिता है र्तिकृतिक्तिः क्रियाक्षेत्रम्याक्षित्रमत्त्र्येयाक्ष्याः र्त्र्रम्याक्ष्याः र्य्यस्य क्ष्याः व्याव्यव्य वर्रकेश तरे में का की हा तरे तुर महत्का को जिंदा में महे हो । इत्यक्त कर्त्य कर् क्रिक्रेक्ट्रयास्त्रेर्याः रेस्ट्रेस्या द्रम्येत्रेयास्यत्यत्यत्यत्यत्या सम्तर्यवेशेन्दरकेरे एवर की ग्रहता सके में स्ट्रीर्य वे द्रस्ये केरा दे दर्य केरा दे दर्य के मद्रा र्युन्त्रेक्रकार्यं क्ष्रकाराया वार्यकाराया त्रेत्रकारकार नेर्युक्त न्तर्ये तर्वे रव्या कर्षे दर्भे सेर्पर दर्भ्य के क्या क्षेत्र व्या क्षेत्र तवर्यस्य स्थान्य स्था श्चीरेरमाम्येत्वेद्रयत्यत्रम् अरम् रम्युत्तम् अद्रम्योत्वर्षात्याः स्रीतियार्थाः नयरेयतेय्यंतररत्याय्तेत्रा द्वित्या क्रिक्ष्त्राच्या नवया व्यक्षेत्राचे रीकिसम्भागत्याकारमा देयातास्त्रेतिस्त्र्यायात्यात् स्वाप्त्रे इ.स.के.स.प्ता स्रावर्रार वेरार वेरार वेरार प्रायर मार्थार विकार के विकार क्रेंड्रक्रेंग दक्षक्रिर्दिरम्बर्भायात्रस्यक्रेरा खेस्यक्रेरलिर्दे यसकार्भ्यक्षेत्रकार रक्षामक्षेत्रह्रेयसायात्वरात्रसम्भात्रा सरमास्याक्षरा यक्षेत्रकर्रक्षेत्राव्यका देशतकर्त्यक्षेत्रक्षेत्रा दरत्थार्ययम यक्षेत्रकेत्रक्षात्रक्षा वर्रस्यकार्यक्षायक्षात्रकार्यकार् म्यार के नर के वेशकारा सके राज्या हराया के रहे रे में रे में प्रेर मा किए मा किए। क्ष्रीयरकार द्विक्षित्रकायरकाकायराकायर रक्षित्रकारकार दिन इसा देवसार्थ्य र्यारायमायर्यराष्ट्रसम्भा द्वरायात्रमायस्य स्रोधकार्यः वयकारीद्रमाम्मम् क्षेत्रात्मका वार्यात्मावका वर्षेत्रेत्रेत्वर्षेत्र्वे मार्वेदका वर्षेत्रायात्वेत्र र्यस्त्र्रिक्षाक्षकाकृति खरावहर्या हरा। द्वारवर्षके विक्राक्षेत्रका सुर्त करानु सर्देर की होर र्याया सुर्त तर्देर के खर या तर यो वा तर र द्वाकाम्प्रेरा अक्रारम्याधास्त्रिः वस्यास्त्रिता द्रार्क्यायम्प्रमावतः याद्वीर्डिं। युरेर्त्यर्थरेर्ययाक्षेत्रवित्रे अद्वर्णताक्षेत्र क्षान्यन वर्ष्यम् वर्ष्यम् स्वर्धस्य स्वर्धस्य स्वर्धः वर्ष्यम् स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः

131

कर्र्यात्रवस्थार्थेक कार्यकार कर्ष्यावकार्यस्यावस्य द्वार कर्ष्य यास्यान्त्रीयान्त्रियान्त्रम् यात्राच्या स्रोतस्यान्य म्यानस्यान्य स्थानस्याः स्थानस्याः स्थानस्याः के.कियुक्तरारमका समस्या सक सम्यासिकाके। वसता कर्ता संदेशकार् मर्र्र्र्र्त्र्र्म् अर्थाना निर्माना निर्मान के विर्मान के विरम् जान्यकार्येत रहरमार्यहालयात्रात्राकाराद्याता स्रोधारमा おからかあっている大は大きのからよう かっかんからいかんかいからある सर्रा इरस्यास्य वर्षे द्वायक राष्ट्रिय स्थित्या स्थित वर्षेत्रा स्या स्रीतिम् स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्रापति स्रापति स्राप्ति स्रापति स्रापत कुमार् में मेर्स्यम् रेकाका कार्या क्यार मेर्स्य रेका लोका खिर प्रकास है। इन्द्रिन्ति मन्यान्या द्यान्या वर्ष्ट्रियम् वर्ष्ट्रायम् इत्यास्त्रक्ता व्यर्गात्रा व्यर्गात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा स्माना सामा सामाना है सहस्य के सामाना है से स्मान के सम्मान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स म्याम्यारे मुक्तास्य के के राष्ट्रा नी के में के के तार मान के के मान स्येकाराष्ट्रसाकार्यप्रतामद्रा स्रीत्रियात्वारराम्कारात्व्येकारा रेंदेवरक्त) देत्रकः कदः द्वांक देवे क्रिक्तिक देवर देवर देवर देवर देवर क्रिक्तिक क्रिक्तिक क्रिक्तिक क्रिक्तिक केष्राक्षात्रा यगम्पर्ययाच्यायायास्यितास्यात्रात्रात्रात्रात्र्यायाः इ.लुक. उद्याता क्षि:क्षेत्राः योत्रे स्थात्येत्रे स्थात्येत्रः स्थात्यात् व्यात्रः स्थात्याः देखाः क्षेत्रः स् इर्याम्पर्या राज्यर्यं राज्यर्यं राज्यात्रित्या कार्यात्रास्यात्र्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात् カメナンスにはいいない、ようがよいかいい、コダルはかれるないかとうから इस्क्रिक्त क्रिक्त कर्त क्षेत्र संदेश कर्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष 少株をあるいっちはおいています。 あていいていますができるとなっていれるとれる मुर्दे होरे दे तर विश्व के के विकास कर मुस्ति का र्या दे होते हैं के दे की दे होते होते हैं के दे होते हैं के रक्षका इस्रेश्रां राखेका। विराक्षरायके रक्ष्यान् स्थिता वर्षे स्वाता हरार वर्षे सरभराके रे लोके केर रे हूर है एक १० के करिय केर के तर के के कि

क्रम्प्रम् में में होता कर्ता में में मान मान में में मान में में प्रमाण के में में मान में में में में में में あ、山はめ、あ、くりと、大くなく、沙女」か、あかってな、このなか、かるし、からて、 

चित्राक्षेत्रप्रद्यलयः बेरानुरा रायरा इ.सा.च्याचा क्रिया साम्याः लयर्यर्यात्र्येष्ट्री। मिस्यायाः रायम् क्रि. यस्य क्रियायाया (अहिसया है। द्वायाया । द्वायाया रे विकास मञ्जूबारेन्त्रमा देशस्त्रस्क्रीतेष्काराचा अन्तरेनवतेत्रस्तर्रहेण्योता सर्देश्चर्याय नेतर्याययानाया। रय्सार्यायाम्यायात्रेत्यासीयिता यस्य स्थित्य देव द्वेदस्य ता वर्ष स्था द्वार के स्था द्वार स्था स्था द्वार स्था स्था द्वार स्था द्य क्षुन्याक्षरकार कर्तात्वकारक्षितास्त्रित्रम्भूरकार कर्तरात्र व्यक्तियर यात्राच्या यात्राच्यात्र स्वर्थात्र्यात्र व्यक्तिया दरारामा व्यक्तिया । तकार्रेस्तानिकः कार्यसिति हे वक्षेत्रेर्त्यात्रेश करात्राश्च्यात्रार्थिता क्षेत्रत स्ट्राट्क्ये स्ट्रेट्की विकर् विति रक्ष करायास स्वार्क्त स्वीता स्वार्क्त स्वीता स्वार्क्त स्वीता स्व वक्ष्यादेश क्रिक्षक्षकार्विक्तिकाकात्यादेश देन्द्रवेदस्यास्यद्द्रकेट व्यक्षित्र स्रेष्ट्रियमात्मा रमगार्यवातमायवातम् रामग्रीतेते छेर। र्रत्रमंद्रम् मणयन छिरं पर्याक्षेत्रम् स्ट्रास्य स्ट्रा स्थाद्भार में वामकारोति वेरमाया। दमार्थे स्थितर कुरामित्रा वार त्रकाराक्षेर्रत्येकास्त्रकार यद्रद्रत्याक्ष्यात्रकार्यकार् स्त्रीद्रक्ते. せいかいかいいし からかいからまかんしっかからしょうしょうしょうかんかから इस्रायकासमा के.ब.इ.इ.इ.स.स्प्रेन्तर दक्षायात्र्रात्र्यास्ट्रि उत्रक्षा रेक्ससरमर्यं मध्यक्षर्यं क्षेत्र अस्तर्य रमलकारायहामहरूर्यस्यर्थात्यस्य भया म्यस्ति मत्यास्यात्राक्षात्र्यस्य स्त्रास्यात्राम्याः र्वडरा मज्जूर्यर्भे ड्राय्या वर्षे क्रिया कर्षे हिमानिर्द्राहरार-किराधरकार द्रायावनायद्वायकामात्रात्वाम् वर्द्वान्त्रात्वा क्रीकार द्वापालन्यमणा क्रियरकायरीत स्वर्ष्यक्रेरायाक्ष्यकारी रगए इंतरं व व वा क्षा वर्षे वर्षे व वक्ष वार्योत् की का वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे रार्त्र रममार्द्यस्यकार्त्यस्य स्थानस्य रात्रे मार्थित्यस्य स्थानस्य श्री स्थापन श्रित्रेत्रत्यर्थः स्ट्रिंग यूर्यर्भे ख्रित्रा यूर्यर्भे ख्रित्रास्त्रे स्वरं के अधियासका मानवाकीत स्मार्का वर्षा स्थानिक स्थानिका समाम्बित्यमः क्रेन्जुर् नावस्यतिरिक्समत्त्र्यायात्वा रेन्स्यात्त्रान्द्र्र

TEE.

कल्या मही कामार इंका होर्ड मात्रिया। द्राम महीवार स्ट्रेंग्रे यास्यान्त्रेत्रः स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य विकासः। द्वास्य विकासः। रार्थिकार्थीक्षेत्रकारात्त्री स्थानिकार्थिकार्थिकार्थात्रीत्रीत्र とあるかのはないのない あかがかれないないないかいまない」 स्यास्त्रास्त्रेयातकात्रक्रमात्र स्त्रेत्राक्ष्यास्त्रास्त्रास्त्र रणातिक्षेत्रकारम्य राम्योक्षेत्र व्यक्षेत्रक्ष्यं स्ट्रीत स्थिते मर्मस्यान हरहरायात ब्रिश्चर को माली को मेरा क्रानर क म्प्रेड्मायद्रमान्या न्यायोग्नायायम् स्रितिस्थायाया अव्याष्ट्रा रर्का में मेररे लार र रायरकाका महामा स्वीतर की स्वीतर है न्यारी न्यार्नेया करिया करिया करियारे स्थान्त्रे के मेर्टी के बार्यर अस्ति का यह कार्य र मेर्टिंग पूर्व हुन्। अरक्ष मार्क मार्क मार्क प्रकार दर हुन् व १०४१ हुन्य प्रकार देव विकार य संस्थित रहा करें वर्षे क्या। स्रवत्या स्वत्या स्वत्या स्वा विवा त्रमायाद्रियातास्यातास्याताद्री राष्ट्रायायात्रायाद्यायाद्री というからだけのでくてからくているかんないできるとうない मिन्द्रियल्यान्त्री। यस्यस्यम्यस्य स्थान्त्रभावा। मुद्रारम् स्याताली म्ला नेरा दरश्ति हैं ख्या युर्भ स्राप्त व करिया यह मान्त्रेत्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात् ある、かあるからはいないないないないまままなったいとうれているだくろう साम्भुक्ताक्षेत्रीकारासर्कत्रारम्बान्त्रास्यान्त्रीता राज्यान्त्रास्यान्त्रास्य ला यातार्भेदर्भक्षयम् र्यात्रात्री ।त्याकार्यक्षयं स्ट्रिक्स्येय् सेर् इ.क्षेत्रकृता १०८ हर्रा द्वार का में हर देश हर महिला में लर्रा स्राम्बर्धरात्त्रेरात्येरात्रास्त्रेर्यात्रात्रे त्यावावारात्याराष्ट्रास्त्रेत्रासस्टर マンガ・し、至くして、マイカンを、多から、う、」、多いないない、多いまで、 यकार। केर्यू र बेर्दर ही बर्देश्वा शुरुख्य र वर्दर व्यापाली हुन यलमार राम्यान्तर्भेत्रिम्मेर्नेतरेत्यावराज्य ल्या देर्नेतर्भे

/ तन्त्र]

ने में बड़े से पर

3 A 1

लंद्राह्मारा स्वार्ग हिंद्राह्म स्वारक्षेत्र स्वारक्षेत्र स्वारक्षेत्र । इत्रारदाक्षेत्र । भागासम् शास्त्रकार व्याप्यायायायायायायायायायात्रकार्यात्रकारा यात्राया यात्रायाः hand र्वास्त्रक्षक्षक्षक्षिता द्याः ब्रेस्स्रदेशकः साम्यक्षक्षाः द्याः व्यास्त्र नेर रावर ये से कार तरे ने हिंथ केर केर केर हा तरे रहार के जिस हो यर्राक्चित्वक्र्यार्यक्ते स्रोत्रसायायात्रस्य स्राच्याक्ते स्राच्या ふれいしままでないないるとというしょし 風きるとないないないないない देरेनाज् द्वार्यक्ष सर्वायाका अद्युक्ति कार्रे वेद्विर देवा सर्वे हु न्द्र स्रेर्ररक्षकाकाव्यात्रस्के केविकास्त्रात्रा देरहर स्तूर्वे संदर्भरक्षे सर्वास्त्रेर्र्यान्येर्यान्यर्यान्यर्यान्यर्यान्त्रेत्रात्र्यर् र क्रीजार अक्रम्मी पारम्बाराष्ट्रितः त्येयानाम् वयुक्तस्यक्तात्र्ये व्याद्राष्ट्रियात्यायाः स्वायायाः वयस्य स्वायाः व रक्षिल्य में संगृष्टिया स्मार्स्स्त्रीया त्यासार्यस्य स्वर्त्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्यायम् कार्यस्य द्वारा स्थित्रे स्ट्रिंग के स्थार्य स्वायम् स्थित्य स्थार्यः 型上型、あられらいないによって、あれ、上唇に、ていかかいなり、ためをす... पदा याक्तिक स्वास्त्र क्रिया स्वास्त्र क्रिया स्वास्त्र なるというなって、なることは、これでは、これできることできることできて、これできることできることできることできることできる。 र्यराक्ट्री राज्यकार देखें क्रिक्ट राज्यकार के ता क्रिकार क्रिका क्षेत्र की भेक् या त्याया स्थाया । देरायर की स्थाय है या दिया है या दिव मास्त्रेरायरी मयात्राराया । सामग्राया ते हितास्त्रीमार्थे स्माहका साम्येराये ysoliet यमारियामा स्थाप स्थाप होता होता होता होता होते हैं। स्त्रीत्रकासानात्रेया स्ट्रिया लर्भाष्ट्रेयः अ.से.र्भर्भर्भे र विसा नर्भष्ट्रेस्यर्भे के.से.से.से. भरंभिंदं भाष्ठीय म्यास्कानिय स्थाय के मुख्य स्थित स्थित स्थार. वरीम्बास्त्रम्यरिकाराचेत्। रकार्ष्यस्याः सुरवतं दहःत्याः वर्षात्रम्याः। स्याम्बर्धान्य र राज्य साम्यास्य र र मान्य हराया स्थान र विराम स्थान वर्ता देवकार्यक्षत्रस्यद्राम्य हर्ता हर्ता द्रार्थका संस्थान यलकास्त्रितायलकारास्त्रितात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वेत्वात्वे र्रेस्स्रेस्स्रेस्स्रेयकार्यस्यस्यस्य यार्यस्यस्यितात्त्रे लुक्रे.कर्यावप्रमध्यात्रमारमणल्या क्रम्भूक्रम्रम्भाव क्रम्

1 द्वा । युन्त । युन्तम् स्रोतिः मार्यत्तास्रोताः स्रोताः । विद्रात्तात्त्रम् क्षिक्रण अन्तर्भाविकार्यस्था केनास्याल कर्णाया सार्था। विकास स्वर्ण । त्रास्यक्षान्त्रा वर्ष्ट्रम्याः की देवान्त्रात्व क्रास्यम् वर्षेत्रव्यक्ष्यम् त्यस्य म्यूर्यावेसार्याः स्त्रार्या व्यासर्वेद्वाः क्रिक्रां र्यस्य स्त्रा ³वाक्षेत्र राष्ट्रास्त्रकाराका। रस्तिः सारियर्यस्तितः स्वा केष्ट्रास्ति केष् स्त्रेलककार क्रार्यरहेत्रेत्र्राच्याककारकार्य क्राक्ट्रिंद्र्येकार् ヨビュか、ラメス・ノ コンと教がらならないでいること は、私くかってて、子が、 व्राक्षा क्षेत्र क्षेत्रक क्षे 等色之情的一面的一点是我一大人的人面不不一种的一种一个大人的一大大人 अस्ति स्वराहरू त्रिया कर्मा कर्म भूमार्टिया मास्रिकातम् कार्यान्या क्षेत्राच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत्रच्या क्षेत र्ड्. ब्राया सुर्द्र र प्टिश्वकार र र्या सुर्द्र स्थान्तिकार स्थाप र र्या स्थाप कुर्र में या कार्य प्रयान दिका ने से देर हैं। दर हिर हिर देर कर कार वर र हे में ही कि को की の、は、大きのから、およっなない、かいないないないないないないないないないない र्स्ट्रेर.के.। रमका इ.क्र. वं एत्र. ए्र. कटा कटा कर्तर हरे कर कर ता का जेका ए खेर おくというというされかれていましまるが、それでは、またないないで、なられないない उठ्डाक्त्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम् かなからから なって、まって、まないというないないないというないでんないとう सेयक्तर्तर क्राया कर्ण के बेबका कर दे केर करें दे का बेर के बार के बार के का ्वप्रतासुद्र। सत्त्रद्रत्यद्रमञ्ज्यस्य सम्भात्यद्रद्रद्रद्रद्र्याचेद्रदर्ग्यतः द्रीक्षिकामस्य सस्य स्वर् स्वर् केरमुक्षेद्रस्यित्यत्यात्रस्य स्थर्तात् स्थरस्य द्रेत्येद्रसम्ब र्रिट्रेम्स्योक्षास्यास्य वर्ष्यस्य क्षेत्रकारास्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान म्रास्त्रीरम्यारम्यानम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम स्थान्याच्याच्यानम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्याम् स्थान्यास्य स्थान्यास्य स्थान्यास्य स्थान्यास्य स्थान्यास्य एडेंब्र.के.र मफ.केंप्र.ट्राक्तरहो न र यहरालयक्षेत्रर्थे र अर केंप्रदेश्यराजर हर म्यान्स्यान्त्रेयः स्टान्स्यान्द्रयः द्रम्यान्स्यान्त्र्यान्त्रेयः विद्यत् देर्द्रम्यान्त्रयः 

単いいいれて、大きいとうなるとれて、さいいとはいったっていっていい。また

まず、まかない。これだら、はいはかいない、から、ぶったいまないまないのかっちん。 य एड्रेस्स्य प्रसंब्र के.स्र. एर्. य-एय. ८४ या। र्रेड्रिय स्रेंश्यर्य देखाया। परिवे とかれ、あ、とれ、これ、これがふとろ、かいかのいろ、もかないかんだらのかかりらか र्रम्यास्त्रकात्रम्यास्याक्षात्रम्या कर्यास्य स्थान かか、はい、うかが、あれ、まれて、いっちゃくしていかいかい、とうないないが、 में निरु दे ती हैं के तिया है से के तिया है कुर्यकात्रक्षेत्राक्षरात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्र र्युर्थर्स्य स्थाने कार्या । देर्द्र रेक्का के न तर्वर्ष्ट्रिका का स्थार मुन्न द्राया द्राया मान्य द्राया あたれ、まずなかながかっとはて、はいいがなる。、 またなかのはなながになる 我也去如此道:我是我们本人本人本人本人大人大人 इ.स्यू.र्यरम्भ इरम्ब्रह्मर्यक्षेत्रका इत्रह्मा स्राम्या स्यान्य राष्ट्रमः क्रीत्रे प्रमुखारीय वर्षे रत्या द्राया दरका द्राया द्राया द्राया क्री राया द्राया वर्षे वर्षे राया द्राया द्राय क्रिक्रम्भेस्त्रेष्ट्री क्रिक्स् कालाक्ष्येरादेश क्राल्यक्ष्येर्भर ・ ススタージュノ か、えか、日、ストラインでは、大きない、ち、かいとうないないない。 या चरता से मृद्धायाया डेरार्ट्रा में द्वारा का से स्थार रहार से से के एड्य.के.र्ट्यास्त्रार्या र्डेड्डियार्ड् धिरासार्ट्या श्रेस्त्रेस्ट्राड्डिसर्ट्या エインニス・ゲノンダンイン あたなとんの、おおいればないがらず からませ यक्षात्रस्य में रहे सामान्या दिन सामान्य माने सामान्य में निर्मा में सामान्य में निर्माण कर्ण त्र्यासुरा कार्यस्मित्या होता । केला वर्षे हिर्म् स्वरं र्वेद्रियां का सद्भा क्रिकेट क लचुरा जंकाजाब्र्यत्रपृष्ट्यर्यायत्तर व्याप्ताकःकेक्षायायस्य 出到的是我们就到了一个一年出了一年出了一个一个一个 नदमक्ष सद्भिक्षयक्ष्मित्रकेषाक्षियक्षियक्षियक्षित्रक्षेत्रकेष्ट 中國大多山本山村、南京東京山村山南山南京山村、山村、山村、山村、山村、 तक्षात्रक विराम्प कितानित्रक नेतरक क्षात्रक क्षा 五本人生态大人工工事的是一个民人的人的人的人的人的人的人 क्रिक्टिक्स का क्षेत्र के क्षेत्र 

まして しかもし アナイナラ・カーターメンター かんであってんせい とうかっ क्ष्यकारहरा। कार्यक्षाहरामान्यात्रात्र न्त्र वस्याक्षास्य रामाध्याः स्त्रित्रा कर्गा श्राम्बर्गार्ट द्राक्षेत्र्यक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष というかのなからなからかってたが、かれがいから、からから、からとうなってなっている。 シウナイン・イグイ 大の面がいがれていたがたちがたっかべっからなったりない भागा स्वरम् स्ट्रिस प्रकार के क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के स्ट्रिस क्षेत्र के स्ट्रिस क्षेत्र के स्ट्रिस क्षेत्र भागा स्ट्रिस क्षेत्र के स्ट्रिस क नम्बर्देनसम्बर्धाकाकाकाकामा वस्त्रसम्बर्धाकार्यकामा されるないかったからかれないがんなとれるとうころ सर्वस्य देत्रकार्वेत्रप्रका क्रिया स्थित्य स्थान स्थान स्रोक्ट्रिया स्रिटेर राय के स्वयं कार्य कार्य के स्वयं कार इरम्यामने न्यूर्य । वर्षेया मार्याय । स्ता र्यूर्य भक्तेर रित्रस्थितः नस्याद्यस्य प्राचित्रस्य स्रम्भित्रस्य स्रम्भित्रस्य स्रम्भित्रस्य स्रम् कर्मित तरीराधरमीवित्रिक्षेत्रस्थित व्यवस्था व्यवस्था वर्षेत्रस्था ं नेतर्राचित のもはながまならいかれなったとうとれれないとれないのかからかれなっていまれ उरकार निर्धानिकार्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान । सूर्यात्रेर्भयतः विक्रियक्त्रियक्त्रियक्त्रियम् いる、また、変があるさんができてんないとうないできないできないないというとうない あるないとうないかがらないというというできないないとうというとうないできるからい おからダイス・ノ かんとうれいますでできていて、イチャルとうできますとっていいい स्यूर्यक्ष्यक्षा वयामस्यर्द्रस्यर्द्रात् स्ट्राक्र्यं म्बेला तरेयर्वित्वर्ष्य द्विता रेक्षेत्रव्यक्त्र्वा कुर्वा मूर्न्तीयासमारक, कार कर्राट्यर में कु म्हिलक क्षेत्र य य प्रक्षेत्र य र्रेक्ष्रकार संक्रेंद्रकी दर्दरायक वर्द्र कार्त्वकाय रहे हैं है क्षेत्र ल्लाम्यार्वे रहमक्षेत्रमहिमम्यार्वे हिरम्यानम् रहे त्यावित व्यक्तस्य व्याप्ता स्याप्ता रचयम् सम्याप्ता स्वीतास्य स्वाप्ता ह्यान्द्रर्रेर्भ्यूर्रेर्ट्यास्यकत्सरहरूप र्राह्मरस्यायानेर्यस्यित् तम्बाक्षितीन्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षा विकत्वर्यस्यात्रस्य त्विकस्यक्षित्। कूर्रम्मेरकेर्यकाराम्यातात्र्रित्ता म्याक्षेर्र्त्तित्याम्यास्य क्रार्ड्स्क्रिल्युराजार्ड्या रामकाकात्रामकाक्रीराय्कार में का र्भारं क्ट्रिक्टारान्यान्या वस्त्रार्मानाम्यान्यान्या रस्त्राम्वास्त्रा

युका

14 Ear)

२.चर्यायाण्यात इ.का.इर.इं.र्ड्यार्ट्य कारणावुर्यात केलार्ड्याच्या वर्षात्र ग्वस्य स्वर्मार्द्धसान्ध्रमसार्था हरास्ये स्थान्स्य स्वर्धाः वर्षे तर्द्द्धाः स्वर्धाः 生のないからいまして、多からまとうとうとうとうないないないないないないと いてきなからからないとうないかくなべ、あないあれたらかないとうというとなっている स्यासी तरी के जाते ते वाते ते पर देश । अस्टिय तरी विकार देश है तर्रा स्वराय ではないは、あいからなるとというないないがあっているというできます。 からればあい、するなみあるといかってもあっていてなるとうころでんかべからから でも、一大きななっていていているできるというできていていることできるとうだって क्रांदरेष्ट्रमञ्जरमा क्रिसतेरहोतुः क्रि हानमक्रद्धाराकेर्द्रा कालाकारादेदताथया द्वारामास्त्रेतेत्वत्यत्राक्षेत्रत्यत्याकेत्या वात स्वार्त्ता स्ट्राक्षेत्र स्वार्त्ता स्वार्ता स्वार्त्ता स्वार् ल्या द्रमत्मित्र्येत्र्याम् १०२२ त्येत्र द्रम्यद्रत् त्यास्ट्रियात्र्यं यद्माक्षात्राम् व्यक्तमान स्ट्राय्येत स्ट्राय्ये व्यक्तमान स्ट्राय्ये । あっているが、なべていることでは、これできるというないとうないとうない यलवरान्त्रा द्वार सरम्बद्धार्यं त्यूराक्तित्ये क्रीत्यर्वे स्ट्रि 第型的,是型人之之之人的之之。如此不是不不多不多多人 इस्मिक्षिक सहस्या होर्ग सम्मान मान्या कर्या देवाया से सम्मान 五、多少成的一多人 如果因此的方式不是如此不是不是 新日本工的家里多少不知 अरेन असरस्य सङ्ग्रास वाद्यसी अरम् रासुकी हो मेररेन रहेन अन ब्रियम्बर प्रहेर ब्रियम्बर्यकोषम दिन दरहिन्यकोष्ट्राचनदेन। दर रार्त्यवेरार्केलाक्तेर्यकार्मरा सक्तिरह्मेकारास्त्राक्ता राद्रस्य सार्केत्रा इ.इ.मे.स.स.इ.स.च्यूरा कॅरा५ नेया या जो झे. ख्या सिर्य एक्री वर्र कुरारया कुर् मिकायार्थेमा। भुन्मास्रेरायार्थेमार्गेद्रयार्थान्त्रास्त्राम् योद्ग्येत्र्राप्तात्येयायाः ग्रिट्र तर्गा स्थानिक के विकास के त्यार चरायरंगा। नावसामासूरामिस्यामाधामामानम्बर्धासामानामा। र्या.सासररास्या 

रत। विरुद्धारा मार्जे द्विया रूक्षाय सम्याद् प्राख्वा द्वारा सम्याद् प्राख्वा द्वारा राजा हिव 古る一 द्रा क्रेयकायारक्षेत्रकात्र्यकार्यकारात्यकार मास्त्रिकार्यक्रियः वा लर हो देश के रमर रहे लें। रमकर हे र द्वार संदेश है स्मा श्री देश र देश त्यात्वकार्याच्याः वत्राप्यः द्वेदः क्ष्येद्राप्यं व्यवस्थान्यं विकासकी विकासकी ड्रिस्काता रर्वे क्षित्रकाक्ष्यात्र व्यवस्थित क्षित्व विक्र त्या स्वर्भिय दे विकारिया क्षित्र देश रहे स्वर्भा के स्वर्भ देश देश देश स्याया सास्य्यार्याच्यात्रे विस्तान्या स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाय न्यस्तर्सात्वया द्ववाद्यसः एउस्राहरा स्ट्राहरी स्ट्राहरा राज्या PARIS S कु.अ.का. एडंच क्रेड्र्र्रब्रेंड्ड्ड्ड्ड्ड्र्ड्र्स्, रस्थर्त्यूर्यंत्रात्रेक्षाः लुद्देवत्. 6 पत्र वित स्कूरक्यसैंद्र तर्स्य कार्यन दिल्य क्रिया के कर्भामद्वासान्य मार्याताता रयेत्राचीकत्मामस्यात्रेत्रात्वारा वर्धकार्वेत र्रेहिकर्ष्ट्रिर केर्प्यस्ता क्षत्र संत्रेरर् कार्यहेकर के क्या व्यय र संत्रेय क フタス रीतिवारा र्वास्यार्वेत्यस्मिरिक्षास्येरेर्वेत्यकार्वेत्रा द्रार्व्यर्भास्करिकाः कुर्मुअ.सुन स्व.म्बन.एर्ड्स प्रहूर्रम् साम्वेखन मात्राक्षा स्याह्य स्ट्रम् स्वन व्या र्यक्षित्राक्षाक्ष्यः । यावद्यास्त्रक्षित्रस्यक्षयाः अस्याः अस्याः देशसद्धिः देशसद्धिः स्वर्षाः प्रदेशकात्राक्षयः द्वित्रम्या। वस्याः वस्याः अत्यक्षयः अस्याः देशसद्धिः द्वित्रद्विः ようしてからまた。 かきずきないはあからがない なかなんなべないないない र्भायोदालका मुस्किताती। यावयायात्रीदेनायात्राकायायात्रा क्रियायात्राक्ष कर्रस्मात्त्वेतः व्यापिका वेर्त्यात्रमः वेर्त्यात्रेत्रत्यः स्वत्यात्रेत्रत्यः यथ्यार्ने याष्ट्राज्याय्येत्यार्येयाव्यार्यस्य राज्यायाः ख्रीराष्ट्रमा केन्द्रा दर्यस्यस्य स्ट्रिक्य स्यात्त्रीत इत्यस्य स्वस्य स्वस्य स्वस्य इन्दर्स्ट व निया हिन्द्र त्युगक्ष खेन्ता क्रिक्त तर्मेत्रः रेन्द्रभा अर्ख्याको वेस्प्येयस्य सेवार्यस्य त्यात्रम्यो स्थान ब्राख्याक्षार्यतः। अत्यायक्षार्ययार्यः कर्षाः करिन् क्षात्रात्राक्षेत्रः दर्भ रेल्य स्वापा के त्रिया के के स्वापा के त्रिया るかか、それ、され、あず、砂葉型、はが高ない、かんという、おりなべくなりという。 でおかれまれるできてからからからかんからうまっているかってくろう रम्रदरक्षितम् वार्म्यात्। व्यद्भावास्त्रत्रे। प्रमायक्षर्यायामप्ते लेट्या भक्षत्यात्र्यक्षिणक् भवित्रेत् वव्यत्रहस्याताम् वित्रेत्या

स्यावक्षात्रात्यात्रे स्ट्रियं यद्रा सीदरीयलीयानीयान यायाद्राद्र सुद्र होत्रयायाद्राद्र हु यसिराया व्याप्येन माल्या व्याप्येया। द्यं द्रात्रात्र स्ट्रिसे क्रिक्टि व्याप्ते स् या कि द्रा का मार् में जा मारी के जा में अप मार मार देश के मार में ना है वा है य.नरत्त्रस्य केला विक्रात्त्रस्य केला विक्रात्त्रस्य विक्रात्य स्थान क्ये, श्रास्त्रास्त्रस्य कार्यातास्यातास्यातास्त्रस्य श्रास्त्रस्य द्वरस्य म्यास्त्रीत्रायायायात्रीत्या। म्यास्त्रीत्रायायात्रास्त्रात्र्याः र्रात्मा राष्ट्रा यहराया वाता होता वाता मेर्या मेर्या मेर्या मेर्या यह यह वास देव यर खेर ही राज्य साम मेर मेर ने पाय पार के कार कर कर के राज्य 到、かえ、おきく、美の、ないないないないないないないないないないないないないない सर्वेत्रेत्यानापरास्त्रार्धारकावेर्। देवकाराकात्रम्भाका रराव्य इ.यधुसुसे ता यूरायम् स्वत् नार्यात् स्वार्यात् स्व र्यानुकद्रायां स्ट्रियं कार्राने केरिये केरिया कार्या क्रीतिस्ति स्थाना के दर्या के दर्या से दर्या से से स्थान से ति स्थान से ति से से स्थान से ति से से से से से से 4 finisher व्यरमित्रः हिर्दर्दर्तिया योत्रेद्रा तमका व्यक्तमा वर्षा वर्षा नाकी खनारी मेरेन रेकिन रस्त्रीम के के मेर के के मुस्स का निकान क्षेत्ररे श्रेत्रा सरस्य में लुकायावकाश्रीहरी कुरायास्य येथाकायाव कोर्देः। हर्रस्यान्यान्यम्याया निर्द्यत्यार्थोर्द्यान्यत्र्रेन्य व्यद्रा क्रोरार्ड्स्यान्यस्थात् दर्दार्याच्यास्यान्यस्थाः बर्भा केरान होस्ट्रां स्टिंस स्याप्य अराप्य हिरा रयस संस्थित त्रेत्राठ्याद्रीत अवदासासक्षेत्र्यात्रुषा वसम्याद्रीयः याकाका-यादका-द्रा- । द्याका डिया-केट डिया-केट डिया-हेप द्राया हिया है पर है यक्षेत्रे स्थायाया पुराक्षेत्र स्थायायायायाया । तरे त्ये क्षेत्र वर यार्थिन क्षेत्रे के के तर्य वर्ष के वर लक्ष्यरत्य्यम् मोर्। वेष्याद्वायते सरस्यर दर्भ । केर्द्रकास्य क्रीर वर्षेक्र र में महार में राज क्रियर में स्वाद में स्वतंत्र में स्

क्का । बहुस्सानुसार्थरात्रसार्वसानुसार स्रोत्ते अराहे अत्यायादे द्विष्यान्त्रराद्रा स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स् क्रर्याह्मा न्युरिक्क्यक्षेत्रहेर्या। मार्क्सिक्रि हिमापर्हितर दर्भ हितर हर एवं स्वाहित हो त्राहिता । पर्वा ्रहरात्यवष्ट्रमा स्ट्रेस क्रिया यहेका स्ट्रिया । त्र्ये अस्ट्रह्मा त्रा अस्ट्रा इंदर् देशकार्यात्म । दिया। चलात्यं यास्यात्रे यामात्रे देशका। यामादास्य स्यास्याता कार्यास्यास्याना वियाद्रान्तात् श्रीराक्षास्यास्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र तर्। भूकरभर्त्यातकार देवाकारा, रक्षर में रक्षर र के वाकारा देवा इराकार से राक्ष्य व्यारहर का राष्ट्रका सार्वे करा होता। साराविका होता। न्यक्ष्याह्य वस्त्रम् स्ट्रिकः स्ट्रिक वर्ष्यत्त्री स्रद्धिकःइरःस्रमारकारद्विर्द्धा द्वित्रकाक्षकः क्रिकाक्षकः इर्.यु.य.भवरा मेरासूर्। हैर्युर्, म्यायान दर्ग्युर मास्तित्रे भूमाध्येर्। त्रम् स्रिर्द्रम्यस्य स्यास्ति स्रित्रे के की ध्येर वस्ता ふっとかべて ヨニをですべきとってっていて かいとうではないといいない संस्ट्रास्टर्स्य हिंदा बिस्तु संस्ट्रिस इंट्रिस है के के निर्म संस्टर्स के ल 到多知的是不是一部我们的人的人的人的人的人的人的人的人的人的人的人 वेबाररारवादार रमजारवर्ष्यम् ममेरवादाः त्रायास्यारेर वर्षराभरस्रेत्रेत्राम क्षेक्चरकेरा रनुस्युक्षराण्याकार्युक्वरा क्षेत्रस्यिक्कर्तिवयुक्त 型ではない。また、とうのが、、は立かいか、なるないは、からはなる。これでは、一般、はないできょう。 ूर्षक्षात्रम् अकाररावरात्रा रार्ट्य विराधार्म्य स्थान्य क्षेत्रम् है क्षेत्राह्मा कर्त्रा कर्म रागठियाधीर मार्से सार केर्या 第一巻といいいないないないないない。 まかっかんとれていれていまでいってい मकावत्रहरी पर्यम्भक्षेत्रक्ष्या कार्यरीक्षेत्रक्ष्या कार्यरीक्षेत्रक्ष्या हिन्ने राज्या यहार्रायम्यार्ये ब्रायाचेराती द्वीरात्रकामरकसा राजीत्रत्रं त्रात्रात्रात्रा केंकार धुर्से स्ट्र्स्सा डुंडकार दुरिस्य प्रमाय का सम्बर्ध स्ट्रिस्य पर्डिस

ल्यूस्तर्भात्ते हो हो इस्यान्याचित्रस्यान्ते जाताता

क्रोत्याक्षेत्रदेशताम्या व्यापक्षेत्रात्रमावतीरहीद्यान्याता वात्रमानीद्वाद्या पत्रेयात्रे.हिर्द्रा चरार्वराकारकार्यात्रद्धियात्रकार्यकार चराष्ट्राव्यक्त्रात्रः उद्देशन द्रकाक्षाक्षान्त्रमार्थात् यात्रात्रकात् यात्रात्रमार्थात् या ヨス・あ、かなるなよって、カラダ・ニュショかいできょうない」 स्मान्त्रिक्ता अद्धार्या अद्दार्श्वा अद्दार्श्वा अद्दार्श्वा अद्दार्श्वा अद्दार्श्वा सहरूर रेनेक. सुनंदर सेद्रस सूर्य सुनंतर संदेशन यालक का हिर्रे アンツス・大川八・南、イサインでは、大人とないない、大人となって、大人となって、 となかないはいままでは、これのとははまるなからないのかがくしてなる はななが、ちゃんいましてもなる。それは、ままましてもとれるないなからなる。 म्या क्षेत्राम्य स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्याना स्थाना स्याना स्थाना स्यर क्षेत्रमा जिस्मू म्युवसाराप् स्यवहरम् म्य करिए विकास हिराप दसक ナダン・サルトンなっからからからい シンターデュングトナーシャル・カンローラカー उत्रक्षर्री अर्थायकुर्वास्त्रियक्षात्रम् अर्थात्यक्षात्राक्षा क्षिताना रम्भूरम्यान्यानाम् रहेरे र्यं म्यान्यत्ये वस्त्रमाहेसा स्त्राम् स्राज्यकातायविषकार राजकात्रियम् राज्यम् स्वाच्याकारा 型子、イスできないとうないとう またく かけられいかいかん あんしょう कुर्यास्यक्षकत्वता क्यात्र्या सम्मान स्वात्युं स्वीत्रात्या स्वात्युं स्वीत्रात्या स्वात्या स चला छोट्या सर्वे कर होता लीता होता सार्वे कर के से स्ट्रिया कर होती मार्थिया कर होती मार्थिया कर होती मार्थिया यालंकारु,कार्स्यास्याद्वयातात द्यायु, सर्द्यास्त्रेर्युक्ता नर्द्युः यास्त्र द्येत्रकारः। सारासकारायं स्यूर्क्षियार्वेदः। द्रेयकार्व्येयय्येत्रेयार्वेद्रे はれたがからずれらいなれる あからきょうかいめんだいがって もあかかかか यन्द्रम्भेद्रः तर्वद्रण्यान् क्षत्रकान्त्रे व्यक्तिया क्षेत्रे द्रवाद्रकान्यवी र्दर्वसम्भातिके द्वरायक्ता देरवसमात्वयाक्षरी स्मात्वातिका विभावेत्व いいないかんないであるとからかいかいし、大きななくてよが、これのとふいかいが、 ます、とうないないないないないないというということが、これらればいるとうと、 スエラスと、生いるいとり、くなる、ロシステンとかれているからていいから 百年的知识的新五年的新山村的一大的新山土村 लक्षान्त्रात्रका देत्त्रराम्यस्य स्वर्तेत्रत्य्वर्यस्य स्वर्त्रात्रा प्र. द्वारास्या क्राम्या कार्या कार्य に、大きまるというないとなった。そうから、まいのままさから、まからうというときのから नरामा अवत्यात् मबुकरो नेराविश्वाक्ष्य द्रात्रा सुराव्या वित्रा (क्रीवः यः तिवा वश्ववः व

m236

्यत्। ब्रिक्त्रेर्ट्यक्ष्में ब्रुच्यक्षाकार्ट्यद्वा ब्राह्मकार् कार्यान्द्रसम्प्रेका हिर्द्धसम्बद्धरम्हरम् त्रान्यन्त्रम् अहिरान्यन्त्रमञ्जानम् हेर् केर इंदरका०सकद्रककत्राम्यूरकरूर केर्द्रक्षरक्ष्र्रक्षरक्ष्र्रकाम्याकरूर रविकार रेनेक्स क्रिक्ट स्टूज क्रिक्ट केर केर केर केर केर केर केर केर हमा। में क्रिक्रम्म माक्षीकी वर्षमान् वर्षमार्थः में माना वर्षमा वर्षमा वर्षमा वर्षमा वर्षमा वर्षमा वर्षमा वर्षमा वर्षमा है - व्योत्र क्षेत्रमा दशकादके विकास का केरेका देश को त्याका विकास प्रसार्वतः नरक्षेत्रेरस्यक्रम्यराक्षात्रेर स्रावदेरस्याकात्रभारतिः यक्षरा अवस्त्रमार्थेक वेतासाता वर्षाता मर्वेषयार्थ्यर मेस 大子 ときとかかんかんとうというというよい ローミューカック・ジェル・カナノ から यहाँ केर मान होते तथा विकास में राहें यह यह यह देशा राम् रहें रिशा हार की नर र्त्य भर्दरम् अस्ति स्थान्त्र । स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र 2 to lose. यदान के विकास कि कि उसार में के का असम के कि के के के कि के कि के कि र्या अस्मान्य्येय त्रियात् याया स्वाप्ति र द्वार्यो देवा देवी र स्वेतु त्याप とみだられて、あまさまとうかいなないななか、まっていっていまったっというかいっているという ररत्युर्कारीक्षेत्रे वर्षाता प्रदेशका अर्थकार राष्ट्रेरा व हें ना कर हैं भूरे के हर थारे स्मूर्ग जे के ना हु द थारे स्मूर्ग मबद्धकाराह्नका केर्या अञ्चलका मुख्या का स्था वा स्था वा स्था मिल कर्षा स्मयम्भरद्रराज्येता रमसरेग्य स्मामक्रियम् 34792 भयकारदाची क्रियामा क्रियेर्ट्रा । अभ्यामा क्रियेर्ट्रा मेर्या क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये 40000 ナコマコンへいいこうかんかいい スカイスをかけるかをあるからい まずきに वर्ष्याय केरा त्या हिरा क्रिया क्रिया क्रिया व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत व्य स्राधेरकस्कृत्यरी कन्त्रवर्तक्ष्याक्षाक्षाकात्। स्राक्षेत्रक スタインががれかっしょう、いかいいかいかいかいかいかられている が、まるとうがん。 १वर्गार्थका क्रिक्रक-वरकी। खिल क्रक्राक्ष-मान्यत्रहें। व्यामक्रियरदार्थ. वर्ष्यात्र्रेत केवल्यक्ष्यक्षेत्रे स्टार्स्ट्र स्टार्स्ट्र येवयम्बर्भा सर्व्येकावस्य रेकार्यस्य स्थित्येत्रार्या । म्यं र क्रिया म्ह्यूर्ति र देश्या असी करे हैं है क्रिया क्रिया できる。まからかあるから、そうさかないからはない、まいですかられたから क संनेगा देन रिक्सेडोर्निकावका बेहि द्यतिका राध्यक्त के के हिंद्यरा क्रीबर्धकाव द्वेषकाव वेद्वका । यक्षत्रमेवया द्वयप्रकृता को व्यक्षि इक्षक्रित्यव्या अध्ययन्त्रायद्वार दिकायम्क्रित स्ट्रिस्ट्रिक्ट्रिति

इवःकःदर्भेन देशकणमात्रिम्यःदिम्यःदिम्यदेशस्य निर्देशस्य वार्ष्ट्रास्य शिवा लाल्या अरले नद्यंत्र मार्थित स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान देव विद्वार द्रात्माचना राष्ट्रेच करेरे ते हिरा दे तत्त्र द्रात्माच कर्ष राहे ता रेव तहेर। बुद्रा द्रत्युंक्षेत्रद्राध्याया यक्षेत्रत्य्ययक्ष्युंच्ये द्राच्या द्राद्र कार्यकारक्षराहरूरा कर्षेक्षर् सुन्द्रकारम् ती. यहुकारी रहेयासी.रह्म. मुक्तुमार्वम्याः सम्बन्ध्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यः कुर्वात्रम् । वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् यही श्रेस्यक्रिक्ट्रिकेट्रिक्ट्ट्रिक्ट्ट्रिक्ट्र स्त्रिःस्याल्यास्त्रेरम्स्या रेस्ट्रेस्यायायायारकराक्त्रा अरत्त्रम् द्यावस्त ब्रायक्तित्र अस्य त्याद्रेर द्यादः यात्रीयात्र प्रकृत्यत्रे द्रायः व्याद्रियम् यथमास्त्रवेद्वरा व्यास्त्रें वरलद्रां र्विद्रद्राक्षण कार्लर् अयामक्री मामान देवराठका अयामान स्थान म्यानिया देवकार्यत्र इ.च्यूच्याकाकाकाद्ये द्वार्टी र क्षित्र ह्या यह का क्ष्रिस् सन्दर्भ-नून्। सन्दर्श्विष्णासांसद्भान्त्रा। नृत्यद्भाद्मार्न्त्रा, भ्यद्भावार कार्यक्षेत्रः। ब्रिस्ट्राक्ष्यक्ष्यस्यक्षेत्वन्त्रः। यत्रस्यक्ष्यः व्यवस्य श्चित्रः हिर्द्धत्रः क्षात्रः व क्षेत्रः क्षात्रः व क्षेत्रः क्षात्रः व क्षेत्रः क्षात्रः व क्षात्रः व क्षात्र 教学、から、未不らか、はは、生生、大き、大き、大き、中心、からかいから、 はない र्नेर्द्रम्यास्य स्ट्रांकास्य व्यक्तास्य व्यक्तास्य स्ट्रिकास्य ग्रेका प्रकार र.यहराकार्यस्थात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रात्रात्र्यस्य स्थान सुकातार्येत्रत्यारार्ता सावयात्र्राक्षाक्षात्र्या स्वीत्रका をからままないと、あていている」とはなるとなるというという。 इ.डि.म.स्ट्रीयुक्त चर्ना क्षेत्रत्यक्षेत्रत्यक्षेत्रः यक्षेत्राच्याक्षेत्रः वरार्क्षेर्वायाः साम्बद्धसार रेस्त्रेर्वस्थाः स्त्रित्वस्थाः ある。これのないではまといとも、また、ヨエロ・いとやのかっていることであるできるからで राध्यारा त्यामा तर्या चेरवया हे अद्ववहरा यह त्या त्या पति रदार् हे द्वार्यका देते द्वारवदार् स्वसार्ग देशद्रश्वादार्द्वाद्वीराश्वरक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष नार्ड्ड। यम्ब्रेट्ड्रेक्ट्रिक्टा द्रमाट्डा, स्थायता वर्षा त्राहर क्षेत्र क्षेत्र प्रति द्रमार्थः र्रेशन्ते केल् वंरर्र्य रहान्त्रा वहत्यात्रा वहत्युव स्थानेतित महत्या वास्ताना ह्या वास्र

738 नेतारमर्छित्धरा र व्यवद्वायायद्द र्रा विवेशवह्वाया स्ट्रां वित्रमः विवयात्यक्ष्यभा सरिर्दर्भस्याम् यावाण्यात्मको सर्दर्भस्यायायायाया स्रामुनाहात्वमः पर्राष्ट्रिया क्रिया कार्य के कार्र के विषय के मान के कि कि कि कि कि माद्दरने केरेन्स्या मा से याद्यत्यते रहरान्यं स्थानहीं द्रारास्त्राया सुत्रान्य अन्ति केनाया मिन्सिक्षिक विकास है। कि कहा स्वार्किक निष्य के तर है। है। कि द्वित्यद्केंद्रमः देवस्यद्रत्यक्षम् व्यवदेशस्यम्भवस्यम् त्रह्माक्ष्रेदार्द्भते से वरीन्त्रम् म्येयायम् अन्यत्त्रेयस्वात्रार्ता रदररद्वात्रेयाया । वत्यात्रास्त्रेत्वत्यात्रास्त्रात्रा क्षं म ने या क्या प्रवास महिन्यावया । वे मान मक्ता प्रति प्रवेद । प्रवास महिन्य अपूर प्रवेश भरत かかくかいい」「ことなってあってあるなかのはし、サイチョのハイイカンできて」かられる स्वया वेद विद्यान्ति स्वयान्ति विद्यान्ति स्वयान्ति स्वयान्ति । स्वयानि । भारतिकार देया स्थानिक क्षेत्र स्थानका य व्यवस्थानम् स्थास्त्राता विदेश स्रित्रक् स्रित्रक स्वाया विदेश विदेश विद्या विदेश विद्या विदेश विद्या विदेश स्वाया स्वाया विदेश स्वाया स् वित्रहेत्र रवास्य वित्रहेत्रे भेरवास्य यहार वित्रहेत्र स्वर्थे वित्रहेत्र स्वर्थे वित्रहेत्र स्वर्थे वित्रहेत 国とそのではなる、後国のないは、、これにはいることには、これのないは、まるないのは、 ्यम् रायम्यासा मारामिन्द्रे हित्रयासे वा सुरादी मारायाच्या सर्र्धिवाह्र रवास्त्रीतर् ल्या न्यातान्त्र तानाक्षरात्नुवर्ष्याचे त्वाक्षर्यात्वा त्वाक्षरात्वात्वात्वाता राष्ट्रमाष्ट्रद्रा यामेर् भेक्वाहरूक्वालर्थर वर्षे वर्षे अर्वकाहर्वस्त्रेत्र वेवारा प्रदेश राम्डेकालक कर्रमार्यक्रमास्त्री तायावर्वाकर्करकर्ष्यरक्र्यस्त्रीराज्या कर्षाः देशकार नदर ता का माना स्वापनांतर्के वार्षितियायांत्राके मह र्वायाचे नामार्डरावनवाधारदा मुद्दापाष्ट्राधामामानीता । वयदास्वानुष्द्राधारे । द्याते का पिस्ति रदास्तिवादावर के विकास विकास किया के तिकास के देव समस्ति के इस्ता) विकासराय विकासराय विकास र्या क्ष्या विकास क्षया विकास क्ष्या विकास क्ष्या विकास क्ष्या विकास क्षया विकास क्ष्या विकास क्षया की वाहरत्त्र्व । तस्तर वलभावनेवा मंत्री स्थापर्वा । १००० १०० १०० १०० १०० वरायर्वा 6 में या वर्त्यालया कर्मा स्वराधा तर्रा में में ते के तार्ष्ट्र . वर्तर देवा मेरा में देव तार्ण्ट्य के के न्त्र व लिंद्रकेत्रेत्र्यः वर्षेष्रा श्रित्यवल्यं नप्ति स्त्रेत्वा वर्षेष् मिर्टिश ति.एक्षिकान्त्रेत्र केत्रत्य क्षित्र क यात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् स्य दार्यात हिर्देश तर १ ११ विका १ १ वर्ष १ १ मार्थित १ १ १ मार्थित स्वर्धित वर्षेत्र

सर्डिर.के.रेडा र ्पड्स. शरमायादात्राहिकारें। किंद्रमा विकारिकारिकारिकारिकारिकारिकारिकारिकारिका सर्वायम् स्ट्रिं त्यात्रस्र देशायम् नद्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य प्रमान ्रिट.स्ट.दे.ले.ला स्थाता यहम्ब्रिट्मिलान्त्राच्ये स्थार्त देतरार देतरार देतरार देतरार मिटम्रेर्याप्तरम्याक्त्रात्तः स्याप्तर्थात्रयार वात्रम्यायतः सरायाः क्रेस्त्रा विवयावावसुरासावर्द्धाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः द्वाराष्ट्रः त्ववास्याद्वाः द्वाराष्ट्रः वर्षाः व स्मिन्यानी र अस्तर्राह्म व्यव भवी तक्ष्य महत्त्वाति हैना हैना बर केंद्र वे तो रहेर सर श्रीटार्अविवासिक्रियात् द्वा प्रदेशकिविवास्य मान्याया विवासम्बेवाया विवास नविन दिन्नवान्दर्ववाद्यान्त्रियान्त्र विवास्त्रित्ति । देवास्त्रित्ति । देवास्त्रित्ति । व्यवस्तित्। वर्ष्ट्रम् मुकायराक्ष्यत्रः द्वार्यस्य भित्यकाद्वत्रम् स्थादः । द्विकाकीद्वार्यत् कर्ष्यः मृत्य नर्देषुः म् तहामाना सर्हरा मनता वर्ष्ट्रमा स्मान्य सम्मान्य प्यायाश्च मित्राता त्यात्रे त्या तर्विषेत्र हित्य। र दुर् स्रायर प्रध्यात्र व्यायार्था रात्या पर्द्र र वात्रक्षित्रहेत्या वात्राताक्ष्या वात्राताक्ष्या महत्ता वात्राता वाद्रता वात्राता वात्राता वाद्रता वाद्रता वाद्रता वात्राता वाद्रता वा कृति असिलाम्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा ल्यंदर यह महिल्ली मुक्करार्य हैं महिल्ला में महिल्ला महिला म स्थित स्थान स्थाप के र्यंतरिक्षेत्रांत्रा न्यर्श्वर्त्यान्यम् । न्यात्य्रम् व्याप्यंत्रेत्रे र्रात्यसम्बद्धाः विद्यास्त्री सन्दर्शकायुम्भ रत्ये स्तितिकातः वुद्वमामावतिका याविषाम्याविषा कर्ष्याक्षेत्रक्षात्राविष्यावरात्व व्यवस्थात्रत्त्रात्रार्यार्थाः र चर्रमा विकार क्रिंड देश्वर कर हो। विदायर प्रविधा श्री स्ववया क्रिंप विदाय हो। श्री चरे प्रविधा विदाय प्रविधा श्री स्ववया क्रिंप विदाय प्रविधा स्विधा विदाय प्रविधा स्विधा विदाय प्रविधा स्विधा मैत्रवाश्चार्शकार्शा यामक्रम्भवर्षात्वारवासः हुर। सर्वाश्चर देवारहरदेवासुर, क्रिक्ट सेवला लाभक्ष मार्ग के विकास के अव मेर बब्द के अला का मार के देश मेर के किए में देश मेर के किए मेर के किए में देश मेर के किए में देश मेर के किए मेर किए मेर के किए मेर किए मेर के किए मेर किए मेर के किए मेर किए मेर के किए मेर किए मेर किए मेर के किए मेर मेर गर्ने में पहुंच में वाला में का हैर रवर दूर हैर में में चे कर खा में में अभार में में भेर्। रंक्ष्यत्मार्भवद्वरलाम् रहिर्व्यक्षा द्वर्गम् व्यवस्य वर्षावाल्या द्वरावत्यः

्यक्ररायतेष्ट्रा ्यायतेषुर्वासुन् । । भूत्र । भूत्रामक्ष्यिष्ट्राण्य्यात्राम् । ५भ र्यात्रात्मे स्ट्रिट्रेश्वर्त्या राज्यस्था इसता र्वायात्रात्या र्यायात्रात्मे स्ट्रिट्रेश्वर्षेत्रात्रात्मे स्ट्रिट्रेश्वर्ष्ट्रेश्वर्षेत्रे स्ट्रेश्वर्षेत्रे ないというできなるというできない。 こうできない からかんないくくてるもの क्रियारमगर्स्यार्स्यर्भवार्षः हरत्य्वेषात्रात्रः । व्याप्तात्रात्रः く類目 केर्वालासूनायात्रा राजात्राहर्षाव्यतिक्षेत्रासूत्राहर्षा त्यात्रकानार्व्यत्ते व्यवस्थालेत्। संस्री देवी तमे ए, देनेहा देह स्वरा अर्पा रहा वा विषय । असाम्या लीया देवा के रास्वित । विषय ्यर । क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्त क्रिट हे हे । क्रिक्ट क्रिक्त क्रिट हु इस । ्राम्रद्रम्म नर्भर त्यं ता हैलाहिलः राक्ष्रेर्धिर राममा प्रदेशकर पर्वा हेला मे स्टिंड शुर्भिरहरलाम्य रमलम्द्रिक्रयाद्यम् त्रित्यत्य र त कृत्यर्थं व दुर्द्दा द्रित एर न न न न अध्यानर्ययाच्येन यह स्वता रहित्य से के देशकाता वास्ता है। होना उच्चलाहे. अर एतियास तमा तम्बद्धायम् मा द्राक्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् चरमें हेव हरम् हर देश्हर्यया उम्मार्थिय हैर हरेर रहे व्यव्यक्षिया सुर्देश है ेरा पर क्षेत्रीका कुर्यात कुर्यात कुर्या के स्वति के स्वत रा मन उरम र हिर्छिए विवावसायार प्राचन वितर्भेर हिर्मित हिर्मित विवायस्था में भी स्थापन र्देर) नवताचावहरा के राह्यराक्षकार्यकार कुर्वाहरूका हुन्यवर हुन महाराष्ट्रा करा ... देश्वेनक्ष्य पर विकानित्विता नामा निर्माति क्षिक्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेरकेक्षरर र परा गर्दे तर र तर प्रा के र तर दे हैं र तर हैं र तर हैं र ने विकास के र दे देवन के विकास के र ह लेवा करला वहुवी तरा राजा तेता दिवादत्यदा है। देवदश क्वेर देर्जूदे वर्षा देवदा देर होवा यर्भव्य त्राप्त व्याप्त विकास कर्मा राष्ट्र विकास कर्मित कर्मित विकास करिया हैरा हिन्द्रीया एक्ट्रिया में रदावा निष्ठुं रहे वह रहे द्राहर के का विद्रास्त्र के निर्देशिया पर्यार्थः । । । । । व्याप्याप्याप्यायात्रेवात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वा ल्रालाको में में मारदेवर में दालका न का करा यसं महत्ति खरा दर है का खरा वा का वा सका का करें लकर वहरा गरूर नाम ही अर्थर ए दर्श है जिस है एक । हिरान्त्र में हो से एक । हिरान्त्र में हो से एक । हिरान्त्र म स्रिम्ध्रावस्थात्रः । रहराशेवस्यायस्यम्बर्धराष्ट्रास्यार्थराद्वेतर्वेतराद्वेतराद्वेतराद्वेतर्वेतर्वेतर्वेते र्ड्यार्थयाम्भरग्नुतातार्द्धराट्याक्ष्याक्ष्यात्मात्मात्मान्यरम् रह्वरः अर्गद्धगातात्मा म व्याञ्चेता विशः विर्टि हिरामेन्यरवा क्षेत्राम्बाध्या वर्ताः वर्ता हवा श्वरः त्या स्वाचित्रः त्या स्वाचित्रः यदार् न्यत्र न्यत्र न्यत्र विद्या के त्या का का का के दा के दार के दार के त्या के का के का के का के का का का क पर्वेग.सं.रतजातम्,रं लगःद्रायः । वर्षः द्रा क्षेत्रः द्रा क्षेत्रः तर् प्रसीताक्षेत्रः वर्षः स्वरं र्रस्त्रिर्लेश्यायाः विशायर वता श्रीता विवा) यता विष्येता वर्षेट तरी वतार या विश हर्रित्येव चला है. ही व.रगर. वहर. महरा लचा (प्रकेश) वर वटा वसका महरे हुर किया था हर हु वे पा

14/

स्थान्त्रिक्तिस्त्री क्षे याचार्यक्ष्याक्ष्यां स्थान्त्री क्ष्यां विकास्त्री क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र याच्या क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र

मिनाम के मिन च्यत्ये अर्थे के प्राप्तक वसूर रू. क्यार सीट रेवाक्ष असी क्रेंग्र माए ते तीट रमाकु वात्र वा टक्स वहिए. द्यवःयविक्रित्व्वाथसह्द। यादीक्षातावका हरावाक्षकात्वादास्य राद्राराह्या म्यान परशास्त्राकूरक्ष्याच्या राजनाहिष्याचेरवाक्ये यात्रामा हस्येवहचेर वाक्येया वलमा स्वार्भास्यात्रेरावाक्रान्वयावलमा विवर्श्वावयात्रेरावाक्रास्यात्राह्यराता स्वर्भस्यू का। निरासीन यते कुला यति क्षेत्राण्यातः स्वता ते त्यार द्रामविन्नीते त्याविक्षेत्र्यवायाम् कुल भुषा ह्य.रामक क्षेत्रात्त.जूर्द्य्यकारी वैत्राच्यर्वित्यविद्यायेशामः रहेरक्ष्यंत्रे अयुक्तियेवक. दे। त्रद्येदर्देर्ध्यामाभव्दर्वेद्रा वर्ष्यद्रात्म्ब्रद्यात्म्ब्र्यात्म्ब्र्यामाव्दर्वात्मा र्वास्ट्रियान्यरायते तर्भावेययरे। ट्रस्वायवावी तवयान्त्रीया द्वाय (क्र) क्रावरतर्वा स्ट्रिय म्नायाम् अत्राह्म द्राह्म वाद्रभयाद्वादे श्रेम्य द्र्यायात् विवयम् द्राह्म विद्यायात् अवायह द्रा र्या स्वाववर्डिवारवर्ष्विक्षकेवद्गरास विद्युर्द वर्षायतिम् स्तित्र कर्त्रेयः स्ति वर्षेत्र वर्षायतिम् मिलामधारम्भला जार्यः मिल्यूर्यात्राः क्षा र्वात्र्यात्रिक्त्रम् वात्रात्रात्राः मिलाम् मिवास्यात्रात्राः विश्व देणाता हैया श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता है के स्था ता ता है दे । स्था ता ता है के स्था से प्राथन में यात्र हिर्दर्दर्वानार मार्माण्येत् रेपेर वर्षमायात्रवाचात्रमाया व्यह्रमा बुविविविद्यायम् पा इरिश्वा राज्य दे राष्ट्रकेश्व में इंदर्यका केता तु । वस देश स्टेश हो खेर सामेश हमाना के

किर क्रिया परेरे प्रायम प्रमित में या या प्रमित में मुराया का लूर क्रिया मी में या प्रायम में राय में राय में या प्रायम में राय में राय

द्र। दरायासक्ष्रिकाक्षरयम्भयावसायदा वित्राद्यार्म्यक्ष्रिक्ष्यद्वात्यार्म्यक्ष्रिक्ष

विस्त्रविद्याया दःरदःरवारामात्रात्वमात्रां क्षेत्र देःदव्यद्मानादःदुःतद्वाक्षां क्षेत्रां सुद्रःयाभी देशकात्रात्रात्वात्रे विद्रश्चे १ द्रम्य व्याद्र भेगा वीका क्षा अक्ट्रम् अव्याद्र वा वाद्रम् एक्ट्रम् वाद्रम् वाद्रम् वाद्रम् वाद्रम् वाद्रम् मुकालाम्ब्रह्मार्केत्रहिता दल्लक्ष्रहिवादा कैवलाता कैत्यह्रवत्त्रहेत्रहेत्। इम्रेबार्ट्यक्रीक्णम्तराख्यार्थ्य। र्ह्टक्यायाम्य प्रत्या यह्याक्ष्य स्थान वि. व्यापर्वा पर्वा प्रमाणकार है। मास्यानिक कार्या है। मास्या है। मास्य है। क्तिर्देश्ययतम् सार्वार्ष्यं वर्ष्यम्ययम् स्थार्थं रेग्रेर वर्ण्यं कृष्येत देव वर्ष्यं मध्याक्षात्रा कामा भर्ताक्षरार्द्ध विश्व वर्षराध्यात्त्र म्रहरा विद्यालयः र्म् विवास्त्रात्तरकात्र्र्यात्र्यात्र्यात् मात्राम् मात्र्ये स्वाधारम् व्यक्ष्रितायायम् कें अहमहार के श्रुष्टात्मक त्रिया के युत्रिप्तम् रह्मरकारा म्ला लाजिया पुर पास र्टमला देलारम्डिम याष्ट्रम राट्या ही। याष्ट्रम में इस बाद पाय केंद्र यरम्बेर्यास्य मिन्ना स्वम्भेद्धर्यायम् । स्वरंभविष्यास्य । स्वरंभविष्याः ्रेट्रब्राया वर्त्वेय । क्षेत्र (ब्रावर) रचारववाविवादकार श्रीते विवास । तता से वाता रे क्षेत्रवाववया र्वार्यर वर्षाता पर क्रिया में द्वा में वार्य के दिया के विक्रिय के वार्य के विक्रिय के वार्य के वार्य के वार्य विद्रायां भुगतिकाराका द्वार द्वार द्वार द्वार स्थाने स्वार त्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान 6 मुनाया किलान्त्रं स्वा श्रिक्रियास्य किम्मिय्य स्वातः वर्षेत्र अस्तितः कर्षेत्रः वर्षात्रे स्वाति स्वाति वर्ष्णः भरंतिः परी पर्वात्रक्तिः तर्वा अत्रात्रा क्षेत्राविक्ट्म्या र्रात्री श्रेवः तर्वात्रिक्षात्रात्रात्रात्रात्रात् रुवःम। ८:८४:५५:५:५:४म। ८:जलान्न्यायास्त्रायास्त्रायास्त्रायास्त्रायास्त्राया यानदर्भार द्राया अवत्य विरामेदारी मात्रवाय विरामेदारी विरामाद्र वि लहारी हिंशकर (इन) पर्लर के प्राचाया लिया में दाल वाल प्रता हे विष्ट र से दी में जिरदर्श र्च्या वस्त्र। वस्त्रा वस्त्र। क्रवाकिरासुरी अभाराविर्यालासर अवायी विवासिर्वेसरामुस्वेदालरासुरी भेजावासुत्त मरास्त्री भाषति।रराव राज्यात्र ३१ असम्बार्य रेश्यात्रात्र ने राज्यसम्बाध्यात्रिक्त व २०००० १० प्राचित्रका १० प्राचित्रका क्रिया क्रांस्ट्रिया क्रांस्ट्रिया राज्ये ने क्रिया क्रांस्ट्रिया व्यांस्ट्रिया व्यांस्ट्रिय व्यांस्ट्रिय व्यांस्ट्रिय व्यांस्ट्रिय व क्रिलिस्टिलाएकरा हिर्विद्धारायाणवाकित्यमद्वमद्द मार्ट्ड्यावाकेटकरद्राविद्वाता र्थार् रहाश्चित्रात्वार्ता के हर् रहासकर श्चर में इसला विकासकर निर्माति में वर्षर री महराज्ञिमहर्मा कार्या के कार्या के स्थान के स श्चरा रदाया रदासारा मुंचिति अहता द्वराधे रूद्वलय ह्वास्त्रित्या स्थाप्ता स्वाप्ति त्मानार्यः नी दर्भातरः) दर्भेदराष्ट्रिं तामानार्ये । विदेश्वरत्यं तामानार्ये । रे.ब्रुभः(ब्रुभः) अ.ब्रि.स्या स्.स्रूर्थे । र्श्रुरं केविक्या दार्यः भरे वि राष्ट्रा ता वाया कर व्यार्वा रूप मेर् व्यानरम्भाषात्वस्यात्रम् वाष्ट्रमानुस्यात्त्रम्भारत्यात्त्रम्

wind

इ. श.र्र करें के हैं वा में के रूरा के का (सरका) सार केंच बेद जान केरे वर में की का अप रिवार किया विवायम् र्वास्त्रात्वारीयातायास्य सार्वाम्यः स्थायभारम् स्यास्यास्य स्थायम् विविद्यम् स्थायम् विवाद्यः विवाद्यः थीत। दसाम्यावी।व्वाप्युदादरकेवपदी कार्यामा मिराने । हीरामने सुवरसायदणनेपा खो चेर क्रियायको चेर वृंब् हेल चेरवल की वर्ष विदायस्थ संगा मिं बुद की अद्यायका वेल 🚊 प्रशुक्तिक्रात्मेवक्षरायरेय । यह्यं यात्रात् सेर्क्षितायर्त्र लूकाल्का त्रात्रारत्वयार्थे विद्वरायर्ते सेर गिक्राक्षक सेर्द्धी का. श्रीहालहाजुर लक्ष्मर्रा कालल लेब हैं देखालें। म्रेर्वाया व्यक्तित्यात्रम्यत्यम् वर्षात्रम्य वर्षात्रम्य वर्षात्रम्य वर्षात्रम्य वर्षात्रम्य य. विश्विताय द्वारा दे, पर्तिपाल्य र अवववाद्य वा त्वाया १८ विष्य रापः श्रापा पर दिवासर्। र्याक्षाः कराश्ची व्यवस्थाः विष्या द्वार्यद्वस्थात् स्त्रेत्र स्त्रा भीताः स्त्रेत्र स्त्रा भीताः स्त्रेत्र स् दर्। श्रुक्त के लारा हे हे र हिरायहैं व सी हार लेव र्या मान्त्री वर्र पर हिरायह का भारत हैं र व भित्रः हरेर्। वित्युः कर्वतः तरमाय अवर्षिका द्वाया अधिवर्षत्व अधिवर्तत्व विरादवारम् वाहेवः क्रमानामान्त्रः क्रिक्नान्यः मुक्ताना मुक्ताना मान्याना व्यक्ष्यान्त्रः वार्यमान्त्रः वार्यमान्त्रः रदः वर्ष्ट्रेन सहित्र हुए हैं हैं हैं । यह अहिता दुरकी द्वितरमान वैकार दवद अहिता वाणाला श्रीपाशक्रीयामहित् के वार प्रकार के दे देर छ। बुरे क्रीय श्रीपा श्रीपा हरी यर्राक्षेत्रवाविश्वसायवा (त्या द्वारा सहित् सितिश्वेत्र हर्। देरर्पर्पर् ल्या (यव) इंपड़रकारकार्यः तहारः त्वांकुः ल्यार्यात्वात्वात्वात्वाताः) स्व रेरा व्कायर्यात्वा पहुंब ख्राच्या पर्या हरे हे जान्या विकास करें विकास में प्राप्त हरे परिवर्ध करिया है र भग्नामा वर्रात्रमान्यात्र्रार्द्रराष्ट्रमार्भे कार्या भेजात्या हिल्लामान्या ।सं ४०८०। र्रास्यार्थित्व हर्रात्रातः र्षेत्रम्याय्व अक्टायात्रात्रम् व बरस्यावयाय्य म्मलाक्षित्रस्यमार् स्यालस्यर् यहिर्गातास्य । मिस्र रे. हर वर्गा वास्त्र । क्रिंग्नर्रद्यस्य । वि.स्टरम्यरेट्र हिरक्षेत्रः वित्रक्षेत्रः वित्रक्षेत्रः वित्रक्षेत् क्षेत्राह्म द्रमहामाना मान्या १००० १००० हिरमहा おからで、(みな)はないなべてのなっかとう、サナインには、おけんろくはいめの、まち म्रे.च्याअस.यवश्चरावसर्द्री परीयासिरातातिश्चरे सैयात्तरस्यातरश्चरस्यातर्द्धते ज्याया केर् से व हर रहार लेंद्र अद्भार में माना वा केरे हेरे अर र व व वा व ता ही. गर्के अहेर्यु है। शुक्रतीरत्यस बुरबुर तरे सुरबुरकारों। प्राच्या है। हैं का मेरी के लाम आहे बहुआ है। राम मार्थिय है के लाम आहे हैं है। के लाम आहे लाम अरअष्टिर अत्रिक्षत्यात्मिष्टेश सिला से तास है केंद्रात्मिष्टें रे देवता राज वेव केंद्रात्मि

्रिकाम) ख्रीरराणवा रमराश्चीतातालः राजवनार्राक्षीवता त्रामावा पर्रामिराग्रेटाने व्यवसार्ग्य ्येवयान्त्रेरारह्यारह्यया। राजक्रम्यरावराम्यान्यान् रेजक्रम्यान्त्रेर्त्सः। यर उन्ना त्वार् राम्यास्यास्य स्वारतास्य त्यार्थितात्वा त्यार्थितात्वा विद्यार्थितात्वार् विद्रास्य स्वार्थितात्वार् वह्नेविया स्टक्त्रह्मायावर्षे द्वरम्या वर्षेत्रम्या वर्षेत्रम्या वर्षेत्रम्या वर्षेत्रम्या छरवासी भेरत । ए। एन दमामध्यक्षेत्रमारखरादर वहर्षेत्राहर राजेब्हेहराम्हेया अर्वात्यवर्ष्याच्यात्रवर्षात्रात्तात्तात्तात्तात्तात्तात्त्वत्तात्त्रवर्ष्यात्त्रवर्ष्यात्त्रवर्ष्यात्त्रवर्षे वक्राश्रेत्य रायारात्य राष्ट्रा दारेस्करेलाञ्चलवैदारवालकहूर। वराश्रेषावर्गरामाञ्चा देरीर 4 201-4 5 में अला ? १ में अला ? सदेला सुर्राष्ट्रिर देन स्वासहर स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र देन राम होते देने र्श्वरित्र र १ १११ र र १ र वह रसके सहिवालहें वश्वरित्य देश ते न र १ १ र वरे वहिर रेक्रिया अवास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राः वर्षाः 2 al R. 1 रेश इंस्विर अर्पविष्यं स्ट्याया रयप्यायि अर्ववसाम्बर्ध हरतायमसा स्ट्रिंट हरा अराधिका तथारे तथाला में वर्षिक्षित्र करायात्र । र्रात्य प्राप्त करियात्र वर्षा वर्ष विदर्भवति सेवस्य क्रिया शिवस्य द तस्तर्था हर द्यत्यस्य वात्र स्ट्रिया विदर्भ तर्वेद्या 9 Fai वनार:रे.छे.कर:श्रेवःय:दर:कदलंडिवार्च्यःरुवःयःदरः । १५:४१ में रहवी वीक्षर्याः वर्षः वर्षे विश्वास्त्रविष्यः हैं खेर कि केर केर अरअरल है वा तथरमा यथा में ता खेरा है रहें के कि सा सा है सा है सा स हिरारायकर १६८ देस क्षेर्रेय कर कर के सहर देवाला होला के का समिदार देवार त्यार त्यार र्वाया व्यवस्था र्राया में रहिकारेश सर्वाय हरा मरा। विक्री करिकारी महिला हरी विक्रा में मारा वरक्षात मारा दर्शित्य प्रत्मित हिंदिल वर्शिय मारा मारा देश प्रत्मित । देश प् क्षेत्र हृत्यातात्र्र्यास्त्रम् वर्षेत्रहे केवरिष्ट्येवरक्षेत्रक्षेत्रदेशस्त्रम् वर्गरके दर प्रमान स्वाम स्वाम विवास विराम रियम र स्वाम स्वाम सर द्वीत स्वाम द्यात्रात्रात्वरत्वेवक्षर्यस्य वृत्रात्राद्वारा छोष्ट्रभावष्ट्रद्राताक्ष्रभादवावार्त्र्वहर्वता वश्यात्रद्भावद्वर्यात्रम् व्यवस्तर्या व्यवस्तर्यत्त्र्यात्रात्यम् वस्त्रम् डिट्यमा किलात्माहराक्ष्री क्यात्माता हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु हिंद्यु

の母一人のフェダルは、シャンの母のとないのは、シャカの男はないないないので मिक्स मिन्द्र अपनुष्ठते मुक्स के मिन्द्र का विकास कर का मिन्द्र से हिनादारात्यात्र विकास के के इसया विवाय सकी सहिद्यते त्यू सारव यते करात कृत्या स्त्राहर मुंबर्त्यस्याकुरा के वेश सर् यम्यावयाः वर रेम्ब्या वर्त्य वासरायाः वास्य के वर वी सुवर्ष से त्र्याक्तर परक्षर मुद्दार के राज्य का के अपने दें के कियर से दिन से पर से प्रमान के विकास में प्रमान के प्रमान के कियर से दिन से प्रमान के प्रम गाउँ कर के स्थान की सुक्षाता हिंदर तार्थे देश काला तारीट तार्थे देश वसम्पर्धिय विष्या अवस्ति क्षेत्रेय निर्मा स्थापिक विष्या अर्थित हिंदी वर्ष हिंदी वर्ष हिंदी से हिंदी से हिंदी वर्ष हिंदी के किल्ला का किल्ला के किल्ला के किल्ला के किल अम्अवितास्य म्या मार्थः व्या स्थित्वयायवितायहित्यः देनियाय्यित्यस्य स्थित् र्विताराया शब्दाता र्या दरामकता द्वामाता तर्वामार वेरामुवावनात सुवायरा कु राज्याय गर मुंब गुरवल हुंब। कुल कुल स्ट्रिंग स्ट्रिंग हुंव, होर से स्ट्रिंग होर हुंब। होर वस्या स्राम्याद्वाद्वाद्वाद्वाद्वात्रात्वात् वात्रात्वात् क्राम्यात्रात्वात् क्राम्यात्रात्र् नी विश्वायमान राजा सम्बन्धनेयार्थय व्यवस्थायमान वार्यस्त्रीरक्षेत्रकेषा वार्यस् ह्मवादम्भावद्वते वाष्युःसूर्यः। द्वर्दर्भावद्वते वद्दस्केन वाहेल। एर्दर्भावद्वते वहे त्व्वा कर्ष्या स्ट्या ALL Say Light of the say of the s स्तिम्युव (वयुव हुद्यो तर् सम्साम्य राज्य अर्द्धवापिर हो। धार्थियात् स्तिम् यद्भीत्रम् व्यवस्थातीय द्वार विश्वतिक विष्वतिक विश्वतिक विष्वतिक विष्वतिक विष्यतिक विष्यतिक विष्यतिक विष्यतिक विष्यतिक विष्यतिक विष्यतिक विष्यतिक व नावसारी रेट्रा म्येन्य रंग । अधिका के अधिका के भवा स्वाधिक रहता है। याष्ट्राणिया वस्ति व यराम्येत्रक्षात्रक्षात्राच्यात्रं रेजदायदाम्य्याक्षेत्ववस्य क्षेत्रयत्रेत्रयात्रास्यात्रात्रात्र्ये क्री रेकेन यर्र तहें अति र्वाया अदर्वतार रि लर्त खर देवन रि र के के देवती श्रुवन्त्राता के सिक्तान्ता हर हरा तर्वर या वर्ष है है के भी पूर्व रिवारित रिवारित । सिरिश्रा रहारा वाश्व । रत्तरात्तर रत्तरात् क्र विक्व किरवाश्वर विकास सिरिश्या किरवाश्वर । अत्रिता लाजा तर्वे वास्त्राक्षित। सेंदास्त्र वारीया की अवत्र दंदा करता दंव वा केंव राह्य है पता स्वर्षक्षा त्यार् द्यार्य के स्वर्ष दर वर्षित त्यार्व त्यार्थ स्वर्ष अरम्यारार् रार्रम्ब्रा सुरायव र्यमार्पन स्वायात्रवारी र्या से विद्या संद्वांता सुर्द्धवरातासायरातार्यात्यात्रात्या र्वास्व अर्द्धस्यार्दर्वाता सी हरे तर्वार्द्धराम्याये द्वांचा मानाह्यांद्वनायव्या याद्वेता याद्वेता याद्वेता यान्याच्याच्या क्ष्यान्त्रीताक्ष्य। प्राथमान मृत्या राष्ट्र रवासा होसन हो स्टर्स स्वारा हो स्वर्थ । स्वर्थ स्वर्थ र र

रे.रेट्रियं रे.ट्रे. ये.व.ल.हेर्रे वार्ति हेर्रे वार्ति हेर् 25.2014] stone from ही स्रव देन स्रित्स स्रित्स स्रित्स स्रित्स है। चित्राचित्राच्याः त्रार्थित्राचित्राच्याः व्याप्ताच्याः 3 bad. यातरमान्त्रः द्वादी द्रत्यक्ष्याक्षिणातयवाद्वाक्षाक्ष्या यात्वाद्वाद्वात्वा स्टिल्लिस् क्रिया वित्रात्मा वित्रात्मा क्रिया वित्रात्मा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् मेरही देखें विकास मामा की रमर में समायही ते के कराव बरादव है भी बहुता मुंब बसाता र्शियाद्येत त्या क्षेत्र मात्राच्या मात्राच्या मात्राच्या मात्राच्याच्या व्यवस्थात्या व्यवस्थात्याच्याच्या न क्यांट रदः वहवर्भाग्यसद्दाववस्यक्तिया। यदद्वस्यस्य स्थान्यावस्य। द्रदायाक्री लग्रह्मालका र अरद्भारम् अस्ति श्रम्भार्था लग्नाद्र स्मार्टिक इम्ब्रास्ट्रिस द्रम् द्रम् द्रम् द्रम् हैग.ण प्रा. एक रवर हे ता दरल हे स्वत्य पर्दे सददी वामिण्डामां रेर् वाकाराकारीयाम रत्यां द्रावंद्वम्केर्विकंत्रमा सुवा केवास्तर हिंग हिंग राया के सार्वा के वाम देवा के तर्वा मान हिंगू नाम हिंगू नाम हिंगू नाम हिंगू नाम हिंगू नाम ह क्रमस्य वर्षेया वर्षायर वर्षेया वर्षायर वर्षेया कर्षायर वर्षे प्राचित्र वर्षेया वर्षेया वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे かれる र श्रुवा यते विवेशकार् व अपत्ववादिर हर हर केवर् व व्यवस्तुका प्रविद्र प्रकेश विद्र स्रिर्वरक्षे क्षेष्ट्र व्यावम्दा वालर्रहरका व्यवस्थानित त्वुवा श्रुक्त अर्था अर्थ अर्थ देवे वे ले पहिला कुरावादिकार कर कर कर किरायाहर कर नहीं मिलकूर्य. यात्रभाश्वेत्रकार्येत्रद्र द्वाश्वेवाधीत्में कृत्वराति कृत्यर्द्र कृति । ्यर्ष्य श्रेमक्त श्रेमक्र तिन्द्रिया विष्या विषय । मर्ति कीया तार्राताताता । सर्भर्यम् मध्या मध्यर्थास्य स्थित्वा कीरही तर् तर्ते धर्त्य र ते यरत्त्र यरत्य र देव तर्ते तर्ते । यरदेवल नायु क्षेत्रवारक्षेत्रवर्ण क्रार्टिकर्यकार्यक्षियारी एक्षेत्रवर्ण क्रियम्बेन्द्रस्व विश्वरक्ष्यास्त्रभागम्बद्धाः वर्ष्यर्भवाद्धाः दार्म्यर्गस्यः वर्षा सर्वरायर्रायव्यापर्वे वर्षात्रायद्व क्रियाप्य 中は山と、日内では、大きには、 とり、 、 ある、町上田で、 なるとはあってみる。 वनावाकारां व्याद व्यावदिराद्यादरात् वित्राद्या यरात्युर्भाष्ट्रवाच्याव वुवावाववववा ्याना व्यास्त्राही त्यभद्रा व उटाद्या के ध्वसहर्वाहर विवाहन व गरा में त

वियात्रयत्यमा तद्दारम्यात्रीत्यमातर् भिर्द्धरा तर्रत्यम् तर्रत्यम् तर्याः

निम्मानिकार् हिप्यानिकार्य है कि प्राप्तिकार्य के स्वाप्तिकार्य है। नालुक्की वन्नद्रमें भेववभारवाद्री भेवा ही दर्गर है निवाद कार्मरहरू कार्मरहरू गर क्रियायार्थ (र्मामहत्त्र राज्यस्तातार स्वरत्याभद्धिवासक्षी भर्द्रम णये.वालका.चर्वला.तारुक्ती ज्ञ.वर.वाली.पर्वेचा.वुला.तारी भावत्त्रीवाला.तीर.विरवा.क्षी भुन्न मान्यान्य हुर रमाभर्ष्य प्रमाणक्ष्य । र न्यं विकारक्षित्र स्राप्यामान्त्री यापारा पर्यातामान्य राज्य विकार श्री सून मुख्न नाया था ना हैन । दर अर्द क्रिय एक्स वहेन । क्र में सुद्र क्रिय हैं हो। वाणविवर्षेरायवायायवायवायवेके सिर्ह्राट सेरायनवा वाहरादा के लिए र्भारकाल गाम है । दरभादुरक्षे रुसकेद्धिक । अकत्यर्भर सारहिं से त्वाम क्षेत्र 13.9. व्यास्त्रात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे अक्षात्मे भूगात्मे अक्षात्मे अ ह्याला सः ह्या तस्य वस्य क्रिया वार्षेया । द्रायमान्तर मालका वालवा वर्षेया । वर्षे 331.01 स्रें विवाधित मान्य स्मित्वरा छेत। स्वाह्र स्वलवहर स्वलवर्गाहर। व वर ही सर्वलय स्वहरेर हिंग्डिय कायर. भू शुर्द्ररत्नेथे वाराम्ह अकर हे अभिदेशकार रा प्रमेश के वाहर मही स्राविर प्रदर्शन देश ता है। अवर स्रित सर के वर है। तर रेर्ड अवन के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के व मुन्। क्षा स्ट्रिक्ट स्ववत क्षा क्षा सुर्व हुट मह्मान क्षा हिट स्वाह्मेर हर्यकी वरम इंड्राय उरवा है र यह केंद्र वेव हरा पाकी 3वस्युंगहर वाणव वर्ष है दर्गा र्वे हुवे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे के बुद्ध अर्थार अर्थ है हुवहें पु son of mad bear. मार्चे द्वलक्ष्यान्यस्यदेवते वर्षेट्रवेद्वस्य वर्षेत्रत्या वर्षेत्रम् चार्रात्त्रं अर्वालार मृत्यार्थित । वर्षमल वरमार्थित मार्ग्राप वर्षा मृत्यार्थः अर्थलाकारमा वर्षामञ्जूषः स्वाद्यत्यद्वय्य अव्युत्रंत्रः दुर्वर सुर्वरिष्ठ सुरवरिष्ठ सुरवर्षः व स्वर्धर्यर्थे म्बलम्बः हर्ष्य केर्प्त केर्य केर्प करा मान हर्ष केर्प हार्य करा क्रिक्स क्रिक्स करें रहाई लग्ने तर्थेवः कि वेवनप्रवस्ति स्वर्त्वराद्वा राज्ये वसाय नरं निर्देश क्षेत्रया विद्रम्पाक्षियाः में केवत्या कितारामरत्या वर्षात्या वर्षात्या हत्या वर्षात्या हत्या वर्षात्या हत्या र्दर्भराविद्रमु (यव्यविद्रात्या) वन्ने में में में में में वित्रे के देश के वास्प कर्म में द यात्र्व ्रकुतात्रवनातः संकार्ष्ट्रीयरेका अस्ति। वर्ष्ट्रियावकारीयायव वर्षेत्र अपिके येद्रह्या गडेल बेर केट के लग हर हैं ल के शुर है रहर ल के रहेर के दूर के दूर के दूर के तार है। भुन्यरदेशक्ष्या देश कर्दरमा सुन्देश मुन्दिमा कुर्मिण भूता मित्र महार में त्या कर्ति के रेट्टरें पर 

अवरावश्चरहरूर्भ लाश्चेवायरे। स्राथके द्वराता कहरायते हुक्या भेर्द्रभ्यमानम द्वर्गाता। राष्ट्रध्या राष्ट्ररगरकार्तात्वाक्षेत्रयास्त्री श्राष्ट्रव सेवाहीर स्वावकार्यवस्त्री स्वाहरायला नहर रवा वाय दः । आवरवा धावादावरका मा वार्षरा राष्ट्रकाला । वाल्या से प्रदेश यही द्रात्तिम्बित्रम्भातार्थे। स्टार्कमात्रहेमहुक्रायकेरी सीटद्रायाके मृत्रा मेथ्रमद्वियरत्ता हर्न्द्रम् त्रियात्रमञ्ज्यात् राष्ट्रम् भावरस्थित्रमञ्जू यात्रमञ्ज्यात् व्याप्त्रमञ्जू क्रिंग्रास्ट्रिया म्रिंग्राम म्रिंग्रिया स्थापारी स्थिता मिर्ग्या अम्बर्भितेष्ट्रेर्विद्युरी विद्रार्थिकार्याच्या सुर्थिकार्युर्भित्त्रे हेर्द्यम्। स्मान्त्रम् । व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति । व्याप्ति व्याप्ति । गरभर्गर्मे से द्रार्थ है या है कर में केंद्र देशका रहाद केंद्र कर है विदेश कर में प्राथक्षिमावस्य त्राप्त स्थान्य । श्री हिंद्य कार्यस्य वस्त वस्त । वस्त स्थान्य । प्राथमावस्य प्राथमावस्य । प्रायस्य । श्चीराविराक्ष्यात्रात्र देवसावायाणव्यायेरात्र वर्षेत्रभक्ता भारतस्त्र पक्षां प्रमाना रक्षां ये अधिक भारत सरम् करे हे रक्ष वह र त्या र विभागाया र व देवराभावत्व्यक्ष्मानु हे कुलयत्व्यक्षानु कल पर्तन्त्यः अद्भावतान् मृत्वदश्चित्रः प्रतिवारः म् सारे में का प्रवेदागार्य ने वस्त्राम क्या में राज्य में राज्य में प्रत्याम प्रवेश में म्मान्यारे परिवर्षियात्रा हिया मानाना सार्वर हिरादेव क्रियार्यं हिरादर्श पट्टिमपानक्षात्मक्षेत्रमा क्षेत्रवाद्वात्त्र वात्या मुन्तात्वा मुन्तात्वा मुन्तात्वा मुन्तात्वा मुन्ता किलाराष्ट्रानिक क्रा मार्थित विद्याया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र देश्या देश्य वार्ष र्वरंभेर्र्य्येश्वरं केर्यं में देवा है त्रामा अअमिप्रिंप्यूर पश्चम्या स्तित्यूर पर्ताय्ये कर्त्या नर्त्य म्त्रिक म्याप्ति वेशायामा कूष्यूमायामा क्षेत्रवा पर्वा वक्षा क्रायामा द्वारा मार का नवा करवी मिलायूमार्यार्थात्याताः यदाः विश्वम्भ्यम् भिर्मात्यातः भिर्मात्यात् । विश्वहर्षात्रः विश्वम् विश्वम् स्य रहत्यसेशयह जिस्त सेया हे ता के ता त्यास्यास्य त्या हिता हिता है। किर इर बर रेप्टर मेर रेटा विरायम नर्या बर रा कि विषय के में करिया रे Ju2 122021 म्येशतायक्ष्याः भक्षेष्ठ्याच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याः स्वत्याक्ष्या ्याद्यराज्यात याया क्याया क्याया क्षाया हरा तह स्वार्धित स्वार्धित हो। किलान्त्रभूत्रालकाता क्रिम्भलहाता सहायाता द्वारा क्रिक्ता वार्य में क्रिक्ता वार्य केरा

क्षित्रकारम्य केल्याच्या द्वाराष्ट्रकारम्य मान्या द्वाराष्ट्रकारम्य क्षाराम्य क्षार क्षाराम क्षाराम्य क्षाराम क्षाराम क्षाराम क्षाराम क्षाराम क्षा लेला थेला नहीं रहत हता प्रत्येतिक लीव रहतीय कार्य वरक्षेत्र कार्य वरक्षेत्र कार्य वरक्षेत्र कार्य दयम् करामाद्दः । त्यादम्बाद्यम् अस्तिः । त्याके देवसः हर्षः द्रभ्यस्थितः रतिशिरदुर्द्धराधरः विद्यार रविष्या विद्या । विश्व विद्या व भागित्रहार्थित हो स्वाप्त स्वाप्त है। तालार्त्ति । त्राम्यावस्ति राम्या न्याम् वर्षेत्राम्या वर्षेत्राम्या वयासी र्राप्ति वयास्यास तार्या वर्षा के वस्ति । वर्षा परावणा वर्षा के वस्ति वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क कार्या है दरहरहें अलेखा नास्तिहर तहे हिंदी पर है । कर्षिय स्वाधिक क्षायतिक्षायवयाने नेता द्वायति मान्याति क्षायवयाने क्षायवयाने व क्षांत्रा स्टिश्चर्या मार्ग्यू राज्यात्ता विद्या स्टिश्चरा तरेत्वा के स्टिश्चरा तरेत्वा के के के क्रीययादा स्राह्मात्मा क्रिया हिसारहर हेरात हिसारहर केर्या होता होते तर विते व किर्णा मुक्ते ा. श्रेर बेरक्षेमकेस्यार इंटलाया रूर्र्याचाय विषय हेल हेल हेल हेल JAZON AMZlent. र्षेत्रपुर्भ रक्षण्यति के कार्या देशसरात्मका कुक्तरात्मा व्यापात्रका के स् किलान्द्रेल राष्ट्र करण राष्ट्रिल रहेल के किला हैं । राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र में वार्य में वार्य में वार्य में यान) त्यवक्षत्रं भारतात्यः भारता हेन त्येताक्षक्ष्यास्यक्षेत्रः न्युरात्याद्यमात्रः र तर् राया वा क्यारतेन केरहिंदा के में त्या में भाषावस्था 12005 पद्रम् रक्षात्र विवर्गात्र क्षात्र क्ष 6321 सुअलामाभाष्ट्रम्क्रीम्टवित्रेत्रेत्रेत् महत्ति रेत्राहरू विद्राल देवा विद्राल विद्राल क अ.से.मी हरा विस्तार के निम्मा हिलायस्य कार्यस्थर वर्षे के विषय स्ट्यों के विषय स्वायम् स्वायम् वर्ष्यात्र्रिक्र्रह्याः १००० व्येष्टेश्रयमावक्र्यमावक्रित्रे कर्माभरवाभवाह्येत्। में दर्भासातरे ववदार रायम सूरके नासमाद्यी रमना वर्षाती यासरके मायवनावने भी क्राह क्रियलकार्य देशा रस्कार्य हिन्द्र से क्रिकार्य क्रिकार्य हैं । इसकार्य हैं देशा क्रिकार्य क्रिकार क्रि १ वर्गे। रिमहारिष्यार यात्रहर तर्राहरीयर तहन्त्रावस्थारीय विकास Mydif म्यलस्थ्यात्रे ल्राह्मेर्याः द्रापदाक्ष्रियम् त्रिक्षेत्रम् त्राह्मेर्याः सर्वात्रम् व्याप्त्रम् अवास्त्रम् अवास्त्रम् अवास्त्रम् अवास्त्रम् **州新江河** 12 young र्सिकम् एक् एक अपूर्वरात्रिक्षात्र रहे । व्यवन्त्रात्र व्यवन्त्रात्र व्यवन्त्रात्र् 13031 त्यर्भक्षक्षक्षक्षक्षिर्वेदवः नयम् नद्रम् नित्यद्रात्रः देववश्वर्तवद्रायः वर्षे र्यंदर्गरा में नित्तारा में प्राप्त के स्ट्रिंड रहिया है के कर्त्य राज्य राज्य वह वह दे रो भी स्वार की वाल की रद्भारा वाक्ष्रकार कर्ण कर्ण देवसम्बन्धिय विवश्यक्षर द्रार्थिय स्तर्रद्र

रेगां वेर बिर सुर सुरक्षर करा । अर्था है सेर दी। र हे वस्य खर कार्त्रा प्रियास्या स्रोत् किर्यादया त्रा व्यास्या स्याप्त स्याप्त विद्यार स्वास्य स्था । कुं (के) व्याप्या विका दम्या त्रा कार्या विकास मवक्षायं करम्भ में (वेद लेव) भेरद्राधिक में हा भेजाय सर्वे के जाय में स्वार्थ के में में के देश हैं के स्वार्थ में स्वार्थ में स्वार्थ में स のなるというできないというには、大人というないというというできます。 はんしょうしゅうしゅう ने रवाहित्वश्रादीत्रश्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म वि क्रियाति के महाराज्य द्वारा के महाराज्य के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या ममितिहासित्रात्त अभिष्ठेत्र स्वाप्त्र के विविद्येत्यात्ता स्वाप्ति । त्यास्त्र स्वाप्ति । त्यास्त्र स्वाप्ति । विविद्यासिक्तितात्ता अभिष्ठेत्र स्वाप्ति । त्यास्त्र स्वाप्ति । त्यास्त्र स्वाप्ति । त्यास्त्र स्वाप्ति । त्यास त्वलायुरायवायम्भव भारदेशस्यात् त्यारहे वर्षायाः विद्वार्थे मारिक्षेटारेंद्र दर्दर्द्धम्मेन पूर्वभूतिक हिर्मा केर्या हेर्य हिर्मा है । द्राम्यादे समामानिका हिन्दाता कुर्वे वात्रामाना के में मुद्देर विकास कार्या है। मिनियाम् न्यामिन द्रार्णः यह सम्मिन स्याम् र्यात्राम् र्यात्राम् स्याम् र्यात्राम् स्याम् । र्यात्राम् स्याम् वर्षः वैरिष्ट्र तर्मक्राहिष्टिको हैना वार प्रकार महामार्थित है। प्राप्त प्राप्त मेर्डिं राष्ट्रमाण्य विषय मार्थित स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान र्टम्बर्धरहेन हिल्ले द्वलात्त्र क्षात्रकार्य क्षात्रकार्य क्षात्रकार्य क्षात्रकार्य म्यान्त्रिकाम्म्यान्यः श्रीत्याच्य वास्त्रवाच्य रेपान्यः । या प्रत्याप्ति श्रीत्यावायान्ति । क यातिमार्चन्य के केटारिट मेंग्ली हर्गान्त हैंगानी प्रथम हैंगानी के के प्रथम मेंग्लिस के प्रथम हैंगानी के प्रथम के प्रथम हैंगानी के प्रथम के प्रथम हैंगानी के प्रथम के र्थाकिरमिरमधिविवयाने मच्छेत्यच मच्याचल मिरमिम्झुक् द्वलाक्ष्याल छत्। में निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर् यांक्रम्भेत्रास्त्रिक्ष्यं स्वयंतित्वक्षित्रात्वक्षाः हर्माद्याचा । भागाना वर्ष्या क्षेत्रा के मार्क स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के मार्क के म ल् व्यवत्यम् ध्याकत् व्यवस्य त्रिक्षात् व्यवस्य त्रिक्षात्रम् अवदा नेवानिया के शिक्षाता वाद का के का के के के के के के के के किया के किया के किया के किया के किया के किया के इया बैर्या तेन चूर्या वर्षेट्य वर् बैरिया चे नर के पृष्टिता है है तस्ता 

हैरसतेलामकृत्वत्वर्भात्रेयः तह्मिर्द्वराष्ट्रियाण्याया के त्रावर्भाद्यं केर्याद्रिया 7 = 1 2 र्वायक्रितकरान्ताः प्रवाशिवद्यान्तिः वद्वात्रात्त्रवर्षित् सुर् ल्रद्भार.त्र) रत्नरात्री गुजर्यक्ष्यं विवर्षियात्र्यस्यात्र्याक्षयः यहक्ष्यात्राद्धारामस्यः स्टाइदातस्य वर्षारश्यास्यात् स्टिक्ष्णिश्यादेशः वर्षात् स्वाद्वाहरः न्भरकार्कात्रीं रत्वकार्वे प्रवास्त्रियाक्षात्रार्थिता स्ट्राह्य स्वास्त्राह्य सामालेक かいかいかいないない カカスのまるののかかけましたのできないないできる。 ます、こうこうでは、こうではないかいっちにいいいいい、これのは、できばればないあるに 日本「とん」、「「日田」、西山田本「日日日の日日」、日本日日、西京日田日日 多いないとはいましています。 一般にいるいをはないはいはない これできていないというできている。一日西ではこれがのかれて、日本の日日のいろいのは、 द्वयाव गत्त बता बद्या, राष्ट्री शुद्धदाहरतरे भूम द्वद्यां मा रहेरण रमवर महिनम्बस्य मिर्ग्यम् स्राप्त हेर त्राप्त हेर हेर ही परस्य स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स् की राज्येशकार निर्धात गता त अक्रिकेश राज्याके गड़िन्त्र कावान के हिन्द्र मा ने हति विकास पर्याप्त किंद्र नेता में प्रारं करी हैं। चारित विकास कर कर हैं। ज्याओं अर्रेश मुंदार्दी तार्दा कर्ता हैं हैं हैं हैं में मुर्थ तक्षेत्र में में मुख्य विस् स्तित्राव रिकास के ति のことははないではない、ことないというにはいい、 とまるないはなるではい हर्मिता स्वाहिता स्वाहित स्वाहित हिल्ला हर्मे त्या स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्व रनदग्रमदा इन्द्रं देश्यात वाजरख्यामा परावद्वात । स्वावक्षित स्वावद्वात । १ श्रीस्ट्रेड विकास मान्या मान्या विकास विकास के मान्या かからないとうはいないないない。 かいは こうかいかいかいかいからない 902 रम्भूद्रके भूत्वा वस्तु । स्व वस्त्रावार र वस्त्रा विकास के विकास के विकास देने मामकार्याकी मेर्राया है मेर्राया केर्या मेर्राया केर्या मेर्राया केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर में दर्द में व अरे प्रदेश प्रदेश प्रदेश के वस्ता रहेर हैं प्रदेश किया । में में अप में में व रहेर किये। विभा भेरासेचार्रात्याः स्ट्रिट्ट्रेर्ट्र में म्हेर्यात्रे क्या के परगार्विकारणं विवासिते निमानी तिवान म्या विश्वद्ववेद्ववेद्वर्थं वर्रद्ववेद्वायान्वर्थक्षयाम्यतः द्वर्ष्ट्राधानात्वेद्वर्थः कोरेर द्वार्यतेरेरे नदार केर माना केरिक्क केरिया के 10 ago is あいないとうながらいてきまない あるさいる あるないない からかんないしてんときのはい

म् अर्या विषयित्र विषयित्य विषयित्र विष あののはないから ないないをいるとうというできます。ままれていれるかにあるいべ ्भरायभार्यः स्वारत्यः । दिद्यावमार्तित्व्यान्तित्व्यान्ति अरायमा अद्भर्य みずのうずにはないでき、そのよりをはなななない。と、 なんないないまいいしん मार्यक्षेत्र में महिला मार्थिक के (मर्थावाकरवाताकृत्यंकरवा न्यंबरेक हैं व वाद्याता मेंद्रवाद निवास निवास किया। विवृद्कुर कर्ता येता मेर १ व १ व १ विद्यार् मुंता मुद्रम्य स्राम्य द्रा हैता हैता हैता 的大學者以中國自己的一個的人的人的人的人的人的人的人的人的人的人的人的人 विक्ताना व्याद हुमा मुम्म ने में मेरका में में तिका त्या हुन के तिका का महिना खाला ता प्राप्त का निक रेश्यायत वितार महिन्द्र एक्किप्रमाण पर वर इर है। संभित्र निवासिक प्रहारा भारति । मार्थिक विकास मार्थिक विकास के मार्थिक वरहर्षः उलक्षर्धः सुरक्षाः । अर्थेरहर्षः विवा रथताचीरप्यतविकातस्य क्रिक्ट्र क्रिक्ट्र त्याव विवाद LESS A BECHERTE FOR FINE BONDERERS IN THE SAL ではまで、そのうほかのままできるの いっぱんのできたい、たいないのではいのできる मक्रमला मुद्राहरात्म अद्वाद्यात्मा स्थान । द्वादार्यकार्ये । वादादारा प्रमान PARISH TO KIND OF THE WAR THE WAR TO SHARE THE THE रुवामात्रेयात्रमास्टर्मकेम्बर्धाः यस्त्रम् मान्याच नदा नहीत्। रमानवर्षे याच नवव उद्दर्श्याति । विशेषित से तथा से से बाय कर्ष है । वह तथा प्राप्त कर तथे । जिस्का गडाँवर है भूर है। एंग्स्य पहार्थर मिम्द्रम्भिक्ष म्मारा कातालातीर तार्य राधाः स्थान स्थाने विष्ट्रित्रात्माकताकताकताकता रामर त्याराक्षेत्रवते प्रमेरास्थल दिवसारात्या । १००० राज्या प्राप्ति राज्या - क्रान्स्याधिकात्र । त्या वर्ष्यात् कार्यात् वर्षे क्रिक्षेत्रे क्रिक्षेत्रे क्रिक्षेत्रे क्रिक्षेत्रे क्रिक् "ब्राक्तिकीयीत्मारातात् क्षित्रणायकेवात्तवभवत्यत्यत्यः अर्थे प्रवाद्वीर स्वात्यात्वः ्वर्ष विद्या कर्ण विद्यार कर्ण विद्यारक हराके का मन्त्रिक हे कर के राहर के दार **ब्यादियस्थाने अन्य में क्राया के क्राया के क्राया के क्राया में क्राया में** केटलायरम्म्यान्द्रको वहाय लावहरेता क्षेत्रके । क्षेत्रके । वित्रका नलर एव श्रीरहेते स्ट्राह मुद्रकार्ष्य विकास में विकास के किया है कि के प्राप्त के किया के किया है कि किया के किया कि किया कि किया कि कि क्षेत्रक के क्षेत्रक मिला महर स्मिन्दर वाय रा १ के तर्वा कारा बिटलहरा होने लाहुक रा स्मिव सामा स्मिव सामा स्मिव सामा स्मिव सामा होन

श्रात्वर्य याव के श्रव हूँ दव्यवयात विष्टुराय्वरा सुवारद्यामा त्या ता सर्व त्राकृत्य देश कर्ता कार्या के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्व विकास विवास कार्या के स्वास्त्र के तर्अवर करणकीवजरमार के विषय हम्मे अवर्षकालका कीर देश्यापर विषये कार्य うない。 क्षेत्राच्या वस्त्रमानुवास्य स्वर्धवास्य स्वर्धाः देनम्य स्वर्द्धवायते दुवा दक्रियासेद्धाः रमार्थिते तथा वर्षेत्र पर्रे कराया मुक्यकेव ्री कर्म र द्राद्र मास्र स्थित हिंदी वर्षेत्र では、それを見ばなんないになっているというないできない。これのはいかからないをできる。 まの、 नार्यात्रा द्वारा अस्ताय्याया । वर्षा राष्ट्रा र्ये हिंदिकारा ना मार्थे वर्षे अस्ति में विद्यारा त्तान्त्रक्षेत् DAW. 李文章 रवाक्षरमेश्वरवतार १५६०६ त व्यवन्तर वावन्तरहरू व्या में भरीमार कार्या परियो की सर्पर्य । रहर मुका यहि ही र मुस्य देवता कुल यं के मुख है कर रें तर में स्वता है देव मुक्त स्यान्दरम् अर्द्राष्ट्रवर्षर्वर्षर्वराष्ट्रम् स्वराध्याद्वर्ष्ट्रम् हरदायक्ष्मचेत्र पूर् हुं देव हेता हा नवरल शर्क्ट है रे क्रिक्स महित्र विस्थान ेर्द्र दुर्ग रवर्ग महिल्मका प्रेट एकर हिंद्रवरेषा खुकार् एट्याप्टवकाल कुलचेर्द्र हुन हेर्द्र हुन है हिरायानवर्य, हिरास्त्र मुक्किनेवरा देवरा केंद्र देवरा हेवरेर्द मुक्क अहर मिनिक्स मुख्य हो। राम्यान्यता हिन्द्री । महत्त्वत्त्री अलकाता भी विष्ट्रात्या दे तर्ति विष्ट्रात्या ने तर्ति विष्ट्रात्या ने म्हर्मात्रम् क्वला हिंद हैराया कुत्र हाराहुव हवल है। देवल क्राया मिनका हर विदासिका है। さんとうない しょうしょうないきょうない これになっているできるというない तस्य हर साम्ये रे त्यार्य स्ट्रिंट वराम त्यु । स्ट्रिंट वराम पर्टर वास्य त्यु स्वा ववास्ति संस्थावरायाम् वारवाध्येत्रात्यम् महिस्स हेर् हिर् हिर स्ति वक हायदः देशः 5 3 क्षात्रम् मार्ड्यामा मेर्डिक मार्थिक मेर्डिक मार्थिक मेर्डिक मार्थिक म वर्ष हुरा है। वर्ष भागान रक्ष केंद्रकुष रोभवी वीर रेक्ष वर्ष भावता वि सर अमार रेवास्थालाह्य देवाने । रेडेरेलाक्ला न्याला संस्ट्र हिरम्द्र मिय हैया में तररहरके कर्शन तम कर देवका समाम महिन्द में विकासिर नरहरमें वार्यमें とみではられば、ヨヤンにないないないが、かいるのいあためととてては、気でくれて何に ションのあいなのなの、からあるくるのでくのは、からをくましては、カインは、これでは、日かん、 

अल्परल्युंदर्या वरदेलद्दिय भरंग्डील्यु पन्तुरः करिने विराधक्रिकरायद

म्यानस्य हर क्षेत्रेत्रक्षामद्गर्यातं स्राह्मामान्यः भारत्रामानाः भारत्रामान्यः । इत्राह्मान्यः

केलल का लेखन के में रचार विवस्ताल में न्या में मार्थिय हैं। हैं व्यास्त्राम्यास्य के वार विकासी विकास वार विकास वार कर हिंदा वार दिय वार दिया वार दिया वार दिया वार दिया है। विकास वितास विकास वितास विकास . २९०७ है।= देस्टिश्चित्यस्त्रास्त्रत्य सुद्धा हित्रहे किश्चाती सुद्धा त्यापार्थिता वास्त्रः क्रिक्सिं। निरम्हर्याक्व स्वम्बर्या स्क्रेन्त्रेयाम्बर्यं सहस्य स्ट्रिक्यान्यान् हि वर्णवर्गा वर विषक्षित्रक द्वाच्य हुमार क्या क्या माय करक तहित्रवर श्रे क्या दा है। क्या रर्थाभरववराष्ट्रियम्भ इरवे. यरवरावर्षेयम् देरका केवाराकाम् मायामर्। उरस् के भर राजारेल व परल निर्देश सूर्य ता वर्ष देव मान स्टब्स में देव तो हैर। हिर्द्धा वा वहूं वा स्रिक्षम तक्ष्यक्षत्रस्य व्यवस्य द्वातके वर्ष्यं स्ट्रिक्षयेवरः युक्षस्य मृत्यं वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्य 3 व्हाका समार्यक्रेक कुमार्थ के मुद्दे विस्मान्य क्रिया कर्षा में के मार्थ विस्मानित में अविदिर्देश्यार् विद्योत क्षणाव रम्भर्द्धत्वम् द्वाधम्ब्वाभर्त्रे विदेश्यः मार्चर्यास्त्रान्त्राराम्यान्यास्त्रम् । इसक्रम्यास्त्रम् विक्रम्यास्त्रान्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम् प्रमण्यम् क्रि.धन्ता वर्षा क्राया क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक देरुर्यायात्वमुत् रोमल्झ मुः न्याय रार्वे लाहे यह वर श्रे मुक्वर व र्यम्स मुम् विभागम्य दश्यमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम् उत्तर वर्षा करें वर्षा करें रेटा ता असे पर देश मा खुनार (रेन्यून) उत्तर की रिक्स था से बार परि तरे सर्वे द्वास्त्रस्य देववयूर हेया सर्दित तर्देवा वेद हिलकुर्विष साह्यवहर हर ता क मुल्य बरा र्भार्श्वराहमारवन्तात्वा भव देशल प्रदारतालाह्यवाव राष्ट्र वर्भाक्षराम् स्राहराम् स्राहराम् स्राहराम् वरानेक हे स्ट्रिके अवदेर एर्वे कलालावें सारावरका अपिकार के विल्ले के लिखे के लिखे करें १ सुक्रेशको दवत्ववराष्ट्रः १३ १ तत्तः महत्त्रिप्रविताएवं र हिंगदरः धारत्या कर्षः सेवत्तामार्षेवत रेवलक्षान्यात्राहर्षेत्राचे क्षेत्रक् याने त्यराद्य प्रेशकार्यकारीट हारे त्यर हरताया क्यां कार्य हरी है। とかいるなのはかんだとをは、あっていていましている。これには、これのは、あれるととは、 म्यं क्रियं कर्ण वर्षा कर्षा कर्षा में हेर क्षेत्र के में क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र くすべか。 毎にしいとはある、正式というないないできるというではないでくらかっていく

शार्भाक्षी द्रावरक्षेत्रविद्यम् तास्त्राता प्रदेशता प्रतिपात । व्यक्षेत्रयरिकार तिरअधिकण्याम् मूर्द्वा नध्य याला स्ट्रिक्ता । भेषा याणा मृत्य पिता हिर्दे या अद्भारक मार्थ भर्त भर्त भरत वर्षेत्रमा हिराम हे अधिक भरते के मार्थ है। मेर्टी मार्थ भरते वर्ष है। त्यादित्य के महाम्बर्धित हैं त्या महाम्यादित्य हैं त्या है त्य है त्या लिए प्रमातिर देवर प्रवेश प्रमाति वार्यस्थाय । इस्ति सवितिष्यास्य का तार्य हार्य मान क्षेत्रभाक्षेत्रीयोजालक्ष्यभावर्। देराद्रामध्य क्षेत्रभावर्थः महत्रमाणावर्गे भद्यभाषावर्षः केरावता. प्ययामायदे क्रायाद्यारायद्विस्तुर्मादे वरास्रिरावस्यामा कृर्यामायदे अरास्त्रे ्यते खान्द्रदेश राजाविकेराममेवसामार्। यहेवस्त्रमेवकेत्रविक्रामध्येद इसकेर् ० दुर्वः मुस्यर दु। वाद्यः योदः विके ह्वायक्रेत्राया यरिक्षेटः अप्रवादेश व्याद्या सुर्विकेव दे। श्रीर व्या वुरिनेष्ट्रमार्थिकः विकासमार्थिकः विकासमार्थिकः हिन्तार्थिकः उत्तराहर्षा कर्रातिकाराता अलाभाइतार्यर्यर्यात्यार्यर्वेद्रात्या राभावविश्वराह्या पर् देवनाथायाम्दः व्यव्या व्ह्नायास्यान्त्र स्वायाः व्यव्यास्य म्राप्तिक स्वास्तित्ता स्वास्तित्त्र स्वास्तित्त्र स्वास्तित्त्र स्वास्तित्त्र स्वास्तित्त्र स्वास्तित्त्र स्व म्हालकार्यम् वर्षेत्रक्ष्यदेशकात्त्रम् अम्भावक्ष्यम् वर्षेत्रक्ष्यः वर्षेत्रक्ष्यः लेका हुन्वतः दहत्रभारताता त्रेकः त्यातह्मार्था वरि स्वायापाति स्वयापाति स्वायापाति स्वय म्यात्र के मालन्यायेत की से मालने के देश के देश के देश हैं । विद्या की प्राप्त के प्राप् W. Halvil केंद्रभगविष्ट्रं सारा केंग्रह्म हो वाद्मवर्षः ही देवराया केंग्रता हुं या व्यापार दित コングログライグラ कुलकुलत्युवा । वट व्यस्याविलका छाक्या था । व्यास्य यस्य वस्य । वर्षा वस्य । वर्षा वस्य । वर्षा वस्य । 90. AU. 0) म्यू में हे त्यावश् ्यम्स् रिजामहर्यामर्गामस्य १८८ इसियामस्य एरस्य केणारा हरी दिरश्चेत श्वक्र को अन्तारहेला चारदा या स्रोत हिं की लाग वारदा हिंदश है है की लग है वा ति वा है वा लग है। ্রবারবা. रयतं कर्र मुरक्ष त्येव विद्यों में क्षेत्र में क्षेत्र में विद्यों में क्षेत्र hard strong. मूर्यूर्म् मेला बर्धिरसूर विविधारामात्रवर्षा करामक्राम्य स्थान विविध 653 पर्धिर चेडलामुरं लूरी एवडल झे झे चेडला प्रतंतरा आया है। ये लाइल के वरेंद्र से बाह्ये , कारह प्रदेश. र्मु अद्वाधेद्रा स्याववया गणक्रद्रवाक्चियाक्च्य्रं सेरहेपा वर्षरक्षद्रवाक्चित्रं या वाववरान्त्रं या वाववरान्त्रं या वाववरान्त्र अर. छ. थ वा स्वयः श्रेवा ता व अव। अरदः व रवः रवः रवः क्रियः क्रियं व स्वयः स्वयं य स्वयः रववः याल्ड्री अर्जुन्यसम्बद्धारम् स्वायाल्ड्री हिर्द्धान्तर्भात्रम् वर्ध्वार् द्वराप्तर् - अर्वेअडिवधिराम् राप्तिका वाप्तिका विकास मान्या विकास करा करा करण विकास त्यादर्गाटकार्वेजातात्याः अस्त्रान्यक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्र्यात्रम् 

्रिश्चर्या म्वारम् तहुन म्रित्वर्था कर्षा है द्ववर्ष्य व्यक्तिया कर्षा द्वव । विवर् सर्वाणक्रमेन हैं। हिरलाक्षायल्येश्वर्षेत्रक्षेत्रमा हैं में देशस्त्रमान्य लेखान्यल द्वलक्षर्यद्वलं विश्वर्ट्य कर्ड्य पर्काल्युवाक्ष्यात्र्वाक्ष्यात्र्यात्र्याः ्राम् अस्तर्भा । में प्राम् राज्यात तर् निर्माणिक विकास में हैं। からまちはははないないには、これではないないないはなるとは、これではないないないはないない न्द्राम्बर्गान् केष्ट्रास्त्र क्षेत्रात्रे त्यात्रे त्यात्रे त्यात्रे त्यात्रे त्यात्रे व्याने वास्त्रात्यात् व सेटाई एवमदारमा अटाइट पर्द्याला सम्देशकारी व उन लाई पर्देशन में भर में ने दिसे र्वे रहेर व वेजवायक का की कुला में का लहारा अरकार कर कर अधि है। ते में हैं देश में साम है कि महार देश हैं हर्त्रेमलं शिक्षेत्रश्च न्यावर्णणवर्षश्चितिरक्षेत्र के वेणरक्ष्येर के वित्र स्थान एसवायात्रात्रात्र हें दरवे. न्वर हरके हें वारि क्रियं रात्र के वार्य कर हे वार्य कर से वि हैं विष्यू ्रेर्वायान्त्रम् यादावाल्यायात्रेवला यात्रेवटास्वालावाववः उत्तालक्षेत्रवाहेर्द्राद्रास्टर ्रकर वायान के अक्षेत्रा है युव्यान रेरे हुन निर्मा के महे हैं के वाया के युव्या के युव्या के किया के किया के क अर्दरन के रिव १/६। श्रु इंबे बायां वा रिंद्री केलार वेलक्षेत्र हिंदर ता रवट विदेशकरी त्युंवर्टर्यारवानावायात्युर्वतेषु मक्रेर्यः मेहत्कः द्रार्टिकः वर्षात्रात्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा मर्रक्रिंदिर, म्यस्याकारम्यार् इवारात्यायायात्रारा विकास्यवाद्वित स्रीरहे. व्यावाया रविद्वाहरित्त्रेत्राचात्रक्रायाचार्याचार्याचा, याचारायाचाराचार्याचा मुक्तास्था चित्रहर्षाक्षेरलं राजा राजायार्वराचेदावादारातां भारत महाने वाजा सार्वेदावार म्याप्ता राज्यात्रम्य स्वास्त्रकारे क्षां मान्यात्र स्वासी がないとうとのが、からないないないないないないないできない。 のなくてんれるとかのある त्वरादलक्षेत्रदासुक्रकतः विवादक्षरयेवक्षेवक्षेत्रहेष्ठम् धुववहुक्यवस्थावहिक्य प्रमामका स्वराम् स्वराम् स्वराम् स्वराम् स्वराह्म । त्राम् स्वराह्म त्राम स्वराम स्वरा वासवाराध्यात्रेयात्वा स्वत्रायां श्रुर्थात्व्या त्रायात्यां में मिर्यात्वाता दर्यभेदावहत्रदर्द्ध्यं स्ता वर्ड्याड्याच्या न्याकी हाम हैया हाम मुख्या का के वा वर्षा एड्रेबेल्यरकी ख्राक्षेरलेरानर्थं, ख्राहेस्लालक्ष्याचाव प्रवास विराष्ट्रक्षया र्वारहेकार्यस्त्रेतः देवदुर्द्वम्यान्यस्यारह्यारह्याः हेवहर्द्वाद्यस्यान्यस्य

अहें के अपर्देद्वा दहर हैं रेप केर हैं रहर दर वस्ता वसाद है। वहर एक रामेरी ले मित्रा के व्याप्त के व्याप्त के विकास के किल्ला के क्रियाम्बर्धायाद्वाया विकारह्याहेशाम्यवायामध्याद्वायाद्वायाच्यायामक्रायाच्या मेर्द्रात्या वरक्षेमभाउवलायरे भ्रीर्डिव वर्द्रव हिलामके वनार विस्तावत । यहास्वर तायाम्बर्याच्य सेवतिकाक्ष्मभावद्वति वर्णात्रकारी से द्वानामन्त्र द्वान सेत्रात्रकार ह्वा मनेत्रमाप्रमातर्भेत्र इति वार्षिकायका महत्यकर्भका स्थानर हर्षेत्र स्थान या मान्याय स्टब्स म लिल देखा वर्ष है । इस मान क्रिक्ट दूर दें। रद्या है विश्वास के प्राप्त के कार्य है कि कार्य है कार है कार्य जिमानमार्थे भवाद्वी महाहितान न्यार न रहे हा बी पड केम मिराना न मिं अहे र्युर हैं। हो है इस्तर क्षाया के तर के वार्ष के व सेश्वित्रम्थल बेट रहिर्याहितान बेट. जमने रेट्स मर्सेण तपु से वसके स्वापार ह भागायक्षात्रक्षेत्र मुद्द्वम्यद्भात्रम् भागायक्ष्यत्रम् स्वायक्ष्यत्रम् सरतिर नेपर त्या है हैं ने हैं में नियं हैं में वासर स्विन्त्व । विद्यार स्राम्य अक्षेत्रात्मे वर्षः क्षेत्र के क्षेत्र स्राम्य रहा। यह स्वासारही ह्य र खूर कि कि जा चाराचे र दा कि दूरी या राखा लाई। विक के हि र वा वा के देर के के रव या राखा के म्बारम्या वर्ष्यास्त्रम्यवर्षेत्रम्यवर्ष्यास्य । वर्ष्यास्त्रम्य द्रम्याध्यस्त्रम् माम्या मित्रिक वाक्षिता मान् अधिव विरायन्त्रमाधिवा स्विवास्त्र वाद्राम्यादे यववास्टरगामः विभवास्तितालाह्यः वाक्षिक्षणवातिः ह्रिस्पुराधिव। करस्याक्षर यापतः उवादेवा क्रिंग्याम् रेक्सर्यः मेरस्प्यान्यः प्राप्तान्यः प्राप्तान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान् त्यान्येरः स्थान् स्थान म्मूलके हैं। या विकार विकार विकार के प्राप्त मिलामिभर् देव देव के समिता वर्ष देव विरोह नव रामिष्ट देव वर्ष के मिला देव वर्ष के सि उस्त कर्वीरवरेश्वराष्ट्रात्मालक त्राह्यक्षात्वरहराजन व्याखावन्त्रात्वराष्ट्रात् पदल निवादी विरावदेव विरावदेश के मक्तान । किंति में निवादी वरादेर निवा नरहार्द्धनिरकीत्वात्यम भावक्षीयक्षेत्राके तर्ना वेकार्यन रहेर विमानुवान्यारे। देश विमान म्ब्रियातरमा इयावन्द्रस्थान्यतीद्रमः भरतात् । ह्याभ्यात्रमात्रते ह्यात्वेदः वर्षे कृत्यपुरः डिकारिकारे स्रिक्टरायाचीते वर्षित्र राष्ट्रिका स्थानिका की रामेर्या रोमवा रिक्टर्य क्राम्याम् मार्था मार्थ 

यहर्ता के स्वयंक्रा के मार्ग क वर्षर्भद्रेत्रस्त्रेत्रः वर्षतः द्वरत्मवाक्ष्यकात्त्रित् मेलात्त्वत् क्षाताः वर्षस्यस्त्वीः हिर एत हर्ने कर्र देर सरकार के मुजर करेंचे होता है। यह के कर मुकर है कर हर है। सहमान्या वाल्याहेन हिल्ला मेर्र देवरामान्या होरायाहर सेरायाहर ्ट्यम्भारम् द्वाराम् । भारत्युत्व हर्ष याम् । । । व्यक्तिम सम्मारम् व्यक्तिमान क्षेत्रेव्यक्षिरताच्येत् म महम् व राष्ट्रीयाच्ये महर्वेश्वायवरवान्हेवास्ट्राचेत् न्य भेरतिहर्षा में अलक्ष्य में में रहरत्यमा श्रुट्य वा वा वा वेरके अर्थ मस्व वा वा वा वेर्ग के राय्य स्क्रोत्रिक्टिके र्यायम्ब्रिक्यायदेवद्यामः इक्ष्याक्रिक्याराव्यक्रम् मिकाक्ष्य के निकान के त्या अपति के प्रति के प्रति के निकान के निका रहेकारिंदरातिहरते कर्तिहरात्रे हिवलके विवलके अवारम्बलके विदेशिका र्धातवहुर्वरेक्रिक्रिक्ष विदेशिष्ट्राष्ट्राष्ट्रविष्ट्राक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र रिल्यें एड्रिया नेर विकास के महिन्य महिन्य हैं विकास के विकास के से के के के कि ुर्द्रात्येरे ्हेर्यस्ट्रियअस्ट्रेम द्रमण्ड्रम्यअस्ट्रेम द्रमण्ड्रम्यअस्य अस्ट्रिया र्मिन्द्रिया विकास क्षेत्राचार क्षेत्राचार क्षेत्रावाल क्षेत्रावाल क्षेत्रावाल क्षेत्रावाल क्षेत्रावाल क्षेत्र याल्येत्रस्यात्वस क्षात्रद्भारेर्द्भिर्द्भार्थः वर्षद्भार्ष्यः वर्षद्भार्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः विरस्रिक्षात्राम्यात्राप्रात्राम्यात्राप्रात्रात्राप्रात्राप्रात्राप्रात्राप्रात्राप्रात्राप्रात्राप्रात्राप्रात्राप्र याद्राकामुक्तावातुरतायादेलवाताकाद्वातामव् रावहेवाताकाता देवहार्यहरूपाइस्वाद्वाद्वाता महामहाम् मेलायानवादुट किलात्तर् यन्त्रातेन में विमानवाद्यात्यात्रात्र के स्राप्तात्र मिन णमातामा स्वर् की दे व चटा स्वाभित श्रीत्वरा क्षेत्र परिवर देर देशका स्वर स्वराहर तर । प्रक्षितिक्षेत्रः वर्षाः स्वर्षाः वर्षाः स्वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः क्रमेश्रिकात्मेश्रम् त्रिकात्मे त्रिकात्मे त्रिकात्मे त्रिकात्मे त्रिकात्मे त्रिकात्मे त्रिकात्मे त्रिकात्मे त वदराने वान्ते वास्रे केवरा राज्या हिटा है वा राज्या व हैं राज्या दल्लार्ट लेल्ड स्वतुन्ता र्टेल्स्ट हैं स्वता इससार्ट्ट के र दे महिराया महत्त्वा कर्णाना वर्षेत्रपुर्वे करेर मेर्टिक रात्राच्यार स्वाने राहे स्वाने स्वानिक हर सुर्वे विक्रियां के सामित देलर्वारव्याता द्वान्त्रामा मद ग्यार्थात्रम्यम्यम्यक्षेत्राद्वायक्ष्रम्यत्रेति तरार्थात वर्षाच्यात्मात्मात् देत्रात्वराष्ट्रभावर्ष्यक्षेत्रात्र्यात्मात्मात्मात्मात्मात्मात् य हिरा हेर हिंग रहेश हिंग हिंग हिंग माहिता माहिता माहिता माहिता है निका के माहिता है निका या मेरारह्मामा के मेरानिय के अविश्व अत्राप्त प्राप्त के भारती त्या के प्राप्त के मान

事とから、はかはなるといいいではいかい できるがいいだっとはにてはいくしてはなけ

र धेका।

गार्केसह रोरही। हो सुंसरिश्यास्यापनेदा श्रद्धः सम्बद्धाः स मक्रीसिद्ध स्वाभन्द्रभ्यावासाम् देव। यावश्याद्यानेयात् वर्षेत्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्याः المومريع الماريع ال क्षित्रम् । प्रहार के के महार के कि महार होते हैं हैं हैं हैं के कार र विशेष हिंदे हैं के कार र विशेष हैं हैं स्तेवाकियात्रा राक्ष्येत्वेत्रात्वाकाकात्रम् । स्व यावतिक्तात्रम् स्व स्थान म्भवामिद्विवालासूदः कुंत्राकात्त्रं । प्रात्कात्त्रात्त्रं । प्रात्कात्त्रं । प्रात्कित्रदेशः के प्रात्ति के प्रात्ति हैं ने कि हैं के दिस्ता में बर्ड में के कि के प्रात्ति के कि するいのはいのからまる いっきんいんかんかん いちょういん かとあいのというというない क्रिया को दे । इस विश्व के स्वर्था के देवरा की देवरा महता महता महता महता महता के का कि महता महता महता महता महता क्षिया के के वहरास्त्रामा स्वत्याव वर्षा वर्षा प्रमायक रात्व रात्या क्षेत्रवर्षि हरहरी ्वार्याच्यान्त्रम् केरावर् द्रवार्याच्या वायाच्या वायाच्यात्रे देर्प्यत्त्रिय्त्रम् व्याप्त्रम् द्रवार्याः . त्यान्त्रान्त्रत्येद्र तेत्रलाताः वतः , मत्त्र्यंत्र १ - नमा युक्तिक्ष्यक्ष्यं वर्षेत्रव्यात्राणा । विद्यान न्यायुक्ता । विकास महत्त्वे प्रतिकार के महत्त्वे प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार के प भवार्यात्रेयः भवार्या भवा गर्याः श्रीरार्णायर्वत्वत्वत्वात्रः व्यार्वे स्टार्ट्यक्रीविवाद्याववादः म्हल्याना महिना प्राप्ता राज्या । भी महास्त्र महास्त्र प्राप्ता महास्त्र मह वास्त्राक्षेत्रित्वकाद्राताकोत् । हार्ष्ट्रदेशकाद्रात्त्वका विभिन्ने क्षित्रात्त्व क्षेत्रम् । वान्यम् मानः वित्रम् वायाम् । वित्रम् वायाम् वायाम् वित्रम् । वित्रम् वायाम् वित्रम् । र्वे दरत्येत्रपुर्वा के क्रिया ता भूका दरमा दे जाय मुन्य लिया । विश्व प्रत्यम् वा प्रवास्था क्रिया देशा स्थान रे देश्ययात्री नेरव लेव व्यक्ति स्वास्त्र स्वा हैनीं विश्व हैर है के के के के के के के कि के कि के के कि के कि के कि के कि के कि मिलार्केस्त हिंदाच्याचार्या । प्रत्या मिलारेस मिलारेस निर्मा मिलार क्षेत्रवर्द्धान्त्रम् इदिवर्दः क्षेत्रद्धान्यविष्यान्ति। वर्ष्ट्यान्ति। क्ट. व. में अन्याता वा विवाद होते होते देरे हैं देर र दात की देश हो देश ता में विवास में विवास में देर अर्थर था र्वायायायात्रियाताष्ट्रराध्ययंत्रा कार्यर्वे क्राय्यक्रें केवाक्ष्रक्षेत्रक्ष्यात्र्यं विकार्यं विकार्यं विकार्य

2 मंदिवा केटव

woran & wife.

के राष्ट्रिया हरा से राज्येर के राज्या है से हैं। とれいる子は、まかの、コルルで、また、は、また、は、ない、ことは、これは、またないのはは、 न त्रार्शेष्ट्रास्थत्याद्रः नियम्पार्ति हैं वियम्पार्थितात्रं भर्यात्राम् अराद्वीतादरायात्वेदापुराव मरावितातुराक्ष्या वाराववारा देशवेतावक्षात्वेद ययः रततात्मरक्षरातर्रम्भवानमः स्वाध्यर्देन्द्रायदः व्यादास्य स्वाधिकास्य मर्वार कर्राह्यराताता अव सर्वेद्धा । रागाहर वा रागाहर । ब्रियर बर्भ एक्स बर्म कर् ह्यमस्यद्भा द्वित्यामा प्रदेशका प्रदेशका वर्षात् वर्षात्रास्य नियम् मुलाइनाक्ष्यः त्रियदेशायद्वारम् वास्ता हीर्याक्ष्याया म् द्रार्थाक्ष्यः हिवाचरम् न अ भे में प्राप्त नरे पे प्राप्त न माने मार्गित माने मार्गित मार्गित स्थाप ता ता विस्ति थर वर्षेत्रण है। इंश्वरण्याताः 京大学/王宝山京のまままかいいいはいいかいはいいいいいいいいいのではかく大道高く क्षिम्भ्रद्धाः विकास वित と、いいないいいになっていますが、というないにはいいいというないというない。 いないないとう しょうかいきいいのでき はいまっている श्रिष्ठात्वाच्येक्ष्य स्वाचाः व्यात्तात्र व्यात्तात्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात् वक्षेत्रीयुवार्व्यवा महाराष्ट्राता रमद्वराद्वा वर्षेत्र । द्वारा वर्षेत्रे वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र はない、いまで、いていいてきいいで、ままで食べるというといっているはいで、日子とい म् विद्या स्था त्या प्राप्ता विद्या मार्थित विद्या मार्थित विद्या है। न्त्रं में राष्ट्रियाद्वा विकास कार्या विकास कार्या विकास कार्या विकास कार्या विकास कार्या विकास कार्या विकास ह्यांवानात्वर्ष्ट्री रागमार्थान्तर्भात्राम्यान्तर्भात्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्या ्या मरि अरुअरु शेरि होट क्रिया अरि प्यारक्षित । वार्य अर्थ स्था कार्य स्था तर्रा कार्य स्था द्वार । रुद्ध दिर्देशस्त्रार्भाताके एक हार्षा हिंदी प्रश्लित है दिस्की त्युक्ष द्याताकोरात्रेया ताक्षावारातात्राचाराता नामाराहाः देत्रेयाकोरकार्याताकोरायाः वाराकारा इराम्यार प्रति । इति वर्षा । वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा インエン・アンカーのアインは、1111、イン・イン・イン・イン・イン・アイ、アイ、アインのでは、 عاديمين المراجود عديد المراج المع المراع المراج الم लाम्यात्रा वित्यम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्या

क्रारत्र क्रिया मेरी वरीराव्या वश्चा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया व्यवणातर्थे । क्रिया वार्टर.वनमःमाझा मुझे वर र विवाधा वि मुझे प्रस्तर हैव। र अराम्नर विराधि वामे वर्षे अववा केरामका वनवात्रेय । का प्रित्मार्थ क्षेत्रका क्षेत्रभाषा क्षेत्रभा 「おころっせる」」は、生命では、いかいいからいいでは、は、かれてからまいい महिला स्वर्धियात्र्यात्रवात्रवात्र्यात्र्यात्रम् केरावर्षितः वित्यत्रात्रम् भारम्भाति म्या एवंदर् सेर्ड्या हराया विकास केर्या स्थान केर्या क्षेत्र केर्या केर् यंगा तर्वरारे सेरंडिया हैर्त्याय त्रेश बेरी हुर्द्धार किर्द्धार सेर्या हिरा हुर्द्धार किरा हुर्द्धार किरा हुर् ला. यक्त. ध्रायकामा संस्थात हे वा प्रस्ता मा देशका व वा प्रमायका व म्बर्टर्यत्वर्वात्रिवर्याः कृषायायम्यवय। व्यथ्यवेयः सुर्देश्केतः कृषः त्वर्यं कृषः हुन वरि दर्जीयर्द्धन्त्रा हेद्या वर्ष वर्षा हुद्या हुद्या हुवना मुन्ना प्राप्त हुन निया वर्ष वर्ष ではいましていれているというないというというというないないできているととなったとう ्रात्ति शुर्यास्त्रात् विस्तितिरदेरात्वरात्त्रिक्ष्याः । वस्त्राधिक्षेत्री विस्त्रात्तिः लूर्ता श्रम की रदाय वा की मिन वे वा वा का कर कर के र सद वा वा ीक्षांकर नेर् ही का शिक्षां का ता हरते ता का जा का का कर हरी अंभा त्या का की में के के के के के किया के किया के किया के किया के किया के किया है। के किया के किया के किया के किया के किया के द्वीरमाश्चितात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वे । वार्ष्यर्वात्वर्वात्वर्वे द्वार्यः । वर्षवर्वे विष्यर्वे व्यय でいることにはいいままままっていまでいるというできることできること यी दुराला हुई। सूद्रीत हैं ने ता ना में दे हैं। इस ना नार्य गड़िया प्रतान प्राय में हैं है है है है है है हैं रार.वरा क्षेत्रकार्य केर्यात्रकार्य स्वर्गित क्षेत्रकार का क्षेत्रकार क्षेत्रकार का क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षे क्यानाता है। मन्त्रिक्त स्वर्गाना मिन्न देन देन मन्त्रिक के निष्ठ हैं भारतस्त्रीयवयम्परमार्थः । ११११ वर्षा वर्षा ११० रयत्त्रीवयान् सम् न्ते वर्ष्यक्षेर्यक्ष्यं हुर। र.प्रथ्यक्ष्यम् आस्त्री क्षिण्यास्य प्रथा वर्ष्यः र.प्रथाः म्रद्रव (वेशव) वाल्यांकर्तान्यांत्र्व । व्यापान्यांत्र्व हार्गा द्राप्त हार्गा हार्गा हार्गा हार्थ द्वा मुक्कालकायरिक्षणा दीत्रियहरायाभ्याम् मान्यस्थितवहर् भेर्काण मार्यायारी मिलहुकामायायायात्रिम । भिराम , मुनाकार्यादेश । ना रवाका तर्रा महाकार कर विष्टुराष्ट्रिय विश्वकार विषय विषय । ्रया कर्षायामान्यकात्र्यामारकार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्रात्र्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रा

न्तर्भर बदेशहरी होतालां वाही अल्बाहर हे वहार होते होते हात है हा है।

द्वारीकार है। इलल्इस्स राज्य रेडिया निरम्भनकार विवाद

X EV!

72/27/

मुभरते.लु.मेश्रात्ता केर्दर्य केवर्वेद भरू १८८० पत्रात्त्राविया हिया हुर् यामका यामवरमा स्वार्थिय विद्या स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय विद्या स्वार्थिय सरस्य वात्रात्र अत्याद्भार वात् देरियाप्त सुर्वे सुर्वे विवाय त्रे वात्र के स्वर्वे वात्र के वात्र के वात्र वात्र के वात तहेनहेन प्रमायके वार्या या वनन्यते श्री हातरे ताना तन केरहे विदान करा केर कार पर्पर्धियान्त्रेयानायार देवानेम्बिर्स्युरेल्यस्या ।क्रांभिकिर्धार् 1002 311 न्तराय मद्यत्तेद्रस्य १५ ५६६ (श्राच्चर्नात्राय्वेष्ठायायतः मृद्रायम् कवात्रुः भाराम् वृद् चरदेर-रंगएक्.को.केच.ध्वच.त्.सट.उद्दूष्,चलक्ट्रद्सर्थ्याताक्चियाताक्ष्यात्रात्र्याता र्ट्स श्री तर केर भिरमार्था ११ में स्थापन करें यात्रेत् जातातातातात्राम्यवया। यायम्यम् त्रामाता मृर्थिते मृर्थिते स्रोदेशीयन स् वयायावरद्वरायावराभेद्यते वार्वप्रकृतं वातुरावस्यात् । इयारापरित्राः भेरवन्त्रः स्याक्षेत्रस्थर्भपत्त्रः म्यम् १३३ व्यवपत्रम् । त्रावपत्त्रं से वेशक्षेत्रम् एवाका नाम । नहीत विवायहेमसे पार्याच्यामाल्यासहरा सास्यामार विवाय मार्येका मिरेश्वितिर्द्धर्थाक्ष्ये अर्द्धर्थात्र्यः विनिद्धियात्र्रात्यः । तिम् अरम्पूला की एख्राहरातां भाष्ठाला वद्यार ने वा भराष्ट्रका अरमेर रहत हमाने लासे दिते. इत्याप्ट प्रत्यमा देनएश्याम्याश्चाराश्चर वर्षर क्रियाता वर्षर हैरी एतर. ३६। क्राह्म क्रिक्टिरहेर। देवसरायनसङ्गा क्रिक्करवनस्य मंत्रे भेवक्रियः क् भुक् राता ह्यास्ट्रम् ताक् निबदार् क्रि. मुं श्रु राद् ताल त्यासम् न स्था वर्त्व मान र्यापवार कर्ता देताल के बारा में दारा में दारा में दावार के दावार के ता के वा के वा के वा के वा के वा के वा के र्वे १२०११मा विस्ट्रास्थ्य केट्ट्र स्रियामा में सामान के माने माने माने सामान के माने के का माने के का माने के रव. त्रेंग्रायत्र ?क्ण.इ. मु त्व. त्रेंग्रायत्र द्वगाया देश्रव जयरे वसर्वायवर। सरव क त्वक्ताना प्रभावर् अर्पेर क्षित्र रेप्य क्षेत्र क्षेत् मावराग्यन्तर्गार् देस तर्वार तर्द्रवाय नेरम महंदे तर्वायर दद्वाको द्वादिकोरेत। केर्यादे वरहायकाता है न्यावेषा । भरद्वाका देखा । वर्षाद 6 \$ 300 | सरतही देता त्राह्म वर्षेट्य देव के देव हैं देश होने देव हैं के किया महेंदर होने से हिया कुत्र हेर के लें। रेवल हैल रेट हैं ए ते व लिए ति व है से से से से से से से से से र्म्या केन या दूसर र व र र मारेदा दाउदरदेश के कांला के प्रवासे दसर विकासकारेदा की वाविद्यार यं बरमायारे । द्रदेशे ही वा बराया के सव रेक वरवमाया , द्रस्के वर्षाया । वस्रित्रभारतः कुर्द्ववसार्कत्त्रत्तरः वानवावन्यानेवसार्वतः भावतः द्वे श्रीव्यवातर् तर् देने

न्त्र में में मालवात मार्चित (पर्वेशम्) से दे रहे रहे । त्या परि तरि तरि तर्वे स्माति सम् करिया । हर सद्भाग के त्या । यह द्या अंदी वाद्र तात्म वाद्र देश द्वार विद्वर विद्वर विद्वर विद्वर विद्वर विद्वर र्ता वयात्त्रकातास्त्रमा बिवायात्वरात्मात्रम् ववाद्याताः त्यात्रीत्व वरवातात्र्यातात्रात्रेत्रेहिटाचेत वर्षात्रेत्राहेता हिलाहाता न्यात्री पर्षश्रुद्रक्षेय । विश्वत्रहर्मद्राम् स्थान् स्थान् स्थान् स्याः कृत्यस्य हर् ह्याः कृतात्वात् । त्रं त्रायात्रम् त्रियात्रात्रात्रम् त्रायात्रम् त्रायात्रम् व्यवस्था छो:नेर्ध्याताको नर्वा स्वार्थात्यो द्वारा स्वार्थात्यो द्वारा स्वार्थात्यो स्वार्थात्या । भव र्द्रिंद्रः वर्ष्यद्रवृद्धिः वादान्यात्यः वाज्ञेवान्युवर्यावराष्ट्रीः स्वायान्याः वर्ष्युवाद्यवाद्रीः से म्द्राकेराधिको देरीरालव्यास्ति क्षिर्भिरमेर्। मध्यावित सुराधारादेवीयाः म म्बाला हिन्द विकास में में कारण विवर्त स्थान कर स्था कर प्रमान कर स्था कर कर स्था कर कर स्था कर कर स्था कर कर स र्रेट्रेड्ड म्रार्स्याम्स्रीरातास्त्रात्वारेवास्त्रात्वा मुर्यस्तर्भावतात् । अवर्ष्वस्थात् वर्षात् । वर्षात्र्याः वर्षात् । वर्षात्र्यः । वर्षात्रः 高いるからかり 「そのまま、そのか、だ、ち、の、可いなくない、なっているまです、いかい、まないだ、ない、 वद्यात्र्यात्र्रात्र्विषाता द्ययास्यरत्यविषात्रयर्थायत्यस्यास्यक्षेत्रयास्य एकदम्स्यान्यान्य विवयं देत्रमञ्जादम्हिनारकदम्मम् द्वीरात्मान्यान् देत्रमञ्जाकद्वी वर्र्र्र्र्जिंदर्श्वयाम्भायाद्वर्श्वे बश्द्रम् वश्वताता द्वात्व त्यत् स्वता वर्षे प्रतिश स्वामा न्यावसाम्कानद्व। दयताचिरम्यावसम्कान्यान् वद्वत्यस्व केनुः म्याविषायां त्यावस्याता तला शुर्रअग्रे किंग लेगाल रे.वमातिगवल सं (स.मण) वस्तानमा सरता मेर्ट सर्के प्रदेश र वीद्रस्थ दरा अर् वर्षा मा विभागिता वर्षा सार्थ के सार्थ के स्वर्ध हिंगा है। तया किर्व्याप्त्रवात्रवात्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त् च्रद्वा । यह द्वायां १ ६ . क्रियेश्वात्त्वात्वं यह रो अद्दे के वे स्वाद्यात्मात्रेर स्वय र्देशकार्त्यात् । त्रात्रात् रेस्टरमानावर्त्यक्रमानावर्त्यात्याः सार्वेषदेशकार्याः र्रेट्स्नायाविनाअनुदावन द्रभवाअर्द्द्वाद्रराष्ट्रिःस्वार्भ भा त्रुर्भतानावसक्रीः व्यद् वशक्रिकार्क्षेत्रहें। द्यार्वादायात्राक्ष्याया । इ. १ १ हर्रिक्षिव्यायात्राक्षित त्विष्टारे विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्य णेरेद्र देर्म्म क्रिकेश क्रिका भारता कारवाता प्रतास क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्र रमनामानीते नुरार् तकर्मे तथा नुराद्ववायाया निराविष् कर्म हा(2) ववसायहँ नहिंसा क मेर्विश्वर्थाः द्वार्थः हात् । हात्र्वाष्ट्रिय्यं क्षात्र्यात्र्यः विश्वर्थाः विश् अरे.वरेशकाराधःयी.पर्.पेर.शिरशःरा मार्थित है। हि.मा.मार्था पार्श्वर मार्थित हैं भी में भी भी भी हैं है। विभ अपितः मुक्कि, थावानात्त्रवा वर्षकाकात्त्रात्त्रः देवतर्गद्यात्त्रेर। यर वर प्रदेश

7166. र्शितात्वरावत। वर्ष्ठात्रात्वराद्यात्या मान्ने सामान्त्रे सामान्त्रे सामान्त्रे सामान्त्रे सामान्त्रे सामान्त्रे विवेचित्री सार्क्सार्क्सराता किरम्हाम्ब्रिस्मिक्सिर्मे राद्द्रस्याप्त र्हिटलामकुलार्खियान्त्राया (या. देशा देशान हिराही) योर्धियाय प्राप्त प्राप्त विद्या देर, युर्स्साला वर्षण या ्रिक्ने वृद्धा, युवाता तर्राद्यु त्वारक्षसुर् त्येवा, की से संस्त्रित्त व्यवायात्रीत सम्मान्त्रियाः वर्षान्त्रस्य ह्या स्वर्थात्र वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् क्रियर्स्वर्र। तर्वेभ्रोर्स्वणद्धिकालस्य विष्ट्वं वर्षर्वयस्यर्द्धर् देवल्य देवल देशवास्त्रास्त्री वर्धेत्वर्धे,हिदालाचर्द्धालाती वर्गेवाक्ग्रेवार्षिण् हिदालावरी लुप्रकेषुः म्राम्यानिक विषयित्र विषयित्र मिल्ला मिल्लाम्याने स्थानिक स्था 4 4 5 ्राचित्रात्रातः देवदेर्परस्यायव्यवा द्रम्द्यद्रवाव्यवा व्यव्यावातित्व क्रिद्रवावव्या यसारा तारा तार्रे दर्मा । विवासिका विद्या । द्वालह्वात मुद्दालतर विवासिका 5 mg/ avange (कां !!! कां का कर हरा सुद्वायात्वात्व द्वारा में कार्या । वजरणारं नार्याकारहः दक्षाया के तेन नार्याया की दक्ष के अवदानी अन्ति तरेदा की 6 वर्ष्ट्र<del>व</del>ी उद्देशन्त्रेरायात्व्याया रामक्षात्वरात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा 734231 एक्तवादम के त्रिम्पा । बर वर्षा तर्ये । देल हैं से सह स्मा बर वर्षा कर वर्षा है से राम्बर्गा रामर्गा । नामर्गा । नामर्गा । नाम्याक्ष्यां स्थान्यां मित्राम्य स्राप्ताः विकास्याम्याम् वराताम्याम्यान् निर्माताम्याः चार्ड्र्स्नां वाद्यात्रां वाद्यात्रां द्वारा वाद्यात्रा द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा वाद्यात्रा द्वारा वाद्यात्रा द्वारा वाद्यात्रा द्वारा वाद्यात्रा द्वारा वाद्यात्रा वाद्यात्र वाद्यात्य वाद्यात्र वाद्यात्र व तेर्यात्रा द्वारान्तात्रात्तात्त्रात्त्रात्त्रात्तात्त्वात् क्वारात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्य विक्रमाः द्वारान्तात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्वात् क्वारात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् सामल विकासमान्त्र क्षेत्रायकदारह्या क्षारावक्राम्भाराहिता क्षेत्र की मेर्यायस्थायम् वर्षात् त्राम् त्राम् त्राम् । तर्रा मत्याः से कोद्रवस्य वरिष्ट्रमृत्याः द्रांस्मा हिंद्राह्मा हेर्ड हेर १० म्राम्याम् स्थान्त्राम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम्यम् स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्र च.क्रे.ह.क्रेबाल र्युकारहाएट, दिहान ये. खुला गलाई। ने गर्डिका क्रिकेट

क्रर्नेट्टिंद्र। श्रीराता. मेंशलार्थां से या वर्षेल मेंशला वर्षेट्र खर्मा में राष्ट्र लहा करी। रेशया ्राच्यांक्रवाराला, प्रविध्वान्द्रः श्रि. प्रथेष लाराष्ट्रिला महाराष्ट्रात् व्रहाश्चरायदास्त्री वराष्ट्रिक्षरे हे राज्या र् कर्रायार प्रतिया । व्याप्ता विष्या मार्गिया मार्गिया मार्गिया मार्गिया मार्गिया मार्गिया त्री वक्षत्र स्राप्त स्राप्त वर्षा का त्राप्त स्थालवा वर्षित स्थालका स त्राम् अहित्रहें। क्षे. श्रीचाता वाता हाता कार्या कार्याहर कार्या क्रियामेन (世にいいから) 自のかけんないないかいましましましましまいないないないないないない अविधानार् से के के त्या के कार्य वा कार्य के निर्देश कर के निर्देश के कि मरालवलारे। निर्मारामा नामा विक्रियविक्रिक्तरेश सुरदेश सार्वला छातुरी म्यानिस्यारा राज्यात्रीयात्रारा प्याप्यम्या प्राप्ता प्राप्तायरेवावार्यात्रा एक विभागवानम् देवत् विता स्वाद् रेवाचित्राविभाविभावेभार्ते स्वर्धिर देवत्रित् व रिक्रियामार्यायायायारे रिक्रियामियाम् । अगुरिक्रियार्यायाया ्रिलाइन्द्रिलाक्ष्याल्या स्थानात्र स्थानात्र्यात्रक्षणाञ्चल स्थानात्र्यात्रम्या मेर्? तथा है। यस है। यस देन के राष्ट्र ति तथा है। यस राष्ट्र 童にかれ、知道のは、「中心の子はないはないないない」」という、からは、からは、ないは、ないは、ないないないない त्याक्षात्रात्रात्रात्रात्रार्भणा । अद्यात्रात्राता (यात्रात्यायायात्रात्रे त्याव्याः वर्षर्थितरावित्ये। मार्क्षेत्रा वायास्त्रमा स्ट्राह्म प्रकाल। वि.स.च्याचारका विषय के त्रिक्ष के विषय के विषय के विष्य के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय यनियन्। स्रा परान्ति कियो द्वा राष्ट्रियर मान्याय । दिरेश मिरित्य वाप्ति अक्षेत्र। ता शुरुष्टिक् श्वाभाषा गर्मे ता विष्या गर्मिया अस्ता विष्या स्था स्थाप स्थाप स्थाप म् अतिष्ठा । त्रिवारा प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा । कार्यित । कार्यिक अवस्ति । अवस्ति । कार्यिक विकास या राजरात दिलायाव्या कर्ता क्षेत्रकात वा कर किया विवासी कर विवासी किया है। रिलयारी में अवराम के न्य वार्य मार्थित करें मार्थित करें मार्थित करें まる。まち、などはなのというないない。 それにままれている くないとなるののできなんかい TRI BRATHER TO THE PARKET ALLE STATE OF THE PROPERTY OF THE PR र् दिस्स्ट्रिट्र्यारामा वर्णकामक क्री क्षेत्र वर्षिता केवा करियाकिया कर्षा कर्मा करिया कर्मा करिया कर्मा करिया करिया कर्मा करिया करि मिन्द्रभेत विश्ववेद्या क्रिया १८०० । विश्ववेद्या क्रिया रमणामान्त्रीस्तरमान्त्रे मिन्द्राहराहराहरमान्यराक्षीतिहरहेस्त्रेत्रेत्र सिक्रारेश्वरदेशस्वरविश्वर्थन्तुः स्वर्थनः त्रूटर्योत्रदर्द्द्रेक्टर् द्वार्यद्वर् भार्षी अहिंदुत्री है। इत्रहित्यकार 当られてる。人 कालालक्ष्यं देशक द्वार मंद्राहिटलक्ष्या रहे में में के ज्ञान कर मेर के

इक्टू केर होरर के ए बर्ट से समावसंहार विस्तार्थ पर हो निवास हिट रेट्। वर्षो देवाह वा वीस मुरक्षियर विकार कर्णा कर प्रायमा कर के के के के कि कि के म्बा त्रांचे अपेता की मार केंद्र केंद्र भी भी मार्थेद्र के केव महात त्र का अपेद्र विदेश देश के का भी मार् रद्दरवदमेव दलक इर् देकेर रहराकेदा के कहरा हे उस् ह जा। साराज गर्म गर्म गर्म गरियों भेत क्रियम् में दर्भ हे दर्भ द दर्भ द तर्भ वर्भ वर्भ वर्भ करर्भ करर्भ में हैं है है दर्भ है वर्ष हैं। . . . ते केव मुवक केववहरूपे हर य किवतरस्य हर । से केव मेव वनव रेस से हर 2 NT BB | as a wick. महत्यद्यहर्मात्रम् क्रिया क्षान रहेर प्रकार क्षान हरेर निर्मा क्षान क्षा その気がとするくでで、そのであるのは、でき、ちゅうないままでのは、いかいともこんないよ कर्युक्त ए स होत्र व नार १ १ १ वहार एहर वस के के वसका दम्यसक की कर्यों तम्बर्गात् वर्ष्ट्रहेको रेस्प्रेंट्टर्स अत्रार्थक कृष रस्ट्रियो वर्षे राष्ट्रिके できることのからから、これのみではいってのかってくなって、大きでき マカンション ころのこうとうないない これのというないない のますいできる मान्या हिस्सार्थित स्थानिक स्यानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्य व्याप्यार् वर्षेता । विभवा व्यापास्त्राम्यान्या वर्षा र्यात्मार्ष्याय वरायः वरायवार विर्वतिय तहता कह्या विष्ट्रा अप्रातायरे क्रीदा कर प्रदेश तहरू दर् प्राच्या हिर्दे प्रदेर हरे वर प्राचेर है का प्राचा राज्य राज्य मालायर हो का है का कर प्रदेश का स्मेर्कर्भेर निर्मा प्राप्तेर । े विरम्धिसक्त या पारम्य म्या स्मेर्य यार स्मे मेर्या स्मानिक स्मेर्य

अस्ति के अस्ति हुन स्ट्रिंग कर अस्या न्या अर्थ स्ट्रिंग क्षा मान्या का स्ट्रिंग के स्ट्रि

वावन्त्रारहे वस्त्राक्ष्ये हरा हराया अस्तर्भात्रेत्व की वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे प्रमानिकात्रीरातात्रियात्रात्रे क्राक्चित्रम्कित्रम्कित्यस्य साम्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा याद्वीरकारणः र्श्वाश्वास्त्रवर्ष्ण्यात्रवर्षात्रात्वात्रा त्वात्रात्वात्वात्तात्त्रात्त्वात्ते म्रवतिष्ठात्त्र सूर्यभानेता सुरातार्वेव यदि व गत्र । कर्वाकेव हार्य देसद तम् व वर्षा वर्षे । इंद १८ १० कर केंद्रिविदार के स्ट्रेंड्र मेर नेत्रा वालवान विवास के अवास का करेंद्र इंदर के किए म् लिरी ह्रिटा माण्ये ये प्रवास्थ यदी वाडी वास्त्र वाडी सूर एक्ट या वेर दिखा ह्रेटा क्षेत्र खु कतर्यारे भूराधिय। रेबस जैबरटक्यारामकथा । विरायट वेर वेर रेपर मेर्। रव्य व्यक्षा वस वालहर्यम्ब्राम वास मति दुसः विवयः तरुम्क्याका धारा त्यास कर्य सामा वेद वसामा विभाग विभाग वसामा व िर्यावकाहरिकेश्वद है। १६ दर्वलाव क्रीमक्री तथुर्व। स्वासारियक क्रिया देवात देवात । रुभवलम् मुक्ति में विका वर्ष्यक्षेत्र राज्या निम्न वर्षिक कर्या स्टूर्यवापु स्रेब्राडियरर। उर्वेब्रास्त्रिरतणतिश्वस्त्रात्व्येशः चर्डाक्ष्यर्भयाव्यक्तः व १०० तामः र्भका मेर्दरम्बर्द्यः सेम्पाइराम वर्षायायायायाया स्रद्राम स्राप्त स्वार्थः यांगर्य हिंगारे के हेता है का हिंगा विश्व के स्थापन के ता है ता है ता है ता है के के हैं वरवयाः वर्षेत्रवारद्व। कञ्चकान्त्ववरवयाका वृक्तिक्वः व वृत्तिस्र्रायस्वा वर्षायस्यां तकः म्यावायायरी वस्पन वर्गान वर्गान स्थान वर्षा । इसमेल ए क्रिं त्र हिर्दे। वर्भेर्द्र स्थायरिक दिर्दे र्यदा छा बने तार्श्वरमें हो। देव ब्रुर्व वर्षे भी बर्गे अपा तके वरि ताम हाता मही।

रेशकेर विरम्भर वारेवा वा सर्वरे वयारवा हुरावा रयवावारे व्यक्षाता ख्वावया विववसार्या यर वाहूर दुरा द्वा क्षेत्र के क्राक्ष मध्य त्या मध्य द्वा मध्य हुर देश हुरा रेर द्वा तार्वी दरायदारीर वाधार वर्षेत्र १ किर १ करवरवुवाया बेर कु वहवा सुरावी एवर दे हरे के । ग्नित्रहर्द्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः क्षाः व्याद्धाः स्वर्वे व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व्याद्धाः व वार्ष्ठवावायार्थे भ्रुत्यभक्ता दे रेटर्यवायाते कार्हेटक्व वास्त्रस्टित विश्वता रेवर्य वास्त्रयाचा हिरमदान्त्रम् नर्देनद र्शन। योनकु स्वक्षेत्रमण सम्यतः मेर्देकु हिरासना हराले स्था। रवा लेन्नुस गल्भार्यः। त्यलद्भवाः क्रॅर र्य यहार्ष्यः । हे हेर्श्चर र्रिता वार्षः हर। श्रभ्यत्र व्यापीय क्यार। यार्च्याकरभावलणं वारक्षेत्र वयर। स्ट्राह्म्य स्ट्रियो प्रवास प्रेंबर क्राह्मर स्वर प्र ग्वाके केत रातुरदेश द्वारकी केरायकी समयमा ध्वापकी स्वापकी स्वापकी स्वापकी स्वापकी स्वापकी क्रिंग्रेव। विरारवादामुवस्थययम् स्वाह वसाय। शक्तरार्यस्य स्वावानिवस्थय। वार्षे गुरः न्रिक्षित्रात्रह्याः श्रीटः कुर्याः केलाद्राः ने अत्यत् भ्रास्त्राः स्थाद्राः कुर्याद् वायाया विकासः वार्यमः पति किर्या म्रो नाम्यत्वविधासार्भावेषः वेषुः रदावकाद्यद्दा मिक्टर्यु क्रेयर्म ती. म्रो न्याकेर्द्रमवाकात्ववद्भवा

रसंभिता यगर होते देवामाद्री वादरा वादेशकेवासेन यादरा स्वान्दर द्यावयात्र कुणादरा याते हैन म्याहर की क्षावर मानवर्गा यत कर सम्मित्र के दे के खेता वर्गा तर के हिंदी मानवित्र के कर या के व कुट्टालुकार्यत्यत्यित्वाचित्राध्यात् वीत्राध्या दे देट कुट्यत्यत्यक्याया के विर्क्षिक्रद्रात्येव विर्द्रात्याया र्यतः छो तर्वा कर्णा विवायसम्हा दक्र स्वाता स्वत्व सह। सहित्व व्यवस्ति। त्यत वहुद्रशावद्वद्रायभाष्म्पर्दे। यद्भ्य प्रतिक्षा कर्तिकः वस्तिस्थाप्रया श्रेषा भाषाभाष्म्यता है। रे चूर राज्यवायाया वि.का तक्र ते सेवार्ट वर वया वरत विवारत्य । रे रेट के वर्ष विवायया कर। वार्ष क्रथवरत्यन विविधितायर्। देर्दरके तद्व विवावता वर्ग राम के देव केव त्यवसाय वर्गा देरे मेलर्वाविषात्रसहरः ध्रम्भ वस्रसहरके सस्त्राध्या रक्षस्यत्यत्यार प्रत्याध्या र्थे नेरा स्वाधित हेर वर्गर रे वर्ग देवर हा वी वर्षेर वर्षेरा के स्वास्थित वर्षेर्य होता है। लेलाताभ्रास्त्र वेस्। यहभक्षित्रमायद्या विस्ताल्य वास्त्रमा वरमार्भिया वरमार्भियार न म्रास्त्रित । देल चर प्रदर्भेटर मेर्गर अववस्वसाय वावगुनसंख्या मुं विकास्ट के वर्षेट्रवर्ष्यका रवरं तका से दवरिका ता हिरम्या धारम्य सामार्थका । सामार्थ या वित्रायम्वरायार र्या भेविर के क्रांत धवक्षार हारा एत्रा वित्र क्रांत्र वित्र क्रांत्र वित्र क्रांत्र वित्र मुख्यर तर्वे देवर मुद्र कर मास्य एडवा राम्य वर्ष वहरू यहरू साम्य के स्वासी में देवा की बद से प्राप्त के से सरक्र मर्का से ता सविवा या क्वांत्र है। वर्ष के मर्वे दें मर्वेरहर है। वर्षाया से मर्के स्वरं केत्रः यह वर्ष्ठेरवह वास मा १२२ त्व्रंट का व्याप्त में अस्य एट वर्ष्ट्र व्याप्त व्याप्त वर्ष महोत्या र्यंत्राम् स्विटनी वयम यर्द्यामेर्यर स्टर्ड्य सुद्या सुद्यति स्वापि स्वापि स्वापि 3 marnet राति केत्रात्र विषा हुदः। देशव हीर देवनावरः द्रायाष्ट्रस्य यति हेर के त्रवाभेद्वाभेद्वाभ अध्यद्वते। त्यात्नेयाः शवायाविवास्तर्भवति नदाद्व त्यार्थदार् हत्त्रत्याः त्यार्थदार्थताः सर्वत्यास्यति सर्वत्यात् विद्युदात्रि स्मित्रा । भूक्षामा निर्मा के सुक्षामा स्थान के नेर्। ह्यालेन कर्या हिस्सा कार्या महस्ति रहेरसावसाधी तोवस्। रश्चावयापायसुम्बः वास्त्रात्रेशारम्याया वास्याह्वायायायिक्ष्य्यात्रेश्व व्याप्त्रा श्रुत्या श्रुत्या वर्ष्यायायायिक्ष्यायाय मेट्रेर्याक्ष्राम् र्व्या वर्षा वर्षेत्रस्य वर्षा वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य । स्थानेत्रस्य । स् णुष्तामाना क्षेत्रक्षालय। याववाक्षेत्रवरात्रालयक्षे रवाताय्यान्वर्वरावरात्राक्षा क्रेर म्बालभवविद्यान्त्रम् वायम् र देन के किंद्रम् वायम् प्रकारत्यम् वायम् विद्यान्य स्ट्रिक स्वार्ति वास्त्रक्षाम्या कलाक्षेत्राहे वाश्वरवाद्याताला स्वार्थक्षेत्रक वास्त्रक्षेत्रा कलाक्षेत्र रहत्यास्त्रम् व्यर्थायर विवेशनेर। स्वेत्रम् के निक्षात्री सहरत्या योग्से विवेश मेरा मिन वाकास्वास्त्रस्य केमलहिम्देर। कविति एवस्याहिस्टार। सर्यते भरवित्यस्याहिस्टार। वास्वार श्रुम्बर दुः में ध्वया १२ ते १२ ते १२ ते १ १ ता विश्वाय वास्त्र विश्वाय के विश्वाय वास्त्र विश्वाय के बार. हैर.श्र. मुश्राश्चा वाहर तर्या १८५ रहे हैं है । यह से से महिन है रहे वास कर्ये के का महिन का न

र्वायानाम् तामेतायान् रहेशानेर। वाल्यास्वायर्गातानानी वाल्यायायार्गे। द्रस्थान्द्रियां वार्ष्यस्था र यरद्रम् अस्यान्त्रस्य व्यद् देश्यावदेशः मृत्यावदेशः हर्षः स्ट्रास्त्रम् । व्यव्यद्भानाः म्यान्याः । व्यव्यद्भ अवस्रात्रवर्त्यात्रम्मर्त्यारः द्यत्याः द्यत्याः वर्त्त्याः वर्त्ताः वर्ष्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्ष इत्राक्ष्याता अर्वात्रात्रात्रात्र्य हरा द्वाक्षिक्षेत्रात्रात्र्रा देवात्रेत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् द्वाक्ति, व्यापारी त्राचयह्वक्तिवर। में भू विष्याचेरायरे भी देश के उत्तर्भ ने प्राचित के विष् मूंबहुअडुरवा अवलायाम्नुद्रनाम्अदेश रक्षरायते रातामात्रिक अद् कार्यक स्ट्रीय यां अपक्रिता ते अवगानेदावता वाद्यारित में वाद्या हे वाद्या परे ता वाद्या में वाद्या ब्रुअ. खंद्र अहें व. श. से . श्रेश्वर खंद्र त्या व. प्राचित व ता तर हें व. प्राचित व ता तर हैं व. प्राचित व व स्राम्भा स्राम्या विस्तारम् विस्तारम्यति हेता है वह देवसारक्रियारी महत्वसारम् स्थान्या स्थान्या स्थान्या स्थान्या विद्यात्यात्री र्वालर् र्वालर् त्यायात् स्याया क्रियं राज्ञातात्र हे ने ता तर्रे। से ने ता देश के ता देश में ता के ता के ता ता के ता र्यु अ र यहेव मार्यवरि माला अहेव अस्विर विद्याया तरी दवा अहेव से वा खर र तर हे काला १० विद्यमा कि. तेर्युष्य प्रकार के प र्हेशाला निर्धास नेराम रियाराम् विस्थानम् द्विक्ते ने स्थान माराज्या कर्या कर्या कराया कर रहे श्रीवे तरहे त्या ता तुर्वा विक्ट हुन हैं ता क हे वादम निव के विद्या में विद्या में विद्या में विद्या की विकट लूर्। शुत्रेश्चेर्या द्वाना द्वान वर्षा । भूत्रिक्षा । भूत्रिक्षा । भूत्रिक्षा यापरयाजा प्रा. शामः दहाराज्यद्र, वटा हुत्र अवुका यहाय वटारहर तरा भूमित्ये, वाल्युनाया स्ताहे का माना है विवर्ष बारिरयाजा पूर्व हेत्र देनए कर् हैर है अपर्वेटा कर व अर दर परी शुक्र के काला मन - मुंब.क्या.व.म्याया.ह्या.कहूर। अरेबलवित.यार अन्त्या में रथ्या अर्ह्रेरे व.मे.म्यायहेब म्यायक्या बी.से.रम.त्रा.म्या.स्ट्रा. वरवा रह्य में ह्या स्थाया में त्या कर रवा हार स्था रह एस स्थाप स्थाप द्रश्याचा अर्वेद्रविश्वास्त्रकेष्ठ्रव्यक्ष्याः वात्रवात्वव विश्वात्त्रक्ष्याः विश्वात्त्रक्ष्याः विश्वात्त्रक्ष इत्रथाः वार्ष्यत्त्रवात्त्वदेशः वेद्याः वेद्याः वात्रवात्त्वविश्वात्त्रक्षेत्रविश्वात्त्रक्षेत्रविश्वात्त्रक्ष चलक् में वाववा ता दला पर्वापा । वारकाशास्त्र की लाक्षरी के तर किवान हे ने के वारका निर् 'सदरकात्रम् वरिक्षम् मस्काविका ्या वर्षाः । वर्षे मान्या वर्षाः वर्षे मान्या । रहम् म यानुवानी कर्मा हुत्या द्वावाना द्वावाना द्वावाना होता हु त्वाता होता हुत्या हुत्या हुत्या हुत्या हुत्या हुत्या हुत्या हुत्या होता हुत्या हुत्य पर्वारित्राद्वेत्वत् । पर्वास्त्रास् - को र विया ता सुर्थ निर में पर में पर देवित वा विया विवा विदर नाम्र्य विवास में वा रम्पर का विवास में क्षित्रम्भित्रात्रक्षात्रम्भा स्रीदेश न्या निर्देश न्या निर्देश क्षित्रम्भा स्र र्देष्ट्रिं रहार दिल्ला देवला है अधिकायर वरमें देश रमतात्वरिको स्ट्रिं राजा राजा है।

172 र्यत्वा अभूवात् वाक्षेत्रा अविद्यव्यात् कृत्यवाद् म् र्यत्यावाद्यं प्रवास्त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा 49257721 रत्यात्रभवन्त्रेर कुला द्वरीयवृद्यावकेराविका हिट सेवावयात्र्यवत्रभवाक्ष्यों देले. · 2 ngg.3/ 3 42.24 अलभवारा अहस्केर्यत्यस्य व्रथ्यत्ववाष्ट्रीयदेवदे केर्याया अद्वस्त वात्र् नदानर क्षेत्रवराध्याक्षेत्रः व्यवस्वद्रवर्षवर्षः मुख्यावतः रेक्षववदुरके अञ्चर्तानके। क्षेत्रावका मेशक्रियरहें राज्य राज्य स्थान मुवाइम्या सहभार्ष्ट्रको महिर्देशायया देवरका याक्षेत्र स्या स्ट्राह्म स्ट्राहम स्ट् स्रायक्षा में विश्वविद्यादर्शित्याक्षेत्र रेश्व क्षित्र हिंगा भी विद्या विद्या विद्या क्षित्य क्षेत्र 4201 रमामुखा व्या म्याने विकास के व्याने देवा के वा ने हरे हरे के वा कर है। विकास के वा के वा के वा के वा के वा के व श्रीट्रिं क्रिक्न वर्रिय वर्षे में के में के तिवर्ष के विवर्ष के व त्युव्यद्वायाचित्राची त्यार्थ्यव्या इत्यायुर्व्यक्ष्याव्याया व्यविति द्वाया स्याप्ति सुद् ता र्रामान्यात्राक्षकास्य द्र व्याया वृत्या वृत्या वृत्या विकारमा विवादमा विवाद विकारमा विवाद विवाद विकारमा विवाद (रें) क्राकाकार क्रिकार हो हैं। क्रिकार क्राक्षिण करावहरू (बाकार क्रिकार क्राकार क्रिकार क्रिक वाश्वानुराह्याताद्वाता. १००० से इर्द्धाने व्याप्ता में त्यति स्वाप्ता में त्यति स्वाप्ता में त्यति स्वाप्ता में र्गममुर्भे अस्त सक्तर्र वर्गम् वर्गम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वर्षाम् वयामः पर्काणरास्त्रीरर्गमः संस्थानम्य एउम्माहमायार्ग्यम् क्या मेल्यास्या एर्वलाक्वा द्वलावाली द्वलाच्या व्यालाक्या व्यालाक्या व्यालाक्या वालाक्या वालाक्या वालाक्या वालाक्या वालाक्या व GASASTA . र्व. के स्वया कर क्वा वात्रवा तक देश र तथा वार स्वया विव क्वा क्षा कर वार है। १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ Spirit Let hou house. संस्वर्यतात्रात्रहर्यान्यायस्या का ज्यादारात्र्य या मुद्राव प्रवेदाष्ट्रयम् अतः は「あっていい」、これにいるはあいというないはいいには、これにはいい、これのできるとは、 न्त्रात् । विवानेरवा सुकी खर्यायकी तहुना था सूरवहुन स्वामुद्राता होता। 

म्बद्धान्त्रा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

7 frankerian

Thrust in

सर. रूपालक्रीरमय सेने असे दिन्त के किया के असे वा के वा के वा का ता ता ते ने मता वा देर दे ने वा ता तर होता. नमूर का द्वार व नक राया दे । ने से अरुवावशावत् वाता हिरस्रका में प्रकृति के प्राप्त व. २ ती श्रीणर्यथ्यक्त क्रयावश्वत्यात्रप्रमुख्यावश्वयावश्चर्यात्रेत्रात्रे स्रोभर्वर्ष्ट्रस्वराक्षायाचेत्राता राजविक्षार्वभर्त्युक है। यत्रद्र साद्यासा केना स्वास्त्र मिकर गामकाशासमा समामावरमाभद्यम्। देरवार् । मा महामाने विकार हिन दर दरदे विकार १ अ ्रेरेड् ने व्यासिक्या व्यासिक्या व्यास्त्र केर्ट्यू केर्ट्यू केर्ट्यू के व्यास्त्र विश्व विश्व विश्व केर्ट्यू देश भ्रेग्रंभणीववार्भरत्यंत महास्वस्य प्रदेशम् वव वर्भर्यंत रेवल्य्वर्थ्य प्रवास्त्र र र्द्रभाद्रभावेशवा भेभारत के हैं। - . . . ह में त्रिया प्रत्ये के त्रात्र के विश्व के हैं स्वयं इयानि श्विरवायतुर्वेदवीद्या प्रवास्त्रकार्यान्त्र सीत् नात्त्र मा हर्ष्युत्र हर्ष्युत्र हर्ष्युत्र हर्ष्युत्र मद्रम् राजाता प्रकार मिन्य । स्थान के के के के के के के किया के के का का किया के का का किया के का का किया के क अक्रान्यां वार्षेत्र स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित इराक्षितात्त्रः र्वशार्वश्रद्धार्म्यणात्। समरमयारात्त्रात्त्रात्त्रः सञ्चरायावर्षात्वात् क्रम। रमयारस्त्राकात्र्यं क्रदावाक्ष्रमः वाष्ट्रभारत्यम् वारवावार्यकारम् वारवावार्यकार्यकार्यकार् वर्रक्षित्रम्याम्याम् म्याम् वर्ष्याः वर्षेत्राः वर्षेत्राः स्वर्षः वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् विर्यरात्रकियानी वर्षम् रहेता, जरहाधीना यहारायवद्वानना वद्वारात्राच्या गें भेरक्षेर्द्रम्य विक्रास्य । र्धार्यन्य दुद्रम्य विक्रायम्य केर्यायम् केर्यायम् विक्रायम् विक्रायम् विक्रायम् देखाक्रिक्ट वर्णणा में से के निष्णा के किया है। के वर्णणा के किया माना महिर्मण वर からないかからない からないしましてみからないかい かいまいましているかいない かんしまして アンスタータグーダー कुमार्थे। प्र. में हैं हैं इ. १०-१८२ . . सा प्रवेशमें प्रवेशमें प्रवेशन में बर ने क्षित के किया है। तिवस्त्रात्वस्त्रात्वर्तत्ववात्यवाद्याः त्याक्रियेदावराववेदावेदाक्षात्वात्वेताः सदत्वेदावुवाद्यक्रिया र्बुला अवक्रित्मिर्दिक्षिर्द्धला क्ष्यलाक्षित्व्याच्यलक व्याच्याच्या । क्यां भारति हैं हैं। हैं हैं विश्वेश्वा विश्वेर दें सर्वाय विश्वा के के के के के के किया है हैं।

クルご 174 ्राध्यरत्यक्ष्यक्षेत्रात्र्यं वत्याक्ष्र्यस्य व्यवस्थात्रात्रात्रात्रात्रा द्वतित्रात्रात्रात्ते द्ववित्राप्रश्चीकाक्षेत्रप्रात्ते वृष्टिराज्यास्त्रीत्राधरात्ताः व्यवस्त्रीत् 19213 ? ्यान्य विकालकात्रात्याः स्वर्थते द्वापादसुवादस्या सहद स्वर्थात्य वावायस्य स्वर् स्वव क्षाच्याच्याच्यावर्ष इस्ते देवकायायस ए हिंदी विकास क्षाप्त स्वति रिव्यवस्ति मुद्रान्यस्ति । इत्यार्गार्गाः देवस्त्रीत्ति । मान्यस्ति स्वार्गाः वर्ते ध्यातित्रचंदल पार्वादः चंदलचारेशद्रक्षातिष्ठात्रात्रक्षः । वृत्रदः वृत्रवद्गर्थवातिष्यातिष् रेण मान त्यां में स्वार्थ के प्राप्त है । इस स्वार्थ के मान है । है । इस स्वार्थ के मान है । है । स्वार्थ के स - यकारालके वरवर सुद्धारहरहाय प्रदेश वर्षा वर्षा प्रदेश प्रदेश देश प्रदेश प्रवाद वर्षा वर्षा दे वर्ष के वर्षा व सम्पादक्ष में मार्च क्षा प्रदेश के क्षा के कार्य के कार के कार्य क कार्यात है। इस महिलक क्रिकेट हैं के किन्द्र हैं के किन्द्र महिल के किन्द्र में किन्द्र में किन्द्र में किन्द्र क्षाया क्षेत्रम् क्षेत्रम् विवस्य विवस्य क्षेत्रं क्षेत्रस्य स्वस्य द्रिया । मृत्य हरित्री प्रदेश के प्रति । वर्ष विक्रिय । व के प्रति व प्रति । व के 3वश्चना े । राष्ट्र मार्गा के सिर्देश के विश्व के स्वाद भर्षामान द्वार सर्व केवेववे द्वार विकास केवेववे के देव केवेववे के केवेववे संदर्भ मा स्ट्रिय रहेक र है ने रहें हिर रटके मुक्किर राजा धररेव वाच रवा वार मिर ने निर्देश स्थापक्षित वर्षा अर्थित देश देश हैं के निर्देश के में निर्देश के में निर्देश के में निर्देश के में くままままくろうないにないから、ないないというないというます。 そうないかいはままり、 あころんのいっているとう まってきない まってまずり まっちんのだけんないのかいかい वयम्यासम्बद्धाः द्वराष्ट्रवद्वद्वर्वार्यस्य । वर्षस्य द्वर्षाः वर्षस्य । रक्षेत्रा श्वालान्त्र सं अक्षेत्र मुक्तार्वर्ष स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त १८०० व्याप्ति । व्याप्ति विष्या विषया क्षित्वाद्धर् र्वे विकास मान्या स्थान स्थाने स्थान निम्मित्या क्रिया मार्ग हैं या सुवाद गुरा मार्भ प्रायक कर्दर या प्रायक विषय के विद्या के विद्या कर कर कर के विद्या स्वार्डर स्वार्मित क्षेत्र तर्वा देवलक्षेत्र कार्यर स्वार्ष तर्वा क्षेत्र स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ बरक्षाः सद्याः मुक्काः वर्षे न मुक्काः सद्याः महिवाः वर्षे वर्षे महिवा महिवा स्वरं न महिवा स्वरं न महिवा स्वरं या के दे दे हैं में के कर या या या विकार में के कर या के या विकार में कि के प्राप्त कर या के प्राप्त कर या के या कि का क

सर्वास्त्राहरम्यवादक्रास्ता क्रिक्रम्यवादेशस्त्राष्ट्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् ्रार्थियो के अने के क्लानवअहार हेत्ररनी क्रिक्ट द्वाराया कहिनाअहर विकाश हिन त्या कर किराय हिन ुंश्वार्ये ए एश्राव देर क्रेर क्रेर क्रेर क्रिंड अक्ष्य सेंट श्रु अवित क्षित अपना अर्थ से क्रिक्स के लुना ब्रिचिन हुर एक्टर उपात्रा सर भू वर्द्ध पार्टर में बारा तथा केंत्र अपार्टर भर ए. ब्रेज्य पार्टि के पहें दरावता वाता स्वाक्ष में ह्या तता वार्य ता ही - दें विराधिर हिया है। वार्वा वायह वात्र के क्षा वार्य के क्षा वा क्.इ.का.च्यां प्राथित्यीयावा क्षेत्रप्रक्षियाता हिंदी । या वार्य स्वास्त्र यात्राक्षियाता अस्य निया श्वाया स्थाय इर्ल्यलक्ष्रियः महारादाहा । र स्थानियक्षेत्रालक्ष्यः पर्तप्राप्तरता सम्बन्धायार्थ्यः राष्ट्रियाक्टर कार्ट्रायाक्टरर में दर्भ नार्टरवनावाष्ट्रर हैं रावनवायाक्चे राक्ट्रियाक्टर केर हें देश कार्यका केरहा. खुरा किलाइता खर देश र खराया माना हिराला है र के ते में हैं मे हैं में क्ष्रां अहि मेरे ही को श्री शत्रां शता ता ता रेरेरी ला ता ता पर इर वा मा दे र ला मंत्र के पा यह रे वा स्थित्री भाषावें के तार्ति में को हमा महरी दराया के से में में में एक स्वर्ध वर्ण में र मार्थाय विकास के मार्थाय के मार्थ सम्मलन् में स्नित्रहेशहरा हरा हरा हरा हरा हरा हरा है । इरा केर्न रा केर हे कुरला । क्राक्राक्र मान्या कर्षिक हार हे कार्य के वार्य प्टर.दे.तेरेय - वायरक्षेत्रेयातात्यपत्यातक्षाः स्तरात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्या \_विष्ठिम्साधायह। हिराचे १७६८म्सामा भारते । १२०५८म्सामा हिराही हिराधाया । न्दुलाद्याओर (हराद्वारा रें। तह्याद्वीर कुलाद्वी मुलहें अधिका के प्रतिकार करा राष्ट्र प्र ्रात । द्रेश्याक्षेत्रद्धार्याक्ष्या अवेताअवेताक्ष्र्रक्ष्यं वेताव्यक्ष्यक्षाक्षा मेला भ्याप्ता हरे र ह्या या मेला तर त्याया व्याप्ता व्याप्ता विकाय द्भवा रेश्रुवे.त्यां त्यार्टी रेशर्या । जनुष्ठास्त्रयात्राष्ट्रम्य रेशर्यात्यादेवात्रीर्तरासहरत ग्रेन्ट्राव्हर्ट्ट्राक्षराक्ष्यमी वेल्यार्व्ह्यार्थ्याद्वात श्रुव्यार्थे क्ष्रियाः याच्चानी में केवला रि.ए.ए.ए.११.सर.कार.८.) याती.पर्वेय.क्व.राष्ट्रस्ताला सरम्र १ १९ वर्षेयास्य यवित्रार्थितः देविता वित्रार्थिता वित्रार्थित वित्रार्थित वित्रार्थित वित्रार्थित वित्रार्थित अव:इ.स्या क्रिक्टा हिराराय वात्रा हैं है राजी कराय है हैं राजी कराय है हैं राजी के वार्य कर कर हैं हैं।

176 य्वत्र्वराष्ट्रयम् विष्यार्यं अने र्र्याया विष्याय्या विष्यायाया । विष्यायाया । विष्यायाया । विष्यायाया । विष्यायाया । 1/23 नेता द्रम्या स्वराधातुः चर चेर त्रा वाष्ट्रं स्वावेशयि स्वराधाते स्वराधात्रे सेवाय स्वराधात्रे स्वराधात्रे स्व 2 2 वर्षे (त.८म.अ.८मं ८८ वर्ष) केंद्रक्षेत्रद्र, व्याद्रम् (क्षां क्षां क्षां अष्ट्रवे क्षां विद्यां क्षां क्षा शुर्मे इत्यायक्वायारदात्। भुर्तेत्या मदारबीवायारदाति। द्रित्रित्यायारात्रावास्त्री द्रित्यूर् विभाक्तियार्। हिर्मस्त्रियाम्भेत्रप्तरा म्हायाव्यास्त्रयात्याच्ये क्रियाचात्रात्याच्या णवर्श्वाक्र्ययात् वस्त्रवस्त्राच्या क्रियंद्वी र्याच्यास्त्रात्म्या तह्वात्वी व्यव्यक्तिस्त्यात् विकार्ण क्याली हैं ते वारण खवल मायर माने बाह्य हो हिर्देश मान्य केंद्र क्या रेब्र का माने वाली माने माने केंद्र केंद्र स्या स्थायती अवस्य त्या स्थाय । तर्वा स्थाय द्वारक्ष स्थाय के मान स्थाय के स्था के स्थाय के स्था के स्थाय के स् म्बर्धितात्रकात्रे वित्राम्बर्धात्रकात्रे में केलाकात्रे में केलाकात्रिकात्रे विवास कार्यात्रे विवास कार्यात्र 3-र्ा=अन् ८६.सिएमत्मित्राहर.ज्यूना क्रम्य ज्यून्य ज्यून्य । व्याय्य व्याय्या व्याप्ति मार्थित देश हरा बचन्निता विद्रार वेदा यात्र हैं स्था विद्रार वेदान विद्रार वेदान स्री,रदाअम्ब्रु,नर्गर्गाय्,मुत्र,नर्गर्भव्यः म्येगसर्भर्गर्भर्भर म्यूर्यस्थितः व्याप्तित्र स्थितः र्गाडम् नेटा हर्या पर्वणचर वेल चर्षट्या स्थाती 一大型によるないできないできないできないできない。 (ないてはないがられる) देवलारावालम् इत्या ना तरे गारं सम्बन्धाता द्वापुराष्ट्रेयते हुत्य हर् मेर्रा द्रारार्द्ध मेथाता निर्मातिष्ये यति मुवार्थिता अद्भिर्मा प्रमानिक प श्वार्त्र में हरवरवर त्या स्वास्त्र हित्रियारीयारीयारेता सह राष्ट्र मार्थियारे विद्याराष्ट्र परिदर्स राधेवा मरकरकार्यवयावे राष्ट्रिय राधिक मेर्या मुकाम्बर्य राष्ट्रियम् र्स्भारेशास्यास्यातरी दाताक्वरश्चार्यादस्यादस्य अरात्माक्ष्यात्वादमान्त्री कर्म्य क्रिक्राभणात्रीयाचेता अवालक्ष्यति क्रिक्रात्रीति वित्रात्रीति वित्रात्रीति वित्रात्रीति वित्रात्रीति वित्रात्रीति यहि स्वाप्तरा हरे। हिंदेनम्यारहे दर्दालहर्ते या वस्त्रम्यास्त्रे विविधिता אַבַּים אָם בּרִיתִים בּרִיתִים בּרִיתִים בּרַבְּיבִינִיכִים בּרַבְּיבִינִים בּרַבְּיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְּיבִים בּרַבְּיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִּים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִּים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְּיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִּים בּרַבְיבִּים בּרַבְיבִים בּרַבְיבִּים בּרַבְיבִּים בּרַבְיבִּים בּרַבְּיבִים בּרַבְּיבִים בּרַבְיבִּים בּרַבְּיבִים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּיבִים בּרַבְּים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּיבִּים בּרַבְּיבִים בּרַבְיבָּים בּרַבְּיבְּיבְים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּיבְים בּרַבְּיבְּים בּרִים בּרַבְּיבְיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבְּים בּרַבְּיבּים בּרַבְּיבּים בּרַבְּיבּים בּרַבְיבָּים בּרַבְּיבּים בּרַבְּיבּים בּרַבּים בּרַבְיבָּים בּרַבְּיבּים בּרַבְּיבּים בּרַבְּיבּים בּרַבּים בּרַבְּיבּים בּרַבּים בּרַים בּרַבּים בּרַבּים בּרַבּים בּרַבּים בּרַבּים בּרַבּים בּיבּים בּרַבּים בּרִיבּים בּרִים בּרִבּים בּרִיבּים בּרִים בּרִּבּים בּרִבּים בּרִים ברּיבים בּרִבּים בּרִיבּים בּרַבּים ברּבּים ברּביים בּרַבּים ברּבּים ברּבים ברּביים ברביים ברביים ברבים ברב लादवं हैंवके रक्षेक्रेर देते रक्षेत्र ये कालवता कार्यर कार्यर कार्य के सम्बद्धारा का मुस्सेम्बर तकलामाम्यामहिद्यो । मनवयामं द्रामायायायाया प्राकृत्यावयायायाया यात्रभारात्यायायाया कुवाय्वायवाता क्वीत्वायायात् केत्रायात् हिन्यायात्रायात् हिन्यत्यावयात् विविद्धत्यावया लाक्त्रं देवां आत्रदे । ब्रिडिशकी, क्या वर्षत वर्षते देवा देवी से रे. वर्ष कि ए बि प्रविश्वास्त्र ।

यथुःवित्रायाः पर्ते। यात्वर्वात्र्रार्थे अञ्चताः वार्षेत्राताः पा द्रमण्यवाराः द्रशाः वर्तेत्। द्रशाः वर्तेत् यथेएवर वर्षेर। दवकाश्रेयत्रत्यर राजापरः कार्यम् हिरम् केलार् दे। यथितव्येयां क्रियंत्रि - किटलाता कुक्टराल्ट्रतार्थालायक्षेत्र। पत्तराकुट्यावपुः लटकुः ता विक्ताविरायायक्ष्याक्षातार् कं मानवार्धर्भार्वात्वार्भार रसर्भागार्भुत्रात्व्रात्वेरा सेरास्ट्रात्कर्क्वयाधीतहेन्वयाधारा अथान् वार्थित्या श्रीदास्यारा स्तरः वीरोस्दिरा त्वरास्ये स्वरः वारक्रमातास्य वहित रास्य तिक्षित्रके व ने का स्वार्थित व विकासिका स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थ व्यव्यास्त्र त्रेवरायाञ्चेत्र। अहारायाष्ट्रका नेव तो द्रवया द्रात्य रसत्य द्रात्य व्यव्याप्त्रवया क्रोनेद्रभनेद्रयम्यानवा द्वलक्ष्यद्रवद्यावर्ग ।वह्यन्तिद्वन्यान्द्र स्वाय वरकारमार्याक्ष्य संदातः वर् स्याय महित्य वर्ष स्वाय स्वय स्वाय स्व मिन्न विश्वास्त्रम् एक प्राप्त के प्रति विश्वास्त्रम् विश्वास्त्रम् के प्रति विश्वास्त्रम् के प्रति विश्वास्त्रम् यहें यह न विद्या अस्ति हैं यह है। हैं से देवी देवी यह देव हैं यह के विद्या में यह हैं यह का का वह री युर्यूर इलायम्यू वलारखरा वर्षेत्रा वर्षेत्रात्वयातार केला वर्षेत्रात्र केला विकार केला वर्षेत्रात हैं कार्य वर्षेत्र यात्रा द्वरत्या त्याकाकात्री मार्या यात्र प्रमायात्र विषयात्र विषयात्र । द्वास्य विषयात्र विषया अर्कुटल। र्इ. १ हिरामारदेवलादेवाधीत। कत्रअष्ठेरमान्यम्तमास्त्र। रे. देराव्यकारावादेवलाम्बू कुर्ण। वरम् सन्दर्भ विस्ति हेर्रदालकारा वारत्वरा र्याता कुर्णा राम्नेत्रवा यह सी। इ.र्र. ७ वालाव पर्वतार्यात कीला व.र.व लार. व एहे. द्वा इ.र्र ७ वालाव पर्वता र्यास कीला र्भर्यंन्याभूक्षेत्रातामा विक्यार्थिकातात्र्यात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्मात्रात्मात्मा एकर.वैड.वया सेर.बशुवा.बिट्युयाविद्वात्तेत्रव्यूवत्त्रहेत्व्येत्ता वसवा याम्ब्रावराष्ट्रराधायरायर। म्रदेशरक्षायावर्मक विक्राविक्षायरात्र्यक विक्राविक्षायरात्र्यात्र "अवलदेन। द्यतः तम्बेनायतः । देनेदः त्यायवाः या हर हा केदाया विकास मार्यादः वस्त्रायते के रत्ये वा। मृत्युर्यात्रमान राजा वर्षे सूर्यायुवायावेवाद्याययात्रस्याय्यात्रस्यायात्रस्यायात्रम् できたいとうないないないないというないとなっているというないないとうないできているというできる。 あるとなったいないのではないでは、大は、これにはないのできることになるというないない。 द्रभर् म् नहर नः व्यक्त नेरविद नार्दर सेर्यायाः । त्यंत्रे स्ट्रिंडिंगः तार हरः। वर्णायाः भर न्रेटरन्यः बा क्रिकेटर दें अर्थन्वध्याः हर में यह स्मास्यर्था।

अववा

द्वराह्म द्वर्रा द्वर्गर ग्वायर्था अध्यरवाम् विरिद्यर्था गहेर् केम्प्रविशामी व्यरासुनाता । त्यतादव करिका की त्येव त्याताता देश अदान दे की में मुगदा विकास विकास विवेद सुवाया यो लिस्त्राचे नेरान्नेरान्नेरादे। रेपानिराया नेरार्वाया भेता मात्रभावार वर्षे त्रान्नाया भेता वकार ब्राया ता ब्रार्काया केरावया विरावया यह विवाय केरा वम स्वर त्या या विरावया विरावया विरावया विरावया विरावया त्रवायं वर्द्रकी र्यत हिट रे। वायम्यते वर्ट्या इम्द्रवाया के र स वे अते द्रम्भवयाय। दत्रः यास्याची स्वास्यादे। वहिवादरामाद्याद्यात्राहराता हवा । दावता हिवादावादा वास्यापर् मान्त्रा १७६१ महामहात्रात्रा १००० १०० महामान्या १०० महामान्या १००० में महामान्या १००० में महामान्या १००० में म य लग्न (लग्न) या यहिवाल्य को दी सी से से संबंधिय कि सुराके देश के देश का देश वा व सद्यास्य प्रतित्यायाता मह्यारे स्व के मेर्ना रे महेंग व के भेर वर मेरी महेंग हैं। दें। तथ्य प्रवर क्रिय मेरा कल्यार्र्याया वे सर्प्याप्या परिवास परिवास विकास र्वायाभेर। अर्घारा गुर की चिवार्वायाया कुत्यायते विवयत्तर्वे प्यारक्ष मेरा वर्षा व्याप्ता मुक्त खनाता ह्वियिते कार्याताक वर्षेत्रेत्र अर्था कार्याक कित्राता के स्वित्तर वा वक्तिक नेर्। छे नेर देवा त्या (का क्षेत्रके त्यमाले हान स्थापके विकार हा देवा हैर्। र तररेया सर्भे केर यका इस राम्या स्वास्य या मुंद्र वार प्यर रेते साध्य साही तर्भ मुंद्र हेरहेया प्र ह्र्रत्र अध्यवश्वर्य द्वार्रे ह्रियर्र त्व्याय क्रिया ह्रिया क्रिया क्रिया ह्रिया ह्रिया ह्रिया क्रिया क्रय क्रिया क्रय क्रिया क ् सुरार्यक्षास्त्रम् स्वार्यस्य वित्रवास्त्रम् देनिरावित्रम् स्वार्थात्र्यम् स्वार्थात्र्यम् वित्रवास्त्रम् वित्रवास्त्रम् रेल्ल्यक् वर्रकेशरमार्यते नत्यवाकिता त्व्वाक्षान्यतिष्यरायवाक्षां सराष्ट्रभम्मर्यतिष्य म्राम्यान विवासिरायम् । एक्षायम्याने । एक्षायम्याने विवासिक्षा रहिरावः विवासिक्षा गुर-द्वायाययम्भ्य । ययाम्द्रायाहराम्ध्रेतर मन्त्र । इत्रापराद्वाप्यायम् क्षेत्रायाः स्त्रीत्वात्राः स्त्रीत्वात्राः स्त्रीत्वात्राः स्त्रायाः स्त्रायः स्त्राय यायात्रात्यात्रक्षात्व्यात्व । नर्षमान्यायान्यक्रियं विवाह्वास्वयायाः देवार यूर् रयताम्यावंभात्य । अर्यः हर्ष्यते सुरिरे भ्रास्टर्था किं अहे युर्दे हैं। हो श्रु. श्रा.स.स.स.स.स.स.स.स.न् हो स्रार्थ त्यां स्रा.स.स.न् वायवर्षाया क्तान्त्रिया व्यवस्था क्षेत्रयास्यास्यास्यास्यास्यास्याः स्वर्णः वर्षास्यायस्यास्य

यार्णायारद्वका अञ्चाक्ष मञ्जामारकारद्वा श्रीमाद्वा द्वारद्वा श्री स्वार्थन प्रवित्र द्वारका

क्षां मार्या प्रत्यात्रमा क्षां क्षां

र्यरविवर्न्यम्यविवर्ष्यम् अस्तिम् रम्र्यम्यविवर्धयम्यम् । अस्ये अस्रियम्यर्थः

सुरम्भवायिनेतुः सेव हरायेव। रमभवायिन दुःशीसेयक्ता स्टर्रवायायस्य पद्माधिव। री. जार केर के जार र्याय के. जारे के बार र्याय के अपने के प्रकेर के जार र्याय के जारी यी मान्य के त्या का त्या के त्या श्री.का.प. इंड. यारीआश्रास्तार मेंद्र नधु रयाताश्राधिय मायर्थ । श्री.स. पा.पार्य यारीशासी दशार्थे। श्रीतर्रेद्धवार्णेश्राप्रवीयःपर्वेच । चून्चरिन्धाः मेदल्दन्नास्य्याः वा हार्षेत्तप्षः स्तिवदन्ना वर्षात्यरेग् । क्रमायमभाष्यिक्तामायाया व्याक्तात्रा वर्षा म्ए,घर,चम्पनाम्री स्ररास्त्राम्बारी स्रम्भनासी स्रम्भनासी भ्राप्तेन मान्यसी भ्रम्भिना भ्रम् लग्नान्त्र र्यत्यहे त्यापत्व अत्यापत्व व्यापा रम्भूका का सम्पादि । के सम्भा स्तर्या स्वरंति स्तर्या स्वरंति स्वरंति । स्वरंत्या स्वरंति । स्वरंत्या स्वरंति । स्व देशकार्त्यम् । न्यं देश मान्यं 野いかからなるということにいいかいしょうしょうしょうないできるいできないできると सेट्रामाय त्यारा वार्या वार्य と、上のは、これがあるとか、これをはなってかるからら、これ、これは、これなっているから、 म्बर्गायक्ष्यं द्वार्थायम् । वर्षार्थायम् । वर्षार्थायम्यम् । वर्षार्थायम् । वर्षार्यम् । वर्षार्यम् । वर्षार्थायम् । वर्षार्य न्या कार्य कर्तियाहण्यं नश्चित्रां संहतः हित्यद्रश्चेत्रप्रद्रम् वार्षः वर्षाः अ, अर. तेयाता अवर द्राप्त हे. प्रत्मेरअष्य वायाता सेवार्ट्वरवरावराक्ष्यां हुत्रे पार्चे वास्तानिवयानदायान्याः राष्ट्रयायत् क्रिक्सिक्षेत्रक्ष्याक्षेत्रक्ष्याक्षेत्रक्ष्याक्षेत्रक्ष्या हिंग, सेर्जार, त्रायदार देश हुर का किस्ट्रिंग किया हो प्रायह वा विकार हो है. ्यानेया महिमुरार्टरेस नेर्रेणय मराचमहराय हैया वहरा वहरा त्यावमकर मेर्धर हैर्यु वहरी अल वर्षियास्तरतित्वात्तार्थात्यात्तर्थात्याः स्वित्रा केस्वाद्यस्वात्त्रात्वास्वात्वास्वात्वास्वात्वास्वा

4REN1 measure अद्धाया से द

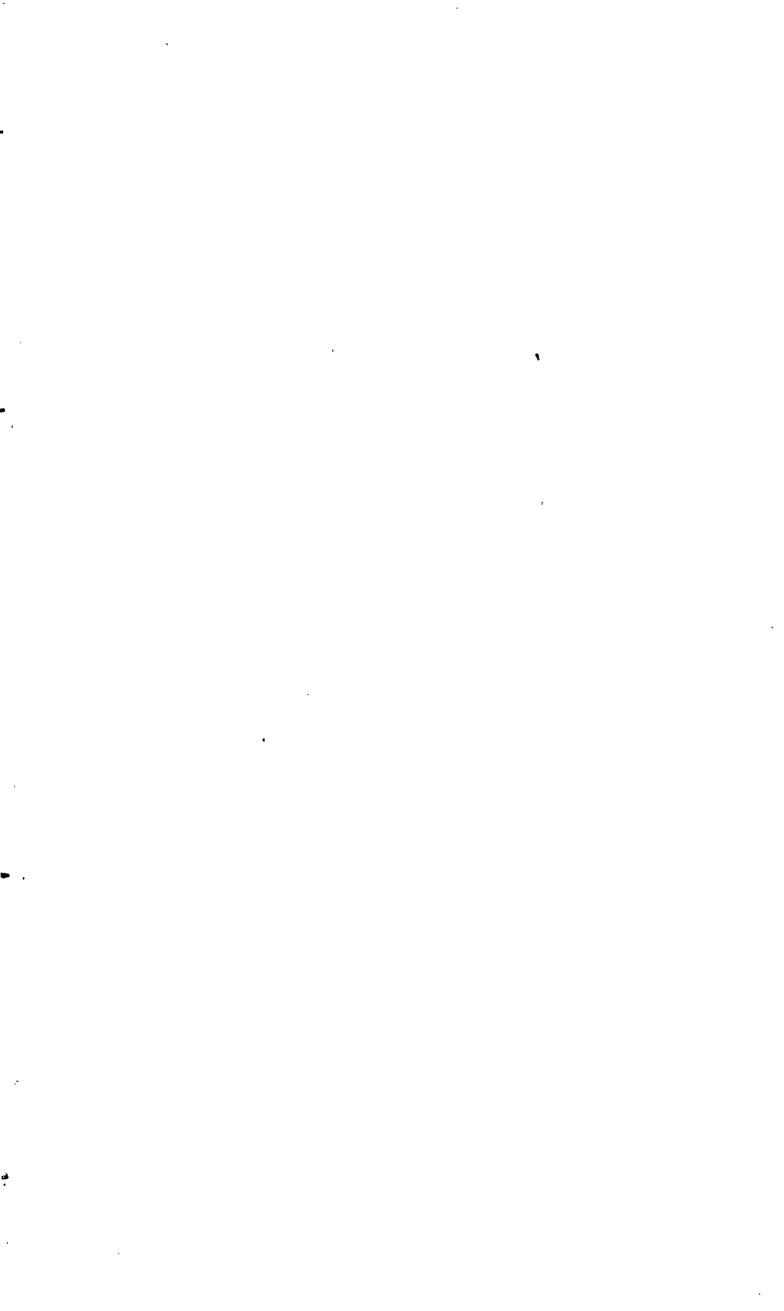
तंत्रवः थ।

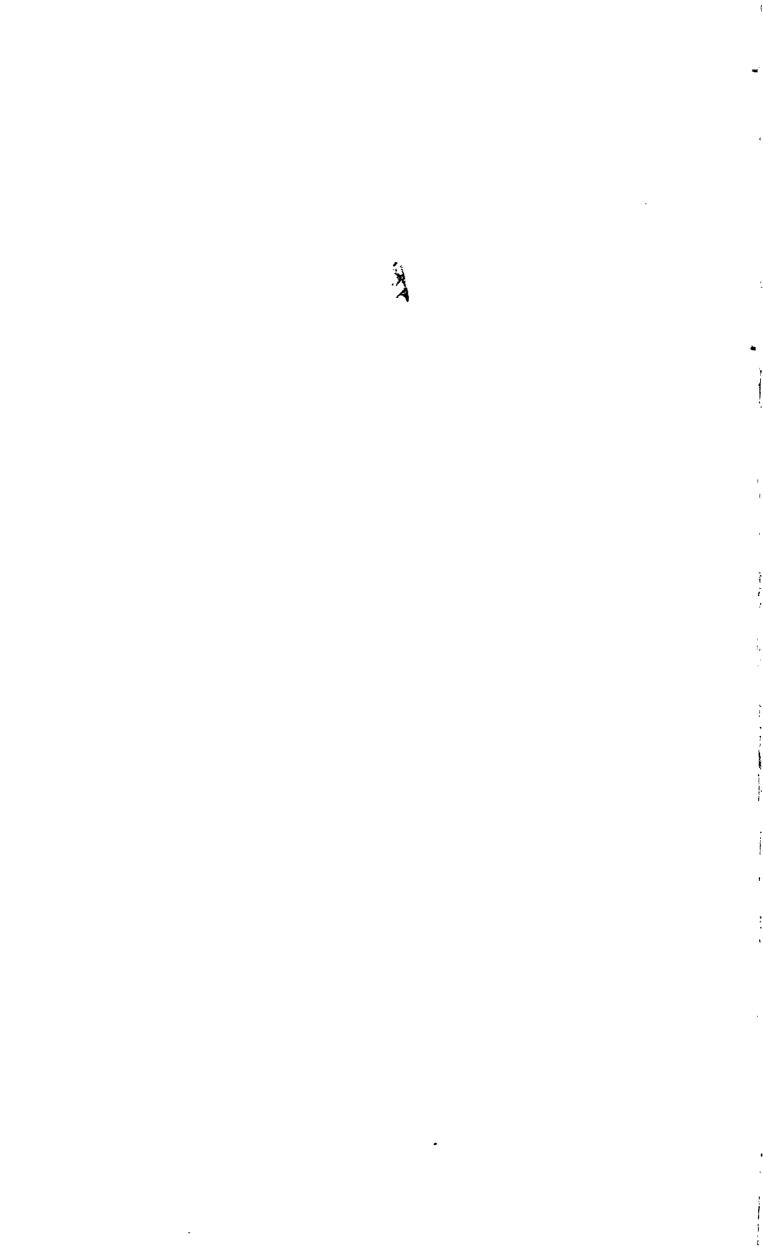
इर्र्यंत्रं यं मुख्यायाय रम्पात्रतार्यरः व्याप्यम्प्यास्य रम्पर्ययायरः। हर्र्याः स्रित्रां स्रित्रां म्यान्त्रेरर्वन्थर्। स्वरादर्विति विद्यानिता । क्रियम्याद्याः विद्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा यादकार्तित्वे मात्रा मार्गि मा त्राम्या मन्त्रम् न्यात्राम्यात्र वात्रभाष्ट्रम्यात्रम् वात्रभाष्ट्रम्यात्रम्यात्रम् क्षे रामेर अवशक्तायारप्र रयुरक्तराय विभास्य विभावर्षेत्र विदेश विदेश विदेश कर देवारा मेर द्वार विदेश त्तर्वर्वर्वे में कुंद्रवर्भार्यः में कुंद्रवर्भार्यः विद्युवा विद्युवा त्याक्षः ख्रेता त्याका र्यक्षिट्टरम्य (मात्राहर्ष) र १००० तरामेरे अर्बद्रश्यायर। माध्यक्षेत्रयम् याम् म्बर्गे अद्रशायह्मत्याः वर्त्राच्याः पद्रिन्ने वर्त्ताः वर्त्ताः स्त्रात् स्त्राताः सर्भे वरभक्षात्रायरमम्भी गाल्युकारम् अन्यभवरासक्षात्रमा विक द्यर्र्यत्यात्रिरंकार्यर्यं याद्र्या वाद्र्यात्रकार्यात्र्यर्य्यत्रेत्रेर्यत्रेत्र्यत्यात्रेत्र्यत्यात्रे

न्यानिक्तालक्ष्यान्त्राच्या भिवास्त्रात्मक्ष्याच्यात्राच्या भाग्नेम् नेम्येन। यामनासेय। र्रत्रस्थना अर्पत्राह्या पर्ये यात्रेया निवस्त्र ना स्थाने वा स्थाने वा स्थाने वा स्थाने वा स्थाने व भर्षः बाहुबा श्री तय्यद्रशः ह्रांबा के बारायद्या। वयायावते स्मात्माराव द्राहे हरता द्राहे व वातुः यर सर्दर्यर। वाल्यंद्रवार्यादान्त्रे वाल्यंद्रवार्याद्रा वाल्यंद्रायां वाल्यंद्रायां वाल्यंद्रायां वाल्यंद्रायां वर्षेष्ठाव्यास्त्रेया अदेशेहर रे शेकात्राविदा अद्गाकृद्धिर विरायाता अत्रावित Bというとはないないないないできていませんというまではないないとははいいないない。 -देशचेरविध्वरक्षरेकात्वा विषय मानिकार के मानिकार के देव कुरचेरविकार र्यवरेश सेर्देशित्सा अववा अवा अवा स्मान्य म्यान म्यान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स् अर्बिद्रश्रित्रेद्रा वरत्र्व्यात्रास्य वंद्रद्रप्त के नियं स्वीत्रक्ष व कर्ता वाद्राद्र व विद्राद्य व विद्राद् विर सिर सेवा सेमक्या सरवानुला रेटा प्रदे पर्या देरा सरायमा हिर का परवातरे ता का त्रेयात्रम्थात्राद्वात्रात् वर्तेत्वात्रात् वर्त्यात् । वर्त्यात् । वर्षेत्रात्रम्थात्रम्थात्रम्थात् वर्ष्ट्रक्ष्यमः वर्ष्यावराक्ष्रेयवराज्यावराज्यावर अक्ट्रिक्ष्य्रक्षेत्रविधर्यवाभविः क्रमण वर्षमायते द्रात्य महर्ष्ण्या रहेर् रमकेनरथतम् द्वाक्तलके वरववात्यरात्यत्वरहेत्यहेंदा सातहेत्यर्वस्य बहुक्वर मी अरावक्षांतर दरदाद्शनवेशना नक्त अध्याश्चिद्यो राक्ष्या स्वाक्ष्य दर्देह्दवरावहर त्या व्यक्ताक्षरारे बोकेन स्वर्था के राष्ट्र स्वर्था न में बीरराम्य के स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या है। याववाबुदाभी नेयायमा देखादीमा भयम का मेर्नर्यं स्टानर्यमा निर्मार्यमा कर्मार्यस्य । अम्बद्धराववस्त्रम्थार्थः नेभुवा । अयं वेवयान्यायम् अवस्थितात् भूति । भूति । अपने । अपने रस्टिकेर क्रीर यदिन्सर (ए वर्ष) रयत्कर व रं नर्हे र रचन वर्ष केरिकेरिके ताला वर मेरा रमवान्यमध्याषुवाष्ट्रश्या रायद्वसप्तर्शवराय स्वतंत्रः वर्ष्यवेद रायद्वस्य र तस्या सत्यामा विकास केर्या केरकेयाओ निराष्ट्र राष्ट्र में देवकार केर यति वीरवर्रावधन्य दरारिति वार्याया करा देश विश्विर्वणार्थिते त्म। अवस्थान्यद्यासः पति । र तार्तः । न नपुष्ट्रभ्रं में गः श्रु द्वीतः नरापद्वसरः याधीत। श्रीराश्चामानाराधार्मातार दाउटारेशायाधीर कराया त्रामानामाना प्राप्ता अर्द्याता र्यत्वम्ताः स्रिक्नितार्यद्वातार्यदार्यद्वताः वावतः वर्षे द्वातार्तः यात्राचे र्। हिरानीपान्नविपारं एव्चार्यात्रात्रा १ वरामानामा वर्णमा हिंवापिरार्

とうないなられているというないとうないましましたというないできているからいない विस्था । विस्थान स्थाप्त विस्थान विद्या विद् साम्यक्षाम् विकासम् द्रारं द्र्यात्रम् तार् विकार् तार् विकारम् विकारम् र्वातरीयान्त्रवाति । वर्षण द्रित्र हार्ष्य हेर्जा मेर्ग मेर्ग मेर्ग हर्जित । विध्वास्थायंस्थ्येभवर्गर्। केनेरेडरस्रेरगरायंद्या श्रेरहे । गरं रे मार्थराया के प्रतिकार मार्थित के 2 202 न्त्र न्यायाया हिन्द्र स्याचेत्राता हिन्द्र वाप्याया । स्र लेश्वरामावितित्रत्रिः मा अद्रत्मेव स्वतंत्रते व्यद्रत्ये स्वतंत्र्ये व विष्ठु व सुवाया से यति ध्यदा स्यो रे.र्रेट्रे. पर्रारा कर्षा क्रिया है क्रम्या है क्रम्या है अर्था व्यवस्था यह स्था वार र भेश्यते हवासाया वर्षेया । इता द्वाकोर्यते क्याया वर्षेया । हिर्द्र ने स्वरेष्ट्र हुरा दक्षिलक्ष्यवर देश वालक । इंदर्दरक्षिलअवंबर्द्धव । दबस्ववर्द्धवर्त्व महिमात है। नेमध्यकतियोगियरक्ष्यः । मिन्नेमध्यभगस्यमित्राहिमार्गेनार्यन्। यातिस्याप्ताः । १९६१ व्याप्ता प्रमान्य विषयम् । अर्थाके सर्वस्यापाः प्रमुल, हुर्जा इंदरवार, संस्वार, संस्था । इन्यान में द्रान प्राप्त के वार वास रात्मियी वर्षी रिक्तियार्थिया । मामियार्थिया । मामियार्थिया । मामियार्थिया प्तर् हैटा रेराष्ट्रव्यावयाना महिष्णायान निर्मा तुब खेंग राष्ट्राया स्वयं गारीर वे से ए दा वर में रे रे ही रे これではよい、メンドでありまかの、よくことは、おしていますとの、これ、 あんか、まってかなし क्यहिटाहिटा तुन्वराष्ट्रदानिस्य द्वरात्रहेरात् स्वा (विका यदि तर्षे का दिया पर्या पर्या देश हैं र स्वार देश स्वार वह ता व्याप क्षित्रस्रिक्तार्द्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यदाक्षेत्रक्षेत्र विवस्तान्त्रम् विवस्तान्याः में सरस्व यास्यवास्य एर हैयाय में र पया राय सरसे से सरहा । दुसरे देसद の形が近かってはいまれているとうできていましているとはいってというとはいると लेवारान्यविवाला देवित्यकाद । करार्व यात्रकी धर्मात्रक विवाधिर परेन्वविवा अभ्यात्मा विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् । विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म् विक्राम्यात्म्यात्म् विक्राम्यात् Jellowith ए से वा यह र में रिवर र विकास में रिवर की नामना यह से तावका र र में देश की अधिकार म्बर्भिक्ष के स्वास्त्र के स्वा म्माम् वतः श्रीरवित्रे स्रुर्यते त्रित्वता वतः म्यूर्यते वा मुत्यता सर ガ・ネ とうして、はいいない、ないないとのできるというからいろうないないない

えて、これると、そのと、これであると、ないというというないと、そのは、これでは、これではないとく





स्रित्रीरत्युक्तः 🎹



्रातरे क्रास्टर्ग्स् इ. प्राप्त क्रास्ट्रिय क्रास्ट्र क्रास्ट्रिय क्रास्ट्र क्रास्ट्र

श्ची पर केर संदर्भ रू छाँचाहियुन्ति। है। ह्रायहत्यस्य जातावस्य विरम्द्रस्य । राष्ट्रियाम् । हु हुट्च वर ब्रेट्सूट ब्रायेव वर ब्रेट्सूट ब्राये वर ब्रेट्सूट ब्रायेव के अराध्या रिक्सूट. नाइद्राम्यात्राच्येत् ह्यात्रेत्राच्यात्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रे म्बल्यदर द्रार्ट्वेर्तिक्त वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे ल दिस्करका सम्बद्धा विष्ठा विष म्यासहरा स्वास्त्र स्वास्त्र विद्यात स्वास्त्र स्वास्त् म्यामहरा स्वातहत्त्वर। व्यार्थत्त्वरा व्यार्थत्त्वरात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर ए दर्श बीच क्षेत्र इस्त्री । विद्र ति व क्षेत्र क्षेत्र व क्षेत्र क्ष रंके केटल त्वव विधेव वर धेवकीने हें दर्भ शुरुकेर के त्वा केटल केटल हैं विश्वा । निर्देशका निर्देशका के करके रमके के निर्देशका के निर्व के निर्व के निर्व के निर्देशका क वर वाय्याची ब्रांश एक्सा । हिं व्यारे हिंदा थ्या राकरें। केंद्र कार वार वार वार्य हिंदर व्यारी विक्रमा रियटम्वरवेणलेकार्यकार्याच्या रियट्ट्रव्याच सम्बद्धा देशस्त्र वृतिक्र स्थाव भिवक्त यते हुन भववत् । विषयेवकुषावस्ति ए देशवः विराह्ण स्ट्रास्ति । विषये रिट्रमेर्द्री। विवास नामा स्टाइम्बरायमा रिट्रमेर के रेट्रबराय के के महर्म है। क्षेत्रयं न्यायट के खेवलायाता देशिवायर विनामु खेवला खेवट के बरकी मुन्दर सहरका वि अ. अअस्त्रस्य क्षात्रात्र्यं वाल्याद्यात्र्यं विद्युष्यात्र्यं क्षेत्रः स्वतः वतः वित्यं स्वत्यस्य द्रात्यः लुंश्चित्रारं पर्यो। श्विर्यादर्श्चियाया श्विः के त्याया वाद्यया सद विव महिना (हिना ) अरेर) र रूपा मुन में पर्धि र रूपा हर्योद से खर रहा र्भाश्चमान्नियम् केत्रां केत्रां भवात्रां भवात्रां भवात्रां भवात्रां केत्रां देते विद्यात्रां भवात्रां भवात्रा धमायदाने वासक्दिर र्यस्य वार्षेना नीयक्षित्रयात्वा सार्दित वाक्ष स्वयं के वार्षेत्र स्वयं के वार्षेत्र स्वयं क व्यक्षव्यास्त्राचीत्रेरदेशस्त्रीर्द्धसाय। इत्योदिग्युर्वस्थित्रेर्वेरदेशे महिम्स्य हर

184 रमियाररर्र्डि सुन्यमानुमाय्यमास्स्रेत्रित्तर्यस्य स्थान्त्रास्य हेत्रस्य देशास्त्रास्य हेस्र विसर्देद्रवरक्षणः मुक्तःश्रीणः तत्रकृत्वस्यदेवद्वे गर्वे मक्ष्यः सूर्यः देलरः। समर्दे स्रेत्रवे स्राहरः सूर चरेक्ष्यहेरा हैमस्त्रम् अस्यायेम् मार्गमान्यायेम् मार्गमान्याये स्वयास्त्रम् इर्तिकर्त्त्रेय्तर्दरकरावि,रत्त्रालह्यविमानायर्ष्ट्राच्याविता नमर्ष्ट्रिक्यावयाविर्वेश यान्याति वार्यस्य सम्प्राचित्र कृतामा क्षेत्रास्त्र स्याप्ता देहेन के स्याप्ता स्राप्ता स्याप्ता स्राप्ता स्रा येत्रा नेजम्द्रेलरक्रियक्र्रम्भक्रियक्ष्रियक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षया च्रुर्वर्ष्यंत्रा एक्र्यंस्यामान्यर्षेयासम्बद्धर्यस्याक्ष्यास्याक्ष्यास्या 41.92 ) इभन्द्रवस्याया वर्षात्वराहेराहेरास्यराहेर्द्रक्षाया वर्षात्वराहेराहेयाया 2035:24) चते हेर्व स्तु क्र्या मधामकरक्तर कार्य क्रियायया के जार्य क्रेस्ट्रिया जारा स्वार विश्व समारे विग ग्रेयान्यायात्वस्यायात्वाचा वेरन्यस्यायाचेत्रस्यक्तायात्वायाः मनगर्रमेह स्ट्वेन्र विद्या देवेत्वास्त्रीय पार् निमास्य निमास्य माने सुर मिन्न वेक्स्रिक्षेय्येयर्तिक्ष्यम्भित्तिक्ष्यम्भित्। स्वत्यक्ष्यमितिक्ष्यम्यतित्य्तिक्ष्यम् यगन्तुः मार्गरक्ता देवात्रास्तर्त्वत्यां त्यवास्तर्वात्रात्रात्रात्रात्र्वेत् स्वापन्तरे परस्ता दास्येत्र नामर्थमालमास्यर्भमास्यमास्याम्यस्यासम्स्यासम्स्यासम्भातमास्य देरावह्यस्यस्यस्य क्रियाचे विद्यायात्रीर क्रियार विद्यायात्र स्थाति क्रिया करा क्षेत्र क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया गरत्याध्यास्य स्वरक्षद्वेत्रराधेरावेषद्वास्य देत्रस्य स्वरस्य संदेशस्य स्वरस्य स्वर्थाः PENS श्चर्या रस्त्रभेत्वत्रक्षमञ्ज्यात्रे एतव्यव्यव्येता सत्त्रेत्वत्येत्र वित्रभेत्त्वत् स्त्रभेत्र भूभहणरे। सुरम्भत्ररम्भूनम्भूभत्यम्बूत्रम्भद्भन्यस्यम्भूनम्भून्यस्यम्भूनम्भून क्रित्तरत्हल्युत्वर्ष्यसार्भर्द्रा वर्ष्यस्य स्पर्ना वर्षेयात्या वर्षेत्रे देशेर्द्धरस्य विविधित्य क्रेर्यनम्बर्बक्ररत्ये क्रियक्रियक्ष्यम् योता नेमनरयोध्येत्रम्भत्तेर्यरत्ये। वस्तिक्ष्ययेत सेर्र्ज्यम्भयोः अस्यम्द्रम् विम्यवर्र्ज्याये स्राप्ते स्थानेर्यः स्राप्ते स्थाने स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्याप्ते स्राप्ते स्रापते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्रा भूरके रवा यह वा भीर स्वाम स्थापित हो यह वा तर् को प्येता के र होर वे वा स्वाम स्वाम हो स्वाम हो वा तर को प्येता द्वां क्रिन्नेर करा। युर्धेन सुन हिर्छे सम्प्रेत सने वर्षे रहाते । तमर भू वरे द्वार हिंचान यंत्रमार्क्र भ्यापतमायात्रमार्यक्षप्रमान्यात्वात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्या लितर् मेरश्रक्तक्रियंत्रम् भीता इतिरमें वित्र स्त्रायम् त्रावित्र मेर्वित्रम् । X SAG केंगञ्चिरी कात्यायर हेरायर्गा बेरा देतसर वरक्र राज्या सेरा सेरावर स्वापिर नु को स्पेर बेरा देर होते ये वे वा वा वा सुरा हा द्वेत दर ता का प्रवास विदेश हार हो व केर सुरा का ल्याद्विमानतेस्यक्रस्यून्येन्यान्त्रात्तेन्यातेस्यतेस्यतेस्यते। क्ष्यहिन्देन्ते। क्ष्यहिन्देन्ते। क्ष्यहिन्देन 6501 बल्दल्युत्रेरा काललेरलकेर्द्रवणा अवसवीत्वलर्गेवसकेन्द्रवाम्या श्री. गर्गाके ब्रिटियास्त्र (यत्यासा नामाये व्यास्त्र क्षेत्र में में स्वास्त्र स्वा तर् त्वत्ये व्यासे व्यासे स्वास श्रीमहिन्यां सेर्न्यम् स्पेर्तिमानसेर्नाया। स्थापानमश्रीर्न्यास्यामानः दरलुकुर्येदा अलदेस्यदेवालेगाने। इदरेदस्यवेदेकेंद्धलाला अञ्चक्षणकीसावद्येदिर।

ノくご

्रदर्दर्दे स्रोतेमना सेरवे संग्रमसेरसुर में ते मेगना स्रम्भरसात्रात्यायायायायायाया वाहेगः चेतिन्नेत्यस्यस्यत्यस्य दहेद्द्विनायरत्य्यस्त्रेयस्यस्यस्य क्यस्वेत्राव्यस्येद्रमावयः म्रेरा मरमः शर्भिरंभवस्योरा बरसूरं यते ह्वायरहीं यहरसेरा यूपायोर पते. मु.ज.पर् हिरेम्री सुर बर कर्यं रिष्ण जैयाना वृष्ये वया वायर वायन मूर्य राज्य एवं भुतिता प्रवासमुध्यप्रमुक्तात्र्यात्र्यात्रमामा स्वापनारत्याः वृत्त्रम्यात्रम्याः स्वापनार्याः बुर्सिश्चार, एड्डीश.ए.एडिश्यात्रत्रावर्डिश्चा रहिर.धुमयत्रेरकिर.धंप्रापंत्रा र्यंत्रास् सूर्य विव कुर्यसं कुलग्रमा धुर्रर्रे एत्तरम् अर्बे अपुलिय हुम। सेर सेर देर रामग्री सि. ला क्षेत्रमत्रे हेर्गर खुल दुरेरा केर महिमान वास त्वाय समाय समा रेगर मार में रेगर केर में रेगर करें त्तित्रक्री रुक्त्वारपुष्ट्रकीत्तिवार्करी रुक्त्वारपुष्ट्रक्रियक्ति रुक्त्वारपुर् महर्त्येर्द्भरत्रहरा अञ्चनिरनी अर्द्भरक्ररायाधेर्। अर्धेरत्रकी यर्थेरत्रभा हीरने अभ वर्राप्रावरपुर्वेता केर्त्वारक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रकामान्यर्थेरपे। वर्षेत्रवस्म होरकोर्वेद्रनावस्त्रवः। क्रता वर्र हरे की खरम मेरा हीरक संबर्ध प्रत्या तमा मेरा द्यात त्या हरे के वर्ष वयसेरा नेहेगसुलह्यह्यस्त्रेदसेवरी स्वर्वतपर्वेदसरववेग्यसम्हरा स्वर्गर्ने क्तयंद्रपर्वाता। द्रामानावाद्वात्रीरमोत्रात्मात्वात्मात्वेमाद्वाद्वाताद्वाता त्यात्मात्वेदवाद्वाद्वा तर्युवार्यसायवया रेख्यवारक्रस्थेरक्षयक्षयाच्या रेख्यवारक्षेर्यप्रकृत्यक्षयाद्या उद्गेरहर्य केमार्देरते मरीमात्याती वित्तमा दक्षते स्रातासकसादेदिरा स्रमान्दरस्यमार्के तस्यक्याः व्हिनसदेरा अरक्दरक्ष्ममार्केरस्यक्षणस्मायदेरा सववस्यत्वस्यक्षेत्रक्षां महर्षे ला लेकिएकरवरिवसक्रियसम्बूर्य क्रियस्थार्दरक्तिलाल्याप्यस्थार्द्रा विस्तर्वसम् ब्रक्मित्रसक्त्राक्ष्मा वरगम्तर्भरत्त्रेत्रर्भरत्ते म्हर्त्समाक्ष्यः त्येत्रास्त्रे स्मा दरनाबेवानारोस्याम्ब्रेयस्थिता न्यवनाब्रेयस्यस्य होत्तर्याचेता सेरदर वर्ष्यानार्थेयः तमम्बत्तक्ष्मा भ्रीतम् व्याप्तास्य क्षीत्राद्वात्रम् म्याद्वात्रम् म्याद्वात्रम् स्वाप्तात्रम् स्वाप्तात्रम् स कु प्रदर्भकर। जिर्द्रके सुन्न जय मेज कुमा सर्दिन मा प्रदर्भ कर्ते मा रुमासीरास्यासास्त्रास्य स्ट्रास्त्रेत्रस्यमास्यादेवरम्यासास्यात्रेता रेकेरस्यात्रात्रस्यात्रात्रे सेट्यित्वले उद्या अस्टर्स्यम् साम्यद्याद्याद्वात्यात्रम् सेर्यायायाय्याद्वात्यायाय्यात्रम् नाम्यान्त्रियाः भेता तिरदरः सूर्यान्ता त्यार्यात्ता स्तरक्षेत्रां सूर्ये मृत्ये विषय्याता त्यायः देरलक्षेत्रभाषास्थ्रेवदेखेरा महस्रभूरसस्यासुरेपरध्येता रेस्रेतप्येपहस्येपरेपरेप्येया जाक्षेत्रात्त्रात्त्रीयार्द्रम् त्रित्वा वात्रवातात्त्रक्रम् वात्रवातात्वेवात्त्रवर्ष्या ये कार्या नामा अभूता है। द्रार्टा क्षेत्र की कार्या का कार्या के के माने प्राप्त के के माने प्राप्त कार्या के प्राप्त कार्या के प्राप्त कार्या के प्राप्त कार्या के प्राप्त कार्या कार् में आकार्यकार कार के के प्रत्याच ने के प्रत्याच में में स्वाय के प्रत्या के प दी। देदाशरासु परविकार्यस्क्रिकिय। संग्रेशासु हिस्सिर कियासी। देराशरासु एसमाने प्रमेशासी = केरा सरद्वारी स्टाइ विवास्ता - देर वरवे बाद सेंगोंच केरवा वरे ताव केंगान वर्ष muddy,

यक्ता मिर्नुयते हे क्रेम विदिश्य महेर्द्र महेर्द्र के मार्ने के क्रिया के क् इस्यात्रम्या म्यान्त्रम् वर्मायम् वर्मात्रहार्येत देनदेणकुणक्षेत्रम् मेयस्त्र केम्बेर लेरकहे खेरे चते शुरे तुरस्य स्था । अविहास है देर होता से स्थाय से गया गुरे सुर करी पह गर्भ क्षेत्रवर्त्रीर व्यवस्त्रा वर्षा क्रिक्ष क्रिया कुं,वरःतरतिवाअत्तपुर्यार्ररक्षिवस्थार्वरक्षेरक्षेर्यव्यक्षेत्राच्याः इक्षित्रक्षेत्रवस्य व्यास्याप्तत्यक्षेत्रम्यास्य वर्षेत्यस्य वर्षेत्रपतित्वत्यव्यव्यक्षेत्रस्य देरत्वर्ष्यस्य इंस्ट्रेन्स्य म्यान्य के त्यान्य त्यारे त्यान्य विकालकारे त्यान्य द्वेत्रायक्ष्य के विकास के स्वास्त्र के स्व लम्द्रा अलल्लास्याचीर्तामा मुख्यल्लाम्युम्स्याम्यान् म्रेरचते व्यानाना एक्रोबाकार्रिया। विकालपरार्थं,यास्त्रस्था सैक्ट्रेन्ट्रियालक्राविवाल्या। वीत्रुन्धाल्यस्या मर्दरा मेर्दराह्मरमस्यम् माद्ररा विमन्दरम् मामार्द्रम् मेर्दराह्मणः क्रूलग्रमा एह्पार्ध्यक्षेत्रअत्याक्ष्याः वास्त्रम् स्थात्याः विषय् वास्त्रम् स्थान्याः या की सुरम ब्रीयात्या वर्त्रकी कर्त्रते स्वा रहित्य सुवा वर्ते के वातरा वर्ते हैं है जबरे बरा चर्ट्र्यारेशिक्ष्यात्राच्यास्यस्य हेर्द्र्यात्रास्यां केर्द्र्यात्रास्यां केर् नर्दिशासी न्यात्रामा विवासिया विवासिया वर्त्या क्रिया वर्त्या क्रिया निवासिया विवासिया विवासिया या.प्रचा.सेका.क्रीर.क्रर.फ.रब्रेशा विच्राया.क्रिकाका.क्रक्रिका.क्र.प्रच्या रत्रर.क्रिर.तीका.सक्ता. क्रिंत्रा भुकर् जुः ज्यामार्वि श्रीर जा कि.कक्र व्युवर वाहर व्यक्त क्रिंत्र केर क्रियं व्यव्या क्यामा विकायतः विविद्धः साहारा द्वेत्रं केदा देवमारी के ता के के के के के के के कि का के Lindthis word an कहर्रक्रास्य संस्था तारार्क्य अद्भर्तराका वर्षेत्र का कर्येत्य कर मार्मिक वस्त तार्वे वर्षेत्र सिर Thepage ज्ञ.याज्ञताक्षराध्या क्र्यायाद्र्यायाः भराक्ष्याराणरात्र्या गाम्याक्षरस्यराम्याक्षराम्या 212. not बरेव क्रिया कर वरेव एर्वा भेरी १९ १ हेर खें रेवा विष्टु भेरी के नार्वेर हरा कर वर्षेर क्रिया के स्वी स्यामिति। वाकि तारित्र वादता ताके म्याप्ताका कार्यात्या त्यां का श्रीपाकी स्थाप क्रिय्देर्वियक्षरासेवस्य वित्राचेत्रा क्रियं के त्राचेत्रा के त्राचेत्रा के त्राचेत्रा हित्यं में त्राचेत्रा के त्राचेत्र के त्राचे इर.ज.इरमा जरेंचा अपूर्व पहेर वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र का.चि.वर.रे जू.कं.करेरे.का.वेर.सूर.बुरी दुरेरर.वधर.कपु.चिले.के.चेश्वर बीर.सुरबेका.कु... क्राच्यां हुन्नाम्यक्रमास्त्रिक्त्रमास्त्रिक्तरा वार्यसास्यात्राचराम्यास्त्रम्यास्त्रम्याः हिवार्र्णराष्ट्रिवाः ण.कुकापर्याद्वरा किरार्ट्यायाया माल्याक्रिया क्षेत्राचित्रा विद्यात्याच्या की. एक्र.चरक.परे.ठधवाल्य्र नुरी सेवाल्य्यं एत्र्यं प्रण्यं नाथ्यं विवाल्यं निवाल्यं निवाल्यं निवाल्यं निवाल्यं निवाल्यं इन्द्रवायका अववाव्रद्रवसम्मेश्रम् विवायम् । देशास्त्रायाकारायकाराम् विकास्त्रे विवास्त्रे 

別と引

hr 1.

3 5 m र्वभका

चिंद्रचाएकाला हे.संकाइकासांह्राकुली हिस्राम्बद्धास्वद्धास्य क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क हिन्नाधिता देन्त्रभान्ने विवायक्षण स्वर्त्वे अर्देन्द्रभाषा क्रिसेन्द्रभाषा क्रिसेन्द्रभाषा द्रा शुःशब्रुत्वलात्रात्रपुःशब्रुर्क्त्रता किलाक्ष्रांश्चातिक्षक्र्यात्। ह्रवंश्वरंक्ष्य्यावरः इरा रेलर्ज्ञर्रात्रल्याज्ञात्रमाञ्चरा सर्वेद्र्याः कुर्वेद्र्यान्त्रम् क्रेय्रान्त्रम् क्रियाने स्ट्रिक्ना कूर्र इंतर्श तुर्ताम शुवा कर्रा वाल्या हा के म्रास्त्र ता वर्ष्य ही द्राय क्षेत्र वा क्ष न्यारक्षेत्र्याविराणक्षेत्रा क्रांत्र्यक्ष्यार्णाणकात्रेत्रा वाक्षाः क्रांत्र्यं वास्याया वा नावकार्रेशस्तुः प्र्वाह्मिता श्रुः काष्ट्रावाराकुरः भाष्ट्रात्राभाष्ट्रा भाष्ट्रात्रा भाष्ट्रात्रा भाष्ट्रात्रा नभाक्तिमान्य क्षित्रकात्रा रत्ररावस्था त्रिरावस्था क्षित्राचेता हिसाचेराक्षेत्राच्या ु अप. हिर.धी.रे. किर.धेम.नमा किए. त्र.कृथ. त्र.वियाम. ए. क्रूर. दर. विम. मैं. यहीर विवार मार्थी... नाम्मारे वर्षाय व बरसी रे वर्ष मुक्ति की भियात्वराष्ट्र नाया ती हो वा सूर व माया करी। इर्.एरेंचा,च्रेरक,र्जाना केंद्रवालेंद्रका किंद्रवृद्धार्, वर्द्रकी अद्देशकी अपने विकासका की दवी विदायका वर्षरमायाः पर्दर्भुरः। स्रेत्रे येत्रे क्रियास्या त्येत्र स्थान्य दिन् स्थान्य स्थान्य विवास्य प्रमास्य प्रमास्य श्रिमानिहर्नाता वहना ना त्या वारा हिर्द्वा मात्र हिर्द्वा यात्र हिर्द्वा यात्र हिर्द्वा विकास हिर्देश व्यक्ष्यक्ष्यस्य नाम्यक्ष्यं क्ष्यं क्षय বপ্রমান্তর্মান্ত गर्थर। देर.ध्रेंचे.मू.सू.भ.कु.मेर.जू.एवर.रे.भर.जूर.नम.मैर.तू.पु.दे.विर.कर.पर्ये । ध्र्यक्र्यम भुवायादरम्बराय्याम् त्राम्याता त्रावास्त्रेक्षाण्यामादेदाराः अत्यापाद्यायान्त्रीत्रास्त्रेक्ष्याः त्रभात्रीमातात्रीरात्त्राष्ट्रियीक्ष्राप्तमात्रात्ता दावक्षणात्त्रात्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र कुश्रुक्त्याद्भीर्य्यात्रेर्द्या सर्त्रा सर्त्रात्रात्रात्रा प्रवास्त्रिका प्रवास्त्रिका प्रवास्त्रिका प्रवास क्रि.श्रे.इ. रवा.स.त्रुर.वर्ष्ट्रवर्राश्चरत्रात्रात्यात्रा व्यरामास्त्रेत्राचरेत्रेत्राव्यरक्षेत्रा व्य े अक्टर्निक्र १ मिल्लेस्वर हे अर्थिय क्रिक्स क रहूर्यवावयश्चर्य्याक्षित्रराज्यामान्त्रा देनस्याद्वराष्ट्रीयामान्यातह्वातादर। याह्निदेवतः दरालकाहारम्बर्दाकारम् वर्षाकारम्य वर्षाकारम्बर्दाकारम्बर्द्याम्बर्दान्त्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र १क्रेंसिट्रेन्ट्रेर्ने हैं॥ १ क्रें सुवायकारीरायाकेंदेर्। ष्यासुवायाकेंत्रांदर्भा सुवीया व्रानुःरोता अविदिन्द्रित्ताताको तेत्रातातात्वा दिर्यामणा क्रेंग्येमण्यात्वात्वात्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त रम् दि एवत भारतद्वात्र के का कुरत्या विकास कर्ता विकास के कि के कि क्रिंग्राह्या अववितरीयाक्षेत्रकारम्या क्षेत्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार श्रुवा.क्रवाका। वालर.क्रवाकाकारतर्थात्रेवाकार्यात्वा होत्या होत्ता होत्या त्यात्वा वाला व्या वय्याः व्यक्तियाः त्राः भेरते। व्यक्ति विद्यत्याः द्रियाः यहेतः व्यक्तियाः व्यक्ति व्यक्तियाः व्यक्ति व्यक्तिय

राय.वाभवः। की.हु.वा.सा.सा.सु.सवा.णः। दथामाज्ञ.वरारधामात्रुवा.मे.ववभा। पन्तरामाण्यूर हर्रकर्रा भी भागत् हुं वा लार्ड्या ब्रेस्ट्रिया यया हा विक्ति से राष्ट्रका स्थाप हुर्य हे. र्रेचाय किस्। रर असः सुधन्त प्रत्रिय कर्वाया सुरिधर के रूप विवास का द्वाया लुय.नम.वेबात्रका.च्या.स.म. इ.म.देवर्र्य द्राया व्यास्त्रकेत्वर्य द्राया व्यास्त्रकेत्वर्य द्राया व्यास्त वनमा अर्द्रे में नुवानमार्किक रूपिया। अर्थर अयत्यातमार्थ मूर्व में मार्थिया क्याल तर्यात वारान्यकाल क्षेत्रचारा कार्यस्य स्वत्यस्य वित्रम्या वित्रम्याः भीत्रायकार्यर देवत्वा वत्रद्राद्वविक्षात्र सुर्वेद्वात्र स्वायक्ष्यत्व देवत्वात्र स्वायक्ष्यत् देवत् नेव एतिकारवा वर्षेत्रहेस्या मिल्यहेर्यहेर्यहेर्य सेत्राचित होत्या सेत्राचित हेर् संस्थित मेर निर्मा वर्षे वेदेश के का निर्मा के का निर्मा के निर्मा क्रिनामह, दुर्द्रमुक्ष विभाग है किए। दे स्थार भे विभन्ने मेर्द्रम् स्थान अपने मान्ये के से स्थान क्षान्यक्षेत्रद्वत्यम् म्यान्या नेपरावन्येया कार्यक्षेत्रका नर्ये वने वने वने वन्त्रका न्यान्या वस्त्रका एड्रेश.भुक्तात्रका कु.एड् किर्दिय क्रिक्ट्रिय क्रिय क्रिक्ट्रिय क्रिक्ट्रिय क्रिक्ट्रिय क्रिक्ट्रिय क्रिक्ट्रिय क एवव.क. ग्रंदा स्वाकादर: कृतिकृतिकृतिक्वत्वत्वा करत्यः वस्तावास्ता वहिवानते स्वा करः म्हारान्त्रे मुन्द्र माय दरम्य हिं हिंस कर्य कर्य कर्य कर्य है हिंदी कर कर कर कर कर है हिंदी त्रेंगामार्देन ते हो। के स्ट्रिये प्रेंच में से वा में देश के दिन स्थानिया कर में में किया मार्थे । है वर्ष क्रेर के त्या है ने क्रिक्ट के क्रिक्ट हैं है क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क मरम्पेर्नेम्या देशके मः भेरेक्षां म्यानेस्या म्यानेस्या म्यानेस्यान्या व्यवस्थाने स्वानिस्याने व्यवस्थाने व्यवस्थाने हरना स्मयम्भरदेवदेव्या न्यम्याक्षेत्रक देवत्या मुक्तिक स्मान्य विकास स्वार विकास स्वार विकास स्वार विकास स्वार अवकारं में ब्राप्त केंद्रा देश एवं कार्य कार्त्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य केंद्र कार्य केंद्र क्रिक्रमाण्डरालह्यामा न्यार्यात्याकात्वात्तात्वात्तात्वात्तात्वात्तात्वात्तात्वात्तात्वात्तात्वात्त्रात्त्रात् देशक्षरक्षेत्रकता खेंहरक्षण २० वर्षेत्रेत्रण देश के इत्यरण दुक्षण देशकेता वरी वर्षेत्र स्थान स्यान्त्रा वार्तारणक्राणक्राक्षाक्षात्राच्या । क्रीम्म् स्विक्षात्राच्यात्रात्ववादी सरक्षाक्षात्रात्रात्रा परेश विवादम्भाताम् देशर्थात्मान्। एड्ल्स्स्यान्यात्मान्याः द्वास्य । विष्णाः स्थान्याः स्थान्याः विष्णाः स्थान कार्यका श्रेत्रेत्व,रंगय.वध्यकात्यर.करःच्याका कु.कृ.रंत्र.पुर.क्यंत्रकःक्षा कुवन्न.वुरेट. त्वावादेशान्त्रा ववरक्षराक्त्रेन्त्रेन्त्रम्ता देवक्षरायवकात्यवकाने त्रिम्देरा देलक्ष स्विप्राचित्रमा । वेमानेराविष्यां विष्यां विषयां विषयां विषयां विषयां स्विप्ता । कू सह में रे. हैं में रे. हैं में रे. हे में रे. है मे रे. है में रे. है मे रे. है में र

15251 र्म मेल

4amai

मक्त्यान्यरहराक्षां बाज्राका है जिया कार्य देन होता है से देन हैं से विस्त्र विस्त्र कार्य कर्मा कर है असे कर るで、してからとくとというとうないといいるかからしいかいというとうとなるというなかし、 भू भामा बेंबे तर कर किए कुए देर दे कुर रेक सेंबे ए कुरी इस की रेक्ट्र के की का का के के श्रीतेरा क्षेत्राव्यत्त्रवेद्वव्यक्षित्रा श्रीकक्रत्यावावभान्त्रत्यात्सः भानभास्त्रव र्दरवरत्त्रेज । अक्ट्रेनविका व्यक्ति । सिसा त्रेनियरे विकार्य वर्त्रेज । विक्रियर्थयः सञ्च्यास्त्री शुक्रेस्स्यातेनतर्त्वेय । यद्नित्तिताताक्रक्तर्त्ते। हुस्तर्द्यः इवव्य न्म्र्नाम् मार्मिकान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्यान्त्रम्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान् म्रा.चर्रा.केवा शुर.वालरकुव.वाल.एवं व.तुण.तार्रा द्वमक्तावारी.ले.लुवावूचा वर. भीरवरियामात्राक्षरमान्या सारवाव्यार्थार्यात्र्यात्या तर्वाव्यासार्थाः स्त्रा स्ता सरम्प्याप्त्राप्त्र्याप्त्रम् । त्ययात्राच्या प्ययात्राच्याः स्त्राच्याः । रणरम् अर्प्याच्याः वर्ष्याः । स्वर्प्याः वर्ष्याः वर्ष्याः । त्ययात्राच्याः वर्ष्याः वर्ष्याः । स्वर्ष्याः वर्ष्याः वर्ष्यः वर्षः वर्ष्यः वर्षः वर्यः वर्षः वर ल.ययन। प्रयानिक्षेत्राचात्रम् द्वाराम्लाचानम् व्यान्त्रम् क्रेवःभूरक्वात्रः द्मावयाचेत्र रहेश्ववर्ष्ण्याकात्मावयाच्यात्मात्रहार्थ्यात्मात्याः वर्ष्यं स्वरंग श्चीं गर्या ग्रीकार हेरा यर सर माय प्राप्त माय हो हे मार हिरा सार में मार हिरा सार में मार हिरा मार हिरा मार है मार है मार है है म वबर्द्धक्रक्तक्षेत्रच्चित्रक्षाचेत्र। देत्रभव्यभूत्रव्यभदे। युद्धेःदुवायतेव्यक्ति नवसा सरसी: धोन्यसातर दे होता धार क्रिसातर में भार के बास सा होता होता होता. के। कुरमेश्चेनवराध्याहरस्या त्राहानाम्यारेसे भेरायते हेता वेपरातकार स्थायांत जीया नर्वत्वे नम्यक्षेत्रसान् विम्यार्रिमा जेरा साल हीरती क्षेत्रमानी द्रा स्वे अर्भिरत्येत्रेय खेनाया वद्दर्थयव ही विष्यत्यकी देवा यर प्येर वर्षे रेत्र्या वेरा द्वर्षि क्रत्रमु:सर्भितः। क्रुक्रि:सर्वस्थक्र्यंत्ररा प्रक्रिंजरणवस्य क्रूर्ताररा सेसरवःमु. पर्राह्मराम्भ्रीतम्भा पर्राप्त्रितेस्ताः त्यात्रेरा त्रमानेम पर्राप्त्रम् त्याम्भावत्व क्रेरा केणज़ुरु संत्रप्रक्षित्रत्रा ध्रुवनूपुर्वास्ताक्षित्रक्षात्र क्षेत्रत्र श्रुक्षेत्रक्षेत्रत्र भ्रिक्ष्यात्र अणिरेयररायव्यामें वर्षा केंग्यारे व्यापित्र । यह द्वारा वर्षा वर्ष मांभवा के दे बेरी वर्ष में हुरा देनेर खर मी के परी हिम दत्त के बे परी वर्ष मुख्य हुर मुक्त ल क्षेत्र वराक्षरा त्वाक्षर भ्रेत्य नेम्बलक्ष्मा द्वाहर क्षेत्र केर्या व्यामकी वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व ज.त्र.वर्गा रतर.र्जेर.ते.जक्जत्यत्यविमा वत्रत्रतः मार्ग्यत्यत्येम । र्वरवर्गितः विक्रेरोमस्यरा स्रेरंक्सर्वार्थितः विवेदेरा नर्वेर्यस्य स्थित्वस्य वर्षेर्यस्य वर्षे न्त्विनेत् श्रेष्यवर्षेत्रास्यवहेव यद्रा धर्मकेत्राः स्त्रित्य मुस्या नर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्ये

116 ल्वलर्यस्थ्रम् है। देकलर्यद्वस्य ब्रेज्यावा काला केलाहार्य वाका वारतिस्यादी सेव वेत्रास्था /ख्या द्यायक्ररान्या क्षेत्रक्राक्षर्वरक्ष्याक्षर्भात्याचा वर्ष्ट्रिया वर्षाक्ष्य वर्षाक्ष्य । स्थित्र नामणान्त्रते क्रियान्त्र विद्युत्वा विद्यान्त्र विद्युत्वा विद्युत्वा विद्युत्वा विद्युत्व विद्युत्व विद्युत्व यदी वर्गकार्रेशियो हेर्एम्क विभारतेमार्ये तहेर्एम्क विस्वारेशेर्म्यये अर्थेतेयुक्ताव्यूवासेवारावा केसवेतेर्ययुक्तरेसारेरा देत्रमुक्तायेते युवासावात् । केम बेर लिरे ल रेंब की हारे पूर सुरा किया है। येह की । कुल कें के बकेर में निवाहर के का सुर कर रणेयातः विकाशकी देवार्या काल देशसी तर् कुर्य वार्या की मिया विकास है इस कार्य विकास विकास र्विता है बास विषयणा है। ये पर एर रेंच वर्ष होत्रा त्वीता किर्द्वे अप्येर्ष्ट्र द्वाय हराद्वा नेरवाद्वरायरेत्र्राथरार्या देत्रिंग्नी त्यारात्रहेत्यारे वेराय्ते प्राणि हेताव्यायर्थेरा स्त्रियनित्रात्तरस्येयम् स्वर्थात्या त्वास्त्रियात्या त्वास्त्रियात्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्यात्र्या क्राम्पा विराधः वर्षाया स्वावस्याद्वाया स्वावस्याद्वाया स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य नाजमार्यम् भेर्द्रास्त्रे स्त्रे स्त्रास्त्र स्त्रास्त्र स्त्रास्त्र स्त्रास्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र भूत्राचात्रवाचात्रीयात्रक्षंत्रवाच्यात्रवाक्ष्यात्रवाक्ष्यात्रवाच्यात्रवाच्यात्रवाच्यात्रवाच्यात्रवाच्यात्रवाच एड्रिंग की त्याका देर सुन्ये ये स्थान स्थान का की स्थान स्था श्चित्रस्यीये लायवयाया स्त्रा द्राह्मय्ये लक्ष्याय्यात्रस्य प्रत्ये व्याद्रम्य रेल्या त्रवेश्या त्रिम्मा हिल्यासायह निक्तिया होता है स्वत्य स्य ३भवत्यात्रात्र क्रियात्रात्र क्रियात्र हेते व्यापात् हेते व्यापात्र हेते व्यापात्र क्रियात्र प्रत्य क्रियात्र क्रिय गलना में से से किर केर हिर केर तर तर्य । मिर मूल में अब जिय काय ता तर केर हिर तर्व जा भारत केर १ स्ता वालवाना स्ताना वारत्यावरा स्ताना वारत्यावरा स्ताना वित्राम्या स्ताना स्वाना स् श्चर्यात्त्रेयात्त्रेयात्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रेयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या मार्चीश्रास्त्राच्या वर्षात्रेत्राच्या स्वाप्त्राच्या स्वाप्त्राच् ज्मेवा देर्दर लोहेंब ज्ञिय जा बेज या र लेक दूर हैं के कर के विद्या के प्रता रतन्य तर्रकी न्यूनाके वर्षाना पर्याकिल्या के नात का मार्थित मारा मार्थित मार ग्रद्भारते राद्वाक्षात्रेर स्याकारहेरा देशे कुरातिमा स्थान्य क्षेत्रका वर स्वत्वयाका वास्त्रकारी

या. अम. कर रात्र सेर्टर वचा र हिर् कर माल्यक केरी र बेचूना केया के असे के लीवी महि अक्षेत्रकार्ता पर्मार्द्रम्राम्याक्ष्राह्मा स्ट्राह्मा स्ट्राह्मा स्ट्राह्मा ह्य क्रिक्र करिये ने जा भरेरें दें एक से से किया विश्व करिय हु के दर में रे विशे कर करिये हैं अ क्रे.च.क्यांक्रे.ज्रियाकाक्ष्येय क्रियवर्यरत्यर क्रिये विश्वाक्ष्य विश्वाक्ष्य विश्वाक्ष्य विश्वाक्ष्य श्रुक् दिरण बरी द करर्य कर्व कर्व क्षेत्र कर्व क्षेत्र र क्षेत्र क्षेत नर्स्रान्वस्थानित्रा विकास्या देश देश तरील विज्ञास्य । यहर्त्त्र विकासिया विकासिया या भवतः मुंद्रावस्त्राणः मतुः एट्ट्यात्रः का कीर्त्रास्त्रे क्यों स्प्रद्धाः का कर्या वर्ष्ट्रियात्रे के अवामाना किताना महितान मिल्या त्याना त्यान त्यान विकाल मिल्या मिल् संविद्धाले का मुन्या त्याल हैन हैं। यह दूरमा त्या का या वित्य विश्वा वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य प्रदेशकर् मेरकर् में त्रायक्ष्या के स्वार्यक्ष्य स्वर्यस्य मेर होना स्वर्ध्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर् वशमायदर्गात्वसावद् वर त्वीर। व्यावायविष्यां व्यावायविष्यां रवातस्यात्रहेत त्वेषा तत्रीमात्रमाभेदा दणदभाषिकेदित्वा त्यामक्षेणक्षेत्रपुक्ता स्वित्रा प्रवासायभेदा जिंत्रिक्षी वर्णा तर होरी देलरे. धूर्त्ये वर्णा वेषा वर्षा वर हेर्द्र हा वर होर्द्र हा वर होर् ग्राम्यर्थर्य विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयं इ.रे.क्.ब.ते.च्.चेर.चेर.क्याकृशका.एर.एवर.नगाव्चावमावनात्वारमाकृत्यमान मान स्राचेरा रेष्ट्राष्ट्ररभाष्ठे दी त्यक वेंगावेर्त्य सामाना हित्स किया पात्र वित्राची बाधुबालिवामहरकाकाकाकावापाब्रीतुर्मेकाकान्त्रित्मकाकररास्त्रेस्वकाकराम् साम्भराद्यः शुक्त नुण संप्रतेरानेश व्यय विवर् में स्थित विष्येत में स्थित विष्ये में स्थित विषय में स्थित बागुरुप्रसम्बार्णियवायात्रियदेनक्त्र्र्यस्य वार्यप्तयान्यस्य । चे.संस्वाकालादरास्रयाविवास्यक्षात्रास्त्रयादिवस्य स्वयंत्रास् चीवणवणुरामकाम्रा सालाकाम्यातास्या चीवरहेवका नामार्था सर्वा सर्वा वस्रिर्द्रम् के के का कार्त्रा विस्त्रेयात होते के के कार्त्रा केर्द्र के के का का का कार्य का कार्य का कार्य नर्गाद्रात्रेत्त्रेत्रात्रेगात्रेयात्रात्रात्रेत्या युर्यमतित्र्याय्याय्येत्रेत्रायम् क्षा अभियः अर्थिक कर्तिक कर्ति विश्व विश्व कर्ति क्षेत्र कर्ति करिया कर्ति करिया करि भित्रवाक्ष्या वर्ष्या वरत्यर विकास मित्रविक्ता क्रावर सम्बाधिय क्रावर सम्बाधिय क्रावर स्वाधिय न्ता पर्रत्योतः वस्तायाः याने राम्युरा द्यत्यत्रात्रात्वातः वस्तायाः देयात्वातः रीयवारीसुरायवाराष्ट्ररा यादरायावत्यारी यादार्यका तहरासेतासुराय करार यादार्या अंतु द्वक् क्षत्रवाता वरायद्रेश्येशयाः कार्याक्ष्येद्रा देकत्वयः द्वाय्यायः स्वाद्वयः स्व एकर हिन्द्र । इत्राक्षास्त्रम् स्त्रीर्वे या देश । एक्ष्रे मार्थे मार्थे

2192

परिया उत्तरकथ्यह्याकुकाणकिना सेरिनेर्निक्यूक्कुम्बना सुर्वेग्यातिरकरार्क्ट्र. यात्रेयात्रेय्यात्रेयात्र्यात्रेयात्र्यात्रेयात् व्यवात्रात्रक्षात्र्यात्रेराच्ना याच्यात्रात्वीत्रात्रात्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रा क्रिय मिल्या मुन्देर । द्रिक्षम् मुन्देर हेर्ने मुन्देर । द्रिक्षम् मुन्देर हेर्ने मुन्देर । द्रिक्षण करिन अर्वलक्षेत्र्वेच रित्यरके स्वावेकक्ष्येची हीरत्यम्वतेष्व्रयक्षेत्राक्ष्येवक्ष्ये स्यर्यक्रालक्ष हरार्यस्युर्वेष्य्यार्थे वस्ता द्यार्यस्य स्थार्थे स्यायार्थे । सिंद्राज्ये वर्षा क्येरेरे वर्षे व्यामा द्रयम में विकास क्या कार्य क्या वर्ण क्येर क्रिय क्ये क्ये न्ता बालम्यास्त्रहाहती व्यामाच्यामा सीयम्यास्त्रास्त्रीती विस्तर्भामा वेदयते. धरमदम्या रहिम्दम्राभरमार्वराणालेय क्रियान्यसम्बन्धान्त्रमार्थरम्य म्दर्भर्थरम् संस्वेद्वीय ोयत्रयययम्भूत्रात्रवात्रात्व्यात्रम्भात्रेद्रपुर्ययस्य गरते। देरक्रणचंक्रेत्यं क्रेक्षणपास्त्रात्यास्त्रियास्य गर्भा स्तर्भा स्तर्भागरे लरकिरलेत्रे,म्म्येष्रेरमस्रात्मात्रम्भात्राम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भ हिंशव बर्ज्य केर्य अन्यर के वरा द्रस्किण क्रुक्त के अन्य के विवेद्र स्था द्रार विवाद स्थाप स्थाप ८ इ.रेब्र्याचार्यरथकां पर्द्र क्षेत्र विदेशकाः । १ त्राः चीरालकात्र द्राव्य त्राक्षाकाः तालासिराताक्रीत्रेरव्यो अवसञ्चार्था अवसञ्चार्था साल्यासी सेत्यासी मेरी वार्ष्याप्याप्याप्याप्या नहस्रक्रमदरद्यात्रवाराष्ट्रयाय्याः भेतवताद्यायस्त्रिः वरवत्यायाः तर्वतस्यव्यद्भित्तेतः करा विक्रार्यक्षेत्रकर्र्यकार्थका । अञ्चलक्ष्यक्षेत्रकार्यक्षेत्रक्षेत्र देवस्त्रकार्थर क्रिंग बालमार्वाराक्षेत्रकृतस्याक्षेत्रमा दुरसेराबाधुरत्व्वाराहिलाचरण बासेर्यरेरे शेरतवुद्रः पीर्याथवी चाल्यवापात्रकाक्ष्यक्षेत्रसम्बन्धा चीरतिक्षेत्रस्य विष्याप्तिकार्यक्षेत्रस्य अंशिर्मुव्दर्भातायभवा भर्वज्ञाण ज्ञेवक्यमार्यवक्षेत्रमा नातिकामर ब्रीन्याया स्मास्वावे. व्यानिकार्यकर वात्रका अर्थिय क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्ष क रक्षराक्त्राच्या सामक्ष्रियस्यराक्त्र्या स्वर्धायात्त्रात्मा वाराक्ष्रियात्राक्ष्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र क्रिका स्वार्दरर्भेवर्भा विश्वरायस्या याववाधराध्यर्धरायास्ये सेति द्विया। क्रेक्ट्रिकास्य प्रक्रिक्षे मार्श्व विद्या क्रिक्र व्याप्त मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य क्षक्तिकाला द्यत्येद्वय्येद्वय्येक्त्येक्ते नागरायुग्येवार्येवार्येत्व केप्पेद्वर देवरक्षिता स्थारक्षरवास्तर्कस्थिता वमावक्षरक्षर्वित्रस्थिता स्थार्वेष कर्रवास्त्रका क्रिक्ता व्यवदेश्तात्रहेत्र पत्रेणचत्रा श्रेत्रवास्त्रकार्येवात्रवार्यात्रास्त्र क्रियंतुए प्रत्रिक्षका कृष्णायकारवाचा ार्चियम् ही क्रेब्स्क्रेंब्स्क्रिक्रिक्रिक्ति क्रिक्स् ल्याक्ष्रेर करीया क्षेत्रशायदर की स्वाद्य की वी देश देश र से देश देश देश देश देश हैं की स्वाद वर्ष्णेत्रवाक्षेत्रवा क्रिक्रणावाक्ष्रवाक्ष्रक्षेत्रणाया है। श्रिद्धातीयक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रीया वास्तरक्षेत्रक्

Zaiàa)

येवस्थानित्या केवरेरद्युरत्यक्रातेद्रा सूद्यासूत्रतात्वर्यतेर्द्रा देवसक्ताचिक्रा र् देर्दरा र्रेट्यववर्त्तर्भेषार्वेणाणा स्वास्त्र्रेत्तर्र्त्त्राचा वार्गरविद्वेष्ट्र्याया क्या नामुरस्यम्बास्यक्ष्मारक्षी देशस्यक्षणस्य वेश केरेरा देशस्य यत्तर्रे रे न्या नास्य प्यास्यर्भे व्यस्त्र प्रद्रात् अर्पर्र रस्य क्षेत्र क् नेन्द्रक्षव्ययम् भिनेद्भेनेद्रभेद्रस्तिद्द्यान्त्रमा विभयम्दर्श्यत्त्रादेत्स्त्रस्य यस्त्रीतः र्भत्युरिस्रेश्वीयादिराक्ष्मित्यार्थेत्रेर्त्यार्थेत्रेर्त्यार्थेत्र्यात्रेत्राध्यात्रेत्रात्रेत्यात्रेत्यात्रेत्र विद्रश्वन्त्रुअन्त्रुअन्त्रुक्षेत्रभद्भत्यद्रद्र्यन्त्र्याम्भन्त्रभद्रभद्रद्रद्र्योहालक्षेत्रभाष्ट्रवे द्रिस जूरिक्यक्षेत्रमा क्रिल.मू.धूरिकरतिब्रमात्रकेरिका जुडमात्रारापरण धुरर्य एत्ररिक्षि इ.ज.चन्न.स्रद्रज्ञा च्र.चम्याच्याकात्रात्रकात्रात्रकात्रकात्रात्रकात्रात्रकात्रात्रकात्रात्रकात्रात्रकात्रात्र त्रीतःक्षितः। श्रेत्रावश्यक्षित्रक्ष्यं देतः प्रह्माश्चितः क्ष्याः होहेतः वीत्रीतर् व्यवस्थाः क्ष्याः व्यवस्थाः विद्यास्थाः विद्यास्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्थाः विद्यास्य क्ष्महें से हा है से हा हा हो है ते हैं कि है से हिंदी है कि है कि है से हैं कि है से हैं से है से हैं से ह स्राय्यस्याता अर्वेव विक्रियंत्वतः वित्यक्षात्रमा देव यह्व में स्थाने वित्या स्थाने वित्या स्थाने वित्या स्थाने कुर्यास्त्रियार्था विद्यानास्त्रियार्थे विद्यानास्त्रियार्थेन विद्यानास्त्रियात्रे वेतिक वास्त्रवर्रात्रीर काम द्रये पवर्रात्रीया विश्वेतिक विष्येर मारापकीर स्वापित रावसी यावरे वसर्दिर तोवा तर्दे श्रमश्ची वाहे वो सेवास्वास्वास्य रक्षास्वरस्य स्पेवः यस्य देनेदे वर्षेत्। हिर्द्यात चर्रियवभावतृत्या कुर्या द्वानमर्त्रपृत्यम् अत्राप्ताम् स्त्रित्रे स्त्रिया याद्रपःभरम् मेना द्रम्माव्यं चर्च चरेत्रः । त्यावात्मायायाया द्रम्माद्रमा द्रम्भात्मायायाः स्टिनेते । न्त्रिसीता मशक्यायामा क्रेरणमामा देरस्य संभागाया मेर्यं यात्रीमा स्व अन्त्रभक्तिक्षा निष्या द्वार्या द्वार्या निष्या स्थानिक स्थानि त्रुंग्रःक्रर्भ्ययातातातिकः विद्रःग्रेरा केत्युगायूर्य्यायायायर्थे देरा द्र्यायर्व्ये र्जाक्तरक्त्रिय विश्वित्वतिकत्त्रियात्र्यात्रियात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र ला क्रिक्षमत्रकेष्मभावानगर्भतिष्मा दरदेविभावतभूतिष्मद्रस्यात्रेत भीरचेश्वति । उत्तर्भ त्रिशक्किण भेरत्येत्राम स्वयक्षेत्रमहिर्द्रक्ष्य्यमधेरा इत्येप्रमेश्रभवा स्वयं कुलैसर्र. र्र्ण. भुर. स. लुकालिका वरत्ये हुर्र ती. रब्र्या वर्त्य तीरा क ब्र्या अपूर्व प्राप्त के स.एसरविकामश्रीमा क्रिनमा मेलस्याम्यात्रात्रास्या रेश्वेत्रश्चित्यमा मेळाते। क्रि य्भेर्कर्तरकी सूरक हो क्हिरेमेर्वर्त्तर स्वारेन देवे यथसाय त्व्या के प्रमान म्भा देम्ने की अध्यक्षित हो हो हो भी स्थान स्थान हो हिर्दे करें के का स्थान हो हो हो । विक्रियं बिक्स देववाची बुक्त बार्य का बुक्स किर जीव बिक्स वर्दर की सुवा कि वर्षेत्रा वीवरदरत्रक्षत्र वारकी विकासमा दलियम् विकास के कर्यों है कुर्यमा क्रिंग्रेलयाक्तरम्मराष्ट्रम्मे द्वा रेनयायाक्तकेतीद्वसरे। कुर्यक्रेरणतेन्त्रकर ने स्रेर. एर्ट्रेन.बोजन एर्टेच । किरमेण जूपुः मरपः बरम ब्र.बर्टा शुः मृतुः चर्नस्रीर प्रह्मितः

7% C 196 स्य मिलर् अवस्थित में सम्या वर्ष द्राय महत्त्र मार्ष्य । दिरहरे हे स्वीति हेरतर् वर्षा वर्षा भावे का भी मार्टिया है मार्टिया है के के कर मेर्टिय में का मार्टिया मेरिय मेरि न्येत्रायमान्त्रा नेदररद्यार्यमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम सार्वाडुवकार्ययेवड्सा वर्रामार्ट्य ग्रेचार्त्येवायाची सेवार्कार्व्य प्रदेशमार्ट्य दरेक्षेत्रमारकेरेत्यवारारी द्राके क्रेरेव्ययाच त्व्यवेत्यकेता निर्वेत्यके वार्वेत्यके क्रिये क्रेन्ज्री बाह्रदरह्यालपुरस्थेय केला का सावत्र्र्येत्यमारास्य क्रिक्सियां द्रायक्षे पर्मायक्केंत्रमधेमा पह्यामिर्म्पेत्रमधेतमा वर्षमिर्मेत्रात्मायम्बनेमा स्निमयव्य इंदर्शकी लुके । द्रेन्से बेक करेंदर अद्भापकरेंदियाया इंदर कुर्वु है बेक कर दे किंद कुर्वे ड हेजलामा है। यह रहा हो । विसम्पे सुरमस्य म्यास्य देश वस्य म्यास्य स्थापित स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप वक्ता देववद्वात्रात्रम्यकार्याचात्रमा देयराययात्रात्रम्यदेयप्तरम्यक्षित्रहारम्य नथनम्बर्धिः ग्रेरानवमा द्वेन्यूरात्मात्र्रिक्षम् सारवानिर्देन्ववन्त्रेत्रा स्वित्रहस्यमः र्रुशक्त्र्याक्ष्युरी क्रीर्य जन्य वर्ष्ट्रकान्त्र विश्वकान्त्र द्वान्त्र द्वान्त्र प्रतित्यस्य क्रिया क्रियं ल्रास्त्रा किण सूर्तस्याम्यान्यत्र्यं के.एचएत्रे एर्चे न्तर्यात्रे राची निर्देश मान्याय्याय्याय्या बर्दिश्चारणक्रीत्वाचावर्त्वरात्वेत्रभाष्ट्रवर्षण भवक्षण्याः स्वत्वेत्रवर्षायाः भवत्व चर भी में समाभाषा तरे वर्षे भरदा भाषार की भी तर्या में मान करा मेर विद्वा वर्ष सम्मान स्रम्भरम्भे विकास का विकास का महामा का त्या विकास का त्या का त श्चारेश्वी लेबद्यात्वेद्रदेश देवाश्चरकाक्षद्रप्रेत्रदेश कृतिहरूद्वस्यक्षद्वश्चादेश क्रुवाद्वरद्वेत क्या श्रीदेश अरस्ति ही एवरकात मा मा मा है। श्री स्वरं स्वासी देश है ना किर्यु है रहें। कारा शृक्षिण। का नायु प्रत्या में स्वीया में हो। कारवर गर् दर दर प्रेवी द्वे प्रवास मार्गित में वि चर्चरम्। अविमार्स्याकुत्मावक्षेत्रान्। पर्णान्भ्रत्नात् नेवाह्याता विवस्यात्रीत्मक्ष एड्, वंश्वामा मानावुपत्रवंशार्थरानुमानमूर्। मात्रवानर्रविन्नमाने सेना रिविक्टर्रितिन श्चित्रक्षेरा वडर नुपुर्केरर्रहेत्र नुवायाना वर्षा वरपर्यायक्षिरामा क्षेरवरपर्यायक्षेरामा दिया विक्तिव्रक्षप्रदेशात्मकारम्भूमा स्वत्नपुर्मेह्दरम्भका वपुरम्य विक्विरव्यवास्त्रम्भित्र क्रेरवर ववगवर्के में देवहूँमा १८५ वया विविद्याय देवी करेवा के क्रेवहर परिवार वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत् रद्रमें बार्डिक ता कर्व के जूरी रह में बार्व कर में बार्टि के हो। के रव बार के वार्व विवास करी क्रिंडिक् ए क्रे.द्री भुत्राचा विवास मृत्ये मूक्ष क्रिया चाकवः चाववः चाववः में चुका भक्ष्यं प्रचा कार्ये. र्युः क्रेरत्यस्थ्यात्रकात्रकात्रा श्रीचारो यानेजीतार्थत्याता द्यायाते द्यायात्रकात्रा स्र

1 CO)

2 7

मैरक्र्यायापुरद्यातामाता नामरद्याय वर्षातामात्रीयमात्राद्रा भीरद्यायातमाद्रमानाविद्या ला क्रेन्स्र हिंशस्त्र भवत्र वस्त्र स्त्र श्रे श्रे भवात्र व स्परवर वीस्ट्रें ला नवे. बु.बारका.न.पु.कॅ.बैंबाकारका विवास्त्र.बुकारी.बैफाबिफार्डरा एर्र,एर्र.ईर.व.फ्र.रेट्र.क्र्रा रमाग्रदाह्मीनापुरादेशोदा देखेरसदरमस्यस्यस्योद्धेते सम्बद्धाराप्त्रात्या स्वामा द्यं वाया शृह्य क्ष्रा विद्राक्षेत्र वाद्राक्षेत्र वाद्र विद्राक्षेत्र वाद्र विद्र विद्राक्षेत्र वाद्र विद्र विद्राक्षेत्र वाद्र विद्र इंब किंदी जारात्याव किंशेंद वसिक्यें वश्वा नरमूर में वान कर्ते । से र जूरा में र जूरा में विकास कर्ते श्रीतिभावेद। पर्यायभन्नः लार्मायाना नात्त्रेदी रंगामरदार्भाणायम्यादेशान्द्री राज्यस्य चर्चे बार्के का क्षेत्रे का अपने क्षेत्र के बार का विराय के में के के विद्या के का कि का कि का कि का कि का कि ें दर्शिश इत्रहेश्यश्चरारे विलाले दर्शिश दश्या तिया भेरा गुत्रे अपने द्राद्ये वित्रे विदेश विदेश विवा श्चरदिश्चेत्राता । पराश्ची वर्षाण करित्वार्याणा क्ष्यव्यास्त्राच्या स्वाची वार्याना सी गरी भारते के अपने देश अपने दार देश देश देश देश के देश भी देश अपने देश अपने हैं अपने लक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष्म व्यापःश्चित्रक्षेत्रक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष्मित्रक्ष अक्षणत्यार्षिरक्षेत्रार्गतर्रात्रायात्राच्या याम्यत्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात् दमत्तरहासा बार्चुब्वातर्रहास्रदाहारराय्या हिताबार्च्यास्यर्वा क्रिक्षास्राध्या एह्बाअन्त्रेर्वक्रिया यात्रेरक्ष्रित्वेक्तर्तत्वक्तर । व्यक्तर्या क्रीया क्रीया क्रीया क्रिया क्रिया क्रिया चति स्री मुख्य प्रदर्ग विके स्रोदासुका हें द्वा में यह स्रा दे तद्ते कुण र्से दारिवर वह स्री र्अड्डर तर्कारीय मुख्या देयर वायर क्षिया क्षेत्र के कर्या विकास की स्था की स्थ ब्रियक्ता क्रीविकाहिरविक्षेत्राचिका क्रीक्षिरवर्तात्वीक्षेवकाला देवालिविक्षरवर्ता पश्चा के न्न वर्ष वर्ष दर्श राष्ट्रिया स्वामा निरमाधित मुद्दर परिया देशेव. चाती किया मुंबसूम एर ने वा केया सुरे एर सर स्था के ले से नव परे के नाम स्था के स्था वेशक्री वर्तान्त्रश्चीर्त्यमाञ्चीत्त्रमाञ्चाल्यमाञ्चरक्ष्यान्त्रा व्यवस्थित्त्रम् वर्त्तरस्थित क्रिक्रियश्रिम त्रधरात्र हिम मिर्टि क्रिक्ट मिर्टि वार्मित वार्मित विक्रिक्ट क्रिक्ट मिर्टि मिरिट्ट वार्मित वार्मित विक्रिक विक्रिक मिरिट्ट वार्मित विक्रिक वि क्षिण श्रीरक्षण्य्रश्रीयर्त्याच्यायमातिरात्तीतातिराभात्त्रात्येत्रमा केषात्रपुष्टियमा ग्रीभार्या मुक्त्यरद्वत देदध्वयमाध्येवपुर्वेषमाध्येषाद्वताद्वरा भिष्ट्राम्यद्वपुर्वे मुक्तयवायर अहर्र नधुः भुषे के अधूभ मार्गा मार्गियोक्तः विश्व श्रीरत्या अस्ति । किर्ताले अत्रि अस्ति अस्ति । अस्ति । राद्यक्ति हिरमिण रूपु मिर्देरदर थिसैण भवन की मैं रेसा ने धारा दर्श कर्य से एहर मही. पर्वरक्ति श्रायान्त्रां स्था स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स क्रर्रिबिणकुरा ब्राजकुर्वकुष्यकुष्याहराक्षा अहर्रिज्यातवी यक्ररादरिकायानीतिहरू क्रवीमार्था भरत्युं में भूत्राचिक्रक्षाक्ष्मे विकार क्षेत्राचिक्र क्षेत्र में देशे कर

196 शुरर्यं बार्कर तिरातिकरं सुवन्तर्वरा किराम बुर्यु मार्थमार्था वीराम शुन्तराम ह्यां विसा ब्रोनेशाएक्रावर्षेत्रक्ष्या नार्राण्येकेत। देरवर्रायेक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्याक्ष्यां मानीव न्त्रदर्शकात्रामहरकार्ह् यान्त्रतामात्रामात्रा केरा कापवर्षत्रम्यात्रा विस्तर्भावद्र हार्यर में क्षेत्रमात्रीया हिरशुर्धकार् व्यास्तिरास्ता देवव्यवकार्त्तिय्यतिष्ठे व्यास्ति क्रियार्ये व्रियार्थि व्यास्ति व्यास्ति व्यास्ति त्मरमान्तुः व्यविकत्मयाव्या वरवरस्वित्त्वर्भार्थात्रस्य एहत्ररः तृत्वार्षिव्यस्य क्रेकार रद्वणक्षेत्राक्षेत्रेत्रे ग्राध्येद्द्रभाद्वर्ष्ट्रपाद्र थेद्ये ध्येद्रके प्याच्या वाष्ट्रयाद्वर्ष्ट्रप्त्र विश्वा रब्राश्चिरकरक्ष.विरेश क्र्यानबरन्देर्स्.व्र.का चिकाक सुर्दे रेता लिस्किने येका स्थायीयी पर्याप्त क्षे श्री हैं कि हिंदी का का का कि कि हैं कि हैं कि है कि हैं कि क्रकूरुष्ट्रकम्पाल्यस्य द्वामार्कर्त्वरात्र्यात्रम् अस्य वाद्रम् अस्य स्थानियः स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् उत्राचित्राभुभाग्याच्या १९८० इसम्पर्स्येटम्द्रिक्ष्या क्रिस्या क्रिस्या क्रिस्ये ता वर्षे क.एर्.म.ट्.म.द्राम्त्रीयवा कॅर्जीण.एर्यात्माचाकम.नपुलिला पुराम पर्मात्मेश्रेष्ट्रेत्री सर्रहरूर् अत्याना क्षक्रेवस्य मन्त्रायकः नेपा व्हर्षकः स्रोतेना क्षेत्राची स्राप्तिकः स्टेबली १भावतान्त्रेते स्वय्यते मुक्तिभाषते है। अरावदरामुक्त जाता देश्यदा देजायात है विस्तृत्त्रे अद्याया से अस्ति। इब्रम्यायायाया वर्षम् वस्त्रम् स्रम्याय स्रम्याती सरवी क्षेत्रम् हिर्वास वस्त्रम् 23) युः स्राच्यात्रेम् रत्यम् क्रिया स्राप्त्रात्यात्रेय स्त्रात्य विस्त्राम् विस्त्राम् स्वाप्त्यात्रे विद्या नैस्मने. क्षरमग्राप्यम् द्वाद्यम्याचीमा मेणाम्बरणात्रक्षमान्त्रम् सेत्रेत्तवयामान्त्रम् विकानस्याः त्यानीयमार्त्त्वेत्रयेन्द्रवायमा सुनास्य यो विक्रात्येत्रया न्यात्रया विकास्य स्थानस्य विकास्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य त्यकार्दर्श्वेव यति की जास्या वर्षा सुर्जेर त्रीर जीस वुक्त संभेदा व्यस्तरस्य बद्वाया देखन त्रविकार प्राप्त र वृत्य केल्य लिव कर्र्य विवर्ष के विवर र्मत्रायम्भरा सक्ष्यारात्राक्षेत्रवारात्रेशा विराम्या हिस्याया स्तित्वाया स्तित्वाया स्तित्वाया मैणा अगानरक्षेत्रियद्यर्द्र स्त्रा रेल्ट्र्स क्ष्या हेर्य इया क्षेत्र या क्षेत्र वा विद्या विद्या विद्या विद्य 2841 वर्सेरा द्वाक्रवायवाद्यस्व हेर्र्व्यवा । स्वावयाद्वेर्रे क्रास्ताद्वा देल्य्या क्रियंद्रा तैयान्याचरत्याषु वि.वि.वि.का.कार्या तैयानात्र पुर्यात्र प्रविविद्धाः विद्यात्र त्यायां क्रियंद्रा 4.45 वस्तर्थे नर्द्रमा करमहूँ हे हे र्या देव न्या से ता क्षा नवस्य वा देतर वार प्रदेश हैं रं एकामा हैए । सा विभावासर को से वा देव भागार । तस्या केरे रेस धीवा देखीव । तस्य । 7084; कु.न्यर्द्रदर्भा अब्बुर्च्याराम् अविभाग्नीभागाः एह्रिमात्रा वृष्ट्रचात्रह्मात्रा विभागाः क्रियाः

बिक्नमुरा लुर्क्यमाम्यूर्ये हिरा क्रांमार्म्या नायर सीर्राया रेक्ट्रिकेण तुपुत्री प्राप्त राजायो उन्नर। युभायमिसम्युराजेरावक्षेत्राभागाक्ष्यिये वायरावभाष्ठीः स्वराक्ष्ये वरः शुरक्षेत्रक्षाक्रणाच्याद्वर्द्धरद्वर्वाद्वर्वर्वेद्वर्वेद्वर्वर्वेद्वर्वेद्वर्वेद्वर्वेद्वर्वेद्वर्वेद्वर्वेद्व र्यत्सार्भार्यक्षात्र्यक्ष्यं भ्रिस्यक्ष्यं स्थान्त्र्या स्थान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्य त्रुं ब्रेर्ज्ञ भूवे व्रेर्च्या की का भी तर्रिय की तर्रा की स्था की साम भी की साम की साम भी की साम में की साम की साम में ति.ण.णुर.ण.भूत्रेत्वंना की.न्तरं अंविव व्यवका वे.त्यरं क्रांक्रिया वरका विवक्तरं वे.विक्. अड़िया अरअड़ियःअड़ त्रवार्क्त अहिया च्रेरक्तिवार्त्य, क्रिवेक्त अड़िया ट्रेयशद्रकावावा कि.जा क्रकुर्विश्वराष्ट्रियं क्रिके क्रिके हैं हुर्रा दे रेबाकी क्रिके रेक पहुँ क्रिके रेक क्रिके रेक क्रिके क्रिक विभागक्षणस्वरक्षेत्रद्वा श्रमकेत्रमाणक्षेत्राचेरात्र्या विदेशास्त्रमाणक्षेत्रदात्या देवार्ये क्रा. श्री क्रा. श्री क्रा. त्या क्षेत्र क् त्याचे हात्याल इर्ल इर्नेरा क्रिं चे के के के प्राप्त कर्रा कर्र के खेव द्या लर्ल हेरा कर्र केर क्रीन्रातकरतकर्त्रा विभव्यवावयात्राचारक्षेत्रेरा क्षेत्रवाक्ष्यक्ष्येवाक्ष्येया क्रिस्वाकररें. वर्षेत्राका विकास स्वार्जार तार क्रिस्ते हो होरे प्रार्जित होते हो क्रिक्त क्रिक्त स्वार क्रिस् व्यवः वः तार्ट्यः देवा देदा केंद्रके ह्या जावः हिरके देवा व्यवद्या कर्षा कर् रिभर किर क्षेर पर मर्ते गरीका को रिचायर शेर रियम नेरा के हिर ग्रेस अग्रें किर लाने गायर न्त्रस्यान्त्रम् स्र्राला स्राक्षेत्राभारदाक्र्यालाविरा दिरस्यिएवियान्त्रात्यालम्बर्या पामः उह्यामान्त्ररात्रयक्षा रत्रराष्ट्ररात्त्रिक्ष्याच्याक्षेत्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् शैर्वासर्वा में सुक्षर्वा विरक्षिरम्य में यास्य विवयवा ब्रिक्ष मास्य देवार वर्ष्ट्रा वर्ष्ट्र विराम्त्रियंत्यर्ता एसद्यमाविकारीयः सूत्र्यमा द्राक्षं सूत्राविकोत्ताविकात्राद्रा दः दरक्षात्रवेषात्रेत्रकारण ब्रोकारणास्त्रवासर्द्रेवर्द्या छार्द्रवास्यास्य स्थापवास्त्रवास्य तमत्वाना विसेर वार्वेनेश्व वार्वेनेश कार्वित वर्षेत्र वर्षेत्र के वर्षेत्र वर्षेत्र के वर्षेत्र वर्येत्र वर्ते वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वैनिरेरसूरमरे लेवा ये रेम खाल केंस में हुर ला मदलरेस अवद्वारी महिरला सूरमाई. ज्युत्वार्क्षणार्वेदा जयाद्वरक्ष्यामान्तर्यद्वास्यादा यद्वार्यात्र्वेत्रात्रास्य स्वार्थात्र्वार्या क्षेत्रभात्रीर तमार्थवा अन्तर्वा अन्तर्वा अन्तर्वा अन्तर्वा वितास्तर क्रियास्तर स्वर् स्वर् स्वर् वरीलें प्राप्त सर्हेर्सेरला भे प्राप्त का की ने ना श्रुमी रार्स्म प्रिया ये मार्थ स्था सेरा त्वक्रात्र्व्यास्य स्वाम् अभागायास्य मार्यः द्वास्य स्वाम् स्वाम्यम् स्वाम् स्वाम्यम् स्वाम् स्वाम्यम् स्वाम् स्वाम् स्वाम् स्वाम् स्वाम् स्वाम् स्वा पक्षणा क्षेत्रावन्त्ररापक्षर्कान्ता ह्यां स्वत्यात्राह्म वार्णक्षेत्र क्रेस नेरक्षरत्याते. तिराश्चरमान्। द्रात्मानान् भ्रित्रामान्त्राम् अस्ति व्यान्त्रामान्त्रा न्त्री तिकार्यमा मुक्ता वित्री मानिया । तिकार प्रकार करा मुक्ता करा वित्र कर में के स्वीर के र के र के र के र क्रीनराभर्गा तहराणे व्वतार्भातिवामात्रा विकास करा ही अरताता विक्रमा के विकास के विकास के विकास के विकास करा विकास कर

क्रियान परकार के महास्था हिस्स में जिल्ला के स्थान है स कुर्दित्राक्तरप्रस्ताकुक्किंगालवस्त्राकाम्,दुरद्दर्दिवावमा नरदुरद्वात्राकुक्षकामा स्व दरा क्रेंद्वर्रा विकारणवाहर वायुका किए ग्रामा है की सुव स्वर्भ रहेर सिरा प्रामे के ले के यन्यास्वरत्रता देनेदस्यस्यास्यास्वर्त्त्रीत्रस्याचीसःस्रेन्यादता देस्रक्षर्त्यः भेन्या क्रा १९६५ हिंद्य हिंद हिंद्य हिंद हिंद्य हिंद हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद हिंद हिंद हिंद हिंद हिंद हिं रवे.की.वरत्तर अ.वर्ये यका तार्थीर वी रशका स्थितर किंत्यी स्थित वार सुवाका विवा जिस्सा विग्राहर्द्वर्भात्मेत्रायायायात्वरायात्वरायात्वर्भात्रेत्रम् विष्णाद्वर्भात्रम् विष्णाद्वर्भायत्वर्भाव व्याद्रवार में द्रवार व्यास्त्रवेशक स्त्रवेशक के वाह्यार त्याक त्या क्षेत्रव्य प्रदेश द्रवेश श्रेष्ये toreach. स्राया एहर र क्रिया के स्राप्त है स्राप्त र रिक्षेत्र एक स्वाया क्रिया के स्वाया क्रिया कर कर कर कर कर कर कर क र्जा में ज्ञान के त्या ज्युक्तरेराद्र्या कु.जूर्याकापत्यानपुण्यंच्याकाक्ष्येत्रेत्रेत्र्युराद्व्यर्क्याक्ष्याक्ष्यार्थिः मस्यायात्र भूमस्य सम्यास्य १ स्यास्य स् वाली क्रेंद्राचन्नात्व्यात्वेर्तिकात्त्रेर्ते वयाच्येत्रेवाचेत्रात्त्रेत्रे वायभद्या र्रात्येय । तर्विषया कर्मा राष्ट्रिया स्त्रात्य राष्ट्रा न्या व्यवप्राय स्त्रिया विस् ग्रम् रहेर्भात्रमात्रेर्। माजावी जार्भर जावेरमाजावता समारहेरा द्वात्रम् केत्रे में त्युता मुक्षा क्षेत्र्रिम्बर्वन्यत्वयात्वयात्वर्था देवकराणात्वर्भेणा कारद्रेकद्रवामेणवा क्र बरबुक्तं नर्दा क्षा के वार्ता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा के वर वर्षा के वर हैंड.ज] गयमा के से संभेदाना पुराके दगराके ते के पराकहेता स्रवाय गयन के से स्की गया अपुरादत विवृद्यस्य हेव। श्रिवश्रयाक्षेत्रस्य विवस्यक्ष्या दरस्य भेरणद्यास्य तार्विया। वि वस्त्रीं वा में किंग्ल, केंग्रें। प्रतालार नतु लाई की मार्से केंग्रिय में केंग्रें भी मार्से केंग्रिय में मुन् श्राराधेवक्ताणां हिंदा अहर्रवनाते वसावहै तो हिंदा नेवनावे वाये नेवनावे के तो हिंदा हेव तावेताप्त उद्दर्भ Josephend मुक्तिश्रामात्र्यमात्रा देर्द्रक्षित्रमात्राच्यात्रकाता क्षर्द्रद्रामात्रीयात्रामा क्षर्द्रवर्द्धात्रा व्यक्तिका क्रि. भार्त्रदेशका के क्रि. प्रकार का का कार्य का क्रि. क्षेत्रका क्रि. क्षेत्रका क्रि. क्षेत्रका क्रि. क्षेत्रका क् विभा मुरा रर.र्जिमतर.ब्रुम.वचीबाम.ए.र्जिरी भीवत्ववावर.ब्रु.मर्पए मुवा र्जिरा र्जिम.क्रि.ब्रिस्ट्रिंट्क. र्दुस सुरहुवान्स 6 2 4 7 क्रिकार्य ए.स.क.हेबर द्वारीमा स.क्रेक्ट्रिकेर विश्मावासेता। देवासेवा एवर वर्ष सेवाक्। क्या कुंगु.ज.चर.त्रर.ग्रह्म रर्ररार.कुंग्न. क्रिंग्संस्थाना वग.ग्रु.क्र्यान.विग्रंसिताकी. 775:401 र्यातक्रीर्याक्रिराणाल्या विक्राल्याव्यक्षाताक्षेत्रा हीर्यायाक्ष्याक्षात्राक्ष्याक्ष्याक्ष्या बीरदेर मुचना स्तिमा करदेश्रिक्ट वा मुद्र संक्रिक वा बीरदे पर्वरी रनपाल्य वाला पर्वेदिक्रिक र्रिअक्ट्रिश वर्ष्नेयाना वर्षेत्र ताने वा विश्व विश्व

लक्ष्यक्ष्य रिक्षक्षरभयुः भग्या वार्षिक्षात्यक्षात्र विदा देशर्थः स्यक्तिस्रियस्यरम् तथा केण. मृ.म. के. त्या स्रीरम याते स्याविका कीर्या वर्षेर्या इस्यानहरा केंब्र स्थान केंब्र स्थान केंब्र स्थान केंद्र स्थान स्थान स्थान केंद्र स्थान स्यान स्थान कु। वरन्तर करें र तरेर वर्षेर । बावका मृत् किर्या मित्र का मित्र के र के र किर के र किर के र का का किणान्त्राचार्वक्षिमानस्यान्यस्य स्यान्तरः स्यान्त्रस्य द्रिःस्य स्यान्त्रस्य स्थित्वर्णान्त्ररः स्रे म्याया वर्त्वत्रस्वभार्त्र। क्रिणअक्ट्र्याद्त्यास्थात्रीत्त्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् र्षम्,ण.ब्र्राटर.क्रामागुःजरवर्षेत्रक्षिणत्र। भ.ब्रु.ब्रि.यंत्रेर.पर्वणत्र्वाणा वामरविह् £.क्रे.रबी.न.र्.श्रीरत्वाया.लूर.क्षेत्रज्ञ.प्रहूर.क्षेत्रज्ञ.जिक्ष.न.पत्ते पारे.जुवर्श्याज्ञेशक्षेपाञ्ची. श्रीरग्राक्षांत्र्याकेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षांत्राक्षांत्राक्षांत्राक्षांत्राक्षांत्राक्षांत्राक्षांत्राक्षां नुर्विक्षणका अनुरद्धल्या क्षेत्रभाष्ट्रभी सुर्विक प्रमुख्य मुन्नु मिन्नु सुर्विक क्षेत्र सुर्विक सुर्विक सुर्विक स्थानिक सुर्विक सुर्व बर्वार्यद्वाया रवा विवास मार्च केरेस मार्चेया मित्रा क्रेंबर हीर स्मार विभा पार क्रेविक्र्यायात्यात्यात्यात्या वह्रास्त्रास्यात्यात्यात्यात्या स्टिंद्रास्यायाः यवा विस्वायभावतः व्यापवेद्यवा वास्यद्यस्य स्थान्यः द्वयानः स्या स्थान्यः विस्तर्भावा वा येव.ज.डिवा लर्रकुन.एकुचि.क्युक्यू.ये.जा जेर्रे.क्रेर्य.पर्र.क्रेर्य कर्या.व. क्रिणकी श्राचावकाता उर्रार्ट्रावकार्मा उर्रार्ट्रावकार्मात्त्रात्या स्वामा विवासा दुष्ट् अविणः सूर्द्धराता हु हे किरशुध्वर्धरारी रच्चा अवि से विकास मानि क्रुग्रेज्यास्याक्ष्याः क्रियाः एकमः बुरा देशवः बुर्द्धर्द्धरायम् व्यवस्था साद्देश्यर्गा साद्देश्यर्गा दः रद्रम्द्रिक्ष्यभाक्षर्णा क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क चाववकावक्षररायर त्यांकावा कार्राक्षेत्र यात्रात्मा त्यावका त्याव रामा स्वीत्यवर वसीयानुत्या विभावते में विष्याद्वारा हिंदा में भी हिंदा व्यापा हिंदा विष्या हिंदा विषय हिंदा हिंदा है। हिंदा विषय हिंदा विषय हिंदा विषय हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा विषय हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है। हिंदा है। हिंदा है। ला.वि.नर्वे.एक्ट्रेर.क्रेव.पा.एक्ट्रमा बागुर.युक्त्.एक्ट्रक्रिवर्वे.वर्क्षणा रक्षेम्यते.क्षेत्रमः ल्रायित्या वार्थ्यक्ति हेर्ड्ड् इं देवा ल्रादा क्रिया विश्व श्चरमाश्चरमार्थात्रे विज्ञास्य द्वारमार्थार्थात्र्यात्रे स्वारमार्थे स्वारम् क्षेत्रात्रा श्रेर स्वास्त्रात्रात्रात्रम् रावाश्वा रीव्यम्य कर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षा रं.च्छेबाश्वरंलूरं। दुवरंशाचलबाडिरंकात्रेवा क्तरवर्ड्यक्रिक्टशक्तरं इस्वासर दर्भेवयात्र हीया वर् वर्ष रस्र विश्ववायम् विष्य विश्ववायम् स्रोर्चित्रं विकास क्षेत्र । विकास क्षेत्रं क्षेत्र विकास क्षेत्रं वादवाराद्रेवास्यर्भारत्यर्के दराक्षें सावातीया वाद्रात्त्रीया स्वेत्र वाद्रात्ते दे भी श्री वाद्रात्त्र वाद्रा र्तिर देशचा म्यू. की वरवंश है की विश्वास्त्र की स्था हो से विश्वास्त्र की स्था हो देशचा हो स्था हो है स्था हो हो स्था हो हो स्था हो है स्था हो है स्था हो हो स्था हो है स्था हो स्था हो हो है स्था हो है स्था हो हो है स्था हो है स्था हो है स बर्ट क्र न्त्रीय अभाग क्रेंच्या प्रकास क्रेंबर दे हेर्च्या क्रेंबर केर्त्या होते हेर्

200

200 लर.अड़िबंजावका इतरपर क्षेत्रं अराजकूर अद्येतवाकी। ज्येत्रकूर जत्र हत् ता श्री ककूर. रीया याधारी केंब्रिय ये यर मा दूर्य देन देने ते यादे अद्रायाराता द्या अवी सा अवी यह यह यह वर्षा म् से ब्राह्म क्रिया क्रिया प्रत्य क्रिया क्रया क्रिया क् म् त्रिवासक्रीतार्था रेनपन्त्र, पर्केरक्ट्रमक्षेण, पहुवासक्रिर, वृदा वृत्रद्ववात्र्रपुरे बन्नाक्र. लुवा अर्शमाक्रिकाक्री, रूमाक्रीलुवा किर्द्वरी सेका क्षेत्र केर्य केर्य हिर स्वाया लुवा क्रि. नु १ वहमारा हीरद्रगर्द्रद्रभवाद्वमा अवो ग्रुस्यस्थास्य द्रम्यस्थितः ताथवा द्रयतः विकाले तार्वित विवे ३ इं उस स्रायक्षेत्र क्रिक्ट्रस्था स्रिक्ट्रस्था स्रिक्ट्रम्था । इ. इ.स. स्रिक्ट्रम्था स्रिक्ट्रम्था स्रिक्ट्रम्था । इ.स. स्रिक्ट स्रिक्ट्रम्था । इ.स. स्रिक हिरतिकर्वाक्राक्ष्याच्यार रम्पर्राहर्ष्य्रियक्ष्यवन्त्रभाष्ट्रीय विक्रियान्त्रम् यता रसरत्वमार्गते स्मार्मी केथ महत्या दर्मा निर्मा निर्मा स्थान स्थित मार्ये भवताने भवता प्रांता हीरादग्राना के विषया भारते विद्रा का वार्षिय वार्षिय हेरी वका मुन्दर्र दर क्षेत्रा अञ्चयात्रेत्र काकः एवत्र दर भाग्ने हिरा द्वी त्रे का श्रीत्र विद्या बिक्ष्यभाववित्रं विवाद्र्यायामा वालत्यात्रात्वातात्वे त्वे दे। तरेष्ट्रद्याक्षे तर्वे सा रेश बेर केर तारे क्षेत्र सर्भावस्थान क्षेत्र वार्थ क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्कीं नह में राजेर मेर मर इं ई है कि ए है ता की ररत्या नि स्वर्र मार्च कर्य गर्दा ह से खें वे के लेवास्तर्श्वभाष्ट्रस्त्रमा वितर्भाष्ट्रस्य गार्टिस्स्यस्य नेत्यस्य नेत्रस्य स्तर् हेत्रस्य सं नेत्र वाल्येद्र तुः अरतः यत्व वा के सदवा म्राप्ता त्या देशको देश स्था स्था वि तरि द्वारा स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स् स्थित यान्याणां भीराया में देश कायायां भीरायायां स्वास में में स्वर्मेत्र

वारीवा वर्गावर शेंत ये त्या कर्या मर्गर ये प्राप्त आवीं वा देरेर प्रवासी वा तर्देव मह्री शुरावी भरत्य तयर महियात कराये त्या स्वार्थित स्वार्थित विद्वार्थित स्वार्थित स्व क्षेत्रक्रिया । अद्वायाय्वर्य्यास्त्रीयाः क्रेंनाः क्रेंद्रायक्रिया । विद्वस्त्रायः येते वार्षेत्रक् विवा सिंत येते सर्वे स्रे लेते । यस्वेवा । यो से वार्वेवा से रहर हिर वेवा शिर स्वति सुरा अक्तिविक्तात्रक्षेत्र । व्यक्तिक्ष्यक्ष्यक्षेत्रक् मस्राणकार्यामात्री हो। श्रीमस्रार्यात्रेमात्र्यायमा द्रमतास्रीयावेद्रस्रीकातव्येतात्राका ला विभागत्रदेश्वाद्यायक्षेत्रक्षेत्रा स्वायक्ष्यादेश्वाद्यात्यात् विस् यास्त्रा धराते यु हिर्देश्वारदेश रमता वाहमारे त्यरको होरका परहको वार्देश्ये त्या णरामेरी र्विमर्श्चर्र्स्यूर्स्यूर्स्या की यर्रस्यमण यहे वर्स्यूर्म हर्म्यूरमा हर्म्यूर्मा

3AAN'& resp. for to

> बर्सेव.नक्षा वर्क्स्वराले। एर्क्स्वराले। एर्वा हिरास्वा हिरा सीराधाला हा भी सेरासी भी। ल्बंत्रक्षत्रात्राक्षेत्रत्या क्रियमहें भर्त्यक्षित्रे भी अदी वरेतरें र से अकातात्रक्ष्यत्री क्रित्रित्र्यायायस्य स्त्रीयस्य याता तर्वेद्याये तर्वा सिंद्राह्मा स्रथायम् स्त्रित्राह्मा भीवाया तिरा ग्रीमाभीयावमा मूर्य दे नमामा हमा पर्दर सीया पा लावी भूरे पा पहूं भीर मुर

यविल्या वर्षेवलाश्चायतीत्रास्त्राच्या द्वायाक्षेत्रा द्वायाक्षेत्रा द्वातायात्वा न्तरीर्यत्यास्या केला श्रीर्वेदान्त्रान्त्रा श्रेयालया श्रेयालया श्रेयालया श्रियालया मैं में रूर हिं के ण लूरी वाधवालर सूर्त्ये रूत वार्या प्राप्त प्राप्त लूर विश्व सर्था सेर.फेर.पर्वाशका फिर.लेज.च्र.र.जर्जेत्र.ज.लुवा लूट.जपुत्र.च.र्न.केर.लुव.१ हेबल. व्याद्रश्रिकार भी व्याप्त के व्याक्ता में व्याक्ता मुन्द्र वातात हो वाता के वाता के वाता के विद्या के वाता के व बरसुवयन्तरिस्तरतन्त्रीया देरीरसिन्यरद्गात्मेर्युक्तेर्। हिर्ग्यन् द्रवत्रत्यम् स्व भुषा भाषत्तरकावधवादाक्षेत्रकाशुषा भामिर ब्राज्य प्रतिर में वाश्वरा हिर्देर दरदा वार्षेत्र. म्त्री क्रीकर्मात्रप्रमूर्ण देश हत्यामाक्र्रात्मात्रम् त्यान्त्री त्याद्रश्चरक्षेत्रके तम्द्र्यादेश वातिक्रीर क्षेत्रक क्षेत्र का वाति क्षेत्र क्षेत्र वार्ष वार्ष क्षेत्र केत्। तकर वार्षेत्र केत्। म्यायानी महा महिला से के के हिला मिया केंद्र पार्य के महिला हिला महिला है ने किया महिला मह विकासिक्ष्य विदेशनाध्यात्राध्यात्राध्यात्रेत्राध्यात्रेत्र विद्यात्रेत्राध्यात्रेत्र क्षेत्राध्यात्रेत्र क्षेत्र न्त्रम रिवार्श्वराद्यमार्श्वमा विषयित्तात्म्य विषयित्त्य विषयित्तात्म्य विषयित्तात्म विष्ति विषयित्तात्म विषयित्तात्म विषयित्तात्ति विषयित्तात्ति विषयित्तात्ति विषयित्तात्ति विषयित्ति तिष्ति विषयित्ति तिष्ति विषयित्त यश वि. मी. वर. पा त म्या हैर अरपरे वर की भारत के अर के वर में वर में वर के अरर्दरहेंचे.पर्वरा क्रियर प्रकेश लाहररेत्ने अरतः ते के अरदे में अर मी विराहर ता तर्ज्या त्राया में तर वर्ष में मार्थित से के ते तर तर तर के ता कर के तर के ते के ते तर के तर क लु. मू.त्रः वर्भास् वितः ए हूर् व्यक्षिनस् भ तिवाभा वित्युर्धे प्रत्येव की सेर्राययभा र्यात्रस्थत्मास्यम् स्वार्यास्य तास्त्रेत्रः वित्रेत्रः द्वत्यस्य स्वर्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः व व्यक्तिस्थित्वीसः त्वृद्यवसः हीर द्यावाद्वयात्रे संस्थात्र स्वर्दि केरा वार्दरवाते केंग्रा यस्य वासुरम्था द्रभिद्रमरस्द्रम् नायवातोते विदेशहे द्रसात्त्व ।द्रम् र्यस्य भीवा वीसस्य स्रिवा वि वे वरसीय तर्वाता वारेर तीत तर्मा स्वरंता स्वरंता स्वरंता स्वरंता स्वरंता विवा स्वरंता विवा स्वरंता विवा स्वरंता क्षित्रलद्वतिरान्त्रिक्षणायवान्त्रत्त्रत्व्यत्त्रत्व्या द्वात्रत्वत्त्वा द्वात्रात्वत्त्वाद्वादिषः वैवबर्यस्थिवेता दमल्द्रादेश्वाकाराम्द्रस्या कृषास्ति स्वात्रस्या स्वात्रस्य वर्षेत्रपुर्वायम्भात्रवा वर्षातः व्यातः व्यातः व्याया व्याया व्याया वर्षाया वर रमप्ताम् मुर्द्द्रत्यर्ये मुत्रम्य स्रेर्येयोक्तेत्रमेत्रम्य स्रिक्ति के स्वाम्य स्वाम्य स्वाम्य स्वाम्य ह्या काला पर स्थान ज्ञातार्से वातार्से वा वित्तर की वातार्से वाकातार्से वा विभागसुरमा येता वेरास्ता र्ला क्रिया वर्ष केर्य देसाव हेबर्यर मार्ग हैं निया में मार्थ केर्य हैं निया हैं निया हैं निया हैं निया हैं निया हैं शुक्राचाकारीया स्वातुत्वाता विद्यालया विद्यालया विद्यालया व्यव्यानेत्र वात्राव विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र व शड़िया वर भड़ियं वर मुनिक् क छिया। कर मड़ियं अ मुन्या मुन्या अड़ियं या मुन्या मुन्या अ

202

43 41

रशरीशस्त्रात्र्या देवसार्वेवररद्यायाश्चराहेरा द्यो होरद्यायाहिरमञ्जा द्वासुरा ल्या निया कार्य त्रिया कार्य में क्रिया कार्य के क्रिया के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत वि वरभित्रवारवाहतालरे वरवहरा वरिर्धर सेंत्र मुंतराणेर ता अअवेरि वेरियु वर्ष स्राह्में अंका के रहता हो या निर्देश विष्यास्तर के स्वराह्में आ के नेराहें अपकी नेराहें वा

1 सरस्य

त्येत्वा विश्ववाचेर्यते सुश्वी। सिंहाभेरत विराणविवा रिसेसेत वाराभेरानेसात्रसामा विष् हत्य्र सामधिते सम्भेण वा येदकत बेम विशेषाधे में के भेरवन सुर्वेव लाजेंच तहता. नम्भास्त्रित्या भेरत्या तो भीता वया स्वत्याहरा द्रार्या त्रार्य वर्ते के राष्ट्री क्रिरम्बर् यवा यम एसें तर्म सम्मर्भित्यता क्षेरयरे से केत्र से खुन्यवा सुर्धे दिए हों लाई गा विरम्पर्यवित्रव्यवस्त्रमार्भेर्या मेर्चित्रेय्रेड्रिसेस्या नेरेयलेवर्स्यमें स्रेत्वेव द्वः अरे हिल क्रिये में महिल हो हो है से से में महिल हैं महिल हैं महिल हैं के स्थान के स्थान के स्थान हैं के स्थान धिवकीव स्रम्भयम्भेया नार्रे तित्ये स्वित्वे व्यापित । रे सीव चेर्यु तिसी मार्गिया नार्यु चॅतें इव केंद्र त्र्योप त्र्येप चेदा के बेद हूँ अपयो बेद केंद्र के असूदे हूद हूँ मायवस केंद्र क्रेंभाणा विर्देशस्यायान्ति वर्रिक्याने में विविध्वानि वर्षे स्विधित्र स्विधित्र विराधित । क्री बारेंदर्शवामान्त्रमावें ने पूरम्या वेंद्रमान वाधवा विच्छात्स्य प्रिवस्त्रसेतुरा सवासेवः गरोर श्रेश्चरारीहेसु प्यर्थाया स्रेरेर द्वाचेर द्वाचार स्रेत्या सर स्रेत्या सर वी स्रोत्यास त्या से सरीयरा वर्षिकील'वर्सिन्न्यायाञ्चरनार्कोत्रे कार्साय देश्यी विवादेर्य संग्रीरावाल्ये सुर्वासायविवा वसक्षावदेत्स्य स्टब्स् अस्यसे अस्ति के अस्ति के अस्ति कार्य क्षेत्र स्वास्त्र कार्य क्षेत्र कार्य के देशका क्ष दर्गेत्रायक्रियां मित्रे द्वयाया कर्यया गत्र भर्मे त्वत्या सुर्ये ते कर्युकास्य तुत्र मा व्दरीय तस्त्र सुर्वाह्य मह्रा स्ट्रिंट्रें क्रानेक्रा में में रे. के ने में के क्रिक्ट क्रिक्ट्रें क्रिक्ट्रें क्रिक्ट्रें क्रिक्ट्रें न्येत्रम् सुन्यर्रायललहरासेता स्रान्याचेतीसूर्रात्रेत्वेर्यारस्य रेवस्त्रस्यारम्यारे बोलाबा किरमाशुर्ष्रयावयालासास्रेटते। कुँख्रिरनसाबाधयालासेरबोरमासुरी विदाल्येजीयमः व्यास्थायाहः भे यद्वीर्याते रयतः क्रेर्योरे स्ट्रीर्या अरवाया स्ट्रायक्रियास्य स्वारादिर्योराचि गाँह। त्यस्या भेरायते कर्तेत्राय त्यायहासा स्थल भेषात्वतः र वेत्रस्य सेरा व्यारम्य ये वेत्रस्य स्थि यान्यम्यता , वें से १० हेवाराष्ट्रसाम्य राष्ट्रमामामा सेंदा सर्वेत्सामिते वेवानी सारहिवसाम्यस्य सेंदा क्रुंभक्षण पहेंग्रम केर देशकेर यथा विस्ति पहेंग्रम हम्मा प्रति हम्मा क्रिया केर्या हिम्मा क्रिया केर्या केर्य

3 55.

ण एहरियम भेरा अर्वादर मुख्याय ब्रीरण हिरा दकी क्षत्र सुर अर्दे लेपेरा हिराण के स भन्नाम र्स्ट्रिंद्रमें अन्तेत्रता सर्वे सेद्रेद्रिंद्रिंद्रायात्त्व । सिवाय्नुराधेरायत्राक्रीकार्येका स्वस्रा ल्रास्यर्द्धं हो देशवान्य ल्रास्यर्द्धं सेन् विदेश्वयार्ध्य अर्थे अर्थे निर्मा क्रियेशे महर्तिक करा विकासम्प्रामा विकास कार कार कार कार के महिने के महिने के महिने के महिने के महिने के महिने के महिन दम्भरेत्रेरक्षे अत्यद्भाराता त्यायम् व्युर्थते म्यास्य व्याप्यस्य वार्ष्यस्य व्याप्यस्य र्णरामाश्रेषा वनसंक्षेत्रामाश्रेषात्रीतिक त्यान्त्रीता सर्वे वसायते हेवारसरायवसातर् सेवा । एसकर्भ। हिर एत्से कर्के लाया बार्व कर्त्र रिक्टर विषय में स्था वार्व से स्था वार्व से स्था

क्षेर्यास्त्रेरीयस्व ववक्षिया त्यरेणक्रिकी स्त्रुर्यस्य स्त्रेर्या वेस वेस वेस विरास तिवास्त्रिया णवी वाववासेती के द्वारा परेशा व्याप्य के त्यार पर को वा का के रायर प्राप्त मार्थिय। देव देव चेर्चिण की से सेंद्रेन्य व्याप्तर रहें लिया चेर्च हो दर में कार सेंत्र की यह रहे यह राज्येत व.ि.म.म.मेंद्रीरश्री द. म्रेर.विकातिमार्वेदर्दन ए.क्.मुवी चालव क्रायास्त्रर ए.टे. जा.मुवा चार्य स्वयस्य गुनालात्वीर्यत्री वृत्रत्येमाणात्वेर्यक्षात्रीता वृत्रवितासुर्यात्वात्रात्रीत् स्रीरतियात्रास्त्रीत पर्नेणर्स्त्रीय। ड्रिरेटरट्टरवाग्रेमत्त्र्यी वि.मे.यहि.विर्प्याण्यरेय ।भवएः एर्ट्याह्रे वि.संत्र्रे क्षी श्रिवाभरतःर विखेतरं तर्तत् वर्षे । भरारभभरतः भ्रिमः सुर्यः ह्या स्वारं ह्या मातरत्त्वा लर्र्या सुर्या सुर्य राज्ये देर् देरे की अर्थ अर्थ अर्थ कार्य हो या अर्थ हो या अर्थ हो या अर्थ हो । राज्य सुर् श्रीत्योत्वान्त्रीयात्र्यात्वान्यम् वीतिवाश्रीत्रियात्वान्यस्त्रीत् द्रभःग्राथस्य त्यान्यत्वेत्रा देशः मैलर्थार मूपुष्ट्र प्राथमहेरी वृत्रर्थार मूल्यां लाया लाया एक्र भीर मेर मेर वर्षे. पित्रोया हिर्ग देनिर्द्या तयर वर्णात्ये दर्भरा क्षेत्रस्याम् स्वास्याय वर्षे क्रीया देनिर लियाया थि। मार्विक्षेर्त्रेरा वेभाग्र्वायास्त्रातिवास्त्ररम्यात्रेर्त्वायाः स्थार्त्वायाः स्थार्त्वायाः क्री.ण.रमूर्थत्रम्भ.एक्ष्यं.तर्भः क्षेत्रमभ.विराक्ष्यःएक्ष्यःक्षेत्रम्भ.ण.। त्र्यःवेषात्रंत्रेरःक्ष्यःक्षेत्र क्रिक्र भुन्न-भुन्न भूर्य क्रिक्ट मुद्दे वर्षेत्र प्रमुर्यामा रमप्तर्र प्रमुर्यम् मुद्द्र मार्थः रियानर रतिया है. तार्थ, श्रीमानर ए. यार्थमा राज्या यार्थमा यार्थमा संस्था न्यार हु त्यार हु व्यार है. तार्थमा एक्या। दिस्मिक्टरमाष्ट्रमाहामहासामितास्त्रीतास्त्रीत्रम् इ.ह्मार्मप्यदेर्यायाच्याची प्राप्त्रव्याच्याय्या द्वायायाया स्राप्त्रे स्राप्त्रे व्याप्त्रे व्याप्त्रे व्याप् १ वे.मू.चीर.मैप्रेम्चेण.मूजा.मूजा.त्या.त्या.त्या.द्या.द्रा.मू.च्या.त्या.क्या.मू.व्या. तकारा या कर प्रथा देवर सूर्या से तर्शे वर्षे ब्रा दितरवर ता ब्रीरावास्यामा यदिरयत से या गारी भारतिया वासे रही हे हे हे दम्या या दे। हिरा केट हिंद क्वा क्षेत्र या व्यवदा सें किट हिरा हे क्षेत्र यह ते स्थार हिंद ही हो हो है. ण्यासी वर्षात्र वर्षात्र स्व वर्षात्र स्व वर्षा देवसा देवसा वर्षात्र स्व वर्षात्र स्व वर्षात्र स्व वर्षात्र स्व चरमवस्यातातात्वर्तातात्वरातात्वरातात्र्रात्यात्वर्त्त्यर्वस्यात्वस्यात्वर्त्वत्यात्वर्त्त्वत्यात्वर् त्रिमार्चा चार्तुमास्पर्य वर्षेत्र देश वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र विवारभात्रेयात्र रे.क्रिश हिर यहा सर्रेर ल्या महारामहामार हिर लूटा केल स्वार तर वरेर. येयकान ते हैं दे किया के केर ये ते किया है सेर वेर ते विवर योग छी ते वेर योग देश छी ये वेर हैं यहर की ज्ञालिका ज्ञारम हेला केर यहें ता यहें वर्षे जामता तरीर दुः यह र जिर का विके केर र विवर हैं विवर वर्षे व ब्रेर व्या क्रिय वार्षे देवस्य महत्त्वस्य मेरेर मास्य प्रमात्य परित्र क्रिय स्था स्था स्था स्था स्था इक् स्रेर्त्रेगाया हेवा क्षेत्र सर्दर्यावका मति खुरावर देते वर्षेत्र वर कर करेरी कुमायर देवियाया

वर्केरेरे.चन्नानमा देशुप्रस्थमा जिस्का सिर्दर एहिवामी स्ट्रां वर्षे सिकाववा नुर्ध राजा गर्मे गा वीन खेंब करे। दर मेर द्यार वर्ष दुर्ब कारे रे कि तिवा का वित्य के वाका वित्य दे वर्षे रेवा के रिस्म विंशुरको शर्द वेतायम विंशुर से हिररीर तर्वेश है माम कुर्द र प्रविच परिन्य स**्वेश हैर** AN देरदे क्रिंग यह सम्भे वति । व्रेंतुरदर यत्रव्य यात्री सक्क्ष्य स्वर्ष यद्य यद्य देरदे क्रिंग हेर दे क्रिंग हैर दन ७.५र्रे। त्रेश्वारी, वर्षुत्र क्री, कर्रे केर. क्या, मुत्रुम, भरवर प्रमाणकर क्री केर. देर. <u>ये ग्राम, व. व. ४</u>. सर्दर्भस्य विश्व स्थान्य स्थान्य विश्व क्षेत्र विष्य क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत <sup>2</sup>পর্ব্ব'থ'ঝন্ত' वरुत्युष्ट्रस्ति वर्षे संस्था अवस्ति । क्षेत्र हिस् दे । क्षे सुन्ना सामि सुन्ना सुन पार्के नेदस्यामा अमिमी मिद्धास्यस्या भवकेवर्क्षरस्य प्राप्त में स्था योवकेवस्या गेरसा त्युक्तेव्यर्ज्यस्त्रेत्यं स्था दमरसेते स्थादरत्या वात्यस्था दमेरियस्य वात्रस्थाते। भोना रस्रोक्षायुरितीयस्थासीत्य्वयाद्वा । स्रोरायरे त्वेति देवादे तस्तरस्के। स्ट्रासर्था स्र देर्जिरवससंरा अवॉरसरेस्यस्यस्यस्यस्यस्य स्रित्वेसर्कार्यस्यस्य स्वित्वेस देशःभ्रत्यतहः त्यम्या भ्रीराक्ष्ये भ्रीराम्धेशासी द्यात्या । द्राक्षेश्यायती भ्रायात्रीया । द्यायुवा क्षेत्रक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक 3 महिन्दा | क्रिया मुंबापरी बारवाकुर्द्यामा पर्वार्थ्यरात्वा । पियारपाम्य विषाप्तार्थिक विष्यात्वा अवतः के तर्वाके स्वाचेरा देरेर हार्रा व्यविष्णा होर के रेव वार्रेर वर्ष राधरा रे तथरा र्यमास्त्रे राष्ट्रमासुर हिर हुर। दब्रास्य श्लासर य गुराने थारेर। दस्ते सायुर्गे वार्चे मारा स्थास वा वनवर्षर्भित्वसाविकार्गरात्वा रिमेन्स्य वक्षिमान्स्य रिसेम्स्य द्या अयने सेरवसर्वन भेरत्य । दिसेत्य प्रकारका अस्ति। वद्या वद्या वद्या वद्या वद्या वद्या वद्या वद्या विकार विकार विगीन्ता। र्मुहे वकाविर व्हार के व्हार के वहरत्या स्थर। यह की हरे के राम के माद्र मेर् श्रीवव युव ल्यान्यान्त्रियम्बर्दरा विजासम्बर्धत्वात्वयसम्बर्दरा देवरेल्यद्वात्वात्र्यसम्बर्धाः श्री:यवा १ र्गित्रिक्षके वर्ष्ट्रिते वीर अर्थन स्तर्भन्तर प्रत्या एसर पर्वेश स्वामन यहिया पर्वेश पर स्तर स्वासिक्षि इस्स्रेयभेर २ स २ इर १ दे हो में प्रेये प्रेय वा वा वे मार्थ है स्थान के स्थान है स्थान है स्थान है स्थान है स करक्रेर लेर नर्। नरम नर्सेर् केर्य मान्ध्वा लार केरे माने गता होर हम्मार के से प्रमार केरे क्रावरिष्ट्रमञ्जा क्षेत्रमहिन्द्वा है। । । । मुशायायायित्यामेरेरा क्षायायायित्यामेरेरा भूतेरा असमग्रीतरमार्यः दीतर्यस्यार्था दराहिरस्यारस्य मार्ग्यास्यार्था कामस्य वर्षेत्रात्रस्य कता करते तथा दर्वे तथा दर्वे विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व द्यानेरी वहप्रभूष्ट्रम् में सूबार्य पड़ि.सु.सी संस्था स्थानीय विषय में या मानीय स्थानीय

सर्वेरन्वरात्विताल्या क्रिक्समामालक्ष्येत्रेरानेमवा क्रेक्ट्रव्यात्मित्त्वमालद् क्रिक्स

वाल्य की सेराध्याया क्ष्याय वक्ष्य कि में ताला है। के ताला माने के तिराधित विकास माने के वितास माने के विकास माने के विकास माने के विकास माने के विकास माने

वक्रद्रश्ची वर्ष्ववायावावयाप्पद्र। यथा अस् वायेद्र वायेद्र वो अदेवा । स्राप्तिदेवातयद्यः

5ते'व' दूद' 

(250,000,000,000,00)

भरूत्र । भी गर्याय्यायद्वायद्वार्था तुर्वासानदुर्वासम्यात्यात्याः स्ट्रेश भिर्त्वपुतित्राः । वर्ष्ट्रासान्त्रा अ.स.त्यारत्त्रात्यायात्या ।स्ट्रमानदुर्वास्य वर्ष्ट्रसानपुत्यात्याः भर्र ग्रमुसर्थे । समर्र समर्र स्थर्र सामर्र सामर्र ग्रम । हर ये ते त्यम लर्म ग्रम्भ ग्रम स्था प्र बुर्वित्र्यस्य वर्ष्यात्रवायवा। रवा कुर्वित्रम्वायवात्रवात्रः वार्युत्र। रयवाद्व्यत्रः प्रत्यान्त्र्याद्रवादरम्यास्या क्रिट्यतिकारीयात्र्यानास्यादेश देवस्यानास्यदर्भाग्यात्रे देरत्रुवक्ष्यंभवत्रक्ष्यास्तरेर। गर्हेर्क्षयेववर्षेद्रवालेंग । द्वातरे वर्षेतर्भेतर्भेवा केरवा र्युरर्वाण त्व्यर्यस्र । द्रसेरर्वारस्रिते केंस्य । सावि गर्भेत स्वेत ति वि क्षस्र्वार्यरायद्यानस्रोता सारास्यास्य स्वर्त्वसार्वे सार्वे सार्वे नाया रेद्रमावायद्वे कुर्धे । वेद्रमावायद्वे कुर्धे । वेद्रमावायद्वे कुर्धे । वेद्रमावायद्वे कुर्धे । वेद्रमावायद्वे कुर्धे । भी स्त्रीयद्वर्ति देशवा लिक्ताला त्वाचित राम त्वाचित राम के देश के स्त्री मार्ग्य दिवा वा लह ने देश स्त्री वा न्त्रमा त्रमावतः मुद्दान्तातात् मृत्या क्रिक्ता क्रिक्ता क्रिक्ता क्रिक्ता क्रिक्ता व्याप्त अवस्था विद्या क्रम्यान्त्रमा देवसायम्प्रसायम्पर्वाक्षमा न्यामेत्रिक्षमा निर्मित्रमा सेर्प्या सेर्प्या सेर्प्या सेर्प्या म्प्रिस्र वर्शेर् लूरी इरवालरण वर्षर राम्य मान्न हाला वर्षर वालर सराय रखें. वतिर्या निवतिस्त्रित्वर्रित्यर्। हिर्पकेष्वतित्रुक्त्यायः हैमा त्रामस्तरे देलः त्रां वरित्या स्रायम् स्र्वारक्षे वारिक्रम् एक्षे म् छेरा हिर्म क्री वर्ति वर्ति स्यायाया छेला हा । ब्रह्मते ब्रेट्सर के वर्ते दुस्य हरस ग्रोसेन्स्य के रहे हो। हर सम्मान ति वर्षे वर्षे याद्येशा देतसाबरणात्रों यते दुसा हर्द्या हर्द्या हर्द्या हैना देना देन देन विद्रात नेता प्रमासा स्था हर रेण सम्बन्ध्या देन ने हेण सम्बन्धिय सुदेन मत्येदा देहें हुल में ते ब्रेन माल होंगी त्रेयान्यस्यायम् स्वात्त्रस्यात्रस्यात्रस्य विष्यम् स्वात्त्रस्य स्वात्त्रस्य स्वात्त्रस्य स्वात्त्रस्य स्वात् चर सदेरदेनार वें मही हेया एक वाय यत हो ता वेर हि कर देरेर देश देश र धर र देरेर क्रराक्रियर्रास्ट्रिक्नाव्रात्मात् वृद्धः यर्द्द्रियर्ग्ययम् वर्षात्रायम् स्थाप्यस्य प्रदेश्या चएरदस्यमा जिस्दे में अदर क्षेत्रा पर्यं वर सर्वा च्रम् में बें हो यो में वर्ते में वर्ते सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे वक्षेर्यमाक्रुतार्येत्रिवामात्पर्द्ररतर्त्रेत्रताध्वमासीर्वेरवात्र्राह्मसम्बन्धां केर्ह्या दक्षेत्रयुषाः तद्वा धरावादेन विद्यादिया देवा विद्यान विद्यान यो वि देशदेशकी विष्याच्य केर्य देश वागेय संवास की दसर वरुत्य विवासीया मिल पर के दर तम है पर पर देश उर्तान्त्रमात्तरवस्त्रभावात्रस्या दरद्त्रीताते स्ट्रापा देरवार क्वायात्रर हर्द्र। मायकः पासर्भा धरगर्थे व्यापा स्रद्रवस्य स्रित्वस्य स्रित्वे स्रात्रिवसा वार्षेत्रत्य वार्षेत्र वार्षेत्र विक्रिक् म् संस्थित प्रतियान्। परेवरे सार्वर राष्ट्रीय वाष्ट्रेय प्रतिस्थित वाष्ट्रेय प्रतिस्थित वाष्ट्रेय प्रतिस्थित दर:सावत्बेंदिसेवाना वारहेर् सुद्धस्य पहिवास से धेर्न अवास वास्मरी से रेनेदन से दे गर्भरस्यतास्त्रर द्राप्त्र स्वामागर्भत्त्र से से देत्राता ते वे गर्भतास्त्र से प्रमें में गर्भा है। वे व त्रित्वादत्र सेद्रा विद्यास्य से स्वाद्य विद्याद्य विद्याद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य से अवस्थाता सर्वारमारक्रामका असेरा अरार्वेसायुर वी सर्दामें प्राथते र्सेर्य्यायार

20G

12 = 59/

केतरा देरिकेस्प्रदेशकानामानानानाना नितान है। स्वीतान है। स्वीतान है। स्वीतान स य्याल्या है। है। वेर्याच्या है। है। विक्रा है। वेर्याच्या केर्या है। विक्रा है। विक्रा है। Folmoon द्रमर्गमणातूरर्ज्यमाग्रीराज्या कर्णमञ्जूनीस्राज्य स्रिदेशाल्या कृषान्त्रास्त्रश्रीयायर मेरा वेसम्बर्गरवरकी सूरवरकुर है। देन सम्भरकेर मेर प्येन परेमा कुल पे विरन्द कुर्ग भेर क्रेयवाष्ट्रवायाद्रेत्र्र्याय्येर्वेव्याय्यात्त्व । श्रीरद्यत्यद्र्रिद्वाय्येर्व्यायायाः इ.दरा तुरत्वीका एवर जमा कर मुक्तिया एर्ये । एर्य सेर मियर आनेर जरा की ला जिरवसेर क्ष्रावयावदःस्त्रीतः वायवदःदेदःश्चित्रावययः तः सददः स्वाः चरः देने चायद्वाः स्वाः त्वेषाः वायव्याः वयावर प्रतिर हिंत है। वि. प्रत्यात प्रत्येश प्रत्यात है स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान क्रियाचे सदर में त्यदर सेत् हेस् वाल् केत्रसम स्वास्त्र ना सेद समेद्र ही द्याय वर तर्वे ग रेदर अर्थेश् म् तर्रोताती कुल ये केत्ये सार येव अभीर देर देशी सातरें भी तर्र साम येव अपना भार देरदेश्वराधरात्रह्रवस्यवगार्यात्रवाह्यात्रवाह्यस्य यति अवसादाह्यस्य विद्यात्रियावास्याया कृत्यायेकी धि सर्वेत्रित्रे व्युत्रस्थाते स्थेद्रत्ये व्याक्षत्त्र दे द्रा दे तदीस हित्सुत्य स्थानेद्र वस्य विद्रह्दवगः द्राध्ययत्रवेदर्वीद्यरद्रस्थेवस्यस्याक्षेद्रवीवस्वयःयाक्षेत्रवेद्येद्वद्येद्वस्य स्ट्रियःयस्य भिष्यस्तिरियातिर्वात्यस्य तस्य वत्यदेस भेरा देशेतर्दर्वति हेर्से केस यासुस्या कृतार्थे रे भूरदर्गेद्यकीरा क्रद्याय दग्राय ये ते भूत्राद्य तिया तयद्यत्यादे दे दे शुल्य मेर श्रुवाय विदेशी। िम्पायतः वर्षः क्षेत्रियः स्पर्वसालिया देशवर्षात्वासा देशवराताः स्टर्स्सार्वेद्वसः से स्ट्रांसा स्वस्य स्ट्रालिसः अदर उद्दे देश दिस्स य ववरा सेवाय की संझे यस लु भ वासे ता तदेव की स्ला कर सुवापन दे धरकै सीसर यञ्चरा देरकुल येंब्र सेन्ब्र नक्केंद्रीता द्या नद्दु द्वेश प्रदेश होरे बीद्य ग अर्र्येक्स वर् सर्रियव्यायम संभित्र यह निर्वेष कर्या के निर्वेष करा के विषय करा के निर्वेष करा यमत्त्रीर्श्वेस्त्रुव्यार्श्वर्षार्श्वर्षार्श्वस्य भेत्रुप्रवार्श्वेश्वर्षायत्त्रीवे श्रीः वालण्ययः वसा तेर्द्राप्त्राचे तेशा सुत्रील एक्द्राय ते सुर्धाय वात्र के दे द्राप्त तिया लवस वाक्षेवसा सूर्य वश मनिवहे र्रदरमस्रक्रात्सर स्ट्रिक्स स 4र्ड्यूवड् स्वापरे स्वर् त्रस्यका के अहे येह के। को स्वाशाया शाय देत का पाशाया विरदेश वधी मुलेव मन्द्रमें वर्षेत्र वेद्या द्रभाषेता वर्षा कृषि भाषे द्रभाष्ट्री का द्रथ के मादे व में द्रभाषेत्र न्युव:वटः। जुर्व:वाचेवा सर्वेवा रजातस्त्रेते रसुर रस्क्रियम् मुर्हेवा सर्वरेश्वरेतिस्तर्भस्ता त्यूरण्या रहेर्या देशस्त्रेता यहवर्ष्य्यायमञ्जाल्या देरमरत्यायसमञ्जानमात्रमा स्वानमञ्जूत्रमात्रमा स्वानम् वर्षेत्रम् रब्बागरेरा रदररद्रसानेसता नातसन्नेज्ञानेद्रत्वरचन्त्रा कृष्णचेद्रसदेद्रस्वासावरदर्ग से श्रेयदेश्चेर वहरावस्था अगमानरतर्गे सदेरांगे रहेश्चेरवीस यह वस्थार सँग सँग नगर यक्त मात्र स्था द्रार्शियसी सेर्पे हेरा रें विवेतक मायस केर द्राहेरा देश सम्मित्र स्थान दिरमद्ग्राभ्यत्मक्रम्यतेष्य गामभ्यत्मग्रीस्तिह्यभ्या वाष्युस्त्र्र्यक्रम्यास्भेदा वार्ष्यक्रिर्या ग्रेभरक्षा त्वेरास्त्रेपुर्यप्रस्ति स्था रस्यात्वैक्षेत्रात्रे स्था प्रमास्य स्थापा प्रस्यास्य स्थास्य

मार्क्ता क्रिस्ट्रम् इस इस के विद्रा हिर्द्यान एक तियास है सबस हरसा रव तत्र के हैंने

foundation

इए ब्रुट्यर्याम्या जिमात्रम् एवर्ट्यात्र्यं स्वित्रक्रियं क्रियं म्हार्यात्रम् विवाद्यात्र्या इ.सेव.त.एक्व्यवाधवत्रात्ववत्र। चलत्रते विर्तेत्वेत्वेत्रवित्रवेत्रा दर्भवश्चित्रवद्या सद्त्रप्रवेर वृषार्द्धेवश्चित्रवद्या द्वासेद्रप्रके द्युव वास्त्रवद्या द्यार्के त्या देर सुन्गस्मा नग्ना सेर्गावसहरसर्स्न्र्त्त्त्वा स्रुत्तरा स्त्रार्भार्भर्नेतिस्थला वेदवेवालप्यास्य इरद्रल्वेदा सरके नेसर्व्हेला दसवाधेलद्रसात्वाह्रवाद्वेता श्रीरसेरत्त्वकृताचे व्यवस केथ्यरा गर्रेर्धुगत्मईगरुरधुरक्षासेता वृत्यत्हेत्रकृध्वेत्रत्हेत्रद्वरेता देसेवर्जधंदवेषः सर्वाकी स्वास्तान कर्ति के स्वास्तान स्वास्त्र के स्वास् रहरू लेवी मैस्यह्मादेकाधितत्। सरशिरदसमाईसामर्शेमार्थमास्यास्यान्यास्या श्री महर वरी मूब्यताता. न्यसार्भेर स्रवसा तससूर होर वे अवस्त्रवीहल वे विरामे व्याप्त स्वाप्त के अवे त्यायुःहेता वित्रा देशकेर केवावहरात्रे वर्षेत्राशिषवर्षेस्र अञ्चित्रवार्थं भेत् यदि अरक्षेद्रस्या अरक्षेत्रस्य ही ये वद्रस्या दवर क्रेव्यन् विता स्रेत्ये स स्टें ग्रेंप्यन स्वासी स्रेत्ये स्वेत्ये स्वेत्य क्रिया ग्रेंप्य न्यस्ति र्श्वेतरो प्रतिकृत में अक्षर सूर स्था एर वस्रवायाय से गायर वारत हैर है हा तरे हरण में जियह दे दे हैं। । की श्रुवाय व तीर त्या में देरा स्मात्य व त्या व ता व ता ल्यर चल्यान मालत्या में माल ल्या में माल त्या में यदे यर सुसा दिर विद्युत्य हुं माल तमा सुरेत्यम् द्वेत्द्वेत्त्वमाते। सावत्र्रेत्व्यक्षियं विष्टातसा सर्वे वासहेर्यक त्रेश्र वे वावावा यतदेयदेयदेयदे। दूरप्रायत्मत्यस्य सुग्येदेश दर्दरदेशक्ष्यता वैग्रद्ध्वस्य स्था वृदा किलान् त्वापरेकरतत्व्रेर्ध स्रम्रापवंपक्षे छे स्वावाय्या प्रवेषाक्र्रिके कि त्देत्रग्रुसा विंदुर्हिर्हि वित्रें यती सेत्वता वेर्र्यर खुरम्त्रा गेर्स्य खुर्मे वेर्स्य खुर्मे शर्ररावृद्धः म्र्स्रात्र्वत्रा बान्रर त्स्रिय प्रक्षित्य वार्म्व स्था विश्वत्य स्था विश्वत्य स्था विश्वत्य स्था खरापरी पररीरमभूरकार्जयंत्री जन्म्जीलम्भभितापरी जलिक्रेय. कुट्या इस्रा क्षेत्रक्षेत्रात्रहेत्रात्रवानात्वा वर्रायाञ्चा म्रामानात्वा देर्त्या देन्या ्वकृतिके तर् विस्तरस्रिदेर्युपारोते रयासर्वे विकस्तिस्तुत्यक्षर् देत्रसर्वे किला मुख्य केरगर मुख्य अरचस्य कर अप स्वास्त्र कर मिला मिर मिर किर कि मिला भ्रम्भ्रम्भ्रम्भ्रम्भ्रम् । दिन्नम् नर्भुर्यः भर्षर्यः वेरत्। दर्गम् वे भ्रत्ये विष्णः श्रीतिक्षेर्द्रात्रम्भा विमायमद्भायते विदेशकात्रम् । द्वीयद्रायात्रम् त्रूर्द्रम् लेवा सक्तर्श्वल श्रुवेनार श्रेरिन्नेसा नाग्रेग हराना वेस्तर सामाना करें। वर्तवावस्वित्यसीविद्देशा द्रार्देशक्रास्त्रेर्यते द्रायते द्रावास्त्रासीसे व्राय्येद किर्ि देश अहतास्र सिद्धान पूरा द्वा अहेती तर्द्र तकर देश केता देवसम र्वे मेर्निया सर्गे ने स्मान्तिया सर्ने नात्रमा सर्भे स्वामान्तरे स्मार्थेर इ.जर्षयंत्रक्र्याक्त्रम्य दिव्येकत्त्रकृष्णकृत्त्वा एक्ष्यंत्रक्ष्यक्ष्यं क्ष्यंत्रक्ष्यं व्यवस्था

25% ्रियास्या रक्रास्त्राद्रतेस्य विवस्त्रा सर्पाय वार्त्य वार्त्य वार्त्याचा विद्रास्त्र रही ते वेद्रेस्ट्री विवासी सार्वासानावसद्या वेपरम्युत्यद्वसारियाः तरवत्रद्र्यायुतासर्वेषद्वस्य देलद्साश्चल्यस्य त्रारा अहाकितान् वितानान्त्री देपर्यात्राचिताव्यक्षा दूसान्दर्यक्षितात्रह्रमानदर्ग सह. यम्भें भेर्य मदरा देवक्षं कुल मेलेरकेत होता सेर्झेन्य तूर्य वेद्र्य स्थित स्थित सेर् 28901 स्रुवाला दरद्यम्भूतिः देश्ववास्तवद्वायद्वा देलद्वस्तायस्य लेबद्वायायद्वा हिस्यरस्य स्त्र्वः स्रभेरा देवस्र मिता त्रातितितित्वेश देश हिरधिर जनत्यवा एदी विरश्यात्रिया क्रेबिक हिंग द्रिकिल जुरु वैराम ल र धराया श्रम राम केल जुरु विराम ल व वर या मामिर मह 3 सेगरा, उहिराभावण्यभावत्रभाद्यमाञ्चाद्वाभाकाम् सुर्विद्वीद्दिन्यभायभक्ताय्रेशास्यस्त्र र्दिन्द्रिया क्षेत्रक्षात्रात्रेरतिर वर्द्वरेश्वेश्वर्तिका क्षेत्रक्षात्रात्राध्येरत्या वर्दापद्दिक्ष यति दरव्यक्तियार्थे के वार्ये के वार्ये तार्ये वार्ये वार्ये वार्ये के वार्ये के वार्ये के विद्या के वार्ये के विद्या के वार्ये के विद्या के विद्य य'गरेग'एर'संभुर। दसमाभे'याकेर्यस्तित्तातं वेत्राचाता सेमप्ररा कुलाईविद्वा केन्द्रभःशित्रग्रभारतारी तातुरवारी नेवायमे (वारात्या देरक्रवायी मेरे स्वार्थि स्वीयरे क्रिक्रियास्त्राम् । वर्षेत्राचरक्षेत्राचरीयस्त्राचरम् । वर्षाच्याप्ताचरक्षेत्राचरक्षेत्राचरक्षेत्राचरक्षेत्र र्गरारेन तर्ग । भराक्रमहर्भाय में क्वीसर्भात्वार् विष्यंत्रात्यात्वार विष्यंत्रात्या इ.१. लदभ्रतामुमा इतार् ते त्रामाता साता त्राता त्रामाय यह यह वात्रा व्यापि स्रोर देग्रास्थास्य सुरावरायरे प्रमुद्धार्या क्रियह देन हैं। । । से सुश्राण श्राण श् राज्यादेरी काजाकाजात्वराज्यादेरी स्वाकाक्षात्वराष्ट्रमञ्चर सुवर्षेत्रे वाकान्तरे वरता क्रिक्षेत्रभूवभाष्टितेर्यात्रा रिविकेत्येरिविरस्परता वयाववरातव्राव्येत्रीया यथा दुन्दुरक्षेत्रतिपुत्रीक्षात्म होता यायसहितार द्विष्यास्यायाता स्मान्या देवाल्यावरः एक् वर्ने वर्ने मान्या द्यामासान एएक् वर्षे वर्ते स्थित कर हित्य वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते वर् भवाकतःत्व् लालक्षेत्रत्रेत्र्व्यास्त्रेत्। नलक्ष्यराष्ट्राच्याक्षेत्रक्षर् द्याद्याखेत्रस्यस्त्रेत्याद्रा सूत्रक्ष यवरर स्वयक्षेत्रभवतः राम्ब्रीयवरर विवयम्भवतः वार्यर वार्यर वार्यर विवर्ष यवर्रासेर्वयवा वर्त्वयम्दर्वा स्ट्राम्यर् महत्यावायवदर्द्यस्य स्थित्रवस्य क्रिअ'य वैरमन्त्रेता क्षेत्रीत्रव्यक्षिक्रम् स्वायवता द्वरक्ष्णं मृतुक्र्यात्रात्वेरी डिरानर क्षेत्रावता Tongs. स्विर्त्या एडिलक्षीववृत्त्यं वर्ष्या रेश्मावाली मानित्राच्या स्वानम्बर्ध्या वस्ताया वार्णवयातह वर्षेत्रप्रयाच्या नेयसे स्याय वेर्स्वयायवा स्वाययप्र क्रिक्ट खें अभा वाल्य मार्ट्य केर त्ये वा साम क्षेत्र Tong of Coral. याभर सं भर ये तसरा याण्य मार्यहें वहर याभर स्रायस्य स्था याभर सी स्पूरी सर्वा वे प्रवा द्यालक्ष वृत्ति वृत्यर तस्य वार्ष्य मार्ग्य मा दरा देर्न्द्रकेशवित्रक्र्यम्यायक्ष्या धर्रवयाक्ष्यायम्भावद्रा ग्रमम्भरिद्वियोद्यायकः

यत भेरा द्रावेकत मीका नाम वर्षे वासे र हो कत मीका हो समाव के विस्ते कत मीका

वसक्रों सुम्मेर्ये रत्त्रिम हरवर्त्रों चरमूर स्वामात्राध्यात्रा त्रुक्षेय्र सेर्ये पहुंबना सिर्दिशक्ति के प्रत्यक्षा स्त्रम् स्वास्त्र में माना स्वास्त्र में स्वास्त्र में स्वास्त्र में स्वास्त रेरी क्रियमवनिरहत्वीमसूर्यक्रिंग रेजिरतकसम्मिन्नेस्सरियोत्सित्सील्येर्तर स्वसानिर स्वसंपर्वे पर्वे देश्वर में दे विभक्ष माना संस्था रवार पंचा करा पर्व समूब द्रात्मभन्यत् क्रिंट्रविर सुर्य क्रेट्रक्ष्याय सक्ता के त्ये त्ये वे वे वे वा विष्य के वा विष्य के वा व दरम्बस्य स्ट्रिमिने भे भे सुर्वास्य सुनि देतरा हादरबस्य सिर्मिता वर्वा भे सुनिया वर अजीवर्ध शुर्हे एष्ट्रेल भू में में श्री ब्रूर किंद्यु जिस्स लेवा येवा में बाल जिस के किंदि अवसा र्गर्भेर्भेर्स्य स्वाय संस्वायक्ष सेरायक्ष्रिर्भरीक्ष्रेरी क्ष्रायक्ष्रियों क्ष्रायक्ष प्रदर्भार विवासा देवसंदर्भाय खेंचाय छते देवेदसा सक्षे तर्वेतिव वर वर्द्ध कर देवसा छर रीसक्षेद्रतिका नरवासुद्रक्षये व केद्र े त्या ता हिद्रुक्षा ता ता सक्षेत्र वा ता ता सक्दर कार्यक तास्त्रं तियंश्रेता तात्मा वर्त्रे वर्त्रेश्चायात्र त्रेश्चायात्र दिन्ते वर्षेत्र वर्षेत्र वित्र हित्ते वर्षेत स्त्रिव देश्वय यहे तिरही रक्षर्र थेवमा देव पूर्य श्रेष्ठ ता ये देश देश है वर स्थित या हार थे ते व ये सु के क्या के स्वार के स \* चेर्श्याभेकाम्पर केंत्राधि । तायब्दात्राहा विस्<del>युक्त देत् वेर्श्या</del> सद्दर्द ता मानवारोति त्युर्वसूत्र शिमा हार्रेरियार्य हा नातमारे अदत् में दुवा वृत्य मेर बेरा देवात सेत. चे वेर्द्यापापर्वेसर्वे भेर्वे द्वापर्वे दर्भवस्त सर्दर्भवस्त सर्दे वार्यापरे स्वास्त्र वार्यावर्ष कैंसर्वेसर्पर्वेगः । देसवासुरमः यसः होतं येर्षण ही धेरला ह्येर्र्द्र्यस्य होते । त्तरवर्षेत्रं वेरामुन्द्रारी कैणानु तुः लुवानमा खेनावेसाम मूर्य केलानुस्य विद्याना त्या हेर्नेर्द्धर पर्देर पर्दे र पर्दु भारत सर्देश्य विश्वास प्राथ पर्दे स्ट्रेर भेर भारत स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स यक्षीरवीसासर्हरा देनस्ट्रिययद्वसार्श्वसासूयवी हार्रेररे छो ॲरास्ट्रेस धीना स्वासी स्वीस अंत्राच्युसासार्द्रवायसार्वाद्र्यद्रद्रद्रस्यसार्वद्राक्षेत्रस्ति वेर्द्रयात्त्रद्र्ये क्रीक्षेत्रस्त्र त्रअधियरश्चानित्र कीर्त्रविश्वन्त्रमा क्रियंत्रियर्था विश्वनित्र दिन्दि रियमाञ्चरा ये विकास मिल्या रिस्सियामा रिस्सियातमा स्थान स्वरहर शहूना दर्रिय स्वरम् मिन्द्रे विश्वेद र मूला देश हिर से स्वरम् स्वर्थ है । के द्वार स्वर्थ से स्वर्थ है । श्चेत्रकेरा त्रिमानदरमदरात्रप्य स्वामावरद्वराष्ट्रप्रकृत्यात्रक्षात्रकार्यक्षेत्रकार्यक्ष नेमा लेगवसालर लेम्बर् होरप्सकी अर्र्वरक्ष काक्ष काराममा होर प्रते परे देर तहर वी रगर भें वाभव विस्कृतवार्वि दिन्य भेर में से भेर में स्वर्थ देन स्वर्थ देन स्वर्थ देन स्वर्ध द्वायस्यातकात्रवा व्यवसायुर्ध्ये द्वारा द्वारे द्वारा प्रद्वातका व्यवस्था द्वारा व्यवस्था द्वारा युर्जक्रियाला रत्नेत्र्यूर्रद्वयात्रायुन्ययायम्भक्ष्यात्रस्य रवर्त्वया विरम्भवावनः याद्वर्षाकुर्यर्वरत्या नेराविताक्रियासायक्षेत्रत्रेराक्त्रा दरास्त्रात्वराय्वराद्वराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा

युत्प द्येमा सार तर्व में सेर प्रमा । द्या सुर केर केरा हैन सार विकास केरा सार स्व केरा हेर्नश्चरातियाताश्चेर्न्य, केंद्रा केंद्रश्चित्राता प्रदेशमाता परीता भरतक्षिक करा के केंद्रा से त्या न यायमान्त्रान्त्रत्त्रात्मानात्त्रम्यात्रात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम् दर्दाविषा संस्थेरेत्ता विद्योद्दाना द्रमतवित्रेत्त्रात्मात्व विवर्दत्तु व्यवस्थिक न्याया भूतः तथा नेत्रिरं कृतियाया तथा तर्मे कृतिस्य वास्या वास्या यात्रिरं तरा व न्याया वास्या स्थ्या वसार्थरक्री सर्व स्रवसार्वेदर्व मेला सर्वेदर्व गरमवा गरीसर्वेदर ग्राम्ब्रेर्व वास्त्रेत्र द्वाना अत्र द्र वसा स्वाप्त देव अत्र द्वार द्वार क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप रेवेल अत्र द्र वसा स्वाप्त स्व र्रास्त्रास्यस्य अरत्वारीस मुद्द्रस्य स्वयं स्था वार्यवा विति है त्य है वस्त्रीद्रशय विविधिया पंलुर्नेला एकुणायमा विस्टितिता ब्रिस्यामा हिराएक्टरविषाकुमार्द्दक्रियाम यसार्ह्यूरापा वालवः (बर्वर्वर्व) व्यक्षकार्या व्यक्षकार्या क्रिक्तिकार स्वत्यकार स्वत्यकार क्षेत्रकार का क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क्षेत्रकार क् स्यायक्रीता द्वयाव व्यत्याद्वात्याद्वा स्थाय एवत्याव्याद्वात्याद्वात्याववया त्यायावेषात्र ह्वर इर एहेग्यान ए स्वा होरा हिर वर्त्राता रायर स्वर्र से यह स्वा यह दूर्य प्या स्वर् रायस म्पार्गर्भेत्रभूपार हिर्प्तेरा मृपार्गकेत ये तो वायायाया या या रामिता र विका हिर्प्तर वास्र्र त्रक्षिर्ध्वरूर्वावयान्तर्वत्राच्यात्र्यात्र्यात्र्याः श्रेव्वर्द्धर्यत्रद्रमुखरचीयस्त्रस्त्रेश्वर् वर्तित्यावर्तिवासः श्वरः वीहेशः सर्गर्शयस्यो द्वा दिक्ताः में श्वर्यक्षे ।वर्द्याय्वर्रायाः वरद्वस्थास्येवसार्धे स्दूरश्लेषा्वीदायरेणतुःसहदादवीत्यत्तत्ते करत्वाचरा कृतार्थेरीव्यामः लस्यात्रक्षात्रक्षात्रक्षा ग्रम्या न्यात्रक्षात्रक स्वावस्यस्थित्से राम्यादव्युत्रय्याच्यायाचे भारते हा हर्मे स्वायायायाचे वेवाधेवा विकार केरित्यु व त्ररामेरिक्या अरिवयम् अति विरावसा केरा वित्र वेता केरा हारेरा स्विति स्विति केरा र्श्या स्वरंदर्भ में त्या प्रत्यक्ष स्वरंदर्भ स्वरंद्र स् योर्देवना वरदेर यह सेर्दे देवे स्टूर्यू देवे स्टूर्यू देवे सेर्द्य केर द्वे केर विकास दे हैं भी सेर्द्य केर शिक्षेर्र्राधेवा गरेराव्यक्रित्यर यसेंगि हिर्देशहेंदा सेराह्येंगा शेराह्येंगा सेराह्येंगा से स्टिंग हिराहे व्योग के में शिक्ष तिरित्रां सुर्दरमा मी द्राके वा में कृषात्रसा तूर द्राया विरिद्वा सर से दे किर से वि यो के ता स्वास्ट्र यात्रेवकृते व्यवस्तार्शी मुद्दारायरे त्यर त्रास्य के कि के के कि विकास त्यरकालात्रेरा कातालालात्रात्यात्रात्रेत्रा द्वाप्यस्थित्रियात्र्यात्रेत्राराचे सिन्देत् चर्याहेका यर हे विचेर अर अड़िवक केवग मेर सतरे रू रे शक्षेया रे रे रे रे या प्राप्त के विचे स्रीर वी दास में वास्तव सामेरा सूत्रा वी दार को सम्भाय करेरा पूर्य स्वा के निका सामेर किरा हो। त्री क्रुर्रररर्भ्यायेकत्र हिर्तिस्रात्र्यात्रास्त्रकाश्वास्त्रकाश्वा विश्वकार्त्रत्यात्रकालां विश्वकार् ल्या श्रीकाश्वाहिता हो तियर ते त्या हो त्या स्वापित र्यंत्र स्वास्त्र र्येत र्यंत्र स्वाहित्य वित्र स्वाहित्य बर्यकारात्री से अरए सर कर कर्र केरा मारी बहुर मा अरह से विश्वेद केरा में ने का कर कर केरा है।

看到

52131

669

गित्र अविश्वास्त्र वित्यक्षिण स्ति । भारत्य वित्य व द्वास्थाना भेद्रिया है देश दिने के अरी बहुद कराया स्थेते हो द्वा साम्राह्म रहे र तरी बारदार वा सा अ.चु.एर्नु.कि करेरद्रचेरवजावपु.सुन.एष्यायाना स्तु.चूर्यप्रमूर्द्रयात्र्मेत्रप्रत्रार्थार्यात्र्र्यात्रम् श्चरपक्ष्या हो या स्वायायरप्रायस्य मिया मिर्द्या । दे सुरक्ष व्यवस्तर् हो ॥ दस्त्र में स्त्र स्वर तक्ष्म कर्षेत्र के अभेर नस्वर तर्र मा वित्र तर्मे अविर तर्मिश्र विष् रमार्ह्याचे ते से प्राचित्राया के या र स्वराय्याय वाहर तर देव विस्था विस्थातर उद्यार मार्श्वमा दसर्यान सर्पः स्रामा क्रिया का के ते स्थान का विकार सम् तर्दर्वहें अत्तर्वादिया देशब्रिक्ष्राहिदरत्द्री देववार्वः स्तिविद्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र सीता बी वधु पु, मरें वे कारी पहुंची बेटरवी जुनु मक्षेत्र में मुन्म मिला वार्त के के मान पहुंचे निक् विकार की या हेर् । दे क्ये देर हिंब हैं काया मुखे हैया। की या देरीर व्यर सूर्य या योदेया विवा श्रद्धाः द्वारा केता केता स्वारा स्वा म् वितिश्रम्बया प्रतिवित्त देरित्व्य स्तिते रेसिया सेस्य केस वेदिन से वित्त सेंदरी होदद्रमग्रह्मार्थ्यक्रम्बर्यात्रसामर्थद्री त्यूद्रभेद्रस्य सेर्प्यहर्यम्बर्यात्रम् भीव नेत्र श्रीद्येत यात्रीमा यात्रद्या यात्र द्याद्या दर सेहि सेद्र त्येत्र वेता व्यादर हाते सुद्रेया ता हमाव शुर स्थापित स्थित प्राचित प्रवासित स्थापित स्थापि अरतर्द्रियाम्यदेशायीत वेरा कृत्यये मास्या देवरकी देवरकी देवरकी वार्द्र तो वायर वेद यह मेर्भमा होरद्रमगद्रभः स्रायकतः सत्तित्ति विद्यस्य स्रायक्षित्रम् विद्यस्य र्श्वास्त्रर्भर्भर्भ्यद्रम्भूणःश्रीस्त्रिक्षाक्षवात्रात्रात्र्भत्र स्त्रत्रात्र्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष गरभर से द्यद्य द्यीत सुद्रदर तम गर्ने ग्रम् के मार्गिय तरेंद्य मया हीर के त्यू यसूद हैया सु वत्रवासम्भास्य स्वास्त्व सेर वर्षे वर्षे वास्त्व स्वाहर् वाध्व नसव्दर्श त्या केर्रे वि अवरंत्रसावरामावानस्त्रेता रेहिमक्वेरिक्षिरर्रायामानसर्रयात्रामार्थर्यात्रस्य रेल्येर्जिया दरमेर्त्वरव्रियरियर्वत्व्वर्यस्थित्या वर्र्जिरेरत्यस्थायति सर्वत्ये न्यूवा क्या अवतः अवीतः पर तार्वार्यर असेव द्ववारेमारी सेव मा तेव व्राप्त भारा वि स्थेम वी ... द्भुवायम्बर्द्द्रस्तिद्वात्मब्रीक्षमक्रेत्रेत्व्रद्विद्विद्वस्तिवस्त्राव्यक्षम्बर्बेस्यम् देर यथ श्राप्त्र वर वर्षा यद्दा सुन्यु स्पूर्वा तर्मु राधिय हो। वर्षा की स्वय से पूर्वा की प्रकार हो। चार्त्रत्रेत्रम्यदर्द्त्रम् वत्रवास्य वसा दिकानेत्रद्यत्यत्यस्यद्यात्रम् विकान्यत्यात्रम् यद्दास्य स्ट्रिर हिर्द्धात से त्या स्रीत न्या हाता व स्ट्रित ते वा वा वा दिस दे के ते दे दे सह दे ही स्था याने यु रेरेस्ट्रिं द्रभर त्ये यु की यह त्य सुकी देर की दूर देर की तरेंद्र से स्विमा वासुद्रसाय सार्थे

る式例

अत्रवत्वर्रास्त्र मान्यर्भरत्यम् दर्भन्दरस्ते स्राप्त संस्त्रे के विद्यात्य । किला मृत्रीदरद्व स्राप्त विद्या कार्यार्ज्यात्मात्र्याः वर्षात्मात्रेरायाः द्वायाः स्वयामास्याः स्ट्रात्मायाः वर्षात्याः वर्षात्याः वर्षात्याः यसक्तियासिक्षेष्ठ वर्षात्रा ही स्रीत्राय प्रिया वाया पर्या हिता में सेरावव ही हैराया है दिर केर्द्रा अवस्थाद्रभूर्षिश्चेत्वस्य अत्ते तहेत्य वा क्षेत्र वहेत्य अवस्थाने विकास विद्वान वसकुलाचेंसावासुरसामा वुर्रेटकारे दसवालवुरके व तेवालसालुका क्रिवासूर्वाकार्रेट वती. ह्यरक्षेत्रे त्यम्दर्द्र्यपालियात्मे अरम्भा द्वित्वे श्रीत्रेवित्य में द्वित्य स्थानित्र में वित्य स्थानित्र स्था विश्व हिर्म हेर्। द्यत्वद्रमालव्याद्रश्यायम् विश्व के स्वराक्ष्येत्रस्य कर्द्रकर्ते हे. व्दरदेश्चर्यम्यक्तिनि व्राष्ट्रदेणम् अत्राक्षेत्रकर्षिकर्षे स्वाद्या सर्थे पर्डम्यारी होरके हेर्जर वर्षेर्ध्या होर्ल्या वर्षेत्र स्वित्र स्वित्र केर्या होते । वर्रक्षण बीक्ष स्वाय परिक्ष भर्षर्वर वर्षेत्र याहेत्या से विवाय वर्षेत्र होता है कि विवी राम केवरे हिरा सुवर्रव्याय विसामिते रस्त्यास हीसा ब्रेर्य केल द्वके मानु त्वेच समातरे सर वस्ताला किया है यह से । हा वस्तिर वर्ष वर्ष वर्ष से अपने से धिया के स्वार्थ के स्वार् ब्वियाधिका द्रम्यके त्युक्ति व्यवदेवेद्या स्थाय क्षुवा येतेवा विष्या स्थाय क्षुवा येतेवा विष्या स्थापन सः र्रेगार्केर रहेना त ब्यादी अवयात स्वराह्म तालयस तारहेन सा त्या वया तर स्वराहित हैने। र्रेश कर्त्र गर्श म्हिन स्त्रीय हिंदा इस्वास्त स्त्रिर्श स्त्रा हेस देस स्वर्श स्वर्श स्वर्श स्त्रित मर्वितः तर्वेस तर्वर हि ते तो रामस्य वित्रमाहसे रहा। वीरगम् व वितरि रेपी वार्यव्ययः म्रिकर हुने वह म्रिकर के लक्ष्रे रेटी स्वायवायम हिस्रे ने द्वा स्वायविक स्वाय के व्याय के विष स्वायम्बर्क्षेत्रेरमेदवा वर्ष्वसारम्बर्द्धराद्वेवाक्षरह्वा देर्द्रस्ट्रविद्वाणस्या वाहेरः क्रिकारणा द्वेद्वेयर्थर्ग्वत्यस्य वर्षेयया प्रवाधीयहित्यद्यम्ये विदि दश्का र्वेष रबाविकार्यकरा सुरविकासाम्ह पात्ररस्काम्हरा अवावराम्हितर्वह्यास्त्रवस्व विवास से में में के मान हरा की अध्ये के कर देश कर होरा लगा में हिरे मान में हो ने मान है है। और अभावाद पर्या अन् किया त्राप्त अव्या प्राप्त किया वाहर क्षेर्यर य स्वासवी सर प्राप्त स्राप्त क्षाय्वात्त्व । इत्याद्वेवक्षायों त्यक्षेवा वर्षराहेत्यात्यस्य सवी स्यातित्यव्यः एक्र बिक पर्या शिवार या इर की भी पार पत्रे में प्रियास विद्याय गर्वे बार वी खेव या. अवत्त्वसार्व व्यार्द्त्र विद्यालस्य निर्वाति वित्यालस्य । विक्राव्य स्थानि स्थित्रादे स्रदर्द्या भिभार्भेरवस्रत्युरा देभार्य हेना सम्मार्थिय स्थार्य हिर्व वस्थायत से भिन्न वनार्य देशक्षा चरश्रद्रद्रश्रुभवनगरवंभक्त । सन्ववितक्तिपत्रर्भक्षेत्र । दग्रप्रेतिक्षाणया विवा क्रिम दिनार चेतिरीमार्थने मुन्नु सुरा क्रिय यदि र मुल्य के मा के सा मेर के देव लिये

2 मुक

3957.2

201,44. 40801)= प्याचित्रकर्या रत्याचत्यर्त्यं स्वाचित्रस्य स्वाचित्रम्याच्या वाहर यारे यार्त्यावित्रवित्रवित्रम्यसः नरसर्वा कर हुल कुम ए जुनम पर् हिर्दन गर्द हो सेर कर्र ए छिय। कु न मार समा के सेर् विभावर स्रीता व्हरद्यमाईसत्त हेर्म्यस्य ार्द्रत्तित्ते व्हेर्या वेर्ष्युक देखनायरदरायदम्बन्धस्त्रवनास्व स्वत्रेत्वनास्व स्वत्रेत्रेत्र्व । द्यार्देर्वयावेर्वदेवतेषात्रेत्व क्र्यास्य स्वास्त्र विकास क्षेत्र के विकास क्षेत्र के क्षेत्र के विकास क्षेत्र के विकास क्षेत्र के कि विकास क्ष स्रोते प्यरम् म्वत्यार्थे । युरायुराते प्यवा तस्ता द्यारा विरास्त्रेयारे अरे वे वे वे वे वे वे वा वा वा वा वा मेर्यारे मसुराष्ट्रियं मेर्या १ वित्राव त्येराव त्येराव त्येराव केर्या क नरुभानी सुर्देश विस्तरिर कथा नामा चाराम सहर हरिर प्यर किर्य मही विर्वेश समाप्त देवाका त्तृर वेरवसा होर यहँस क्षेत्र व सूत्र यस ग्रेवा हेल ग्रेवा वविव क्षेत्र व्यवस्था व कृत्य कुलायेकेरजवकुमायस्यायमा दारण्यकेर्यक्राचेर्यकारेके त्यास्या दार्यके व्यासे दमतः इर्रादेशवाद्यारम् स्वायम् स्वायम् स्वायम् स्वायम् स्वायम् दमानास्या श्रेरको यमव्या श्रुरमा दमएको ब्रिंब्रयकसप्रययकोहारमाम्यकरश्चरव्यः र्वित्रेभवुर्यसा प्रामित्रे सर्वे प्रकृता क्षेत्र हुउ । येर क्षेत्र व्यवस्तर स्वित्र स्विते वे वे वे वे भरभरववन्यास्यस्य वस्त्रेयं हीर द्वा वत्रयस्य से हात्य वास्य वास्य वास्य स्वर्थ नभारें। रूशास्त्राचार्रस्त्रेयारे विरायसात्येत्राच्या क्रिया हेरा हेरा सराय का ख्रीसाय ए ख्रीरार्ता तर रर्दिक्षाक्ष्रिमान्त्री वर्षावा वर्षा वर्षा कर्ति । वर्षा देख्यायरस्यायस्यवसः सुत्देख्यस्यास्य क्रांअहिदीःहै। ११में स्थानाश्या शत्यदेश खालालालेरालाओंदेश त्याप्याहेबायात्रया हेदारायात्रयाहेबा यर अहेब यर मुसिक्श केरी भरमां केर्या मुन्या मुन्या होता दरात्त्या मुन्या वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्र क्तंत्रक्षात्रविरञ्जान्त्री यात्रीतानुर्धिरात्रास्त्रीरान्द्रा स्वाप्तान्त्रानुत्रुत्रेत्र्राता द्यत्। बण क्रियंशक्षर देशे। में ब्रेरेकिंबोल कुरेंग रमेरहें किंबोबिं रादे हों रेरेर ब्रेरेक्रेर हे क्रेरेवा ररःप्रेर्वायां पर्रेर्धिय श्रीरः विद्यत्रे सेवायां भी श्रीया विष्ये वर्षः वर्षावायां कार्योरः ता वर्षात्रपुर्वेत्रीयिद्यत्तिवासायद्रिकरा दव्यवानद्रिदेर्त्यत्त्रपुर्वः क्रमा वर्षेत्रप्रमा अञ्चर्तिरम्प्रद्रात्रार्द्राकरा क्रियाक विद्याति वित्रात्रात्या करिया विद्याति वित्रात्रात्या करिया विद्याति वि अ.म्.किरतिराधिशाधिशास्त्रा श्रीत्रियतिराभ्येतित्रम् स्तित्या श्रीता प्राथन स्रीत्रियो राज्यावन न्तरभरम् मुझे रिश्चा पर्दे क्र्येये क्रिया क्रिया हे मार्थित क्रिया हे स्तित त्या स्तिया क्रिया क्रिया हे स्तित त्या स्तिया क्रिया क्रिया हो स्तित त्या स्तिया क्रिया हो स्तिया त्या स्तिया क्रिया हो स्तिया दमपःस्रद्रभाष्मार्स्ववित्र्वराते योवा स्वेद्रस्तिस्वार्भाष्मे प्रस्ति स्वार्भाष्मित्रा स्वार्भाष्मित्रा स्वार्भ रशुश्रुयास्ट्रिक्णश्री वियानामास्ट्री यायनास्ट्रिक्षणाश्रीस्त्र्योता र्यात्स्रिर्श्रियायस्ट्रिक्षणात्री र्यास्त्रा अक्रुनिमानत्रदेवस्यन्यस्य स्वयादिस्य त्यास्य स्वर्यात्रस्य अत्यान्यस्य यती के यहे वस्था ता व्या के देन मान करी देन ता यह है वा के साथ वा देन है हिर के खेर देन

1 291

2212021

30gry

हिरा हीर में रद यरीर्य रदेवीय स्थी हिर्दे हिर के से मदिवास स्थित कर का व्यास व्यानिया दिस्य होरमधी वर्षमा सिक्त क्रिक क्रिक क्रिक क्रिके क्रिके विकास हैर हिर से देश युक्त में दे तिर श्रिक्त स्था है एक में किर की देश हैं रावक की तिर मूर्व देश है की हो की कार कर की किर के तिर विग्रहरूवत्तात्रीत्रम्हरूक्षा क्रियाहियुं हिं। गार्थेः क्रुंडलाश्चराश्चराष्ट्राणाला ण भिरमेर्यभे। ह्या लेव यहें वर्वेत विहेर भेवा हें वर्वेत विहेर के लेवा हूं राम चिर त्य हा देवक रेवरद श्री मध्या देश चिर हिते दर्श क्षेत्र वा दरर हुर हु केर श्रिकर मध्या वे वेर बिता अंबे में है। यह वित्व कर कर किर के अधिवार हे यह वित्ये के कर प्रवेश वार्ष में वे वि सेर देवा प्या केंस्य प्रभा नार्वेवादी तिहर त्रमुल द्यत्ये व्यवा विश्वकृत्यति हिर्देश्वर व्यवा देशः भ्रामित्रकेर्त्रभेत्र क्षेत्रत्यक्षेत्रवाराष्ट्रभेत्वव्येर्त्याच्यात्रभेत्वव्यक्षेत्रव्येष्ट्येष्ट्रव्येष्ट्येष्ट्येष्ट्रव्येष्ट्रव्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्रव्येष्ट्येष्येष्ट्येष्ट्येष्ट्ये पुरा जिम् इक्त्यर कुर्वे रू. कुन्नुत्र र स्पर्दम् किर्नुत्रिक्त किरम् है तमा है तमा है समार्थिक कि क्रिया रमगाय द्वारा यर रमर क्रिया या ता है। क्रिया र ता क्रिया वा ता विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र बालक्षेत्रकाले मेरा कर्या कर्मित्य रर वी तहिरा अर्बे के किन कर्मा ति वा लेका स्वाप्त कर्मेन म्, १७. ट्रेंग् । एकेंग्र १ केंग्र १ राष्ट्र व कुंव कुंव केंग्र केंग्र व हे वाहे वाही क्रिये है का की का की का का का कुंव । दे। देण त्येरप्राण त्येर वारी भाषाच्येरा हिर्दे हें सेद्य ते स्ट्रिय वारित्रा त्या कुत्य कुत्र विश्व या.मूरी सूर भवःद्युरन्भवःर्नायान्त्रायः हिर्द्ध्यःत्येतात्तान्त्रमुन्त्रायाः सूर्द्रमुः र्दर केंग रलग भेर बेरा हो। में अधिकेर केंग रलग भेर बेरा रेंस केर मिरे केंद्र मिरे ही। एक अविवास्य क्षात्र विवास विवास क्षेत्र विवास किर्य विवास क्षेत्र विवास किर्य अविवास केर विवास क्षेत्र ख्यामारेक्षक । इयम के बोरा धेवरेमा बेरिकी दें मेरिक केरिके चित्र चित्र विका रभरस्थिय यशापार हुरा विषयेर् हिर्से हें केरा या सेते त्वेहराय के से दे भन्न हराजा स्थान हिराजा स्थान हरा हिराजी राजा हराजी स्थान हरा हराजी स्थान हराजा है। हराजी स्थान हराजी क्या की त्याया माने वालवामार्थ क्षा के के द्वा वालवान विकासित. स्वार् यय भीता नाम्या रामम् मिल्या मिल्या मिल्या । हर्षे वा विर्वा निर्मा मिल्या । नेदा रेक केदयते स्ट्रिंड वैशा रमत रेक्कि केदन केदेर या बिदा विकास रेक्कि बिक्कि यान्त्र नेत्र त्रे में जिल हिर्मे अपूर्य केत्र विश्व प्रत्य केत्र विश्व हिन्दि के अपूर्य केत्र बराता वि.का.तुर र्छितुर्ध्वात्रेति वास्त्रेक्त्रीर वरत्या कुँच धना क्रांक्रेर्त्र क्रीरक्षेत्रके प्रमासा त्रभाक्षक्ष महामान्य कराय की मान्या दर को त्र्या क्षेर्के में के से दा दा मान प्रमाल्या क्षेत्रमाना र बर एक विवास करिया मेरा मेरा के नेर साम पर तिया लवा केम बेर्केर र रामा यस कीर रमत वर्रा स्था कर रामारत सेवे भर्रा मासारीर यते अञ्चर्ति देर स्र व्या श्रामा के से से से के व्यान्य कीर्यात्रा व्यान व्यान कार्य विश्व विश्य इ.स्यु. ब्रिमा रर.क्रूर. क्षेत्रमारर एक्षेर.बेण.च्येश्चेयातमा एक्र्र.वेण.ब्रिमा.च्या

SAFA

**६** स्रे:विव

स्थान क्षा क्षा अपनिष्ठ स्थित देवी कर्ति का स्था कर की में ती में स्था कर की में कि स्था कर की में कि स्था कर की स्था कर यक्षक्रद्रीत स्रोदेश्कणम्यद्रियात्यम् तहेता स्राद्रात्यात्रस्य स्रोत्यात्रस्य स्रोत्यात्रस्य विकास्य हेत विमालातक्रमा यस्याचार देशदेश्यारमा विकालिया तेरातक्रम् वृद्धा त्या स्थान देशदार मात्रा स्थान क्र.भीर्वा भर्दर श्री द्वर दु स्वर प्रेरी विष्ट से दु सादि विष्टे दु या विष्ट से दु या विष्टे विष्ट विष्टे विष्टे विष्टे विष्ट्र विष्टे वि. त्रीतिर्देशिकात्म प्रकृषात्रिरं में विकास्त्रिरं विश्वास्त्रीका म्यूरं माना स्त्रीत्र्यरं देन विवास । स्रोदा अवसादेत्रसीण वृत्यारीद्यात वर्षा वास्त्रा क्षारादेत त्वेता त्राहर ब्राय देस व्या यश्रक्तिर्। रमप्तर्भित्रम् भीर्त्र यप्ति स्रियम् स्रियम् विद्यमित्रभास्त्रम् विद्यमित्रभास्त्रम् अक्टर्सायसायम्बर्सायसास्त्राचीतेर्दरायर्भे द्वार्त्तर्यस्त्रेत्रात्रार्थेतातार्म्युगसायस्य वितिवात्व क्रीभारद्वा वस्राधित्र द्वा वेदरावी वेदरावी वेश्वर वस्रास्ट्रिय स्मानी दे ने लाके वस्तुन क्षेत्र्रियां देहियाक्ष्यत्वत्वराव्यावाये त्याक्षात्वराव्याक्षेत्रप्रद्र्यत्वेष्रवायायाक्षेत्रप्रद्र्या नुरमर्घरत्रम्भन्यस्र्री तार.कॅबल्यन्तर्भवं नम्नानक्णर्भारं मुव्यं ब्रेट्सर या बीलमा यरमरतमा महत्रमा के या बेरवमा में तर्बे महत्रमा में रहें वेर विता है त्या यरदर लद्याकेर द्यार वर्द्द द्या विष्ण विष्ण विष्ण रेंद्र वी यर देन से अदे कर्द्र वुर वर्ष की स्र अधेर भर सें अर्थे अर्थे अर्थे अर्थे र रेर या अर्थे अर्थे किर किर कर र किर केंद्र यहें र विश्व विश् पर्तेष्ठभाष्यरः क्षेत्रवक्षाः श्रीत्रक्षां प्रतास्त्रका र्मप्ताक्षाः वर्षेत्रकार्यः न्यतः वर्षेत्र य प्राया नका मुंद्रा अवरा दत्ता तार्र क्रेर वेता यात्रेका ची तवय वि विकासूर तिर देवका सरभारवक्तरवन्नरवस्य विक्रा दिरस्य द्वा एकेरविषादर विकर्ण राज्य ये संस् द्रमणक्ष्यान्नास्त्रं यथ्ये विद्यात्रेयात्रेयात्रेयात्र्ये वित्रात्र्ये द्रेत्र द्रमण्य वर्षे द्रमण्य वर्षे व इर्यं सार् के के वार्दा तस्य द्रायन वित्ये यह हिर् की मार्थ हिर्द की वित्र की वित्र की वित्र की वित्र की वित्र द्बात्त्रभार्यत्यं वर्षिर्रायं मवास्वायिकात्या वर्षेत् स्वाया स्वाया स्वाया त्र निष्यात्र त्र में भिष्यात्र क्षेत्र कर्ता कर्ता किर्य हिर्य हिर्म क्षेत्र क्षेत्र निष्य कर्ता कर त्र किर र [यातीर:वेदायतेगाक्केर्जिरखारवाक्कीमार्वेवा कतार्यसम्पर्येवाके अया अभारे अविकेरधेर अवन्त्र। द्वरतहेरसाभाष्वमा द्रभादे र्यस्य अत्रातह्मा श्चीरक्षेत्र भीक्ष्या भे विदे प्राप्त पाद द्वरा शे क्रिमामद्रभारते पर्दे पर्दे में में द्रे देते ते त्युर कर्ते द्रे प्रथ में श्री सुरा में श्री सुरा दे विकास के ्यकः यद्या हित्रक्षरः। दयतः वर्रद्रस्थात्मक्त में खेहः द्रायात्रप्रदेशको के के का यहे साम्पर्धाः कुः भेवस्ता देते यर विर्वविभागमः विस्वविभाविभाविभाविभावि । विषर्भातमा दमरादर्रावाधव द्रमायरक विषर्द्रवा एवं दर्वे मान सेमा नमा है। मान वर्षे ल्रार्थं क्रेया क्रिल्य्याम् राज्या देवसाहेर्द्रमार्स्यरेयरेयते भ्रियाम्यर् ल्रा अविरालम्बेर्त्रेत्रेर्त्रेर्त्यर्त्तर्त्र्त्रेत्रायम्बत्तर्भात्रा श्रुरा र्विर्दश्चा श्रु के यस क्षा विर्दश्च म्या हिर्दश्च म्या हुन स्था हुन हुन हुन हुन स्था के विष्या के विष्य 10391

न्येरव।

3 gara1

4 244

500 AUI

6 AEOU

7重四番

एर्रे भे भी अवभा हा भी त्रामा क्रिय क्रिय के रा देल देल की दरवस ही राभी देश क्रिय साम धरा स्र्र श्रीरा द्वावायार्रा व्याप्य वारी अर्द्ध्यकृत्रे वे ति किर्द्वे व्या या वे व्यापा वार्त खेरी हिमायमा हिर दभ बाइक्षाकी वरवका बागुर के बाली विवयमें बीरका इसामार्थिका देश में इस वर्ष के बार परिवाग विवय क्रिला लिय ब्रेस्ट्रमा ब्रिस्ट्रमा ग्रम्स्के क्रिस्टी तरी द्वीत क्रिल क्रिके वस्त्र के के देश क्रिला हिरा गर्स अ. इर्यक्रिंग ज्ञेल । कुल राजवाक रूचा वर्षेक , रेक्ष प्रचाल। त्वाल क्री मरें असे जाकिए , त्रुतिवाल क्री र्यास्मारा स्युक्ताना त्येत्र प्रमारी वेत्र त्या व्यव वारवर्वा वार्य के केर केर केर क्रिक के विष्ण केर्नि केर व्रश्चिमक्रीमन्तर ध्रुरम्भास्त्रम् स्वर्भास्य स्वर्भात्मात्रम् । त्यास्य स्वर्भास्य स्वर्भास्य स्वर्भास्य स्वर् वितरास्रेश्चीरायाद्वैभाषा भ्रद्यिका धिरमाधिकार्याः देरात्मात्र वादरात्चात्रसम्बद्धाराकुरायाद्वाराष्ट्राध्यरा स्रिता त्विकर,एक्ष्णत्वार,देत्र्यक्षीतिवासकात्राकाद्रम्यत्रत्यात्वत्रात्त्रद्रात्त्रद्रवास्त्रद्रवा वृत्रविकः जुन के तुरा जुराम्य कर एक्ट्र एक कर्ण जियानाती सीमाएम के किर्य प्राप्त हर्त्त हर्त्त के कर हुर. विद्यान सिर्य प्राप्त के कर किर्य के कर के किर्य के किर् क्रियाद्वर्मा विवायद्वराद्वराय्वराधरम् स्वार्थरम् स्वार्थरम् विवाद्वराष्ट्रम् जिंद्यक्त हिमा क्रेम रमर्या वाव्ये हिन्दु सा स्वर्ध विक्रित्त हिन्दु मा हैभा होर लेट्से बाहे. यदत्यस्या देवसावयार्व्यक्षक्ष्यत्या द्वरहोर्द्यकेरिस्पेरेरास् देखवाय्वयाधेराराययेश केम बेर रेर स्र र रेवा छर सास्य प्र पर स्वर दर्द का ही मार्केरा होर मार्द मार्ट र स्वर तर सम्पर सामेर हैं यर यते सुणयम् देयरहुण से द्वारे प्वारे प्याये प्रायम् भारते वीत के वसकी य तो वसुन दुरातहतात्रीस्त्रात् कुणेरायेवता क्रियोत्तित्येत्रात्रे विद्यात्रे प्रकेश वक्षेत्र स्थित क्रियं क्षेत्र व रमगकेवर्श्वीसर्वत्याप्तर्शेस्या द्वाय्यत्रेयेवस्वीरस्यस्यारे सेव्यर्शस्यस्यीतर्विद्यम् क्रियमार्तरात्रेरायमा कुलर्येतेकीध्युव्यद्वायेवमानेराकी त्रमक्षेत्रे माने में विक्रिय के माने के वर विर्विभाविष्य अधिरविर त्युक्षे विर्वाशिषा विषा विषा द्या या स्वार विष्य स्वार विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य त्रा ड्रिं.क्.लुबेश.प्रजात्रपायर्थातर्रा क्रिंग्क्रिंगत्रिंदर्दे अष्ट्रभागाण्यात्रा क्रिंग्रक्त्रेयात्रेत्वं व संभिद्रियोस वनामकेवस भर एहिलादर व् नेसार्यभेवरे व्याप्तसाकृती विद्याकृत के बुर्द्यस्य हीर्द्धस्य यति दुरदु केरे स्वेत्र दे वुक्ष यथा। यन्द्वरस्य यध्येवक्षत्रे द्वा कुरवातक्ष व बुरव्य वुक्षः यसा सर्व त्र द्वाप तर्पय पासहेवाओरिक्किकेवतिर्सा र्रार्ग्य मेरी हे केवा कवर्वर्योस् दे: केदवस क्रें के छोद बेरा दुररणर घेरी हो क्रें मालुक येत्र यासुरस्य यसा दुर की हो के या क्रा के से स्थी जनाम् अञ्चरा देशराको श्वासके द्रावर्द्दर के वस्ते जा वार्येदयम विदेश स्थाप द्राया विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता नअक्तिर्दिशर्भका अवधानम् ब्रिप्ट्र की ब्रिट्स्य मान किर्द्र देश स्वाम प्रविद्वा प्रविद्वा विद्वा चित्रस्य यस। क्रिलान्स्य त्यास्य त्यास्य विस्तर् देवस्ति विस्तर्भावरा विस्तर्भावर्भावरा विस्तर्भावरा विस्तर्भावरा विस्तर्भावरा विस्तर्भावर्या विस्तर्भावर्या विस्तर्भावर्या वि र्यानान्त्री यते हे वक्कर के बिंग प्यान पर वाय मार्थ होता पर्देश हे ते वाय प्राप्त का ने मार्थ के ताय प्राप्त भाग कीलानमान्त्र के.सेवंबकालरत्मनाक्त्रान्यक्रेचायमा नहा रेडम्रेटक्षेत्रक्ष्यं रेडम्प्रिवेदार्रिर्धिय

न्त्रश्चित्रभावित्रम्भक्षेत्रभाक्षेत्रभाक्षेत्रभाक्षेत्रभावत् । त्रित्रभाक्षेत्रभावत् । जा. हीर्रात्मवा.पर्, जा. पश्चामा प्राचित्रां कर्मा ही विश्व मार्थ हीर्य मार्थ मार्थ मार्थ म्यूर मार्थ मार्थ मेर ्र येत्रतात्र में विकास के द्रात्र के त्र के त देक्र स्रास्त वासुर् भेर यदे स्वाविवार स्रोणा द्वासी सलस्व स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्व रगर श्री क्षेर्य श्रेवा तार्वेर वासुभ पर वी य्या इस क्ष्य की र ही र र भ ना य में बाकी सरदा वर र (म.किर.लूर.नपुरक्तात्रक्रम.में.पर्ट, क्षेत्र.संदर्भ.स्रा क्ष्र.क्ष्र.नुरक्षी ।श्री.स.क्ष.प्रदेश. अन्तर्रा ध्यालाला त्यारे द्वाया द्वाया हेव कराया व्याया व्याया हेव प्राया विवाय विवाय हेव प्राया हेव प्राया हेव स्री भरभाष्ट्रेत्रस्म हे रवनास्रा देरेर व्दरीव कहिता सहिता सत्दे वहरास्ता तरहे त्या रास्त्रा ब्रेट्न भ्रातकर तर का अरेदा के हेंचा तद्य अक्ष असेदा दादर दरें अभे अवा के ब्रेट्स नतुःशिष्टरद्रश्वेत्रा कर्द्रवर्द्दरातकर्द्रम्या दर्दरस्रिणक्षिव्यक्षिते क्षेत्रक्ष्रित्वर १ देवाव स्रीयातार्वाता क्रिकेशनेतामासः यथिता त्वक्ष्यं व्यवस्थामातार्वाता द्वीयारेतामासः यस्त्री इरायम् स्वार्तियार्तियारावयम् स्वार्तियाराह्यसम्मार्त् केर्वराद्यस सुभक्ता द्याला द्युवा अवदा के ले द्या द्याद्यदाया भी कारलेदाण वहेदसा भीर्ग्यमाया गर्मे हेर्ये तिवा ध्ये स्मारा रामे स्मारा रामेर स्मारा है। या पर सुंबद्भा रेग्नेत वृद्याय वस्त्र सुर्द्य सुर्द्य सुर्द्य सार्वा सामाना निर्देश कार्या के म्बित्यहेसातक्ष्याद्येवा द्यमाद्येवके मसुयार्योद्यायाच्यामा म् मर्वेवके भूद्र्यस्य कुला जवार्टर में बार्स बासर की रात्री कार्य वीतर की वालका विवा योर विंग्नेत्र केवद्वसमा सप्परण प्र ह्या वस्य वस्या तरे ले स्यर प्रमानस्य क्रिस दी केर रमा दिरातिकार्ष्या महिरातिकार्षिका वार्चे रापर्टर सिर्देश लिशास्त्र का लावसा उत्रायक्षेत रेदा अयव यहाँ में तो मोदेर देदा माम केर यहाँ में तो निरादरा दहर दूस के वर्षेद्र के श्चीरद्यारहे से बे के दे के दे से दे से दे से दे से प्रत्ये के दे से से से से दे से दे से दे दे दे दे दे दे ते ते से दे रेर वार्वे वार्र द्वाके ते वार्वे विवास रेस निकास के ना कर के वार्ष के मान के ना के ना के ना के ना स्थाने ता की देश के ता कि होता वा प्रतिकास स्थाने महोदा देशे स्थान के ने विकास मुंभाषान्त्रा नेराह्मे परी प्राप्त क्याव क्षेत्र महिद्र केमा नेराह्म हराह स्वाह्म हर्मा द्वार विक्रियामार्याभित्रामित्राम्यास्याभारत्यराम्।सःतामाभग्येरस्तित्रम्भारम्तिताम्या श्चरिय देश कीम अर्थर ये रक्ति में में दे के रीम वास्त्र भा दे ये र हिर दशका हा भी रहे ये किर ज्यामा क्रीहर से मर ए ब्रीया लेका मार्टिर रे ब्राज्या में ब्रीया क्रीया है। रेमा वर्ष प्राप्त रेरी ब्रैया विषा स्थानी नर्दर्रात्वर्भेण्यरेके देर्वसर्वाय स्थितिय स्तेतिरा देभेत्र र्वाभे री यहर् यहूं अत्यन्त्रा विद्यायम् द्रमा द्रमा द्रमा हित्र विद्या द्रमा द्रमा क्षेत्र विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

अविव त्यक्ती

कितानकि मक्ति विश्वमाता परीरी दुर्गमात्र पुरा मुमित स्रोत्य यात्री का ज्वला तमार्थ च्रुवः ध्रुवः वर्षे याता रास्त्रियः येतुः युः वस्तु राज्यावान्यः वेत्राः त्रे व्याद्याः स्त्रेव्यद्यक्रिया गम्द विन्यरेरयेरिवेरिवर्वेदाया पहें क्रीरक्षेत्राष्ट्रेकुलयें दी द्ववगर्वेदि हैं जेया खेता या हुग्य श्चिरवले मरणरसेरा सुयरे सुस्यरम् सुर्रा मसेर यरे हे तर्व दरासम नेवा सुसुर्दिन। दरानियानी दियानेत त्याने द्वारान कर्ता क्षेत्र के अवक्षेत्र में क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के कि कृतिया यारद्रमेशदेरिद्रोक्षाया ह्याया द्वार्याद्वीस्त्रायद्रीत ह्यायद्वायीस्वान्तीयाद्वीय रुत्यर् के किर्दर्दर सुका के जारकार के दुर्द्धर कार्र के का विश्वरात्र किरका कि एक देर की का केर करे बर्या सेर् स्वारम्य मह्त हेर्य हेर्य सेर्य हेर्य सेर्य सेर्य केर्य सेर्य हेर्य सेर्य स्वरं कर्य स्वरं कर्य स्व यकक्रमामे देर हिर्देश खूर श्री र र यर र यर र यर र वर्ष देश र तर र यह से श्री हिर र यर हेर हैं वा केर चनवारा मेर् के विकास में वार्य विवास विकास मार्थ विकास मार्थ विकास मार्थ विकास मेर विकास मार्थ विकास मेर यसम्बन्ध्यास्म्यानुभावनिया तिरसियानुत्रा एववाताता इरद्यावस्त्रानुत्र्व्यक्तित्रा राज्यान्त श्चिररमर्द्रमत्यक्रुद्विशा त्यातरे हेर्येद्यदे हेर्या विस्तर के करे करे क्रिके ता व्येद्र हं त्युक्त क्रिर्द्र स्टिंडिंदिजुल मार्देर्द्रयायका वार्त्त्र विविद्यात्म रामार्थिक मार्थिक प्रमान श्रदस्र एवा वर्षेत्रा रद्द शेर्येर देश मधेरा ह्येर कुल में ते सामात्र मेण या है हो तकुर स्यानी यानर वर्षा विराद्य त्य्र रास्या मुका मात्र वर का हर्षा के सा तेर के राह्य दे त्यर सुर स्थान सी राद्य ते यर्रद्रियाता छ। तुरावासुर्य सूर्रा वेरियारवारा होयो वासुक्रियाया । रह्यर वार्वेवाय द्रीय से विवन मूरा किरार्श्वायकुर्वरर्द्धान्त्रुनाच्यावर्त्वराच्यात्वात्वराच्यात्वराच्यात्वरात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र क्रिया त्रिया है या है विश्व है विश्व है विश्व के क्ष्य है विश्व के क्ष्य है विश्व के क्ष्य है विश्व के विश्व क

2 35 11

म्राक्षित्री कुल्यु कुल्यु हिर्ट्य क्रिया म्राच्या कर्ण म्राच्या कर्ण क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिय क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया

3agamai

एक्टररीकर्तार ए. वृत्र्र्यं कुरं वस्तिता द्रामित्राता प्रामित्राता प्रामित्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र क्षांत्र क्षा क्षा क्षा क्षा र्मामसी वि.धु. कुणद्वावाला वस्ति वावाला किलायास्त्री केला के स्थान में हिला के स्थान में किला के स्थान में किला अकरमा महिरी जया चेत्री केंबात अपा अर एकरा क्षेत्र केंबात का अर पूर्वी लर रव्या माने केंबर र्ने खेंबे हिर्दि के यक्ते य ब्रीट बीचा देव दुर्यमें वे प्रता के देशी के म ने परि हो से प्रता हरे मैंजरभर की. जैशक दें भू भावर प्रक्रेर मैंबोक स्रेंग गर् से बक देन के बेरा ए सुंद्रा का शु. पर् मर्प रर र मक्रम्बर्गिकाम् प्रमुद्र महत्या महत्या महत्या महत्या महत्य मात्रे महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य मह अभू र प्रमृत्रे देन देन हो पर्या रिका भूरे पा भूर प्रचार का या से सार का स्वार के से स्वार हो हो हो है। किर मुक्तिमधर्वे प्रीत्र स्रिक्त स्प्रार्ग्य वर्ष स्मर्थि हुन्यू मार्थि मुक्ति मुक्ति स्विम्प्राये मार्थि मही इत्याकोर स्त्रेन क्रियर राजा है। स्त्रेन क्रिय स्त्रेम क्रियर केर क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिया स्रीप म्यानातात्व विद्याचे देश स्थाया त्रेराय के देव में मुख्या मुख्या मुख्या करें नाम के त्रिया करें नाम के त क्राक्रपाय के कि के दे त्वेवा कर कर्कर देवा कर पर के के के जावा के प्रकार के देवा कर के दाव के का करी. त्रवास्त्रास्त्रवारभर एउद्गामह्री द्रवक्ष्य्यर्र्त्वास्त्राक्ष्य क्षित्य हित्य हित्या है। श्चीरायमात्रमा मात्रा मात्री मात्र ते हर्षे भीरायमा स्री देशस्य में देश स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्व त्युक्ष चरेत्र दराभेरतारहिरम रक्षेयप्रेय द्येम भेरा ही रायेत्र स्वया महिरा ते रक्षिण त्या र्यर सेर्पोरिय्रस्य वर्त्रवाद्यस्य । यद्रविषाधिः स्वाहित्रदाः निरास्वेरियो सास्त्र्या गीर्थर मे हुरव तर्वे के जेवा नृत्वे दे ए हुरव ए हेव के जेवा अपेवर ने द्वारे जेवा के दिरो वरकी भुरानुवा स्राम्प्रदान् क्राप्ट्रा क्राप्ट्रा क्षेत्र देरायदेराल्ट्रा क्राप्ट्रा भूमात् वर्षा भूमात् वर्षा श्रीभाराकुँगायदा की बाके वास्तराक वादावायवार्शिया हेरा देशाकी सर्हित्री ररगर श्रूर के दरेगा ल्या यस्थार्स्त ता एड्स्स महिमानेरा विर्देश्यर रक्षिर में सर्दरते हेरा एर्द्र वे सेर वित एकेल एर्द्रियादी एक् वक्रव्यक्षक्ष का हेर्स्यानेशवा विषायक्षेत्र क्षेत्र हेरा लेवेदा स्वादस्य स्था श्री हिन तहिन तर्रोते त्वाया वकरत्य अवाया हेवा तो द्वाया देवा हुए ही ही या कर्मिता अवतः अर्थितर मी भूजाल जेरा देश्वेय यत्रहेश्वा अश्वी स्थापत्रेश्वा दरी शायकाल तर्वा अतिवह मार्ट्स भक्ष्यभावपुर्वहर्यातपत्रसमातुरिया मित्रीत्वाज्यात्रस्तावप्रवाद्या र्यायस्र ने हिरिया में भारत्ये के मरम रगर में देश तारा भरता मते देश से ररतार में कें देश प्राया मारा पार्यह्यामा देशक्रा मर्त्रकेषमायही वर्यक्षित्रविष्यातायस्यामत्रिमा स्वास्त्रे अविवास क्रमायकीयामा विवाद पहेंचा परे क्रास्त्र व्हरतिर साथ प्यूरा हिर हिरकी परे की तार में विषय एक्रेंड केर्स वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष केर्स केर्स केर्स केर्स केर्स केर्स केर केर विवास करिया केर केर केर किर केर केर क्रियेश्वयातमा रेशस्या क्रीया क्रीत्यारे त्यायारे प्रायमा मार्थ सेरा हात्या वात्य रियर्पाहर्राहरात्रा श्रीराक्षेत्रवरावार्या क्षेत्रात्राच्या क्षेत्रात्रा देवरावत्वराव्ये बालकान्तर में एवरानका बहुबाका चावव क्रेंब अविदा स्वयाय वी सिरमासी रवार है लया

गल्तु हीय उर्देश तमा ब्रम प्रवास तावाय भाग यह देश रही तही सामित्र प्रवास की वी के वार की वी की वार वकर्षम्याक्ष्याक्षेत्रकारम्य द्वारार्यकार्यकार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यकार्याः स्वेर्द्रकार्यकार्यकार्यकार्यकार या विवासा अवस्वित वार्ष्यास्य विवास विवास स्वास्य मार्थिया विवास विवास रिवास र स्रवणर्र २ २ १ व व २ ११ ( द्वारी व त्री भर हे वा क्रूय हो वा व्याचा वा विवास वा व्यास द्वा से देवा स्था स्था स् द्भगगरेतस्त्र्र्मुमयायमा यम्मयास्या स्त्राह्मर्गेर्देतस्य रेस्ट्रिकेर्येर्यर्य्यस्य स्त्रायमः स्रीते स् द्वारी स्वरूरे द्ववायमा द्वार्द्यी क्रेंब द्वार स्वर्ति से वेते स्वरू वास्त्या सर्ह्री र स्वरूरिय हैन क्रीर अन्य अर्थेर्डिरर अर्डरा उच्च यन्र राम र्डे ब्राय मार्थ ह्राय राम हर्ति विरासेर स्राप्त दे स्राप्त राम रे चैंत्रतिमत्त्री मेंत्रिर (एक्र्रामाना । वृ.से एत्राम्केवक्ररी यथानामक्रियं ग्रीयमार्केयरम् तथा निर्मेश हेल बेने त्या तर तर त्यां रस में दशमा बिर्द्र सेया यमन या विति विविद्र रे व्यव वित्र स्थाप यमर स्मेनी परक्ष मर्था विकास स् मेर् वर्षेर वसर बेरमें। क्रिक्ष कर वन्न पर्र क्रार् भरावनर इंड्रेन्स्लिंड्रिका अर्थात्रत्रत्यात्मकर्त्वात्रीरेरेसयम्बर्धात्रत्यात्रत्यात्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् मिन houron के कार्य के कार्य के हिंदी कार्य के हिंदी कार्य के के कार्य के कि रदर दर्श अपने अवा निष्ठी वर्ष्य ही दर्गन वर्षे देशे देश अधी वर्षे वर्षे कि वर्षे देशे वर्षे वर्ष से त्युर्केर्स्याय त्रेयत्या द्यत्ये त्युर्यो ये सुर्ये त्या व्रूर्य्यत्यत्ये से सुर्यं नित्र लक्टर किर जेंग के अराक्ट्री स अकेर रुं जा अक्षेत्र के विकाल के जी में में में री जा रजकेर र्सेत.सेनामार्डितंती ग्रेमरचन्यास्य एहिल्ला ड्रिस्स्यर यश्चितास्यामात्रास्यामात्रास्य म्य की की मिलर नाएका भारत में बेर रनेरमाला पर्यंत्रातामा में बेर्यार माया में कार माया में कार माया में कार में स्वित्र म्याया स्टर्नि स्थापन्त प्रदेश है। हेर र देश है। हेर र देश है र देश स्थापनेत से से र है। हैर है र देश से र देश है। हैर है र देश से र देश हैं र देश है। हैर है र देश से र देश है। हैर है र देश से क्रिकेल,जा क्षिरास हारा ए जीवे. तार्जेरदा में देश्य भी श्रीरत्यात्र त्राय प्रतिता विरादेवा श्रुका हराने क्रमीश्री कार.रंश्रूमार्तरद्रमणाणाणा हिर्नेनेस्रियात्वयातान्त्रात्मेर रसानुन्द्रात्रे सर्वास्त्रम्यात्मा न्द्र म्रभायके। तमास्या व्राप्त व्याचारा ते व्याचे वा वाह खेरा वतवा वाद स्रोत स्रोत्क वदीय हिर्द्र विक्यों इवले गर्भा रेश में महिला हैं से हिंद में रेश हैं र मरेरी किर में रेश में बेश विशेष वार ग्रिय की रेश हैं नरहरा हिर्दरहर्षिक्षिकार्यकी मूड क्षेत्राहिकानगुर्देशिर्द्री स्वाकुक्षणानवानिकानगुर द्यातः द्यातः देश यथा सव अदार दर्स्य देश तो य के व कर्त्व की विकास देश दर्स्य के द्वार दर्स्य के द्वार दर्स्य के द्वार दर्स्य के द्वार के व कर्ति के विकास के वितास के विकास क ३ अर.भ्र.दः २.०७ यना रवासेर.मेर.केमाना इत्राचा नारतः यया त्रव एकवाना इव की.रवी रवी.पर्वेवामात्मा टि.का. एत्वावा क्रम्प्राप्ति कर्रदर्भे कार्रदर्भ कार्त्य हार्या दक एहरका वा एहरका ले या कर्रद्भ लेवा केर र्वामाधित देश इंस्वेर स्वर्ति निर्माय स्वाप्तिमा या व्यक्तिमा वर्षित्र वर्षित्र स्वर्ति स्वर्ति । ्रवेपार्दर वयकाक प्रामान्याय श्रिकावीर क्रिंदेनका हिमा इव मूर्यर का पर्वेद नय व्राप्तर व्राप्त क्रिया मिर्देर

चेरी रमए.मभ.द्रमानर.ब्र.स्यर.लूर.बर.हुम. एव.स्यामान इर स्थाम रामार्मर क्षेत्रकाम. रित्मुस्यक्षित्राध्याप्तिक्षिताताः संसूर्यात्राप्त्यात्रे के. मूर्त्यायात्रीयात्राह्ये त्वायात्रात्रा । वर्ष्याया ं रे.द्रदर्भरशासी ए में यथ व्यक्तिमां अपना एर्रा मार् यार्प क्षेत्र कर्त्रे में यह क्षेत्र का का में बारक की ही ही हिर से यस रहें। किर्देश भुर्शिक करिकेर भारत क्रूरे व बेटवंश क्रिया या एवं वर्ध सेटश हरें। वर्ष व करियार क्रुर् की या कर स्मानरक्रियानाक्षणकात्राचुरेहरादेशवहाक्ष्रमुत्रहात्राक्ष्रम्भेता क्रियहाच्या हिस्सी राज्ये हार्य पाक्रामिशकार्येद्रा स्वातालाके पाताला क्रायाम् केव्यावयाकेद्राप्यामेवा द्रायाचेके २ वहने। स्वर्यक्रिया वनवामति स्वाह्मस्याद्वेता स्वर्यात्रेत्रा स्वर्यात्रेत्रा स्वर्यात्रेत्रा स्वर्यात्रेत्रा स्वर्यात्रेत्रा चारीशाबाली विचाए हीर कर् सी। सम् इंग नेतु स्तरम् में व्यावका जवा क्वि है वाले अस्ते वालन पर्वेशनपुर्धी म्याक्षेत्र पार्ववेश पर्वेशन्तरक्षेत्रका एते रवेश विश्वमात्र हरामक्ष्रण पर्वेशिव्हर रप्रत्यत्रात्म्र्यायात्र त्येत रहीत् श्रे याया अहित्रात्ता हित्या या हित्रात्रा रूप्रत्या येमा प्रवार रेजिति श्रीरेतकत्मा अत्युवारा देलात् वेराति देणाया ग्रीस्मा सामु बक्ष स्थिति भेति व स्था । े ले रा द्रत्य के अभूतृत्रे अध्याय प्रकृत वस्ता देलात होते वते का स्था के सा तर्व वास्त्री वास्त्र वास्त्र व श्रीयाधीयम् । इत्र मान्यास्य वित्यामा क्षेत्र । देशामा वित्य मान्या वित्य प्रति । र्यतायः तुर्वायः भूष कृष्ण विष्यत्ये विष्यः दिन्यः द्वायायः द्वित्यः ताः तस्य विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य मिर्फ्रिंग्यमरेर्। हिंदरकाशकेंद्रिया श्रीरायदेर। द्रायते हें स्वाहिरात नाहरा श्रीराधाराहरें सुरेक्तकु एक् करा इत्रिक्ष का पर्राक्ष का पर्राक्ष का के कि एक मिल्या है ते हैं तो हैं का क्रिया क्रिया के व्यक्तिया के व्यक्तिया का वार्ष्ट्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया दम्बर्भयाक्ष्यक्षरात्त्रमात्रे व्यद्भव्यक्ष्यात्रम् व्यव्यक्ष्यात्रम् बन्नेका विकासमानेतासम्बद्धाः वार्तका व्याप्तम् क्षित्राम्याः विकासमान र्मायेना रहारा सम्बन्धिक संग्री तरी रहा ग्रीमिरक्रण की मावर ले खेवा देवेर खेरिय संग्री देरा दक्षासे चेर स्किला के चेर लेंबा केम चेर केर सुर सुर कुल होन बक्ष के प्रीर द व लेंबा यीररावरा किर्देश मी किर्यायामा किर्जा में किर्जा में मेर कर्रा निर्या मेर कर्रा निर्याम मेर किर्या भी भी कुण इव हुर कर्रात्रमः र वव तम किर वृत्रया विव नत्र लेव । दे श्वे लव्या में भी ने न्तर यात्रभा बीमले आ तर्भायर तहिर्द्भायमा हिरानी र्या अस्मिम मार्थ कर्मा देश हीरा थी. सायम्प्रात्तिक्ष्यात्त्रात्रात्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात सायम्प्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् श्रुक्त द्वा में त्या हो यह मान महार में द्वा मान किया में किया में किया में किया है ता देते ता है ता है ता है ता देते ता है त त्येकाम्पा दुरदगर रिते हेक्कीमास्यद्वस्रिति रत्यपतिकास्य प्रतिरेते राष्ट्रिकेस दूर दूर - दिवासीर्राताः भार्तारणात्रमास्रीराधासीरस्त्रात्रात्रीरस्त्राह्या दिवासीतार्ताष्ट्रास्त्रात्रात्रक्षेत्रमास्

222 222 रर्द्रहरू हर में से महिला में महिला में महिला में महिला महिल र्रेग्य.वय. अप्रतयम् लर्जरा केल. ज्ञान कर्ण का मार्थ में मार्थ में प्रत्य के कि के कि के कि क वर्षाया विकत्त्रीय विक्रिश्चित्रीय विक्रिश्चित्रीय विक्रिश्चित्र विक्रिक्ष विक्रिक्ष विक्रिक्ष विक्रिक्ष ्रकृषम्बीयम् द्वक्षास्य स्थान्त्राहराहराहराय स्थान .3 अविषयेत. मितर् क्रिंपरीण कुष अस्तारं क्रेंडेंगालेर व मृत्यं क्रिंट्रीय दें क्रिक्र के अपरे क्रिंड्रेंगारं अर चर्षेत्रेश्विद्या, त्रिंग क्रिश क्रिश त्रेश त्रा वर्ष्ट्रश त्राण त्रेश क्षेत्र होते वर्ष्ट्र क्षेत्र होते क्षेत्र क्ष र् अर् वत्वार विरस्ता वीव बार्वा प्रति स्थिति में के प्रति में के प्रति में के प्रति के विकास के वितास के विकास 15. E. CBD री. म् जरमा विभार्यक्री क्रिके का राज्यकी राष्ट्रिया विमाली विकास क्रिक्षिक वक्रभ श्रेंबे ये के व वार्श के का वार्श का वार्श द्यार स्वेदरी वार्श देवा सदियों पाकारेर व वास्वारिका र्याव्याय ( UE 1 24) र्वे वासुवा ष्मर्नेनाभर्वेन भेरे। वे वर्तेम क्षेराभूरभर्वारेमकुल वे भेरकेन्द्रर लेरेवासुव प To thrust र्ना इंस्ट्रर्पण ग्रादेश्यावक्रीयुवाचा देश इंस्ट्रस्य तरे छेर्प्य स्वास्व वास्य वास्त्रेय से देते. भर मेर श्रुभ रहे में में मार पर पर के हैं त्या माय माय माय माय में मार है र से मेर हें र से हैं र या भी र र्याम द्वार か、まのか、うか、はそれないまま、またがなくないのなくなくなりまか、かりまってるとなるとは、までいててて、おいまいい क्रिक्र देश विश्व विश्व विश्व विश्व क्षेत्र क् यते महत्र (\$cy) राम्रेड्से अपा कुलामें सेर्यव कुला भीरदे साल केर्या मति है मारे में के मारे महर्पयों मेरिया इकाल कराल बराबाके विराश ह देश तर्वे देर की त्रिकोर होता दे र बर्दे र त्रात्मत वर्देश की माने कु. भ्रामात्रमान्यात्रमा एर्टा व्यामान्द्रमारम्बिमाना वित्रमानाद्रेयात्रमानाद्रित्यात्रमान्द्रत्यात्रमान्द्रमा 8 Erw. 31 इर्ड्यास्त्रेयारम्भयमा कृत्ययं मार्थ्ययम् देर्दर्यं । यहेरावे वाद्यार्थियं वाद्यार्थियं विद्र्य क्रियाम्बर्गात्वी के पारक्षेत्र र ब्राक्षात्वर । स्मार्चेक ब्रास्ट्रका खुडा ब्रोक के कि कि कि विद्यान कि विद्यान के 10 25.14 नाम्यः तमाम् हेर्दिर्द्वं यर्पर्शे क्रेंत्रभप्तत्रम्भेन्द्रे महेर्त्यादेवर स्दर्शेष्ट्र वर्षात्रे स्र 一下当 क्रिंभर्द्धर् भरावनम् रहेर विरा अस्तर स्वरम्यत् क्रिंग्स् स्वरम्यत् क्रिंग्स् स्वर्थिक मास्तर् स्वर्थे से स्वर् 12キエエ इत्यक्षात्यर। वेर्वण वयम हिन्दिक मध्य की केर्द्र में खर यम क्रिकेव संपर्दे नुसाय] रुष्ट्रद्रायर् न्द्रव्यद्रभाष्ट्रास्त्रप्रकाल्याञ्चराञ्चराञ्चराच्या हे देवायात्या दे हेरा व्हरताया या त्रास्त्रक्रि ब्राह्म त्राहें वहार हुने यह वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हुर । दरमें रमक के हिमान के किए पर के वर्षा के कर्यादा तर्वे की हा तरी क्षेत्र हार्या मार्ग हार्या हिं यह है हैं । छो र हा हा हा तरिता रूप इसक्री मान्ता कालालान्त्र लाम्नेत्र द्रान्त्र रक्ष्येत्र माम्यायाया प्रकेष न्यर सेने नेन्य्र क्षेत्र देन्दिद्यत्येतीयत्हित्यहेंद्र द्दरदेश्यक्षेत्रवा व्द्रापुरस्त्र्यं क्राव्यक्षास्त्र रा निरंश्रद्भा श्रेश्री इति अव्यवद्वरा द्यत्थे क्ष्यास्यास्यास्य अव्यवद्वरात्रा लुवा कर्य क्षेत्रक कर देव द्वार जुवा कर देश वर्षक जाता हुई पह श्रीर करकेव किया 

वकातात्व मेर्या प्रत्य क्षेत्रा अत्यात् हिता कर्ता वहीता कर्ता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा सर.प.स्र.से.स्र्राच्याद्दर्श कव.प्र.च.ववकापद्दर्श वस्त्रच्याद्वेत्राचत्र्रमा राज्या म्यामिक्रेश्वास्त्राम्यान्यायायाया वर्षेत्रात्त्रात्यायायायाया देर्द्रविक्षेत्रायायायायायायायाया क्रिंद्रियुवासुरत्या वातहेशमाराकृत्याचित्रा द्वारके स्वार्थित व्यापके स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित में ब्रिश्या है स्वराया है स्वराय विषय स्वया है त्येर हैता इन्हीं राष्ट्री ता ही ति हिन्दी ता ही भवाया विमानिकारिकारिकारी हरिलाक्रीरिकरतिकाल्या क्रीट्रिकार्के क्रिकारिकारी क्रिकारी श्रम्भारात्रवर्वत्ये। काप्रियाः क्रियो द्रेत्या क्रियंत्रेत्या क्रियंत्रित्यात्रिक्षेत्रीत्रित्यात्रा द्रित द्रेत्या स्यान्त्रे भी त्यान्य वित्रे वित्र प्रायम् वित्र व य्मव्या देरवरक्षात्वरेत्रे हेर् वरविरावके स्वरा इचाती येच व स्वता के स्वराहर वर्षे मुरी एवामाव्यवात्रुमात्रुमालयात्रसमात्रेणात्रुपुर्वातात्रमात्रकात्रुमाल्द्रमान्द्रपास्य यमश्रीवरवरत्त्रे स्थाम हो के महित्र है। ॥ हो महित्र है। ॥ हो महित्र हो। क्य. शुराता क्रांता ती देश हिंदा व वे वा का क्रांत्र के वा के रात्र के वा के रात्र के वा के रात्र के वा के रात्र मानेवा रेन्द्रेर न्या से रेन्द्र में प्रावेद मानेवा स्थानेवा से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स बरमास्य त्यादवार्श्वेश्वास्त्रेश्वास्त्रेश्वास्त्रम् विकास्त्रम् विकास्त्रम् हिर्दरदेरी वर्गाम्हरूषा पर्वाचिरायात्री त्यापात्राविष्ण ह्यात्याप्येवहेरेता वर्णायाया द्रस्थातात्रहेला द्रम् वावर्याय ते स्वाक्ष्याकराता है के व से वाला है है है। इर हिर हार ता तर्वे दें रे के दा कर के वे दे कर के के दे किया है। दे का निविधार के किया है। के विविधार के विधार के विविधार के विविधार के विविधार के विधार के व भागी वस्त्रीता वर्षा वर्षे देशी राज्याता वरकर स्वाला राज्याता वरके वर्षे दर्भारेक्षेत्र्येक्षेत्रा तरेवा दर मार्थ्वर क्रिक्षा व्यास्ट्रियाणर्वी वर्द्यात्र्र्या वता वर्व १० तव्यवः संद्रयत वेत्रे ते केर्द्र हो होत्ते रेक्ष वाक्ष्य कर्या वेरक्ष द्रेय स्त्रे कर तद्रवक्कृतिया हर "न्याक्ष्य वाक देन्दरक्ष्रिया ते भे बन्ना त्या । हेर्जी वार्यन्य गति देने गया केरा विकासका द्वरदेश गर्य केंद्र यते। तमामकिमानम मनेश्वस्त्रस्यंत्रसामा होर्यस्थरस्य स्वर्यस्थर्त्वर्यन्यत्ये। त्यस्येर्व्यर् विया ।राजुरानेक्यारे क्रेरावमा ।वाक्यर्वातमात्मक्रात्मात्मके। राजुरानेक्यावकाते हेर्क केरचते झे के खेर्ग दल नमा अवस्य न्यन्य मुनेर अनुदा नेनेरे के त्ये के दिन व्यान हो । उद्याव। रीत्रामा के मिया के प्राची के कर के विद्या मा ते दे ही विद्या मा ते हैं ही विद्या में त्या के

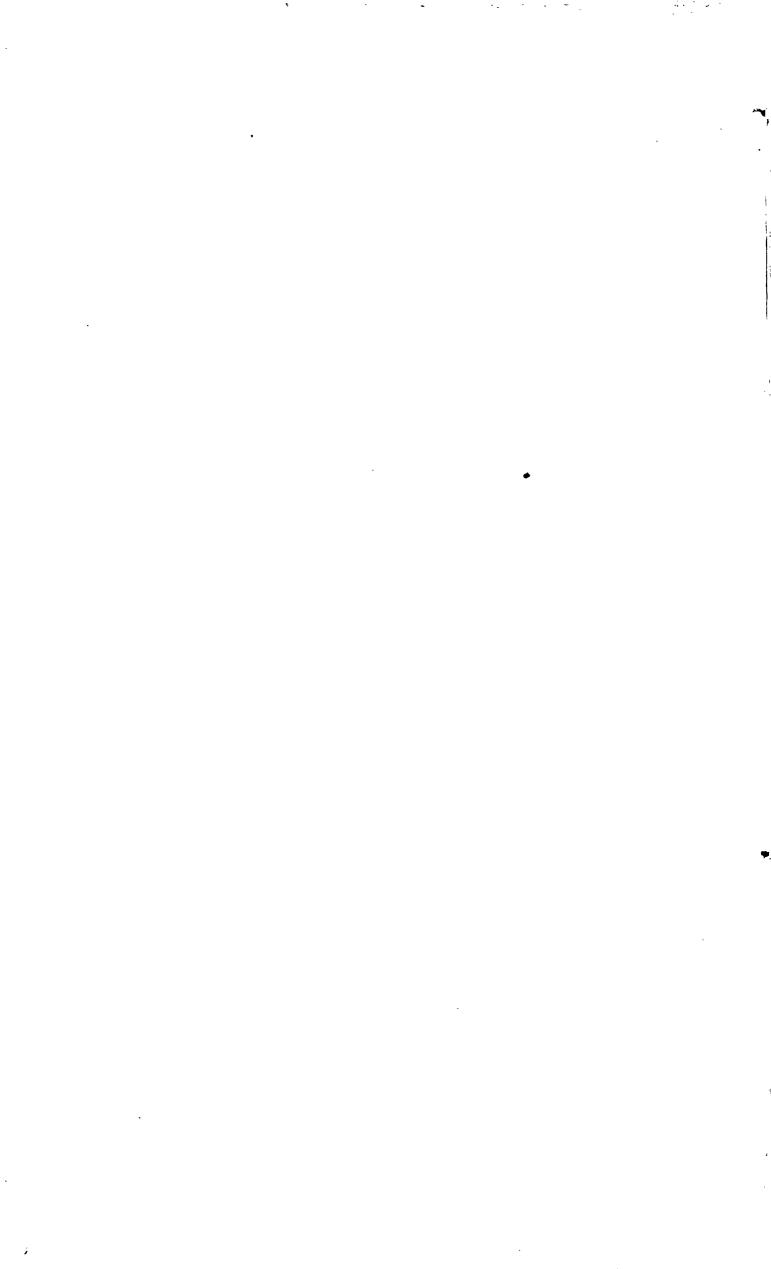
श्चिम्बाक्ष्यात्वा श्रीत्तरभरत्वक्षयाः नत्त्र्यार्थाः तदी व्यवभावेत्यत्ते तति त्यायायेत्वा व्यवस्थित्व र्त्या एड्रे वावम्या प्रवा वया वर्षः वा पर्ते वाक्षर रे वा वर्षे वा वर वे वि वे वि व प्रुट हेर इरा देरर हैर हैं करें हैं। इर हैर है विदेश है विदेश हो या में में ने के के के लिए हैं। एमर्थानमा र्यएक्षेत्रे परम्ब विरम्भे स्वत्वास्त्रे क्षेत्र्यं मान्या स्वत्या स्वत्या हिर्मा विरम्भ दमत्वर्र्द्रिश्चर्भभवाष्ट्रभवाष्ट्रभवाक्ष्रिकविष्ट्रम् । ह्या स्थानिका क्षेत्रम् मा स्थानिक हिट्यु महारे देहरेल केंद्र त्या केंद्र त्या है से दूर हेदा हिर से देश हैं विद्या हित महारे विद्या है ल्रास्ट्रिं होर्यते स्रवा केर्न्य द्वाद्वत्वे देर्द्व्या प्राची द्व्या स्रेरिविके के विक्षाति स्र म् ।या स्त्रेन व स्त्रार हरे रें साथ साथ हिस तरेर व मर वस के या या से न स्टर दे सर्वे व या पति वें सादवर केर्नरहेशः इविकिर्वे एक्रिक्षार्वे वी निर्माण्यार्वे वी निर्मा केरियार्थे हे वी रिपेट्रिय के विक्रिया है विक्रिय है वि तिरा क्रियात्यात्ये अतास्य वितिल्यूर विरायणा गुरुय श्रीय अवस्या विति पर्वेयाक्षेतात्मा अवि श्रीरा रंभरत्वतम् भरत् शुःद्रारम् तातरे प्रमानिस्यामा क्राम्हार्ये हिंदे त्यक्षिर्क्षके के के देश कात्राता तो दाता के दान के का के के के का दे हैर का के विद्या के विद्या के विद्या के क्रिए हो. दे. क्षेत्रा यवा द्वात हेर् विते विदे विश्व अभावमा द्वात हो या वित्व हो व्यव की त्या विकास दर्जि वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षाणा दर्दरद्र अमेलता द्यम्भलक्षीमद्रम्य अस्ता क्षेत्रेद्रणक्षणचरी ज्ञालक ब्रियमा द्रम्थक व्यामा मेरी भारति । या विषय । त्क्रस्य के व्या क्षापिते के वे य हीर ने चतुरा परिकार्ये र तरेर वा क्षार्य का ये क्ष व नार्ष की यद् योवा भेर तर्वेद्वाहेद्वत्व्याकृताक्षा तह्यत्रीत्रहूलार्यते वन्तर्वेद्वाद्वा विद्वार यहे क्रिकीलर्र्डेबर्रा क्रवरवर्ष्य्यर्पहेबर्ण्ड्यप्रियमा रियम्बर्धर्या क्रियाक्रीरा तरीत्राक्षे म्त्रियववशा द्रायाभार्षेत्री.स्वारी क्रेर्णम्य्रात्रीयावयावर्षेत्ववरा द्रायाभारात्रीय मीत् अपूर्वायावर्षे अरक्षरीत्वीया सत्तर्वा रूपार्वा में तार्विदा अविवाद अविवाद अर्थे इस द्यालद्द्र संयदेन्त्र महिन्त्रीय। सद्यमात्रमात्रेक्ष्री हीरद्हे श्रुरावलब्दीयावरः ्रावःहेशक्ष्रेक्ष्रिदी दक्ष. मु.च प्रमान रहेमक राष्ट्रे. क्ष. विसी ह्रि. क्र.च युमा क्षा विक निमान विस्ति देश हिरा क्षरे वि

क्रिस्मा क्रिस्मा क्रिस्मा क्रिस्मा होता क्रिस्मा होता क्रिस्मा क

कें काहरा कर्र र्या रहे कि इन में किया विकास त्या करें में स्वर्ध से र वहेते से ता तिविक्तर । से रबहे

देभ्रः स्वीर्वशावबार्या यात्रेवसार्ये द्रविशास्त्र यात्री स्वीत्य मित्या विश्वादे र महित्र विश्वास्त्र स्वास्त ्राक्षिमहार्में हिंदिती । प्रियं हारा हारा हिंदी हिंदी कारा ता ता हिंदी हैं कि हारा है हिंदी कारा है हिंदी हैं ्रिश्वमालेवा रयतर्वास्तिर्वातयसम्बद्धरायनेता होरान्त्रमधेरेत्वरेत्रात्वेत्रम् तस्याकव्द्वीवद्यायांगा द्वराय्क्रात्व्याय्वे यती के अवत्रों के म्वावरकी अलकाता यापवादेवर नी तम्सर्दे के मूर्वे र्यं वे में त्य्वा मुलादे स्राप्ता के त्या के त् क्रियाको वानेवासाला यहिन्द्र्रवर्ग्यालेंद्र्या सेरी अक्रुरकु वे व्यवस्थान वासेर सेर्चित नमाश्चाक्रीरवसम्बद्धाः तस्यक्षेत्रेरश्चरश्चा स्थान्त्रेरा स्थान्त्रेरा स्थान्त्रेरा ध्येत्रविवर्वेद्यः दे द्वाक् स्विनाक त्वयावेद्द्यं सेत्र देवर क्वित्रस्य स्वत्य हिंद्रस्य द्वित्य स्वर्थे म्त्री विग्रक्तिये गर्शन्विमान द्रा विग्रा पुरावर्ण विश्व कर्ण स्त्रेर हिंद द्रवीत वर्ण के वर्ण में स्तुन्य द्वीरसूक्ष्णविर्द्धिकक्षरी क्रक्तिककारात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र वस्याकेते पर्वातामा भेता वयावर्यत्येती वे विकाय स्थापित विकाय व देश के वास्त्र का स्वार्थ भी की दें भी बादें के दा के दें ति दर्श प्रवादिया । दिन दें भी की दें भी की दें की की दा की दिन की की दें की दे की दें की दे पर्राध्यमेशक्षा पहार्थित्वोत्त्रमञ्जानम् केपर्राप्तिकान्त्रम् क्षेत्रम्योत्ता यते स्राथिता वरत्येत्रम्ययेति सः येतः देत् देत् स्रावात्रेत्रपूर्ये ताक्ता यदद्वेस क्षेत्रपरेते एक्यान्त्री क्रिनेत्रीयुक्तिक्षिताक्षेत्र हिन्द्राक्षिताक्षेत्र विकासक्षेत्र विकासक्षेत्र विकासक्षेत्र विकासक् म्राज्यार् स्थानका सर्वार् हेन स्थान के का करेरी के स्थार में यह स्थान स यहमान्त्रीर देशर क्षेत्र क् दस्येनेनेर्भे भरी भर्द्रश्चाराता तहुंशक्त्रम् सुरस्य वृत्वयं रेग्ने ग्रास्वयं स्वयं प्रत्य वृत्या । व्यव्याया वरमीर्वार्या वर्गद्वरक्ष्मितर्भे विभागक्ष्मिर्या विभागक्षिम्भागक्षामिरक्ष्मित्र भाग भावत्ता स्वामभेगक्षीमारस्य क्वा तहाँ सीर कुल में तीवावर तो प्रेम के अदत स्थाय की भागा रमेवा द्वातात्म्यस्भवत्म्वाद्मन्त्र्याद्मन्त्र वालुक्षेत्रत्व वाद्मन्त्रत्वेतात्मत्त्वेतात्मत्त्रात्मेव वजानेकार्य स्तु,र्वेदका त्रिक्त स्ट्रिक्त क्रिक्त स्तु हिए स्ट्रिक क्रिक्त क्रिक्त स्तु वाया प्रतिवर्धका त्रिक स्तु विकास क्रिक स्तु विकास क्रिक्त स्तु विकास क्रिक्त स्तु विकास क्रिक्त क्रिक स्तु क्रिक्त क्रिक् भाष्या विभान्नेराजेरायारायाजेनात्यरकायकानियानेरायीतरायाचीत्रायाचीत्रायाचीत्रायाचीत्रायाचीत्रायाचीत्रायाचीत्राय क्रिंकि विदारदेवस विवाणकवसायस सर्देश्यर एक्षण यन यम् देनेरस्य विवासि नेमने अवभरेर खणक्तन्त्रुत्या स्तिन्त्रे निष्या विस्ति हो मानस्य दिर्श्य के स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स 

हर मेर लब्ब केर



शुक्रदान्त्रभूभद्रसारारः वे पहुर्द्धान्त्ररङ्ग भक्तिरान्त्र मुन्त्रमान्त्र मुन्द्रित सम्द्रमान्त्रमा स्वापेरः मिल्या दिस्मक्षा देशर हिर हुँग दिल त्रिंग रहिर प्रहेश रहिरा त्रिंग स्था है र हा है से हिर प्रहेश हैं र हा इसल है भ इंस.एट्ट.च देदायमाया जुन ने अरेट बेट जया हुट हो या ही जा चर्त्रे मंत्र ट प्रयास ने वा ते चेवार है वी है वार्टी बार्ट्रकर्वनवस्थार्थर्थः व्यर्धाः व्यर्धस्य वन्त्रभाष्ट्रताः के अद्वर्षानुद्रः । अद्वर्षा विषय व्यवस्थात् व्य भूमायाध्यात्माद्वात्रात्रात्माद्वात्याद्वात्वात्त्रात्त्रात्मात्या यन्वत्रात्त्रात्त्रीः पाराप्रवात्त्याद्वात न्त्राम्या र्ट हैं अहर क्षेत्र के प्रकृत मान कर का के मान के प्रकृत सेर. लेश रेय. वररतप्र केंद्र वर्ष क्षेत्र केंद्र लर.च्याहर,य भवाता, दे चारा, पा चेर्डि, चुरी रेल्याड्रीरारगण वर्दे, चेल्या शुक्रा श्रुवक्रे प्राथमें मानदासम्बद्धतास्त्रभावता द्वतावद्ग्ष्टित्यारावतिक्रीत्रात्वद्वतेत् क्रियार्य त्या है। मित्र है। मित्र है। मित्र है। मित्र क्रिया है। मित्र प्रमान क्रिया है। मित्र प्रमान क्रिया क्रिया है। स्तिन्त्राक्ष्यात्रे हें हर्राव द्वाला केवार् हेर्। ह्रद्रां तामाचरवर्ष्ट्र तामा हिंदा वाले केदा स्तिन्त्र विकाल केवार् हेर् द्यार्यतः वर्द्राक्ष्माता सद्ये सद्या वर्षा वराद्ववाद्याकोर वर्ष्ट्र देरह्मद्द्वावे क्रिंश्याम वर्ष्ट्याम वर्ष्याम वर्ष्ट्याम वर्ष्याम वर्ष्याम वराच्याम वर्ष्याम वर्ष्याम वर्ष्याम वराच्याम वर्ष्याम वर्ष्याम वर्ष्याम वराच्याम वराच् चलवा ता इतिकार में के केरी वा अध्यात में हिंदी के का विकास के कि के में कि के कि के कि के कि के कि के कि कि कि बिगानिया हरा। स्टर्अर्ट्स से राजरायर। श्रेयहेश हेतु तह का हता राजरायर। हीरा र्यतः बहुर् तातर् देश व्यर्व अवदः द्वीर र्माम्बर्धी र्यत्वरुर्भाव वायं वु वेशव वायं विता ल्यास्त्रहुषाः स्वातान्विवाधीवावादवाराष्ट्री देवीस्वात्त्वक्षेत्रहेरावयात्ववा दाके तहुवातिताका स्र अव में त्र हे ने के के ता के के ता के के कि के ता के राम् हिला देश्री द्वारात्म क्षेत्र हेम क्षेत्र प्राप्त हिला हे ता है है। हित्र हे हिला है कि हिला है कि हिला है ■ प्राथम्बद्धेवर्ष्ट्रत्वत्वत् । क्षेत्वदेर्द्रत्यः भरः भरः भरः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः ■ प्राथम्बद्धेवर्ष्ट्रत्वत्वत् । क्षेत्वदेर्द्रत्यः भरः भरः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क क्वायमानाक्ष्यास्त्र र्वास्त्र केरवायस्याद्वाद्वरक्ष्यां स्वाहरस्य क्रिय्टियास्य केर् कुर रमार को देश के मार्चेश्रमणाया के प्रतिभाग्य के कि मार्चेश्रमणा के प्रतिभाग के प्रतिभाग के मार्चेश याद्यतः वही नोनेतः वहीर देर:श्रेटा यात्रभयन्दरं मित्रवाहरं देरा तत्रुवाह्या के भूवाहरं दे धीराश्चाराम् भारत्या वालवायम् वालवायम् वारायाम् भीराया वारायम् भीरा क्रियटर मार्थिता हिरारे अधार्मिक कराया मार्थित कराया मार्थित म म् विकालकात्म नारे वाह्रान्त्र वता मूना वहात हैरा द्वा धरा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे लमा बार केवर हैं, व किया जारा है, कर अवसेद स्थाद है, दे हर की सेद का जा क्या राष्ट्र से द से बेसिय सेने

्रभर,श्राचा बेलारेटा ट्राचए सूचात क्षेत्रियाम्बारीयाहारा स्वार्था राजद्र क्षेत्रियाला लूटलातामुरी २विवाताः न्यावत्त्व । द्यंत्राह्मात्यावनातःदेवके वाक्षद्वाताः अहर्यक्षिद्वादाव्यात् मुस्याताः प्रवास तर हुना रे. व्र र. ध्रुवारी व्यवस्ति के व्यवस्ति के व्यवस्ति । क्र र. व्र व्यवस्ति व्यवस्ति हुन्। राक्ष्णार्भर्यं विश्वित्यत्तरता म् वर्षियायस्वीत्यवर्षात्रायः सेराक्ष्यं सर्वेत्तर्भेत्रा य्यायायाविषयर्वन्य स्वयक्षेत्र्याक्ष्यं स्वयक्ष्यं र्यायक्ष्यं में देख्यान्त्र। हे हि खरमात्री 33 क्ष्याविद्याम् तर्त्रे विक्तार् में दिवायम् निवायमा केर् कि में कि मान कर मर ता बी द्रा रहे ता ना वेर् भम्लामाम्या द्वरीतम् त्राहित्। व्यवतिद्वापाहेत्। मालवायावयात्रीयार्थीयर द्वारीक्रावामारी पाद्वतिक र्श्वारक्षरक्षरक्षरक्षरक्षर्भार्यक्षर्भार्यस्थित् विकार्यस्थित वर्षित्वरान्तातार तार्वराधीत्रात्रेयार्थं में हिर् मार्गाच्येर हरार्यातात हरा है सामितार वारा मार्थ क्षेत्रविक्ष्या विविक्तित्या राज्य क्षेत्रकृत (वहँम) वेशवस्त्र वेरावर विरावशायम्। देरात्म साम् क्रिसे रे किवरे चारा तिर किटला त्रेश पारा तीर टिएटर राज्य हा हिकट सूचारा के तारा पर वा तारी 5 कार्न रेया इन्द्रं विप्रक्रियं नप्या पार्के वास्त्रं से देश पर्दे व विवि विव के असे के दे दे दे । दे व त्या व कि पर्वे वर्षेत्रचल वर्षर ज्ञेर के बार्षर र देन विवास मारा स्टर्या राम वर्षेत्र में वा ता पा है १ नाम कि विवशायक्षेत्र दिन्ति विवशा क्षेत्रप्रधात्म देशेरी सेरक्षर म्यावन्तर मना स्वरं मार्थि वा वन्तर मा चर्-जनर्थाः है. महण् (पहण) वर्गायमन तर्षे ब्रेम्लिर। यी.पर्ने क्षेत्र देनपः सूप्ते श्री सीनी वर्गः भे से या पर्वेटालाचावरासिटरास्ता । भूतासिट्टार्ट्या क्षा. संसामासिट्साला नेत् षात्युत्यसं तातीर नेत्या त्वात्ववा मार्थित त्रत्वा वा संस्तुत्र त्रात्ये देन केवार्ष्यु (मिर)क्षमध्नेर (१६६) प्रदश्च परंप (बरण) है। ब्रूट रुवारी दिलावण वर्षे विषयि वावणर नए बुद्द पाम बुद्दा या पर्टि हार सक्षार है। के बुद्दे परे वे रहिता है। के असक्र वहेंवे स्रित्यावाम धीर में ८.दी जिलासिर में १ वार्चिर जर्दी कुलहै वार्सिवा अचल पेंट च श्रीय ही ही रिश्चिर श्रे आर्स्व रे.दिरी र्यार्था मुन रामकिवयभारेर। हिंदामुर्गायम् एममा है नक्षी किकदर्गणमा मेरी मूद्रविध्यत्रभ्यंत्रत्रेवे वज्या ग्रीता दरा थेव श्रा श्रीवा मुक्त सम्बद्ध हो। वया नुद्र में वर्ष क्रिक्त चिराति,रु.च्.सैराक्या भारता अक्षा त्यार भेयाक् प्रत्मित्रा वर्षा वर्षा की रहा अक्षा अवतः

चारीमा त्र्याता वधुर येवा सामा कारा मारा को दिद्या देवा ये। विद्या स्मार देवा को सामा है।

क्रें अत्या विक्रि. सूर. य. तथा तथा वि वि. वेशा श्रदा राष्ट्र क्षेत्रा ( सूर्वया त) यथिये। प्रश्रपा पर्दर व. प्रदःमधुःदराक्षे वदी द्यावदरम्बदः कुर्यहर्मिक्षा कुर्या यस्तास्त्रं तासि हैट किर् मार्थार्। र्यत्यस्थासकेर। पर्यत्यित्वमारक्षासपरी स्वर्यत्यत्यत्यः वर्ष्यत्केत् के। हः भर्.व.यटा.प.भुकृदं (भक्रा)कृषे रामाध्यमाधिद्दर मात्रका हिंदा। सापक्रमाभूद्र केष्रदेताणी र्हरत्तिवावाताक्षेत्रव्यक्षित्वत्रा शुट्रयम् स्ताना वित्र स्तुः सर्वः सु । द्वर्षा स्त्रा वित्र वित्र वित्र वित्र स्त्र । वित्र वित् ड्याची हित्या शे. मे. बर. मूर्री र से श्रीर ब्रिश में ब्रेट व्यापरिय र हैं। उमकेरी र्नुद्रिंद्रित्रु थर्यर वसा बेरा हूट के ब्रुवस्किट्ट न दुत्त्व ।देवसवा हीट द्रवा का करा ते देरा देवस क्रीम्द्राः व्यास्य मा द्वास्य देव देव देव त्या देव देवत त्या मा मा मा स्वास्य क्षेत्र देव । क्षेत्र देव क्षेत्र म्बाक्षिराववला रतिर.मूर.द्रेर्ट्स्चे वाचल.हिंदा पह्ताचुर.प्रत्युवार्से विवलासी वे.मूर्ये क्ष्रें इस के वस तो तर् वर्षे में सामा तहिया। वाम् वाके व र्यं में ती ता क्षेत्र के वडराम्लामा वार्ड्युवरक्षेत्र अभिनाता विका विकासिकाम् विकासिकाम् र्रो सावकार्यंदर्र द्यर्षिमस्त्रीर विकासनातान्त्रम् व्रेत्यन्ति । क्रिस्ट्रियम् देवसः मुंबर्त्या महुव् (सहुव)क्रवारा म्याम्या म्याम्यार्थित्यास्य मुवास्य । वर्षायते त्यामार्थः अवतात्ववा नवता नदानवात्रद्रातात्रात्राद्रात्ते च्यापन्नवाक्ष्यात्रक्षेत्रत्रात्रे क्षेत्रवर्षेत्र नामर्रमार (अन्)हे रे कर्र्य प्रताम स्वीय हेर रेश पर्य वित्र हिला है सहस्य ्रिराष्ट्रदात्रवेराश्वेषाक्ष्याचार्याय। क्रे.स्तेवाहसायाःस्विवाशे प्रदा देरामान्नेवासाय्यादात्रावातुः विनाध्यर्यते महत्र व्यक्ति वा विना तर्ना मुद्द के विवा विषये व्यव कि त्या कि त्या विना विना विना विना विना विना रदाता को देहर देश्व ता ता कर्य देश विदः दे किंदा का तीहर ता देश ता के बहुत सार्थ वी ता ता कि का प्रकार ती ता हर ्रिस्ट्रास्त्रियार्यते द्राद्वार्यकेष्ठास्त्रास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान रूप. श्रेव.रत्त्व. ल्या. (यल्य) प्राथ प्रवयायुदाहकटा श्रेशियपाष्टित्यु दर्वपा मिद्यपु से या ीताञ्च अध्यात्र भाष्ट्र के अध्यात्र १ में अध्यात्र १ में अध्यात्र १ में अध्यात्र के अध्यात शिवा के अधारेता प्रति क्र. मूर्ड स्थानकूष्टा ता बादा (राया क्राया) । देशाना स्टर किटा तीपा अधार विषे तर क्राया र्श्वमा द्रियं भर्त्राति वर्षा महारे भवा केलक्र दर्। देर्वा में कर्मर विकास कर भूत्रभक्रम् विकास्ति । यह देव र्यं स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास (रीव) विषास्त्रास्त्र अपारे दिर वर्षेत्र वर्ते वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र व नुवा ८.ड्रे.(स्रेप्)वर.लड.क.र.च्या.चवर.म.रचए.इ.म.च्या.क्रंच्या सेवला रेपु.वेव.ब्र.मर.रच.

परिलय्रति देश्रर के बेराअब्र वारा बूलक्कियर देश वा व्याला स्था के व्या के व्या कर पार के वि भुन्दै द्वरक्षिरता । अदर्कवरधुद्धत्वस्थानम् कित्रमा रेतरः भूवरूष्ट्रव्यस्य ह्व द्वर् स्मार्थिक कर्ता भीया वीर्ट. (बट्याल.) देव्रहण वप्रदेतराइमा वारीहरा. जिहाव में में किरावर वहें वे कि धारी है। कि कृत्या वेशक्तिक क्रिट्टि एक्ट्र माधिर पर्वे पात्मक एक के र दर्द के वास्ति वासि हर के बहुत । द्राय कर के शुक्तिर्यान्यं महिला क्षेत्रवरे द्वसर्वेद्वम्यम् मलुमा मुद्रधानु र्था मुन्य मुद्रवन्त्र राष्ट्रां की भीवर्रक्षित्रे वलवायविवर्षे ।र्ते मर्द्रिय व्याप्त्ये ।वक्ष्रे प्रक्षित्रं क्ष्रे भावविधार्यात्वर्यहूर (गहर)वश्यहूरः वेश्वेरविद्यं विद्यास्त्रात्वः श्रीत्हें स्वाववास्त्रव्यः कुरायितः अविवयत् । व्रि. बेट. बु. श्रीयापात्र देवा. मू. दे, अवे. मात्र पर्वा पाइदा प्रदेश प्र 15 mas भर्य आइर. दाक्षिटाक्षटाए के भी में रावारमाय मर्की केंगा में मध्या पर्र है। में भी दाक्षित माने वा वा वा वा वा रसर् र्मार्गरेश्याद्र स्याक्षरं म्यायार्म्य रामाविषाक्षरा सिर्ध्यार्म्य वर्षेत्र स्याप्त्र स्याप्ति स्याप्ति स वास्त्रां के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट रं वर्षाक्ष्यं केटार्तायम् व्यक्षित्राम् वर्षात्रेयाम् वर्षात्रेयाम् वर्षात्रेयाम् वर्षात्रेयाम् विवायरकी सर्मेरी वावनकिववि अध्यवसायर्थात्यं रिया प्रदानम्बानम्य वर्षाः क्या अराम्या के क्या कर मूर्रित श्रेण (म्रेण) अरव सेटम्रेर्ने राम् बेटवर्षेता मूबतावे कर्यात म्राम्य विवास त्राम्य म्म्या विकास किया विकास करिया है त्या है । में विवाय देश के । विकास के विता के विकास देशार्वापःर्वाकृतेक्षेत्राकृताकृताकृत। र्यतावहुदावाववाक्ष्याके यहाके केर्या स्वायतिक्ष ताअत्ववानुदः। तेरः बोति अदुवादुः श्रेषुः के वरादूदाने द्रात्मे स्वावका यति द्रात्मे द्राति व 7207/213/ क्ष्या है वा अश्रक्तां वे बद्या पवकार देवता किता या संदर्भ देव वे अताव ता तहीं अवाह दे व ता ला रहते के देवती お内をかって हरकी न विवस्ति स्तर्भाति के निरम्भास्त्र के रियम्भास्त्र के राष्ट्र के राष्ट्र किया से द्वार के सिया 9 131/31 भुणावाणुवा भुभवाश्चित्रातारदेदरायरी रामात्रियारवाराज्यव्यवसम्बन्धवसङ्घान् वा परें वधुर्ताप्ते वाया हुमा वायिह या ताया । व्राविद्व वायवया पर्वे वार्षिया व्रत्या हूं वार्ट्य विस्थर दर्भावता द्रंदे सम्मिन्न विद्रास्त्र अवत्र में विद्रास्त्र वित्र स्वाप्त के विद्राप्त के विद्राप्त के विद्रापत के श्चर्या हेर विवयं रदारा खेला त्या वेदा (त्या वे ) को खेला केंत्रा केरा वेदा रदा की मुस्ति वे शुःशुःर्वावर्ष्याची ब्रेट्ट्रब्व। धराउदीहाराजायवसाराणी देवता मुवताववतावता हिर्ग्यो खुंब. हे अह्याता देहार्याम देवूता पर्ति वा अर्थे केंद्र वा भूमा पार्वीव पर्ती असी से राजा वा पर्ती वाज्वाम मेर् विरमेरि दिर मेर १०८१ व स्वाय भारत स्टिश के वर्षा भारत वा विराय के दिर विराय के विराय के विराय के

मुद्र। श्रेशनयुन्यान्ययुन्दसेर् केर्रे स्वाशास्त्र महत्र्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स अक्टन चतुम्बन्न अन्तर ( वर्षान्तर । इ.अक्ट क्ष्रिक कुष्ट्र कुन इर वर्ष चतुन म्या कि में अवस्था कर हर पर्या स्था नश्चरकी सेवए वरहर कर्यार्त्यक्षेत्रर नामान्यक्षेत्रर नामान्यक्षेत्र द्वा हार्ट्य वे वायर्वार्वे। गर्भे अहि सूर् हैं। जी ब्राह्म कर देश का अरबन्ने भारत थी प्रसम्भवात्वत्रे हैं शक्ष्मी सर्वर व्यवदान्त्र के द्वे हैं सार्क्रित के विश्वर मैं ने प्रमें के विश्वर में ने प्रमें सहस्यान्द्रेशक्ष्या देते देर देवायति द्राया है त्राया है ता हुया के सामा विद्या है ता हुया के सामा के देवे हिर है देव हैं के सामा है विद्या है के सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है सामा ह **इ.ज. १**८८ अन्तर्यात्रकृष्ण अंग्रेशकार्यकृषा श्रेम दुर्द्रभाम तद्विक्षेत्र स्त्रिकृषा श्रेम द्वेत ज्यतात्राः ह्वाःक्याः देर्द्वायाः क्षेत्रः वास्वायाः वास्त्राः केरः विवातात्रे विवाक्ष्यः त्र्वरः विवात्रेत्रः म् यार्गः (क्रिक्र) वायातात्रात्रः क्रीयाक्ष्यां वाय्वायावात्वात्रः क्रेरः विवायात्रे हिता क्षेत्र। स्राप्ते वायायावात्रः वर्ष्ट्र्यु ने निम्बूर्य सहया ब्रिंदि के लाव्र विते स्ट्विनि स्ट्वि स्ट्वि स्ट्वि स्ट्वि स्ट्वि स्ट्विस वावस्वीतिसम्ह्रा श्रद्धने सकी स्वादा स्वीतिसम्बाद्धा वाववा मे द्वार यति स्वीति स्वीता स्वीता य. ह. बाष्ट्राया ह. बाधुया प्राप्तिव वे हिपा हैं र देवे बाबा कु. भुर के पात्र हिपा के र विश्व वास्त्र वास्त्र व से खिरमाता हु है ता है रा निया बहुत् है ए बड़े ही रहे , परिया ता है हिया है रा में क पे लाम नह या ग लें के के में में लेंग केंग केंग केंग केंग केंग में ते देश है ते हैं ते है ते हैं ते ह पर्य तिवाता वेडिय हिंदा देवल तुः हति वा इसवा इसवा सुका मार्थ हिंदा वा वा के देश रामित तिवा सुर वर्गरास्त्रविष्ट्रिय। अर्थेनश्वातिविद्यर्थरादेविष्ट्रिया व्याप्त्रवातिविद्यातिविद्या वृद्धितः ब्रिंद्र। वर वैद्यवीक्षात्रपुर्नियाक्ष्याक्ष्यात्रवियाः वृद्धितः क्रिंद्र। केदः जनाना वर्षेत्रा रदः वर्ष्यावनेद्रे ड्रिया क्रेंड्र व्युक्त क्रिक्त क्रेंड्रिया क्रेंड्र व्यवस्थ क्रिक्त व्यवस्थ क्रिक्त व्यवस्थ क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त ब्रामायायात्रात्रात्र्वेत्रमास्य वित्राक्ष्या वित्रहिर्भिय्यात्र्रेत्मास्यात्रेत्रा स्टिमासम्य व्यक्राधि न्तर वेद देश अहित हिंद। के अवस्ता प्रायक्त प्रवित है अवह हिंद अवह हिंद प्रवित वित वित । युल्ट्डिल्ड्रिंग इरट्ट्यर्चगावचन्नमः णवुड्डिल्ड्रिंग से.दे.ट्यर्चचः व चन्नमः लट्डिडिल्ड्रिंग र्तान्त्रवाम्यक्ष्यास्त्राक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्या द्रमानक्ष्यं रचात्राद्रात्त्रक्षयक्ष्यक्षयाः हिना अञ्चार नुविक्ते हे= प्राणका द्यारविवासिकार्य स्वर्धे हे देवराद्रे स्टिव स्वर्धे हे । विश्वर स्वर्धिक स्वरिक स्वरिक स्वरिक स्वरिक स्वरिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वरिक स् अर्थेत. मृषुकिता. प्रेंच, मिवाकी भाषा अर्था वुः । न्य राधा का प्राप्त की र देन मिवा वुः । वाषा कर र पर्दर् पर्य वर्तितायवीयः लूटः= । वाष्ट्राह्मःद्राम्यूप्वासिदःग्रूशः लावात्रः= । श्रुद्रद्रभमः जन्नः देवाक्षयूप्रहिद्यः मु= | र्दिर.र्वेश्व: म्वाइमालव्यः । रेश्व:श्वरश्चाम् स्ट्र्रर्वः मिन्यरक्यर्र मिन्याक्रियाः र्स्य चेर्रे = रेक्ट्रह्मरक्ष्याच्यायाव चेर्रे = यर्गातिक्वायाय स्त्रे = विरम्भेर्याय स्त्रे ्रेष्ट्रेष्ट्राश्चर्रेया. यात्रत्राच्चा चात्रत्रः अधिके वधुर्वात्र्यं वस्त्रत्यात्राचे हे त्यात्रात्राचा विकास लानुः। विश्वमिणायमभाभुः लूर-पृश्वः। यवनावृद्धः यानरूर्द्र-कुराक्षायः नुः । द्रशाच्याः द्रशाच्याः विश्वमित्रा इ.र्यः भर्ते वर्त्यः वर्त्ता सर सेव तप्रधित्वर प्रमुत्र मा के सेर रे के स्वर वर्षा मार

चभक्तिम् इसमाश्रक्षेत्रा विभागान्यात्र विदाले कार्ये। दिरम्पर १ वर्षा स्तर देव कि भी प्रह्रेरमा स रमर्यमभभाश्चिरातावर्ता राष्ट्रीत्रावाक्षितातात्वार्तात्वारातात्वा सर्वातावास्यात्रीत्वा राभरतायमान्त्रियास्या व्याप्तियास्या व्याप्तिकार्यः व्याप्तियाः व्याप्तियाः व्याप्तियाः व्याप्तियाः व्याप्तियाः क्रियंत्रेत्रम्था अस्रद्भ्यायते अस्तान्त्रम् त्रां भ्राम्यान्यात् स्त्राम्यात् स्तर तरंदर किट शुर्वेशशास्त्रका के कि महिला ही जा लालकुर है है ए जा के देश (शुर्व है र जा का के देश) व्यार विश्वासार्याय मीवालेटा र्यायां रिमेश्वासार्थिव सामा व्याया रिमेशा कीवास्तरात् केरात्रेरात्मेरात्मेरा वर्षे (अम्) र वर्षेत्रायमान्त्रिरायमा हिद्दश्यकामहिमायात्रह्मायात्र्यस्य प्रमान्त्रम् । प्रमान्त्रम् । प्रमान्त्रम् र्ह्म कुर मुक्त में के किर मार के दें के दें के दें के दें के किर में किर में किर मार X Ages मुश्रह्य क्रिया क्रिया वित्या क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क स्वास्वानुसंतर्भायते । दवायते देवायत् स्वास्या वादवासीवाता वात्राम्या सूर र्तिताक्ष्यास्त्र त्यत्र त्यत्र त्रा याद्र क्ष्य त्या व्याचिता त्या वित्यक्षेता त्या स्त्र क्ष्य व र्सि.एकदम्भावप्रकेषायाक्षेर। वर्षात्त्र्वायावस्त्रेयायो श्रीटव। स्वतं तप्रावट रे.श्र.जाविवया रक्षेलमा श्रीटार्यास्त्रियास्त्र्याता क्षाक्षात्रम्यहरावहरायो विष्ट्रात्माद्रम्या क्षित्रकः रे.व धेया ता विद्यात्त्रका क्षिता विद्यात्राध्येत्रक विद्यात्रक वि न्त्रवंश्वेश्वेद् र्वातः यद्वा अदुवः क्रांताक्षे तक्ष्यः तदुव । श्वेदः यद्वाः हं क्रें के द्रामः तद्व । ८.किट.म.वे.ज्ञ.के.ज्य.पृ.सूची भावाश्वा.वि.बाव्यांत्र्यंत्रपुःश्वेटः। दे.वलक्ष्यःत्रा.वाक्यां ब्रूट्रियम्ब्रियश्वर्षः द्वेन्यस्य स्थितियस्य वित्रयात्वत्यत्त्रः स्थात्याः स्थात्याः स्थात्याः स्था या तर्श मुक्केर्य या ता प्रदेश कि स्मिर्ता प्रया वा ता गुर्द्धि के में श्री विवा भाष्रिक से वा भूति रें में ए। ए। यदा अर अव एक्ट्रेट्र रेटर्ग । यदा धारा वादव मा बुदि है। क्षेर अर वे स्वर विद्रा 3万岁 र् देशिकात्मक्रालकारा किटने वटार् भविष्या हा वर्ष वर्ष देश के व केंगु किर केवा च बुवारा प्रवाराक्षर्री र्रे एसिया व बक्किया क्रिया कर्षे ने कर्षे ने व ब्रह्म का व्यवस्था मा अहर्तयाली लिट्रेख्याकेरत्यीयदेश. पर्रा किलात्याचेषत्त्रत्येत्याकाला ख्रिंग्यूवेका अक्शक्तिता कियान्त्र विश्वास अर्थीर्यातिश्वाताता शुः बार् हुट क्रमं के वस्त्रमा वासिट विषयित है. भूकर बिद्र में में वायर में बार का हरी के के छ ति हा तिवारा तासकार ता ब्रह्म के किया है व बिवारा में बार अहूर। र्हर कुष्ट मुद्देशका की कीर में में महाराज मूर्य कीर में में में में में में

चील रेचार्यवातिरत्त्वयाद्वसार्थय । प्राचक्रिरंडिशाता लयंक्रदं युला लक्षदंशवाय्त्रेरं विद्याहिदं दुर

चर्तः(ग्रतः) कितास्रिक्यवाक्षेत्रविष्यायात्रो सम्प्रदेशराक्ष्यात्राहरः वर्षः (ग्रतः) र लेव वि यप्ट्माक्रेंचान द्रमाचनिरमानुटा छ यद् भेरतिय। व्यवस्त के नामित्र स्तिरामा अन्ति । क्याक्षेत्र, वर्गाक्षेत्र, विशाल क्रिटार्ने वर्गा मुचारा द्वारा क्रिटार के प्रावेश क्षेत्र विशास क्षेत्र विशास देशकर खनरायम् रे अवस्थायरि म्यार्थि यादा मान्य वायर वर देर स्वर या स्थान स्थान मैंग्राडिमार्टर। रद्युतिमासूबान्य इप्तास्य प्रेयाता एवरिमारे वदाष्ट्र में। यदार्टि सुर्वे क्रमान्नेन्नेना तर्रात्र हेर वह मान्या वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र महिंव: इर.हर. । क्रेंचा सेपारेश हिंदा में वर्षा मित्रा किए ह्या मित्रा हर हिंदा में वर्षा करा है। इन्द्रिर्थर्भवाञ्चर्त्वर्त्त्वर्त्त्रियाः वर्ष्ट्रम् द्रिक्षेत्रम् द्रिक्षेत्रम् द्रिक्षेत्रम् मिवर.रे.कूर.इ.म.रा.मुद्रमूर) रं.वर्षामुररमग्रम् रा.मुम्म के वा मुत्रामी अवा तहिना मराता करितर कुंर्भेट.बाक्रियार्थं वसेरंबिवज्ञाका हैट.व.बावजाब्र.क्रिटल रे.कुर्वश्चीर.देशबील्य्र्र. रेट.) धावावकार्थः अ.लूर. हुअ.इर.ज. शरध. में अरेट. ज्याजा. १ लड्श.कूरी रे.वया. ब्रिंट र प्रथित प्रथा किंट सेर. सेर. सेर. रवर्षाताना श्वराप्तिया थार्या धेरा रहें वर्षे वर प्रविद्राश्चाद्यम् स्त्रेम् हिर्षे क्रियाकी दर्षिया या म्यूया क्रिया है स्त्रा व्यास्त्र व्यास्त मुस्राल्यस्वान्त्रस्थात्रेदाक्षद्भावत्त्रम् र्यात्रम् र्यात्रम् र्यात्रम् स्वत्त्रस्थात्रम् स्वत्त्रस्थात्रम् क्रे.चअर्द्याकुट.कॅर.केर.वर्द्र.चर.विचाराऱ्यां वर्द्धवाह्युष्ट्राचातात्त्वीतात्ता रंतपःज्ञावरः स्टिश्चर्यर्भ्यात्वे । विवाद्यरेतरः क्षेत्रं वेरावतक्त्रं र्ररः रक्षः क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं विवाद्यं क्षेत्रं विवाद्यं क्षेत्रं विवाद्यं क्षेत्रं विवाद्यं क्षेत्रं क्षेत कुलद्याम्यो श्रीट्स्यम्भराक्तिद्वर्त्त्र्र्यात्रम्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रक्ष्यात्रम्यक्ष्यत्यम् स्वर् मालद्र में प्रसेश ह्या अत्र दे ने वह ने देह अद्र के वर के अर में विषय पर प्रमाण पर्वे वर्ण वह प्रदेश सहस्य है। डिल, राष्ट्र, मुष्ट. मि.कृत, र्, त्रेट्ट. मुल. प्रकाणावत. मुष्ट, र्यार वर्षा कुरता लेशा विशा विशा दें तर से से से सम्बर क्षेत्रात्मेयान्त्रः वावकान्नतः स्वत्यान्त्रः स्वत्यात् स्वत्यात् स्वत्यात् स्वत्यात् स्वत्यात् । द्रात्या स्व स्रित्रीरंवाग्रेशम्बर्म्यत्वरायकक्ष्यात्वरम् वर्ष्यात्यः क्षेत्रक्षात्रः वर्षे वस्त्रेयार्रा किलात् अद्भव्यक्षे रव्यास्य सर्दिक क्षेत्र व्यास्य दिन क्षेत्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व व्यो किलाम्रेरवरः घर स्थाके लक्षर्या म्वाम् मुन्यायाकी अवता वाद्यस्थे देर कुलाय धीवा रिम्टमा श्रीटार्थरायर्द्रश्चियाताता निस्ताया देत्रटार्डिंगार्डिंगार्टिं मेट्र.पाअश्यपर.मु.पहए,अडियाता.याडियाता.सी.बीट.कर.। रेट्या.से.ब्रांट. तपु.पर् से.स्पान्ट्रकर मिलाय.म्रह्मामिन्नामिर्शास्त्रः र्यत्यवद्ग्यम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् 

वि. शुरा वेरा वि. श्रेरा के श्रेरा ववसा सार्ट विया । दे. में के श्रामा वा विश्व करा वि स्थार अकूर के के ला इरा देल्खूल-भागरायगातकेदार् वेषवागुनायायाया वर्रदेरात्रं ब्रुटा द्वारा क्रिंटु ख्रेवायते गर्हर यारी वानवाहिए शिक्षितासी शारमादम्दर्या मुम्मारी प्रारमे स्वाप्तिकारी वार्षे सेवशक्तान्ये। भरक्षात्राक्षातितः योट्टरायादे त्यद्वाया तयर यहित्। द्विर्रह्याया 大は、それれ、まい、からからは、なられるというというない、まないない、これないのできる。 वेशाच्यूर,जूरी क्राजार्यमंत्र्यु केशार्यः पत्रम्प्राच्यूक्रं ह्या वर्ष्या अतिवेदः वः राम्यानिक्ष्यं (वर्षा) यिक्षेत्र (वर्षा) मानिक्षेत्र (वर्षा) मानिक राम्यान क्रान्य विकास निर्मा निर्मा क्रान्य क् यूजात्त्रात्रात्रिदस्या विश्वराणद्यात्र्यात्र्यंद्रित्तेत्रात्र्यात्रात्र्ये विष्यास्य यं. टे. (बर्धः रे) बाह्रद्रक्व । द्रे.ह्रद्रवापरीयक्रिम्ब्राक्ष्रिम्ब्राक्ष्रिम्ब्राक्ष्रिम्ब्राहर् । र्रट्या अधि राध अधि अधिय । र्रा किया राषा क्रिया अधि है र र्रे अर्थ विषय अस्य अस्य ता वर से दर्भेट त्यः पर्यामियात्रे। मानवयास्रेरवमामक्राम्याम् । राष्ट्राम् (हिरी)स्रियातस्र तार्त्र। विश्वास्र क्रियामर्थकुरपाता के के अरखर च्यायामियाक्ता कार्याचारा च पहर है सर वरा के हुन. (गर्र) धुर व से मृत्या प्राप्त विचान किर देश वेर प्रार्टर र स्रो हिर्द्य भाषा स्थाप के विद्र र प्राप्त के विद्र त्यात्राके विषा सेवयाकी श्री अद्भाव कि स्वाप्त निर्देश अध्यात्र का अवस्त्र के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के नपुर्वता के के ल पहर होनर्गा भर्ष विवासिका मुख्या मा कि बेट में यो देर मा हर ल हा से में से पर (४८२) व. च लेश. क्रें प्र. देशर हो जा की मान वर्षे हारे रह जा अ. हे. हेवा हुटा वावें आहे ए. अर्थर हे स र श्चाश्वरक्षित्रक्षेत्रक्षा द्वारम् वित्रमाविक्षेत्रक्षेत्रप्रात्मा व्यावसर्वेत् दे द्रायाविष ट्रिस्टरान्त्रिः एहराद्रेश्चे वर्षर्वर्ष्टिर्हे से रंभवात्रवरा चरात्रेशः वर्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रः यीका स्वाता (जना) अट्टां क्रिया क्रिया देश हैं ते प्राप्त हैं ते हैं ते हैं ते क्रिया है ते क्रिया है ते क्रिया हैं ते क्रिया है ते क्रिय है ते क्रिया है ते क्रिया है ते क्रिया है ते क्रिया है ते क्रिय (ब्रट.) येष्ट्राम्नुष्टः ह्रियामात्परः कृषः ए ज्ञूमायः (व्र्वमायः) तामा क्राह्नेरः त्रेता व्यवस्त्रेत् स्वायस्य ह्रितः यी. यार्त्रे प्राप्ति क्रियं त्राप्ति के विषया मात्रे क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं म् वारायिताकी सेवायकी रविवायातायां विविद्या मेवाध्या प्रवासित्र मेवाध्या प्रवासित्र मेवास्त्र मे या मिरका त्रेया क्रियं वता प्रति दिर दे पर्दे क्रियो देतर में मूर मिया विका ) यो आक्रियं क्षेत्र क्षेत श्रीरम्भाद्मवा स्राम्केनक वर्षेत्र अदः द्वाराक वं को स्मानव रा। र्द्ध्यं नेर रना हु दुव थ। रिरायः ग्रारं मुन्नेत्रं देहर् पूरा । श्रीर क्षेत्रं सूर्यरं (यहिका) स्व । कार्यः कार्यः तायः त्रं देहर क्या वयः स्यास्यायस्थितस्य कार्ष्यस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रः ॥वर्षिक्षिक्ष्यिक्ष्यां विद्यात्रेयायक्ष्यां व्यक्षात्रक्षाः क्ष्यात्रक्षाः चीर.जा.प्राय.इस.जु भूमा के प्राप्त स्त्रा स्त्रा स्ट्रामा स्त्र के स्त्रा के देश स्त्र का स्त्र का स्त्र का स्त्र का स्त्र का स्त्र रे र्जिट्टरभयाद्युःस्रेन्त्रद्रः द्रि. व्रि. व्रि. क्रि. क्षेत्रक्षा क्षेत्रं क्षेत्रः क्षेत्रं क्षेत्

क्रीर रिम की है ने के राजा देव कर हैं जूर के ट रिवेश आही राजा जा किर है । रे र केंग्र व अरस है कि

(Furn

देशतरा। हिट.भु.रम स.कुमधर वसूर। कैपाएवरिय किपास्य स्वर स्वर प्रकारिय वामहरः थ्या एड्रियान्त्रुट्सेर.४६४१मवेश.१११५७ व.एका र्र.वर्षिकक्रिंग.इए.क्रे.वर्षेत्राक्षेत्र. य। यी तरी विकार के या बाहिया की या के तह वा त्या थे के का हर हो वा दे हो या राया राया की के था है वा का विवा न मलरे देश महामा के किया है वर्ष के किया के वर्ष के के वर्ष के के वर्ष के के वर्ष के वर् वगतर्वनाताम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् लर्भाय सम्बन्धिया वर्भावेत वर्भावेत वर्भवेत वर्भवेत वर्भवेत वर्भवेत वर्भवेत वर्भवेत वर्भवेत वर्भवेत अद्भिनान्त्रेम् । क्राक्त्यान्त्रहेत्यस्त्र केष्ट्रात्रात्रकात्र्य । क्राक्त्यक्त्र म् ता क्रेक्टरप्रवादित्वारक्त्रात्व्यात्व्या हिन्ता हिन्ता हिन्ता वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या माले क्ष्यक्षेत्रहें। यनगर्याहरता मुदारसाय ध्या ह्रिकीट स्वरम्मा स्वीता त्या के.अ.बाड्या.ब्री.साब् एट्या. है। व्याप दूर बाड्या वी बाड्र प्याप्ते देरिक के बाड्या के हिंदी ता वावता 3 देरिक इत्यर न्यू के सर्टी चन्द्रिया में राजा का तर पहिला के तैया देश में यात्रण पट्टी देश का द्याक्तरभ्राक्तर थारी में हुए एक्ट्र हें में मान प्रमाणहरा भ्रामा प्रमाण में मान हैं । स्थाप हैं देशका शुत्रक्ष्याश्चेत्र अत्वत्त्रयाः गर्मेरा पहराग नुवास्थरायः नुवास्थाः क्षेत्रा हिरायस्थरायः विक्रिक्षा ता बीचरी करते वाला कुड़ कु चर हरी कु मैंतान बाजूर रे बि.में मैंता। कु हर जाता वार्य कर १००० म्रोत नुसारकार विश्व स्थापनियास्त्र। सर्वर र निर्देश निर्देश के वर्षा मार्डेरी नेपारकार र कि निर्देश मवस्ये। नार्गर द्वा इ.रर.या कर्या श्रिक मिवता हरी न्यातवा तर्त्वा या वर्षिया व्या मुभमार्दरामभार्गम् देवेशाहर। देमायवाराद्धराद्धर्याद्मारक्षे स्मायवारावाद्याद्मारक्षे स्मायवाद्दर्भागाः द्विस्य इर। वहरालयात्मक्षा स्टार्य पर्यं भारत्येया विषये विवास्त्रेर वे केवर्यं प्राप्ते केवर्यं के ल्या भ्रम्भ मान्य कित्र कार का की स्ट्रिकी की स्ट्रिकी रिक्रिकी स्ट्रिक के स्ट्रिक का किर् नर। कर्क्यानी.वी.मुतारर.हरा नष्टेरक्र्या मायाक्रार.(मायावसूर)पर् हरा। र्मिट.केट,अर.दे.देव्याक्षय्यापूर्त क्रायीर मेरायद्याता। व्यवेदाय पहिचायान्त्र पर्यायक्षः विकारार्ट्यम् । प्रिट्रंयः के यह में द्वारा में यह में कुलावयुरान्य विभाग्नेयात्यकुर्या रिवेर्य सम्प्रिय दिवेरान्य विश्वास्त्र । विस्ति किया विस्ति विस्ति । चेव.ता श्राव्यवश्रह देर्दर हैं नार स्वाधित का इस है का हुर व्यवस्त है स्वावस्त स्वावस्य स्वावस्त है । दे सहरवायसर गर्दाय। क्रम्बर्स्यकार्भावा देन्दरक्षिकार्रम्भारातामा वर्षेत्रकार्भावा देन्द्रकार् क्रि.क्रियावसिमास्त्राक्र्या.स्रेस्ट्री क्षेत्रुमाद्दा क्षेत्रुमाद्दा क्षेत्र्यात्र् क्ष्या रमग्रद्धःश्रभ्यर्भमान् क्षार्द्धमान्त्रेशः वर्षात्राद्धमान्त्रेशः वर्षात्राद्धमान्त्रेशः प्रवेशन्द्राम् प्रह्माधीद् श्रदक्षेत्रकृताद्यंद्र। क्रीनुक्राम्याम्याम्याम् वीदःद्रभूतः र्थत्वदुर्यक्र्रंकुर्यक्षेत्रे। र्वदुर्वे व्यर्भियवशायर। ही र्यवायर्गक्षेत्रकरावाया । 

グタン 235

2alzz

क्षा भेत्रमहें प्रथा रेशायर अकर। इया मेरा सेवल मिरा में सेवल मिरा में सेवल मेरा में सेवल मेरा में सेवल मेरा में रक्षितार्,रहेबाताःअबूट्रह्या रेनए.वर्टर्षेत्रअलाव्रेखेट्युःह्यास्यायर्राः(रावर्षाया)श्चरप् ८वराग्रेराग्रेरा रासिएलयाड्डिरकटाड्डवाड्याचा ग्रेयाचा ग्रेयाची रास्तेरता वाड्याकटरा र्यस्त्रियो भाषातासहर्रम् लेखान्य कार्या केवारा या स्तित्र कार्या स्तित्र के त्रा हे के केवारा कार्या केवारा व पर्राम्याद्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र है। स्यार्शका के प्रवेश। एअविद्रियारकारा) स्विद्यार्थ स्वामा द्याराता श्चेरवरी वसवस्यर्था गुराया इतिहर्स्य र्यत्वावर्थाः हेस्ववर्श्वा विवः भ्रमः दूरः राज्ये वहवाय। याच्या वश्चा विवाल सेर में देवी खेला यु विवाल के हैं टर देर अवडल में में में में में देव के में ता है रहें -र्रस्थाना वन्तवायायायाय्वाव्यावता रेहितायायायायायायाया हराद्रावार्राष्ट्रवाया जूराजूरा भाषेचा. है. रूजा भाषा क्रेंचे नरेरा किसेरारेरिका नाकिवान में के रूजा भाषा पर्य नायुक्त र्ना विविद्धारालर्क्षिवर्रिक्षिणालका रेगए.वर्रेर्जिक्षाअब्दवमा विविद्धालाभिक्ष वर्गाति विवादर त्यमार्श क्षेत्रं अक्षेत्र वर्गानिट की में वं पर्देर त्यूरी वावन म में अपना पानिकने अर. अप्रा रिगर प्राचित्व के वाद्या मार्चे राक्षे हैं दिर प्राचे में के के मार्थ में प्राचित्र में किर भेपरा विस् कर्मे प्रमान मन बिवह र रियत वर्रम् अस के प्रेर्रित रितर्मा व्यामा स्थान रिवस्प वर्षिय क्रिट्ट अशाब् बेंद्र यूथा स्रियाया न्येट प्याया स्थे म्थ्री स्रि खेया रादे देश वे या शिवादी य प्र री र खू. ये अ था. कि इ. वे अ १ के दे. का दे के दे का दे के दे का कि अ अ अ दे दे से इ. अ के कि के कि के कि के कि नवायात्रायात्रार्वात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया यसर्द्री थु प्रविभक्ति, याम्राकेटाता स्वमान्त्र क्षेत्र प्रमान्त्र मान्य क्षेत्र क्षेत्र ताम्य क्षेत्र ताम्य क उभनिर्दर्भर देर दर्। रम् द्वार्श्वर दर ति वार्य भागी रह महीर है तक वायन वार्थ है र्थाक्षेत्रम्याववात्रात्त्रक्षेत्रम्यम् नेवयर्। रमतः क्रादरक्षित्रम् कर्षाक्षेत्रम् श्रीतः सूर्य अत्यादाप्ता, यो द्राप्टक्ष अत्ति हैं । किंदि श्री अविति व अर्र हैं। विति हैं भी अविति व अर्थि के व ध्याकियान्नः प्रकारमाना रेतपापार्टा श्रीरावर् वचत्रातायाक्षाः मृत्रं स्रीतावया राम्मेर्न्य व (स्व) देर हे व यथा प्रदान प्रथा ही है कि हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है यह व विवाद ही ही कि तथ कूरापर्स् । रिस्कुकुर्सा अभार, रहा विशाकु प्रस्ति का भाषा सु भिवाय सु मित्र कु अंतर कि अंतर मिर समेर द्वामान्य्राम्यान्त्रमामान्त्रम् त्वामान्यान्त्रम् । मुद्याम्यान्त्रम् । मुद्रमाम्या 

ता मार्था में र अतिर्दे प्राय के अपित दर वता के वार्य अद्देश दर विष्टुर ता द्यार में का किया

क्रियाचेदस्यक्ष्रद्वर्षेद्वर्ष्यवर्गा स्ट्रियंद्रम्याद्रयंत्रम्थाद्रद्रा देद्वाद्रम्भाक्षिर्द्रद्रह्या युमात्रस्या (स्वार्क) मिह्न देन देन देन देन दिन देन देन त्या पर्या विवा त्या त्या के देन पर्या र् छ द्वा बेम्पव तक्षर क्षेर के रदार् कावला रम्भवा तवार तवार प्रवामेश के आर क्षेर् र देवला दुव दिवा श्चराम्यक्षेत्रकार्याता क्षेक्षेत्रक्षरमारा देशम्यादेश। यदर्यशास्यक्षेत्रमाराक्षेत्रा(त) चर्नरमा क्रि.मू.वेश.पार्रियमा सुमार्स्त्रीपा दिर.युमार्क्स.केप.मू.व्री क्षेत्र.कूरत्रयात्र्यः मावरलासूर। प्रतिधुः वर्रे देवता सूरी ध्रावक्षरला र्यार्थिर विष्या प्रतिप्र यह श्रेत्र श्रे के देश क्या हरा रेटी दे पर श्रिक्ष के हिंदी स्था के स्था है है है से स्था के रेक्ष गर्द्द्र सुलदराख्या नामन दुराहर विदेश के मुक्त के मुक्त के मुक्त मिर्म स्थाप है। मिल्लिक्ये निर्देश निर्देश मिल्लिक्ये किया के निर्देश मिलिलिक्ये किया मिलिलिक्ये मिलिकिक्ये मिलिलिक्ये मिलिलिक्ये मिलिलिक्ये मिलिलिक्ये मिलिलिक्ये मिलिकिक्ये मिलिलिकिक्ये मिलिकिक्ये मिलिकिकिक्ये मिलिकिक्ये मिलिकिक्ये मिलिकिक्ये मिलिकिक्ये मिलिकिक्ये मिल विंशातास्तरम्बर्धिरद्वाकास्त्र विविश्विकात्रिक्षक्षरविष्य वर्षर्धिरविष्य वर्षर् व। वि: दवाक्षेत्रं द्वारा क्रिया केलायुर विवास तार्क्ष वात्रा विश्वास गुर-९९-कुथ.के.मु.पर-वरेल-हित्स्ता हिर-देशक्षिर-रंभवी-ये-वर्गार्के मुद्र-तामा रेगत. कर्गार्शकास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्त्रात्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् बद्रवालायदीतावरु सेवायकूर्तसम्बद्धार्य वर्देर्यकामार्ट्यर्र्यकीयक्षात्रे दिव वर्षे केवास्त्रे विव क्षित्राध्या हिटार्यायाच्याचरत्रहिरादे रे.म्रेटाटाम्याम्बर्टरं सम्प्राह्माविवाहेरः वक्रा क्रियातराररवयु स्विच दे.वीश्राविराविरया केरारी ब्रुक्टरा करिया क्रिया क्रिया लरा दर्जीरमण्यद्वाचित्रवामान्द्राज्यामान्द्र्यामान्द्राच्यामान्द्राच्या मान्यस्य बाजामशास्त्रवाराश्व १८१८ मारशासमा श्रीटाय देशसामितासहर १८ देवतरे स्वाय मा च मिर्यात । दे में अरेच अदाराद्ध क्षाव अविदा दे ता प्रमें के वा मिर्या या वर्षेत्र। हर हर संस्रेर्स ध्येर्दर ध्येय्दर्र स्थान्त्र स्थानेर वर्षा केर वर्षा केर वर्षा केर वर्षा केर वर्षा मिनासर्ययार्थियर्द्धसार्था सर्वताप्रदेश स्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त त्रिवा.एक्वा अर्टरःलूर.इम्या.व.र्ड्ड्या.एंवा.हिवा.हिवा ।रंगए.वर्रंर.इम्या.अञ्चा.इवाअ.इर्ड्या. स्वयारेम। डिम्हारेम डिम्हार्विक्व क्रिम्बिम हिम्हारिक क्रिम्बिम हिम्हिसार हि हिर्य अर्थकी. दी.तीया. एक्वारा भारते अभाषारी तर अकूर धायला श्रीर यादारा राष्ट्रमा पूर्वे य्यावितः अभिन्ने स्रेर्यायार् र्रे र्रिटः र्रे विश्वक्षित्र र्रे क्रिक्षा करणम् स्र वश्चित्र वश्चा सुरा द्वेय शं त्या रा त्या वर्षित या विवान्तर वर्षे द्वा स्वर दे राव हिंदा त्या वा त गर्यात्मान्यात्र्रात्मान्त्रेराम् देराक्ष्यात्रात्र्यात्मात्राम् देराक्ष्यात्र्रात्र्यम् वश्यान्तर में के वार्शक्ष में में के देव हैं । देव वार्श देव के महत्य के मह द्विम् क्षेत्राचरात्राच्यात्राच्यात्राच्यात् । इसाच्यात् व्यात्राच्यात् । व्यात्राच्यात् । व्याव्यावराच्यात् । व्यावराच्यात् । व्यावराचयात् । व्यावराचयाय्यायः । व्यावर्ययः व्यावर्ययः । व्यावर्ययः व्यावर्ययः । व्यावर्ययः व्यावर्ययः व्यावर्ययः । व्यावर्ययः व्यावर्ययः व्यावयः । व्यावर्ययः व्यावयः व्यावयः व्यावयः । व्यावयः व्यावयः व्यावयः वयः व्यावयः वयः व्यावयः वयः वयः वयः वय

क्षेत्रक्षित्रं विषये हेर्त्यम् ही वहेत्र तथ्ये कार्या स्वाय हेर्या हरे। व्यापित कार्या विषये राष्ट्ररामिक्षेत्रयात्राम्यव्याहर् रस्टर्म्यमाम्यवित्रके वित्रियात रसास्टर्म्यकेर्यकेष्यातेन ल.कर.अक्टरकुक्त.क। कैर.कीजाअक्त.र.सैंग.ज.री ते.चेरीअवच्याअप्र.केंच.च्यूर.क) पर्यायमारायाकु मुक्तांभर। द्यारमारुकाकुस्यक्तियाकुरियरम् । तर्रायाकवाया राज्यामार्थे वर्षात्राक्षात्रात्रात्रात्र्वात्र वर्ष्यात्रात्र्वात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्र तर्तासन्तितर्वेशस्य के तर्रे र्यं प्रायम् वर्ष्यं वर्षं वर्ष्यं वर्षं स्रविश्वास्त्रर्भात्र्वेत्रास्त्रे र्रात्रेश्वर्भात्र्व्यास्त्र्वात्र्वा राष्ट्रित्राचर्ष्यं वत्रा र्यंत्रः द्वरान्त्रः वरिः वर्षावायः दरः यथा से द्वर्षाः वर्षे त्रात्रे त्रा स्वर्धाः वर्षेत् र से हे हिर से से र हे दे र हे अहे अर्ट अर कार का मार वह ही र र म मान करी से र मा प्ययामा मार्थित के र्या वार्र राया देनदाया देनदारी साम्राम्य वार्षा अर्द्धराव। नामरायान्वयान्वयान्य राज्यवाद्वार्। के क्वाम् क्वामायान्य ते त्राप्ति दे तर्वेव पायान्य वाण्य वर्त्या की परके ता केर्गर हर्गरमाथवाले रूप् रे तर् बर्था अहर व) [किंद्र देशका की लद्ये ला] भ्रांच्या में वया कालवा जालदा दे लदे लगा है कि किंदि है। वर्ष्याताता रेश्वत्रेत्रितायम् मायात् दलाशकाय्वत्याद्वाद्वाद्वाद्वात्याद्वा वी त्रविधारवर्ष्यका कॅर्यं देवते द्रयत ह्रवायदेश वर्ष प्यर वर्ष के के कि के के के के रे रेट हे क्यरेश रे किया हिल (वेस) व बर्यर है केर देवा वे हिट है कर ये के देवा वे क्वाक्वानुप्रदेवानु दुराने। चलाचरव (वरव) वार्यम् सिहिर्धानेद। श्रुवन क्र मिरामे राष्ट्र र्रेशको भया मूर अर्थ अर्थ स्थाना रेग्न अर्थ मेर क्रिया अराजा कर हर।।। इसा ब्रम्हरम् वर्दिर्दर्भातरता श्रद्ध देवर द्रापा सामिर प्रवर्द्ध वर्ष सेवला वर्म सेला रद्रातकार्था देशन्त्रका के वा के दे दे द्राय विकाला वा त्रात से में के का ला हीरे (रहर) कर ला ने

क्रिंश्री अटइर्टर वामिकारटर्रेचार्यम्वण मिवायाः क्रियार्यात्यां द्राता विवास भु प्रचाना वामा (तमा) । देर्ट हुमक्टर चिवाम विमायर। यथार हुमाम स्थापर शुड़र नर दे किटा हर जा मान हर पर दान मान कर है । विद्या के मान के मान की मान की मान की मान की मान की मान की मान अब्दर्श्वराम् ब्रुट्यमे नामत्रे मेट हेर्ड्या केर्या ताम विना धीव करें। क्षेत्र कर कर कर विमान रा.रबी.पावा.वि.कुरे। र.र्.र.कार.श्र.पर्याकाम्ब्रिर.र्रस्यूरी बिवातासुक्तर्त्र्र्यरकाश्चरः। कर.यूरे. मर्थानुसक्त स्थान र स्वासी यह र र वर्षा (वर्षा) मृत्ये स्थान वर्षा क्षेत्र स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ब्रि. लुअत्र चारा प्रदासि द्वाता कुरेवा ब्रून. एड्वॉ. एड्वॉ. पड्डिवॉ. प्रेश के न्दर. दें हिन. हैं र ने ने क्वलक्ष्याहरा शहराम् अरद्भारदेशस्या देशस्य देशस्य वर्षेत्र स्वरम् वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र इ. म्र. चुला हेर क देर होश्यालक है तर घडला राम प्रमा हिरा में भागी राष्ट्रायवारकाष्ट्रशानम्दर्भावारम् あるめまから、ある、これでは、ないない、はなっては、なるのは、なるのは、なるが、なるできばれる。 वाभवूर्त अवध्यामेश्वयात्रात्यात्रक्षाः देवात्रक्षाः देवदावाक्षाः क्षेदावाक्षाः क्षेदावाक्षाः क्षेदावाक्षाः मूर्रित्र्रेशायुक्ति द्वास्त्रहरूत्वसद्गाद्वस्त्र द्वास्त्रम् अबूत्र (प्रका) रेटा टिवा.प्रदश.कुल.च.रंश.देशता.वि.वि.द. विवा.ववाहे ब्यूटा हैट.ट्रंट कु. शुन्द्रात्मा वित्रदश्य अदावासुराध्यात्रह्मा स्ट्रिं स्ट्रिं लुअन्तरा,रविर्याशक्षकः दुश,एर्टेयाद्वरः,) च.रेश.वेशभाषास्यरं,एक्ने.वश.अथू.एर्यशरे,एरेश. म्। दिर हिर भुष्ये एवंदर वाष्ट्र वार्ये कारा विश्व कारा विश्व कारा के वारा के वारा के वारा के वारा के वारा के र्रत्यक्तारम्य के शायिक कि वा की वा की वा कि के दे दे हुई वा के दे वा की शायिक साम की किया। कर. बर. करेंचा । केंचा. थे. पाला. पवर रे. परं (धुवालवा. वे. श्रुर) श्रुर पारं वाला विषयं परि राधाना मूर्य करात्राच्या हैरायाकराहेरायाकराहेरायाकराहेरायाकराहे विकास स्या हरायते तर्मे का कराजे दाना त्रामा के में कराये राजा के प्राप्त कराया कराय प्राप्त कराया कराया कराया कराया म्रायम् म्रायम् म्रायम् म्रायम् म्रायम् म्रायम् लर वह ना हिर क्षेत्र का वह के बिरावय के के देर देर देर के अप कर वह कर है। . रिट.र्भवा, अभव, कुर्यरत्र अवत्र महिता, देवा श्रुवात्। दिने, इद.स्ट. अभव, के वावर्षाताकुरा हुता. त्व। गलकारिंद्रविवान्त्वं ना भरत्वे की भरत्वे की भारत्वे की देश हो देश हो से संक्षित का कार्ये की कार्ये की से 度くってまめの、日のかのみずまます。までなられるこのでう

१ कें या है रोह है। को इस सामान किर ता में ने दा था। क्षे.लाराक्षके.यथका.मू.रचरत्राक्षके वराकाहेका.यराकाहेका.यराकाहेका.वराकाहेका.वराकाहेका. स्रेर्ध्यामान्यात्रकात्रेया काक्या काक्यात्रक्ष्यात्रक्ष्याता वर्षेत्रंता वर्षेत्रंता प्लावता पर्वा वर्णावाधवारी कल्या राज्ये हिरारवार्रिका वर्गे हिंगा केवराज्ये । कुर्याक्षित्राम् क्षेत्रा विष्यो न्त्र क्षित्र विष्यो न्त्र क्षित्र विष्यो विष्यो विष्यो विष्यो विष्यो विष्यो कुलालया कुर्ने प्रिक्रक्येल नरा किरवायर विवायाकुलालया विराष्ट्रीत्त्वेत्त्वा अराववार न अंडर न्या हिर लेखाश्रिकार्याक्षेत्रातालाक्षेत्र हिराहेश हिराहेश हिराहेश हिराहेश हिराहेश हिराहेश हिराहेश हिराहेश लाइवास्त्रास्त्रास्त्राम् वृतायलाश्रवादुवास्ववतुवाता वेरस्ताद्रश्रद्धाः भक्तरभरावरक्षर वालाती वन्ना इस्वातात्वरक्षरक्षर् त्रे में त्रिक्षक्ष्यदर्भराष्ट्रिक्षांतर्म। वाधाःतवुकादर्भव्याः द्वायादमःतावुक्षया। हिरक्षेत्रायध्यः वायान्याः श्रीतरमा के हेर्याचारि व्यर् हिम्कदा केताया बाबवान्तर अवीवाद व विवादा । यद्रवाद्वायात्रथेवन्त्रं । श्रीद्रयात्य द्र्यक्ष विद्रयात्य द्र्यक्ष विद्रयात्य विद्रयात्य विद्रयात्य विद्रयात्य त्रात्यात्यात्यात्यात्यात्वात्वराष्ट्रया केर्राच्या केर्राच्यात्रा क्राव्याक्ष्यात्या देवात्यात्याया स्री देशकार के विकास के प्राप्त के कार्य के स्राप्त के कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य क मन्या (ड्रेब्स्व) अविवादिवता लेखा । द्वां स्वाता मर्रा (१ मर्र) धरे कुवा धर्मा । एकर रहे। केरमान्यकेवराकः रवाक्रवात्रार्थः ने काराल्याः भूका राष्ट्रिक्षावरात्रास् म्क्रियारा राज्य दार्गाता अहाराप्टर्शन सम्बद्धा अर्जूद्र दिला कर्म देवा समा मिरपानए, में क्यारी में पार्रभाग्रेरं में रेडे मेर्ड यह यस यस तर में हैं। रेखेंस. र्सिट्यु-सुव्यु क्राप्टुवरी के.कट्यन्यु-खक्षक्षक्ष्यं देवपश्चरायर्द्वे यूर्यरायर् र्वा ह्या भारति । ता प्रति वार्ट्र अली मार्चे या नाव मार्चे वा नाव मार्चे वा नाम में देश वा नाम में देश वा नाम में मार्चे मार्चे मार्चे वा नाम में मार्चे मा हो नेर किया के किया के किया है। ) दुलार्थ दे जैन खरला यामक्रम् २८.व्य.केल.कुल.इ.च.त.त्रेर रद्धा.कर.क.क.ट्य.भ.वट. जल.भ.व.ह्य.म.वे. अ.म.ट्र. चयवर्र वर्ण्यायाम् र श्रम् १८ १८ त्यास है ए। एक ता के सामाहरता या प्रतास का रेसस श्चारी व्यत्तास्य भारत्य वर्षा निर्देश निर्देश में द्राप्त निर्देश में द्राप्त निर्देश में द्राप्त निर्देश

वस्त्रयस्य अवस्त्र हिर्गार्भम्यः मर्ट्यर हिंदा है अक्षेत्रम् नातर स्त्री सिर्म्स सहर

3

श्रुट'त्य

433

<u>5</u> श्रेष

मनावीलका अन्तरामा माना माना स्थान स्था स्थान स्थ चर्सर.य.इक्ष्यंश वृद्धात्रकुश्वस्त्रेरत्ये, धिरत्रेश्रद्धाः वृद्द्यवा ववश्वस्त्री हिटलीय की. द्या गान्यामाक्रियात्र र तिया क्षेत्र । व्यान्याक्ष्य द्वा स्ट क्षेत्र स्ट क्षेत्र स्ट तिया स्ट विकास क्षेत्र स्ट (स्ट क्षेत्र स्ट क्षेत् न्तर्सिट्यंदक्षेत्रस्त्रियां के यद्वायां स्ति स्वत्यां स्ति स्वत्यां स्ति स्वत्यां स्ति स्वत्यां स्ति स्वत्या स्वाराश्चा हेर्या छेर् लेव तर्व विस्था हैसारा ही दश वर में वर में वर में वर में वयमाराष्ट्र मार्य द्राह्म स्वाभाकी वय या (त्राव के) व्यवद्रवाशी त्यवहता है सार्वा है साववविश क्रियात्र क्रियात्र प्रत्य क्षित्र क्षेत्र क् हर्षेत्रभभ ज्यायाच्याया हर्रारा अर्दे स्टास्य स्वतः एत्य । ८४१ वाषट्या श्रेम श्री र स्री र दि श्रे भाषेव रुश दे मे वाषा श्र्य रूपाष्ट्र वा हरा लूट वा तर्रा ब्रेस्टिक्सिस्रिक्षरे सिरीत्वद्व जायगटल रट्यायाताव। वयास्वायनि सेर्यायान्त्रे सेर्यायान्ये रुवास्त्रकाराक्त्राम्याः स्वित्रक्षेत्रा स्वास्त्रकाराम्याः वास्त्रकाराः ताः त्यस्यात्राः स्वास्त्रकाराः वास्त बिलवता वक्षण ३८.८ व्यापन ४८. कर वर्ष वर्ष क्षेत्र के व्यापन देते बुदा ही दासे दा कुर्यक्रियात्रः द्वे. गुर्रक्तित्वार्थः यात्र विश्वराधाः व्यत्यक्षेत्र व्यवस्थान्यः द्वे के व्यवस्थान्यः विश्व श्रेर. वितारमाश्रक्ष्याची देर में कुराया देती की एकर विरादर जनाम र विजयहँ माराप स्रोत्रम न्द्रश्चित्रप्रमास्य १ हर्र देखारदा हिर्द्र व ह्रवे के तिर्व के त्रवे के त्रव के त्रव के त्रव के त्रव के त्रव राहे बार्शक के अला हिंद के ती कि दे के बार्श रंदर दर पर्ने ता विराध मित हो के हैं से कि किया है। ूर्ययरेकरेर् देश देश केतायां या वर्षेत्रकर्मा केरावर्षा केराकर्मा देश केरा केराकर्मा देश रयतः बहुदः दे दवावयाना चदः वह्रवाना देशा के दे सुद्देश क्या के दे दे दे दे वा के दे दे दे वा के वा के दे वा के ्यं स्वर्वेदे अर्थे व्यक्ति स्वरं मार्थे तर्भावर्या त्या वर्षा या वर्षा स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं वर्षा या हर मुर्गुन। देश ग्रद्ध म्बरलक्ष्यक्षेर रदर एहिं वि स्वानिक मिन्सिक वि से विश्व भूगामयक्षर्भर्भराम्यार्षकारा स्रीतिस्त्रियाः स्रीतिस्त्रीयानीयायास्यति वर्षार् स्रियास्त्रीया रेतिसर हीर र्यत्यहूर रे द्वा इससे केंग्रा निर कुला ये राजा स्याप केंद्र रायते म्यान्त्र सुर्धाः सुर्धाः सुराष्ट्र स्ट्रायः सुराष्ट्र स्ट्रायः सुराष्ट्र स क्रियान्त्र रामान्त्र मुक्तमा पर्वे के ते हिर माय्या स्वामाहे मा पत्र माया प्राप्त राज्य प्राप्त राज्य प्राप्त रूर में यश-पूर्व विभवतर र रताए बरेर रे रेवा में अशी लव कुरे शहर अतार रेथे र रूपी

स्मिक्त वास्त्रा देर दिस् सैवाक्टर वार्टर ता चार्टर पा प्रदेश कर् किर्द्राम से मा (घरा) पा. अवस्त्रा से वाक्ष्य , धुः प्रमान देश देश दिश में वाक्ष्य का देश वाक्ष्य के वाक्ष्य का किर्यास के वाक्ष्य का वाक्ष्य

दम्द्रयम् अवात्त्रात्त्र अवात्त्रकृत् वावकाः स्वात्याः निवद्यात् द्वी द्वीःक्ष्यः द्वीःक्षयः द्वीःक्षयः द्वीःक्षयः द्वीःक्षयः द्वीःक्षयः द्वीःक्षयः द्वात्यः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व्यवः व्यव्याः व्याः व्याः व्यव्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्या

| (12 日本の) | (2 日本の) | (

स्वरण्यत्यकात्रे हित्याद्यास्य स्वर्णास्य स

म् सिटाता ए त्याना की द्याना समामन्द्र ए हमास्त्री को माने हा एडेवा विभाग होता है। र्यः देरा मेरा केरा तर केरा तर केरा होता है किया है किया है किया है के किया है के किया है के किया है के किया है हैशा देश्वर्वे भर्ति त्रार्थि । भे व क्वा अधिर देश हैं देश तर्दे हैं। दर्भववात्र स्वारात्री, यद्मवात्मिका इ.से.म्ह्मव् व.स्.येयत्रात्मिक्तित्रेत्रात्मात्त्वरेर्धवात् विवा सूर्वशा यः अ. प्रतिका ल्या कर्ता द्रिम् द्र्या अव का प्रतिक वित्य ट्र. बर्डर. रक्षरं क्षरं क्षरं क्षरं रक्षरं स्वतान्त्रवा स्वता रक्षरा विवाश-तिर स्वता स्वता विवा रहत्वा तस्त्व र्जूर्क् स्रुवर्ग बीया वार्या हुर लूर पार्र हिर वा हेर अले. ए यर विवा पार्य में किट किट ए यय विराय हुर अलूह, \* \$5.51.42. 84.50.21.0] and. 24.51.31.56.31.05.51.05.05.51.05.05.51.05.51.05.51.05.51.05.51.05.51.05.51.05.51.05.51.05.51.05.0 ब्रिन: विवा लूरी इंस्ट: इर. क्र. मेंदा शावरें व चर्ना आक्षराव मं या प्रेम. वा प्रमा वा अपूरा वा वा वें गर्वक्रा स्वायर्र्यं स्वायर् देन्त्र स्वाय्ये प्रवास्य स्वाया स्वायम् • च्रा क्षेत्रवर्ष्याचा, श्रिक्ष्ट्रः) प्रत्यर क्रियाशायि, कथा क्षेत्री देव दावा हेत्या एक देखी, पर गास्त्रास्त्राहर्ते हुंग स्था स्था श्रीस्त्रात्रास्य क्षेत्रश्चरकार्गे। नुर्। स्म.पी.ण.म्.पा.पुरम्रेश्म श्री.लर.सक्रें च्रे.ते.चे थेथे.त्.केषा रेचारतर.क्ष्यालवरी, रतिहाएकुआ भावए,श्रूदाक्षिद्दिए एकुमालाती ह्र्यम्से न्यू अक्र्या एकुमालद्दा रहतेह. रवाद्राकुधत्त्री मैत्सी मूर् कृता मार्केश महिता कर्म हैं सेर्केरव एर वी. ता. कुरा था य विर्ट र्यून मान्य (१५६०) श्रीमहार क्षिय क्षेत्र क्षे उर्वेग्युं ता त्र्वार्रात्वरात्वरात्वरात्वर देरी श्रेक्ष्यात्वर वी वी नेवा सेवा ता श्री श्री वा स्वीता याश्री शहरा वर्षेत्र क्षेत्र क कर्। रेब्र्सर्थानिस्ट्रिं हर्रिव्याल्यरः। श्रुर्द्रिं दर्क्त्रे स्ट्रिं क्रिस् श्रीय सिंग लूटा रेब्र्यालदर्शालवारि एवं ता वा बारा वि हिंदर राष्ट्र प्रेया ता लूरी विद्रांता श्रीमेशाश्रेवां हे श्री र्वावातर्व । भ्रा के श्रे श्रे वे त्वा विवाले भव हे तह वा बाबादीय । एवंबा हि. अश्रे . हो न. बाबादिया । एवंदिवादाः बे. तीया . क्वाया परेवा । बी. श्री नवर्षः णचालविष्यंत्रप्रदेश विद्युव्यवायश्चित्रवातात्वर्थातात्वर्थात्वात्वः 大人人為、(とはな) 東大山、馬にいる着工」 あららいっちょり、孝工とむ、い」 いちくらい、というはいてて मैला रक्षेत्रकृति भेट वह काम हो में सक्षेत्र राज त्यसमान माना वर्षेता वर्षेत्र व यथ्वद्भागतात्रक्षा है.सूत्रकं,वर्षेट्रायमात्रम् ट्रेयमा द्रायात्रम् प्रायम् , कूला रग्ने तीलाश (व्यात क्यात प्राप्त ) भाषात्रियात प्रेमियात प्राप्त । रग्ने देवी. पर्दर्भाष्ट्रार्वी अंत्रा अवापर्द्धाना कार्ये के कार्यात विकाप अस्त्रात विकाप अस्त्रात विकाप

252°

देश इर देश क्षेर वर्गा गर्मिं रे वर्ष वर्गा वितर्भर २ ह्रदार्बिक्ट्रिं त**र्थः रादः या अद्धरः देवा** ॥ र्य. प्रद्रथा भी वर व जि. भी पार्या भारत करें में स्टा भी रह कर पार्या भी पार कर की में भारत की में भारत की में र्रियाक्तिक्याल सैवताल प्रवर्श्वर क्षेत्राक्तिला देदमारी या प्रविधा सुवा स्था से बाजा कर सेरी उद्भाम राज्या सिर्द्धवा(२) पार्चेट रमर एक्र विटा स्थाप सिया है वाकट की सर् दें त्यों मानते सिद्धा वा ग्रंव से त्रियाश्चि केया. ता. यामया केश द्रार्था (भर्य) र्वे रे.वर्.वर्घर कर ता. विया श्वारा श्वारा श्वारा श्वारा श्वार याद्रेर.श.रदा यावदर्वार रेक्टिया पावर इसया रे.झे.र.कुट वट्या यस रेडिया तथा र्रुया रेयारे. क्षा रंभातन करक्रा व (क्रवर) व क्षेत्रदेश अदक्षेत्र व वेश में तार्क क्षिया मार्थित करा विद्या के विद्या के विद्या के विद्या क्षेत्र कर कर विद्या के विद्या क हिमस्याद्याद्याद्यात्रात्रात्त्रात्त्रम् में केला वला श्रास्त्रम् ह्या स्वत्त्रम् स्वत्त्रात्रम् स्वत्रात्रम् प्राप्ति। वाववःभवःक्षवयाः सेवायःक्ष्रेहः वाववः इतः हेवःक्षावदः स्ट्राः त्वावाः (जवाः) हुःहरः १८। क् विष्कु वर्ष्ट्रिट्यणश्चिरञ्चारायुष्य प्राप्त विष्टर वर्षा के मरातायुर्ग रहेवयाया सूर विष्य ब्रिंद्र'र्द्र'वर्ष्युद्रायातुर्स्रु'वर्द्यात्वेख्या विष्टुद्यीवार्द्रम्थाकेद्र'(क्रे)द्दंत्वक्र्र'वर्द्रत्यभःद्र' विवार्श्वरः) वेप्रवार्थरा क्षेत्ररा क्षेत्ररा क्षेत्ररा हिर्दे विवाद राष्ट्राया क्षेत्रर देखा क्षेत्रय स्वारा विवास क्षतार्विक्षाया विभवात्रद्ररद्भीरस्ट्रिट्विभादे प्यट्स्स्रान्द्रस्था द्वाद्रद्रम् रेए जः इंद्रश्रु वेशवाक्ति सिंगए को देने अदे श्री त्यर जूर केए कुमा ता विश्वास उद् रेवाए क्र्यानिक र्यूरास्ट्रा श्रिक्यं वेराष्ट्रिकर्यं क्रियं क्रिक्यं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं बिर.य.र्.र.(पर.) ध्रिया सि.आधुः बर्दे श्रेट्यं यो श्री दर्वे ताष्ट्र प्रविषा देशताष्ट्र येश लाद्याया. 3स्टिल युम्पासी वर्षां प्रदेश में विवायवश्यां सवत्त्रमः विद्रहिरं सम् केश्रासमः स्वासक्रिः त्र विश्व कर कुरा क्षेत्र ता केश तथ स्र १ दे क्षेत्र के र के र अया हे या की र दी आट. 4 के. स्वा विद्याभाभव्दा रेपुलहार्चेश्या वराबता २४.कुलाई वा राष्ट्रे (देश) विदा (२६८) युग्राच. अ.रार. था. प्रियाश्रामुखा । वट्या पाया शवर वर् (प्रवेषः) तर्य वे प्रेर. आर. शर्वे ट.) 5 plame कीर वर भूट्यताश्रिका एक ता ही देवा अता देवा अधिक देवा के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के नपुर्यातिन्तुः माराहिरापरेय । प्रयादम्तुं प्रविश्वित्तिक्तिक्तातिन्ति क्रिंग् क्रिंग प्रमातिक्षाता । प्राप्ति प्रमातिक्षि य्येषाताक्रिमक्षेत्रतारातामभयाउदास्य द्यान्त्रम्यूवर्तरः। तक्षताद्रभराक्षिया र.से.(र.से.) डिट.क्र.प. रूर। सूर.य.र.युकात्रर. एक्विलक् धं.वार्. एर.व.लह.प्रवाका विषात्र. देश्यान्ति रुटान्ति वार्टा खर्जार तथार्था कान्त्रावा इस्टाके है। राजे खरा वार्वा के राजे हा सार्वा कुरान्या प्रमाय प्रमाय केरान्य किरान्य हैरिए हैं रि. हैं रि. हैं कि कर कर केरी किराय कर कर केरा केरा किराय केरा वास्टल रेशिवर श्रेंबाय रटार्म कार्या त्रमार्थी त्रमारा हिंदार्म राम्या पर में में में में में में में में में विभयन्त्रियः रहः सन्त्रियाष्ट्रहरू, तर्वाद्धदः स्रिहेर्रहर् स्वत्यस्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य

पर्या माराष्ट्रया ताश पर्यं रिय वरम्य देवम क्रियार्टर या बाद्धिय प्रिया नेतार्टिय

इरेड्ट. गुरा पर रेर (रेर) सेवला इट न इश्रास्क के विद्या के प्राप्त के से देश में श्री भी था. रे.बेज.वरम्प्राहर्ष्याया.वर.रगएवर्.जया.म्रामाया.वरंवर (वर्ग) विव.तर्के रहर.) क्रीर त्रपृधित्यात्वाराज्याः में केवायात्राञ्चात्रपृत्रत्यतस्यः क्षेत्रः यत्रत्यात्राज्यात्याक्षर् क्रिक्र मा म्राम्य विद्वात व्या मार्थित विद्वार विद्वार क्षित्र क्षिते क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित क ब्रुट्रिर,चथर,च्रेर) अवस्त्रेर,द्यए,व्रेश्चेंश,तस्री र.३८.१०,प्यन्धर,खेंब्र,द्यूर,क्टिर,व्यूहर, श्वात्रम् । में देन हें त्रात्र प्रमाय के त्रात्र प्रमाय विषय । विषय एर.स्म.क्यां वारेशायां कुवा चारीशालूरी चीरारंभयात्वयः स्मर.क्ष्यः क्यां किरामीयास्मितः विषा क्यां अर्थेशाय्रेषः स्मर.दे के.सा.शाद्यां मारी देशियां प्रचारि खात्रां के अर्थः वार्थरः विदा यग्रद्रश्चार्यर। प्राद्भवित्ववत्त्रम् मुख्या ८.८६८वालक्षाम् वर्षात्रक्षाम् वर्षात्रहेवामारह्वामः क्टिन्ट. ट्रेंफ्क्री कुर्स्य, परंत्र, परंत्र, (परंत्र, परंत्र) टे.सूट्री पर ज्ञान अभावता अभावती पर ज्ञान वरा वावव्यम् मेरी रेभाव पक्ट वस्त्रम् स्त्रीवाराय यसमा देशाय सरहे रहे राष्ट्रमेर व्यव रम्याम्याचार्यम्यात्रमात्रात्रमात्रम्यात्रम् स्थात्रम् स्थात्यात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् हिरक्रीटायविश्मान्यान्यान्यात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् बाम्पर्दरत्र्वाकेर्यक्षेत्रक्षेत्र मा ह्या तावत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र ह्या त्रहर्ष (सहरत्या) भावार मेन्या ह्य म्ब्र. च्र. तथा व्यक्षित्ववक्ष्मित्र व्यक्षितात्र व्यक्षित्व व्यक्षित्व व्यक्षित्व व्यक्षित्व व्यक्षित्व व्यक्ष इन्द्र्यता राष्ट्र बाराश्चराश्चरता वर्गाञ्चर ने प्रभायन मान्य स्ट्रास्य क्षेत्रा या स्ट्रास्य स्वास्त्र मान क्रिनाचनरारवादरानाम् अस्य राज्याके व्यर देवराक्षेत्र स्थायाक्षेत्र। देवराष्ट्ररायाकाः विस्नाक्षेत्रवा वाल्याचेश्रभारत्यक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष १.(१.)श्रा वक्क र्श्वाचन्द्ररा, सवास्त्र रे.एर्ट्रा हिरादार व चरा प्रवेश क्रिर, रंश किराबीर, पश्टर र्था कुणावाद्रमास्रद्रायदेवन्वर्वाववत्रम्द्रायः स्राप्त्रास्त्राः 'क्रांसिन्द्रें। क्रें। वरंकेम'विकित्यं चरात्रा केंद्र रहेर्ग केंद्रिन्न कारवासावतः पर्वेशक्ष्यम। रक्ष्याभद्रस्याम्याम् स्वम। तर्वेशक्ष्याभद्रम्या पर्र्से (व्युक्तं) म्राम्य क्वाराय वर्षा वर्षे क्रिय वर्षा से वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे श्रें हेग, श्रें ता अर अपर कि केता पहुं से श्रें के ता विकास स्था के विकास स्था विकास स् क्रियः क्रिक् मुहत्य श्रुक्ते वी श्रिकाहुम्या क्षेत्राक्षिययाक्षेत्र। वरः स्वरः त्यसायाः मुक्तसक्ते व। चाती.पर्वेश.क्ष्रांश्रुप्तांश्रुर। र्याश्रुप्तांग्येश्राक्षांया रक्षिताः क्षेत्रंश्याः श्रुप्तांश्री सिय्-देशयोक्ता-येयालक्ष्ये अराक्षेत्राव्येयाक्ष्येत्राक्ष्येत्रा वयात्र्ये वयात्र्येयाक्ष्ये

ग्रह्र क्षेत्रियाश्रीय त्रांत्र राम्य क्षेत्र त्रांत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र लरावनल इटला ग्वालक व टाव्लाचा न्यासे स्वासे स्वासे से अद्भारत के से से वाद्वास्त्री के से से वाद्वास्त्री के स किवाता अराम्याःकाक्षवः लूरार्चायाः सूर्यः इस्मान्याः वाष्ट्रमाः प्रेचात्रात्ये। द्वायाय्ये रदाविक्ति.परेवा विकास वर्गा तर्था कार्या कार में रेवा. तुर्पर प्राप्तिका अर्दर विद्वा क्षेत्र क्षेत अ(इ)क्रेन्स्र) यात्रमा त्राह्मा त्राह्मा यात्रमा त्राह्मा यात्रमा यात्रमा यात्रमा यात्रमा यात्रमा र्शुकार् कार.केव.वंशा प्रांकृत.ज.चर्सर.वंश.ग्रह.। न्वेचश्रहं श्रुषा.ज.क्षा.वंहश.वंहश.वंहश.वंहश.वंह क्रिंश्रा अश्रुवाता हैय। यात्रेश्र अयो द्वारा हैय। तव्य दे हैवायर लक्षा तहीं दे वे वाह्मा स्यायकरमायदूर्वाच्या भ्रामिश्वामित्यावसीरायदूर्व्हरी देव्यासिलाम्बर् र्डरद्वीत्रासक्षामाक्ष्यां स्वयंता प्रवयः विष्ठित्र हिन्त्वीयः ह्याः प्रद्रवसम्। द्रवति वादुः नेवावः र्भारत्युक्षा मुभग.धूर.से. (धा.का.मूबर्गामा) रह.ता.(म्) प्रतिर.च.क्रा.क्री.चरेर म्याहरम् त्यर सक् ता हरा हर महत्य के वा हर के वा हर के वा हरा के वा हर मियातीया के पर् अरं प्राचित्र के स्वास्त्र है व देश है व देश है व देश है व प्राचित हैं। रेर्ट रेश कि देश है व प्राचित हैं। रस्ट मेर्ने के प्रकार प्रतिकार में प्रतिहर्में प्रतिहर्में वा वा प्रतिहर्में स्था विकार के वि सामित्राचिताता में (स्थाप) हैरेर्स्थयम्बर्धाः श्रद्धां स्थाप हैर्स्थयं हैर्स्ययं हैर्स्थयं हैर्स्ययं हैर्स्थयं हैर्स्ययं हैर्स्थयं हैर्स्थयं हैर्स्ययं हैर्स्ययं हैर्स्ययं हैर्स्थयं हैर्स्ययं हैर्स र्शे. उत्तरश्र देश ए. त्यव . जूर. जू. परेंच । थू. अंद्र दुर. त्य . मेंच वेश द्रेच थूं अंद्र वेश त्या त्रेश के.चार्य अस्त्रास्त्रास्त्रास्त्राची वाह्या वह्त्याची द्रांत्राद्रात्त्र के वाह्या के वाह्या के वाह्या के वाह्य रशासुका के अभाने वा पर हिला जिंदाश वर्र सेवा क्रिर्म कर स्वर्द । श्रीट रेगर रंगए वर्र रक्ष क्रिय यरंश्रयधेषत्रयम्द्रप्रदेशि हिंद्रश्ये द्रेयाक्ष्य स्रोत्रा द्रेयद्रभ्य व उपार वेशस्तिद्रविभ प्याम्यीत्राम्याम् पर्ते हेल। रहरायास्याकर क्षेत्रम्या रहताया के देवा परवास्य सहस्य चन्ना चार्ताववेदाः मुजातापुःभावरः हैं र प्रकृषिम् प्रतिकर देरः रेगरं प्राप्तेवका क्या मिरमिटः 一個なる。 चरालाग्रदसः ब्रिट्डर र विश्वासीया दराकेचारतिर दर ए क्रिका करामर से बात ए लालेका. एक्रीशर्भ। एवरारद्ध में बाख्य एह्रवर्द्ध। में ठर्षेष (क्षेत्र) में द्वित बे ब्राया क्रिया में ध्या बिर्ह्मणाता सुर्हे र्यारक्ष्या तरिहर्दे वर्षा रयादा (वर्ष) मंत्रामर हिर्द्रामुक्ष्या। र्जिट: श.रहा थ. यात्रा . प्रेश्वा . प्रेश्वा . तार . परेश्वा ( परेश्वा) अयूरा (रेश्वा) केएा. रेश क्रिय परे तथा र्हिट.धाष्ट्रशास्त्रेत्रां हैयायाता वर्षः इसाम्भाश्येश अधिवास्त्रास्य द्या स्था साहित्या प्र कराश्वेत्राहुरा हुरा हुरा हरा हरा हार हिरो । कार्य मा सार्थ है भागविद्या ता ता ता भाग वार्य हा हिरा है ण मेंबाक्केश्वर रेट एत्येल रेंब्र र र इंस्वर अवर अवर रहे हे से हे बा राष्ट्र अवरेय अवर रेट में होंदर

्यूट्राश्चित्रे प्रमानद्रियात्र मानवराम्यामा हिर्ग्यम्थायकेषत्रे में वास्तित्रे वि.श. वि.श. वुला वारीद्र वुद्र रेवा में का प्रेवा बीद विन् रेटला है। एरी केन विद्याला

गर्खाता है येद हैं। जोड़ वर्के व त्या स्टारिया रहें। ्र्वा. १६१) ह्रेन्। यहे. याच कार्य र अहं र आ यह र में र में में का का का का के के वह के अहं र अहं र रक्रम् अर्दर्या त्या के देवाराक्षे अवतः तर्वे पर ता के तर्वा के वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे र्दर्दर्द्धभनेताव। ह्रद्रातायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्तायुक्त ेरा कॅसववरवसक्स मुन्द्रकारा से रेरा के केन्द्र साय है से साय भेता केर वनते स्वरं - फिला लुवार्स्यार् वर्रार्टर केवनाश्वास्याला मेरा वावताल्या यहराया पान प्रवासा अरत्व अर कि दर अड़िर हुन । दे वरा बासवरद कि मात्रिक । मिदसी र मुख्य के पार्टिक की देवा की। ग्रंबभारमन्त्रमाररायपुर्वा नेवास्त्रानिष्ट्रमासुक्तारे कर्यते कार्यकार्यम् वर्गरानेत्र ्या रश्चर शर्म स्वर्धाता वी स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स् मक्रवर्षा श्रेत्राकरश्रेश्चर्यायश्रेष्ठ्या स्ट्रिंग्यायश्रेष्ठ्रा स्ट्रिंग्यायश्रेष्ठ्या स्ट्रिंग्यायश्रेष्ठ्य सर्दर) सेग्रातात्र भेग्रातातात्र्य विश्वाता हिंगात्र प्रमायका व्यवस्थित। व्यवस्थिता व्यवस्थिता ग्रेंनेरी पह्याश्चरक्रियायां श्रेरव्यंत्रा के क्षेत्र हे ने देश रेश देश देश स्था अर्था तथा इंद्रमुं हो धीर त्यारा तयार मुलार मुलाय कि हो हो देन हो में स्वर्थ महिन हो है हो है वरकर स्व करा तर भरवा की वा गरवा कर या केवा था रा नेरी केवा पा वा वा रहेशायामा में पर्याचित्र में अल्ले किया (क्रेंग) प्राथमे । भी माराज्य पर्याप स्थित हैं में प्राथमें । गर्धांत्राम्या । या जिन्द न्या अराय तर्ष्य हराय वियान वियान वियान के किन्द्र कर नन्त्रकार्म्य के निर्मार्थियाता निर्मेश के निरम्पर्सिय है। ः रामा माम्यम् करमे महमा द्या पर रामा भारत विद्या (मिल्या) प्रमुद्र में सेर वर्ष्य तामा तत्त्र वा सिवा असा रेटी हा, इटा (इटा) अर व अप व प्राण अर व सेटी। इंकाश्वादे क्षेत्रधरमा समा अरवज्ञतास्त्रिदारेतिकास्त्रात्र १८ द्वाप्ता स्वाद्वार कार्याद्वार वर्षे

वशासीत। एत्रःवशवःदहः(बशवःदहः) प्रहरा वशवःदः अवेदा वर्षात्रः अवेदः वर्षेद्वाक् विवा अम्यवार त्व्याक्ष्याक्ष्य क्रियां का क्रियां द्रवेश रहेर व्यवारा या वस्त्रात्येत्रे विकार क्रियां विकार क्रिया क्षां व्यादा वर्षाया। श्री वर् के क्षेर (श्रेके वरे क्षेर) हो। राष्ट्रदश्चमय। द्राद्य स्था हा तेवू चर्-क्रेन्यं नेर्न्यः श्रेन्यः स्ट्रिंस्यः क्रिन्यः क्रिन्यः क्रिन्यः स्ट्रिंसः स्ट्र वा ख्रियाना हे स्वया तरु तिवा केर्या रामकारा ता वा तर्वता। इया केर अक्षा की पर ता ख्रिया ८.८६.८.८.अभ्वयात्री क्रि.च.चेडुवा.धा.क्रियाजीयजदा क्रु.लाइश.केंद्र.क.अधु.चेषुपा.तेब.रूप श्रम् लादम वायर वीरावारी क्रिक्षिर रट लाखरवाच वा (वरा) अर्थ रेगर (वरा) क्रेर्यर रदाय वर्ष स्व.(वस्व.) र्यो श्रीट.व.वि.येवाताक्रक्यशक्त्री लदरक्याक्रा मत्त्रक्रा में हें हें हें हैं। देवायका त्यास्तर्यास्त्रमः तर्व वर्षायप्रियर्श्वा वर्षायप्रियार् । वर्षायस्य वर्यायस्य वर्षायस्य वर्षायस्य वर्षायस्य वर्षायस्य वर्षायस्य वर्षायस्य वर्षायस्य वर्षायस क्रवास्वयविक्रार्पः (भरव)द्रः र्वातवायाः प्रदेशान्ते । चला हैवे। के सर्धिर हीर रमार लड़ेका लेगा सी सीर देश हिंद से अंगल महरा देश हैंद. एड्अ.सुइ.भीअ.पालाय. (रमत) र्रा.रीया वर्देरापेया प्रांचया तारी राजे क्या प्रांच मुर्ग र्रात्रमात्रम् राम् रेन्द्रम् राम् अवतः मात्राः स्टेन्स् राम् रेन्द्रमार र् वबार्। ८. देकूम. एवडमार्यार्त्यर मेरी श्रेवन्त्रियार एता श्रेव अर.व अर. मुश्मार प्री. खिलाला हिटालएन ब्रह्म सेरावा के लागायमा अवस्ति मारा सेरा शहरायार र्रातः बहुर हे ह्रें के छी । अरतः क्वायक्षां राष्ट्राता के छे र छर। ह्रेट हेते अतुः विकार हित्या वह्मार्चेरश्ररत्मक्तात्र्रे वदस्यरहितस्य क्रिंटिं कर्ण स्वम्रेराम्य एक्टरम् के.प्रवेश.ए.पर्द । मु.क्टिरम्भभगक्ति.यत्र्यः (म्रा)रेपरेश रंगानाम् द्रा सूर। एह्बानुबन्धरशस्त्रिविद्विद्विष्ठात। स्युर्नेहरहिबन्ध्वासायश सर्वर्ते. र्यो वेशायाक्ष्यं चांत्रीयाः वेशा चित्राताः कि। केरानपुः ज्या किंगार्याताया वामा संदर्द्र, स्रायाः किं। क्रिंग्यर। भूरेष्ट्रं वर्षकारमाना क्रिंग्रह । अहाराहिया रेभवः हिन्द्रे क्रिंग्रह । द्वःश्रेर्थित्वं विवाद्वारेत् रेपेटा के अति वहुटा वहटा वाटा वा त्या स्वार्वा क्रारे दर्वारीयान्त्व । बीरम्बाअर वन्यक्रायर देया हिर्पर सूटम्बा कर्त्या अहर् ट. रंट.भरंच चंड एक शाही है। रंट शाही है। रंट शाही है। हें दे हैं। हो के के शाही है। हो हो हो हो हो हो हो हो हो है। लेथी रेवर्व हर्डी हर र्या मेरी लेखह वर्ष अवस क्रिक्ष थेवा के तर दर के वा नुकारा कर कर विश्व के स्थाप कर स्थाप कर स्थाप के स्थाप कर स्याप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्था कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप

ज्रान्ते वर्षेत्रका (परेत्रका) इर्व्यका द्रव्यक्षेत्रका द्रव्याः क्षेत्रका स्वरास्त्रका स्वरास्त

र्थं वत्रदक्षा वत्रदाधीव वे ते ते त्रा वत्र देव दराया स्वाव । वत्र दर्ग द्या व क्रिंटरं सालरी न्येयानेयानारामारायाहरूको क्रमावन्द्रमान्याद्रमात्राद्रमा नेगानेगाभरावराद्याद्वाकोता हिर्बिट्वदेवह तमाद्वाभद्दा भराद्वा भराद्वा सब्द्रियं ता पर्या विद्याच नद्या है। या भी भी भी दे तो वा वर्ष विद्या (पर्वेशवा) स वन्नद्रात्री पर्कर्नेहर (हेर) हे तहुनान्ने भारते नेहा क्रिर (तक्षर) अप्रतः नर पर में भार लेरेर) देखिराके रस्टर्स्स्य हैला रेखेंब यहर सर्वे आरकेरी हिरसिरे हरायादी क्या श्रेत्र हिंगा वर्ष के वर्ष र क्षा कर के वर्ष का (पर्वा का ) हो विश्व स्ट्रिंट क्षेत्र हिंगा के वर्ष के वर्ष के प्राची के प सेर्य्यर्यर्या द्वान्त्र हे वार्यर्थित वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र \$50.21 ११ छाँ अहिर्देशकी। है। इ न्त्रत्राम् हें सामार तर्वासा हैं वरार वर्षे वर्ष सामार के वर्ष सामार सा पर्वाचा इटन्यालयान्ये यावतत्त्वां या देवायावि यावतः तर्वा हिन्तु स्वतंत्रकार्या यूभ्रर्टि कि. द्वार (ठवार) द्राप्टिय। श्रीर द्याम क्रिया स्ट्रिया क्रमकुरा. करा श्रीटारमार. रहाए वर्राक्कर हो क्रामा मंत्रा वर्भिया मेरी अम. व अ ८. देर म. र वे यर वे या अर। य अर र र र त त की र छ . त र व र में श सरमें वे. लर्ला हैरे विवादयम् तिला हिर्द्धवात द्रिया है। वक्षे श्रेष्ठा स्वां व्यादा ते मेरी इर्स्ट्रअस्व इर्खे देव द्वा क्षेत्र खुराया भाषा हर देव क्षिर्य हिर्द्य क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के के क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के अव: हव: ख्रुर) रहाये व्यविवादमाराये है। व्यर्धायामायाकी रावदे नेवाव हुर मुक्ट्रेट्र (बहुट्र) वर्षा खरी दे लटा खेंचा वाक्षा मुत्राहरूरे। प्रमासद्मार्याकुर्र्स्या छता दे । यह स्वामन्त्रा प्रमायम् बारीआयां हीर अपानकेश (रावेरपारी) के पर्रामा केराया विभाग विभाग प्राप्त में बारी ्रे. आर. त्रें अ. व्यं के व्यं त्र के त्यं के त हेट(बहेट) ववातकर। अवानम्भराववसम्ववाले व्यायदा दे पराख्याकर्षा व्यभवेद्याक्षे मृत्यहर्म् मृत्यापायाह्यात्या वर्षेत्रमः (तर्षेत्रमः) तथ्य मार्थिया रं हर क्षेत्र व बार व राधा का क्षेत्र की कि रेटर गरेश्रह्यां कराया विराया विराया कराया कराया है। हिरायेराव निया कराया विरायेराव निया कराया विरायेराव निया कराया ्राष्ट्रेय । हा ग्रांट अर व अर त अर त अर त व व । वार र द र ही महिर अर से देश है। वे खेती क्षेत्रम् केत्राचे नाम स्टामिट्युक्तार्याक्षा देलात्युवायत्युक्ते सरावर् ्र. थे. चेता ग्रांशहिम। श्रे. सेवास बेर. हेंचे. प्रर. जा व केंचे (ब्रं)। रगर. जा वा वारसर्दर 249

याभारणकरः। यात् में अवारवार स्टिश्वी अहूर। दे त्रावर श्रेर सेवायी दे वे हिला भिन्तेवाया चारमार्थाराष्ट्रामाञ्चा सर्वेत्रवे पार्ट्य मेने । वसि (वासे) केवेववाया इ. हर हर श्रुक्ष हुया दे एक्टर के बार अर श्रुट्या हिया में खेब अर वर्षेत्र अट पा हिया के हिल्लिक किया देश हैं वायगा हैन ना विहिट ने पूर्व का हैरा देश व राज देश हैं वा श्चिरक्षश्चित्र युग्या स्वया हिराक्षर राज्या ता हिया द्यार विश्व स्वया स्वया हिटा) कितान्त्र कर (अकर) अध्यापर पर्याप अग्रापद्व अक्र है हिट्येश व कर। (परुवार्य) को म्या र हो। श्रीरर्राप्तर र्यायवर्ष र विश्वास्त्र ता केर्र्य (वाइर्)। देवसायरुवासा एमदिर्द्रित्यास्य मेर्डिं स्वार्था स्विद्रिक्षेत्र स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित चगार हैंवे स्वयाय भया प्रयाप के रावरे के शासिर वे रावन वा है राव राव ता के के श्चर्राम्याम् द्वार्याययर्थित्यक्षाः विषय विषयः विषयः एवं देव के देविश देविश स्वराय दिया के विश्व में विश्व के र् द्वा वाद्वाताक्षेत्राताक्षेत्रक्षेत् ल्यात्री भाकित्वरेशनालूर केवलाजूरी देख्नाभावत्र विवालात्वेदा प्रमा वर्ष्येश्वातात्राचित्रं व्यान्त्राः व्यवाञ्चित्रं कार्त्रः स्त्रम्त्राः दे क्रं व्यवायायायाः (यालक) मुखेर। देश हु। दे पुरामिक र देश। सर्वास्त्रेर्रेर्रेश श्रीकेंद्रेर् रेट रद्य ह्या नार्रेर् र्योता यहि क्र स्कूर् के र्यापन्र्य ह मान्वविदाः देवारात्र । राजाः राष्ट्रायेदार्वितार्वेशारे अर्थेद्रायाशे रासद्वराधाः वाशे रासद्वराधाः सम् विरा स्टारेश्याम् रायरावराक्षाक्ष्यात् राष्ट्रे (द्वर्ग) अरुवायात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्यात्र रायराक्ष्य रायराक्य रायराक्ष्य रायराक्ष्य रायराक्ष्य रायराक्ष्य रायराक्ष्य रायराक्य रायराव्य रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराव्य रायराक्ष्य रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्य रायराक्ष रायर रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायराक्ष रायर रायराक्ष रायर रायर रायर रायर रायर रायर राया रायराक्ष रायर तर्वा । रयतः वर्दर्दे रवा स्थाना उदा वर्षे वा या माधी त्ये या उदा आदा की उदा वर्दे मक्याद्वास्यास्याची व्यद्विति विति विते वेद् देवता रावा वेदा धर दे ति वा त्यंता पाता । द्रवाश्चर र क्रेंट्र अवश्वाया हिराया कर्ति क्रेंट्र के की व्याद हुवके वा दे त्याव द्वावा व्याद हुद मेरा त्रक्रट्रर्श्याद्वीदाहे व्रथलायनगता में तर परितरे हे राष्ट्रिका सता कर्णर्थं विवाहरायार हेरहे वायववरार्येव वस्त्वाह्मवाह्मयात्र्य । हीर ह्मर दू यवयात्रादरा द्यत्यदुर्म्मणक्षेयव्यम्यवाद्यत्यः तर्वात्राम्यः वायताः व्यविषः र्भर्द्र्ये थादा वेम्यमत तरे हर कर यह नावनता महन हव याद्रमा गराह्ये. क्य चंद्राचरा रंगवा केंचे (रंगए केंच्र) कुचात (येय कंद्र अहर) केंग दर्ध चंद्र दें वेंचे ने ह

इम्डिलर्टा एक्लर्बर्क्स्येल ब्रायम्भाति ब्रायम्

प्रविदा तृदः सद्वित्वाचाना मुस्यान्य देवत्यानीदा करास्त्रवास मुस्या तत्र त्रुवाधिरद्वात्र्यावर्ष्यावर्ष्याक्ष्याक्ष्या हे.चक्ष्याक्ष्यात्र्यात्रम्। र क्षेत्रर द्यूरण केला द्रां शक्षा तवाल। या खर र र त्यु द्रा विवाल या दे। हर के विकास विवन्त्र्यंत्रभार्यरः। अदेशायक्षाक्षित्य्येताती क्र्याववदाद्वारा स्वाराज्येत्वरः हीनःया) अष्ठाद्वात्स्वात्रात्मे रायित्वद्वायादी विद्वातात्रीत्वात्मे स्वतात्रीता किया न्युंसी एडए दे लाट ही इ. ही रायहरी अक्टर ही र वाववा न्यु से से मार्थेर। र्लगङ्खर्वेषर्व्या वर्षेत्र द्वा होतेर। हेक्लाय् भविष्य स्त्वर हेव। तबद्य तर्भक्षिणक्षे क्रियां में कावरा हैं र तिष्ठितावते वहर र विकास में का साम हैं विभागभाष्टिवाद्राम्त्री सा.ष. यामानु व्यादर द्विर संदूर्भ्य राष्ट्रा स्वर्ष वर्ष वर्ष गरायतिकारिकारी राष्ट्रियात्रे म्यायदे म्यायदे स्थाय मेरा त्येरा दे (तियस से ) के रवायर तेवा (जर)एस्टरहराक्षिता कार्येटा दे त्रियंदर (दा) वे स्वार्थ जिया से मार्थ परावशास्त्र क्रिक्शन्त्रम् त्रिः त्राचावभाष्ट्रः त्रद्भान्द्रः प्रद्भावभान्यः प्रत्याः द्रवाः व्यवद्भावः विवयः विव पार्शितार्श्वे तार प्रवृषा मेद्रायात्रेर वृद् हैं वर्ग हैं वर्ग केंद्र हैं को दे वचरः तनुभार्श्वेदादरः वुकावित्र सरायवार्श्वरायवार्श्वः वाह्रभार्श्वरः वुवायवार्शकार्यः या देन्द्रश्चाम्भद्रभद्रश्यात्मामा त्या व्याप्तात्मा ।द्रम्द्रश्चामा विदेश्विक्षा अर्थे। स्र (वस्र र.) पद (वपद्र) हिंद्र रे दिस्र रहा में प्रदेश प्रदेश प्रति । विषय विषय व विश्व क्षेत्रं (वर्षरं) ह्ववत् देवलहर्त्त् हे हिंद्रका के तथा है वर्ष वर्षेत्रं वक्षेत्र दर क्रोबा था को बाथा के क्री र क्रोदा। यह हो क्रोहर हैं से वे खें ता सह वाया पास्त्र था। तही अवश्याच्च भारतः किविद्याः अर्थाः स्वित् अर्थः स्वित् विद्याः स्वित् विद्याः स्वित् अर्थः स्वित् अर्थः स्वित् अर त्रात्राक्चः स्वर्थः विविद्याः स्वित् विविद्याः (व्या) क्षेत्रः देशः विविद्याः विविद्याः विविद्याः रेजरा.च्र.र.केलात्मा.वालरलाजातेरी प्रत्य अग. पर्ट. न.क्रेस. स्रि. क्रि. म् भराक्षि, एर्ग्स, (म्रा. शुक्रेयासहरा) प्रमुखरारमा दरावराहिला वार्यर से वहरा रमवारम्बय मन्त्रक्ष क्षाक्षी दे.प्रयालयादुर.वे.यमवा सेवायाद्र.का.द्या स्वारान्त्रः देशक्षे विदावया श्रीदाम् स्वाराक्ष्यात् । स्टारह्यां स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् । स्वाराक्ष्यात् स्वराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् स्वाराक्ष्यात् (मेर) मामान क्रिया कि तिर्धिट किर्मिया किया मामान कराया दे देट की तरे

त्त त्र वार्टर मुं बेंब खर् वा वा वा या या या या ये हर इस वायर या या प्रदेश की वार्य र या वा त क् (क्) सल्या पर्व र व्यापा सेवान मं शुरक व द्य कि में प्रायर भाषा के वास्वारिद्धः देव के इस्राय विक्टिट सुद्दिर त्या कुर्म स्था स्वार्थः देवता द्वारा म्बर्गिक स्वायकि लालट विवादिक्षेत्र वामित्वर वामित्र द्रा द्रा द्रा वर्रित्र द्रा मुक् रद्यों है. वालव. ब्रांकिव वर्दर एवं वर्ष हैं था. पा एक्टारेश र देखे र वेटा क्रिये अर्दे योतिमाक्ति,याद्रद्वांत्र्यहात्र वात्रांत्रांचालम्यहास्य सदादीत्यक्टमात्ता विद्वासम्भवात्त्रमः र् स्ट्रास्त्र मिटा स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र प्रास्ट्र प्राम्या स्ट्रास्ट्र प्राम्या स्ट्रास्ट्र स्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्र स्ट्रास्ट्र स्ट्र र् प्रविद्यात्म श्रीटार्टाटाट देर् बेस्पादेर हें वेतावसा सरादेर स्ट्रिं बेस्पावसारा वार्मादर हेता हैता क म्मान्यक्ष्या भारे लाजवातारार्यक्षायाया भारे रूप प्राप्त मिन्। द्वरात्वेत त्यास्याः प्रवासेवयाकः विक्याकर्याक्षेत्रवयात। कार्यालयम् इतः देश्येष्यास्य पार्थाय वर्रदेर्द्या द्वारा देर एवे पायला हिरक्षे द्वारा मान हिर के देश हैं पा है पा हर कर के ला (वेंस) था मिर्का श्रीराम् स्थातक कर्ता वार्ष कर्ता वार्ष करा इसायास्या प्राप्ता हारद्वाता व्यवस्था स्थापित स्थापित व्यापित त्यापित स्थापित वताय-नव्यारिखर्द्वराहुक्याम् वार्षाता नायतारावर्त्रेत्वर्षान्यान् वार्षिर् द्रार्थितरक्रद्रभाष्ट्रभवा क्रियंश्वरक्षिण वहवारात्रिक्ष देर्दरक्षे अरिवर्द्धां वदा अत्रश्चित्रायाः याप्या व्यक्षित्र राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र राज्य क्षेत्र राज्य क बरबर तरे देस स्टाल न जा यह युद्र सहै। ।पोड़ि संभामकाकेव वायमा में रार्गामा श्री वर माहेव वर है। माहेव है। वयास्त्रा दे देर रथेव यह मातह्य महिता द दर र र वाने वान हर से दर है। म् मार्ग्य वर्षा वर्ष्य राम् द्राप्त वर्ष्य वर वर्ष उन्नाह्म नाप्य सुर्थर नियम् स्थान स्रेष्ठिय ह्यम् भी या में हेर क्ष ही ता की भी ना रुअह्न यावन्त्रभन्थ्यंदरत्तर्रात्रेभा वर्ष्यंत्र्यात्रभारत्त्रभारते स्थात्रा वर्ष्यात्रे क्रिक्संबर्भ्यत्त्र्र्यं कर्रे कर्ण अल्ये अल्ये वास्त्रं दे देने क्रिका देनिक्संदर्भ वास्त्रं स्टाक्रियास्त्रिक्ष्याः भारता रम्यान्ति । स्टाक्रियाक्र्याः वरावाम 6 pair 更为し 居とれるのでの、品口量と、いんまでのか おかい あくみ、生くとくし く、その、か अध्यात म्या मार्थ म्या मार्थ म चडरा विक्टर राजमार्थान्य त्यापवरादी बीटर्ने राजग्रह, परमार्थप्रदेशना जना मि. पुरमारक्

वर्ते अस्ति वास्ति। अख्यासीयकी केत्रिकार्ते कार्या देन्द्रिकी अस्वित्र (अदुर्) वाराता क्रिंद्र र द्राय्यक्रिं क्रिंद्र क्र क्रिंद्र क् हरहर वर्षे अद्दायमा द्रिया हर वाविवायसहर विवाय विवाय विवाय वि राक्षेत्र। इरस्मिर्म्ये अस्ति अस्ति वास्ति विकार विकार हेर् स्राम्य विकार हराया होता चावभाष्ट्राम् न्यान्त्र्या वरमञ्ज्ञवनम् । मान्यान्त्रः वरमान्यान्त्रः । वरमान्त्रः । वरमान्त्रः । वरमान्त्रः । ब्रैवाशक्षेत्रक्षाक्षेत्रक्षाक्षेत्रक्षेत्रक्षित्रक्षेत् पर्। कुनानान्द्रनमधायाम् मुक्का देदालदाम्द्रीरद्रभगत्रयद्र्य कुना क्षेत्रस्थार्भ र व्यापा र्यत्रस्टरंथाचर रगम्यक्षाने स्ट्रिक्टर्मर विषय्येयक्षेत्रस्थित उग्यः ११ सुर: ४२: १) में अ में स्व रा (प्रेवस) रेरा ववारर-पुवायां अ में विवारर) वारतार्र से देखें ्वसः श्वरद्दान्यम् यात्राचा तक्षाद्यम् भ्रेषाध्येव स्त्राचे वर्षः राष्ट्रमा वरः राष्ट्रमा वर्यः राष्ट्रमा वरः राष्ट्रमा वरः राष्ट्रमा वरः राष्ट्रमा वरः राष्ट् न्चन (मचन) १५६ व हर। य-नगरत्य गर्ड ता क्रमें मान्दी क्रमें में ग्रीय में ग्रीय प्राप्त निवासी र्षटामा स्वादायात्रे सुत्व हराव स्ट वी द्वार मा स्वादाया तहा वहा मुट्रक्षितात्र्रम् रच्ने मुक्टरमाया स्मित्रम् क्रिया क्रिया वर्षेत्रप्राधामाया मान्या मुन्यर्युरर्द्यरवाताता क्षेत्र। वहवाक्यराय वयात्य स्थिते कुल्यस्य रह्या मुख्यावया र्नुरर्रितर्भेवार्यर्था अने बेर प्रेरायां की बेर रेव विकास के बेर के विकास के कार्य राज्य राज्य स्था की विक्री वही वाववातिवादात्विद्धेद्वेश्वेषे र्रात्ववरत्यवश्यार्थर्थः व्रात्विद् मुक्षेत्र। द्रानुद्रः तिः ताको त्यमं के तर्मा क्ष्या सुका स्वाहित्रः देश हिंद्रम् वेत नारे.मर्हरी अवात्तवांभरेपदरशासदिता रे.मेर.क्रीमें वाष्ट्रीत वाष्ट्रा वाष्ट्री सिरामानुताकु में ये पर् । अभागायए रहिरदावरा श पर्वया र । अया सेंद के र्ष्ट्रपामिक्ते ल्लायाहर। केट.ब्र.श्र.दर.(द्या.या.द) वा.वलयाक्रियातर एवं एवं (ह्रेर.करवेल) ॥देश:इर:हर:इं.कु:रे.एस्र क्षेत्राल्यद्याराया। एकतार्थर्भरत्यार्भात्राची वस्युटा हुटा कुर्रे दे त्रह्मरेटा तर्केद्राय न्यवनयासेत् स्वयादार्ट्स्क्वारार्ट्र। क्रिक्त्यार्ट्र। स्वित्रायाः

यर रेड्ट राया सुटा देर क्लव्या शिल वाँ रा क्वा विष्टेर वी दुवा मा तवर व सून (वहूंन) वरा में प्रतिवास (देश)देश हैर देशता । प्र. म. में से देश में वस में देश में तर में अपने के में में अर्थेत (क्र.)याद्युं प्रत्य तथा तथा तथा तथा तथा द्राधा ह्रा स्त्र में में स्त्र में में हिर क्रा स्त्र में स् रव्यम्करः त्रायान्यम् हेर्प्यहर्मः (हर्प्यहर्मः) वान्त्र) वर्ष्यवार्षः स्वताराहे स्रेट्र चर्रात्त्वा के वास्थार्थर्थर्थर्थर्थर्थं केंब्र (वह्ने) वेश एक्ट्स यता स्वाभार्ट्खावा इ.यर्ट्रविग्रहरी सेवामर्ट्रक्षिवमया. हे.ले. द्यार नंदा हे े सेवामर्ट्रमभरें द्यार नंदा है लार्वायु अ.सु ए कि स्त्रेश के बार् हु ए दिह्यू हार वारा (अभरेश अभूर वर्ष) किंशाल व मेह बार्ड हर. यथायवर। स्वाराहरे से छिर्यसामार्य ने में स्वारी रस्य या वी रहेवारायशासकें यु. अर्ह्या भूष्रे भूष्य हरा हिर्द्या की र अर्द्य के कार्य के के के कार्य के र मूं बार के विषय के सिर्यापर सिट्ट्। दिवाय रूर्ति स्था (१४०) शर्यर मिर्या अक्टर्ट्य अन्ति स्था विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या म्बिर्या तेने अध्केषा के त्रात्र विषय है। यह देहर राज के दर अद् के दे हैं है के का का कि वह का भी भर्ड. एकेर.५. है. एसेल. च्या अप्टाल्ट्रा रे.स्ट. प्रवास के ए च्या स्ट्रा में विकास है की राम स्ट्रा में विकास स्ट्र स्रेन्यर दर स्यान्यर मित्र के ता ता का नेर रे क्षा कर अदल के के अद धर मुक्त का अवाहेर (पहेंद्र) मदामास्या राज्य रदासमामामामा देश श्रीमायरे हे स्वा मार्थ हे दावसा मार्डिं हर हिर वयासिद्धरा भेराध्यासिहर वरामह्यारे स्थाया सेवकाक्रार विश्वरायहरे क्षित्राह्म स्टू स्वादर् देवातर् त्रेयातर् त्रियातर् त्रियात्य विष्यात्य क्षित्य विष्यात्य विष्यात्य विष्यात्य शहर रूक्टरर्र हरा ही सेर यरेश रहे वासर स्ट्रिंग सेर रहेरा से वर्ग रेरा वनवा यार वार यं वर्षया हर की र हिवारा 'होर' वा हेवा 'ता 'तावार् र र रेति हा का मुंच व र ता सामार कीता हरे. वसर्वितर्रे वसर्रे वसर्वे वस्तितर्रद्रमातः तास्त्रा मुस्याविष्ठा स्थारे देव वस्ति स्थारे स्थाने स्थारे स्थाने स लाद्याव (अवः) स्ट्रांस्व मारा के महाती स्ट्रांद्र प्राप्त मारा मारा के मारा के मारा के मारा के मारा के मारा के पविद्रात्में अंश्राद्रमात्मादरा मुंभादुर क्वांगिष्ठ शक्ति कार्या के सामाद्र क्वांगिष्ठ सामाद्र मानद्र मानद् गरीया है रहा यहा द्रातकति सुवाया अरति व वा द्रा मुख्या ता खवा मुहा के महा की के दे था क्र) क्रें क्रिक्ट दे के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक के म् देशक्ति वेर वार्य स्ट्रिप्ट द्वा के विशेषक श्रीम थर वीद्र सवारे र गुनारा सक्षे यद्यायत्त्रायत्त्रम् व्रद्धात्रम् वर्षायायद्रप्यात्याय्यायद्वर्ष्यम् र्.लार.क्षर.क्षेत्रक्षेत्रत् केवानूवाचार्यरात् रे.स्टामक्षेत्र.प्चा.प्र.रंतप.चर्र.रंग्याक्षाम्परः

्रेश्चित्रात्मर्थम् द्वान्त्रम् तर्वा श्रुं वादर ग्रुराया विश्वसाय ग्रुरा वाद्यर स्थान रभवास्त्रस्थान्त्रस्थान्त्रस्य अद्भान्त्रस्थान्त्रस्थान्त्रस्यात्त्रभाष्ट्रस्थान्त्रः स्वाद्रं स्वाद्रं स्वाद् मार्गर में अक्षा किया ब्रहर ता बाहर राजा है राजा विका क्षा वरे ता क्षा क्षा वरे त्यां अर्थे देश की त्यां के त्या हित विश्व के स्था के देश त्या त्या त्या के देश त्या के देश त्या के दे म्मान्या विकारम् विकारम् स्वर्या स्वर्या क्षेत्र विकारम् स्वर्या क्षेत्र विकारम् अन्त्रानी अन्तित्वा हिन्दिर द्वारा कि सह त्वारा कि सह त्वारा के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या म न्ययायर्यद्वर्व्यार्ध्याव्याव्यावर्षात्वर्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वा स्मार्ट्यानवायानिक्षां निकालानिक्षां मुद्दा मुद्दार्थित हर्द्यात्मार्ट्या मुद्दार्थित हर्द्यात्मार्थित स्वानिक र्रार, छार, हिं तीर किर, द्रार, द्रार, द्रार, दावी, विष्याभारत्यर दिशा श्राचिकार विश्वता अभूत्राप्ताःम् व्राट्या (रहला व्यतः)। अद्यत्यात्रे मित्रा पर्याद्धर स्वायार स्वाया स्वा स्वा (वर्ष) धर्ड के स्वार वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे इस् हें हुने ब्रम्भ स्ट्रिं विद्रमें के विद्रमें के विद्रमें के कि विद्रमें के कि विद्रमें के कि विद्रमें के कि ट्रियम्बर्गाक्ष्यः स्ट्रियाः स्ट्रियः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रिय व्यक्तित्रात्रमः क्षान्वादरः। क्रेंदवदुर्लवाद्दरःदेशक्षेत्रमः स्वाववाद्याः व्यक्षावाद्याः रवारेरा के रटाकी मुकायि दें त्यं मुद्दार द्वाय र्द्दार द्वाय रेटी खरात रे विद्वार की व्यवसी हैर यातर्व रिस्टाक् मेर्रे रेपर्य मेर्रे रेपर्य वर्षे राज्य मेर्रे मेर्से मेर्से मेर्से मेर्से मेर्से मेर्से मेर् भटादवातः वे व्यवाध्यावात्वत्याया वे मायवतः स्टाप्तिः हुटा तरे ख्या केरा केराधन्य हे नदर में देवाया (देवाय) ववया ता आवर विद्या यादर। केवा वायया सुरा मुख वडरार्थातार् खदारा किर्वा होराम्सरे क्रिंवरा तर्कर वस्त्र र वार द्वा देवा ने या ने वा पर् केंद्र थर. यूर्टा पर क्या थर के अर कर कर कर कर ताया है, के विस्था ग्रह्यर. अहर्नेत्रा अर्वात्रवित्र्वार्वात्रवित्रं व्यात्रवित्रं व्यात्वात्रं क्रिका वस्ता में क्रिका वस्ता वित्रवित्रं ्यभक्त्रास्य। प्रदाश्याभव्दर्भट्द्राच्याक्षाक्षात्र। देन्द्राभट्टीटाद्रवाद्याराष्ट्रवा ब्रिंगाध्यम् मुन्यास्य वर्षान्य वरम्य वर्षान्य वर्यान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य व वाह्रभारामा विकासमा क्षेत्र के देशमहामा स्थान में विकास के वितास के विकास क

といるない、(なか)をあるはな」というからないというからないというからないという हीट र्यातिकर्त्यम् द्राया विद्यातिकर कर्त्या विद्यातिकर विद्या विद्यातिक विद र्कुवेरु द्वर भूर तार्वर रयुराव है र क्वर र देवेबा रहेव विश्वर विश्वर वार्य अद्वास हैर्य र्भवर्द्धतानम्बाद्धाः त्रकाराय्वद्धना अध्यक्ष्यम् वत्रता त्रव्याः स्वतः द्वाराष्ट्रवा क्ष्याः त्रवाराष्ट्री इट लक्ष्म में ने जाय दर दुर च बेंड में जार दिस्कर जूर का हैंद दिया वर्र राय देश राय वर् BEN'N) ३ खू.अ.इ.स्ट्रेंडिं। ।स्रोडे क्रिंगत. रगर.त. के. ल.के। सि.के. एह्याअअर या थरा के के। विश्व से र्वाय विश्व में प्राप्त के। जिस र्देष्टा । वयात्राम्बर्धकेव रे.मं.मं । श्रेरम्भिर्मित्यस्याय तर्वसा । यश्वर्र हिर्लाक्ष्मिव । क्षेर्व वित्रात्मिक वित्र वित्र क्षेत्र । विद्याति वित्र वन हम्या हमाता क्षेत्र वह न वर्षेत्र (महर्) । भ्रेम्न भागात त्यात स्था धरा सम्बाधा उद्श्य श्रीर के के का किया माने । पर प्राप्त हिर श्रीर किया हुन (इस) को अधिमान देवा में क्रवान्वयाः हिदःदाराश्चिद्द। । अरंदेद्रायहभाश्चिमात्र्रं यांके । क्रें पह्लाधिरःद्रदं क्रिय्षुत्रः यरातु। रिअप्यम्भेत्राक्षेत्रास्य देन देशकी। विदासीय संस्थान सुकारा परि थ्या तक्या नत्रे सुवाधित प्रिया तत्र न्या । त्र मुवा क्षेत्र मुवा निष् हैं अ. राप् हिर. एकरा में अ. या हरी । लूड था है, मुच मुख का सहरे रार हि । इ. भ. अहर्राद्वरं रक्षेत्रहेर् । भिषातक्षात्रं तर्हाह्यांकी पर ते क्षेत्रं । विवासमहर्षः स्थें के प्राप्त विश्वा विश्या विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा कींतराख्यां वार्षावा । मुंबर्श राम मुक्ताहर त्यरमा था था। विम ह्या मर खुकारी। क्रा. श्रेच हिर् क्रिक्श क्रिक्श क्रिक्श श्रेक्श क्रिक्श क्रि AND SIND CENTRAL BENDANDER DE BOND DE या. के. ख्रेंक्याता हीता (ही cream) परे या तथा । प्राथा हा परि हा अवा प्राथा र हर पर्ये पावरास्टर्सित विश्वतार्वा विश्ववायतिक्षा त्या । स्टर्स्यावया र्या रवर चर्म् रहर । विक्रिंश माना है 'दर्बिभ र ब्रिंश न वर । रस्म के देवा व राष्ट्र हर क्रिंग्रह विवास्याने विवया त्रीय र्गायरे विकाल क्रिंग्र ब्रम वर्वर्था यहेवर्था यहि वर्वे वर्षे द्रम् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वार्ष्याः वार्ष्याः वार्षाः हरा दिः वार्ष्यः १३ स्वायः वहत्यात्यः ता । वार्ष्यः १३ र विश्वीका कर्या हैशा । र हिर हिर यह यह वह (के बार्श वा वा के वा विश्व से स्वर्धा ते क्या विश्व प्रहिला विकासम्बद्धाः देनदर्द्धाः हैला अवतः दर है। त्रे अक्त क्रिका विदया

श्चित्रक्षेत्र । अवयानेशायकिर्म अवयाकिरा । अवयानेशायकिर्म अवयाकिरा । अवयाकिरा अवयाकिरा । अवयाकिरा अवयाकिरा अवयाकिरा । अवयाकिरा अवयाकिरा अवयाकिरा अवयाकिरा । अवयाकिरा अव त्रासित्वी.हिला विषेत्राचलका.अञ्चर्येत.का.एडका.मा.मी दुपार्थेद्रक्रियंद्रथा। | हिर.अएक्षियाताता अम्बन्धतारहेरायाम्भावन मन मुन्देरायमी न मुन्देर かいる。本はいれて、はいいというできるとうできるにあるというできる。 त्रः विवा त्याकी हेरा देवर स्रा व स्रवाधिक का हवा वा हर रवो वा दवर सहर वास्य व छा अवायवर्दक्वया अस्त्रेव। । १ स्थाय वा स्थाय दुः क्षेत्र यह केवा व स्टर् हर हरे हरे हुं सु परारक्षी, व्यवस्त्रे वा अवस्त्रेत्रक्ष, एत्रे अवस्त्रेत्रक्ष, व्यवस्त्रेत्रक्ष, व्यवस्त्रेत्रम् 'र्जासक्रम'रेट') विक्वरायान'रहेवयायाते ह्यु'रहे सुम्सूरया वा र स्थारित्री से ने वारमान्त्रिया हैरसार्ये केंद्रिया हैर से मिला है ए बेका उन्हें न्यू कारा है। ता ्रिया हें हैं चड़े को है कारा है। ता वर का कारा वर का कारा वर का कार्य का रहे की इंसर्डरश ।वरवाददायम् देवास्त्रभाउवास्त्रभावाता ।वरायदायाः वर्षात्रवास्त्रम् सरदे त्राधानाविशयम् । भुद्रशर्यं द्रयायात्रं द्रयायात्रं द्रयायात्रं विश्वानं विश्वानं विश्वानं विश्वानं विश्व मध्यवंश अस्य क्रियं महत्वया वर्षे भाषा द्रित्यक्षेत्र के वर्ष नम्स्वारा गुभराद्रिकेरे से लिएरगर। वायवर्रे सेवास्ट्रिकासार्व्या विवारगर्दर्शनार् करं अर्भ अकरं दरः। विवाद अम् के लिया तव मातव माने । दामराष्ट्रीर अक्ता श्रुवा ध्रीवा ध्रीवा ध्रीवा ध्रीवा ध्रीवा तक्रुर्के अ.र्.पु. द्र्यास्युर्के १ द्रेश्वराचारावे. दर्श्वर.वडार.पद्यारा द्रियार हर्ष. सहुव्यः धेववं नासुरः। क्षिवं धितः नाहवः द्वः धेवः वं नासुरः। । वे धेवः सेवास्य सः क्षेत्रे लाक्षाद्वा |देल्लाल्यद्वाक्ष्वेक्ष्यं देन्द्राक्ष्यं देन्द्राक्ष्यं क्षेत्राक्ष्यं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्राक्षेत्रं क्षेत्रं क् नःकतःश्रूरः(श्रूरः) व हरा तत्र्यं व्यापनाताः द्राद्ररः के माववति तत्रुवा के दिने प्रातह सम् पर् । वि. क्षेत्रं के त्या के संक्षा के स्टार्ट स्टार इसम्बद्धार्। किंशायतः नशायवन्तं दर्शतः हिर्द्रायकितावत्रायहरे ्रद्रा ।त्रह्यारम्यर्थशर्थः सेत्रख्रभवस। । शवंशमःस्वातिवारः रयमस्य। ्रमाध्याक्ष्यास्त्रीरायायार्यादर्। । भरामाध्याक्ष्यारायायायाः वास्तुर्। क्रियाता (सक्रमता) स्मित्र यात्री विकास देवाता के तार्वे का स्मित्र होता है के तार्वे का समित्र होता है के तार्वे ल. इ. च. केवालक्षान्य व्यवदेशक्षान्य विदर् देवा केद्र देवा केद्र विद्या के विदर् देवा वर्ष देव केद्र 

ं वायायार्यभारेर। विद्रालक्षणम् रिकी से सुर्थेने किंदारा विद्राराम ग्रही खें वे वस्ते।

वस्त्र व हिल्ला स्वला रव स्तुवा यां वा कृतिका व ते ता व नेश रिक्रेसर्रियर केर्या केरा केर्या केरा केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या के वहरात्रात्र । क्रिश्चराव अप्यार वर्षात्र वर्षात्र । व्याय वर्षात्र वर वर्षात्र वर्षा म्रें र अग्रह्म । विर मित्र करायि । विर मित्र विर प्रमादिय करायि । विर मित्र विषयि । लग्द्रभ्यायन्त्रायन । त्यावरंदरलुद्धवरंदेलाध्यरः । सुवरंदराक्षयः द्वायवासते वाह्यावारा द्वाञ्चेरा तरी वालुर स्वाञ्च स्रायं स्वायर वार्यर वार्यर विवा कॅर्र्नेव (कर्रवाश्वावस्यविष्ण्रह्मरविष्ठिर केम । र्वरेर एद्रवेमःवविष्ण्यर जास्यम् म्यालयते स्वाप्त स्वाप्त वर्ष्यवार्षि अवार्षे विवासया । विरंशान्य रामामान्या दियादामान्या विद्यापात्रका मिन्नामान्या । मिन्नामान्या । मिन्नामान्या । मिन्नामान्या । रात्रेव के विषय के देवारा की वा विषय वार के रायक के राये । विषय के विषय करिया इसहरार्रा अस्किन् केला सेवयंवरा वितरस्व में केल हम हरी है के ले (रेंग) तर् स्र तहुं तहुं अया तही । अहसाय दे विवादेशाया तही । के के तह के मंचका वयराश्ववाचित्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र् स्र वार्याश स्था नातर, वार्ट्य र्वारि विभवन विदे । की रव यरि वा इसामा कि विदेश । रथे प्रिश्ति रता हार्या निस्ता मेर्या मे वरामार्वि सम्बद्धा । वार्षिर वा प्रमानक वराता विरायमा । रमे रहमा रगम्भे लेटार्श्वरायार्थे । अभयातकम्बरार्थरायार्थ्यम् । अतिहास मुद्रक्रिंद्रदेश्यदे अन्वर्शिक्षिक्षे अदिवा अद्वर्शिक्षेत्रहे विकास क्षेत्र कष्ट क्षेत्र क्षेत बाएमारवाकी देखरामाखनमध्येत्रे किंद्रियर, हिंग सेए हर कुरान्त्या हिंद्रिय यां क्रार्था तर् तर् देश क्रिनेक्स वर्षे व्यादा वर्षे प्रयान्यान्या . द्या त्रमहर्ष्याद हिम्स्टरा। । वाववः पराहितः । बीटामरेशाम हैर राजारम्बलयहरा ही के लिखें (बक्र) में मार्स हर रखें मा विन हे स्टेंड अर्वे नर्भेर नेरा । अर वन्नरा नहा भारते वा अर वन्नरा केर अर देवरा केर अर देवरा

चिष्या मु.भ.४ चवन्त्रमः त. (कुल) श्रे.च । प्र. प्र. प्रमः हिट अया या येदका त. हैर. कुड़र शुर्रित श्री भाग हु से देश हुर की दूर की देश की अंतर हुं वार हु ता है। ब्रिट् हु वे वा क्रियायाँ वराद्वाक्ष्यं वरावाक्षयां वश्यावराक्ष्यं स्थितं रहात्राह्यं वरायाः चर्या व (वयः वेशव) । अरवेश अष्टियरा अवस्था स्ट्रिय अपि हर्रहार व हरा वाहरा वी अव। ीचर्च इसाम्म हिंद्युंदाअदेश अ । छे च्रांसी १६ हिंदा स्टार्था इंद्राम्य वर्ष्ण के विद्रामित । या वाले के एक मान विद्राम्य विद्राम्य । विद्राम्य प्राप्त । विद्राम्य प्राप्त । विद्राम्य प्राप्त । विद्राम्य प्राप्त । विद्राम्य । विद्राम । विद्राम्य । विद्राम । विद् 'यदम्बिन'वा । गर्वरर्रम्'रिट' स्व'यदम्रेट हु। । द्यवस्यक्रम्'रा किवानस्याक्षात्यां त्यद अभियानिया। विविधः मुक्केनारामः लानीवायरं वास्या ।क्रिम्यायारं प्रति र.धुर्धाराष्ट्रकाराष्ट्रीराधित्रका । अर्थःस्रिअकार्य्याकारवयःस्र । वाप्रमान्यस्य वार् इंगाधिव। विस्तर् प्रकरम्याम्बरा भिषाणवा गुराया भिर्ते । ह्या तरे स्यारकाराः श्रीयाः स्रेयः स्रेयः स्यायान्यं याक्षा । इर् स्रीयः मान्ध्यः त्याः स्रेरः का व्याव । विद्रायः स्वायाः स्वायाः स्यायाः स्वायाः स्वायः स्वायाः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स पञास्त्रके सिर्यासम्प्रासिक्षे दिन्त्रिश्चास्त्रस्य सिर्य यान्यम् केणा्याची ।द्यायाः सेवश्वाः ताताः द्वाः वर्षः क्षेत्रद्वयः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स लर.ज.व्या.यर्र.भृत्ये. विया.म.के.वरा.च्यार्थ्यात्रेशाला विर्याय्याः वर्षः द्वः स्रें। हिर्धरभदेवाअग्रह्में। रिवारे हिरस्याप्येक र्याया हैया रिवयाय सर् क्रिस्या(हेरमहर्ग)क्रा हिंदर्शर ग्रंथम्रार्गर्भकृति । रुभर मभसा श्रेरति । रुभर मभसा श्रेरति । स्वरात्रक्षराखराखराखी (४२३) द्रव राहरी । क्षेत्रा धितास्य सामाया अग्रभः) दुः सेवरा अदरद्भक्षा द्राम्मराष्ट्री महाभा विद्राद्धार करिया अद्भार माम् (अधका)क्रवसाइर। । यातारद्द्वार्शका (म्यान्त्रेता )यास्त्रा । रभवत्यां मृत्यातायास्या इत्यान्त्री रितारहरून्यर मेला(पर्नेक) दाला सिमायामा सिहरर यास्या हिटा मालाका (स्ता)व्यर्थंति अद्भाभागमा केर्या हेर्। विवेदाविविदार पृत्ति विदार । तामा विकास 'जूर सेंद्र-कुड (ठक्टा) । अ.लच. ए.ज. हुरा हिंद हैं . कि. कि. कि. जूरा ता कि. कु. मूला स्मान्त्रात्र्याः देवाराः (वर्ष्टारा) वाद्यः स्ट्राः । वात्रक्राः वदुवः वा विद्वां वा प्रविद्वां वा त्क्रवात्रत्वेत्र्याः(परुवादक्राः) वादायाः व्यदः। । क्षेत्रवाः यदः श्वितः व्यः वात्ववा । द्वावा

चारीशास्तरं तपुः चेराशं तर् क्रिया चीराश्वरं स्थिति हैं स्थित स्था।

क्षित्रं शुक्रेश त्र्यं वाश्वरं तर क्षित्रं स्था क्षित् स्था क्षित

न क्यां के के देखें। के न रका या समेरला सर ताया स्था विश्वासिक्तिक वर्षा अत्याद्याक्ति स्वाप्त क्षा । वर्ष स्वःस्रिक्तिर्देशकार्यायायात्वरादेवता। तर्देश्वतेवदेवस्य वस्य प्रम्येक दिः अवाक्षवादरः कि.के. ५३८ । शि.श्रेश राष्ट्र के प्राधा प्रिया है। । रका पर क्रिके के प्राधा पर (परेसा) है स्था सर्वा के सार्या प्रभाव वर का वर्षे त्वर । वर्षे । वर्षे वर्षे स्थान । विवास वर स्थार के स्थान । किवास वर माअब्दान्। लियानगालनार्भिटाकेरावदेवाक्षावदी दिन् लाहामार्भिकेलिन विभिन्न १वन्द्रव (देव) त्यां के के तर् वित रगरतावे (भवत) इत्वत वित्यर सित रग्ना (भवत) याने केरेश्वार्य । र्याया प्रस्ति स्थारित स्थारित केर्या क नाम्यानम्त्रास्यर्थायाने लान्। विकार्त्यायात्रात्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्यात्रात्य हैं। श्रु इवर्षे रित्वे व्राथ देवश्वराधार वा सार्थे हो । वर्षे रेशे देव सा स्वया ता वा सार्थे र्भव। श्रेट्रातात्वराम् (पर्वामम्)श्रे थावा म्रा म् स्रायात्रम् मान्यात्रम् । द्रायात्रम् । द्रायात्रम् । द्रायात्रम् । द्रायात्रम् । यात्री विशायकामरत्वर्गर्थामर। विरायासर्वरास्त्रम् विरायनास्य ब्रैंडिए द्रित्युंगर्भामायायाया थिए सून कर सम्बाध्येष तिर्वे स्वीत्र

्रेष्ट्रियम्भ्रा हेर्र्य्वारा हेर् र्वारा हेर्। वार्या वार्या विष्या वर्षा वार्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष्यक्रिं स्ट्रीर वर्षीर की । यूर स्वाय स्वाय स्वाय द्वाय वर्षे विकास । श्री अध्य है रहा ्यूर (सूर्त) में । अक्के राम प्रब्रें के का कुरा में हर ए । यहिला । वि.म्मा एका माने ए । या माना भे तकवाना देवरादा देवरादा देवरादा विश्व वाया विश्व वाया देवराहर का सुवाधादा रेवराहर का पदी रिवर्रायरि वहुव वा (परुवका) शेर्रिवा के दी वाइवा वाद वेद सुवा (हवा) यरि वाई सुवा र्य विकार्वेद्रियंवारायित्वभागावित्तहता । तारादे ह्वाया (यर) बुद्धाव तात्वा ) र्वेश्चर्यक्तामहत्यविवारात्यव्या ।रेलर्क्षियस्यास्य स्वार्थाय अवशायकेत्रकृत स्क्रिट वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र क्ष मह्रव (इव) तकेर देवारान्ध्र ता तब्दर व की तब्दा र विते मह्रवादिया विवा दवीरादवीर सा र्वे अर्थ त्या तर्वता कर्षेत्र राय प्रदेश । युरायि तराया यम् न प्रवाह या सामा रब्दा व्यानिशाम्यास्याप्त्राप्तर्वातात्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त विश्वत्व तरे (पर्) वस्राया । त्वा कुरी वह अवर्व विश्व के के करें व्यव प्राय के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य किर्नित्र अध्योष्टि के के के किर्या । किर्यान किर्या के किर्ये के किर्या किर् कुरिने प्रभेत्र । दिस्मियरिने द्वार ने ने प्रमानिक मानिक मान बर्बर्चान्त्रासम्बर्धाः । अहलाहेन्द्रमा । विचरम्त्रे वाद्रभावा । अदे (वर्षेत्रप्र) क्रेंद्रमा त्रें ने हेर जो । च वा क्रेंद्र व क्षें क्षें अरदा का ता (वा) क्षेत्र । यहा हिर्मि के रिकार्यरा । यमकेंद्र वसा हिरासा कावसा तो नेर । की एक मंद्रिया मिना के हिरा (र्क्त्रम्यते नार्यम् त्रथा वर्ष्य वर्षा वर्षः वर्षः । वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः (ह्न्यः) तत्रत्रमे वेद्र क्रिनेकेक क्रियामा (क्रिकेट्रेन क्रिकेट्रेन) वाहरास्त्रवर्धि नेवासार विद्यार प्रकेश क्रिकेट्रेन वाहर र्वायक्ष दे तिया के मा ।। वाववः यह विकास वाय स्थायह वाय स्थाय है । वाय स्थाय है । मिद्राक्ष भ्रम् में बे कि में बाका कर बे दूर अरिषे आ ला बे सूर हो। बा का का बार ( ज्या सामा) आ बीका तरि थवा प्रवा की हैं तिया श्री तार वा का र को हका हुट होंग। त्यं व सहर सा विकित्व विवा प्रवास श्री सामा (ब्राया ) अर. ब्राय्येश मान्दर में ब्राय्ये मान्य रे ब्राय्ये देश पर देश हैं (के.) वापात के कुरा वा समाय वर्षेत्र १ (वर्षेत्र १) हार्षेत्र वर्षात्र वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्य इ छोदः हेर्नेस्सू । हो। इ न्यर्स्ट्रेस्य सक्तियात्त्वादी । श्रुवर्वादगर्यते हें। यहरामयर्थे रहा । हिं रेवकेन रेवाल हैं (के) अखतार क्रांची | नेप्संति क्रां केर हेंदा ले ने रहा।

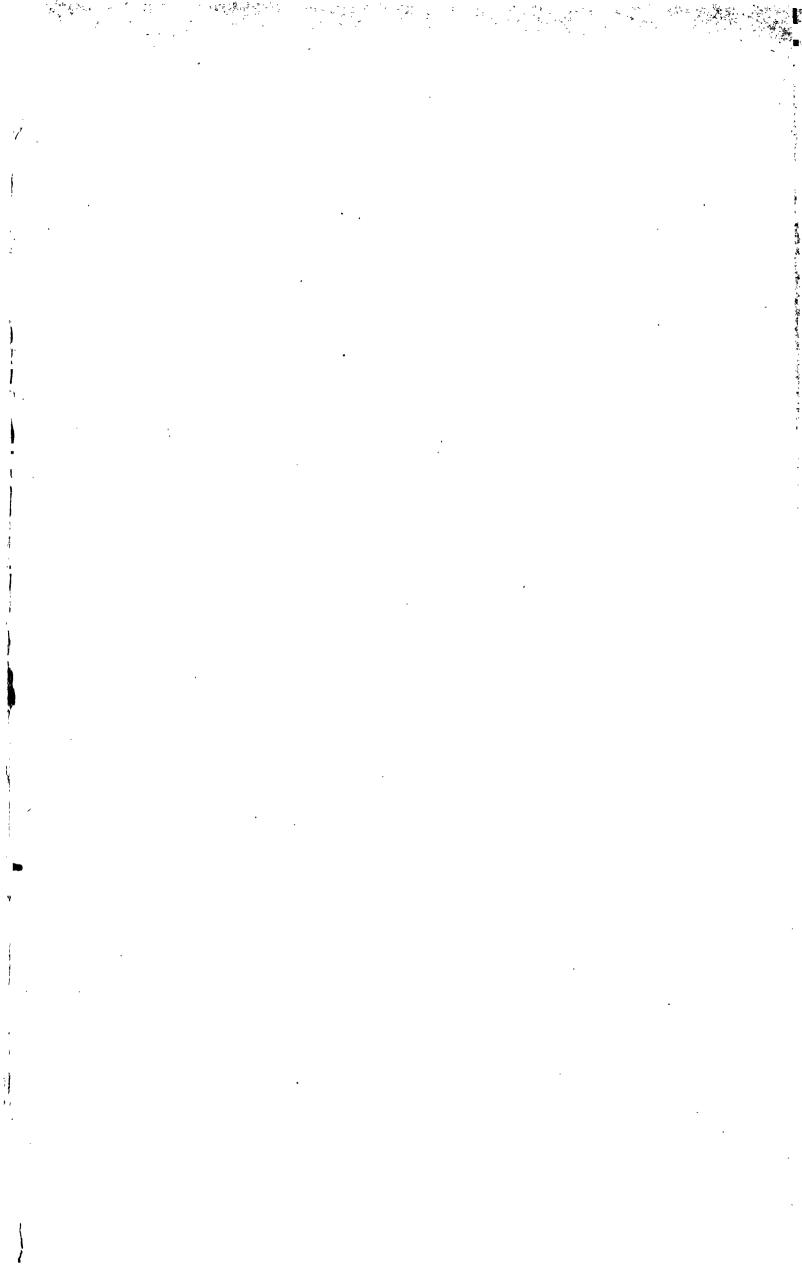
/22201

वृदासूर्भित्रारी अत्वतःत्र्यां वृ ्द्यम्बति यविवयर्दतः था ता ते ददः । वृद्धत्यम् केर्यम् मायतः एवं है हिट्यू ही महरा के मंत्रा मान्यता दिस्तार जिस्दर्भेवव देवेव विवास रमरगम्या । अर्दश्यम्भानमानिके सुदास्ताववा मार्दराखनाया थेया थरा । । विद मिन्द्राचिकारामते कुट कार्या स्वा विकालद्दान्त्रे । द्वा तिकालिकार्ये । हरा भाष्ट्राक्षित्रवाक्ष्यक्षेत्रक्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र र्ति हैं है लगाइस से हैं दिया वर्ग ना हर हैं धेवा | देवें दें ता गुर या हैं दें विद्रा गहेंदें) । श्री प्वर गर्गेरा प्रस्तिकारा राजे । अम्सारा र्या प्रकासके तकता वित्र विस्थायी । स्ट्रिस्स्य त्वारी अवारी विश्वास । द्वारे वा वा स्वारी वा वा स्वारी वा वा स्वारी वा वा स्वारी के वा वा स्वारी के वा वा स्व ब्रास्त्रीय हर से प्रताम अर। प्रत् के लाई के ना में के के में के किर में में हैं हैं श्रृवः(भ्रःकृत्यः) नाइर्द्रायः तक्ता । द्वाब्कुरः वादरा, वःसद्वाः पादः। । क्रियां चेदश्चिया पाठिनाः लयाम्या । खुलाकुराभे स्थान । विभवान युराद्यं भार्यनिता त्यामा भी हिर्के हिर्द्धस्य शिक्षकी । अमे एड्रिंश अश्वष्टित तत्र अस्ति। विद्दे स्विया तर्द्रे (मूल)श्राम्याया । भ्राम्यविष्ठी तथिंद्या मामकूर्य विदा । विद्राम सिराम कुर्यास्त्रेवः र। । यहवानान्य में सेवाल तर्र हेर छर अखेर। । सक्तिया नेवाल में हरें वर्ट हेरे अखेर। र्देर्श्कित्यद्यादाय। विद्विद्विद्वेर्भ्यः गुरायद्याद्यः । । दाष्ट्रस्पति देः वावादाः यथ्रा । भार्य देया (व्ह्या) श्रिया मेर्डिं मेरा श्रिर हिंगारा तर्ी । भारत प्रेरण ही भी वीदा दार्टा । भा । ग म्यान्यर द्राविना तान्धर । विर्वादित अद्भावान्त्र । विर्वादेश याद्य अद्भावान्त्र । विर्वादेश याद्य अद्भावा गुर्द्रिया मुन्या । हे. गुर्ह्य हिंद्यी द्वायावरायर। वाद्यायावर यहवायाव में चर्य । एक्ष्यां इत्या क्षेत्र वार्षियां वित्र हिरामस्मिता या दरा । तह सम्राह्म रामस्मिता यं महिला । के तहारकेमा महेना वर्षित । त्रिवयं वर्षित स्थाप्त । व्रिट्ने स्थाप्त । यास्य (ध्रुट) वा वाहे या । वहार वासे र स्वित वाहेवा वाहेवा । स्वित्ती र स्ववास स्ववास र र । यश्रायतिम्ब्वारार्यवित्रत्यानित्रायवित। । तद्यम्यव्यायिक्ष्यायिक्ष्यायवितायवित्र वार्कातावन करिन क्रिया । वचरत्र कृति ब्राम्क्रियायाच्यर् । रिन् राक्षितक्रियाव्ये एवदार्टकुराश्ची सरमात्र्वातम् । क्रिंट्डग्रम्कुर्क्तात्र्र्या । स्रद्क्ष्यात्र्या क्षिणायाददा । वराष्ट्रार्यकाक्षकणायाददा ।श्रवावक्षिणायाददा ।श्रवावक्षिणायाद्वाताकणायाद्वाताकणायाद्वाता अर्थः अर्दरम्हा । वाम्बन्दरः देव ब्रद्धर वर्षा छेर वर्षा । श्चीर दगर केर व वर्ष देव स्थित देव। र्भे द्रात्र हैं स्पर्क ही व न में भरा अधिय राष्ट्र स्व न में व का न में मार्थ में वर्ष 

में वरानेया | १८.४८ है अक्षे नम् वरा । १५.८वर बीवराक्षेत्रवगुवावर | प्रवासे हिस्साहेवा

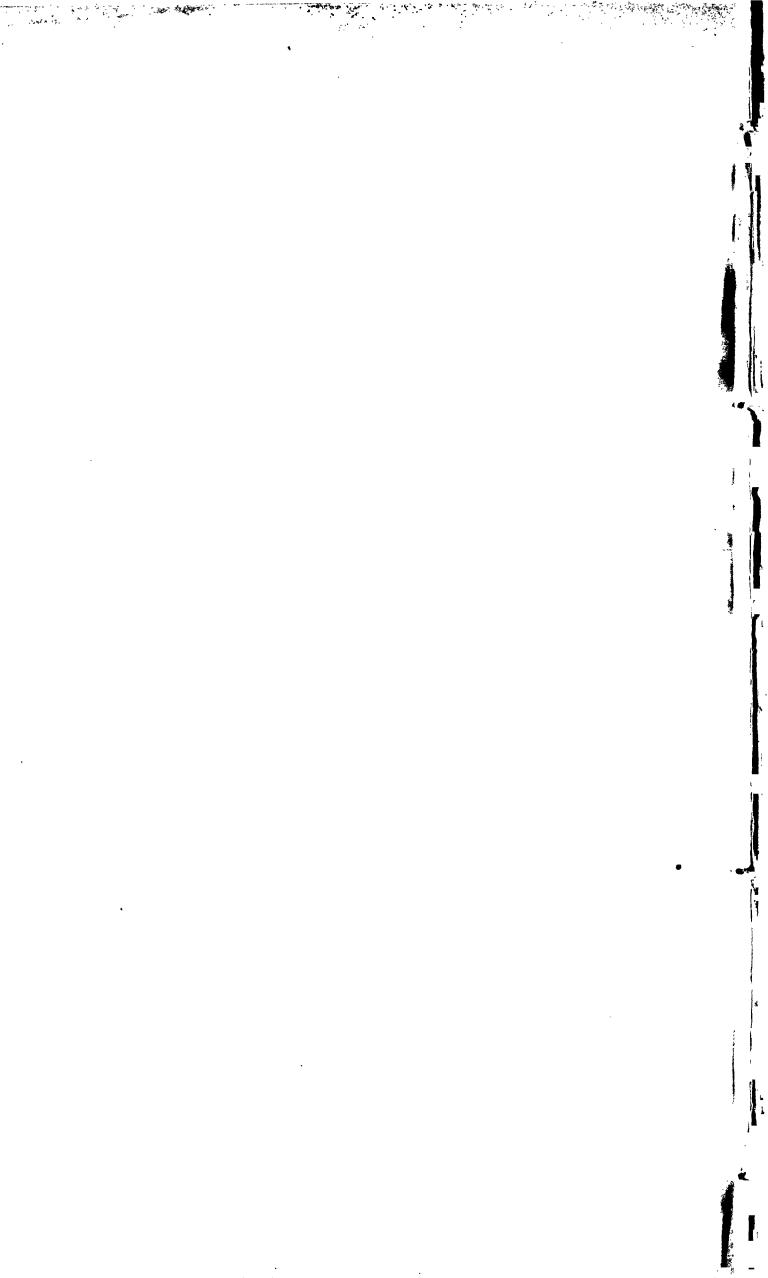
\* CEAN

375



ाष्ट्रत्त्रीर तम्बर्ग्स्य प्रत्वा कर्णा

 $\mathbb{Z}$ 



हुआ । पर्करायाम् हा स्वरंदी । वाधवासियक्ता हेर्द्रप्राद्धां वाधवाने । वाधवाने सा बार्डिंशार् के हुला विरायकार्यर राज्य द्वाया विरायका विरायका विरायकार्य विरायकार्य विरायकार्य विरायकार्य विरायकार्य प्राथित्यत्यत् स्तर्वा । क्राच्यत्यत् स्तर् स्तर्वा । विकार्यत् स्तर् श्चरायाम् अवास्त्र अवास्त्र अवास्त्र । वि अवास्त्र प्रति । वि अवास 'सेवपायर मुचलार माम्ये के के अप में भारत में मुचला माम्ये में बेला । -- वर्षेट्रला (म्रेट्ल) राष्ट्र चेंग्रामा (त्रा) रेट वर्ष्या वीर तथा वीर्याता । र्ट. केंट्र किंद्र भाग वीर. ग. कें.र. शर्या वर्षेत्र भारा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र ्रव्युरम्(अर्द्धुटम्)सीटःयः म्रम्भः स्टास्यो हुःया क्षेत्रयानेटःसीटःसम्माञ्चन मासुःद्वर हिटः स्मार्यक्षमध्यम् वस्मार्थरः स्थराद्याराद्यः नरः वरः महत्रात्याम् वर्षः महरावत्यायाः स्थरः र्क्रस्थक्तः रदः रद्भे हे त्यक्ष्यकानिदः केता यह व्यास्ति । स्रमःवरःद्वारायवतःदरःस्कादरस्यः या वायवास्य वार्वेदः । स्रीटः या स्रवायवतास्य वार् म्दरम्थक्तिक्ष्याः विश्वत्त्रम् अत्याद्वात्त्रम् वार्ष्याः वार्षाः वार्ष्याः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्षः वार्यः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्यः वार्षः वार्षः वार्षः वार्यः वार्षः वार्षः वार्यः वार्य क्या क्रालम्बर्धत्य म्यालम्बर्धा (म्रेरम्) यह दर्भ (म्रेरम्) यह दर्भ स्वरं मान्य मान्या मृश्चित्रराम् वान्यान्त्रां वान्यान्त्रां द्वायर्टा द्वायरे वित्यान्त्रां द्वायर्था वित्यान्त्रा र अर श्रास्त्र श्री श्री हे तर सरवारा किर वा हर दारी हो वा या त्यां के त्यां श्री तर्वा र्रट भुवारवासाद्धरवासूर के वर्ष विवाहकार र प्रति हेरके ने सा वीर्वा वेरा विर्वास हर्यातिष्ट्याः मृत्यात्वे यो यायायाय्यद्यादाः विषय्यम्यवत्तिकरायाः स्टिस् वर्ष्ट्रियां वाप्त्यक्त्रियं द्रार्ट्या द्रार्ट्याय त्रत्याय त्रार्थिया स्थायत्रता क्षार्यायस्य वादवादाः थरः तरे हर्त्वं वा प्रत्रे के थरंभेर र तहस्यायते तिहरः वस्त्रे रहरः य मार्से दर:र्याम (र्या)राम पर्वे वर्याम याते मार्से वारवे या वराये वराया रास्त्रेर किलासुन देवाराक्तिवीरात्मवसूत्रकेशावातरमाना र्वारवर्रास्कराताहिता ब्रिट्रायर्वरवायर्वता क्रिय्त्रें स्थात्र्वेत्रस्थात्यर् क्रियास्य स्थात्यर् वात्र हिट्हर। रेएवेदाअक्ष्रकृत्भे रयात्रभ्र रहास्य अत्याक्षरास्य । उर्दे (रेक्ष) सर्भे प्राथम् हेर् हेर् हेर्व । विवदेव अवस्थरात हेर्च हेरच हेर्च हेरच हेर्च हे ता.इ.सी.दीम्बीत्रायन्त्रत्यात्रात्राद्रांचाव नामानमाक्षेत्राच्याद्रांच्या से.चर्यानसेटा दिवाशवादिवर्वेचक्षेत्र.पहुंतावद्रावि.चेवश्रदे.वर्वे रित्रक्षे. श्चीट्र ने श्वा श्वा श्वा श्वा श्वा श्वीट्र स्ट्र त्या स्व हरा है स्व श्वा श्वीट्र श्वा श्वीट्र श्वा श्वीट्र श्वा श्वीट्र श्वी श्वीट्र श्वी श्वीट्र श्वी है स्व श्वी श्वीट्र श्वी है स्व श्वी श्वीट्र श्वी श्वीट्र श्वी स्व श्वी श्वीट्र य. बेदानु सेन्। अदार्ह्म देशना राजवाता विवा सिवाद महिदा के बारा दूव बारा कुली त्रिवा मेवार्टा हेर हेर हे स्थान के स्थान हो से स्थान है। हे स्थान हो से कार्य है। हो हो हो हो हो हो हो है। है

दुर्बोद:स्य

place

श्रेवारेट त्यु तदे क्षेत्र हत्या यत्तरतः (नदतः)। अर्थाष्ट्रवार्था विवार्था अर्थे देवा विवास देवा के देवा के विवास क अहर् । भुक्तरार् दुरे वारहिन्यहर्। । के बेर बेर धर हिर धर दे । के रूर दर दर वि एवाए ता. (पारवाए)) साविद्र(वावद्र) हैवा शुर्क, स्रमः के वसेत्र। ।क्यः स्रवास्त्र स्रवास्त्र हिंदी विवास स्मर्यर्थे श्रम्भरम् वित्रम्य । भने स्राया हरा त्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष ल्या । र रदर र अभ्याना । इ.श्रेर अव राध आयर द्वी वरा । वराव वा अव मार्थ । १म्रह्मात्यावा किवरात्रात्यात्यात्या किर्यर्थात्या किर्यर्द्धारहरायाक्षेत्रात्यात्या उगार्श्वर (रबर) रायरा। किया अंद्र (श्ववायर) श्रे.स.स्वा राजरा। सिवायवग्रहाह्रद्र laugiting च हराय। । तिके क्षेर से वास्त्र देव । या ने ना । इसे से स्वास्त्र के विषय । इसे वास्त्र के ना । १००० वर्ष कार्या मारेश हो । या श्रेम खन्म नन्त्र दे द्वर मही विषय अर्ग महामा विषय । सम्बुर्क्ष्य (वहवा) यति दयत्वर्विक्षः विकार्मम् सेवान्त्रम् सेवान्त्रम् । विद्यस्य विकार्मा विद्यस्य विकार् श्री कर्या अर्थित महाभादताता । श्री देश देश तकर तकर करा । रे मेर ही अते अद्र दार्थ। स्ट्रियात्रेष्ठ्रा (वक्कावर्ष (वर्षा) तान्त्व । स्ट्रिय कर्ति (श्रुप्त क्षा क्षा क्षा वा । र्ट्रिय स्था विका प्याप्तिः अ.चेच.व। । शुन्थाः यार्ट्याः स्व व्याप्त्य । र्यायः ता व्यवः सिटारहर्द्रः । प्रवाधाः योवतः र्षेत्रा । स्रिम्बरे ध्रेवन स्प्रत्वेद्याता । दामु व्यू दाव वि त्या वि त्युवा व्यू दाव वि चर्डरास्य । दिवा विवादक्षादक्षादकार्मित्व। विव्हरव्यद्वस्थाक्षेत्रास्य । वस्तिदेखारान्त्वा स्रिक्षाक्ष्य । र स्रिक्षाक्रिक्षाक्ष । क्षेत्रात्रक्ष । क्षेत्रात्रक्ष । क्षेत्रात्रक्ष । क्षेत्रात्रक्ष । क्षेत्रात्रक्ष एसकारिया हिर्देश्वरा हिर्देशका हिर्देश के स्था हिर्देश किया हिर्देश किया हिर्देश किया हिर्देश किया हिर्देश किया या कारा देंडिया किट के प्रधिव देश पर प्रदेश हैं देश हैं विशेष हैं कि के विशेष के किए के हैं साम्रभद्रमुत्रयद्रयुर्द्दर्भाष्य्रभ । क्राम्बर्द्दर्भद्रते मानुमानुमान्याः । विम्नुताः मान्दर्भे अवतः यशा 13या. अविर (उक्कः) रहाउत्तर र से ही । । उद्गार्थर प्रमाने से हैं या है। श्रायक्ष्यक्षयाव्यतः दम्याया । स्विवाशम् व्यवः यते विदस्यते । श्रीटः ख्वास्ययाः य र्मेरमाभीता विश्वराक्षितायाः मितवारात्वरात्रा विश्वरायहेवारायाः स्ट्रियां सेर् रमण्यूर्वराष्ट्रेत्रात्त्रेत्वा विदावित्वलक्षात्रेत्वत्त्रेत्वात्त्रेत्वत्त्रेत्त्रेत्त्रेत्त्रेत्त्रेत्त्रेत् क्रवारार्था विषयः आर्यद्वर द्वान्त्व । रे.अव.विषाः द्वान्त्रः रेताः भवा । रेविषक्षिणः याः । विषयः अर्थः विषयः विषय रेश'त्रेम'श्ची'सर्गातस्त्र करणक्रम् सरमा रमणक्रम् मुद्रमा स्रामिति स्रामित्र मुन्ति मुन्ति । हरकर र वर्षे हिरत्ये लक्षेत्रकार्या व्यर्निता रित नेवाय को तर्ये के

र्ण, बार्ट्, जुरं, र्राक्षरं क्रिट्ला, वर्षा व्या वर्षा क्षिर क्षेत्र वर्षा क्षा । वय, टरं वधुः रटः वया हे ह्या, वा त्राह्या ही, दर, या व्याह्द क्षित्र व्याव क्षा हित्य क्षेत्र क्ष

म् नाने देरि हैं। भी हे शिकार ग्रेट क्रवर हेट्य न राजवा कि ग्रेट नाम रिवर ंत्रसामाद्या | देवसार्थत् दरःक्षेत्राराष्ट्राह्यः एकुश्रदःक्षाद्रःश्रवः वर्षः । दिरायः यद्दरायः यः चा राष्ट्रा । इम्प्रदेशक्ष्यास्यास्यास्य । प्रहेशक्ष्याद्वाद्यम् क्रियाक्ष्यास्य गरुवामन्तर्म । व्यवन्तवामन्तर्म । व्यवन्तवामन्तर्भ व्यवन्तर्भ । व्यवन्तर्भ । व्यवन्तर्भ । व्यवन्तर्भ । व्यवन्तर्भ रद्भी अर्थोर् अर्थेता । मानविद्या अर्था कर्षा कर्षा । रद्भाव मानविद्या । रद्भाव विद्या । रद्भाव विद्या । रद्भाव विद्या । रत्तं प्रदूर्न्तर्भी ताया है। विन वामन मिना कर प्रह्म राजाना । किर्त्र केर वयर ब्रह्मा कु तथा शहर । वाया गर्देशका की कर में या । हिंद के रहा के का अवा खवः उव। । नामवः उन्दर्शनथाः प्राति । द्वाकोर्थतायि । अवादरंशक्षा । देवा मुख्या मुख्या । द्वास्वा क्षतुः केता केता द्वा । द्वतः तीरः द्वतः व व व व म्यूनः । किरः विया अतिक्या केंद्राच्या । केंद्र पक्ष या अवाता है आहेद प्रचेता । वर्दे देव के ताव करें द्यम्दर्। । के.श्रुरप्रविदाश्चिक्यातालय। किंद्रक्रियाच्यात्वय। किंद्रदर, न्कर्त्वासमात्यास्य (स्रम्) । १२ द्वास्वर्ध्वराक्षेत्रकाते। १८द्वास्वरात्यरात्रात्यः १८६ हवा। नेर्दरद्रशास्त्रक्षेत्रस्ति। विस्तृत्याम्यवयायवयाः ववयाः विद्रा । व्यवस्थितः वाद्रायाम् न्यक्षरा । त्युः वर्षां नेराक्षां वर्षां करा क्षरा । विकास में को नेराह्मा वर्षा करा । ्रवरेश्रेक्स में द्वा हथा था अराहे। । एक्ट्र दासर की ला के ला ले ले वा । व क्ट्र हु त्ये व था अग्राताली विवालक्ष्यम् विवालाक्ष्यम् । दे मेरकी अहत्र (अहर्) वाराला ्रें स्थित्यां अवाद्यां अवाद्यां विवाद्यां विव "किश्रद्भ (श्रद्भ) पर्वाभा में (म्र) । किराम काम्य माया क्या हैया । र हिं त्या क्या

नार देश (वेका)रीर व । श्रीरहे सुवातर्भायते सुर हु तवा । द्यविश्वातर् विवता त्रेवां । व्यापान वास्य मुनाया व्यापान । अदेता दम्यानाम व्यापान विवासिक। तम्य (मम्बद्ध) मार्केव मुद्दाया मित्र विक्यारम्य (मस्यारम्य) मुद्दार्था राष्ट्र थेव। ॥ देश हेर् हर अदलक्षु अहर कारा देश दूर हैं। खरीं दित्रत्यर एवं तारे ? के बेश के (क्षिणके) हैं किया तर एवर रेप रेपारा अपदि के आरा श स्यात्क् (स्यायक्) दे सर्वागर, त्या ताम्यान्त्रदा त्यम् वाराणा स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्व क्ट.क्रु.टे.नर्षः विविति । जन्मान्यरदा दे.भन्द्रः त्रमे । अर्षः क्रेरः अर्थाः है स्वर्णः इराय्ट्सि हर्वात्रया दुर्वरयायमा मियी सुराय (१९४४) मामकाय के सुर अर्तरं वर्व भिरं अर्व क्राके क्रान्य ने वर्ष क्राके क्रान्य ने वर्ष क्राके क्राव्य के वर्ष क्राके क्रान्य के क (८८८.५) वालवात्रापु अर.दे.१८८५, १६६वयात्र्या पक्र.हेर.वरा क्षेत्राभाकरः ने में या (ब्रम) रादा विश्वास यादा यादा विद्या की देश हैं। क्षेत्रक रात्रीर की वर्गका केरेशालय सुरहा । श्रीर द्यार खडुर इसरा कर सुरहारा का अवाराम्द्रेशयरावित्रम् अम्ड्रवर्ष्णवर्षा विक्राहर्ष्ट्रदेवाचन्तरा वस्तावर्ष्ट्रवर्ष पर हर कियायां माम्रमिक देर किये रेट पर हिरा के विया के के वा करे वा कर कर राम्ने दर्नरह्मियं विश्वास्त्र काराय हराय हरा अवता अवता क्रिक्से ने हरी । मिताया प्रत्यर वार्ड्याय त्याय यर प्रवाचनाता वार्थ्य प्रवाच्या मेर्स्थे खिर्ट्ट डिर (द्वे ही Chag : हे अ कर द्वा के (ब अव) हे वा आहेर हेर सम्मान कर है। यरिस्वारानुःधीर्कर। । तवः चरावः मराम्यान्य नाताः विवान है ाम सुसार् हुर्ण र्मर (रमर)रण वर्षा रेवरामवंशक्ते किरंक्ते में हाराया पर नेवध में यह श्रीट्रियावानी स्वाताय वित्रतायक्षेत्रहेट द्रमरावर्षेत्रवा रे को व्यत्वेत् । तक्ष्यद्रभर रवस्तायक्षास्यक्षास्यक्षास्यक्षात्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्यायक्षात्राच्या लाम्द्रियम्ब्रहेर्वित्रवित्यक्ष्यायस्य वित्वत्यस्य स्वत्यस्य वित्यत्यः र्अवास्त्रेश्वर्थः वृद्धवाराय्यायाय्यायास्य । अवाराद्रंताः मृत्यवाः में द्वारी भारत्या निरास्त्र भारत्या निरामित क्या निरामित स्था निरामित स्था निरामित स्था निरामित स्था निरामित रे हर्शिट्रश्चन किट्रण सूर्इस्र देया देर क्रा के के का का क्षेत्र के का का कि र्वा.रूवा.(र्याया) र इ.सी.पाश्राभवेशता विद्र.रूवा वदाश्य अर्थर द्वा पति व श्राम

Seal

क्षेत्रदर्भ अक्टर यह अवसा ह्रें स्वारर महिता वा वा वा वा वा वा वा वा वा विवा के विवा के विवा के विवाद के विवाद मुक्ति तम् द्वार्वा द्वार्व राष्ट्र यम् मुक्ति विस्ता मार्च विस्ता या की मार्च हिर्ध कि एवे जारियामा सेंब्रेच से प्रमा रहा ज्ञान रहा ज्ञान प्रधिया करिया स्थित है. क्रिं (क्रिं) एडिंग क्रिंग दर् देर् देर्य देयाता अर्टर वर्ष क्रिया वर्ष दुर क्रे.वर्ए ८८ वरा प्रविध श्र. में.व. यश्र रचमश्र ४६ थि. के.व. व विशेषा श्र. यार या अर्थेट व जिर देवें देश सुर्वे वर ति अरि बिताय प्रिया व ति देश देश से वर रे याद । "आर्प्रअर्वावर्'र्'नेवर'वर। र्यायम् र्राच्याय्याय्याय्याय्याय्याः वर्षाय्याय्याः वर्षे वर्षाय्याः वर्षे वर्षे य्यात्रक्षेत्रशार्ट्या रतएक्ष्रार्ट्याक्ष्यात्रक्षा क्रियारायम् स्वाग्रह्मारा (स्वाह्मारा) वावदायम्बर्गास्याहरः। ताकृतः इसरायर (देवात) क्या उक्रमातमा विमाना परीया क्षित सामा कर.भर्षेत्र, धरार्या सव त्राया भारत्या व्यापा विराधन । विराधन । विराधन । विराधन । म्टर्श्यं र व वर्ष् ही (क)र्य्या प्रथा वर्षा हरा हरा था था था वर्षे र वर्षे राज्य र वर्षे कुलायूर्ययगपरत्त्रेय्रात्रम्भ्यात्राक्षाः क्षाः व्याव्याय्यायात्रम्भायत् प्रद्यात्मे प्रवार व (रवार क) किरंत्र मेरि मामकुरा मरावडवा मेरी मरावेश ल्या तर्विया था वा देशकर। किंत केंदरा दी, दे बैठा मेंद हुव ता दे त्व वा वा वा विषेत्र वर्षः वस्त्रः स्ट्राङ्गार्थः केष्ट्राय्यक्षरः विरावक्षर्यः स्वायक्षरः स्वायक्षरः स्वायक्षरः तन्ता न हरा कर थेयरा सा। दुसा दे स्थावसा हर देशका स्ट्रिट देशका विश्वर्थं स्वास्त्रं स्वर् या यर एकीर वर्गा यर स्रवर्ग वर्गे प्रसद्भ म्याना नदाया थाटा है. वर्षेत्र श्रीता या माना वर्षेत्य महेर रहेव महस्र र्थतः यर्द्र क्राया क्रियाय गुर्वा सहदे किर क्रियाते त्या क्राया क्रिया स्वार्थ हर न कुवादमान नादरावास के दे समा उम्हें सेवा (वहवानदा विवास यह वहते (वरते)। र्रुतिया क्षेत्रके करणा यार्गार्गार्गे दे हेर् ही हे के र्यारा विवया ताक्ष्या के से व क्र्यानार्द्यया प्रमुद्दर सेवनावना सद्यम्य मानाक्रियाति स्मिन्यार य्याचर्यं (यर्षः) । निर्द्या (यर्) की की था सित्रें (सि.रें.) त्या । विविव्यतें (विवर्षः) य द्वास (सद्वास) तकेट यम् र होता । दर विद दवेव राम सहित्व। तर्पद्वाद -अ.क्. हार.कथा । एक्पार्यर्भराष्ट्र मेरार्ट मेरार्ट । । एक्रेम्यर्भ ं) वर्ष्यायमार ह्रवेश्टरं। विशेष्ट द्वार्यं वाष्प्रायं वर्षे

5 AVINIME, भड़ सक्र यह

्रिकावस्य स्वायर स्वायर क्षेत्र वर्ग मेंद्रक्ष महिराजी वर्ग तारी यात्र राजा निवास वर्ग । स्वाय वर्ग । स्वाय वर्ग के व सुरवते प्यदेश्या (इंग्यावि प्रमाद्येया) वद्याद्रभारीय। । यहाद्येया वायमहाराष्ट्रीया सुदार्शितहे. ८८ रिनेशायर रवासे में मिलाला विलर्गाम महरम् रे में मही किनेश 2प्रेम्स र्यतः त्यारे वारा देश स्वास्त्र वार्ट्स वार्य वार्ट्स वार्य वार्ट्स वार्य वार्ट्स न्रेद्बी'वाहरें म् री क्या भीते। वि हेवासे ब्रायाय देवाहील। विष्या क्षेत्र वाहिरावी विवाद से से हर हर है। कर्तात्र । व्यत्यर वर्षेत्रवेशका के वर्षेत्र हेरे हेरे हेरे हेरे हेरे वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे श्चीटार्थकर्दुता हुर् की वायश्चर यह से में ता वादमार्के वा मं या पार हिए हो ने पर से दर्भ वता रीत्वावन्तरायम्। नगमन्त्रवास्यायायद्याया देःस्रम्ख्यायति नायुद्रद्रायोः स्ति निश्व स्ट्रिं रे (१) महीरा दसकी सद्वि (रहेव (सद्वा)) र्वकि याराम्भर्वाररः वुवेदेरुपुर्वा सुवुवद्वरः रत्युवाव्यय्त्रेर्वाराष्ट्रवार्वाक्र)सर्वार या व्यवस्था (रववस्या उर १ वृष्) अधिर वर्त्त स्था है र १ र । हिराष्ट्र र द्यो है र तियारायही यायमा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र हिन्देव। स्वयंत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र श्वेष्ठ्वा सम्बाद्यार्थरवर्गातर्वस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स वास्यारार्ट्यवर्द्वरात्वाहवात्यात्रित्व विरायवर्गिष्टरात्रेर्वक्रियादाः क्षेत्र इस म्या त्रव र त्रविवाक् रवविषा यावा ता क्वारक्ष वा रमत्य प्रदूर नर्म्यावार्मिया विकास स्थानेता मिन्द्रमी द्वाना की र्याने की मन हम करा रह नेशत्रुव । तमुकार्के राह्य पहुन्यान हो वा पर पहुन्य निराम भ्र. पर्यास्था अर्जिता हैया हैर वी से राज्या के राज्या से श्राप्त अर्थ से स्थाप करा है। यह मर तार्वाक लर्जर के हैं (के हैं) वराशकवर्गने राहे रक्ष वरशहरा तक बंद बिरायुक्ती रूट वेरा देर बार्याचर त्युवा केंद्र पर्वा की कर देश की कि हैं । वर (देश वर) की र १८०३। ता नमवाराववराद्वरावकाश्रीयाक्वावस्त्रम् वाराष्ट्रम् त्रीयक्वरावराख्या म्बर्किताम् रहत् म्बर्कितम् मार्थे रामराम् रामराम् मार्थे मार्थे वर्गा पर्ने द्वा श्रेय हरा व्यक्त शर्म राम् वर्षे । या वर्षे पर्स्तराश्चित्रं हिट याक्या सेव रेव हैं अदय या या दाराशा के वरदेवरा वसकारवे. र्टरा.चार्यर.व्हर.। किर.या.तर.क्या.क्रेंच.स्व.(४००) चालचा.क्रम्थ.यंद्रभाव दरगा थ्रियम् वर्षुक्रम् वन्नतः रूटका ह्या त्या वर्षा वर्षे (तह्यावते) द्रत्ववा वर्षे वाल्याचे अराधिव श्रुटः। किंद्र श्रीट विश्वीक विश्व किंत्र किंत्र

सरमिरमाया दिरम् इसमा क्रियाम् कर्मा करा महाराज्य स्थान कर्मा स्थान कर्मा करा स्थान कर्मा स्थान करा स्थान कर्मा मूर्चित्रा हिर्गर्त्व्येल्याः इवायाः स्ट्रियंत्रम् हेर्याः वर्गा हैर्यायाः श्रावक्षावम् । दर्वरशास्त्रवेशः स्वाधितः सवसायदायवास्त्रवास्याः स्वाधिवास्य कुंवनाम्भवीर वीरा वर्षेत्राहर्षेत्रा अद्येशभद्य अहर वहात्र । शर सेश उर्वेश वर्षेत्र अर्थे अत्र देवता र्या एक्षा राष्ट्र होत्र त्या हिर्दर्या हुट यी एहा ती राट्या है देवा होता होता हर् विवेश्वद्धाः याद्रा गार्के अने स्ट्रेस्ट्रा और (कत्तर मुद्द है) एकुण अर (एकुण र) भेरा र रेटा र र र र र र अ ने अ अ । अ अ । न्धः हुवा सद्राः दर वहुव ् अने दर में तारा भरता दर वक्षरा द्रावेकरा दर वि र्यर सुमात्रमुगमा भेवा । ह्युत्र ह्युर्यमेरायः क्रिममेरित्युरे राष्ट्रमे राष्ट्रमे नेम् क्रि.च.विया में सारा ता. (vose) क्रिया विश्वार विदानी पाता (श्रेता मा) रेग रवार सेता मा शालाक्षराद्रभगरतक्ष्म क्षेत्रभावमान्त्रम् । स्वाधिकार्यक्षमान्त्र अञ्चा वसम्बन्धा । वरःवसः द्वारान्यर्दे र्याम्यस्यायाना हैराधिः सर्दस्यायसः वृत स्र-स्वनावविद्धिर् ते वेव विद्यां से अकर है। अकर है। यह रहा । हि रख रही पाईर्य है। या हुरा है। अहरा केंग्रायेश्वाक भरत्याताता केंग्राये विद्या केंद्राया विश्व हैं दें में याव गर खुं अक्रें र द्वरा के हुँ वार्य विकास तकता रहारा (रहरा) के क्रें-मेर हैं है के ररक्षित्राता स्वापा । विवन्तर राज्या के र् शिक्षा निर्देश के एवं सम्वर्ष रहा। र्वक्रिक्षिक मेतार वारातार्वाविश्विष्टि। त्रायार्वि विर्वेष्टिक्षिक देवे वेदा । तहुन विते रोगरा मुन्नेला हैं। । यह के बे व यह ने नवर एक र देती दे वसा वास्त्रवर्ट ति के तर्वा तरे व्यट होट रवा वा किरिक्ता वा निरमत है वा वावा राहिट प्रस्तित सेर्स्स सेर्स्स सेर्स्स ते विश्वा के (रे.) के अहा न्यू रहार रूप विश्वा के (रे.) ८१. एक्श्वासासी विम्तु देश इस्तारामा प्रतास का विम्त रेश प्रतास करा होते हिंगी

मिक्ट प्रवास अप्तियार अन्ति । विश्व वर्ष्ण वर्षा प्रवास मा ति । वर्षा अपारा क्या । वर्षा । वर उस्बादा क्रया सम्मान्त्र । एक्टा एक्टा हिटारीटारीया । हिंदान्य में प्राम्हरा रमुक्रेथरकी नेश्वतामा । वावस्रात्त्व कार्यायरता धीवा । क्रीरम्बर्भिक्री रियन्ति, (रवाप्र) रदा मिल्यक्विया र ए कुरा ताया दे । अहता (एहता) द्वारा कुर्य द्याम्यता विद्यात् यावाता (यावाता) ता । द्याक्षेत्रावितायिकारी स्रोतानितितारकेन ने में भी । अग्रित क्रिंदे स्तार श्राम्य अरवाया । द्राम्य प्रवादभर्गारा । इर प्रतासहित दुर्भनेत्र साहेता । तक्र सार्वव्यंक्र स्वार्थे र्वरावाहिंगाहर विद्यालया । द्वरावाहर विद्यालया द्वरावाहर । द्वरावाहर । विद्यालया विद्यालया द्वरावाहर । विद्यालया विद्यालया विद्यालया । विद्यालया विद्यालया । वि र्वश्वा हेबार्गार्थः रे विरर्गर्भ था। हेर्चवव्यव्य र्यासास्त्राधारत्येत व्यार्थेपाल्ये । सरमास्या यक्षेत्रां हेत्राधार्यक्षेत्रास्य । भिय उवायर क्षेर छ तय यह स्वायारमा न सुमान विराद्य स्वायारमा विराद्य स्वायारमा याता रि. पर्याभुद्रभभाभिद्वधमाग्रदी दिल्यालमाता देव (म्ब) ववसम्मदी ह वारंत्रः कर्तिवरः ता नववक्ष्यरमधिनाषि विद्युर्त्यम् देशक्रात्रम् हैश 4 Bark of Trees. नामवास्टर्यम् स्वास्टर्यवस्य । निस्तिवयः कृत्यत्यः स्वास्त्रात्यः । स्टर्स्यवस्य वात्रः यन्त्राक्ष्या । र्यार्थत्र्याक्षय्याः वार्ष्य्याः वार्ष्यत्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः 350 व, प्रत्वे, अरेश अरेश अर्थे किट श्रद्धार खाता है। अर्थे हिला (हैला) प्रा चर्चे (श्रद्धार अर्थे अर रमान्यवसार हित्र तिवा हानी करा ही राजवी वित्या कि त्या है विवार हरणवर्षाय वरा वर के गर्थ ही देवा देश होता के लिला वर हिला विवे (व्यव) त्य मुख्य अहिला हिला अर् स्वाम् यह तवारता के कार्या । अक्रवार गम् व व करे मेरा हिस्सा हिस्सा र्या स्ट्राम्या द्रम्या महत्त्व के मार्टा द्रवेश । मेर्य दे ते प्रति द्रम्य विद्रमा स्ट्राम्य शुर्द्रभामानसूर्(सूर्)देशावर प्रयोश्सी सिंग्रिशामा प्राप्त से माने माने स्था । सिंह, माने माने सिंह सिंग्रा असे माने सिंह । हीर अने एक के मार्ग प्राप्त महत् । अर्व अ अर्व अ अर्व अ स्वा हे मारा । वास र के अध्यादर स केनं करें गुर्दा | रहला हेन केने में लेर के नहें नके दा मियर नहें तान मरावर्षा परा

克尔尔·西班牙斯斯斯 医克克斯氏

द्वाश्चराद्वर दर्वम्या (भ्राप) हैं (वर्र) तब्दावाध्वा । अहे खुर द्वार ह वस्याप्त अहं हर का र्टा (शर्र) उद्दर् अद्दर हो। । शहराकुल के संवाहित । सिंहे वाकुल हार (के मारी) तार मास्याहित. अक्षेत्रद्रः मिशक्षेत्रके कि.एक्षेट्यक्षेत्रं कि.एक्ष्यं कि.एक्ष्यं र्षेत् रि.च अश्रास्टिश्रिष्ठाश्राम् । व्यान गर्थार् सेर्यिश्राम् । विद्रास क्रम क्रमें में कि से कारा जात में का क्रम के में का के प्रमान के कि दुवहरवंशेथारा । वारुवंशकां हेर्श्वेहर्श्वे हेर्श्वे निमानुरा नहवातावारुष्ट्राया त्यांसर हैमारविश्वाक्री क्रिक्टि मा है व वर्ष भराक्षर । हैं ताकारमा क्रिक्त हैं ता है। चाहरात्री। वार्रिश्वर, दवा में श्रा. हेवा में रिंग्यें (श्रेन्यें) रेडण में में एर्ड हैं रेडिंग्यें क्षरहर्भा तेमक्ष्या । स्टान्नर प्रवाहर विद्या क्षरहर में । संस्था क्षरहर क्षर् प्राच्या वार्या में द्वा । द्वारा वाराय देवस्य देव विक्रा क्षेत्र के । विक्रम्य (विभय विद् रम्अर्थे वस्त्रम् । श्रम्भावन विष्यातियात्रियात्रियात्रम् । स्रितास्त्रम् । र्सेजातर (पर्ट्र) । अ. रोर्चा कार्य रेर्डि. र्चेच अ. जुर्रे। वि. रेरिक (र रेज़) पर कि. प्रेज़ अ. कु. रे यसमायाम्यान्त्रम् माने राज्या । इकार्यते हैंदर सहवायते द्रा । विक्रादर तकर या करामा) यह वाता खेव। । या देश सिंद क्या वारा में मंद्रका। । देश कर सिंदा सिंदा अवासा। एकिम्ह्य विद्वान्तम्तम्तर् द्वान्त्रम्। रियम् वास्तार्द्वान्त्रम् । द्वासेम् ब्रिश्म प्राथम् ब्रियस्य स्तित्र । द्रार्थियः । हिर्द्धः क्रियाः अहरा स्याररावश्यात्रात्रस्य । श्रुर्य्याय्याः व्याप्ताः त्र्यास्यायवाकी तर्वः (ज्यर) र्यायर। विवादात्वस्तार्वशास्त्री स्वेतरे। विभागदरम्प्राताम्यविवादिता ले.टव.क्.म.काक्रवाराव। क्रिंबन्तर वालवाक्ति.एर्ड्व,द्वाज़री विद्यार्थरायायाया म् । व्यास्ति । यहास्त्री । यहास्य । व्यास्ति । व्यास्ति । व्यास्ति । व्यास्ति । व्यास्ति । व्यास्ति । व्यास्य वाववःश्चिःतर्वः (ववाकः) र्वायेदा । विद्यवायादाः वक्षयाः धारकः कृतः द् विध्यद्भवतासुः स्रिया तर्रा स्वाव तात्रवास्यात्रकार (वक्ष) । वर्षक्ष वात्रास्य स्वाव का वात्रवात्र । वर्षक्ष वात्रात्र स्वाव का वात्रवात्र । विद्रायम् वात्रात्र विद्रायम् । विद्रायम् विद्रायम् । विद्रायम हर के डेर्यस्य। सिर्व वर्त्रेन स्वर्ड कराता तर् । के स्वर त्या स्वर्ध हर्ता स्वर्

रं भेवन्युव्या (वर्वंभा) हेर वेरवा । वीरभेन्ये या व्याप्ता । विष्टुरम्यायाः वर्षवं(वह्नं)व। वदवंबंकवारायान्त्रेनेरानेदा वक्कंसर (कुंसर) रत्वे युवारो नेदा विकारकरात्करात्रकरात्राया वारोगात्रात्रकरियरायविवार्या विकारकरियरा का pair गुरात्यारेश विराद्यारक कार्यात श्रीराभी विराभी विर र्गान्तरकी बुकलिनेदा । त्यूराध्यायामात्यां त्याच्याद्वां प्राप्ता वरी । वड्सर्गान्थर लाकवारा तर्ता विकेश में में किया पर्यारी हिर्म्यन्यितासासेशहर्यात्रीतात्री । वारासाम् दृष्टिमास्या वाध्येवन नवारा वरात्र वाध्या स्मार्थः द्वाके स्राम्यक्षेत्र द्वारा रथा। रथा। रथा। रथा। देनार्कालम्कवनात्रःग्यूरी दिवानम्बद्धान्त्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् लेश्यूर्त्त्वाञ्च ।दुर्केशवक्षिण्य (केलक) श्रूर्र्ग मार्थेश ।दिन स्वाक्षित राजा म्या (मर्रेत्सेच केरिस्पार्या) चारीमा |रारक्रें मार्रेस केरिह्य, क्रें मार्थ |रितपा प्रदर्शित्राहरू दरात मुन्ने वा किर् किर् किर्मा विद्यार पर किर्मा कर पर किर्मा हिं त्युर्धाः भारते । व्युर्धाः भारत्या विद्वायाद्वाया दे त्युः केरा विद्याक्षाया वर्षाता त्युवा (तहना) होर् हेना (२) । विद्यादा विद्या के तहर निर्देश । विद्यम् निर्देश मुत्य द्यार नारीका । स्राप्तासरदी(व) कार्याक्षका पत्री । स्रेट वर्टर खु के ता तमार्चर हो। । वा रेवासर्द्राक्षकाञ्चलादुव । दूर तहता वातर्हेर हुर हुर के रोवा । अन्ते वालव यर को यर अवारा। किरक्षित से अर्थ रे केंद्र (जिंद्र) क्रमा । विदर्भ माया प्रवास विवास विवास हिट्ह शक्या (स्रवेशक्या । ततात्री हिट्ट भक्षेत्र या ताववन । अद्वयारी तर् हर् हैं श्री र्वा रा (या) आवतः तर्वति हैं अरा (हरा) हैं तर् । किराय देवरा हैका (१) कालवारर व्यवस्था स्वास्था स्वास्था । र द्वानिक विर (बेर) करिका एक वर्त । विष्टर हीर मुके त्या हा थरा । विष्टर तह्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा ।। त्राचर त्रेम द्वारा यह (इवरायह हारे द्वारायह) तन्त्र ते ते न राता हिर रातर यहते (बहुवंबा) श्रेष्ट्र देश धवववा। वार नेर हुन सि.विश्नं क्राव:वश्ना वारेशातार्विवक्रिया है. यह विर चर ताल च्रेबता विवास विदास क्रांताह र्वारमाश्चर। दिरायाद्वरक्षियार्थके भाषताताह्वरहरायाया है तर्वादिरायाहरिश्वा श्रीट वार्ष्ण वार्षः स्रव ला छ। दर स्र्रिटः दर्श दर्गः व विव वस आख्ये त्यावासा या प्रवस्त प्रावासा या प्रवस्त र्यान्ध्रेक्षकृत्य अर्थित देहलायवा गरि देस्त्र स्थाला क्या अ. इ. मुंद्रा ह्या । विकास (क्षा मिका) क्रिया में प्राप्त करायर वक्षा । विवास है त्या व श्रीताशहर्भा विश्वतायार्द्वतायार्द्वतायार्द्वता श्रीत श्रीता विद्यां विद्यां विद्यां विद्यां विद्यां र्याप्तरेशक्षामःश्रीयातम्भूय किरलीरात्यात्रप्त काला विरामात्रियात्र श्राटका रियासिका महास्रित्वक्षी । श्रीस्वता क्षात्वर श्री मुन् । वासवरदः

(लह्या) । वार्च बढेब स्वास्ट्र दुर्ज्ञ करा। विध्य राज्य (धर्धर) नेता तो बादा (क्या)क्रियंद्री विर्वायी विषे व्राद्य वर्षेत्र (भर्षेत्र) श्रम्त विष्ण अदर अश्राप्त वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्य र्र। श्रि:र्यायायात्रेयाः अयाः अयाः वास्तिया । दाक्याः सार्वाः सार्वाः स्वा । द्रश्यम् । द्रश्यम् । म्यात्र विवाद्वात् । वराभास्य विवास्य (८४३=१२) मवतुः वाहिराह्यः । विक्र क्षेत्रकात्रा । विक्रास्य (य्याय) (य्याय) विकार्य । विवार्य वि अवद्भवित्रावर्शे तर्खेर। हिर (गर्हर) त्रवक्त अवक्त तर्वा हिर प्रमुख वर्षे वर्षे म्डिंड्याङ्कणवासुद्ध्यत्या । ८वं धरे सुद्ध्यत्वे ताहेर् । श्रीटर्गम्सेटड्स्यास्युना श्राम्या । याम्या (म्यार) देशन । प्राम्या क्षेत्रा मान्या । प्रमाद्री । प्रमाद र्षट्यार्थात्याः संस्थान्य । त्यां कट्यायाः स्वयाः व्यव्याः विद्र्यः (वर्ष्ट्रः) यात्र । विद्र्य क्रियाणायवर विवादि । भ्रिम्याचिकात्रा विकार विका यवन (वा वन) नदी क्रिकारा (क्रिका) महार विवाधार व्युक्ता क्री केर केर में स्टिन्ट के सहित्य (बाइन) वारःला । विद्रार वार्षेशवाह्महोर:यहुव वारा (बहुव वारा) के ला । वहुव वा (बहुव वारा) वरे व्यवसारी इर.जा । र.लचा हर्म दर्या जा हिरा । रगरंग देश वार हैं वायला । जा कर जिर वर हिर्ग यह क्वरे.य.वरं.डेर.जाता ।कामभारगम्बर्धायावतास्त्रमान्यात्। रि.म्र.य. मान्यम् वि.च.यु.च्यायु.विदःता विदःत्वायाय्वेवयाय्युवाराय्यः म्यायाया । व्यानेयावूर्यायाः यर् रक्षेर्। ी-नेशव कारविया काया जा कार्य हिष्य में की की रक्ष राष्ट्र विवा विद्या राष्ट्र विवास चन्निश्याक्षया श्चित्रत्य स्त्राम्य विष्ये । विद्युत्य विषया । विद्युत्य विषया विषय । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा 29.9. श्राय प्रत्या मियातए प्रदेश स्त्रीर ता. पर्राया म्या । प्राया स्था विश्व स्था विश्व स्था । विश्व स्था विश्व स्था । र्षाया,रद्रर यञ्ज्याक्चियायाज्या कि.जा. त. म्हाया द्री. संय (स्कर्) । जाता वृत्ते एसर.प्रेयलाची (कुल)क्यरी । श्रेर्ट्यामयर म्यलाका ने ताक्षाय तथा । श्रेर्ट्य (म्र्य) मे कुरासद्यया जारी किद्युद्धवस्त्रित्युत्या विद्रत्यक्षात्रिर्धात्युत्या मा इर वरामा वर्षेत्र। निरम्भा । निरम्भा १८ ने वरामा हैर ने वयास्यायते रवनाची विर्धित्यक्षेरावक्षेत्रम् भीवा विर्धारेत्वम्पर्ध्या हिर्कान्द्रश्चान्त्रक्ष्यान्त्रम् । किन्नुस्थां (वर्ष्या) नदः क्षेत्रां क्षेत्रां । व्रेसायतः स्वापान्त्राः क्रा. श्रीवःवस्तवात्रकात्रकात्रकात्रेत्। विष्ठात्यतित्वसातुःश्रीवातात्रेत्। विष्टःदग्रनद्यतःवदुरदेश्याः किया मार्थित क्रा प्रमानिक क्रिया में किया है के किया में मार्थित क्रिया में र्टा किलान्न्यंक्र्यकानार्व्यद्वस्था। विश्वरात्रद्वस्थानार्वे

मु महीरा दें मु के वे कु तथेर मेर लिया (मलय) तर्। मुरमम्माया तारका त्यां राधेर द्वानिरायां अयग् स्वतं (वाववं) तर्। स्रित्ते विवायवर केवायवर। स्रित्वया त्या केवी न्वटारे। । ब्रेख्यरवरावाया वृद्धातहुन । क्षेथ्यर सूरस्रित्यन एतिन । क्षेत्रेते। क्षेट्र केट्र (शुर्वास्त्र व) प्रविश्वित्र हिन्द्र द्रम्य त्रिया निर्म वायवादी हिर् वार्यश्चिम् के ब्राम्य (यांका)र्। |रर.त् ब्रिक्चर हिर्द्धाराच । राम्(वम्) र्याया परिष्ठे र्णुया । श्रामा हेर होर के भेर । हिर भेर हेर के क्या अगरा तर ता। । श्रीर देश र का स्वास के वर । हिट केर द्या रूपा रहा प्रब्रा । हिट लेपाया केर या में क्यों। कियम खेस वर्ष क्वास्थात् । क्रिक्ष्यातायवसद्वस्। । त्विद्वत्रद्वस्यास्यम्। । वास्याद् MARI क्षित्रकारातास्त्रेर। क्षिरार्वास्त्रेरातासासास्त्रासा (अरवासा)व। श्रिटारमवास्टितसासा र् (में)। विरयद्द्यरम् अर्भारम् म्यान्त्री विधारयः सुरयास्य विष्यं विकर् रेश्या रहारा राज्या भवन अभावर्षा वर्षा राज्या वर्षा वर र्व.श्रुवासहर। किट.बीटावर्.श्रुरावबादराः अहर। रि.प्रे (क्याम्क) रुधाः वर सर्वः 3万岁/ क्रिंग अंगरन्तरः वाधवः मट क्रिंग्यम् (क्रिंग्य) मेल (जाय) क्रिंग् 118 क्रिंट विकारा (वक्र ट्रायहेंवा) क्रेंपरा नेट्रा । क्रेंट्र (वक्र ट्राया अधारा विकास १८०१मा (गया ही.) परवारद्वर्या वार ही हैं (हैं) वाराभद्य वह ता यह वारा (यह वारा) से वार् realed यात्रविक्षा स्वार द्वावयाराद्य स्वार के द्वावयात्य स्वार के द्वावयात्य स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्व क्यायां सः द्वेवशास्त्रव्यायां कार्यात्रात्रेयात्राति स्ट्रेस्वरा श्वेवया श्वेवया स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर् क्रिजर्रद्रभवश्यक्षात्रात्व। प्रवःशरक्षिणावद्वग्राःष्ट्रत्। स्त्रितायरगम् स्रितःस्यान् सम्भरा दर्भन हर (यहेट) वराय बटारा । किया दर्भन प्राय वरा है या ता किया । वर्षेत्र हिंद वीं अव ब ब दे हरा । दरदगर दे अथा अवाया याता। । तदेव (वदेव) वाह्या तवु वाव्या धेवा केरा व हिर.अपु.श्रुवाल केर.बालय अहूर वाश्वर वुट खे. पर् केर.बेटवा या कें सह ये दे हैं। के इ देश के बेंबेंबेंब रहेर या संसद देश । युवादेव नेता स्वय हिंशम। विवयरित्विर्व्यात्मा क्षा क्षा विरायर से हे हे स्वया से से चवरार्यग्रास्तर्वायते खडरवरा । सामुतायते अततः तर्मे से स्तिस्वामा । सायरेके र्रेयवार्ष प्रहेटशावशा हिन ही शार्ते वशा | मानशावना होर द्वार होन द्वार होन द्वार होने स्वरा Pencocks: नारावर्द्र विक्तित्व । श्रीट्य अट्यार सेट्यार सेवा श्रीता । श्रीट्रियार सेवा ।

सासिवार्धान्त्रः सेवालान्त्र। जिन्त्विक्तिस्यान्त्रात्त्रम्यात्त्रम्यान्त्रात्त्रम्याः विकासिक्तिः विकासिकितिः विकासिक्तिः विकासिकितिः विकासिकितिः विकासिकितिः विकासिकितिः विकासिकितिः विकासिकितिः वि ज्रान्द्र। विरम्भकुराक्तिरादादाक्षिणकाराक्षाद्र। विष्युं (विष्युं) हर्मे द्राक्षा विष्युं च्या माना क्षित्र क्षेत्र क्ष ब्र प्रचूर्यात्मका सि.ए च्.चर्. वक्तरास्मर पूर्व क्या | ट.क्या. सिट. द्वारा देवा. सका । सिट. भ्रद्भावर स्वत्र अवस्य अर्वे । १८२ मिला श्रवे अवस्य अवस्य अवस्य । स्वत्र भ्रवास्य स्वत्र वास्य स्वत्र वास्य स्व श्चर्राद्यम्प्रदेशक्ष्यात्रम्यवस्यात्रेय। श्चिर्ञ्चयारे मेन्स्यद्रः। विरुक्षः केर्न्स्मर्यायात्रीय। न्द्रानुद्राश्चिद्रथात्यादे। क्रि.च.चन्त्रद्रानुद्रानुद्राह्यद्रानुद्रा । त्युत्रकृत्वक्रान्द्रानुद्रा । युत्रकृति ब्रे.स. (ज्यद्रांतपुः स्रे.स.) में ज्यानुया सिट्यए क्ये से (स्रे.स.) में से द्राया विद्यामा एवं स्रोतिया । म हर्श्वर क्रमारा हिर सं (हरण अ) य स्मार्थ। । मर ख्रमार क्रमार क्रम क्रमार क्रम क्रमार म्या ११६.ए०४.५१ वि.स्यान्त्रित्रात्त्रित्रात्त्र्यात्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात महस्राध्याद्यः त्राः ह्याः ह्याः स्त्रा । इस्राध्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः द्रा । । इसः सेर् र र र सुवाः स्थायः स अव्यक्तरा । हिट्युरक्रेर्यर्थायाः भारताः वी । हिट्यास्थाद्वाताः श्रवाद्वायद्वा अधुंचत्रमान्द्रनः लूदःतान् । क्रिंद्रविषयाः केदः देविष्ण्यात्यान् । रियाताः क्रिंद्रविद्यान्त्रेतः अक्राधिका विकासमारथास्यक्तिराधिका विरादमामस्तर्भेदार् तर् मेर् अवभारभर देवाया हीर (१९६) मूर्ते । बिर्ट्याम् यह विकास हित्यारे अण्यारे । वित्रामान्यारे मेर्स्स्यरे मेर्स्स्य रे मेर्स्स्य रे मेर्स्स्य रे मेर्स्स्य स्था । क्रायक्ष्याचीद्वाद्वाद्वात्र्या । त्यार्थक्ष्यक्षयक्षयक्षयक्ष्यक्षद्वीद्वात्यक्षयं (एक्स्कोर्ग्या वयवाकी रग्या मित्रर्ग्य राज्य । तक्ष्याकी रग्या रहार्या व्यवस्त्र र्स्रख्यां वेद्यां मान्यां द्रा । विश्वां विश् करमक्रां में के हिर में राजिया किर म नधुरेश। । प्रथा-यानदर्धन्तानम् तात्रम् नवरात्रम् । वि.पर्द्रम् मेन्द्रेन्द्रमे हिर्त्पर्देश। वालवाक्रेयस्त्वरातास्रास्त्रं तहुंभारतार। । द्रेश्चिटः रहिः नदः (द्वः) तत्त्वा तत्त्रः नद्र। ।हिरः वर्षेयाञ्चात्रराहित्त्ररूषात्र्य। विवासवर्षेत्रं सदस्यावष्यायायाया । वि त्वुनाकुलामरकिताके केरव। । दमद्गामधारी किर दुवी क्रीताता। दगमक्षावहरूर बीयह्वात्ये। । सुरुवयात्यायात्रहरः वसः सुहत्यात्रेर। विवायर्रेशवाहीरद्गार्यस्ययव्युत्रेर्

246

क्य क्षेत्रायाव तह्याहीर वेद केव के कारण हिंदा के राये विकास मेरा कि मेरहरू क्रा वरामभन् क्रमेर। विर्टर यं के रररगर यं रे। वि (गलवः) रद महिराया हैव समहित्र व्यक्षां त्राक्षाक्षाक्षाक्षात्र वार्षे वार् सहर:अरि: बरा किस्नाहर त्यका वर्द्धरे । रिक्रम्वाध्या प्रवास वात्रावा । वार्ष्यावा स्वालक्र मुम्यक्षिर भेर हेर। । हिर तह्या व्यत्य अहमा नाम्य तह्य तरे। । केरेट केर तर.क्र्य.अविदाव। किंदाकुए.क्र्. राप्टर.क्र.जा.एक्ट्रा किंदालए.वराकार्यात्राचीर. (महर) विश्वरेव देवावरेव देवा अरुव अया मेर ला । सद द्वव वे कि सामा हर में ना रेरा किंवा:अर:वर्ष:सुव:नवरानेरा विष्वःदु अदुव:अ:ख:दुरव। विस्वायदुवः (भरुवाया) श्रिश्यिर दर्वायाया ये । (तव कट तस्वाया या नास्टाया है। । नाववायेवार्क रद्भुराधी । द्वायाभागतात्व्रिः द्वीदाभक्षा । भ्रुताभारत्वाते स्वायु छ्रारा द्वारोगरा त्वेव (एकवर) हर्या । हरमयन एहर्म हर्या हर्य लिट्धिराधियार्थार्। ज्ञामणित्रक्षिक्ष क्ष्याः (तवयः) र्याः । रि.सरः धरावराः द्वारान्त्राक्ति। विविधाञ्चर् विवारारान्त्रद्विष्या। क्राज्ञम्हर्षाम् अस्त्राहरः नावनः थर'त वुदाः कॅ: १८'सूट' रामकेशमारी वा धीर द्वरत्र चारुचाताक्रवाता से देश पर्वेचाक्षा कर सी है वात्रीकेंग्रा है नेपर के प्रकेश में स्थ चा. तीपारं इ.च ९ ४, ५ वेचा जूरं इ.ची ८. ची. भरेश अहेर कु. वेश शकर कर जू थी। किंद्र सारहा वे. याल्यात्रेअराक्तरात्त्वात्रमात्रवात्रमा । दिसारं द्रश्यत् केंट्रद्रश्य क्षेत्रद्वेत् देश्या क्षेत्रद्वेत् न करंत्र्यायका। विद्रातित्वित्रम्यक्ष्याचित्रक्ष्यात्यक्ष्याः वर्षेत्रात्यक्ष्याः एकर, रा.च ९४। रु. दैवाशाच सर, वस, व उपत्र । च बिर, वस, के ए हूं व स्वाधान सहरे हुर. चावश । हिंदर्यान इसरा कर करें चरे कर हैं हैं ता हरा था के में (राया केमें) के ता खेरे るのは大人

358/

20031

passing

bridge.

अयथार्र हीर या देश शाकी रेंगा (ब्राया) ता रें हे हिं हिंद शाव भा के वा प्राय वे दे हैं तिया बाजिंश. रिंद्र हेर. यर सिंह र पालार ता. बीर शु. शर वी. शबा (रक्षर पाकी स्थाव) कैंग पाले 

्यर्रात्यामानाक्षेत्रां वार्ष्याक्षाक्षेत्राक्षेत्रां केवरा स्टाल्यां वी वार्ष्यां वार्ष्यां वार्ष्यां वार्ष्य कीवावरा एड्डिर्डिश रेड्रिश हैं। विटा कुला यति वृत्र स्वावरा ह्वा वर्षे अप्तावरा हिर हेर् वा वृद् तर्वा र लें रमणा सम्स्रीयानिर तहरा हेर (तहर) ता त्यायेर मेर क्यात हैं स्थाप (क्याव क्या अष्टिभ्ने वर्षेद्रं नावभ्रे स्रा विद्रय्यभ्यति द्वात्यर क्षेत्र । स्थितंदर् वसूर्र्अम्ब द्वा । तवर्वासे सं वि हैर (हीर) वहासायम्भव । ह्या तेव रवा तबारी अन्त्याहे। दिनत्वयानुतिकेवाःतान्यहर्द्वायायहर्दा व्हादक्षेत्रह्यः (१९८)वीके रक्षियावता । वायतावावविवातायाक्षेत्रस्य । वर्रद्रविवात्ययाक्ष्य करामक्रमक्रमक्रम् मार्मित्यक्षामत्त्री मेर्निक्ष्यं मेर्निम्द्रमार्मम् मार्मिन्द्रमार्भिम् प्रदेश । स्वार्त्रा हार् कार केर प्राप्ति । क्षित्र व विषय विषय दे राष्ट्र देश कार । रिकाय प्रदेश (अहर) अध्यामान्त्र स्वातान) विभावान (ग्वभवान) विविद्धारार्था । हिनेद EN. (BANI) (1) LICULTURE BIONS 1 124, 35, 45, 912, (46, 196) DICH BOARD BANDERS अब्रह्में विक्रिंश अत्यात विक्रिंश विक्र व चत्रवा । किट्रकेश्च्राम्। इतः एक्ष्याः विष्यः वि व्यंग्रेशवातात्वर्वे । त्येशक्षित्रः वतात्वी वार्टरायर क्षेत्रा शिर्यर्वा में आधित गर्द्र) । वर्डिस्ट्रेस्कित् म्युर्स्म् अर्ड्स्स्रित्स्य दे। । हर्ष्यदेर्स्यरस्यभाषात्म्याद्ये द्व।। र्भरेट सर रोअसाया मेव हु वचन । श्रीट रवायस नाइंट नाइंट नाइंट श्री । वुद्धलें र् द्वार्डि नारा र ड्या । इ. ५८ वर्ष (अर्बर्) देण न हिंदर छ। । अह. केरर्भर हैर. रटा ख्रिय श्रेट्डिया । तिया या तार्ट्य प्राप्त क्रिया क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्षित क्ष मूर्एरात्येरा । विधायकारालयकारालयकार्वेच । शेवं चर्टर रेंचा र्में ल.वंशुक्ष.हे। दिवा.हे.ज्या.रंश्वा.03८.वंशाहिटा विराशव बेटां विशे वार्माद्री प्रस्ता (१) श्रम्भ के हा जर्म वा वार्मि के कि कि शुःचवरायदुवा । इदःसूद्वा साम्मास्य वर्गा । वद्गास्य हिःहि। रहिद्रा हि।

रे लवा निवासका तर खिना (रर के ना ता क्षर (क्षर) । । या वाबुर (नाबुर)

स्त्रेय प्रमा त्या क्षेत्र क्

इंग्टं वातस्या (क्राक्न) करायम् । व्रद्धियरं वरिष्ठराया कराया । यातम्ब्रिकी

द्वारायः (द्वारायः) यद्। अवायरेर र एसवा एकते द्वार्यवा अद्। भने वेर्यरायरायः

XTo look with care, to Take Read. याद्वर्तिश्रूरी विश्वस्तित्रद्धाः अर्थाः अर्थाः वाद्याः स्त्रुवः (विद्वरः) द्वदः स्त्रुवाः वर्षः

हैं गर्या शर् । विश्वास्त्रावतः शरः तः तिरमः दरः विश्व । स्रेशः श्रमः तः देवः दरः याशेल।

त्केवर्रके वर्हेर्र दरवासुका । बुर्के केर्यर तत्वस्वास्य देश । देरेरे केथरे

अर्टर.चर.जा । सम्प्रांच् सम्हिम् ही गरायम् । । मुनायस्य निम्ने वार्

प्रवादर। विरामुलके केर वेम हिलादर। विध्व केर तक विराम केर केरा का करें

अर.अव.व.च.व.व.१.५८.५८। १-७.६०,हैंया.ब्रेया.च्या.क्रेरा किरा अर.अव.इंस्व.व.य्यू.इंस

(वास्वायते) (द्वाया र मार्यवायह्वा (ह्वारा) द्वा अर्था त्या स्वाप छ्री । देखा रेद

मृद्रभारिकेश्वराता वसूर।

युरा शिरे जैसे वडरा राजा नावन्यास्थ्यास्य हिं रोययार्यस्य हिं अस्त्रात्र्य हिं अस्त्रात्र्य हिं त्रात्र्य हैं नायुर्दे हैं ने

वर्षात्र अस्तरप्रहें रायहें वर्ष वर्ष अरायक्षा (वक्षा) वरिदे श्रेष प्रदे । स्वर

देनक्वार्य तालुका हरा थेर खेना ने ते साम स्वाराधिका । दे वस्ट्रिन रहेने खनायका

राद्वालेन। हर्रथना क्षेत्र हम हम ही नारा ने र मुंख्यारा अर्ग तथे की में देश

हर। विराद्यकारे रहे दे दे विषय या में दे ता अम हिला के हैं यह नाकी वम हु नावता यम

यारत्। रिन्नश्रीट्र इस्रा स्नर्भ। स्नेक्षिक्दर्भाराद्ग्रीर्यं के में में में नाद्ग्रीत्र

महेंबाक्की विभागामा हो वास तहता तर तह वा राहात की हिंगा वस तिर प्रस्वात है।

स्वारि.(हैं.) इर.त. दर.व. पर प्रस्ति कि शिर्षि के रेप विशास कर प्रस्ते।

अन्तित्रभिवात्त्रा । रवान्त्रुरक्षिवाय्याव्यद्वत्या । वद्वान्यव्यव्यक्ष्या क्ता । केश राष्ट्र अअस्त्र अवद्याता वर्देर (परेर) । handal केश एक्टर वर्ष सुर

न्वता किष्वतः श्वेवक्रियं द्विद्यावरा कार्त्रकारः । दःददः दः अस्त्राव । पावक्रवः

क्टलायार्गरायां मेरा । भ्रे.केरर्गरायां प्रति वराववरारे। । यहामधित्वतायां अवरायेः

मु अ.व.प्रद्यमेत्रवाशकार्याः नूरा ।यात्रवाः किद्याः शक्तः । विद्रत्वमाक्र (क्र) कूरः

सन्तर्भात्रा । विका, वाश्व क्षित्रं त्रात्र । विका, वश्व क्षेत्रं त्रात्र । विका, वश्व क्षेत्रं त्रात्र । विका, वश्व क्षेत्रं वश्व । विका, वश्व क्षेत्रं वश्व । विका, वश्व क्षेत्रं वश्व । विका, वश्व विका,

विरावा क्षेत्र। । एस्परावस्थायम्बर्याः यहवायाः तास्वायाः । सास्वायवार्यः स्था धी.वास्त्रीयांत्रपु, रेटरे.वडेर:वथा.लूरा । जयांकेट.क्रेर.क्रे.वडेर.व.केरा विर्वो.वयांत्र मर्द्वर क्रवाले अव। ।दमम यहे स्वलाय क्रवहरा थ्येव। विवायते वहुद्द्राहर पहूजगर्मात्रीये। रियापम् लाक्ना काराप्ति । रि.चमायूप्रे प्रिक्ताप्ति । रि.चमायूप्रे प्रिक्ताप्ति । रियाप्ति । म् अन्यास्त्र भगवेतावता । एकतार्थम् रह्यार्थम् मे तार्दा । कार्यम् स्वर्थन्यवर्षकार्थाः कि day विवर्दा विगतन्त्रविवर्धने द्वार त्वीव वेदर्दा विश्व दिन विवर्धने विवाद विवर्धने विवर वादवः वर्गे तह वियति की विका भवा । विका वर्गे तह व्यापति की विका विका । वावद्याति वे विभक्तिक मिर्के हिर्देश । शिर्दे देश माना त्या प्राथमित स्थापित स्थापि क्यर। जिन्द्र, (क्र.) तान्त्र भरा, जरहवालय। । देववालर अग्रहका (रेग्टलम्) वर्णः हरे.है। ।श्रेट्यामायशद्भवाष्ट्रायाक्या ।हिट्हेर्यद्भवास्मम्वद्भवार्थादे। माय विया रिष्ट्रयाया व्यरहेश विष्या । क्रिंड्यि विष्या सुद्रे ८ दर। । विक्र कारा यहि हैं। लक्ष्मराष्ट्रिता। १८६५:४५:३२.५. १८६७। । १८६७:४२:४४.४१। बुलश्युं प्रजास्त्र्य। विविवस्थाः कर्ष्यर्थाः स्वाद्धाः प्रवाद्धाः प्रवाद्धाः प्रवाद्धाः प्रवाद्धाः यक्षेत्रचा से एक्ट्रमदेर प्रदरायम् र। । या क्षेत्रचे स्वरायमदेराया सार्य से अर्थः ८म.प्रा.भ.५८ थे। । वालवंशवर्शिशक्तरं विदालाश्चरी । शु.प वेश वे, दर वे वा प्रा. प्रारी अय्षित्या संदर्भ वा । वा निवासी वा विवासी वा व दर्दर्गु,अ.बूब्व.(भ.पदेशक्)। ।याधवाअवंद्रीदराक्तिकाः । प्रूच.प्रेच.वा.प्रदर्शिवाः क्वियो मिम्बर्स सिएक भरेर प्रदर्भ में या किंदी बाष्ट्र के जाता है। किंदी वाष्ट्र के जाता है। कृष् न्याया था (स्यास्यम) पर्यार अविद्या । यावन अवस्था अद्भव अवस्था । या स्थार वर्ष । द्वियाक्ति. लाया । वित्र्यत् द्वाः स्टेश्क्ष्य देरायर जास्त्रेता । दियास् आटकेर जि. या । विस्त्रेत क्षेत्रकेत्रमः त्याना रद्या । यावन्यन् स्थान्यः स्वतः त्यान्य । । द्यतः तान्व दः दृद्धम् स्थान अग्रद्धाः स्रेश्क्र अर्दाष्ट्र जास्त्रेव। विश्वास्य सर्वायः यामा प्रवास्य स्वि। विश्व र्या. एक्ट्रियम् संस्थानम् । व्यर् क्षेत्रस्थान्य । व्यवस्थानम् । मुना । अन्तर्यत्वादिएक्टादिः प्रदाराः सून। । पश्चारः स्वाराः मृत्याः प्रा स्थायद्वर्षित्रत्राभू । रिक्ट्रात्मित् में यादायर वर्षित्रक्षा । र्क्रिक् वर्षित्व वर्षित्व । मुद्रयातहर्म्न्या स्वा राज्येता । वर्षेत्रभर वर स्वायमत स्वायमा । विद्वत्याय स्वीय विद्वाय विद प्टरियावराता (स्रेपा) शरी विचयत्र सम् अस्त्रिम् अर्थित्यात्र विचार्षा वी रार्। विद्याति वर्तः श्रेंवयारे वर्गः (द्वा) द्वेत। विदः स्वा के वि सम्देववर। विदर क्षेत्ररहः दर,काअवीटः(रेट्)व। विविवः अवः तथः कर्त्रक्षेत्रः प्रदः रद्वयाक्तिला । अम्बर्य द्वा से द्र क्षेत्र क्षेत्र करा सेवा । विद्यालया मराम्य स्टर्ट प्राप्तित रदा विभागाना वर्गास्य मार्निय किया । इस्मारिया त्या रहारी । वावराभव वर्गित्ये

यराक्षद्वराख्येता विश्वेदः (श्वेदः) रज्यभ्दरम् विश्वेत्रः मेरा । अव्यवस्यः क्षेत्रः स्रोतः ष्ट्रतास्त्रेत्र। । ब्राष्ट्रदेशुःद्रमःकूर्यःकुःष्ट्र। । सर्देरःयःद्रशःद्रमःदरः तासःद्रद्रशासः। ।वालने अन्तरः क्षद्भवासाम् । इर दयतम् दयम् तास्त्रवास् क्षेत्रा । व्यवनद्भारमेत्रक्षेत्रम् वर तास्त्रम् रायस यार्थायावयात्राहरक्षितायां प्रयाणा रि.वयावावटः(बटपाता)श्रीश्रीः वाता विहे सामः क्रियायात्राप्टा क्रि. इव. पर व्यक्ष क्रिक्ष क्षेत्र । श्रिक क्रिया विष्य क्षेत्र क्षे उन्नर्म्याया एडिए।वर्षे हरदीन । स्वाअवाराःस्रायां छर्द्वे वार्ययाःस्य । विस्वयायाः वास्रायाःदरःदरः वद्या । रत्तवराण्याः युर्वस्थाः त्यां क्वांत्रा । व्विरः वर्षः द्वितः ) अः स्वरः रे सुकुषा । रद्या अर्.खेलवरा:अस्ताव। ।रद्याववास्यावास्याक्रेर। ।इसारद्याक्रेराखेलाक्रेर्याः तर्हाः इत। रि.वस.व.वयवायवीय द्यालय। । जयायह्यायायो राज्येत्र हा वर्ष है। श्रि.धा.वसेवर्ष ब्राखिय:लूरी मि.ज.क्रां एक्रोफा, (उक्केका) रतिर में अंलूरी रितए क्रिक्टी र तए देवी र देवा ह यत्यक्रियद्वेत्रय्यक्ष्ययात्र्य । । य.क्ष्यक्ष्ययः वृत्त्वेत्रायः वृत्त्व त्र्यान्त्रस्त्रेद्रायुद्धकृत्वीत्रुः सुर्गान्य । वाद्येत्रायुवाः व्यवता । क्वारा में के वर्षे कुरा र वा तरदर तह वा वर्ष या वा किया ना ति दर वर वर वर के व्यान्तर स्थार् क दराएडर्र, रे.रेग. में अप. के. ग्रेम.रे.एरेश. (बरेंग) स्टूर। क्टूरग. मु. प्रारं वर्षेत्र विदर्भेश बीरश्चारं रेर त्याया था रेखिया के लिया राहार है स्थारी रवा सेही बाकरर। के अंदर वाबरवा श्रु.मु.सु.रअवा.बी.अरदश.सूव.र्बा.सेए.झ.वसूर.दु.वव.राए.वायर.बी.एर्वेववर्ग.रामः गर्जे अहेर्युद्ध है। हो। बारले ॥ मुन्यः (मृ) रवतः वर्षः मेर्यं यश्यव। । मर्गे प्रस्था भराष्ट्रवाष्ट्रवा । यम् अवः । भराष्ट्रवा । यम् अवः । । भराभे स्था । भराष्ट्रवा । यम् अवः । यम् अवः । यम् यम् । । यम् अवः । यम् यम् । यम्यः । यम् यम् । यम्यः । यम् यम् । यम्यः । यम् यम्यः । यम् यम् । यम् यम् । यम् यम् । यम् यम् । यम्यः । यम् । यम्यः । यम् । यम् । यम् । यम् । यम्यः । यम् । यम्यः । यम् । यम्यः । यमः । यमः । यमः । यमः । यमः । यमः । क्राक्ते ख्रावरवरा । देशवारीआकेतातक अक्र क्रमा । देवरशाय गेवता अंध्रामध्य रहरराक्ती वि. सर. व्यासारा व गाए व स्रारायि। विद्रारायात व स्वर्धाः स्वर्धाः रे.रेट.श्रमश्चर्वर्षण.वृत् । क्रममु.लट.सु.सुलसु.वार्मा । दुसवरम्बल्यः म्भरास्त्र्रात्रा । भी द्राक्षे के म्यात्व्यात्र्रात्र् । द्रात्व्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र् मुवारा'ओ खररा ही र मुति वाँवारा ता वेव। वाराव १८ ही र १ नाम द्यार अरुद (रवत वर्ष चेलरा) ।केक्ट्रम्कलास्वयाद्वा ।क्ट्रक्ट्रम्याव्यवद्वर्गः ।क्ट्रक्ट्र रार्टर.त.स्. यड.चन्डरा । यज्ञवादर.कुर्यातार्ट्यायवेश.ल्य्रा । क्षे.कुर्वाक्षरमा ज्ञा रगर्यं गरः । भिर्मान्त्रं रगर्ने अर्गन्य अर्गन्। । त्ये अर्थ्यार्मार केर्यर्गर्भियाः रगर। । रगर्यं दुवांवी खं के केवल दे। । रात् ही र रवावा क्षरकेवल हैला । है पद्दावराभयावीयाम्द्रावास्ट्रा । राष्ट्रभक्तां व्याप्त्रं व्याप्त्रं व्याप्त्रं व्याप्त्रं व्याप्त्रं । राष्ट्रभक्तां व्याप्त्रं व्यापत्रं व्य र्वायावत्यक्रं रेशकार्थः। विरंत्यान्यद्रायक्र्यक्रिये । र्वायायक्राक्रियो क्रिंशिक १६८१ । र्वेडिंड शालकार्या वेडिंड शास्त्र के विकास माने

2000年 · 1000年 · 1000年

्र हैं त्रैंव'व्यथा । कॉर'कॉर' खर'रू' (ख्रायख्य) की मव: व्यदा । दिख्य की रिव्यक्ष देवदाहर हें कु' तर्ज चायर। ।यर,धुन्थ,भुन्यर जा ।धुर,है,ईए,है,र्जया,श्चरकुन,पर्दा ।श्चरश्च पर्वयात्र्वराद्भवा वर्ष्वभवतात्रात्राहरः। दिद्वार्थपावर्रद्रादे ने ता। द्वाने में कार्टरः बिवास्तरायासी । तक्षार्यर राज्य में स्क्रियामा । हिर्द्य स्वित्र राष्ट्र विवाता स्वित्र सर्यः अर्टिक्टर पहेटर द्यूयारा अर्। विष्णा श्रेतर र त्या हो त्यूर होता। विष्ठे अर्दर हिर जग्रें इराज्य । यद्गरात्राद्धारात्रियाः श्रेयाः यद्। । यददः से अद्यायेश्वरात्रियाः योश्ये । दियाः श्र य ग्रान्त्रेया के में विकल देवा है वाका है वाका विवाद के सिंदेयां वे त्राया सुरही । एतिता दे अरए ही पासूदे सांश्री । स्रेम वर वे दर स्वाकि क्रिया क्षेत्रेत्रात्यात्रात्र्य्र्रकार्त्यात्र्या र्वेत्या रिवाश्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या हैवक्रेश्-८ना के एक्रेंद्रम्य । विश्वनः हिन्द्वं सं नथ्या विषय । नग्दरीय विषय विषय विषय यूरी स्पर्धताक्षराहर्द्रस्याक्ष्या क्रिट्यास्यक्ष्र्र्राक्ष्याक्ष्या । क्रिक्यस्य क्वाय-५८। । प्रदर्भवाद्य साम्री दक्षवाद्य । । यह क्षेत्र दवर सह स्वाय या ग्रेट्रा विक्रिय वामक्रिकार्य्याच्याच्याच्या । विद्या के विस्मान्त्रवादर। । व्रार्म स्वाचिताया व्याचिता एक खेते द्यवदर खुन् के थेवा किया खेता है र र अक्के के तर्रा कि खे अदए थे खे वर्ष स्या किट्याल्यायास्य स्थारहर्दर्दा । विभग्नायायेशक्षियात्रहेरक्ष्येश्या विद्याद र्त्वर्ट्स्युक् थेव। विद्यक्ष वर्ष्य क्षेत्र राष्ट्रिया । विद्याण वार्श्वर्यः मु.प्रा रिक्ट कूर्र दर मियकि लागे । अरेट ग्र. रट मु. १८ र ग्रें द केया । ट्रिक्स का ता है। स्वास क्षा ।क्ष्यानर्भेन्यतः (अमेदवधः) अदित्तावाचेदा । यूचाकान् में अत्यान्य अहता। या. प्रवास देवका. शर्ट हा पर्वे अहरी । इ.वया या स्वास्त्रकारा । वि. दव शर वया स्वयं इ राज। रिवापर्रियायाम् रेवायार राम्या(दाम्हाया) नेया छिरम्भार्यायाया रेख्ने. रहाएवर्टर्टर क्षेर्याश्चर में वाया शास्त्र में यो विद्या में विद्या में विद्या में विद्या में विद्या में विद्या

नारी राजा में रें अवा की व से में ना विराह्में वा असा असा शिहर रेमा से रें रहे में स्वरे ना हो राज ख्रि.बट.यवशाया.प्रे.रेशया.या.चर्से.या ।इट.क्र्यायावशा.रेतए.पात्र कवा.ता देतएक्र. वडराता में रेजवादी वर्ते रेव। देरवादी उदयादी (रवेशादी) वहासी हिंदिकारात में वायर स्वाराक्षेत्रा । रेरे ने विष्यायानेरा र्ट यमन्त्र स्वायायवा स्वायरेशमी द्या सुर्वात्राम् पर्वे वाराक्ष्या वार्षा वार्ष मी देवा यह व तक व ता व ते र हिर मे कारे का है र दे र है व का यह । र है का सुर हिर है व र्थात रोट रे अट केव का के ह्या ट कूँ वा या कार्य वे दिक्क वा या में का सार्वेश की है। यह है ता कु ए तुर्र , वर्र , क्रूं , क्रूं वाया शाय है वाया प्रतिया । विद्य क्रिया अपन्य है वाया है वाया है वाया है वाया दे यहम् इतिम्तुरा पाचरवा एडर्स्टर क्वाराना है सारिक्ष हिर्म्स्टर्स सारे कर्निके में द्यम्ये जित्रा विश्वा विश्व का रिहेश द्युद्वार विश्व के रिवेश विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व अलक्षाल्येत। । इटक्ष्यभावतार्थालाहेशनी हिवावहवातम् मूर्यटार्यदर्गम याध्यत्रवाद्वरम् म्यार्थार्थत्याद्वर्षाद्वर्थायः वाद्यक्षायः वाद्यक्ष्यः वाद्यक्षयः । द्विषायः द्वर्थायः स्रर्भ<del>क्षेत्रकृत्</del> क्विश्वर्रद्वित्रकृत्वीताय्यक्षः क्विश्वराक्षः स्वायाः साराष्ट्रवा त्रेता नी क्वेरादरः में में या सम् केट प्रदेश (प्रत्य मध्य) राष्ट्र कार्य राष्ट्र हैं ने भाषा रहा या स्थाने वा के महित ह्यारायाद्री हिराम् सेवास्त्रायते अमानवरा सामाने राता ही तत्रा देशासर द्यमात्र्याराहे हेरा साम्यान्दर्षे द्वरमी तर्याया समाय तर्वेदरत्य स्था वालेंवे वे वाहुर हुर त्यवा रेट देश वार्य र थिर के त्य हुवं वाद्र द्वावा (क्षेत्र) वेट वाद्य अव

वस्युरः। skey.

> यवक्षा विन्त्र के हुन्य के हुन्य (कहर रा) क्र ला है। विन्त्र विन्त्र के विन्त्र कि विन्त्र कि विन्त्र कि विन्त यम् श्रुट्सु थीओलेंब्सु । त्युरा तद्वावादावा प्रद्त्य विद्या हु। स्थिता विवस्त स्थित वरायेव। सिंह्यावासुधिवी तेवास् । महाविधार्याताहरायाहा । सार्वर राज्यानेराव। हिंद्भेयान्त्रेय्य्यामावयान्त्। अधार्येत्रेष्ट्रामान्यवि नेर्। । स्वर्रहर्द्धार्थका वर्षिरक्षेत्रवारिष्यार्वेश । मेल्ब्रह्मेवववारा सहरक्षाद्वारा (व्या) १८) विर बेराके हैं विरायण राज्य विराय है। यातायाः व्यात्राः हित्रां रख्याः रख्याः रारम्येयाः (मेलाः ) रग्रायया । यात्राः रख्यात्रा वुःश्वनान्त्रस्त्रमा वाववायवंत्रस्रःदरःतर् त्याः यव। । त्यनान्त्रस्वयथिः स्तरं त्याः व्यव । वाव र्वेन स्थान मिन्न । इति क्रिक्ट मिन्द्र । विकि क्रिक्ट मिन्द्र । विकि क्रिक्ट । विक क्रिक्ट । विक क्रिक्ट । विक क्रिक्ट । विक क्रिक्ट | विक क्रिक्ट । विक क्रिक्ट | विक क्रिक्

थ्य रख्यते (क्र) त्यवाय बुर १६६वः (वा हुर) क्षे योव। । अहा वारकारण मः केरिः दम् होरादे । वुर कार्यरायापुरतार्ने (वर्ग)स्यायेन । युरःसर्वन्यते स्विष्ट्रःस्वर्यस्य । नुर्वे र अव्दान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त यह सैयायाराम्य (ज्यम्मेर्य सम्प्राम्य) वायव। श्रिसार देश विकार वित प्रबेग: प्राप्ति । इ.शु:प्रशास्त्र भ्रदेश: प्रवेग:श्रु: भ्रि: श्रि: श्रद्धाः प्रवेग: विकार केंद्र । । इ.श्रुवेश बुक्षकुराक्षात्रको सर्वे स्तर । । वारास्मारत्वे तारहेवतहेवते । विस्तर त्वेदतार्वेदवावेद्या वाक्रवाह्मरकी दुरद्वावालदी। । अञ्चलात्मरातावाहिका छरछोदी । अहिलासवा व्याविकादी ) मायवा, में द्रानु या में द्रावसेंद्र हरा। |द्रद्रवासी ता द्रवासि सहस्य हरा। |क्रियायदे स्वर्षद्र स्वर भावनस्य र्। मिलक्ष अत्यद्वक्षर्वक्षर्व । दर्शक्षर्वर्थकार्षः व्यवभाष्ट्रदरः अन्द्रं श्रेवंश्वरः। । वाववाराष्ट्रराधरायारावार। । वारतः वरहराष्ट्रराधवाके। वर्षर्वे अर्था हरा कर वास्ता है। विस्ता करा करा विस्ता हरे विस्ता हरे विस्ता हरे विस्ता हरे विस्ता हरे विस्ता लयाकी । हिंग दवव हवारा राते से दस्ये दे। विवा क्षेरत हिरव 'छा तर्वा है। । छूर दर र रद्या के राष्ट्रां ही । श्रे श्रिक्त वर की से मार्यामेश कि स्वास्ट्रिय के राष्ट्रा में राष्ट्रा वर्षे का प्रा यत्यत्यायत् श्रमः स्वत्वे । स्टर्स्यते तस्यायायः स्वर्धः स्वता । स्वत्यायास्ति स्वर्णाः स्वर्रः स्वरं स्वर्णाः स्वर्णाः यात्रभेत्रभ्य बिद्रावर्षः भक्ष्याद्रभन्ते। सिव्भेत्रभ्याक्ष्याद्रभ्याद्रभ्यात्रभ्यात्रभ्यात्रभ्यात्रभ्यात् क्षस्यासहता (तर्वातहता) थीव। वितरवयावीवया तहेव वुरावेद। दिनेदकी तहेव द्रातः व्यद्भेद्र । वालुः कुद्वाववा द्वरम्या स्ट्रा । वालुः क्षद्रायां क्रा । वक्रःवनुरवम्बे व्यक्तं क्रेंगा । अरेलके वे स्रवाम ते तर । द्वाम्रदेव प्रमा रोक्या । इन्यायरी राज्य म्ह्रम्य । व्यवस्थित । व्यवस्थत । व्यवस्थित । व्यवस्थत । व्यवस्यत । व्यवस्थत । व्यवस्यत । व्यवस्थत । व्यवस्यत । व्यवस्यत । व्यवस देशक्षेत्रहरअद्वर्धियक्ष भ्र प्रवेशक्रिक्षित्रप्रकाश्वरक्ष्य र्ति अरस् मान्या नाइम्कर वर्षरा वर्षरा हेते के महित के अवता मुन्न अहित। के त्वा की सेवायाता के प्रत्याय कर प्रवित है। अरतः विवादी की अर्थ करी वर्ष रे रे केंद्र । वि राम्ब्रियाम्यान्त्रवरः वर्षः क्षेत्राद्वः वायुवा व्यदः धर्मा वार्त्वना वाति केटः दुः ववन् वर्गः वर्गः वर्षः सु गिल्मू मार्ड रोहे हैं। होंग वर्शकायहा क्षेत्र: श्वरका गा। यी अष्ट्र विद्वेषय विद्वेश । विद्या संक्षि के क्या रा अष्ट्र। रिवार अष्ट्र अष्ट्रेश क्रवास्त्रत। विकासुर्धेक्रवारास्त्रही सिक्ट्विवानासरसम्पर्वात्रत्रा याश्चान्यार्यायाच्यार्याः क्षांभक्दा । मञ्चरद्वयान्त्रताकः स्मार्थः वर्षाः द्वरत्रां द्वरत्रां द्वरत्रां वर्षाः याः अकर। रि.सेट.रवाःस्ट्रेर.(स्वाः) अर.वशकर। रट.रट.ट.ट्र.अन्वशः व। रिह्यासीट्र्यर की राक्षत्रमा । विरमे सम्भाष्ट्रमकुं सम्भाष्ट्रमकुं । यह मार प्रमेश रिर गुमेह एव। । यह रो

क्षेत्र वार्ष्टिया (२२) वार र द्वारा । र यह को र खर वारो न यह वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य क्टाने सम्बन्धित । इता बेर्क्यन समानिक स यम्दरी शिर्वार यदशर्भावारा वर्मरा दिवायाताला हरा हिन्दे । क्षेत्रम नेयात यर् अस्ति। (वर्षेत्राष्ट्रवारक्त्वावेता स्वत्) यस्त् । व्याद्राचा सावति ह्वेत्रक्त (क्)रे। ।वासेनः नध्नेयादर भुष्विभावगूर्। किंददरवा क्राचाअए दूबा है। दिन्ने दिने वर्जेन हैं। बर्गरा । में हेट (क्षिरे प्रेट्ट ) मुलवार है वा प्रवर्गरा विष करे वास किर देश की वा विष. श्रीरक्षाक्षान्तरायान्तरायान्तरायान्यरायान्य । विद्यारक्षात्रम् । मा जिल्ला (अम्प्रिम) शिराहर पर्देशक (उत्ताव पर्देशका । तिम्य मार्टि में मार्ट्र प्रमा । निर्व नव राष्ट्र दुत्र्द्वमार्थेवसा । क्षेत्र त्वम् मुख्यत्रह्सादेशाधीमा । दावारीमाथिते की त्र कुर र मार्थे । किंद त्या में द्र वर्षा (वर्षा) मार्थे देश की हर देश की हर है की की हैं। क्षा किट्ट्रें बार्टिं के विष्टिं के विष्टिं के विष्टिं के विष्टे कि विष्टे के विष्टे चित्रात्मिय। विराद्यातायाच्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्याः विराधिता कुरिनु दरको हुन र लका । वल अया हिर देन दे बुद न सहुदा । व क्रांच ला व हर में है तहुसासने । हिर स्वरायक्षित्वारा अहर देव । ८ वा वा वर हि ता तवा देव होरा । ता वा वी अद्यास वा रो र र्श्टास (क्ट्स) विकासम्बद्धार सम्बद्धार स्थान विकास कराया । देन्द्र स्थात स्थान स्थान । यिश्व एर्येय रात्रेय देश देश रा एक्स रा (एक्स रा एक्स रा देश ये विक्र में ये विक्र में ये विक्र में ये विक्र में यार्रक्षा एकर वाववारा देवारा (वाववासेवारा) हू जार्के र (क्रि.)। वार्रा में पावार्टर क्रिरंप वर्त्रर. (वर्द्धर.)। विर.प्रश्नाभाषा वर (वर्षावर्षाण) भाषा प्रताय (वर्षायप्रप्रताय) । द्वारा र्यार याप्याश्रद्यंत्रभवत १,०१वर्गः ( देवाल) विक्रियर अच्या (ह्याल) है रदः वरीदः अशस्त्रश अम् अक्ष (ह्यूश्रा) अर्था मुंधिक क्ष्म । तिक्र व मुर्थ के स्ट्रिश्व के अर्द्ध (तर्द्ध) । शर्णाम् के के (केवा में) मिता ते राहा । मिरामा (मेरामा अर्थ केर) दे असे राम स्थार। विश्व भरे. विश्वास्तर त्रियास्तर होता । के.बार् रेटर्याम ताबारी । यासेट तर्वा में ताबेट ।

याप्रदृश्य या याप्रया है। जिर्म्य (क्रिया) ये अस् मुरास्य , ब्राह्म , स्वास्त्र , स्वास्त

वैवाध) इक्तांच

पर सम्बद्ध र्गी कें यह में के हैं। हो। ह्या ने के लेक्ना केर ने । निर्मे अञ्चरकार केर मेर्। किर वं हर वह अके मही मेर । सिका वे महाराज्य अपाय प्रामेरी । या परे सार अपवेशा वा । मैंवन विश्वास स्वारगर्यस्य । ब्रिंद एक्टर्यं (य) स्थान हराया तर्। वि एक्टर्य सम्बन्धि । तुः एक्टर्य स्व र्गर्धवार्ट्ट हुई ला घटा । खूर श्रीर खुवाक्ष रख्ट की तहेवया । दावळा प्रवार्वार्ट्ट हुई ला यादा । व्रि. यदा अदा अदा अदा मेदा । त्या द्वा यं ना देदारा ध्ये दे ते दे । दा तक्षा रमर.विष्.क्र.क्रेशन्ते। ।रबानुत्रियःक्रमः पायद्यदानुः माना । योग्नानुसाम्बद्धाः म्रिट्रा भव। रिराए मेट अए शुःच मशुःण। मियारधर मया द्यस्यायुराएर दर्रा भव। वाध्यवस्थवादीः अटाक्के अव। । दे:वराः व्रवः दरः दगामः द्वाः । ख्रिरंदरः तुः शुः व वेराः ये । क्षेत्राम्यहेवासक्तित्वक्रात्यक्षा । दरम् वगःस्वयद्यात्यक्षेत् । श्वित्रःस्वर्थः अवाद्यव्या छर। स्वर्धः नर्द्धर देवारेनु मास्। रिवस्य रवा अरुटा सके। विनेट अन्यर्वा सर्वा वि इर। दिन्नसङ्ग्राहेना निवर्द्धनावयात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गात्वर्गा वानिक्षिरारमामार्थरायनुराज्ञका । । द्वायमारत्वरुद्धमायेवायरायान्यः। । वीः <u>बर्</u>ष्यर्) बूबाकी ह्या हिर्यात । इराद्याव वर (५वट)र्गम क्वेराया । एवरकेराव क्षेत्राव्यं थे निर्धायवर। अव:र्रद्वासुर्वायाःयाः विवा (यवरः)। । इलाकेलवःर्वाकेवर्वादाः विवारः

द्वासूर्वश्चिर्यात्र्य। विर्याक्ष्य विरायः सुरक्षात्र्यः विरायः सुरक्षात्र्यः विरायः सुरक्षात्र्यः विरायः सुरक्षाः सुरक्याः सुरक्षाः स

चारान्त्रीं स्वास्त्र स्व

मुचरर प्रयादन्ति वा अ मुर्ग्न कुर्ण । व्रिट्ट क्ष्माल रूप ज्वा करा हो। मिट्ट मामि।

अष्ट्र जिल्ला प्रयाद क्ष्मा कुष्ण व्याप्त क्ष्मा क्ष्मा कुष्ण कुष

15%

म् सम्ब्रेयंपरी रिवे.हा. एसीय दलका वेश विहाय करा। विकास रेगम्यू वे हैं व श्रीकार्याधीव। विध्यस्थ अट्टर्यतः तद्यराद्यातरुवात्यः धीवः विद्रत्तरकट्वातस्य त्यदे पर्नाथव। वित्रवाभर्षियात्ययात्रहे सम्मुका । दक्षः क्रिंक् इसम्मुकाया । वार्रकार्यम् केवाक्काक्षात्राम् किया । अक्षात्राम् केवाकाक्ष्या केवाकाक्ष्या । अक्षात्राम् केवाकाक्ष्या । अक्षात्राम केवाकाकाक्ष्या । अक्षात्राम केवाकाकाक्ष्या । अक्षात्राम केवाकाकाक्ष्या । अक्षात्राम केवाकाकाक्ष्या । अक्षात्राम केवाकाकाक्ष्य । अक्षात्राम केवाकाकाकाक्ष्य । अक्षात्र । अक्षात्र । अवक्षात्र । अवक्षात्र । अक्षात्र । अक्षा एके.चर्वा वर्र रदिर कॅर ले थी। सिवानेश वर्ष राय विवाश या थी। रिर शर रवा देश प्रवाहित्र । क्रिस् याचाया पर्या ग्राह्म । वि क्षे विद्वरा वाक्षर विकर । या पर्या वश्रीतर्वर्वर्वर्वर । यदवीदवात्मात्वर्वराष्ट्रा । क्येद्रक्ष्यायश्री । व्याद्रक्ष्यायश्री इर्द्रवायत्त्रं हिर्प्वायवद्। १रे तद्विवी विवाद्य ते तदी । वर्षा देवे विवाद्य विवाद । श्.शर्यः न्त्री । किर एक्षारभरद्वन्यात् कर्मितात्री । वार्चाः हर्ष्ट्चा ने सा (पर्वण) पर निर्मारमाना शब्दाने। विवादभर्भास्तिक्षेत्रस्थात्वे भे तहेवाने । ह्यानेदस्थायाय । विवादभर्भात्वा ८८मा के के गरर असे शास के अप विदेश तार के के खेला देश में ता । विकास में देश में पूर् श्चिमार्यं सर्हः (मह्हः) की व्यक्तिहै। । दसतः स्पर्धान्यर्थन्य त्यार्भेता । व्हरत्वस्य त्यार्थन् ला दे स्ट्रें खेर खेरा (बहूरा) । सियायायर केट हें में या हो सम्याय हो है विभागायर हिर्या ता तह में विभागाय है। तह्रा था बोर्डे श्रीवादगर हुर की वर्षेर्थ महर हेवायता के मीय कर में मूर्वा वहन हिर त्यूरमायमान्त्री वित्युद्रस्याञ्च मायते अवर वित्य द्र्या द्र्या द्र्या द्र्या द्र्या द्र्या द्र्या द्र्या द्र्य यथारक्षराद्रभर् क्रिम्यूर्ट्यवया रामायर बिरावराद्रभर र्रे विश्वराद्रभयावयात्र त्वारंद्रसाखद्रतः त्येषु स्परिकुत्वेद्रा त्वारंद्रसाच्च्यायते खुत्यक्ष्यक्ष्यं वारं त्याद्रके स्वार्त्र स्वार्थित स्वार्थित त्रात्र त्रित्य विवाद्य विवाद्य त्रात्र त्रात्र त्रात्र विवाद्य विवाद्य विवाद्य सर्रायन रे.च.लय हर्षेट्रायम् अभ्या अरायन्यारा अरायन्यारा हर्षात स्वारा र्वे. श्रेन. वर् रद्भे वर्ष्ट्र । १ . में (क्रम) श्रेन वर क्षेत्र का मने का वर्षा रन तर का मार्थे द्रवाद्धवाद्वीयाद्वरः नाम्यात्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वर्थरायम् अर्वक्षिक्षात्वद्वर्वस्थिरः इंट्राया स्रेन्द्रिव्टर्ट्स्कृथि (व्वर्द्ध्वायते) सर् दु स्वर्धायहर्षा स्वर्धायहर्षा स्वर्धायहर्षा स्वर्धायहर् हिरा। या खिन्यूचारा चारता अर्थे व तर स्वारित क्यू वा रामी अवराग्न रहा समित अहिरा क्षेत्रवर्षाक्षरः व्रद्रुत्वा द्विरं (१६४) हेर् द्वेषा रोयसाया तर् हरा । यदतः के स्वरा रीक्षाइसायमात्त्रं दुमारुंदमार्देद। इ.चायम्भाष्ट्रवाभ्वेशाताः व्यवस्वहरावस्रद्धदायारिया। म् अटाक्नित्रम् म् अत्वाद्भे केट् धर अद्र में स्वाया श्रेया द्वार स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व में में हैं शही स्रव्यादेर। सेरावदेश लगाय नहिला के रहार्द्र में हैंने हे लग्ना रहे ना अवार्यर्द्र अवात्राह्मित्वस्त्रम् स्त्राह्मित्र राज्यात्राह्मे व स्वात्राह्मे व स्वात्राह्मे

यहरद्रश्यस्थर द्र अस् स्व च डसाव पर वी मृ र्थे में मु ता वस्या द्रभा स्व साम्य । द्रभा र्क्तिवर्गर्गर्गताम् श्रे केर्र्यम् स्रे हिरशे विश्वे वर्गर्वर स्र स्र वन्त्रवास्थर निवर्गरे रात्रः भवराद्र। द्वार्श्वकृदाता कुर्रद्र ह्वाक्षेत्र है। देवाक्षेत्र हो (ध्रेक्) कुर्व वा वी सर्वा तस्र क्टाम में विभावताम् में हीर खुवार नाम यां वाया । यां विश्व र रथता वार्वार क्या वार वावार वं पर में बार है ता तो व्यर हेर हैर है प्रमाले व्यप मारते।

क्रांसहर्ते हु। है। है । है। धरमहिवयावमा है। र्राम्सहिव वर्षेत्र व र्वेट.ब्रा मि। निकिश्वर अहार रेगर में निक्य हैना अहा हा ही। । रिवामीर प्राचार रेब्रिया अहर मेर्यते पुतार्याअवाभादित । दरदर्य अभेषाव । श्वीत्रीद्यावाया अहरी र्वे.जा क्रिश्टर्भभाषावर्भमञ्च्यभाषा ।रभवाद्यः प्रवाद्यः (ववडवा)क्री । खर्रेय प्रेय के ता । दिवाश शक्र प्रिया हे ने प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त वास्त्राध्यम् । द्रमः तात्रभ्यम् द्रम्भः धेवः वाक्षेत्रत्यः स्यावः दुवान्यः ध्येव। वाव्यासरित्यः रा रामाना रामा विकास के विकास मान्या विकास मान्या के विकास मान वार्श्वा म्यान्त्रे । (द्वाक्षे) अदर्ष्ववाराः । द्वाक्ष्यः वार्थः हरावतिरायभेव। विवाधद्वरायकेवाभेव। |र्यतामःइरावतिर्था (र्ज्ञः) भेव। ।र्वतः श्रीट ख्वारगर ये । । यं वायर यह केर केर देश भेव। । १ में वायर यह अर्थे रेडियारीय हिसाकेवाया है महिना (गरेना) यदामेरा रवार्य है वार्या हैवाया (गरेना) विश्वेराता स्याम्बर तह्या सुनारिकारे। । श्रीटायाचे विते खें खें के तिरा । प्रश्नीट द्वाराहे त्यना हु म् रा. (राया) रात्रा । रदायहरायार ने नियान ने । विर्धित रात्रे के सम्बन्धित सम्म (उदा) तिर्हे श्रेमकेट रूर्यामा । किना खरा (भ्रेंदर) में दर रे हे केवा का हता विम खिला दुका वा भरतः तथे वा ने दा प्रकार के दार के दार के दार के दार के वा ने न्त्राच्याः (ग्रातः भेराः वेदाते स्परः) विराविराद्यान्य प्रदेशकान्य । विराविष्य सर तात्रयात्रात्रात्रा |देवशसीरती में दगर्मायायात्रात्रात्रा । यात्र द्विश्वेष्टिया हे (3)) | \(\frac{1}{2} \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{ र्य (युक्त) नेर विते न त्येव हैं वा (वार्षेवा)। विरदे द्वा वराद थिते अस्ताव वार्षेत्र। वि केर्युकाराधिरवालेक (अक्) वायका । दे अन्तर्वाके ध्रिक्र देवाके देवाके । । अर अवन्तर्भयुः र्गर्र्यायारा द्वेत (भवतः)। । यदायवेत् हासुस्वाताः श्रेता । त्यताहेवायोवता सूर् (गुर्ह) अधारह्या ने वा अधारित । र्या के हे कि है ने हैं से सामहरी । से साम हिस्स हैं से रे:देरअहर। बिरासुका के:रग महर्गमाहर। विकाम विकास विकासिक तर् करिका यावा साता सेरायाया सरकाया । ८.१वा. श्राम्याला वा हर (केर) वा वा मेरा । इर रहर रहा

चर्रश्यंत्रे। वर्षा भ्रद्भंत्रे द्वारायद्। विचातहरद्वा यारायश्येत विकास स्वासुरायकारोद। । अदतः कुरात्येव हेदायादम्द्वायेदा । की वनम्बलाम्द्रायां सुम्बल्ला अवाद्रास्य से में अला हर है। याद्राय अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ प्रति । याद्राय विश्व विष्य विश्व त्ये कडिक । अ हुर यदमद्वा यद । द्यान्त्र हर्षे केंत्र हे यो हे का त्या के का रदा तक्ष र कि र हिर हिर रथत त्यति का का राज हिला लार.सीर. जमभश्रद्धः थथा नाय त्यादेरो रतय लाह्य मिद्र देश भ्यूच किया कुरे मित्र भ्यूचे सीरा श्चाया मि.मे. स्टर्ड्या (स्वा) श्रेष्टाकुर ए सुष्ठ हिर्द्रा तारी तहता करें तो वाव विवास ध्या रथता म हरा दर तार्य दे दे की के तथा। दाद्यता तारी ही तार्खें में के में में मुख्या हि दि हम महिता थर बहुते (बहुते)। गुर्खा अहे यह है। हो। ह श्री रे रे के लेव नाकेर रेंद्र में रे के हारकेंद्र व्यादारेता । श्रीदाव हकर व्यक्त हारेद्र स्वावप्रस्थियश्वराष्ट्रियेत । ८५८.८.६.वान्वराव। । ८माम्यवावारसाक्षेत्रम् स्राप्ता यातारक्ष्यातरहें द्रभद्रमञ्जर। विविष्यपारा क्रिके सेवाला । में भू प्राप्ति शर्देशहें रादा । यन सुद्रसम् यार्थः वाष्णः तस्वाताः । (दमः सुद्रशुर्द्वः वावारः देवास्त्र) । स्वासूद्रवाहीयः क्तिताअर्था । भि.एक्स.स्ट्रिस्यर्थात्यत्यत्या । वि.एक्स्स्यर्थाः वि. व्यादा । वि. तह्याद्वेर्षे अक्टी । सुरव्यायाति वि वाद्वाया राट्केवाया । विव्ये त्यु मूर शुन्देग्द्र। रिदेशएएएक मर्गेयारा स्ट्रियाग्द्र। मिन्देर मुद्द स्ट्रिय स्ट्रिय स्ति र्मानसूत्र (मक्ने) की र्यारायार मरक्षेत्र । व्यक्ते रहेत केत्र देश रामान विद्यक्ते (क्षक्षराक्षरा)श्री रहाए.ता.द.रदाराजी । इंद.रेबाश्रीसक्षराती बी.खेर) विदार राजाराजादरा की तिवाकेद्र। विदा विदार श्रीकालयः प्रेमाला । किर्देश्वामा से अवा देतर विदार है। विदा थर्त्रीर'लक्ष्मायते द्या विरदारम्रामिकार्यस्या । रार्थारालिकी ता क्रि. पर्यातायर। । क्रि. देवायुर्ध (क्रिल) क्रि. त्यू सावाद्ये व हरा। । दुवाकी वेराव क्रिर. वेर्टर वाह्यानेत्। विश्ववाद्धनं क्षेत्रं के दृद्धाः याता । द्वान्त्रः के ने वाद्दावाह्यानेत्। किर्माण रें के श्री या या में राज्य के राज्य के स्थान के स्था के स्थान के त्माह्या । हीरक्षेत्रकेर्द्याने वत्पविरत्य । इक्केन्निरत्युव थ्यवंकर् क्या । त्या वहरादरायते स्वांवहवास हिंदी हिंदे श्रीकार्करामकेमारा प्रदावन त्या । वार भगदर। रमान्त्रास्त्रः द्रातायन्त्र। विरक्षेत्रः त्रवायहर विवादर विवादर विवादर र्मरकर,भए. इ.र्.जा । धुर्र्य अवाति दीया एड्झा पडिंग डिंग । किंद्र रेश्या है गार्वि वार्ट्र-बार्ट्र-इसा ।र्यपद्र-क्रिंड्-क्रिंट-तर्द्र-तर्द्र-क्रिया । क्रिंट-स्वातिग्रह्या.

पर्चामायम् । शिर्द्रभवायम् सुका (वह्रभास्त्र ) अक्टरअक्टर हरा। (हर्ष्र)

मरा दुनाओ देशर्यातार्वा के त्यान या भाइरायर के त्या सक्ता के में हैशा है तुर्देश के त्रवितात्मे,वित्ताता, वात्रवाद्या, प्रज्ञात्या । र्वाताताप्र क्रेंद्रहूर,र्वे र्या क्रियाक्ष वयर दे। रियत तथायम् करा (म्बार) स्थान त्या तिवराने र खेवसार्था। शहरदाए में ला में ये में ल हिंदरवाया स्थारा के किर हैं (ब्रेटरें) में में में या नाम में वे (ग्रेंस्य)या सम्मिन्ने ग्रेक गरिया है ता ह हि. श्री छिन्द्रिर बोहें अप्तान राया श्री है अर सम्मून मेर (खेर) । रिय ए अस कर खे त्या रेट. रकारणकी जरमा किर वम अरेर र वस में हर किया आराया विकास र किया है। मूंव (व हुव) श्रमः भर रें वेच शरा राजा तका राज्या या (क्रामा देशके)र्या है वनवी सर यराद्वरा येवरात्रा । द्वादेवरात्रे स्टाह्म स्टाह्म मुद्दार स्वात्रे स्टाह्म स्टाह्म वन्वाराक्षिक्षेत्राक्षेत्राच्या विकासका विकासका विकासका मिक्यानाम् वाराम्यान् वेद्रयम् द्रयम् वद्रयम् वद्रवेद्वः व्यद्रवः वस्यान्यमः एसर हिर वता र्रम्रे केवल के श्रुर की के केर्र (बर्ड : अर्ब ) है हरवल ही तर्म् ति व कि व माना (कि व राज्या का प्रकार कि व का का निवास के का मान में विद्या के मान में विद्या के का मान में विद्या के मान में विद्य के मान में विद्या के मान में विद्या में विद्या के मान में विद्य उद्ययः प्रदः रयः अध्युत्याक्षाक्षाक्षाक्षात्राः श्रेष्ठः धर्मः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्य अद्यः द्वाकाश्चरः द्वाकाश्चर्यं व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक् त्यवा रुटः द्या द्वा देशे के वा कि वा के वा का का का का वा देश कि वा वा देश विवाध हरें। श्राभद्वराव्यात्रवातात्रातात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

इयलक्ष्याक्षाक्षात्राम् (मक्र) दिन द्यारक्षर की लाकी द्वन रायल अहर क्रेर स्रेवरा वर्दा क्रिया पर्वे । (अर्टर में आ अर्टर अर्थ वर्दर ) दे पाया व राहर दा है से संहर की मुंब (वर्ग) वराईर वरा ही पा बर्द्ध अवहर्त तथा वर देर र र र र र र से अही र हिराया दे प्र. शु. धार्या, याताया, सु. ८८, ठव था.ता.सा.सूर्या, हि.संदा) वादा<u>त्री, (</u>सु.) ४ क्रिय. यथा.स्वाताया, अवादम्सुर्यक्षराचिता(वर्षेता)वेदम्बवादेशस्रर्दे। रेम द्वर है। य अम्बेशरे के सेव (वह्न) दश में महिरवस। रयत शेर के (बीस) की तिर्ज्ञित्यर्त्यम् (म्रेन) हर् यकि हैरहें अरेट हैं ये विकास प्राप्त नर र केला है। तथ वार्षर केव किवा वावश की दिर हेर केव विराय वावश के व्यार है विवावश वर्षेता(वर्षाता) श्रेरावर्थासा ' प्रदारमा इसरा तवार में श्री मार के ता ताता वरार् र्यववश्चराचे (चेराचेरा) तरातर की स्वरार्या वास्त्राशा व क्रे.मर.र्नर,र्रा विभवात्त्राम्बिमक्ष्याराचरे के.च्रियार्न्न, विभवात्त्राम्बिम रेला की तहरा वर हार अर्द हिंद अर्द हिंद के ना का किर है के के ना किर का है हिंद का प्रतारीका त्रियायम् अहरेतेर दरायां की द्वाता वरे प्रति अदुरदे वत्। देन वितर क्रां में रहेचाया राया में दान हे हुए में खर के बिन बरा (के क्रां में वाम रा) सेवामहर देर'वार्थर'र्द्र' चीर्ष्ट्रवाराष्ट्रद्वार्डकारम'०रूर। क्षेत्रवाराद्र'ची'तर्वाष्ट्रद्वाराध्याद्र्र' त्या रुव केवरर तरि की ट्रांश राव दार जिंदा (ब्रांश केवर के किर स्वा शिक्षर क्राया में रहियान तरा तिराय क्रियान (तया मध्या स्राप्त) यन्त्य नात्र ना स्रेट अर य देर श्रेट्यं सर |र्यारेड्याव पनवयारवार्यार्थारा हाना हैता 異可るとくてとびあくなってきるい(ののる)をいかとうころい内(まちょうまう のまってもで)かっちくし इ.७०१९९६४६३७.(७४४) ६०११६५५८८। अहए, १००० अहए, १००० द्रेर्ड भरा तर्राधाः सुरक्षिरदावया यावाकुवार्क्षाः स् । तके वर स्वाराहर इन्यार्थं (वनार्थं) रेहीर रअवादी मूल राष्ट्रे विते भी रगरह रगर रह हमा उट सुन्या इराम् केंद्र (बर्ब) वराक्ष्य या राया श्रेणाया देश क्यारा (व्याया) देरा महर राया अर्थ. रेडें। रभएक रति वालुट मभवाउद र ग्रेंवा (मुंबा) यवा मेम मा पर की मेर त्या एड ब्रिया (क्रि) दराद्र खरकर त्या थी अवा यह दरावया नव्य वय व्यवहरू (वादक्) । त्यावः नगतं सुव वेर हुता दर कुला या रोट छवा की सुलाया दे हुवा है दे। अदल लेडे व दे र सर्दर तरे व (तर्व व ) की तहीर त्य हेर हैं या देन हिता व व कि । (हें या) वार्दर व या मंत्रया क्री क्रें भरा देश के रदावया रव के देव मेर की खावरा (पड़ पड़ यह वर्ग) की की महिलाय हर

र्मित्र वरावम वराधिया त्रूटा हीरा व्याप्त से वस् 到れて यगःरवाक्षक्षक्षकार्या ताभाद्वायवन्यन्यन्त्रियःदभवाकीतव्यभःद्वत्रस्य हर। वर्षाक्र रेप्य में किया कर्ण देश में के में हिंद कर्ण कर के किया है हैं हैं के किया है हैं किया है हैं के किया है हैं किया है है किया है हैं किया है हैं किया है है किया हीटातात्वेत्वा हेनताया प्राप्ति हिती देवा वहता दरहर विते स्वितार ता ही हैं र 'र्नेना कहें र र, देंव. (वर्ते) १४। एकर. धुर. में . यशूर. ब्रेंड. खेड. खेड. प . र में या वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रें का くったい、日日·いいのかでには、あって日に日に日においますの、日日·(日日·) あってのなべくい वंदर्वराथां वेदःद्वादरा केवसःद्वादाराद्यः स्यादःदः तावववादानद्वेदः त्व्वराधः न्यहिन हिर (ब्राया) क्षम्भद्दाया विकेदम्बराहर मन मेरे ताववनायर व्यवहिन। स्निन्तिकार्ष्यात्त्रात्त्रीयात्त्रीत्त्रात्त्रीत्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् दिया ग्रेट,तर ग्रेश (११) नया श्रुरदेतए बर्टर प्रेश कर विषा कर । मिया देश है। ता र्वः केता (रवः श्रुदः) इरद्या श्रभण वर्षे मेरियः वर्षे साव्यः क्याना साम् कर्षि आदे) नर्तेन्द्रद्वन्त्वाराधावता या व्यापारी का कुर्वरा स्ट्राहर् रेम श्रीटाय देवल स्वाम् द्वार दुल्य करा। त्यल सुमः अवस्य स्वाम् विक्रा विद्युत्त स्वाम इंश्रियंत्र विकास हरें। अहैव दें हें केर लर्स हैंर इश्रियं के कार्य हरें विकास हरें तहें द्गार-१८-११ (भ) द्यार्के केर माइयरा खुक्खिक्का के निया पर्दे देव राष्ट्र राष्ट्र मा शिलार्या श्रुद्रदर अग्रमायते दर्वता हे त्रुवाममतास्त्र द्वात कर्म हर वित्र भवता र्म द्रिका यथा विष्ट्रकी राभाषा (अर्थालका) हार्र देर लाक्षर भाषा के अर्थ हैं। शर्कात्रा पर्वेद्धरापर्वित्रक्षित्रकात्रित्र कार्यक्षेत्र वित्रवित्र वित्रवित्र वित्रवित्र वित्रवित्र वित्रवित्र न्यातार्थतात्र्र्वत्त्रम् अभवाष्ट्राचार्यद्रात्त्रम् द्रात्त्रम् व्यापा सर्बर्यायम् गर्वे मुद्र। रिका.एकेवामात्रात्वात्राः प्रविधानेदाताः एकंवायाः विद्रात्रात्वात्रः विद्रितानेदा र'रर'र'र'में भेमें वा । हर व्यायको क्षेत्र'व प्रमेर । । स विते रस्त्र में खर मेरा र्श्वारक्ष्माने केल स्रवायानेता स्रवार क्षेत्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र में वास्त्र में वास्त्र में वास्त्र में स्रायाव्यः मामार्थान्यार्थमः मेरा रिवालायक्तः व विष्ट्राम्रा विष्ट्राम्रा अंकेंब्र नायवर्रत्सेट रगर ते हे से से कि के सिर देन (देन ता) केर नायवर्रद ) रे रेट है अर्थः अर्द्धः वादःता वित्रे ने द्यतः में द्वावरा हुदः । द्यतः वह्वा (ह्वारा) श्रेमः अर्वेवः मलकात्रवाहरा विकालाहराते द्यारवर्ते द्यारवर्ते व्यापा । द्यारामः स्व कूर् छात्रवाहरा

- 15 121

का.प्रेयु.क. . स्टान न १८.५८ । १८.५८ मा मि.स्टाम । दे.स्ट. दराय हन (देशका)श्रीतिया म्रा रिश्यतम् वार्यर्त्यक्ष्यक्षित्रक्ष्यः । निर्देशः । निर्देशः रेक्ष्यः । स्ट्रिंशः रेक्ष्यः । स्ट्रिंशः रेक्ष्यः । स्ट्रिंशः स्वर्धः । स्ट्रिंशः स्वर्धः । स्ट्रिंशः स्वर्धः । स्ट्रिंशः स्वर्धः । स्ट्रिंशः । देश्री होरद्यान्द्रात्वरूद्वभवा विभागावतः सह त्याद्रे विवादात्व । सामतः विदः शादरान्त्या (अपराविव अदरा यह र) वे वा वा तर है। चे दः देश आदावे देवा से चेदा । विवाह एक्टार्श्यन स्ट्रियाम्या तर्ग विश्वास्त्र । व्यापालिट तर्मा स्ट्रिया । देशामहत् । विश्वास्त्र । विश्वास्त्र । कर्ने ते तिका मेर विविध्य तिकार देव ति स्विध्य कि कि मेर्या में कि मेर्या के किया के खिर तुभायुः द्यार स्टार्स्ट । विश्वेभरकेव अर्थ त्या तृत्व । विश्वेश तृत्ये । रिकार्य त्रिका स्वाया क्षा स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स् वहुक हिंका भरित्यायादये विविध् हिंदाबिर वहुवा थरि में व (रेकें) रे मेराहेबा र्थताताकी शुरानेता । दुवाकी शकुरास्रवी त्यवा तत्वा । सर्वे विरातकर विते तथ केरादे । दिस्की यदेशदेश क्षेत्रयदेशकेश्चरेत स्वतः विवेश्यम् तया वरुग भवावेद दरद्वते क्षाकेशहे चर्वारेना स्वया श्वराष्ट्राचा न्या वियानी नार्वा क्ष्यका व्यव त्या । त्यानी नार्वा क्षया व्यव । तरुवारी दिरहेशार्थात्या कासूवादेश । वीद्रस्कार्विते अर्वा तवातरुव । विविद्रस्य स (माउरकरे) मध्यतात्विर्दे। । मध्ये देवा के वा माउँ र वन्यवः यन्ते । में ये में सूर्ये या वे विष हरी। रियत वहने को तावा असे न देन पर के। विदाय ताव पर की मुंदर हो वर दूर ति वे महिन्न्य देव देव ना विदेव होर विदेव त्या के साथ ति त्या ते विदेव ति विदेश के र महिन्ति । ८८। १८८, विश्वादानार मूर, रा. हो १८८ द्या ही द्याव प्राप्त वा नरी किया वा प्राप्त की की प्राप्त कर की की प्राप्त की परीकार्रेरी |र्नेश्चिम्रमान्द्रतंत्वंदर्भशाहिदा |र्नादाक्षेत्राज्यहें प्राप्ताता |हाकद. मूलो हिरा नेर हिर हुर हुर हुर राया कार्य राया के तार्य राय हुर हिरा वता तहुं अर्थ अहरे माववाभरयतः वर्रं मुक्तराश्चे थराभे मार्थरा। (वातावे मार्थायाश्वरताया। विवास्त्रर में ना न्तरात्मा अवर्रद्रातायववुराष्ट्रेतर्या पन्तरम्दर्रात्रायवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात्रवर्षात क्षेयर्षेयर्द्धा रेदेर्प्रश्चरवेर्वर्ष्ट्रियं केत्रियु वर्षे । र्यत्वरु व्यवः त्यहः कर में क्रिंग र्ट्रमा हीर भे गरेनाया थारकना युवा करा ना रामा खड़र दा हुता हुता ता वा मर्दे दर तक्षर कर्द विद्) हे त्रवामभयाउदम्व वद सद्मे का यदे दर दूरकर था वा ते मवरान्त्रा। प्रदार्थाः इसराक्ष्याः स्टर्याः वर्षाः तर्वादित्व अरादर ह्वा (वहवरा) यहिने 'दन है। हवरा दरवडरा देर खरायर स्वा स.चेशयास्त्रासा द्वी करा त्या स्वाद्धार पर्वासी र दि त्वादी र दर की र विकार मार्थि के दे र दे ने की स्वादी स्व 

मिल्लाहर्में स्था है। त्ररथर्गे। ह्यालेश्यति अर्गाओं अनेरारे। । ह्यातस्य सारति स्त्रीरह्या अनेरारे। । देवात प्रायते । श्चिर काम्या अस्तरे । की त्रांत्र मार्थर (क्षेत्रर) मुन्तरा तर्मन्त्र। । त्रांत्र विश्व वर्षा वर्षा वर्षा वे हैं व दे रिवार के प्राप्त के रिवार क श्रीर र ने अग्रेशिय विशा रे श्रिम श्रीर । हिंदा ने प्रमान में प्रमान में या है या हिंदा । हिंदा तथा है या देखा स्ता । क्षियां स्वालक्षा देस्य हरा । १५.२८ हा ८व लव में १ । अव ववा में यस अर्गे व केंग्रा (वर्षेत्रा) । क्रियाया त. ये. यूरा वि. व्याया विषया विश्व विश्व विषय क्रिया कर मिन हिरा । श्रेन्द्र दशकास दावार गर्द । अभाकः (वार्यक्षकः) द्रभाता मुकासरा वर्षा थर देवां शक्त रायं वर व्यवसा । तके भर देवा याँ देहा । दवा प्रयं वा वा सम् नथःष्वरदा विम्ख्याष्ट्रमाध्यक्षत्त्रुद्धःश्चरदा विकास्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्व क्लायं ह्यारा हुर हो। हेन्यारा तर्य विदे त्यात्र ही कुलायं होरा विदेव विदेश तर्वर नुकारानुकारावरा) । मर हरा ता कावरा भन्म वरा स्टार । मरस्पर के व स्पुर वरा स्टार रंक्तार्यका विवादिका विवादिका विवादिका विवादी वात्र याविश्वस्यां भीर्मे अना विशालवात्यां सर्मे स्वरात क्रिंगे रिशार्श्यम् अनि (क्रिंग) र्भवास्त्रर्रदर वक्कर्त्वरं भाष्ट्रवास्त्रह्या विष्ठित वास्त्रेष्ट्रवाह्या । द्रावाः विष्ठाः द्रावाह्या । द्रावाः वास्त्राह्मवाह्या । द्रावाः वास्त्राह्मवाह्या । द्रावाः वास्त्राह्मवाह्या । द्रावाः वास्त्राह्मवाह्याः वास्त्राह्याः व क्षे द्वा मुक्त रुवा रुवा देंदर । द्ववेर रुव दुवा वा मुक्त या वा रुवाया हैर 目の一部多知可以表出的的人人。因的「」」まで、日野の、公園日、加州民人、人人、国的」 विराक्ता । श्रीटार्गारारमतायहुरामुक्तिराधेत । स्वर्क्ष्यमदताधी (धीता) श्रीकरातहुका। क्रार्डियां विद्यान्ति शु. प्रदेश (देश) पर्देश मिर प्रप्रायां क्री या मिरा विकास विद्यान प्राप्त कर्मा विकास ल्यासारमा क्षेत्र थात्य । द्या तक्ष्य भार्य सार कार कार करा। रेटी । यसका स्ट्री रिकारी स्ट्री र्ग्यास्तरमा र वयम् द्वारा तर्वा क्वार्य त्यामा । तर्म र त्यास्यास्य हे रहा म् स्वाःशःस्वरःग्रद्वस्य वर्ष्यस्य वर्ष्यभ्याः वर्ष्यभ्याः । वर्ष्यः । वर्ष्यभ्याः । वर्ष्यः । वर्ष्यः । वर्षः । वर्

द्रभामितः श्री द्र केर मिराने करा हुर केर मिराने हिराने ह

नवंश्वरा (द्वःयवा हेदःयवः)। कुलायते ह्वायाता न्यातः हिर्द्वराशानायाः व्यक्ताद्वरः में हेर्यते तरा के महिम्मदेशेर्यते हूर तक्षा मत् हुरायने तर्के त्रम् निर् रार्षिकां भरार्कुतां वरेवाव दावरायर वाकाला राष्ट्रां दवालवा स्ट्रांट्र ताविका केराद्वीद यालक्ष्यां निर्मा के विकास के विकास के विकास के के विकास के वितास के विकास रमनार्द्रे द्वः र्दे देहत्वाधाराष्ट्रेशःदेषमञ्चरम् सदद्धः मुद्दरमा द्वाराष्ट्रका थेव। महार्यनानी सतायरबीनी रामुनबराहमायमाना दें वादहादमा मन कें वासहातमा के वासहातमा ब्रुव: या अट. ब्रुट: ८र. वर्ष: ८ट. र्डे. व क्रिया । ये अ. त्र. दृष्टी के स्थाता करा दे विता हर. उत्या विता वि मन्द्रकेटा राटा होने के लाग्या रहा ता होटा होते हिंदी होता है। यह स्वता होता होता होता होता होता है हिंदी हा क्रियम् के प्रमूल व अर्थ के रव के प्रदान क्षिय प्रमूल के अ.ज.रम.क्षेत्रकुरम्भेत्रमाहः (मैत्रक्र)अरद्याम्यारं वर्षाता रवःवासर्द्रमेत्रः क्षे. रूपारार्गराष्ट्र (मण्) मेला अरेर. रूजिस्री क्रिया में या प्राप्ति प्रिया में कुन्(वक्का) मेर द्वायते भुन् । विराधि । या वरकाश्वरवा वेता यते आर बेरवसा क्रायम् स्वात्र्याः त्रेम्हरात्वाः तर् सम्बद्धाः स्वा । जि.स.इ.से. हें। हें। हें भूके श्री.श्रे.(अ.स.) मैंडरा. में। स्वभाष्ट्रा राष्ट्रया र व व व व्यूर्ते। क्रियाच्याः श्रवाः भारत्वेषा शायाः वृत्रा । त्युः त्युः भक्ष्यः भक्ष्यः हिराकीः हा । त्यः वेः राष्ट्रांवर्गार्यात्मा विवर्धित दुस्यार्धिका स्मार्वरम् थायत्वाविविक्तविक्षेत्रे नाम्यास्य वर्ष्यास्य दिन्ता है निमाहा दे देशम्य वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा देश दर्श दर्श वर्षा वर्ष अ. या वा ला देश हैं . वे वह स्था है। वार्वा शाना महावाला । अ. कवा श्रेरा चा वा ला लीवा । क्षेत्वरायम् भीति । द्राह्म में क्षेत्र । द्राह्म में क्षेत्र क्षेत्र हे में क्षेत्र । द्राह्म क्षेत्र स्वा जाबरकर थते तासस्वताता विस्तु अति । तर्त्र प्राप्ति । त्रास्त्र वार्षिकेट की ही टकेंग्राता । श्रेर वर्य पति होद की जाया हुया दे। विष्य द्वार वाका करि कर दिर्देश स्टाइलप्रति मेर् यं न्या व्या विवा विद्या विद्या विद्या तर्या दे विषर त्या स्ट्रिय स्टाला स्वार क्रिया मेर्दे । वि त्रार्थ (स्टलाया) होवायति वर्ष द्वारा विस्तास्य द्रश्वानानाम् । स्वित्वानाम् विद्यानाम् विद्यानाम विद्यानाम् विद्यानाम विद्यानम विद्यानाम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद श्चरक्षेत्र। किरालाचार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् द्रकिलास्तरहर्म्द्राच्या । व्यक्षित्रम् क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक

चितान्य स्वीत्मक स्वार्थ स्वित्व स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वित्व स्वार्थ स्व

पालाश्चार स्थात् द्वार का स्था तर स्था हित में द्वार के स्था तर स्था हित में द्वार के स्था तर स्था में स्था के स्था क

स्वा विक्रा स्वा त्रा त्रा त्रा विक्रा त्रा विक्रा त्रा त्रा त्रा विक्रा त्रा विक्रा विक्रा

मि.हार.पा जिथास्या.कुर्द्धा.तश्, अववं.परं. गर्त. में हिंदार तर्वे में प्राप्त कर्ता में का का के कि कर स्थानक वन्तरा तर । विश्वर हिर आधिव के अवता । त्या वक्षर अक्षर रेखें. स्वायावयात्यः। |इवाद्यायात्रके(ता)स्वतातात्रः देत। । महित्सम् स्वयं द्वास्त क्षत्र के का (ब्रुका) प्रभाग न हर्द्य (अद्) । विदेश नक्षर स्वाल की द्वर विद्वा विद्युत् चला कें, बाच्यात (प्रात) करा एकर। सिंदित केंद्र श क्या साला करी विद ख बेंसे थे. चार्चेवाघटःबाटःदे। । तर्वे वेवार्ग्या बिर.ए. यार्गर (प्रवासा (प्रवास)। । यादः वेव व ही व हो। थवाय। विक्रिय तर्ते महरं (मर्ट) ता श्रुवा द्वाया। विर्वा राम प्राप्त मिया मेरी। राक्तिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के ते । विश्व विश्व क्षेत्र के विश्व विष्य विश्व व नेता भिर्मेर्या (वर्मर्थ) हुर लप्दर्मर (वर्मर) लप्दर्भ । द्रमार विश्व मेर विमार्थ के मेरा नास्त्रीर यास्त्रीर देगान्यास्ट स्रॉववा । द्यवा सुम्म महाअवा को वेव वो । येवाद्यम यास्त्रीता पर्वरमञ्चायार्। ।तराद्धस्तरम् स्वराष्ट्रम् स्वराष्ट्रम् । इत्यवरा स्वराधन्य । रहेर्ष्ठवरा त्यर्वराधः (वर्षानी) द्वाया । (अ. प्रितेस व रोरस्य २ १८ १८ १० । दारस्य विति व्युष्ट १८ । त्युरायति द्वा क्रे.से.केज.८८। । यश्नांतर, धु. एवेअ.८२.फि.८८। छिअ.वे.ए.८ता. ४८.८८, क्रि.वे.ए.४ता. भूर रहे)। विल्येय (वल्ये) क्षेत्रवहरा हे में सम्बार हो । या मन्त्र हो रहेर में में में रेशुंवासीरार्थिया राज्यरार्थे। व्हिंदाश्चियां वारार्वाता हैया। विवायका व्यापार्थे र्माभेर। ।।उराज्यस्य १८ १८ मार्थः स्थान्य स्थान्य । स्थान्य शालखेला । यह गरार्ट हैं लखेला ब्रिया शायेर लेब (देवाल देर हैं लखें का क्रायेर लेब) । विद्वेत याद्वःक्टरवर्द्वात्रेद। रि.४के व योवाक्टर सुकावया स्ट्रा वितर्दे योवाकरत्र राययाथेवा। म्डे.(ड्रे.) शुरुतार्ट्यके.(र्ट्कर्) र्टरावराजा के.यूर्वरायमितामुर्वराम्प्रेतामु र्वे देश मस्तिवतात्रे । एहरवर्गर्विव राज्यर्ट्वा खर्। विरक्ष स्वत् क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका कर्रदेगांभर। १०रे (हे) हीरयह रथह वर्दर में में ता । निवान महिलाता मर्दरेग म्रेरी विस्त्राधिदक्यार्यः संस्रेर्ज्या रिस्ट्रेश विस्त्रा विस्त्री विस्त्रा विस्त्री विस्त्रा विस्त्रा पर्दर्भ वार्ट्र स्वाष्ट्र नेम्बा । त्वा अर्द्ध कुर वाडेवा कर सुव द्वा भेरा । १ इ व छे । हुर हु। लाश्रुव। दिन्नेवड्डावयारी पारामेर्ग ॥वेमस्टराष्ट्रवायां मेरारे दिला हेरा कृता यं त्रेरक्रे थर मुनायारहेन यायरि रदन्यान पुरयाय। द्यत्वर् मुग्यायया (गराव)/२८ हीर या इस्रायकिष्ठ पार्ड ता हुवा हुर गुरा (वृदा) १००। दर ना वुरम् १००। अर्याश्रीद्वर श्री बिट बिट तर्र त्यार वाश्राव मेंव (अव्वे) रद्या हे व विदा सम वर्षे ।) ह्युष्टाला हे व्याध्यातीय नेदा । ह्या (930)) ण्याम्युर स्वावभागामतः तेव। विभागमानामातः द्वाराभेर्यायः । श्वारोवायः

) वाशत्य यर.संदाप्तशतावदात्वे । यर.संदास्त्रेरताभाषात्वात्रात्रात्री ।श.एव.तासयाविद्रह्रूट वरास्त्र। कि.वार्ष्ट्रिश किरवर्षेत्रहार्षेत्र विकारत्यात्र विकार विवेश (प्रवेश)यी। र्दर्र ग्रह कर्रिर-ध्या राष्ट्रभी । शुक्ष हैन एहव. राष्ट्र मिन प्रदेश विश्व हम है सैव. स्वाभ्यर्र । । याविवायरके रावमा । शे त्वमानेरायरे वारवामेररा । वारवायां वर्षीः राक्ष्या । तह्यासीटक्यायां राद्यायावी । वाखवाराविकाच्यद्देवाक्यदा । द्यास्याक्षां वी वः ब्रैट्र्ट्र। ।श्रीट्यां श्रव्हर्यं यात्रवः श्रवः श्रवः । ।८भन्ने वा वान्ने वा याद्यः श्रवः श्रवः भरवावा। ।वर रा. या अ अ की त्या प्रमेर देता । अरहे प्रांती ही त्य अ बंदा । रंभवाह्मा वार्ष्ट्र या वास्ता (म्लाम) परी । नर सेर केपाय (म्बाप) अध्यय है। । रखन न मर्ट केप सेर किप ही। वर्दर ववात्रकेत्रात्रम्यवार्व्ययाद्वर। । यास्तर्रत्यत्वर, यार्केराशे । पायाक्षरवाहरू हर्श्यार्टा । अवतः (अवनः ) रार्थक्याय सेवरा एह्या क्षेत्रे । रावर्षः मुख्या या व्यरः वरामभेद। रिव हे हर यह देश ला । दर्म हे में खुल व में में लाइया। त्रोभश हर्ण हि. प्रतास्त्री विदया विदया दिया प्रतास्त्री । द्वा वहर द्वा ्वयात्रामाञ्चामा हता अवा कर ता (अवा कराया) कर। दि श्री र मिर हिशायामा क्या हिना (१) वि । या ता वी । तिक्षर काराय देश रह सिर्नेर । १३४१ तवार वर्ष ता हेवा तवार वहुवा । शिर ्रिक्षिक्ष्य। क्लार्ट्स व्रद्शान हुँ रोभवादी । लाइसा झार्य दर खुवा नेरा । नेरा तवादः 1959 दलालक्षेत्रात्रकुरात्रका ।द्वायो विद्यायो विद्यायो विद्यात्रका रासिक्षा हिला हिला वर्ष । वालितिरयवया मिखराता । वर्ष (वे) नामनाराक्षेत्र मिर्यवार्थवार्थवाद्यवाद्या । त्र्याः (द्याः) यथवाक्टर पर द्वादेव देवावेद। । देववः कर्शिचए से ग्रेड्यू पर नुरा रिष्ण ग्रेड्डिंग्ड्रिंग हो गड़िया श्रेशिक्रिंग । म्या (म्यारात्रः) राश्वितात्रका मिया (म्यारमण्ड) हुवंदयर हरा श्रेया विष्यात्र । क्षेत्र । क्षेत्र । mine of उटवंशक्तं करे राज्या । अताव वटाम मेर्गिय हेर (गहेर) वसार गर्मे । याव वहा मड्यास्यायकारे स्था । अद्भवासम्दुर्धा स्वान्त्र । अस्तरात्यस्यवास। करार् कराराहें में करा विता अदम वितायहर में बेंगा विश्वरायते केंद्र के में खेत द्वमां विभागायायायाया दिरासर वर्ष राम्नी हेना है। वारोश सर भवी वार हम विभाग्य 에 (UBE N) 03. 로드보다 (의로 (BBC) चारव विवाद्यां विवादिया । विवाद्यां विवाद्यां देश विवाद्यां । द्या देश के विवाद्यां वि म्मरा मित्रार्गरक्षात्रकेत्रीर विषेता र्रा स्ट्रिय विष्या मित्र स्था विष्या मित्र स्था विष्या विषया

एवाएन्य वहर यहता के तर यह तर है की विक्रकेश विक्रकेश केता हैंग.

|श्चीत्व्रिंगक्रदश्याक्ष्रेत्वाक्षर्व ।श्चिरक्षेत्रस्यद्वद्वरत्यद्वरत्यद्वर्ष्यः शुःलामहेश्यम् दर्वा (अहूर्)। रिराव अत्यति सृष्टिया यहेश यह । विमाय वर्षा य्यव्याद्यक्षका स्ट्रिक्षकार्या विदर्यवाया के में से राजाकारता विदर्य करें दर् में में में में भार किंग भए में जाराया । का अक्र रं लाखर कें लिं) विराधावी में द्वार्यात नाथा तत्वा । अ विते र्येव में मुं मुद्र मेरा । मत्र मुना मुद्र वर्त तर्म अर्पेर । यात्राचारायित्यत्यं । अववित्यम् वित्यं स्वर्पे । विवरास्य स्वार म् रातास्त्रास्य । महीदानुरि वदानीना (ने) यदानुद (हिंदा) द्रा । द्यतः वर्दः ह्वानीः 大大・聖人、東·(知東) | あり、大大・「京野の、大大 」 あって、「あって、「大大」 「あって、「大大」 「あって、「大大」 「あって、「大大」 「あって、「大大」 「あって、「大大」 「あって、「大大」 「あって、「大大」 「 राम्यामिक्टर्यर, ज्ञानाम्यापर्ये । राष्ट्रमानाम्याम्यान्यान्याः प्रमान्या । राष्ट्रमान्यानाम्यान्यान्यान्यान्य स्रवास्यात्रं व्यतः त्रात्रं । । त्राराम्या । त्राराभवात्रं व्यत्यात्रं व्यास्य । । वरा के त्यां रखेरा ल. परेच शिक्षणचित्रः सर् हैंचा जा परेच विश्वराह्म विश्वराह्म विश्वरा । हिर्यावशक्तारातः वर्षत्वरं प्रवेता विष्ठायार्थः रदाशः व्रवेदित विवाद्वरः वसायस्यायः तर्व । तर्वरायसम्बन्धः द्वरायसम्बन्धः । । दे अवदायः श्वरायस्य वेशता । श्रे. चार्याकरशास्त्रान्ति होते क्षेत्र हाते हितालानी । श्रेटरदात पहरिहिता स्वानुशन । विरक्षित्यत्वित्यात्रेवाकात्राक्षः (अक्तः)। विवान्यः (वि) वर्द्धानेताः सि यद्यात ीन्तुःसाअत्याद्भयतिक्षात्त्रियास्त्रसाअतक्ष्म) विभवन्द्रित्याक्षारः । त्यान्त्रमः

स्वरापर। किंत्रानावशास्यायायायात्रान्यात्रा । स्वःभरोत्यायायानार्यम् नेद। विर्यद्यतःत्ववायतः का तक्षेत्रदा । स्वर्यः स्वरं नहस्यनः विवः ते। यदः । । देन्ते " अर.एक्ट्रत्राचावयार्य । एड्अक्ट्रास्ट्रिट्यरक्षेत्रक्ष्यायाः या । व्रिवारक्ष्यराद्ध्याव्यरायः यूर् दे मेर अर व हे से में हेरा । जायकर ये बीर राग मरथा पर्द व विकास। । ये केर ये खुका म् हर्मेन्द्राता ।वाक्षरक्षिमवाक्षितार्माको वर्षशाता ।रक्षेत्रवर्षशायां वर्षेत्रवर्षातां वर्षेत्रवर्षातां वर्षेत्रवर्षातां के अर.धेर.में हैं अ.ज.चर्या विवया करकी राष्ट्रें में र. (श्रेर) रे.वरा मा रे.मेर.श्रे हैंर एकर (अक्ट )ड्याक्षेत्र) हिं (ह्येट) में बड्य हैया है देव राष्ट्री । र त्रेत्रभया वर्षेत्र. विदेश निष्याया । तहीट त्युकाश केरकार हिर्मर नेता । देशेशयक्त व्यवद्वाभेता । रश्चेत्रप्रशास्त्रीयः दुत्वद्रा । याम्यापारां धेवयवन्त्रवावयाः स्टा । तावात्वेवष्टावः अहरवराक्षरा विश्वास्य क्रि. राममाना । राजा विश्वास्य विश्वास्य याम्यान्त्र स्वराख्यान्त्र त्यर्। विर्वत्त्र त्यत्यत्त्र स्वराज्यः व्यत्यस्यः व्यत्यस्यः बिराश् हिया । इव्वेर्ण्य अस्तर संस्टा । निर्वयात अतिहास्च वा.सं. हिया । विवा द्यान के अर्द, श्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र (अग्रम् ) र्यूट्र (अग्रम् ) । अक्या द्यान मिन् । अक्या द्यान मिन । अक्या द्यान मिन । अलबिरदेविकाल । भ्रान्यकुराकून राप्तु हैलादेविया। रिक्टिश वशका नद्र अकुर लाम्यूका। र्ग्याश्चरारातम्या (म्या)क्षणयायाया स्वार्थर्ग्याकरायाहर रिकारेर मक्रें देव दें के सम् दिवाचेरहर शुरु दुर हर हर स्वायादे रद्दा की रायमें द्वरा। कार्यर करायते स्वराद्दा राया कार्य देवदुर हे खुव नुवाराष्ट्र श्री वार र विवा वर विवास मुनायाय दे त्वा कुर सूरा वाध्य वा वान्य रा वहरा ख्याडेर'यर'वर्षेक्षियोर'व्यायारुखिकरार्यो |रेर'हीर्यायम्भाकित्यहर्ये। कुता むかられある。日のとう、人は、とは、からして、ころ、ころ、ころ、「日、「日、日本では、」 29/21 यरान्त्रास्यारा (क्षेत्ररा) याथेव। दिन्द्री मृत्तिरी यरे खुरा त्या (के ता) नर्से द्वरा सर्थे कूर महत्य। यविश्व क्रियं क्रिय ह्रेर. घटना छर तमार कर ए ह्या का का मेर हर करा मरी के वार्य था वायर था मार साम्रावर्णयर दर्दा ने रक्ता रामेर मिवता विवर्त में पाराह सेर वी (र्थ) माम्रावन चाववाकी सेवास चया द्वार ताया क्षेत्रवा द्वार कर कूर चार हमा विषा के चावर द्वार क्षेत्रवा रेथार हैं। हैंर या है व व व करां (हैम केवरां) हिताय केव म केवता ता है र वता खत्र क्षित्या राज्य राज्य हे.हेबड्ड अराज्य अर्थ हेरी तर्च या है से व रहेरा व्यवन स्थित

स्यायते ये निर के मार्भ की कुंवा हरा यह तथा या वह के र यह तो कर ताम दह के व と、2014) 届かのだくなく、まかいかは、ありは、更いないので、なるの、よう、はいいない。 अक्रेर्यन्तिन्द्राः शेषुक्राः तर्वा त्रुवा श्रास्यायम् द्वारा वताने वाक्षेत्राः सर द्वारा स्वा क्रिअर्ट. कु. (वर्ट्स.कु.)र्ट. धुनाराक्रियाम् स्वावद्वद्वद्दा स्थान्त्रक्ति हिरावु स्टार्कित म्लान्यस्वरा राव है। दिले नेवाने यार के तर्वायस निया यति स्वाय प्रेय तर्वया हुर (रहर) व वरवरा कर वेश रहर (हर) । अही रभवरे आदे र भर कर भारते । दे अर्थे, रेमचे, जरकी रव. के व्रंथ (मर्थे,) रा. के वें बेंदर क्षेत्रवं भाववं मान्ये क्षेत्र रे व्रंदर्श विवादा में केंग्राहु ऑर स्वरा में राम हिला हैं हो है ने के राम है रा के राम है राम है राम है राम है राम है राम है राम किनिट वार्डिन हिं सुराज्यायायायायाया को या दे त्या दे त्या दे त्या स्वास्त्र के स्व वरादे वर्ववा कियायकेवय स्वराक्षिकराकी ह्या स्वराक्षिक वर्षा स्वराक्षिक रास्यविकिताम् क्रियान्साराष्ट्रम् हिन्द्री कुर्यायरित्व्याम् स्वरा श्राम्याः व्यापा दे तर्णायवर्ग के द्वार्वेररा यहिका के प्रवा (द्वाय) दे द्वार के तार वात वित (वन) रे'रवारम, पुराक्ते हेर राज्याम अन्यवाय राज्याय राज्याय अध्या हेर ज्ञा (क्षेत्र) हैं हुर अर्' राशास्त्र श्रेष्ठा (अक्ट्रेरअय) क्याचा यर ख्रेष्ठा रास्त्रेया मित्र विश्वे हिर दे से में प्र ताअक्ष्या । वर्षक्षेत्रक्षेत् निहा अर.सेर.देरे देवारा.क.मी.वा.चर्रावा में प्रदेश में में पर्देश में में पर्देश में पर् इक् द्व मुक्ष ही (क्रिया) स्व लिवयान्या तहें व्यापति द्वापा दर् सुरा वर ही कर्ने पार्ट हुट ने न दर्भत्यां मा अति तथ्या हर या राष्ट्र राष्ट्र । श्रीट स्वामा सुर भेषा में वा में वा सह वा मा वाद्र्यात्म्रहर्थहे भवलार्या सुर्वे रेलाहिरारग्राववा अदेशला सार्वे वालानेरा श्लाला देन:बॅर्बनलानुन्यस्थादरदेन:ध्यर ह्यांन तहलानेर अके यानन दू न हेंद्य 大いろうなく、近く(多) 到·くか、いか」、(山田林) 子のナ、白田(大田) のく、えか、これ、田田(日) ्रष्ट्राय्यादराच्यावर्गावाष्ट्रेत्रुं अयार्थ्यः र्'द्रावेद्रस्ट्रायार्श्वःतायव। दर्मद्रस्थाः मभराखर, करकर र्षेत्रप्र, वयाए ख्या हारा हरा तर करा केता तर ही में क्रियेंद्र, वर्गरदर्ध्वाववदाक्षिक्षारुष्ट्रा तवातत्रेक्षात्र्व्यस्त्रेत्रस्त्राद्धार् क्रा श्रुव चरुरात्म वरे दुर्वी श्रवीय दारवाय देर (अकेर) १वीय। सर थर हीर

K 33'21

दवःयतिः ताषुताः दरः श्रेष्ठेद्रायवःयाः तरिः तर्शेताः तरः वे नः हैरः त्रिक्षेत्राः (व्यक्षेत्राः) वर्गवरहेत्। नालभ्याम्यस्य छर् रहा मेर मा स्मा हेर हेर सहर लहा रहा ना सुका अवाया ना निवास में अर्थ मेरी शर्यश्रा राष्ट्र रू.चेट.चुक (चे) वर्षेत्र रे.धेव.रा.रेटा हिरश्च.चेश्रास्ट्र श्रुट्र हिरशः क्रा. ह्यूव,रर. द्वव,द्वर. ही. १८८० हीर.श. रचए. ही र.इर. ही र.वर्ग. वशनान्दरं ही. (हुम)वसेता. न्यं के वर श्रेव सदर लट्यं (लूट) त्यारा स्वी कर वर के सकट हिंद (रहर) वेश वता। श्वाच्यास्य देश श्वाचा या वायवा वाय (वी) यद तिवाय ता व देश व वाय भवाय पर का लार श्रेर श्रेर हैं से दरे नित भवश देरे विर व श्रेश श्रेर हैं हैं र व की श्रुव मुंबस्वरा रर एहंद्र असे हेंचा सुव। दुवासम्बद्धा यह वाह्य हैं ता हुआ है। ता द्वर पति से बादर विवाधित हीटा हे किया ये विदायक त्वाया दुवाने वावायया यादा तरे हरादर तरे हात्ये सम्प्रास्ट्। त्रायद्र, क्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षा केट्यां स्ट. वर्षः वर्षेत्रं (वर्षेत्रं)। हराराक्ष्या अस्त्रेत देव स्वारा अस्ति । के ज्ञान का निर्देश अस्ति । अद्येत द्वाचेद स्वार्य । मारत। भूवः मं न युवः तर् हेर् वेर् यर्थर यर व्याप्त अक्षेत्रः त्या विते। मार्टर वन रेर.के गरा.इ.रदावारार.के.बावुश.कैंदान विवासकेतात. व्याववरायर.वेरी उरसेत. सरामारा कर त्या त्या विवास सिरं स्यूरं दुला दे स्था है त्या है त्या है ते दे विवास सिरं यन् मिलासमा प्राणात्वावयात्रका अद्भारवार्यात्रका विस्तान्त्रे । विस् स्वराराते ख्रास्ट्रिंडर खेवरावरा तकेवरा (केवरा) कर में र किरमें) ये र में र खेर र खेर ये र खेर र छे रार्ड्र क्रवमा क्रवमार्ट्य द्वाद्वार क्रवमान्य क्रवमान्य क्रवमान्य क्रवमान्य क्रवमा \$ 01.57.89.51.87.684.41. 41.89.5.87.184.594.26.27.384.78.21 केन वेर यति क्रिट हे केर वेर ग्रुटल-नेटवयायावत पूर दुते हेट तह व के रट हु खुर देश कारत। हिर्म देश अर्थ देश क्षेत्र प्रस्ता में प्रस्ति प्रस्ति है। यह का स्ति है। क्रेंग्ऑर.घ.रद.विवाश्वर, वक्ष्या वेर.श.चर्त्रेण.आश्चर,रारशस्वाश्चरता क्रेर.घरव्या। tostretch. न्रास्यार्गास्यायात्रास्य वार्षियारान्त्रेयानेद्रास्य स्वरास्यानेद्रास्य स्वरास्यान्त्रास्य स्वरास्यान्त्रास्य उन्नावका अवया में अवता में राम में राम वा मार्ट्या में स्ट्राम ता में में राम वा मार्ट्या में राम के मार्ट्या में राम के मार्ट्या में राम के मार्ट्या मार्ट् रतिर राष्ट्रिया क्षेत्राहरूया क्षेत्राहर हेतर केरा निरम् कार्य कर कार्य हैत है। विराध मूनायति अव यासेट (लट) दुशासेद। । अता देवायति (त्वेवायते ) तद्य मुक्ट्रिया द्वासेद।

ब्रि.श.८९. ए यू शक्ष्य स. है यो.जा | ब्रे.८४. च्या च्या मार्थ है । क्रि. अ. हता जा क्या

सेवाःसवायरः वी तहिंगारों दे

ल्यर र्वा करे। इंका र्वा वरकी तहुका नेरारे। । रचव श्रा बका तर्वा वह व विकास नम्या । श्रीरव द्वां के ता अख्रा दियारव दिया था सामा विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया ल. ब्रिटी । स्तराया अर.स्य. अर.स्या ब्रिटी । रे.रेट श्रेअर अर्टर वार.जा । दे. जूरह अर्थर रेया दसर्थर। विदेश्वेव तहार्यास्त्र स्टाले स्टाले स्टाले स्टाले स्टिन हिराहुत । दस्वे अरात्क्रीर्या हैर (गहेर) वसकेरी । स्वादीय संतर्भ तर्वति क्रवाह : स्वादी दिते स्वाह त्यापा कुक्तायंद्र। । मस्दर्यक्राद्रातर्भेष्ठस्यात। । क्षेत्रात्वरास्वक्रसाया द्राद्रगर्दे। । महिवानास्ट्य वर्षेत्र वर्षेत्र तामास्ट्या । १८८: इस्तायात्रे केरे वर्षे (महेर)न्याक्षे मल्या । व्याप्त महिर कार्र कार्र कार्र कार्र कार्र कार्य र्मित्रवं विस्कृत्येत्र विद्या । वित्रवाधियाः अर्थवाश्यायाः अर्थवयः । विदेशहर्मि क्रियायान्त्रा । क्रिटास्य (क्रा.ह.) मी द्वारायस्य हाला । नार्ट्र क्रिटा अधिवर्षायस्य एक्रवास्त्राहरा। ।आवर वचर दिवा के त्वाहर स्वाहर । क्रि. व न्वास दिवा अमेरिया हिल्कीयत। विक्रिंदिन देश प्रमानिया है। अदल क्रिया दे दुस निया विकारिया दे अव भार्वराह्म (रवर हा) त्वावा ता देर। विश्वर हेर भेवा रे के वा (वर्षेत्र) वा रहा। कं छोर्थित वह मुंकर । विषयिष्ट्रियेर यह क्षेर्य मेर्या । वर्य क्रिया । वर्य क्षेर्य स्था क्षेर्य क्षेर्य रक्षवार्यक्ष्यक्षेत्रवार्भ्यः वार्ष्यक्षेत्रवा हि. त्रवा (० ववर्षे) । वर्षाः तवा द्वः वर्षावर्षः सः हिर् रयत्त्रमान्यात्तात्त्रम् स्टराय्ये । व्यक्तर्वस्य स्टर्भावयाता । तर्तर्रितर् एहर शहर ते। रिन रवारशा शिक्षि तर्वार मार्थ । विर नर दार वारी भारत है। यराव (गर्मव) ता खर राम्यर। । खर खंदा कुरियेरर सुना ताने। । मर्मव (गर्मव) अवः तुमा अर्के ते वर तरेन अवस्थि हेरा ॥ म् अरम्ब्यावशास्त्रिर्वरावरः तहेद्राम् तार्वा स्वाराधार्या द्वा अक्रार्ति त वा वा र्वे भवम (24) 1里のなれば、いいとなく、から、とかいくと、は、とうは、一般とくとは、からはない。 वसा । तर्रे कर्या यादगर्य दशकेषाउव। । दश्य दश्या मा मुं धरसादशं धर्म। हे द्रम्भुरानुते ग्वारालाञ्च । अर्र्यात्रा (त्रा) थाः यान्यान्य । त्राकेश्रान्याः (अस्) क्रायान्त्र। ) द्वारशयाना मुःथद्वारी भीव। । देन्दर क्रियानुरे व्वावासायक्ते) मेराक्षाक्ष म्याराया राया रहा । वे वे मध्य राया से व या रहा । । । साम्यक्षे अर्थ व र्ग्, रद्र। । एड. र्या श्रेट वर्ट रें वर्ग रद्र। विवय मंत्रा मनर राज्य पनर राष्ट्र

र्ने द्रानिक के निक्त के निक्त

है. चारान की, जा चारान से दशकेट, हुरा नक्किन ने स्ट्रा के स्वार्म की, जा चारान से दशकेट ने स्ट्रा की स्ट्रा की साम की साम की से साम की साम की

अ.चार्ट्रे ग्राम्बन्थरा.वर. यट. स्ट. स्ट. म्य. ग्राट. व. ववसारद्वाता हिट.स.त्री. क्रांक्रीवे.व.

दबक्रिशब्रुब्रिक्टरतिवाकार,त्र के धार्य,दर (के अव सर्दर)) युव्यक्त दक्षातावार एके प्रतिमान

मर्गरंभेरा भेशभवन तथा द्वारवराम वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे र्यात (यय) सरराक्रियाकी विदेश ते भारति राति विश्वास तर पर्वास र्यात स्वास स्वा इर्.शुर् नक्षित्ववराद्दवा। द्यूरम् क्षाद्वक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रम् अत्रह्द्त्यर् द्वात्रम् सु वारुगातावायरवाय। र छर्रररर्यवनारुवारी स्वान विवा अवार्य में स्वान स्वान विवराष्ट्रे देवारे व्यद्भ अहर्यमा ही रहेर्भ अख्य देवार्य खर दे खर वर्ष देवे के बीटाता अ बा का हर तर् वर्षा व वर्षा ता अ बुद्र वर्षा अरे रे तर् को अध्या वर्षेत्र नेता तके केर द्वारा में वर्गाय राष्ट्राया राष्ट्रेष्ट महाराष्ट्र होता हो हारवाय रिक्षे र्रोट्र यते स्थला तर्ते से मंद्रां । द्रान्य देश हें के स्थल के अपने प्राप्त के अपने प्राप्त के से मंद्रां के स र्द्रिया स्वास्ट्र वे भेषातर्देर क्षणसहय अहिट स्ट्र रे हे हे वे हे से दर अव पाय र रवाः नरको अग्रनः दुःरावा । देनः अरवा वारदः दवाँ वा दरः तरे हीवा क्रिक् व स्वा (० स्वक) ह अवात्त्रक्ष्यात्त्रहर। र्ह्याक्षर्ड्यक्षात्रक्षर्थ्यात्राहर्ष्यात्त्रक्षात्र्यात् केंब्रेश्नर वी-नेय। देर:नर की या अगल का अगल का तर्या हर छट है तरित हार्व र्रात्र्यम् हेर्। धरश्चराया वर्षेष्ठः (वहर्)या व वर्षे केरा वहर्वे मधि क्राम्याक्ष्यं स्ट्रास्ट नरहार राष्ट्र । अर्थिव राष्ट्र राष्ट्र मार्थ मार्थ । सिर प्राचित । सिर प्राचित । सिर प्राचित । तकेंगर स्वाय रेस्व यारा । भीर स्वाय राया यारा । स्वाय रेते तवेरववा विध्यम्भे । द्रायदेवाकारायाक्ष्यं राष्ट्रेयाक्ष्यं । द्वाराम्याकाव्यायाक्ष्यं अद्रश्यक्षविश्वी यहरा सेवावाराजयार छ रर। दिवाराखिय वयाय हिव हरेंदे। वया खेया वर. लायग्रियेर । रूट यूरि वनास्वास्य वस्ते । व रम्बरायाय मराकार । वना राष्ट्रिकारार्ने खन्निराखेराखराष्ट्ररा ।राष्ट्रे एहिना हेने साम् हा ।र्यने मेराने मेर् (ama), u. and sight and sight and land sight of the sight हिरासन् अवस्वर्षिट (विट) किर्मे अहिर सम्भा रेट्र किर्मे अहिर समान क्टा । अवयः यातार्वत्यं तर्द्रवे । विवयत् अद्वयः अद्वयः देवत् देवा विवयः स्वासाला द्वा स्वास्त्र विद्यात स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र ब्रायिकार्यकार्यम् वर्षः सहर्। । याद्येत्रस्यात्राद्येत्रः द्वाद्येत्। । द्वायः अवतः तर्वतिः मिणायमालवर। । देशक्षेत्रवर्म विकालके तर्देव (प्रदाबर) ग्रेटा । प्रकारक्र पर्य पर्य राष्ट्रका

305

ता ब्रिट्रणवा क्यूट्र के बोकाव्यूटी रिकामका मूर् वेषा कार्याचे । कार्यास प्रविवा र्गर्ड. शर.बंबराजा हर। श. एर्ट्र. ८व. राध. यह अ. र्वेश. र्वेट्र. (व्यूट्स.) श. क्.से.स्ट्रबरा बरकारारे। अंडिर'रव्यारि वयराक्तांवर्यका (स्वनार्यवास्वनायार) बूर्वमार्यात्यात्रा ताता सरविरः । एक् वमार्थिता मार्थित (सेर.) भूष्ट्र । विव क्षेत्राचारीया क्षेत्रभा हुंसाक्षेत्र । विद्याप्त ब्रामाक वर्द्र दुवहुक्त्या । द्वायां के या व वस्याव। तियास्त्रेसम्बद्धः दरःदगरः स्वत्वदः वी सिरःदगरः कूरः यासुरः कुर्युः। नेट एवटल. एक्ने. (एक्ने.)क्टरा. था (क्टर.भा) ता हिर.हैश.ह.चधुप्र.म.एक्टरी मडेता (कडेता) मतदर वर्ष द्वार दे पर हैं पर है पर हैं पर है पर हैं पर है पर व्यादात्ते महत्तुवाताह । दिश्वायात्राते व्यवः (दिवता) तम्म व्यवः ताक्षेत्र। विदेशयात्राति महरा खेनाररा । के भराया तहा वह के में ता । के अरारवा थरे व भूर तन तिन प्यास्त्रा (यहवा स्ट.वयश्रात्य वर्षेट्र) हिला विद्यां करायां प्रवास्त्रा केंग्रा प्रवास्त्रा केंग्रा वर्षेत्र एक र राज्य (अर्थ) विव । अर यति । ब्रैंट के । वा अर र दर। । वा अवा अर वा विवा विवा अर विवा विवा विवा विवा विवा र्यान्यस्य स्वेग्टर् । द्वः श्वर्थारा दः । । श्वर्थार्थार्थाः श्वर्थाः । दे व्यः । दे व्यः । व्यास्य त्याद्वर्थाः । द्वः श्वर्थाः । दे व्यः । दे व्यः । । व्यः श्वर्थाः । व्याद्वर्थाः । व्याद्वर्यः । व्याद्वर्यः । व्याद्वय्वय्यः । व्याद्वर्यः । व्याद्वय्वयः । व्याद्वयः । व्याद क्राका सिंदाराष्ट्र क्रिका है. या द्वा तर्या । दवा तर्य प्रवा है. सूद्र मा वाका । दविषाय्वहर इवसाता होत् (हेव) रामहर) दिल्या पर्या पर्या परिवासमा हर के जा हुर्या का के के कि के जा के कि के के कि के कि के कि के कि कि के कि क्ष्या विश्व क्षा मान्य देश हीता । नविश्यव हे क्ष्य से व्या हे कर होता । तके कर स्वत इववान्याता । अध्यावस्तान्य । विकारक्याक्ति । विकारक्या स्वाक्ती में ता वेब (१व) । १ दि रेव ता व तस्तर यर देव। नेता ने म के द्वा ही हो देव कि ता ए दम्बारा दह देव यह की देवा ता हम देते के वाह ती वाकेश राद्या अहर्षियद्व हो सम्बर्धस्था स्ट्रिक्य मार्ग्या स्ट्रिक्य स्ट् स्मायका प्रदाया से दूरा र् दूरा रे दूरा के दूरा के दूरा के दूरा के ता के शास्त्रका वार्यम् संदर् देवाराष्ट्र वार्य्याक्त द्रात्या अस्त्र है। वस्ति वाम्यार् त्यां के सार्ति वुवास्तारकी कावसाता तरी द्वा तरी है। तरी है। तरी है। तरी है। यात्राचाथा. हि. दर व्हरायहरा सून वहारा हुर (करहे) वरा तही वा वा वा वा वा वा वा

(याम्य) प्रचेतात्री. त्यूरं माज्यद्रद्रः केश मुद्दानाहेशः (श्रद्रः मुद्दानाहेशः) के स्वयात्रस्य हैं

(एडरा)-मेर. उरहर पर रद्यं रद्यं रद्यं महाया में स्वर के सामिर कारोर है। देवा वस्त्री

क्र गर्द द्वा कर सम्मान्त्र । देश वह वह देश द्वा क्ष महिला हो । वह देश क्ष महिला हो । वह क्ष महिला हो । वह क्ष महिला हो । वह के सम्कुल हो है। वह के सम्मुल हो है। वह के सम्कुल हो है। वह के सम्मुल हो है। वह

क्रिकार्ट्स् देश देश क्रिकार्ट्स में स्टब्स्य में सदरा के स्टब्स्य से सदरा के स्टब्स्य से स्टब्स्य से स्टब्स्य से सदरा के स्टब्स्य से स्टब्स्य से सदरा के सिंग्य से स्टब्स्य से सदरा के सिंग्य से स्टब्स्य से सदरा के सिंग्य से स्टब्स्य से सिंग्य से सिंग रद्याचीयायोद्रेर.अहर्त.लहा अध्याप्यां उपया क्रि.साच्या पर्यायाः मु नम्पादारदेवमा विकास देक्यादूरमा मुक्ता विकास देन हि । मुद्र अविकास दिहा कुलग्रेंद्रेयम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् नाभरक्षाश्चारा महित्वस्थात् । मिरम् करेशस्य विकास त्येष तामाना सं श्रदर अद्यक्ष द्वितायो पार्के था। दिशक्षेत्र द्वारायक्षेत्र स्टिन्द्रेत। की तिवास होता । विद्या का दल स्वाही द्वहर्य महीद (क्र.) ) हेर्व हे कर के ता विद् स् किलायहरा श्रद्धा है भारे। दि है किता यूका की वाद का की वाद की सून में त्रात्र विश्व के मान्य के मान्य के प्रत्य के मान्य के मान् वार्यर द्वार्यन्य वाष्ट्र विवायार्थेया । (८, द्वार्यक क्वार्य क्वार्य क्वार्य क्वार्य क्वार्य क्वार्य क्वार्य श्चर्रा । विक्रित्य विक्राया । विक्राया विक्रायाया । विक्रायाया विक्रायायाया । महर्यम्। र्वेद्वयम् के सर्वत्य के सर्वत्य । की निर्धायम् वयाक्षेत्रक्षित्य । क्षेत्रीटस्यव्यवस्थात्रस्य । यदास्ट्रियेदित्रस्य रात्रस्टराय। स्वित्रवास्यस्य मर्था। । मर्के अर्के के परिया में मर्भे प्रथा हर। विवास्मार्था पर पर पर पर पर पर है। निर्देश्यित द्यें द्यें दे तथा दित है। निर्देश के निर्व के निर्देश के निर शें नहित्यम में वन्तरवाय। । त्याययायवायं हरायर सेर। । देखत्य राष्ट्रा सुराहारा । रं वसन्तर्था क्षेत्राता विमालहे अख्या विद्या देन मुक्ता विद्या (इट) ता सहसार प्रमाणि × याक्तर्राम् वर (हिंग्य) प्रमान । जामान माना हर्षा हर्षे देश हर्षे देश माने वर्षे वर्षे मिन्दर अर्डा ।रजावी रमाजावा स्थाने । किलाह्य में जा में गार हैं । स्थार हैं स्ट्रिक्त । द्वारा विद्या । द्वीर परि स्ट्रा स्ट्रिस थिता विद्या स्ट्रिका राज्यदा कियायां हेर ताहें बाहरा अवं हि न न न न न । सार्या प्रभार्य प्रभार्य प्रभार्य

रे। दिस्ता तार्य ही श्वर तावा है सहर। विविद्य विकास करें ने से ने ये ही ही ता

दे। सिन्बरेश्चित्रात्वा है वहरा शुः विकाशक द्वीर द्वासियारे विवाधरूर

্ঠুৰা'

3

क्षा रुक्त रुक्त त्यत कुराय हिरायायर । कि. में वात अवत (तक्षा)रेस तर्व । देलराक्ति

डियालात्त्र डिटारा निर्देश निर्देश निर्देश । स्टित्र प्राप्ति वा तिर्देश । स्टित्र प्राप्ति वा तिर्देश । वर्ष्ट्राहर्ष्ट्र द्वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र क्षेत्रका श्रुवर्षे । द्वादाश्रावत त्व्रेत्रका श्रुवर्षे । द्वादाश्रावत व्यवस्था । व्य

द्व हिर वहेंब यह करा अरा अर्थ हरी । वास्टरहर सर वहा वर वरा ।

ल्ड्यार महाराज्यात राहा उवा की किया के संदर्भ हरा देश ही हा द्वारा व्या संवार्ति । विश्व मार्थित विद्राति परियादर दिया दिते दिया रेशे दे वा हैया ता है देशका वहा देश दर। करोर होर की रामा करें रे म (यतिश्राम्हर्) यार्थर है। दे श्रीया नर प्रदार किया अश्रीदाया है। दे श्रीया वक्षावस्था (क्षा) वद्या दे सवास्त्र तस्या स्वाय दे हे स्वाय स्वाय श्रीटर्श्वा इम्यास्त्रम्यम्यम्यम्। (यादास्यम्यम् वर्षान्याः できからからから、あく、とうに、ありのもの、そうとうできずられている。これできる。 हर रेश्रेश्रेश्रेश्रेश्रिंद्र के यो देश्यों देश्या त्या अर्था क्या सहरे हर से या प्रवादर हामान्त्रेत्रात्रमात्रेत्रमात्र्यं देशं नराम्यक्तं नाम्यात्रम् वर्षाः निवास्त्रम् निवास्त्रम् निवास्त्रम् निवास हिरी चलके एप्रेस्व के अवस्था के स्था हिर से देहिना का में देहित के से प्रेस के से प्रेस हिर विश वालानायावात्राद्वातः श्रीतिवादात्राद्वात्रः स्त्रात्त्रात्त्वात्रः मेंट तहना न न भारते दाय है दे हैंद तरे हो र न विवेश हैं अ साह दरा हो।

स्याम्भावत् वार्थात्रः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं स्वर स्टर्स म्रामिन स्तालक मन । सम्मानिक राम (रम) में मान स्रा (इगरा) धुर्वनित्र । अर प्रतिक्षारीय विद्रा । अवा के प्रार्थिति ही त्या । त्रिहेश भर्भ में र के का लाम हिंदी । के देश (तरेश) हा का हर भरवा के त्या द्रावाता व्यापार तर्वा द्रा | त्रवर भारते कुं माया देरा तर् द्रा माया विकास म्यूर्तिश । युज्ञशास्त्र (अडव) हिटास्वानु र्वाद्रभव। वि.यण द्वी.पामःह नविवःस्ट्रा जिरमान्द्रम् मान्ताः नेन्त्रभावः नेन्त्रभावः नेन्त्रभावः पहुंच-र्यवयं नातर्यात्राव । हिन्द्यार नेदायर नेदाय हो। ये स्वराष्ट्राव होता हो। माझेकारा तः देवराह्य रहास्य स्थाना हिर्वारक्षेक्ष देश केरावा । कुला

रा शक्ष में अवगता | के प्रवाद में के हिंदि के कि में कि प्रवाद में कि प्रवाद में कि प्रवाद में कि प्रवाद में कि

र्शव। माड्यान् वाववनुकी अमलयर वार्डवाने स्वर्ष स्वर्ष स्वर्म वार्डवाने स्वर्ष

10-मेवायाहेकः इश्नित्रकेत्रकारवर्ष्यर वायाता भूव त्यायात्यर वायवात्यर वायवात्यर वायवात्यर वायवात्यर बाराता श्रीत्रा अर्वा वर देने नेता होते। वर्ष से प्राप्त के वर्ष से प्रवासित कार्य के वर्ष प्राप्त हैं। महत्तात्रुवा (केब) ब्रेर त्याया विविध हैं के अति । सार्वा हैं को नार्वा है को रावासाय के अति। यर्ग वर रेंच्रियं में तात्वर। विशेष्वर प्रमितं क्षेत्रं हैंचे हैं तहिल। स्वर् सर्वा विदर्शन्त्रस्तर पहुंबस्या । विदर्श विद्वा (१) विद्वा विद्या विद्या विद्वा विद्वा विद्या **्ट्राय:३**तक्रा हिंहेग.८८.५५.५१ताला.मुन् । अघल: कर्ट्र.अर.जनान:सर्। भूवातकात्रा र त्यावक्षेत्र राज्ये र दि श्वास्य में वर्गाता । रर अक्षेत्र क्षेत्र वर्गा श्वर र प्रवास सेर्वाद्या किरायदरक्तार्वेव सिंद क्षेत्रका हेर्द्र हे अहं देश रामारी विद्वातिया केर् र्वक्षेत्राम् तावया द्वार्यस्य स्वाराम् र यहरा विश्वयाम् र यहरा विश्वयाम् र र र यह विश्वयाम् र यह विश्वयाम् र वाह्रेश श्रु हुव या नम् तो दर्। विश्व दुवे हु वह्रवा ताव ह्वयरा । वा रववह मुखा ताव विश्व यत्रभारतिष्ठ्रवाचे द्वा ह वहव देवरके बुवनाकर रोव विद्या के ता ह तर इक्त न्यान्यान के मान्यान के मान्यान के निया के मान्यान के निया के र्तिक् र्भ वरवर्ति रव रव रव रव वर्षे वर्षिक रमस्मि वरवर्ता वरवर्ति । स्यान्त्र स्राप्तात्वर् हिरायाः स्राप्तात्वर् स्राप्तावर् स्राप्तात्वर् क्रिंश्किष्यात्रका त्रियावयस्य विकासम्बद्धाः । त्रक्षम्य विकासम्बद्धाः विकास क्षान्त्राह्नात्राक्षान्त्रा विकारमा क्षेत्रवात्रात्रात्रा । विकारमा व ॥ डेला झेरडेट दर दात स्वर लाइरा द्या व्यवस्था संस्थरे चारुका चरवे हार अ वाव विवास या में ता वा मुहा वाराय राष्ट्रिय की देवर वा अद्राय दिस अर्डरस्यमाक्तिके देव राध क्राइरिडरायर स्वता हिरास्या वार्याया क्रिक्त वार्याया क्रिक्त स्रेरातकरार्थात्रार्ट्रहे.बाराष्ट्राक्षणाक्ष्ये अस्वाद्याः है.बरानक्रद्धाः विश्वे प्रमान के कार्य के कार के क क्रम्द्र्यंद्र) न्त्रेस् (क्री क्रेंब्सहर) वर दे श्रद्धाराष्ट्रिस क्रे त्या श्रद्धाराद्दर द्राय वर्दर यान्याक्ता मामा वर्षेत्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्ष यीरशे थे वर्ष्यर, दा अभवातीया प्रकट्या पानी र हेवाला र्वा तरा कर की महेंबवलरे स्थाने वक्षम् अवस्थाने वास्त्र हर हर हर त्यार त्यार के रहन वा की अदृ र की कर रवष् वसा यरा देश रिम्वार्गम्यति है त्व्यानवं नार्गम् त्यर ने निम्नान्य व्यापा यथात्रकारी श्रीवाद्यर व केरा तारा वर्षा माने माने वाला वर्षा शर्यायम्भावम् स्वादिवाववाद्यात्रम् दरम्बाद्वः। वार्यम् दरम्बाद्वः। वार्यम् स्राद्वाद्वर्वाध्यायम्

श्रे स्वर करा अर्था अर्थ वर्षे मुत्र हो स्वारा की राष्ट्र वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । अक्र (क्रम) के मेरा क्षेत्रकार ता यह तह देन में मेरी है में मेर मेर के कार्या कर में (ब्रियाब्य) रहासुया द्वाओर वयकार या ब्री द्याय सिटा सहित साथा कृता वात सेटा दु अत्तर यवना हरना प्रभाराम है। थर मेर यम अमर्थाया मार्थम्या हर एम्प्री रथतः करकारितः हात्रः हुः भराभर मन्त्रवेदः। ते तत्रवादीयाची तस्तर् रथता रथतायरक्षिणः अर्दर या राम. कुर कियाता ता प्राचा व्याहा विम्ही या शहर तम रहा संवर हा ही प्रवेश जारीर हिर्चन, कुरविशक्त विवर्धन हर दी प्रम्पना वर्षे । वर्ष स्थान हर दी । अक्ष्यंत्रम् राष्ट्रवरा देवलारक्ष्यः हर्ष्ट्राक्ष्याम् वान्ववाराद्यवान्त्रियादरः। याश्चर द्वार् की ता ता हिया यह (परा) थर हुया रहेर हो हैर या हिट होर । अधर ही तक्षाहित मु.र हैंग्यातयालयाक्त्रीरतराधः केंद्र देवायवाद्वः प्रयामायानी द्रवाता रासायर भेटा रेर रहाए शर्माया रहियाना हरमा हेना ता सम्मिन वह ता ता मान सेंड.वंश.एरवा.श्री प्रदेशसींश्राच्यें तेंधु सर्चे अव्यवस्था रूडमा 1) ट्रिंग रे. खुवा व, क्षेत्रका क्षेत्र का कर हैं का वा मूर वा रूट हो , तसर रे मिवरा मूर्वा, (स्वा) राम दिवाम रू.वर् त्रं र माट हिट्डूटा सेवाम र्यं हैट र वा मार्चे राम्ने महिट मृश्रुक्षा राम्यान्त्रेयाहरः। त्रेर्भार्ट्याद्वरः वाक्रियाहरः केवरमः श्रीय यार्टरा से से अवाया वाह्या त्या से र पति से से से से से दिला की। क्षियाहे से हैं। किया श्रीय वर्षेद्वा अपतः मेंद्र यह श्री किर्दा श्री हैं में के लेक

वियाभाष्ट्र । १९९८ अदः यति ५ केतानु क्रादाना था मुक्तानु । क्रीनु १९८५ सुदः तत्त्वस्यास्य । व। यिगद्यम्य केतावातास्य होता । विश्वस्थित्यका सेव क्वांवस। । विभिन्नित श्चरात्रीया चरमा भेर दर। । हे वर्षेता तो श्वरात्रीया (के) चरमा खेर है। । विराधिया नेवा इसक्त्रा हो हर ता । दे हर वद्यायाय वाल्य व्या । वितर व्यवसार व्यवसार न्द। विद्युवानाम्यक्षेत्रियाः (क्षेत्रकाराःता)। विद्युर्यः (१यदःयः)वरुतः वर्षः (वर्षः) र्वेश्वा । श्रीतिवारायवायी निरम्पाता । धरियम् १ द्वारायेश दयः देर खर्यमानामुखरा । त्रवायिन पर्रे त्याववृत्यव । व्यकार्यम् और र प्यामिया हरे। । दे देर के राक्षेत्रवेद हारा। । वादत्रकी तर्वे विद्या तर्वा विद्या "थरः। दिवलभ्रास्वालद्वराभवेष्ट्र। । एह्भ्रिश्चरक्षेत्र। । एह्भ्रिश्चरक्षेत्र। अब् प्रदेश तीया हैया हैया हैया । प्राप्त हैया प्राप्त । प्राप्त हैया येत्रयान्त्वरात्राय्यायाया । नेराव्यवयाति विद्वर्ते । रोक्षयर्गन्दरं लियः चेवा वे महिंदा हा दे हुए 320134312021 || वार बेर वहवारा क्षेत्र विरवासया स्वाता देवा त्या त्या हिता है है देर.धंडल.ग्रा ग ऑयार्ड योदन्त्र गर्यो। श्री त्येशया नवश्र हते (नवअह त्रेअडुववश्र त्ये । । रतार य रत्य कर रहे त्यार यह त्या रवा तर्विकारा या सर हित वर हेते अरुव वरात्वाची । स्टर्न्य के साव विकास्त्रात स्व। क्षेत्रा एष्ट्राया मेरी अद्भवेश एष्ट्र। १८ स्वित्य स्ति देश होते हो स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्व नेयाव। विद्वास्त्रिक्ट्यावेकाकी राज्यक्ष्यकार्त्र विष्टाद्वाद्वाद्वाद्वात्व । वि श्चीराअवारात्यायर द्वावया अवाराववात्त्र हेर् वरावदुराता द्ववायर विवा बुटःदयाः वरित्र । द्वान्वटः करः गरित्वरः वरुदः त। तित्र दः ववा ख्रद्देवः यावरः ता हुटा क्रियाश्राच्यानिय वर्षा आर. हेर्जा डि.सी. यूम्लय. सुव अया मेर्या किर. श्रीरारमुकाराम्यासायाया । दयतं वे संदेशके विषय रखन्या । श्रीराद्राम् दुद्व लबितान्त्र (बीटारमारानदुर्वन हैं लखितान्त्र) विवानिकिक् वर है। विवादिकिता द्वारव्याः व्या । द्वर वास्त्रा वृद्धां वर्ष । देवववारे । विवयवारा विविद्धारा विव रमुन'मारुभके के भार्यर ति मुर्दे मार्थर। । तक मेर् सुने मार्थर मेर् स्थर मेर्थर रुक्रियाध्यम् विमल्खम् इत्यरत्व्य या भेरा दिन्देर के अति तर्वा नराया हीं दर्ग अंदर्भ १ वर्ग । अग्राह, जग्राह अर्थ रेजिंदा । रेक्स (सुर्) र्थ केंध्रवायका अ त्र्युय खर् । मतार्चिति दम्तार्विदेदेशकेर। । को अअक्रमकेके वाता । दममाध्यका ब्रेस्कि:र्रेस्स्य (र्र्स्यर)र् । इत्वयात्वीवरायः र्वाःताववर। विव्ववित्र स् सं एड्राड्र । इ.जेबाब्र्यात्व्राक्षात्यः पानक्ष्यः । या.क्ष्यः द्विवराद्व्यवात् । श्चीटातात्वहुवः (वु: चेरवं) र्षात्वश्चर। ।र्श्ववश्चराष्ट्रिये सर्वा तावश्चर। विस्थानाः

म्मान निर्देशका निर्देश विद्या हरा है। विद्या करा हिरा है। विद्या करा है। विद्या करा है। हर्। में ग्रथाया (वन्त्रेग्रथाया) यर व्यापन प्रता । त्र्रिर या यर वा मिंगा मेर देन्द्रः शे. अद्यवहुन् नदाय। । दर्भाते त्यारा हो नेदरे । द्यत् दर्भे दर्भे अर्थेट दे। ध्रीटार्या र दिवां अध्रेहेंदाताते। विश्वेरदम्य पाक्षरायाया । विराम्धिरक्षि पायाव्या विराजिय । रशकर्ष्ट तार्वराद्वाक्षर। । अर्वर रख्ना हा। रथायावा र्'त्य क्षित्रं हें हा (रयत्य र अवद सुत्रं र ) नुरा नुरानुद्र अर्थ टरा राजा केने अरा किर किर हा किरियर सेने नुरानी कर परी पा मुद्धरकी अर्थ (वहुंब) देर स्वामित क्वा मन् कि सहरहरा विश्व सवा मर् सेट हिंची क्रियाय द्रा तिथा क्रियं देशर (क्रियं अरा प्रवासां व्यादा ) नियं त्रायं हे त्राया क्रियं व्याद्र देश अर्थे तिवासां हिन्देरहे हैं हैं विद्यान स्वर्थ कितक्राउन सेवा स्वाराह वार्मर सं(क्ष)वार्षण वर्ष्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः できたいは、はいいはいないのは、 できるとは、 はいないはいはいいないない हुन संक्रायम् । वर्ष्यं १८ हुन संगिरियां संक्रियां में क्रियां महिला प्रमाण प्राप्त । वर्षे संगिर्ध सं स्रां राज्या देशवा वन्तरवरा हिट थाया वार्व विद्या है तर्वा स्र र है वा स्वान है। ये कर नथा हि. मेर दे आर में बहुवा (मेंहिना) मड्रव यति खाम हरे देहे शास के वारमत (मृष्टिय) एहेंब्र मध्येष्टित सेर अहर। इट लाग्न में के प्रमेंब्र मेंब्र मेंब्र मेंबर हैं ते हैंदा के प्रतास्त्र मार्थिया के सार नित्ति के के के त्या के के त्या के चम्यस्त्रे में र्नु सम्बद्धार्यात्र्या ने र तयरमा हेर्याते रमात्रे सम्बद्धा हिता सक्ष्यां में र ने उर्धार्के केर के मार्च ने वर्षे केर केर मार्च स्थान समान समान समान केर मार्च केर मार्च केर केर केर केर केर केर द्वीर द्यार यत हेव विवर्शया नामरायर हार द्वावयर रहा हिर के द्यार क्या व मासुरा क्रिम्य एड्रिस्ट वार्श्य मानु एड्स्य दरः। ये म्या वार्श्य द्रात तामाने वारा द्राया श्री संस्कृ रा मियावशा मिया हिर चारीया (यह) हो श व. रह. रहाया चार्चवशा रहा। रेथा (रे.) चारीया बी रवाया रहाव रहा रविभाश्चिता हा श्रेरान्ड भार्ची मार्चे विभाश्चित हो या प्राप्त मित्र हिम् सर्वायाना हैं वर की तक्षाया मुस्ता ता केंग रार है वर वार्या या सर्वेट हैं दे हैं दे हैं र दे गर्र हैं किये। स्वरा। ब्रिट्सिंगःदैर्वाद्विणःद्वटक्तिः व्याव्यक्तिः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः

रवाक्या वर्षेत्र वादाना की बाद्धा अवश्ववद्वा की ल्या देशा रहा।

2 संभा

बुरा(बु) वार्युदार्कर, विक्रीर कु. ता. प्राप्त मार्थरा। तीया प्राप्त का क्रांत्र का वार्या निया का की मुक्तराहरा र्रायायास्त्रिवर्त्तीः मुक्तराम् हरामा मुम्लाहरा र्रा मुक्तरास्त्रीय ही गर्य प्रकेश सिर वर्षेत्र की रेग्य स्थापर्रा व्याप्त अर्थे अर्थ प्रवेश रहाव्यकृत इसराक्षियामम्बर्गेनारा वर्षा वस्ता वर्षा वस्ता वर्षे वर्षा वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्त बुद्रा पह्सिबीदाप्रश्चिमणाद्रातार्प्तस्य प्रमाद्राता महाप्तद्रिता व्यापाता (त्ना रहेक्टल्ला)र्यवशानहर्त्तेशक्षायरमायनुतावक्षेत्रायसम्बद्धार् नेर्सूर्यम्बर (इंग्रेक्ट्र) जनातर्थायाः स्वर्यहीरान्ता स्टेर्हेता र्वाहरी ४० अहारि श्चित्रेर (अह) यारहा र्मर्गम्य राष्ट्र प्रवस्ते विवस्ति देवारी देवार प्रवस्त हीर अध्यक्त ता गार्थित कर मन्या श्रायं स्टा हो संस्थार स्टा होत् निर वल्यारास्या ।देरितेवस्याय बुदा त्राचा देवा वी व ए हो दादा त्राचा द्रस्या स्राह्म विदा द्यतः वर्द्शीरितः सून् अर्टः । अत्यन्त्रस्य स्ति वर्षास्य स्ति वर्षास्य स्ति। यनअसमें श्रीर्यते श्रुपेय रकारविते व्यहरमा अर्वेश्यते सुन्भा रयतविते त्याक्ष वाह्यायाय्यमार्ट्य विवासम्बर्धियात्रम् विवासम्बर्धियात् के क्षेत्रं विवासम्बर्धिया मध्यार् र्यासा (वर्षेसा) निरा क्रियारा या राज्यारा अवार्या राज्यारा अवार्या है। स्मा सम स्वितित्तर् क्रियं विवास्त्र । प्रियं त्या मेला ये वास्त्र क्रियं क्रियं विवास सेशरी द्या करा राजा वा दिद राष्ट्र से हैं। यह है राजा वारा रात है तर्व सहित्य है। वारः वावटः। वार्शः होवा खरहे अरदयारः वहुर् छै वारास्य वहुव द्वारेषवात वहुरह्में लावे. एकुट केंग्राम्य (वर्ष्य) र जा भट यह वरवरवहेंगा -न रेशाम्य का (रिश्राम्य) मिन्नेया ब्रीन्नेश्वानिय भिन्ने व वर्षाति ही रहेति वावर सु (६) ह्य नहिट ही रह्य वर्ष्ट आवासीय होंवी मिल हैं वा शक्ते दा वश्वाकी के ता यह देह हैं अर यह ने सा से वा रह वडराहिए राकुर्या राज्यात्रवाष्ट्रभया यात्रमः तत्र्यात्रक्षेत्रम् विषयात्रे विषयात्रम् विषयात्रम् विषयात्र क्ष्याः मान्यवतः वावसासुः व्यद्धटः स्वारव्याः मान्याः ताः वाहतः देशः व्यवः द्वाः व्याः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः स्थात्य स्थान व्यवस्थात्य स्थान स्था स्थान स्था ट्टक्रिंग लया अअक्रिंग यथाय रहें ये असार हिरा त्या हिरा क्रिंग है वा हि ब्रिंग राधुअवर। क्रि.ज.सेंब्रा,रब्रद्र, हैंचा किता अक्षरंद्रा हैंद्री क्रि. की परिहे से र जियह यह कि ले। ZG12.12] सिवराअक्य अरमक्र में वे दा दर। विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य विराद्य

एसवारा नपुरेया अर्ध्या विश मात्रा अक्या है वर अक्या भाषक्या

१ मुद्रः। वर्षायभ्याश्चिर्द्रना सद्द्रभा । कृत्यस्य स्वास्य द्वास्य स्व त्वास्य दिवास । द्वास्य स्व म्न्सं एर्ने द्र्या । द्वारामा माम्यामा माम्यामा माम्यामा । व्यापाना । व्यापा क्र. च.क्र. च.पर. परंता । प्रदर्शक्रिंद क्षि. प्रांतवेश व्रे (व्यवव्रे वर्ग । पर्दे प्रांतरिहर स. रूव (तह्या ता वितासित (विते) रोधारित मा प्रदेश रहा । रागर वदानिवा कि ही यक्षात्रियात । विद्यातिकानिकानिकानिकार्यात्रियाः इर'यह लाधिया वार दिशारेता । अकें (कें) केबहीर विश्व (कें) रहाहुर रेता । तह्याहीर र्यव रेंदर्क ति नवर्दा विवयवत्व वह्य देश्य द्रा वर्षे भवा वर्द्ध स्व द्भवार्यात्वाता वीवरामा विश्वति ही द्यां हा। वर्द्धत्र विश्वति विश्वति विश्वति विश्वति विश्वति विश्वति विश्वति वलक्ष्य में हराया महाता तिया । के वा के दहित वावरा खालहुका । के वा के वह दा पर तहुका श्री देश हैं दारादा तरी केंद्र आदारेका तम्मायदार केंद्र हैं। वादिश हैं ता दारे ति सार्थ हैं। वार्डिय । इ.र. हरे : इत्र हरे हरे दे दे दे दे दे हैं । इत्र विद्यार्थिया । ट्रवारुवा हरलं ररके सेटर् हैंवा हरकेत्र कररवात्र केंग्यत दुवा श्र ह्यारायंत्र रहि हार हे रार्यर राय्य विकास हिराय हुन रिका (ल्या महत्य) वरायश्रायवन । स्वयाद्याद्व स्वेगरायश्रिय विकारायश्रीय । वराव यववायरीयाववायम्य । इ.व.इर्य रव.व.द्री । व.रर.तावायपाइसायरीया अयादरमा के त्रात्र प्रायम् द्वाराष्ट्र । रि.रि.) या के र हिरे का वरा सार देवा । ता विवा लियिने के दम् तर मन्ते दमर महिला हिला है। विकास तम ता हिर्अद्धेवशक्षेत्रद्वाया । यदुर्वित्रय्यात्वहर्ष्ट्राय्याः । य्ववतः रास्त्रा वित्र श्रास्त्र कृत्य वित्र त्या वित्र त्या वित्र व केंद्रात्रात्में केंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्रात्म हेंद्र रे.क. धररेश प्रमाण्याचा । अवः रावरं ताराक्ष्याचा । वाह्यवा ह्या साम् राष्ट्रिया अद्भाः हराया हर्। व्रिंतः व्याप्तरहरा व्याप्तरहरा वर्षा दर्गा स्रिया स्रिया वर्षा वर्षा दर्गा मालु। विकेशयाताथवरायरिद्रा । तर्वा वर्डमालावर्त्र रथाथेव। । रथव के

म्रूडावराविकाराराध्यः विवीत्वरीवादरं तावम्रद्राताविव विद्यम्भाषाव्य

नते हैं। दर त्यां ह्या हिता था थे। विक्या (विह्या) वायुर क्षेत्र विद्या दिया। यथाकुन, मेंद्रत्यं द्याराश्चेत् । भे अध्युम्मियानु स्वरूप्त्यो राह्ये । यद्वरे रहा १ वर्षा १ वर्षा १ वर्षा १ वर पहुंगाराश्रेत्र । ह्यापुरे त्रवाल्यायरिका । द्वाकारे द्वावहर्या । त्राका क्ष्यार्रत्यवेतावादेव। विदुर्श्चवास्यावशु (ह्य) छ वरातदेव। सिक्षक्याद्यवातातादे सेर. च बिराला रिव्राप्त वरा वटन केट किंग वर्षे ए (सूर्वे) । प्राथमा वर्ष प्राप्त र न रेट मैं याया-चेचा (रड्म बेर सूज) । उर्भ (बु द्व द केव) वन् रें मेर् राष्ट्रे हैं दे दे रहे ते रहे ते रहे ते रहे ते रहे हैं रहे व या से राहे । यम वहरे क्रिप्ट्रिंग क्रिन् अर् जिया ही दा ता ही तो ना ना ना ना र वा ता ता ता है है। में ता पहेंगा म्वराष्ट्रम्म् भाष्यात्रम् विवाधियावर्ष्यात्रम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् शर् नार्यरत। १ वर्दर मुंब लाव रक्टर मुंब रे लह मिट्यें हैं ए खें वा नेर (वर्ष्ट्रर)यतं वर्षः वर्षेत्रं यर्षेत्रं यर्षेत्रं र्वश्राह्मराम् मवानात्वाहिरदाहरायायात्राराह्मवा सार्वास्या あるととからなるとうなるいいではいくのがらしてはていて、(で)」 न्वविः भर्ने हिर्धः मुक्तरार्वास्ता वर्ते रमति सुर्ने दे वर्षे राष्ट्र स्टिहर रिवस वरः न्द्रकेट) न न्य हैं के विभवन्त्र वा न्य निया वा निया व या शहासी त्या में पूरा कर मुखे मुखे पार्टर रावरा पह से में पर्वश्रा गर्के अन्तर्भा होता होता मुझलेर हे से सामेरा मुं तरमुं मुं ता भुं ना स्था। । सार्टा अवतः तर्वे दयते वारा। । यक्त रहे दहन मुंदर क्रम्या रिक्रा राक्र. हा वर्षेत्रेश्वारदा विस् क्रि. देर क्रम्य क्रिम क्रि. वर्षे । व्रित्रः मूर्यस्याभन्नेन वर्षे देवस्यम्। निवामे र्यार्थर मूर्वर हो। वर्ष्य कि हे। इस्थान्या वित्रान्यत्या के नयुरस्ति के नयुरस्ति के नय कि नय कि नय के निर्माण के नय कि नय कि नय कि नय कि नय कि हीटा विरेक्त हर रिले द्रान्य है । अक्षेत्रक द्रश्य द्रा हर हर हता वित्र केत हुन न्द्रि. इ. १३०। । मी (यी.) कुन मिता (मिता) याचा नार्ट्र । व. कुन मिता कुन रहाए मेर । कि. वी दुरायवानन। यानवेशानावशातरमानाभराम्ये । हिवासन्यवाशस्वार्यवाशः सर-पूर्व । स.चड्ड्य.वीट.र्भश्च्याकी. स्रेव। विराह (इन्ह्र)र्भर.सर.हिट.स्रेटलियामा म्मेर् द्रात्र विस्ति । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वर्षे वर्ष द्याः स्मान्यत्यम्। । अ स्वानः स्मान्यः यत्यः वर्षाः । वर्ष्याः वर्षाः वर्षः वर्षः । वर्षः स्वानः वर्षः वर्षः व

315

ह्वव ड्रिंडिंग माने के किया माने किया मान गुर्मेश्विद्र (मकेर्) हार्टर विश्वेकर ने विश्वेकर ने विश्वेकर में विश् हिर्तर अवाधवाया अवे वह ब्रिटा । राहल क्रिय प्रवेश राद्य प्रमहिर् । रहाह क्रिय 美元·エス·発えて、 | エニ・よるが、エス・高く、いくがなるという。 | 石工、かと、日子、いて、から、日子、 वा हवा दुर्दर वतः व ग्रान्वेशान्वव । ह्यार द्रात्यदुर्द्धवातर् वार्चवाशः (वर्षवा) तर्द्रः । वाडेशासुवास्त्रास्थ्यर्भन्यर्भः चुक्काका हिनास्यास्य । विराधार (र्वेश) तारक्षेत्रवार् । यह यह तार कि मेरे दे त्या के विद्वे के वार ते विद्वे के विद कर्या के स्वाप (के स्वा के कर) रहर हैला (के) तर्व र्वार्यका । के लग्ने के स्वार्य विश्व के स्वार्य विश्व के स्वार्य विश्व के स्वार्य के स्वार्य विश्व के स्वार्य के स वरिवर्षित्रानेत्रानेता । यावाविवरः वरित्रहराष्ट्ररे । वहवाविद्याता तर्या सुनेत्र स्वारायम्बर्गा ह्वा अह्व (देवा रहेव) क्वारा चु केवा राष्ट्र हिन राष्ट्र हिन रवे विश्व 「子でくる」」をある、多句、多人の正知、(心里的)になっているが、なり、からいるので あるとのない。 しょうというない (手がな) ある。からは、「は、まれるいばるとは、 न्वरान्त्व विमात्रहानाथार दुष्ट्रवा या रहा । रहा यहि हिला (सहिला मरसहेला है) क्रिंग नेवं रादर । विरवि ते ते विष्य क्रिया के विषय ते विषय । न्त्व । विर्ध्यात्रहरा विद्यारा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विद्या विद्य राश्चारत्व) हि.चल्डक्ट्जर्चर्यं स्ट्रां है। हिन्द्रतान् हेन्यार्ट्य अस्ट्र न्त्र विराधना ता त्रवे (रुवव) श्री श्री केटारां विराधन (श्री स्टार्स्ट रिमाधन) केटाराने विराधन विराध याक्षी विद्यां सद्याय द्वरमारं वाश्वयं (वर्श्वयं) यम्त्व विद्याति न। हिलर्रधीरविषेत्रत्याच्या त्रह्याहास्य वर्षा । यद्वितः राष्ट्रवित्रं अवता विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य । विद्यान्य विद्यान्य । र्म हैं रम्ब्राला वाराता हैया वर्षायम्य । वरिष्ठे वर्षायम्। न्वेच । तर्मना के वर्षे ने तर्म ही रचल हैर तर्म हैर रचल हैर र रन् व्याप्तर मिलायर निवा । देवो व्यापाकिता कुरा वहावर यहा । त्वा व्यापाकिता

चित्रारा श्रेवा तत्र हित । में में बदेल हैं त्यारक हराया । भेर्य यह स्थित म्यानियाचाधारक्षास्य स्वराष्ट्रं । याष्ट्रभा । द्वाराष्ट्रिय स्वरास्य स्वराप्ति । क्रियाचिर म्यानिक विकालका विकालका मित्रा विकालका स्विभा । दयना भेरवर द्वरायावे गुन । हिन केने द्वरा रूप विश्व राप सम् ह्म भर द्विवाल तर थर विवाल विद्वाल विद्वेश (वार्व) हैं विविधारित वर्गित्री र्विया दुरा, वर्ग-सुरा, कु. वरिंद. ए वीर. स्यार अस्य क्षेत्रात क्षेत्रका क्षेत हिंद्र) रशुरे वरा ता तार्य स हिंद्र हैटा हिंद हीट तर हुन ता रहे देवता देते अरंद्रधल १६६ इस्रा सर सर की का लेक हा रह बर ला की की है। मुलायंकेव यंत्रे देशिलार वरा वर्ड्यमु कावर रोर सुवा मुवा केर सुर होर (सुर धारी) र्टा इस्राधकेवारित्टाक्रा प्रसाधिर प्रसाधिर म्ल्यां त्राहर तयहरा दूर वर्गाया सद्र में कु यं माव्यायम् व कियां स्थायाय <u> दवातवरे (यदस श्रुंद रेट वावरा र्या)</u> प्रह्मा श्री द्रा न्या स्ति (य म्या) द्या द्रा स्तर (तर्या स्ति । निर्मेश। अस्त्रम् तमा त्रेर्ध्य के ति हिन्द्र

भुभ्रत्मा चर्रियः प्रविद्यात् २००२ वटः स्रवः प्राश्च अक्ष्रः चर्षे वर्षे वर्

. • •

"A book that is shut is but a block"

RCHAEOLOGIC

GOVT. OF INDIA
Department of Archaeology
NEW DELHI.

Please help us to keep the book clean and moving.

8. 8., 148. N. DELHI